सुसमाचार आ
प्रेरित सभक काज

विषयवस्तु तालिका

मत्ती के सुसमाचार 1

मरकुस के सुसमाचार 27

लूका के सुसमाचार 43

यूहन्ना के सुसमाचार 70

प्रेरितों के कार्य 91

मैथ्यू

अध्याय 1

1 अब्राहमक पुत्र दाऊदक पुत्र यीशु मसीहक पीढ़ीक पुस्तक।
2 अब्राहम इसहाक सँ जनमलनि। इसहाकक जन्म याकूब
भेलनि। याकूबक जन्म यहूदा आ ओकर भाय सभ सँ भेलनि।
3 यहूदा थामारक फारेस आ जराक जनमलनि। फारेसक जन्म
एस्रोम भेलनि। एस्रोम सँ अरामक जन्म भेलनि।
4 अरामक जनम अमीनादब भेलनि। अमीनादब सँ नासोन
भेलनि। नास्सोन सँ सामन भेल।
5 सल्मोन कैँ राकाबक बूज भेलनि। बूजक जन्म रूथक ओबेद
भेलनि। ओबेदक जेसी भेलनि।
6 येसी राजा दाऊदक जनमलनि। राजा दाऊद उरियासक पत्नी
मे सँ सुलेमानक जन्म देलनि।
7 सुलेमानक रोबोआमक जन्म भेलनि। रोबोआम सँ अबियाक
जन्म भेलनि। आ अबिया सँ आसाक जन्म भेलनि।
8 आसा सँ योसाफातक जन्म भेलनि। योशाफातक योरामक जन्म
भेलनि। योरामक जन्म ओजियास भेलनि।
9 ओजियास सँ योआथमक जन्म भेलनि। योआथम सँ अकाजक
जन्म भेलनि। आखाजक जन्म इजकियाहक भेलनि।
10 इजकियाहक जनम मनश सँ भेलनि। मनस्से सँ अमोन
भेलनि। आमोन सँ योशियाहक जन्म भेलनि।
11 ओहि समय मे योशियाह यकोनिया आ ओकर भाय सभ कैँ
जनमलनि।
12 हुनका सभ कैँ बाबुल पहुँचलाक बाद यकोनियाक सलाथिएल
भेलनि। सलाथिएल सँ जरोबाबेलक जन्म भेलनि।
13 जरोबाबेलक अबीउदक जन्म भेलनि। अबीउदक जन्म
एलियाकीम भेलनि। एलियाकीम सँ असोरक जन्म भेलनि।
14 अजोर सँ सादोकक जन्म भेलनि। सदोक सँ अकीम भेलनि।
अकीम सँ एलीउदक जन्म भेलनि।
15 एलीयुदक जन्म एलियाजर भेलनि। एलियाजरक जन्म मथन
भेलनि। मत्तन सँ याकूबक जन्म भेलनि।
16 याकूब सँ मरियमक पति यूसुफक जन्म भेलनि, जिनका सँ
यीशुक जन्म भेलनि, जकरा मसीह कहल जाइत छनि।
17 अब्राहम सँ लऽ कऽ दाऊद धरि चौदह पीढ़ी अछि। दाऊद सँ
ल' क' बेबिलोन मे ल' जेबा धरि चौदह पीढ़ी अछि। बाबुल मे लऽ
गेलाक बाद सँ मसीह धरि चौदह पीढ़ी अछि।
18 यीशु मसीहक जन्म एहि तरहेँ भेलनि, जखन हुनकर माय
मरियमक विवाह यूसुफ सँ भेल छलनि, तखन ओ पवित्र आत्मा
सँ गर्भवती पाबि गेलीह।
19 तखन ओकर पति यूसुफ धर्मी लोक रहबाक कारणेँ ओकरा
सार्वजनिक रूपेँ देखय लेल तैयार नहि छल।
20 जखन ओ एहि बात सभ पर सोचैत काल प्रभुक स् वर्गदूत
स्वप्न मे हुनका प्रगट भऽ कऽ कहलथिन, "हे दाऊदक पुत्र यूसुफ,
अपन पत्नी मरियम कैँ अपना लग लऽ कऽ नहि डेराउ, किएक तँ
हुनका मे जे गर्भवती भेल अछि से अछि।" पवित्र आत्मा के।
21 ओ एकटा पुत्रक जन्म देतीह आ अहाँ ओकर नाम यीशु राखि
देबनि, किएक तँ ओ अपन लोक कैँ पाप सँ बचाओत।
22 ई सभ बात एहि लेल भेल जे प्रभु परमेश् वरक प्रवक् ता द्वारा
कहल गेल बात पूरा भऽ जाय।
23 देखू, कुमारि कन्या गर्भवती भऽ कऽ एकटा बेटा पैदा करत
आ ओकर नाम इमान्युएल राखत, जकर अर्थ अछि जे, "हमरा
सभक संग परमेश् वर"।
24 तखन यूसुफ नींद सँ उठि कऽ प्रभुक स् वर्गदूतक आज्ञाक
अनुसार काज कयलनि आ अपन स् त्री कैँ अपना लग ल' लेलनि।
25 जाबत धरि ओ अपन जेठ पुत्र कैँ नहि जन्म लेत ता धरि
ओकरा नहि चिन्हलनि।

अध्याय 2

1 राजा हेरोदेसक समय मे जखन यीशु यहूदियाक बेतलेहेम मे
जनमल छलाह, तखन पूब दिस सँ बुद्धिमान लोक यरूशलेम
आबि गेलाह।
2 ओ कहलथिन, "यहूदी सभक राजा कतय अछि?" हम सभ
हुनकर तारा पूब दिस देखि कऽ हुनकर आराधना करऽ आयल
छी।
3 राजा हेरोदेस एहि बात सभ कैँ सुनि कऽ हुनका संग समस्त
यरूशलेम घबरा गेलाह।
4 ओ लोक सभक सभ मुख्य पुरोहित आ धर्म-शिक्षक सभ कैँ
एक ठाम जमा कऽ कऽ हुनका सभ सँ पूछलथिन जे मसीहक
जन्म कतऽ हेबाक चाही।
5 ओ सभ हुनका कहलथिन, "यहूदियाक बेतलेहेम मे।
6 अहाँ यहूदा देशक बेतलेहेम, यहूदाक मुखिया सभ मे सबसँ
छोट नहि छी, किएक तँ अहाँ मे सँ एकटा राज्यपाल निकलत जे
हमर प्रजा इस्राएलक शासन करत।
7 तखन हेरोदेस गुप्त रूपेँ ज्ञानी सभ कैँ बजा कऽ हुनका सभ सँ
नीक जकाँ पुछलथिन जे तारा कोन समय मे आयल अछि।
8 ओ ओकरा सभ कैँ बेतलेहेम पठा कऽ कहलथिन, "जाउ आ
ओहि छोट बच्चा कैँ पूरा ताकब। जखन अहाँ सभ हुनका पाबि
लेब तखन हमरा फेर सँ खबरि दिअ जे हमहूँ आबि कऽ हुनकर
आराधना करी।"
9 राजाक बात सुनि ओ सभ विदा भऽ गेलाह। पूब दिस
देखनिहार तारा हुनका सभक आगू बढ़ि गेल जाबत धरि ओ ओहि
ठाम आबि कऽ ठाढ़ भऽ गेल जतय छोट बच्चा छल।
10 ओ सभ तारा देखि ओ सभ बहुत हर्षित भऽ गेलाह।
11 घर मे पहुँचला पर ओ सभ ओहि बच्चा कैँ ओकर माय
मरियमक संग देखि कऽ खसि पड़लाह आ ओकर आराधना
कयलनि। सोना, लोबान आ गंधक।
12 परमेश् वर सपना मे चेताओल गेलाह जे ओ सभ हेरोदेस लग
नहि घुरि जाय, तखन ओ सभ दोसर रस्ता मे अपन देश दिस विदा
भऽ गेलाह।
13 ओ सभ विदा भेला पर प्रभुक स् वर्गदूत स्वप्न मे यूसुफ कैँ
प्रगट भऽ कऽ कहलथिन, "उठि कऽ छोट बच्चा आ ओकर माय
कैँ लऽ कऽ मिस्र देश मे भागि जाउ, आ जाबत हम अहाँ कैँ
खबरि नहि दऽ देब ताबत धरि ओतहि रहू।" हेरोदेस छोट बच्चा
के खोजत जे ओकरा नष्ट करय।
14 ओ उठला पर राति मे छोट बच्चा आ ओकर माय कैँ लऽ कऽ
मिस्र दिस विदा भेलाह।
15 ओ हेरोदेसक मृत्यु धरि ओतहि रहलाह, जाहि सँ ई बात पूरा
भऽ जाय जे प्रभु परमेश् वरक प्रवक् ता द्वारा कहल गेल छलनि
जे, "हम अपन बेटा कैँ मिस्र देश सँ बजौने छी।"
16 तखन हेरोदेस जखन देखि जे बुद्धिमान सभक उपहास कयल
जा रहल अछि, तखन ओ बहुत क्रोधित भऽ गेलाह आ बेतलेहेम
आ ओकर समस्त प्रान्त मे दू वर्ष आ ओहि सँ कम उम्रक सभ

बच्चा सभ केँ मारि देलनि जे समय ओ बुद्धिमान लोकनि सँ लगन सँ पूछने छलाह |
17 तखन जेरेमी भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल बात पूरा भेल।
18 राम मे एकटा आवाज सुनल गेल, विलाप, कानब आ बहुत शोक, राहेल अपन बच्चा सभक लेल कानैत छल, मुदा ओकरा सभ केँ सान्त्वना नहि भेटय चाहैत छल, किएक तँ ओ सभ नहि अछि।
19 जखन हेरोदेस मरि गेलाह तँ देखैत छी जे मिस्र मे प्रभुक स् वर्गदूत यूसुफ केँ सपना मे देखाओल गेलाह।
20 ओ कहैत छथि, "उठू आ छोट बच्चा आ ओकर माय केँ लऽ कऽ इस्राएल देश जाउ, किएक तँ ओ सभ मरि गेल अछि जे छोट बच्चाक जान चाहने छल।"
21 ओ उठि कऽ छोट बच्चा आ ओकर माय केँ लऽ कऽ इस्राएल देश मे आबि गेलाह।
22 मुदा जखन ओ ई सुनि जे अर्चेलास यहूदिया मे अपन पिता हेरोदेसक कोठली मे राज करैत छथि, तखन ओ ओतय जेबा मे डरा गेलाह।
23 ओ नासरत नामक नगर मे आबि कऽ रहि गेलाह, जाहि सँ ई बात पूरा भऽ जाय जे प्रवक् ता सभ द्वारा कहल गेल छल, "ओ नासरत कहल जायत।"

अध्याय 3

1 ओहि समय मे यूहन् ना बपतिस् मा देनिहार यहूदिया प्रदेश मे प्रचार करैत छलाह।
2 ओ कहलनि, "अहाँ सभ पश्चाताप करू, किएक तँ स् वर्गक राज् य लग आबि गेल अछि।"
3 यशायाह प्रवक् ता द्वारा ई कहल गेल छलनि जे, "मरुभूमि मे एक गोटेक आवाज जे, "प्रभुक बाट तैयार करू, हुनकर बाट सोझ करू।"
4 ओ यूहन् ना ऊँटक केशक वस्त्र आ कमर मे चमड़ाक पट्टी पहिरने छलाह। ओकर मांस टिड्डी आ जंगली मधु छलैक।
5 तखन यरूशलेम आ समस्त यहूदिया आ यरदनक चारूकातक समस्त इलाका हुनका लग गेलाह।
6 ओ सभ अपन पाप केँ स्वीकार करैत यरदन मे हुनका द्वारा बपतिस् मा लेलनि।
7 मुदा जखन ओ बहुतो फरिसी आ सदुकी सभ केँ बपतिस् मा लेबय लेल अबैत देखि हुनका सभ केँ कहलथिन, "हे साँप सभक पीढ़ी, आगामी क्रोध सँ पलायन करबाक लेल के चेतौने अछि?"
8 तँ पश्चाताप करबाक लेल उचित फल पैदा करू।
9 अहाँ सभ मन मे ई नहि कहब जे, "हमरा सभक पिता अब्राहम छथि।"
10 आब गाछक जड़ि धरि कुल्हाड़ी राखि देल गेल अछि, तेँ जे गाछ नीक फल नहि दैत अछि, तकरा काटि कऽ आगि मे फेकि देल जाइत अछि।
11 हम अहाँ सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल पानि सँ बपतिस् मा दैत छी, मुदा जे हमरा पाछाँ आओत से हमरा सँ बेसी शक्तिशाली अछि, जकर जूता हम सहन करबाक योग्य नहि छी।
12 ओकर हाथ मे ओकर पंखा छैक, आ ओ अपन गहूम केँ गहूम मे जमा करत। मुदा ओ भूसा केँ अमिट आगि सँ जरा देत।
13 तखन यीशु गलील सँ यरदन नदी यूहन् ना लग अयलाह जे हुनका सँ बपतिस् मा लेबाक लेल।
14 मुदा यूहन् ना हुनका मना कऽ देलथिन, "हमरा अहाँ सँ बपतिस् मा लेबऽ पड़त आ की अहाँ हमरा लग आबि रहल छी?"
15 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " एखन एहन होबऽ दियौक। तखन हुनका कष्ट भोगि देलनि।
16 यीशु बपतिस् मा लेलनि तँ तुरन्त पानि मे सँ बाहर निकलि गेलाह आ देखलहुँ जे हुनका लेल आकाश खुजि गेलनि।
17 स् वर्ग सँ आवाज आयल जे, "ई हमर प्रिय पुत्र छथि, जिनका पर हम प्रसन्न छी।"

अध्याय 4

1 तखन यीशु केँ आत् मा द्वारा निर्जन मे लऽ गेल गेलनि जाहि सँ हुनका शैतानक परीक्षा मे पड़ि जाय।
2 चालीस दिन चालीस राति उपवास केलाक बाद ओ भूखल भऽ गेलाह।
3 जखन प्रलोभन देनिहार हुनका लग आबि गेलाह तँ कहलथिन, "अहाँ परमेश् वरक पुत्र छी तँ एहि पाथर सभ केँ रोटी बनेबाक आज्ञा दियौक।"
4 मुदा ओ उत्तर देलथिन, "धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, " मनुष् य मात्र रोटी सँ नहि, बल् कि परमेश् वरक मुँह सँ निकलय बला सभ बात सँ जीवित रहत।"
5 तखन शैतान ओकरा पवित्र नगर मे लऽ जा कऽ मन्दिरक एकटा शिखर पर बैसा दैत अछि।
6 ओ हुनका कहलथिन, "जँ अहाँ परमेश् वरक पुत्र छी तँ अपना केँ नीचाँ फेकि दिअ, किएक तँ लिखल अछि जे, 'ओ अहाँक विषय मे अपन स् वर्गदूत सभ केँ आज्ञा देथिन एकटा पाथरक विरुद्ध।
7 यीशु हुनका कहलथिन, " फिर सँ धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, "अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर केँ परख नहि करू।"
8 फेर शैतान ओकरा एकटा बहुत ऊँच पहाड़ पर लऽ जाइत छैक आ ओकरा संसारक सभ राज्य आ ओकर महिमा देखा दैत छैक।
9 ओ हुनका कहलथिन, "जँ अहाँ खसि कऽ हमर आराधना करब तँ हम अहाँ केँ ई सभटा चीज दऽ देब।"
10 तखन यीशु हुनका कहलथिन, " हे शैतान, एतय सँ हटि जाउ, किएक तँ धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, "अहाँ अपन प्रभु परमेश् वरक आराधना करू आ मात्र हुनकर सेवा करू।"
11 तखन शैतान हुनका छोड़ि कऽ चलि गेलाह आ देखू, स् वर्गदूत सभ आबि कऽ हुनकर सेवा कयलनि।
12 यीशु ई सुनि कऽ जे यूहन् ना जेल मे राखल गेल अछि, तखन ओ गलील विदा भेलाह।
13 नासरत छोड़ि कऽ ओ कफरनहूम मे रहि गेलाह जे समुद्रक कात मे अछि, जबूलोन आ नेफ्तलीमक सीमा मे।
14 जाहि सँ यशायाह प्रवक् ता द्वारा कहल गेल बात पूरा भऽ जाय।
15 जबूलोन आ नेफ्तलीम देश, समुद्रक बाट मे, यरदनक ओहि पार, गैर-यहूदी सभक गलील।
16 अन्हार मे बैसल लोक सभ बहुत इजोत देखलक। आ जे सभ मृत्युक क्षेत्र आ छाया मे बैसल छल, ओकरा लेल इजोत उगैत अछि।
17 तहिया सँ यीशु प्रचार करऽ लगलाह आ कहय लगलाह, " पश्चाताप करू, किएक तँ स् वर्गक राज् य लग आबि गेल अछि।"

18 यीशु गलील समुद्रक कात मे चलैत दूटा भाय कैँ देखलनि,
सिमोन नामक पत्रुस आ हुनकर भाय अन्ड्रियास समुद्र मे जाल
फेकि रहल छलाह।
19 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, “ हमर पाछाँ चलू, हम अहाँ
सभ कैँ मनुष् यक माछ मारय बला बना देब।”
20 ओ सभ तुरत अपन जाल छोड़ि हुनकर पाछाँ लागि गेलाह।
21 ओतय सँ आगू बढ़ैत ओ दूटा भाय कैँ देखलनि, जेबदीक पुत्र
याकूब आ हुनकर भाय यूहन् ना, अपन पिता जबदीक संग नाव मे
बैसल अपन जाल ठीक कऽ रहल छलाह। ओ हुनका सभ कैँ
बजौलनि।
22 ओ सभ तुरत नाव आ अपन पिता कैँ छोड़ि हुनकर पाछाँ-
पाछाँ चलि गेलाह।
23 यीशु पूरा गलील मे घुमि कऽ हुनका सभक सभाघर मे शिक्षा
दैत छलाह आ राज्यक सुसमाचार प्रचार करैत छलाह आ लोक
सभक बीच सभ तरहक बीमारी आ सभ तरहक रोग कैँ ठीक
करैत छलाह।
24 पूरा सीरिया मे हुनकर प्रसिद्धि बढ़ि गेलनि आ ओ सभ हुनका
लग सभटा बीमार लोक सभ कैँ अनलनि जे सभ तरहक रोग आ
यातना सँ ग्रसित छलाह, आ दुष् टात् मा सँ ग्रसित लोक सभ,
पागल आ पक्षाघात सँ पीड़ित लोक सभ कैँ हुनका लग अनलनि।
ओ ओकरा सभ कैँ ठीक कऽ देलक।
25 गलील, दकापोलिस, यरूशलेम, यहूदिया आ यरदन नदीक
ओहि पार सँ बहुत रास लोक हुनका पाछाँ-पाछाँ आबि रहल
छल।

अध्याय 5

1 लोक सभ कैँ देखि ओ एकटा पहाड़ पर चढ़ि गेलाह।
2 ओ मुँह खोलि कऽ हुनका सभ कैँ सिखबैत कहलथिन।
3 धन्य अछि जे आत् मा मे गरीब अछि, किएक तँ स् वर्गक राज्
य हुनका सभक अछि।
4 धन्य अछि जे शोक करैत अछि, किएक तँ ओकरा सभ कैँ
सान्त्वना भेटतैक।
5 धन्य अछि नम्र लोक, किएक तँ ओ सभ पृथ् वी पर
उत्तराधिकारी बनत।
6 धन्य छथि जे धार्मिकताक भूख-प्यास करैत छथि, किएक तँ ओ
सभ तृप्त भऽ जेताह।
7 धन्य छथि दयालु, किएक तँ हुनका सभ पर दया भेटतनि।
8 धन्य छथि जे शुद्ध हृदयक लोक सभ, किएक तँ ओ सभ
परमेश् वर कैँ देखताह।
9 धन्य अछि शान्ति करनिहार, किएक तँ ओ सभ परमेश् वरक
सन् तान कहल जायत।
10 धन्य अछि जे धार्मिकताक कारणेँ सताओल जाइत अछि,
किएक तँ स् वर्गक राज् य हुनका सभक अछि।
11 अहाँ सभ धन्य छी, जखन लोक अहाँ सभ कैँ निन्दा करत,
अहाँ सभ कैँ सताओत आ हमरा लेल अहाँ सभक विरुद्ध सभ
तरहक दुष् ट बात कहत।
12 आनन्दित होउ आ बहुत आनन्दित होउ, किएक तँ स् वर्ग मे
अहाँ सभक इनाम बहुत पैघ अछि, किएक तँ ओ सभ अहाँ सभ
सँ पहिने जे प्रवक् ता सभ छलाह, हुनका सभ कैँ एना सताबैत
रहलाह।
13 अहाँ सभ पृथ् वीक नून छी, मुदा जँ नूनक सुगंध खतम भऽ
गेल अछि तँ ओकरा कोन तरहेँ नून बनाओल जायत? तहिया सँ ई
कोनो काज मे नीक नहि, सिवाय बाहर फेकल जेबाक आ मनुष्
य सभक पएर मे दबाओल जेबाक।
14 अहाँ सभ संसारक इजोत छी। पहाड़ी पर बैसल शहर
नुकायल नहि जा सकैत अछि।
15 आ ने केओ दीया जरा कऽ कटाक नीचाँ नहि राखैत अछि,
बल् कि दीया पर राखि दैत अछि। घर मे रहनिहार सभ कैँ इजोत
दैत अछि।
16 अहाँ सभक इजोत मनुष् य सभक सामने एना चमकय, जाहि
सँ ओ सभ अहाँक नीक काज कैँ देखि कऽ अहाँ सभक स् वर्ग मे
रहनिहार पिताक महिमा करथि।
17 ई नहि सोचू जे हम धर्म-नियम वा प्रवक् ता सभ कैँ नष्ट
करबाक लेल आयल छी।
18 हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे जाबत धरि स् वर्ग आ
पृथ् वी बीति नहि जायत, ताबत धरि सभ किछु पूरा नहि भऽ
जायत, ताबत धरि धर्म-नियमक एक्को या एक छोट-छोट बात
नहि खतम होयत।
19 एहि लेल जे केओ एहि छोट-छोट आज्ञा मे सँ कोनो एक आज्ञा
कैँ तोड़ि कऽ मनुष् य कैँ एना सिखाओत, से स् वर्गक राज् य मे
छोट-छोट कहल जायत।
20 हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे जाबत धरि अहाँ सभक
धार्मिकता शास्त्री आ फरिसी सभक धार्मिकता सँ बेसी नहि होयत,
ताबत अहाँ सभ स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करब।
21 अहाँ सभ सुनने छी जे पहिने लोक सभ कहैत छल जे, “हत्या
नहि करू।” आ जे कियो मारत से न्यायक खतरा मे पड़ि जायत।
22 मुदा हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे जे केओ अपन भाय पर
बिना कोनो कारणेँ क्रोधित होयत, से न्यायक खतरा मे पड़ि
जायत , नरकक आगि के खतरा मे रहत।
23 तेँ जँ अहाँ अपन वरदान वेदी पर अनब आ ओतहि मोन
राखब जे अहाँक भाय कैँ अहाँ पर कोनो तरहक कोनो आपत्ति
अछि।
24 अपन वरदान ओतहि वेदीक समक्ष छोड़ि जाउ। पहिने अपन
भाय सँ मेल मिलाप करू, तखन आबि कऽ अपन वरदान अर्पित
करू।
25 जाबत अहाँ ओकरा संग बाट मे रहब ताबत अपन प्रतिद्वंदीक
संग जल्दी-जल्दी सहमत भऽ जाउ। कहीं कहियो शत्रु अहाँ कैँ
न्यायाधीशक हाथ मे नहि सौंप दिअ आ न्यायाधीश अहाँ कैँ
अधिकारीक हाथ मे नहि सौंप दिअ आ अहाँ जेल मे नहि राखल
जाय।
26 हम अहाँ कैँ सत् य कहैत छी जे जाबत धरि अहाँ सभटा फाँस
नहि दऽ लेब ता धरि ओतऽ सँ कहियो नहि निकलब।”
27 अहाँ सभ सुनने छी जे पहिने लोक सभ कहैत छल जे, “अहाँ
व्यभिचार नहि करू।”
28 मुदा हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे जे केओ स् त्री कैँ वासना
करबाक लेल तकैत अछि, ओ पहिने सँ अपन मोन मे ओकरा संग
व्यभिचार कऽ लेने अछि।
29 जँ अहाँक दहिना आँखि अहाँ कैँ दोषी ठहरबैत अछि तँ
ओकरा उखाड़ि कऽ फेकि दियौक, किएक तँ अहाँक लेल ई
लाभ होयत जे अहाँक एकटा अंगक नाश भऽ जाय, नहि कि
अहाँक पूरा शरीर नरक मे फेकि देल जाय।
30 जँ अहाँक दहिना हाथ अहाँ कैँ दोषी ठहराबैत अछि तँ
ओकरा काटि कऽ फेकि दियौक, किएक तँ अहाँक लेल ई लाभ
होयत जे अहाँक एकटा अंगक नाश भऽ जाय, नहि कि अहाँक
पूरा शरीर नरक मे फेकि देल जाय।

31 कहल गेल अछि जे, "जे केओ अपन स् त्री कैँ छोड़ि देत,
ओकरा तलाकक पत्र दऽ दियौक।"
32 मुदा हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे जे केओ अपन स् त्री कैँ
व्यभिचारक कारण छोड़ि कऽ छोड़ि दैत अछि, से ओकरा
व्यभिचार करा दैत अछि।
33 फेर अहाँ सभ सुनने छी जे पुरान समयक लोक सभ कहैत
छल जे, "अहाँ अपना कैँ गलत शपथ नहि करू, बल् कि प्रभुक
प्रति अपन शपथ पूरा करू।"
34 मुदा हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, एकोटा शपथ नहि करू।
ने स्वर्गक द्वारा। कारण, ई परमेश् वरक सिंहासन अछि।
35 आ ने पृथ्वीक द्वारा। किएक तँ ई ओकर पएरक ठेहुन अछि,
आ ने यरूशलेम। कारण, ई महान राजाक नगर थिक।
36 अहाँ अपन माथक शपथ नहि खाउ, किएक तँ अहाँ एको
केश कैँ उज्जर वा कारी नहि कऽ सकैत छी।
37 मुदा अहाँ सभक गप्प-सप्प, "हँ, हँ" होउ। नहि, किएक तँ एहि
सभ सँ बेसी जे किछु अछि से अधलाह सँ अबैत अछि।
38 अहाँ सभ सुनने छी जे कहल गेल अछि जे, "एकटा आँखि आ
एक दाँतक बदला दाँत।"
39 मुदा हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे अहाँ सभ अधलाहक
विरोध नहि करू।
40 जँ केओ अहाँ पर धर्म-नियमक आधार पर मुकदमा करऽ
चाहैत अछि आ अहाँक वस्त्र छीन लेत तँ ओकरा अहाँक कपड़ा
सेहो राखि दियौक।
41 जे केओ अहाँ कैँ एक मील चलबाक लेल बाध्य करत, ओकरा
संग दू मील जाउ।
42 जे अहाँ सँ माँगैत अछि तकरा दऽ दियौक आ जे अहाँ सँ
उधार लेबय चाहैत अछि ओकरा सँ अहाँ मुँह नहि घुमाउ।
43 अहाँ सभ सुनलहुँ जे ई कहल गेल अछि जे, "अपन पड़ोसी सँ
प्रेम करू आ अपन शत्रु सँ घृणा करू।"
44 मुदा हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, "अपन शत्रु सभ सँ प्रेम
करू, जे अहाँ सभ कैँ गारि पढ़ैत अछि, हुनका सभ कैँ आशीर्वाद
दिअ, जे अहाँ सभ सँ घृणा करैत अछि, हुनका सभक भलाई
करू आ जे सभ अहाँ सभ कैँ घृणा करैत अछि आ अहाँ सभ कैँ
सतबैत अछि, हुनका सभक लेल प्रार्थना करू।
"
46 जँ अहाँ सभ जे अहाँ सभ सँ प्रेम करैत अछि, हुनका सभ सँ
प्रेम करैत छी तँ अहाँ सभ कैँ की इनाम भेटत? करदाता सभ सेहो
ओहिना नहि करैत छथि?
47 जँ अहाँ सभ मात्र अपन भाय सभ कैँ प्रणाम करैत छी तँ अहाँ
सभ आन लोक सँ बेसी की करब? करदाता सभ सेहो एहन नहि
करैत अछि?
48 तैँ अहाँ सभ सिद्ध रहू, जेना अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार
पिता सिद्ध छथि।

अध्याय 6

1 सावधान रहू जे मनुष् यक समक्ष अपन भिक्षा नहि करू जाहि
सँ ओ सभ देखब।
2 तैँ जखन अहाँ अपन भिक्षा देब तँ अपना सोझाँ मे तुरही नहि
बजाउ जेना पाखंडी सभ सभाघर आ गली-गली मे करैत छथि,
जाहि सँ हुनका सभ कैँ मनुष् य सभक महिमा भेटय। हम अहाँ
सभ कैँ सत् य कहैत छी जे हुनका सभ कैँ अपन फल भेटैत
छनि।
3 मुदा जखन अहाँ भिक्षा देब तँ अहाँक बामा हाथ कैँ ई नहि
बुझबाक चाही जे अहाँक दहिना हाथ की करैत अछि।
4 जाहि सँ अहाँक भिक्षा गुप्त रहय, आ अहाँक पिता जे गुप्त रूप
सँ देखैत छथि, ओ अहाँ कैँ खुलि कऽ फल देथिन।
5 जखन अहाँ प्रार्थना करब तँ पाखंडी सभ जकाँ नहि बनब,
किएक तँ हुनका सभ कैँ सभाघर आ सड़कक कोन-कोन मे ठाढ़
भऽ कऽ प्रार्थना करब नीक लगैत छनि जाहि सँ मनुष् य सभक
नजरि पड़य। हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे हुनका सभ कैँ
अपन फल भेटैत छनि।
6 मुदा अहाँ जखन प्रार्थना करब तखन अपन कोठरी मे प्रवेश
करू आ जखन अपन दरबज्जा बन्न कऽ लेब तखन अपन पिता सँ
प्रार्थना करू जे गुप्त रूप सँ छथि। आ तोहर पिता जे गुप्त रूप सँ
देखैत छथि, ओ अहाँ कैँ खुलि कऽ इनाम देताह।"
7 मुदा जखन अहाँ सभ प्रार्थना करैत छी तँ जाति-जाति सभ जकाँ
व्यर्थ दोहराव नहि करू।
8 तैँ अहाँ सभ हुनका सभक समान नहि बनू, किएक तँ अहाँ सभ
हुनका सँ माँगबा सँ पहिने अहाँ सभक पिता जनैत छथि जे अहाँ
सभ कैँ कोन चीजक आवश्यकता अछि।
9 तैँ अहाँ सभ एहि तरहेँ प्रार्थना करू, "हे हमर सभक पिता जे स्
वर्ग मे छी, अहाँक नाम पवित्र होअय।"
10 तोहर राज्य आऊ। जेना स्वर्ग मे होइत अछि तहिना पृथ्वी पर
सेहो अहाँक इच्छा पूरा हो।
11 आइ हमरा सभ कैँ अपन सभ दिनक रोटी दिअ।
12 अपना सभक ऋण क्षमा करू, जेना हम सभ अपन ऋणी कैँ
क्षमा करैत छी।
13 हमरा सभ कैँ परीक्षा मे नहि लऽ जाउ, बल् कि हमरा सभ कैँ
अधलाह सँ बचाउ। आमीन।
14 जँ अहाँ सभ मनुष् य सभक अपराध क्षमा करब तँ अहाँ
सभक स् वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभ कैँ क्षमा करताह।
15 मुदा जँ अहाँ सभ मनुष् यक अपराध कैँ माफ नहि करब तँ
अहाँ सभक पिता सेहो अहाँ सभक अपराध कैँ माफ नहि
करताह।
16 जखन अहाँ उपवास करैत छी तँ पाखंडी सभ जकाँ उदास
मुँह नहि बनू, किएक तँ ओ सभ अपन मुँह बिगाड़ि दैत अछि
जाहि सँ ओ सभ लोक कैँ उपवास करैत देखा सकय। हम अहाँ
सभ कैँ सत् य कहैत छी जे हुनका सभ कैँ अपन फल भेटैत
छनि।
17 मुदा अहाँ जखन उपवास करब तँ माथ पर अभिषेक करू आ
मुँह धोउ।
18 एहि लेल जे अहाँ मनुष् य सभक सामने उपवास करबाक लेल
नहि, बल् कि अहाँक पिता जे गुप्त रूप सँ देखैत छथि, अहाँ कैँ
खुलि कऽ इनाम देथिन।
19 जतऽ पतंग आ जंग खराब करैत अछि आ जतऽ चोर तोड़ि
कऽ चोरा लैत अछि, ओहि पृथ् वी पर अपना लेल धन नहि जमा
करू।
20 मुदा स् वर्ग मे अपना लेल खजाना जमा करू, जतऽ ने पतंग
आ ने जंग खराब करैत अछि आ जतऽ चोर नहि तोड़ैत अछि आ
ने चोरी करैत अछि।
21 किएक तँ जतऽ अहाँक खजाना रहत, ओतहि अहाँक मोन
सेहो रहत।
22 शरीरक इजोत आँखि अछि, तैँ जँ अहाँक आँखि एकल रहत
तँ अहाँक समस्त शरीर इजोत सँ भरल होयत।

23 मुदा जँ अहाँक आँखि अधलाह होयत तँ अहाँक समस्त शरीर अन् हार सँ भरल रहत। तेँ जँ अहाँ मे जे इजोत अछि से अन्हार अछि तँ ओ अन्हार कतेक पैघ अछि!
24 केओ दू मालिकक सेवा नहि कऽ सकैत अछि, किएक तँ ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत। नै तँ एकक्केँ पकड़ि कऽ दोसरकेँ तिरस्कार करत। अहाँ सभ परमेश् वर आ धन-सम्पत्तीक सेवा नहि कऽ सकैत छी।
25 तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ सभ की खाएब आ की पीब, ताहि पर कोनो चिन्तन नहि करू। आ ने एखन धरि अपन शरीरक लेल जे पहिरब। की जीवन मांस सँ बेसी आ शरीर वस्त्र सँ बेसी नहि?
26 आकाशक चिड़ै सभ केँ देखू, किएक तँ ओ सभ बोन नहि करैत अछि आ ने काटि लैत अछि आ ने कोठी मे जमा होइत अछि। तइयो अहाँक स् वर्गीय पिता हुनका सभक पोषण करैत छथि। की अहाँ सभ हुनका सभ सँ बहुत नीक नहि छी?
27 अहाँ सभ मे सँ के सोचि कऽ अपन कद मे एक हाथ जोड़ि सकैत अछि?
28 अहाँ सभ वस्त्रक लेल किएक सोचैत छी? खेतक कुमुद पर विचार करू जे कोना बढ़ैत अछि। ओ सभ परिश्रम नहि करैत अछि आ ने घुमैत अछि।
29 तइयो हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे सुलेमान सेहो अपन समस्त महिमा मे एहि मे सँ कोनो एकटा जकाँ सजल नहि छलाह।
30 एहि लेल जँ परमेश् वर खेतक घास केँ एना कपड़ा पहिरा देथिन, जे आइ अछि आ काल्हि भोज मे फेकल गेल अछि, तँ की ओ अहाँ सभ केँ एहि सँ बेसी कपड़ा नहि पहिराओत?
31 तेँ ई कहि कऽ जे, "हम सभ की खाएब?" वा, हम सभ की पीब? वा, हम सभ कोन चीजक कपड़ा पहिरब?
32 (किएक तँ गैर-यहूदी सभ एहि सभ बातक खोज करैत अछि।) किएक तँ अहाँ सभक स् वर्गीय पिता जनैत छथि जे अहाँ सभ केँ एहि सभ वस्तुक आवश्यकता अछि।
33 मुदा अहाँ सभ पहिने परमेश् वरक राज् य आ हुनकर धार्मिकताक खोज करू। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।"
34 तेँ परसूक लेल कोनो चिंतन नहि करू, किएक तँ काल्हि अपन बात पर चिंतन करत। दिनक लेल पर्याप्त अछि ओकर बुराई।

अध्याय 7

1 न्याय नहि करू, जाहि सँ अहाँ सभक न् याय नहि हो।
2 अहाँ सभ जाहि नाप सँ न् याय करब, तकर न् याय अहाँ सभ केँ कयल जायत।
3 अहाँ अपन भाइक आँखि मे जे कण्ठ अछि तकरा किएक देखैत छी, मुदा अपन आँखि मे जे बीम अछि तकरा पर विचार नहि करैत छी?
4 अहाँ अपन भाय केँ कोना कहब जे, "हम अहाँक आँखि सँ कटहर निकालि दिअ।" देखू, तोहर आँखि मे एकटा बीम अछि?
5 हे पाखंडी, पहिने अपन आँखि सँ बीन निकालि दियौक। तखन अहाँ अपन भाइक आँखि मे सँ कटहर निकालबाक लेल साफ-साफ देखब।"
6 कुकुर सभ केँ पवित्र वस्तु नहि दियौक आ ने अपन मोती सुग्गर सभक समक्ष फेकि दियौक, जाहि सँ ओ सभ ओकरा सभक पएर नीचाँ रौंदि कऽ फेर घुमि कऽ अहाँ सभ केँ फाड़ि नहि देत।
7 माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत। खोजू, तऽ पाबि जायब। खटखटाउ, तखन अहाँ सभक लेल खुजल रहत।
8 जे केओ माँगैत अछि, से भेटैत अछि। जे खोजै छै, से पाबै छै। जे खटखटाओत तकरा लेल ओ खोलल जायत।"
9 अहाँ सभ मे सँ केओ अछि जे जँ ओकर बेटा रोटी माँगत तँ ओकरा पाथर दऽ देतैक?
10 आकि जँ ओ माछ माँगत तँ ओकरा साँप देत?
11 तखन जँ अहाँ सभ अधलाह भऽ कऽ अपन सन् तान सभ केँ नीक वरदान देबऽ जनैत छी तँ अहाँ सभक पिता जे स् वर्ग मे छथि, हुनका सभ केँ कतेक बेसी नीक चीज देथिन?
12 तेँ अहाँ सभ जे किछु चाहैत छी जे मनुष् य अहाँ सभक संग करथि, से अहाँ सभ हुनका सभक संग सेहो करू।
13 अहाँ सभ संकीर्ण फाटक पर प्रवेश करू, किएक तँ विनाश दिस जायबला फाटक चौड़ा आ बाट चौड़ा अछि।
14 किएक तँ जीवन दिस जायबला फाटक संकीर्ण अछि आ बाट संकीर्ण अछि आ ओकरा पाबनिहार कम अछि।
15 झूठ प्रवक् ता सभ सँ सावधान रहू, जे भेँड़ाक वस्त्र मे अहाँ सभ लग अबैत छथि, मुदा भीतर सँ ओ सभ भेड़ियाधसान छथि।
16 अहाँ सभ ओकरा सभक फल सँ चिन्हब। की मनुष्य काँटक अंगूर जुटबैत अछि आकि काँटक अंजीर?
17 तहिना सभ नीक गाछ नीक फल दैत अछि। मुदा जड़ल गाछ अधलाह फल दैत अछि।
18 नीक गाछ अधलाह फल नहि दऽ सकैत अछि आ ने गड़बड़ गाछ नीक फल दऽ सकैत अछि।
19 जे गाछ नीक फल नहि दैत अछि से काटि कऽ आगि मे फेकि देल जाइत अछि।
20 तेँ हुनका सभक फल सँ अहाँ सभ हुनका सभ केँ चिन्हब।
21 जे केओ हमरा कहैत अछि, "प्रभु, प्रभु, से सभ स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करत। मुदा जे हमर स् वर्ग मे रहनिहार पिताक इच्छा पूरा करैत अछि।
22 ओहि दिन हमरा बहुतो लोक कहत जे, "प्रभु, प्रभु, की हम सभ अहाँक नाम सँ भविष्यवाणी नहि केने छी?" आ तोहर नाम सँ दुष्टात्मा सभ केँ भगा देने छी? आ तोहर नाम सँ बहुत रास अद्भुत काज केलहुँ?
23 तखन हम हुनका सभ केँ ई बात कहब जे, "हम अहाँ सभ केँ कहियो नहि चिन्हलहुँ।"
24 तेँ जे केओ हमर ई बात सुनैत अछि आ ओकरा पालन करत, हम ओकरा एकटा एहन बुद्धिमान आदमी सँ उपमा देब जे अपन घर पाथर पर बनौने छल।
25 बरखा भेल आ बाढ़ि आबि गेल आ हवा बहल आ ओहि घर पर मारि देलक। ओ नहि खसल, किएक तँ ओ चट्टान पर नींव पड़ल छल।
26 जे केओ हमर ई बात सुनैत अछि आ ओकर पालन नहि करत, ओकरा ओहि मूर्ख आदमी सँ उपमा देल जायत जे बालु पर अपन घर बनौने छल।
27 बरखा भेल आ बाढ़ि आबि गेल आ हवा बहल आ ओहि घर पर मारि देलक। ओ खसि पड़ल, आ ओकर पतन बहुत पैघ भेल।
28 यीशु ई बात सभ समाप्त कऽ कऽ लोक सभ हुनकर शिक्षा देखि आश्चर्यचकित भऽ गेल।

29 किएक तँ ओ हुनका सभ कैँ अधिकारधारी जकाँ शिक्षा दैत छलाह, नहि कि शास्त्री सभ जकाँ।

अध्याय 8

1 जखन ओ पहाड़ सँ उतरलाह तखन बहुत रास भीड़ हुनका पाछाँ-पाछाँ आबि गेलाह।
2 एकटा कोढ़ी आबि कऽ ओकर आराधना कऽ कऽ कहलक, "प्रभु, जँ चाहै छी तँ हमरा शुद्ध कऽ सकैत छी।"
3 यीशु हाथ बढ़ा कऽ हुनका छूबि कऽ कहलथिन, " हम चाहब। अहाँ शुद्ध रहू। आ तुरन्त हुनकर कोढ़ शुद्ध भऽ गेलनि।
4 यीशु हुनका कहलथिन, " देखू, अहाँ ककरो नहि कहब। मुदा जाउ, पुरोहितक समक्ष अपना कैँ देखाउ आ मूसाक आज्ञा देल गेल उपहार कैँ चढ़ाउ, जाहि सँ हुनका सभक गवाही हो।"
5 यीशु कफरनहूम मे पहुँचला पर एकटा सेनापति हुनका लग आबि गेलाह।
6 ओ कहलनि, "प्रभु, हमर सेवक लकवाग्रस्त भय घर मे पड़ल अछि।"
7 यीशु हुनका कहलथिन, " हम आबि कऽ हुनका ठीक करब।"
8 सेनापति उत्तर देलथिन, "प्रभु, हम एहि योग्य नहि छी जे अहाँ हमर छत मे आबि जाउ, मुदा मात्र वचन बाजू, तखन हमर सेवक ठीक भ' जायत।"
9 हम अधिकारक अधीन छी आ हमरा अधीन सैनिक सभ अछि। आ दोसर कैँ, "आउ, ओ आबि जायत।" आ हमर सेवक कैँ, "ई करू, आ ओ पूरा करैत अछि।"
10 यीशु ई बात सुनि आश्चर्यचकित भऽ पाछाँ-पाछू मे बैसल लोक सभ कैँ कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे, हमरा इस्राएल मे एतेक पैघ विश् वास नहि भेटल अछि।"
11 हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे पूब आ पश्चिम सँ बहुतो लोक आबि अब्राहम, इसहाक आ याकूबक संग स् वर्गक राज् य मे बैसताह।
12 मुदा राज्यक सन्तान सभ बाहरक अन्हार मे फेकल जायत, ओतहि कानब आ दाँत कटैत होयत।
13 यीशु सेनापति कैँ कहलथिन, " जाउ। जहिना अहाँ विश् वास केलहुँ, तेना अहाँक संग सेहो होअय।" ओही समय मे ओकर सेवक ठीक भ' गेलै।
14 यीशु जखन पत्रुसक घर मे अयलाह तँ देखलनि जे हुनकर स् त्रीक माय बोखार सँ बीमार पड़ल छथि।
15 ओ हुनकर हाथ छूबि लेलक आ बोखार ओकरा छोड़ि देलक।
16 साँझ भेला पर ओ सभ बहुतो दुष् टात् मा सँ ग्रसित लोक सभ कैँ हुनका लग अनलनि।
17 ई बात पूरा भऽ जाय जे यशायाह प्रवक् ता द्वारा कहल गेल छलनि जे, "ओ हमरा सभक दुर्बलता कैँ ल' कऽ हमरा सभक बीमारी सभ कैँ उठा लेलनि।"
18 यीशु हुनका चारू कात बहुत भीड़ देखि ओ आज्ञा देलथिन जे ओ दोसर कात चलि जाउ।
19 एकटा धर्मशास्त्री आबि हुनका कहलथिन, "गुरुजी, अहाँ जतय जायब, हम अहाँक पाछाँ-पाछाँ चलब।"
20 यीशु ओकरा कहलथिन, " लोमड़ी सभक छेद होइत छैक आ आकाशक चिड़ै सभक खोंता होइत छैक। मुदा मनुष् य-पुत्र कैँ माथ राखय लेल कतय नहि छनि।
21 हुनकर दोसर शिष् य हुनका कहलथिन, "प्रभु, हमरा पहिने जा कऽ अपन पिता कैँ दफना दिअ।"
22 यीशु हुनका कहलथिन, " हमरा पाछाँ चलू। आ मुर्दा अपन मुर्दा कैँ गाड़य।
23 जखन ओ नाव मे बैसलाह तँ हुनकर शिष्य सभ हुनका पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह।
24 समुद्र मे एकटा पैघ तूफान उठल जे नाव लहरि सँ झाँपि गेल, मुदा ओ सुतल छल।
25 हुनकर शिष् य सभ हुनका लग आबि कऽ हुनका जगबैत कहलथिन, "प्रभु, हमरा सभ कैँ बचाउ।
26 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हे कम विश् वासक लोक सभ, अहाँ सभ किएक भयभीत छी? तखन ओ उठि कऽ हवा आ समुद्र कैँ डाँटि देलक। आ बहुत शान्ति भेल।
27 मुदा लोक सभ आश्चर्यचकित भऽ कऽ कहलथिन, "ई केहन मनुख अछि जे हवा आ समुद्र सेहो ओकर आज्ञा मानैत अछि!"
28 जखन ओ ओहि पार गेर्गेसी लोकक देश मे पहुँचलाह तखन हुनका सँ दू गोटे दुष् टात् मा सँ ग्रसित भऽ कबर सभ सँ बाहर निकलि गेलाह, जाहि सँ कियो ओहि बाट सँ नहि गुजरि सकय।
29 ओ सभ चिचिया उठल, "हे परमेश् वरक पुत्र यीशु, अहाँ सँ हमरा सभक की संबंध अछि?" की अहाँ समय सँ पहिने हमरा सभ कैँ सताबय लेल एतय आयल छी?
30 हुनका सभ सँ बहुत दूर पर बहुत रास सुग्गरक झुंड छल जे भोजन कऽ रहल छल।
31 तखन दुष्टात्मा सभ हुनका सँ विनती करैत कहलकनि, "जँ अहाँ हमरा सभ कैँ बाहर निकालि देब तँ हमरा सभ कैँ सुग्गरक झुंड मे जेबाक अनुमति दिअ।"
32 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " जाउ।" जखन ओ सभ बाहर निकललाह तँ ओ सभ सुग्गरक झुंड मे गेलाह आ देखलहुँ जे समस्त सुग्गरक झुंड एकटा खड़ा जगह पर जोर-जोर सँ दौड़ि कऽ समुद्र मे आबि गेल आ पानि मे नष्ट भऽ गेल।
33 ओकरा सभक रखनिहार सभ भागि कऽ नगर मे जा कऽ सभ बात आ दुष् टात् मा सभक संग जे घटना भेल छल से सुनबैत रहलाह।
34 देखू, पूरा नगर यीशु सँ भेंट करबाक लेल निकलि गेलाह, आ हुनका देखि हुनका सँ विनती कयलनि जे ओ अपन इलाका सँ विदा भ' जाथि।

अध्याय 9

1 ओ नाव मे बैसि कऽ ओहि पार कऽ अपन नगर मे आबि गेलाह।
2 ओ सभ एकटा लकवाग्रस्त आदमी कैँ ओछाओन पर पड़ल हुनका लग अनलनि। बेटा, हौसला बढ़ाउ; तोहर पाप क्षमा भऽ गेलौ।
3 किछु शास्त्री सभ मन मे बाजल, "ई आदमी निन्दा करैत अछि।"
4 यीशु हुनका सभक विचार कैँ जानि कऽ कहलथिन, " अहाँ सभ अपन मोन मे अधलाह किएक सोचैत छी?
5 किएक तँ ई कहब जे, 'अहाँक पाप क्षमा भऽ गेलहुँ। आकि ई कहब जे, "उठि कऽ चलू?"
6 मुदा एहि लेल जे अहाँ सभ ई जानि सकब जे मनुष् यक पुत्र कैँ पृथ् वी पर पाप क्षमा करबाक अधिकार छनि, (तखन ओ पक्षाघाती कैँ कहलथिन, " उठू, अपन बिछाओन उठा कऽ अपन घर जाउ।"
7 ओ उठि कऽ अपन घर दिस विदा भेलाह।

8 मुदा लोक सभ ई देखि आश्चर्यचकित भऽ कऽ परमेश् वरक
महिमा कयलक जे मनुष् य सभ कैं एहन सामर्थ् य देलनि।
कैं देखथिन जे करवाला पर बैसल छल। ओ उठि कऽ हुनका
पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह।
10 यीशु जखन घर मे भोजन करऽ बैसल छलाह तखन देखलहुँ
जे बहुतो कर लेनिहार आ पापी हुनका आ हुनकर शिष् य सभक
संग बैसि गेलाह।
11 फरिसी सभ ई देखि हुनकर शिष् य सभ कैं कहलथिन, "अहाँ
सभक गुरु कर वसूली आ पापी सभक संग किएक भोजन करैत
छथि?"
12 यीशु ई बात सुनि हुनका सभ कैं कहलथिन, " स्वस्थ कैं वैद्यक
आवश्यकता नहि, बल् कि बीमार कैं।"
13 मुदा अहाँ सभ जाउ आ एहि बातक अर्थ सीखू जे हम दया
करब, बलिदान नहि, किएक तँ हम धर्मी लोक सभ कैं बजबय
लेल नहि आयल छी, बल् कि पापी सभ कैं पश्चाताप करबाक लेल
आयल छी।
14 तखन यूहन् नाक शिष् य सभ हुनका लग आबि कऽ
कहलथिन, "हम सभ आ फरिसी सभ बेर-बेर उपवास किएक
करैत छी, मुदा अहाँक शिष् य सभ उपवास किएक नहि करैत
अछि?"
15 यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " की कनियाँक बच्चा सभ
ताबत धरि शोक क' सकैत अछि जाबत धरि वर हुनका सभक
संग रहत?" मुदा ओ दिन आओत जखन वर ओकरा सभ सँ हटि
जेताह, तखन ओ सभ उपवास करताह।
16 पुरान वस्त्र मे नव कपड़ाक टुकड़ी केओ नहि लगाबैत अछि,
किएक तँ ओहि कपड़ा मे जे कपड़ा भरबाक लेल राखल जाइत
अछि से ओहि वस्त्र मे सँ निकालि लैत अछि आ ओकर फाटल
आओर बेसी भ' जाइत अछि।
17 आ ने केओ नवका मदिरा पुरान बोतल मे नहि दैत अछि, नहि
तऽ बोतल टूटि जाइत अछि आ शराब खतम भऽ जाइत अछि आ
बोतल नष्ट भऽ जाइत अछि, बल् कि नव मदिरा कैं नवका बोतल
मे राखि दैत अछि आ दुनू सुरक्षित भऽ जाइत अछि।
18 जखन यीशु हुनका सभ कैं ई बात कहि रहल छलाह, तखन
एकटा शासक आबि हुनकर आराधना कयलनि, "हमर बेटी एखन
मरि गेल अछि।
19 यीशु उठि कऽ हुनकर पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह आ हुनकर
शिष् य सभ सेहो।
20 एक स् त्री जे बारह वर्ष धरि खूनक टुकड़ी सँ ग्रस्त छलीह,
हुनका पाछाँ आबि कऽ हुनकर वस्त्रक कात छूबि लेलनि।
21 ओ मने-मन कहैत छलीह, "जँ हम हुनकर वस्त्र कैं छूबि
सकैत छी तँ हम ठीक भऽ जायब।"
22 यीशु ओकरा घुमा कऽ ओकरा देखि कहलथिन, " बेटी,
सान्त्वना रहू। तोहर विश् वास तोरा ठीक कऽ देलक। ओहि घड़ी
सँ ओ स् त्री ठीक भऽ गेलीह।
23 यीशु जखन शासकक घर मे अयलाह, तखन वादक आ लोक
सभ कैं हल्ला करैत देखलनि।
24 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, " स्थान दिअ, किएक तँ दासी
नहि मरि गेल अछि, बल् कि सुतल अछि।" आ ओ सभ ओकरा
तिरस्कार करय लेल हँसि देलक।
25 मुदा लोक सभ कैं बाहर निकालि कऽ ओ भीतर जा कऽ
ओकर हाथ पकड़ि लेलक आ दासी उठि गेल।
26 एहि बातक प्रसिद्धि ओहि समस्त देश मे पसरि गेल।
27 यीशु ओतय सँ विदा भेलाह तँ दूटा आन्हर हुनका पाछाँ-पाछाँ
चलि गेलाह, "हे दाऊदक पुत्र, हमरा सभ पर दया करू।"
28 घर मे अयला पर आन्हर सभ हुनका लग आबि गेलाह, आ
यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " की अहाँ सभ कैं विश्वास अछि
जे हम ई काज कऽ सकैत छी?" ओ सभ हुनका कहलथिन, "हँ,
प्रभु।"
29 तखन यीशु हुनका सभक आँखि छूबि कऽ कहलथिन, " अहाँ
सभक विश् वासक अनुसार अहाँ सभक लेल होअय।"
30 हुनका सभक आँखि खुजि गेलनि। यीशु ओकरा सभ कैं कड़ा
आज्ञा देलथिन, " देखू जे ई बात ककरो नहि बुझल हो।"
31 मुदा ओ सभ विदा भेला पर हुनकर प्रसिद्धि ओहि समस्त देश
मे पसारि देलथिन।
32 जखन ओ सभ बाहर निकलैत छलाह तखन ओ सभ एकटा
गूंगा आदमी कैं हुनका लग अनलनि जे दुष्टात्मा सँ ग्रस्त छल।
33 जखन शैतान कैं बाहर निकालि देल गेल तखन गूंगा लोक सभ
बाजल, आ लोक सभ आश्चर्यचकित भऽ कऽ कहलक जे,
"इस्राएल मे एहन कहियो नहि देखल गेल छल।"
34 मुदा फरिसी सभ कहलथिन, "ओ दुष् टात् मा सभक अध्
यक्षक द्वारा दुष् टात् मा सभ कैं भगा दैत छथि।"
35 यीशु सभ नगर आ गाम मे घुमि कऽ अपन सभाघर मे शिक्षा
दैत छलाह आ राज् यक सुसमाचार प्रचार करैत छलाह आ लोक
सभक बीचक सभ बीमारी आ सभ बीमारी कैं ठीक करैत
छलाह।
36 मुदा लोक सभ कैं देखि हुनका सभ पर दया आबि गेलनि,
किएक तँ ओ सभ बेहोश भऽ गेल छल आ ओ सभ ओहि भैंड़ा
जकाँ छिड़िया गेल छल, जकरा चरबाह नहि हो।
37 तखन यीशु अपन शिष् य सभ कैं कहलथिन, " सत्ते फसल
बहुत अछि, मुदा मजदूर कम अछि।
38 तैं अहाँ सभ फसलक मालिक सँ प्रार्थना करू जे ओ अपन
फसल मे मजदूर सभ कैं पठाबथि।

अध्याय 10

1 ओ अपन बारह शिष्य कैं अपना लग बजौलनि तँ हुनका सभ
कैं अशुद्ध आत् मा सभ कैं बाहर निकालबाक आ सभ तरहक
बीमारी आ सभ तरहक रोग कैं ठीक करबाक अधिकार देलनि।
2 बारह प्रेरितक नाम ई अछि। पहिल सिमोन, जकरा पत्रुस कहल
जाइत छैक, आ ओकर भाय अन्द्रियास। जबदीक पुत्र याकूब आ
ओकर भाय यूहन् ना।
3 फिलिप, आ बार्थोलोम्यू। थॉमस, आ मैथ्यू करदाता; अल्फीसक
पुत्र याकूब आ लेब्बीस, जिनकर उपनाम थद्देयुस छलनि।
4 सिमोन कनानी आ यहूदा इस्करियोती, जे हुनका धोखा देलक।
5 यीशु एहि बारह गोटे कैं पठा कऽ आज्ञा देलथिन जे, " गैर-
यहूदी सभक बाट मे नहि जाउ आ सामरी सभक कोनो नगर मे
नहि जाउ।
6 मुदा इस्राएलक घरानाक हेरायल भैंड़ा सभ लग जाउ।
7 जा कऽ अहाँ सभ एहि बातक प्रचार करू जे, "स्वर्गक राज् य
समीप आबि गेल अछि।"
8 बीमार सभ कैं ठीक करू, कोढ़ी सभ कैं शुद्ध करू, मृत् यु कैं
जीबैत करू, दुष् टात् मा सभ कैं बाहर निकालू।
9 ने सोना, ने चानी, आ ने पीतल पर्स मे राखू।
10 आ ने अहाँक यात्राक लेल चीर-फाड़, ने दू टा कोट, ने जूता
आ ने लाठी, किएक तँ मजदूर अपन भोजनक योग्य अछि।

11 अहाँ सभ जाहि नगर वा नगर मे प्रवेश करब, से पूछि लिअ जे
ओहि शहर मे के योग्य अछि। जाबत धरि अहाँ सभ ओतय सँ
नहि जायब ताबत धरि ओतहि रहू।
12 जखन अहाँ सभ कोनो घर मे अबैत छी तँ ओकरा प्रणाम
करू।
13 जँ घर योग्य अछि तँ ओकरा पर अहाँक शान्ति आबि जाय।
14 जे केओ अहाँ सभक स्वागत नहि करत आ ने अहाँक बात
सुनत, तखन अहाँ सभ ओहि घर वा नगर सँ बाहर निकलब तँ
अपन पएरक धूरा कैँ हिला दियौक।
15 हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे न्यायक दिन सदोम आ
अमोरा देशक लेल ओहि नगर सँ बेसी सहनशील होयत।
16 देखू, हम अहाँ सभ कैँ भेड़ियाधसानक बीच मे भेँड़ा जकाँ
पठा रहल छी।
17 मुदा मनुष् य सभ सँ सावधान रहू, किएक तँ ओ सभ अहाँ
सभ कैँ परिषद् मे सौंपि देत आ अपन सभाघर मे अहाँ सभ कैँ
कोड़ा मारत।
18 हमरा लेल अहाँ सभ कैँ राज्यपाल आ राजा सभक समक्ष
आनल जाएत, जाहि सँ ओ सभ आ गैर-यहूदी सभक विरुद्ध
गवाही भेटत।
19 मुदा जखन ओ सभ अहाँ सभ कैँ सौंपि देब तखन अहाँ सभ
कोना बाजब आ की बाजब से कोनो विचार नहि करू।
20 किएक तँ अहाँ सभ नहि बजैत छी, बल् कि अहाँ सभक
पिताक आत् मा अहाँ सभ मे बजैत अछि।
21 भाय भाय कैँ आ बाप बच्चा कैँ सौंपि देत, आ बच्चा सभ अपन
माता-पिताक विरुद्ध उठि कऽ ओकरा सभ कैँ मारि देत।
22 हमर नामक कारणेँ अहाँ सभ सँ घृणा होयत, मुदा जे अन् त
धरि सहन करत से उद्धार पाओत।
23 मुदा जखन ओ सभ एहि नगर मे अहाँ सभ कैँ सताओत तँ
अहाँ सभ दोसर नगर मे भागि जाउ, किएक तँ हम अहाँ सभ कैँ
सत् य कहैत छी जे जाबत धरि मनुष् य-पुत्र नहि आओत ता धरि
अहाँ सभ इस्राएलक नगर सभ कैँ पार नहि कऽ सकब।"
24 शिष्य अपन गुरु सँ ऊपर नहि अछि आ ने सेवक अपन
मालिक सँ बेसी।
25 शिष्यक लेल ई काफी अछि जे ओ अपन गुरु जकाँ आ सेवक
अपन मालिक जकाँ। जँ ओ सभ घरक मालिक कैँ बेलजबूब
कहने अछि तँ ओकरा सभ कैँ ओकर घरक लोक कैँ कतेक बेसी
कहत?
26 तेँ ओकरा सभ सँ डेराउ नहि, किएक तँ कोनो एहन कोनो
बात नहि अछि जे प्रगट नहि होयत। आ नुकायल, जे पता नहि
चलत।
27 हम अन्हार मे जे कहैत छी से इजोत मे बाजू, आ कान मे जे
सुनैत छी से घरक चोटी पर प्रचार करू।
28 जे शरीर कैँ मारि दैत अछि, मुदा प्राण कैँ मारि नहि पाबि
सकैत अछि, ताहि सँ नहि डेराउ, बल् कि ओहि सँ डेराउ जे नरक
मे प्राण आ शरीर दुनू कैँ नष्ट कऽ सकैत अछि।
29 की दूटा गौरैया एक फार्टिंग मे नहि बेचल जाइत अछि? आ
ओहि मे सँ एक गोटे अहाँक पिताक बिना जमीन पर नहि खसत।
30 मुदा अहाँक माथक केश सभ गिनल गेल अछि।
31 तेँ अहाँ सभ नहि डेराउ, अहाँ सभक मोल बहुतो गौरैया सँ
बेसी अछि।
32 एहि लेल जे केओ हमरा मनुष् यक समक्ष स्वीकार करत, हम
सेहो अपन स् वर्ग मे रहनिहार पिताक समक्ष हुनका स्वीकार
करब।
33 मुदा जे केओ मनुष् यक समक्ष हमरा अस्वीकार करत, हम
सेहो अपन स् वर्ग मे रहनिहार पिताक समक्ष ओकरा अस्वीकार
करब।
34 ई नहि सोचू जे हम पृथ् वी पर शान्ति पठेबाक लेल आयल
छी।
35 हम एक आदमी कैँ ओकर पिता सँ, बेटी कैँ ओकर माय सँ,
आ पुतोहु कैँ सासु सँ, विवाद करबाक लेल आयल छी।
36 मनुष् यक दुश्मन ओकर अपन घरक लोक होयत।
37 जे हमरा सँ बेसी पिता वा माय सँ प्रेम करैत अछि से हमरा
योग्य नहि अछि।
38 जे अपन क्रूस नहि लऽ कऽ हमरा पाछाँ चलैत अछि, से हमरा
योग्य नहि अछि।
39 जे अपन प्राण पाबि लेत से ओकरा गमाओत।
40 जे अहाँ सभ कैँ ग्रहण करैत अछि, से हमरा ग्रहण करैत अछि
आ जे हमरा ग्रहण करैत अछि, से हमरा पठेनिहार कैँ ग्रहण
करैत अछि।
41 जे कोनो प्रवक् ताक नाम सँ प्रवक् ता कैँ ग्रहण करैत अछि,
तकरा प्रवक् ताक इनाम भेटतैक। जे कोनो धर्मी मनुष्यक नाम
पर धर्मात्मा कैँ ग्रहण करैत अछि, तकरा धर्मात्माक इनाम भेटत।
"

अध्याय 11

1 यीशु अपन बारह शिष् य सभ कैँ आज्ञा दऽ कऽ ओतऽ सँ
हुनका सभक नगर सभ मे शिक्षा देबऽ आ प्रचार करऽ लेल विदा
भऽ गेलाह।
2 यूहन् ना जेल मे मसीहक काज सुनि कऽ अपन दूटा शिष् य कैँ
पठौलनि।
3 ओ हुनका पुछलथिन, "की अहाँ ओ जे आबय बला छी, आकि
हम सभ दोसरक प्रतीक्षा करैत छी?"
4 यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, " जाउ अहाँ सभ जे सुनैत
छी आ देखैत छी से यूहन् ना कैँ फेर सँ देखाउ।
5 आन्हर सभ देखि सकैत अछि, लंगड़ा सभ चलैत अछि, कोढ़ी
सभ शुद्ध भऽ जाइत अछि, बहीर सभ सुनैत अछि, मृतक सभ
जीबि उठैत अछि आ गरीब सभ कैँ सुसमाचार प्रचार कयल
जाइत अछि।
6 ओ धन्य अछि जे केओ हमरा पर कोनो आपत्ति नहि करत।
7 ओ सभ विदा होइत काल यीशु यूहन् नाक विषय मे लोक सभ
कैँ पुछय लगलाह, " अहाँ सभ जंगल मे की देखय लेल गेलहुँ?"
हवासँ हिलल खढ़?
8 मुदा अहाँ सभ की देखय लेल निकललहुँ? कोमल वस्त्र पहिरने
आदमी? देखू, कोमल वस्त्र पहिरनिहार सभ राजाक घर मे अछि।
9 मुदा अहाँ सभ की देखय लेल निकललहुँ? एकटा भविष्यवक्ता?
हँ, हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी, आ एकटा भविष्यवक्ता सँ बेसी।
10 ई ओ छथि, जिनका बारे मे लिखल अछि, "देखू, हम अहाँक
सामने अपन दूत कैँ पठा रहल छी जे अहाँक आगू मे बाट तैयार
करत।"
11 हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे स् त्रीगण सँ जनमल
लोक सभ मे यूहन् ना बपतिस् मा देनिहार सँ पैघ कियो नहि
उठल अछि।
12 यूहन् ना बपतिस् मा देनिहारक समय सँ एखन धरि स् वर्गक
राज् य मे हिंसा होइत अछि आ हिंसक लोक सभ ओकरा
जबरदस्ती पकड़ि लैत अछि।

13 किएक तँ यूहन् ना धरि सभ प्रवक् ता आ धर्म-नियमक परमेश् वर परमेश् वरक भविष्यवाणी कयल गेल।
14 जँ अहाँ सभ ओकरा ग्रहण करय चाहैत छी तँ ई एलियाह छथि जे आबऽ वला छलाह।
15 जकरा सुनबाक लेल कान अछि, ओ सुनय।
16 मुदा हम एहि पीढ़ी कें कोन तरहक तुलना करब? ई ओहि बच्चा सभ जकाँ अछि जे बजार मे बैसल अपन संगी सभ कें बजबैत अछि।
17 ओ कहलथिन, "हम सभ अहाँ सभ कें पाइप बजा कऽ अहाँ सभ नहि नाचलहुँ। हम सभ अहाँ सभक शोक केलहुँ, मुदा अहाँ सभ विलाप नहि केलहुँ।
18 यूहन् ना ने खाइत-पीबैत आयल छलाह आ ओ सभ कहैत छथि जे, "ओकरा मे दुष् टात् मा छनि।"
19 मनुष् यक पुत्र खाइत-पीबैत आबि गेलाह आ ओ सभ कहैत छथि जे, "देखू, एकटा पेटू आ शराब पीनिहार, कर वसूली आ पापी सभक मित्र।" मुदा बुद्धि ओकर संतानक लेल जायज अछि।
20 तखन यीशु ओहि शहर सभ कें डाँटय लगलाह जाहि मे हुनकर अधिकांश पराक्रम भेल छलनि, किएक तँ ओ सभ पश्चाताप नहि केलक।
21 धिक्कार, कोराज़िन! धिक्कार अछि, बेतसैदा! किएक तँ जँ अहाँ सभ मे जे पराक्रम कयल गेल अछि से सोर आ सीदोन मे कयल गेल रहैत तँ ओ सभ बहुत पहिने बोरा आ राख मे पश्चाताप कऽ लेने रहितथि।
22 हम अहाँ सभ कें कहैत छी जे न्यायक दिन सोर आ सीदोन कें अहाँ सभ सँ बेसी सहनशील होयत।
23 अहाँ कफरनहूम, जे स् वर्ग मे उदात्त भेल छी, नरक मे उतारल जायत।
24 मुदा हम अहाँ सभ कें कहैत छी जे न्यायक दिन सदोम देश कें अहाँ सभ सँ बेसी सहनशील होयत।
25 ओहि समय यीशु उत्तर देलथिन, " हे पिता, आकाश-पृथ्वीक मालिक, हम अहाँ कें धन्यवाद दैत छी, किएक तँ अहाँ ई सभ बात बुद्धिमान आ बुद्धिमान सभ सँ नुका कऽ बच्चा सभ कें प्रगट कयलहुँ।"
26 हे पिता, तहिना, अहाँक नजरि मे एना नीक लागल।
27 हमर पिता द्वारा सभ किछु हमरा सौंपल गेल अछि। आ ने केओ पिता कें जनैत अछि, सिवाय पुत्र आ जकरा पर पुत्र ओकरा प्रगट करऽ चाहैत अछि।
28 अहाँ सभ जे परिश्रम आ बोझिल छी, हमरा लग आबि जाउ, आ हम अहाँ सभ कें विश्राम देब।
29 हमर जुआ अपना ऊपर उठाउ आ हमरा सँ सीखू। हम नम्र आ नम्र हृदय मे छी।
30 हमर जुआ सहज अछि आ हमर भार हल्लुक अछि।

अध्याय 12

1 ओहि समय मे यीशु विश्राम-दिन मे धानक बीच मे गेलाह। हुनकर शिष्य सभ भूखल छलाह आ धानक कान तोड़ि कऽ खाय लगलाह।
2 फरिसी सभ जखन ई देखि हुनका कहलथिन, "देखू, अहाँक शिष् य सभ ओ काज करैत अछि जे विश्राम-दिन मे करबाक उचित नहि अछि।"
3 मुदा यीशु हुनका सभ कें कहलथिन, " की अहाँ सभ नहि पढ़ने छी जे दाऊद आ हुनका संग जे लोक सभ भूखल छलाह तखन की केलथि।
4 परमेश् वरक घर मे प्रवेश कऽ कऽ ओ देखाबटी रोटी खयलनि, जे हुनका आ हुनका संग रहनिहार सभक लेल नहि, बल् कि पुरोहित सभक लेल नहि छल?
5 की अहाँ सभ धर्म-नियम मे नहि पढ़ने छी जे विश्राम-दिन मे मन् दिर मे पुरोहित सभ विश्राम-दिन कें अपवित्र करैत छथि आ निर्दोष छथि?
6 मुदा हम अहाँ सभ कें कहैत छी जे एहि ठाम मन्दिर सँ पैघ एकटा अछि।
7 मुदा जँ अहाँ सभ ई जनैत रहितहुँ जे एहि बातक की अर्थ अछि, "हमरा दया करब, बलिदान नहि, तँ अहाँ सभ निर्दोष कें दोषी नहि ठहरौने रहितहुँ।"
8 मनुख-पुत्र विश्राम-दिनक प्रभु छथि।
9 ओतऽ सँ विदा भेला पर ओ हुनका सभक सभाघर मे गेलाह।
10 एकटा एहन आदमी छल जकर हाथ मुरझा गेल छलैक। ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन, "की विश्राम-दिन मे ठीक करब उचित अछि?" जाहि सँ ओ सभ हुनका पर आरोप लगाबथि।
11 ओ हुनका सभ कें कहलथिन, " अहाँ सभ मे एहन केओ भेँड़ा होयत जकर एकटा भेँड़ा विश्राम-दिन मे गड्ढा मे खसि पड़त तँ की ओ ओकरा पकड़ि कऽ बाहर नहि निकालत?
12 तखन भेँड़ा सँ मनुख कतेक नीक अछि? तेँ विश्राम-दिन मे नीक काज करब उचित अछि।
13 तखन ओ ओहि आदमी कें कहलथिन, " अपन हाथ बढ़ाउ।" ओ ओकरा पसारि देलक। आ दोसर जकाँ पूरा भऽ गेल।
14 तखन फरिसी सभ बाहर निकलि कऽ हुनका विरुद्ध एकटा परिषद् कऽ लेलक जे ओ सभ हुनका कोना नष्ट कऽ सकैत अछि।
15 यीशु ई बात बुझि ओतऽ सँ हटि गेलाह।
16 ओ सभ हुनका सभ कें आज्ञा देलथिन जे ओ सभ हुनका सभक परिचय नहि करथि।
17 जाहि सँ यशायाह प्रवक् ता द्वारा कहल गेल बात पूरा भऽ जाय।
18 देखू हमर सेवक, जकरा हम चुनने छी। हमर प्रियजन, जिनका पर हमर प्राण प्रसन्न अछि।
19 ओ झगड़ा नहि करत आ ने कानत। आ ने केओ गली-गली मे ओकर आवाज सुनत।
20 ओ खढ़ल खढ़ कें नहि तोड़त आ धुँआधार सन कें नहि बुझाओत, जाबत धरि ओ न् याय कें विजय दिस नहि पठाओत।
21 गैर-यहूदी सभ हुनकर नाम पर भरोसा करत।
22 तखन हुनका लग एकटा आन्हर आ गूंगा एकटा दुष् टात् मा सँ ग्रसित आनल गेलनि आ ओ हुनका ठीक कऽ देलथिन जे आन्हर आ गूंगा दुनू बाजि रहल छल आ देखैत छल।
23 सभ लोक चकित भऽ कऽ कहलथिन, "की ई दाऊदक पुत्र नहि अछि?"
24 फरिसी सभ ई बात सुनि कऽ कहलथिन, "ई आदमी दुष् टात् मा सभ कें नहि भगाबैत अछि, बल् कि दुष् टात् मा सभक सरदार बेलजबूबक द्वारा।"
25 यीशु हुनका सभक विचार कें जानि कऽ हुनका सभ कें कहलथिन, " प्रत्येक राज् य अपन-अपन विरोध मे विभाजित भऽ गेल अछि। एक-एकटा नगर वा घर अपना-अपन विरोध मे विभाजित नहि होयत।

26 जँ शैतान शैतान कैँ बाहर निकालि दैत अछि तँ ओ अपना
आप मे बँटि गेल अछि। तखन ओकर राज्य कोना ठाढ़ रहत?
27 जँ हम बेलजबुलक द्वारा दुष् टात् मा सभ कैँ भगाबैत छी तँ
अहाँ सभक सन् तान केकरा द्वारा ओकरा सभ कैँ बाहर
निकालैत अछि? तेँ ओ सभ अहाँक न्यायाधीश हेताह।"
28 मुदा जँ हम परमेश् वरक आत् मा द्वारा दुष् टात् मा सभ कैँ
भगा दैत छी तँ परमेश् वरक राज् य अहाँ सभ लग आबि गेल
अछि।
29 जँ पहिने बलवानक घर मे घुसि कऽ ओकर सम् पत्ति कोना
लूटत? आ तखन ओ अपन घर बिगाड़ि लेत।
30 जे हमरा संग नहि अछि से हमरा विरोध मे अछि। जे हमरा
संग नहि जमा करैत अछि, से तितर-बितर भ' जाइत अछि।"
31 तेँ हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, सभ तरहक पाप आ निन्दा
मनुष् य कैँ माफ कयल जायत।
32 जे केओ मनुष् यक पुत्रक विरुद्ध कोनो बात कहत तँ ओकरा
माफ कयल जायत।
33 गाछ कैँ नीक बनाउ आ ओकर फल नीक बनाउ। नहि तऽ
गाछ कैँ नष्ट कऽ दियौक आ ओकर फल कैँ नष्ट कऽ दियौक,
कारण गाछ ओकर फल सँ चिन्हल जाइत छैक।
34 हे साँपक पीढ़ी, अहाँ सभ अधलाह भऽ कऽ नीक बात कोना
बाजि सकैत छी? कारण, हृदयक प्रचुरता सँ मुँह बजैत अछि।
35 नीक लोक हृदयक नीक भंडार मे सँ नीक बात निकालैत
अछि, आ अधलाह लोक अधलाह भंडार सँ अधलाह बात
निकालैत अछि।
36 मुदा हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, मनुष् य सभ जे किछु
बेकार बात कहत, ओकर हिसाब-किताब न्यायक दिन देत।
37 किएक तँ अहाँ अपन बातक द्वारा धर्मी ठहराओल जायब आ
अहाँक वचन द्वारा अहाँ कैँ दोषी ठहराओल जायत।
38 तखन किछु धर्मशास्त्री आ फरिसी सभ उत्तर देलथिन, "गुरु,
हम सभ अहाँक दिस सँ कोनो संकेत देखय चाहैत छी।"
39 मुदा यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, " एकटा दुष् ट आ
व्यभिचारी पीढ़ी कोनो चिन् हक खोज मे लागल अछि। ओकरा
कोनो चिन् ह, सिवाय योना प्रवक् ताक चिन् ह।
40 जहिना योनास तीन दिन आ तीन राति ह्वेलक पेट मे रहलाह।
तहिना मनुष् यक पुत्र तीन दिन आ तीन राति पृथ् वीक हृदय मे
रहताह।
41 न्यायक समय मे नीनवेक लोक सभ एहि पीढ़ीक संग उठि
कऽ ओकरा दोषी ठहराओत। आ देखू, योनास सँ पैघ एकटा
एतय अछि।
42 दक्षिणक रानी एहि पीढ़ीक संग न्यायक समय मे उठि कऽ
ओकरा दोषी ठहराओत। आ देखू, सुलेमान सँ पैघ एकटा एतय
अछि।"
43 जखन मनुष् य मे सँ अशुद्ध आत् मा बाहर निकलि जाइत
अछि तँ ओ शुष्क स्थान मे घुमैत अछि आ विश्रामक खोज मे
जाइत अछि, मुदा ओकरा कियो नहि भेटैत अछि।
44 तखन ओ कहलथिन, "हम अपन घर मे घुरि जायब, जतय सँ
हम निकललहुँ। जखन ओ अबैत छथि तँ ओकरा खाली, झाड़ल
आ सजाओल पाबि जाइत छथि।
45 तखन ओ जा कऽ अपना सँ बेसी दुष्ट सातटा आन आत् मा कैँ
अपना संग लऽ जाइत अछि आ ओ सभ ओहि मे प्रवेश कऽ कऽ
रहि जाइत अछि। तहिना एहि दुष्ट पीढ़ीक लेल सेहो होयत।
46 जखन ओ लोक सभ सँ गप्प कऽ रहल छलाह तखन हुनकर
माय आ भाय सभ हुनका सँ गप्प करबाक इच्छा करैत बाहर ठाढ़
छलाह।
47 तखन एक गोटे हुनका कहलथिन, "देखू, अहाँक माय आ
अहाँक भाय सभ बाहर ठाढ़ छथि आ अहाँ सँ गप्प करबाक
इच्छा रखैत छथि।"
48 मुदा ओ हुनका ई बात कहनिहार कैँ उत्तर देलथिन, " हमर
माय के छथि?" हमर भाइ सभ के छथि?
49 ओ अपन शिष् य सभ दिस हाथ बढ़ा कऽ कहलथिन, " देखू,
हमर माय आ हमर भाय सभ!
50 किएक तँ जे केओ हमर स् वर्ग मे रहनिहार पिताक इच् छा
पूरा करत, से हमर भाय, बहिन आ माय छथि।

अध्याय 13

1 ओही दिन यीशु घर सँ बाहर निकलि समुद्रक कात मे बैसलाह।
2 बहुतो भीड़ हुनका लग जमा भऽ गेलाह, जाहि सँ ओ एकटा
नाव मे बैसि कऽ बैसि गेलाह। समस्त भीड़ किनार पर ठाढ़ भ'
गेल।
3 ओ हुनका सभ कैँ दृष्टान्त मे बहुतो बात कहलथिन, " देखू,
एकटा बोनिहार बोनिय लेल निकलल छल।
4 जखन ओ बोइलाह तँ बाट कात मे किछु बीया खसि पड़ल आ
चिड़ै सभ आबि कऽ ओकरा सभ कैँ खा गेल।
5 किछु गोटे पाथरक स्थान पर खसि पड़लाह, जतऽ हुनका सभ
लग बेसी माटि नहि छलनि।
6 रौद निकलला पर ओ सभ जरि गेल। जड़ि नहि रहबाक कारणेँ
ओ सभ मुरझा गेल।
7 किछु काँटक बीच खसि पड़ल। काँट उगलि कऽ ओकरा
सभक गला दबा देलक।
8 मुदा किछु नीक जमीन मे खसि पड़ल आ किछु सौ गुना, किछु
साठि गुना, किछु तीस गुना फल देलक।
9 जकरा सुनबाक कान अछि, ओ सुनय।
10 शिष्य सभ आबि कऽ हुनका पुछलथिन, "अहाँ हुनका सभ सँ
दृष्टान्त मे किएक बजैत छी?
11 ओ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, " किएक तँ अहाँ सभ कैँ स्
वर्गक राज् यक रहस् य सभ कैँ जानबाक अधिकार देल गेल
अछि, मुदा हुनका सभ कैँ ई बात नहि देल गेल अछि।"
12 जकरा लग अछि, ओकरा देल जायत आ ओकरा बेसी प्रचुरता
भेटतैक।
13 तेँ हम हुनका सभ कैँ दृष्टान्त मे बाजि रहल छी। सुनि कऽ ओ
सभ नहि सुनैत अछि आ ने बुझैत अछि।
14 हुनका सभ मे यशायाहक भविष्यवाणी पूरा होइत अछि जे
कहैत अछि जे, "सुनि कऽ अहाँ सभ सुनब आ नहि बुझब।" अहाँ
सभ देखब, मुदा नहि बुझब।
15 एहि लोक सभक हृदय स्थूल भऽ गेल अछि आ कान सुनबा मे
नीरस भऽ गेल अछि आ आँखि मुनि गेल अछि। कहीं ओ सभ
कहियो आँखि सँ देखि कऽ कान सँ सुनत आ हृदय सँ बुझि नहि
सकथि आ धर्म परिवर्तन नहि कऽ सकथि आ हम हुनका सभ कैँ
ठीक कऽ सकब।"
16 मुदा अहाँक आँखि धन्य अछि, किएक तँ ओ देखैत अछि, आ
कान सुनैत अछि।
17 हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे अहाँ सभ जे किछु देखैत
छी, तकरा बहुतो प्रवक् ता आ धर्मी लोक सभ देखबाक इच्छा

रखैत छथि। आ जे बात अहाँ सभ सुनैत छी, तकरा सुनैत छी, मुदा नहि सुनने छी।
18 तेँ अहाँ सभ बोनिहारक दृष्टान्त सुनू।
19 जखन केओ राज्यक वचन सुनैत अछि आ ओकरा नहि बुझैत अछि, तखन दुष्ट आबि कऽ अपन हृदय मे जे किछु बोरल छल, तकरा पकड़ि लैत अछि। ई ओ छथि जिनका बाट कात मे बीया भेटलनि।
20 मुदा जे बीया पाथरक स्थान पर लऽ गेल अछि, से ओ अछि जे वचन सुनैत अछि आ आनन्द सँ ओकरा ग्रहण करैत अछि।
21 तैयो ओ अपना मे जड़ि नहि जमा लेने अछि, बल् कि किछु समयक लेल टिकल अछि, किएक तँ जखन वचनक कारणेँ कष्ट वा सताओल जाइत अछि तखन ओ त्रस्त भऽ जाइत अछि।
22 जे काँटक बीच मे बीया पाबि गेल अछि, से ओ अछि जे वचन सुनैत अछि। एहि संसारक चिन्ता आ धनक छल-प्रपंच वचन केँ गला घोंटैत अछि आ ओ निष्फल भऽ जाइत अछि।
23 मुदा नीक भूमि मे जे बीया लऽ गेल अछि से ओ अछि जे वचन सुनैत अछि आ ओकरा बुझैत अछि। जे फल सेहो दैत अछि आ किछु सौ गुना, कियो साठि, किछु तीस गुना फल दैत अछि।
24 ओ हुनका सभ केँ एकटा आओर दृष्टान्त दैत कहलथिन, " स्वर्गक राज् य ओहि आदमीक उपमा अछि जे अपन खेत मे नीक बीया बोनि रहल अछि।
25 मुदा जखन लोक सभ सुतल छल तखन ओकर शत्रु आबि कऽ गहूम मे खरपतवार बोनि कऽ चलि गेल।
26 मुदा जखन कटहर उगलि कऽ फल देलक तऽ खरपतवार सेहो प्रकट भेल।
27 घरक नोकर सभ आबि कऽ हुनका कहलथिन, "महाराज, की अहाँ अपन खेत मे नीक बीया नहि रोपलहुँ?" तखन ई कतय सँ खरपतवार अछि?
28 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "एकटा शत्रु ई काज केलक अछि।" नोकर सभ हुनका कहलथिन, "तखन की अहाँ चाहैत छी जे हम सभ जा कऽ ओकरा सभ केँ जमा करी?"
29 मुदा ओ कहलथिन, "नहि। कहीं जाबत अहाँ सभ खरपतवार जमा करब तखन गहूम सेहो ओकरा संग जड़ि नहि उखाड़ि देब।"
30 कटनी धरि दुनू गोटे एक संग बढ़य दियौक, आ कटनीक समय मे हम कटनी करयवला सभ केँ कहब जे, "पहिने खरपतवार केँ जमा करू आ ओकरा जरेबाक लेल गठरी मे बान्हि दियौक, मुदा गहूम केँ हमर कोठी मे जमा करू।"
31 ओ हुनका सभ केँ एकटा आओर दृष्टान्त दैत कहलथिन, " स्वर्गक राज् य एकटा सरसोकक दाना जकाँ अछि, जकरा मनुष् य अपन खेत मे बोनि लेलक।
32 ई सभ बीया मे सभ सँ छोट अछि, मुदा जखन ई बढ़ि जाइत अछि तखन ओ जड़ी-बूटी मे सबसँ पैघ होइत अछि आ गाछ बनि जाइत अछि, जाहि सँ आकाशक चिड़ै सभ आबि कऽ ओकर डारि मे ठहरि जाइत अछि।
33 ओ हुनका सभ केँ एकटा आओर दृष्टान्त बजौलनि। स् वर्गक राज् य खमीर जकाँ अछि, जे स् त्री लऽ कऽ तीन नाप आटा मे नुका लेलक, जाबत धरि पूरा खमीर नहि भऽ गेल।
34 ई सभ बात यीशु लोक सभ केँ दृष्टान्त मे कहलनि। ओ हुनका सभ सँ बिना कोनो दृष्टान्तक बात नहि कहलनि।
35 जाहि सँ ई बात पूरा भऽ जाय जे प्रवक् ता द्वारा कहल गेल छलनि जे, "हम दृष् टान् त मे अपन मुँह खोलब।" हम ओहि बात सभ केँ बाजब जे संसारक नींव सँ गुप्त राखल गेल अछि।

36 तखन यीशु लोक सभ केँ विदा कऽ घर मे गेलाह आ हुनकर शिष् य सभ हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, "हमरा सभ केँ खेतक खरपतवारक दृष्टान्त सुनाउ।"
37 ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " जे नीक बीया बोबैत अछि से मनुष् यक पुत्र अछि।
38 खेत संसार अछि। नीक बीया राज्यक संतान अछि। मुदा खरपतवार दुष्टक संतान अछि।
39 जे शत्रु ओकरा सभ केँ बोनि देलक से शैतान अछि। फसल संसारक अंत अछि; आ फसल काटनिहार स् वर्गदूत छथि।
40 जहिना खरपतवार जमा कऽ आगि मे जराओल जाइत अछि। एहि संसारक अन्त मे सेहो एहने होयत।
41 मनुष् यक पुत्र अपन स् वर्गदूत सभ केँ पठाओत आ ओ सभ अपन राज् य सँ सभटा अपराध आ अधर्म करयवला सभ केँ जमा कऽ लेताह।
42 ओ सभ ओकरा सभ केँ आगि केर भट्ठी मे फेकि देतैक।
43 तखन धर्मात्मा सभ अपन पिताक राज् य मे सूर्य जकाँ चमकत। जेकरा सुनै के कान छै, वू सुनै।
44 फेर स् वर्गक राज् य खेत मे नुकायल खजाना जकाँ अछि। जे जखन केओ भेटि जाइत अछि तँ ओ नुका लैत अछि आ ओकर आनन्द मे जा कऽ अपन सभटा चीज बेचि कऽ ओहि खेत केँ कीनि लैत अछि।
45 फेर स् वर्गक राज् य एकटा बनिया जकाँ अछि जे नीक मोतीक खोज करैत अछि।
46 ओ एकटा पैघ मोती भेटला पर जा कऽ अपन सभ किछु बेचि कऽ कीनि लेलक।
47 फेर स् वर्गक राज् य जाल जकाँ अछि जे समुद्र मे फेकल गेल छल आ सभ तरहक जमा कयल गेल छल।
48 ओ सभ जखन भरि गेल तखन ओ सभ किनार पर आबि बैसि गेल आ नीक केँ बर्तन मे जमा कऽ लेलक, मुदा अधलाह केँ फेकि देलक।
49 संसारक अन् त मे सेहो एहने होयत, स् वर्गदूत सभ आबि कऽ दुष् ट लोक सभ केँ धार्मिक लोक सभ मे सँ अलग कऽ देताह।
50 ओ सभ ओकरा सभ केँ आगि केर भट्ठी मे फेकि देतैक।
51 यीशु हुनका सभ केँ पुछलथिन, " की अहाँ सभ ई सभ बात बुझि गेलहुँ?" ओ सभ हुनका कहलथिन, "हँ, प्रभु।"
52 तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "एहि लेल जे शास्त्री केँ स् वर्गक राज् यक शिक्षा देल जाइत अछि, से ओहि घरक मालिक जकाँ अछि जे अपन भंडार सँ नव-पुरान वस्तु सभ निकालैत अछि।"
53 यीशु एहि दृष्टान्त सभ केँ समाप्त कऽ कऽ ओतऽ सँ चलि गेलाह।
54 ओ अपन देश पहुँचला पर हुनका सभ केँ सभाघर मे शिक्षा देलथिन, जाहि सँ ओ सभ आश्चर्यचकित भऽ कऽ कहलथिन, "एहि आदमी केँ ई बुद्धि आ ई सभ पराक्रम कतय सँ भेटल अछि?"
55 की ई बढ़ईक बेटा नहि अछि? की ओकर मायक नाम मरियम नहि छैक? हुनकर भाय याकूब, यूसुस, सिमोन आ यहूदा?
56 हुनकर बहिन सभ, की ओ सभ हमरा सभक संग नहि अछि? तखन ई सभ बात एहि आदमी केँ कतय सँ भेटल अछि?
57 ओ सभ हुनका पर आहत भऽ गेलाह। यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, " प्रवक् ता अपन देश आ अपन घर छोड़ि कऽ कोनो आदरहीन नहि होइत अछि।"
58 ओतऽ हुनका सभक अविश् वासक कारणेँ ओ बहुत रास पराक्रम नहि कयलनि।

अध्याय 14

1 ओहि समय मे राज्यपाल हेरोदेस यीशुक प्रसिद्धि सुनलनि।
2 ओ अपन नोकर सभ कैं कहलथिन, “ई यूहन् ना बपतिस् मा देनिहार छथि। ओ मृत् यु मे सँ जीबि उठल अछि। आ तैँ हुनका मे पराक्रमक काज देखाइत अछि।
3 हेरोदेस यूहन् ना कैं पकड़ि कऽ बान्हि कऽ जेल मे राखि देने छलाह, जे हुनकर भाय फिलिप्पुसक स् त्री हेरोदियाक कारणेँ छलनि।
4 यूहन् ना हुनका कहलथिन, “अहाँ कैं हुनका संग रहब उचित नहि अछि।”
5 जखन यीशु हुनका मारि देबऽ चाहैत छलाह तँ ओ लोक सभ सँ डेरा गेलाह, किएक तँ ओ सभ हुनका भविष्यवक्ता बुझैत छलाह।
6 मुदा जखन हेरोदेसक जन्मदिन मनाओल गेल तखन हेरोदियाक बेटी हुनका सभक सोझाँ नाचैत हेरोदेस कैं प्रसन्न कयलनि।
7 तखन ओ शपथ ग्रहण कयलनि जे ओ जे किछु माँगथिन से देबनि।
8 ओ अपन मायक निर्देश सँ पहिने बजलीह, “हमरा एतय यूहन् ना बपतिस् मा देनिहारक माथ एकटा पानि मे दऽ दिअ।”
9 राजा दुखी भऽ गेलाह, मुदा शपथक कारणेँ आ हुनका संग भोजन करय बला सभ कैं ओ ओकरा देबाक आज्ञा देलथिन।
10 ओ जेल मे यूहन् नाक सिर काटि कऽ पठा देलथिन।
11 ओकर माथ एकटा बर्तन मे आनि कऽ ओहि कन्या कैं देल गेलनि।
12 हुनकर शिष् य सभ आबि कऽ शव कैं लऽ कऽ गाड़ि कऽ यीशु कैं कहलथिन।
13 यीशु ई बात सुनि कऽ ओतऽ सँ नाव सँ अलग-अलग मरुभूमि मे विदा भेलाह।
14 यीशु निकलि गेलाह आ बहुत रास भीड़ देखि हुनका सभ पर दया आबि गेलाह आ हुनका सभक बीमार सभ कैं ठीक कयलनि।
15 साँझ भेला पर हुनकर शिष् य सभ हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, “ई मरुभूमि अछि आ आब समय बीति गेल अछि। लोक सभ कैं विदा करू, जाहि सँ ओ सभ गाम-घर जा कऽ अपना लेल भोजन कीनि सकय।”
16 यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, “ ओकरा सभ कैं जेबाक प्रयोजन नहि। अहाँ सभ ओकरा सभ कैं खाय लेल दऽ दियौक।
17 ओ सभ हुनका कहलथिन, “हमरा सभ लग पाँचटा रोटी आ दूटा माछ मात्र अछि।”
18 ओ कहलथिन, “ओ सभ एतय हमरा लग आनि दिअ।”
19 ओ लोक सभ कैं घास पर बैसबाक आज्ञा देलथिन आ पाँचटा रोटी आ दूटा माछ लऽ कऽ स् वर्ग दिस तकैत आशीष दऽ कऽ तोड़ि कऽ रोटी सभ अपन शिष् य सभ कैं आ शिष् य सभ कैं भीड़ कैं दऽ देलथिन .
20 ओ सभ भोजन कऽ कऽ तृप्त भऽ गेल।
21 जे सभ भोजन केने छल, से स् त्रीगण आ बच्चा सभक अतिरिक्त करीब पाँच हजार पुरुष छल।
22 यीशु तुरन्त अपन शिष्य सभ कैं नाव मे चढ़बाक लेल बाध्य कयलनि आ हुनका सँ आगू बढ़ि कऽ दोसर कात चलि गेलाह।
23 लोक सभ कैं विदा कऽ कऽ ओ अलग-अलग पहाड़ पर प्रार्थना करबाक लेल चलि गेलाह।
24 ओ नाव समुद्रक बीचोबीच छल आ लहरि सँ झटकि रहल छल।
25 राति मे चारिम प्रहर मे यीशु समुद्र पर चलैत हुनका सभक लग गेलाह।
26 शिष्य सभ जखन यीशु कैं समुद्र पर चलैत देखि कऽ चकित भऽ कऽ कहलथिन, “ई आत् मा अछि। ओ सभ डरसँ चिचिया उठल।
27 यीशु तुरन्त हुनका सभ कैं कहलथिन, “ हैर रहू। ई हम छी; डरब नहि।
28 पत्रुस हुनका उत्तर देलथिन, “प्रभु, जँ अहाँ छी तँ हमरा पानि पर अहाँक लग आबय लेल कहब।”
29 ओ कहलथिन, “आउ।” जखन पत्रुस नाव सँ उतरलाह तँ ओ पानि पर चलि कऽ यीशु लग जेबाक लेल चलि गेलाह।
30 मुदा जखन ओ हवाक उधम मचबैत देखलनि तँ ओ भयभीत भऽ गेलाह। ओ डूबय लगलाह, “प्रभु, हमरा बचाउ।”
31 तुरन्त यीशु हाथ बढ़ा कऽ हुनका पकड़ि कऽ कहलथिन, “ हे कम विश् वासक लोक, अहाँ कैं किएक शंका भेल?
32 जखन ओ सभ नाव मे बैसलाह तखन हवा रुकि गेल।
33 तखन नाव मे बैसल लोक सभ आबि कऽ हुनकर आराधना कयलनि आ कहलथिन, “सत्ते अहाँ परमेश् वरक पुत्र छी।”
34 ओ सभ ओहि पार चलि गेलाह आ ओ सभ गेनेसरेत देश मे आबि गेलाह।
35 ओहि ठामक लोक सभ कैं हुनका बारे मे पता चलला पर ओ सभ चारूकातक समस्त देश मे पठा देलथिन आ सभ बीमार कैं हुनका लग अनलनि।
36 ओ हुनका सँ विनती कयलनि जे ओ सभ मात्र हुनकर वस्त्रक कात कैं छुबि सकय।

अध्याय 15

1 तखन यरूशलेमक धर्मशास्त्री आ फरिसी सभ यीशु लग आबि कऽ कहलथिन।
2 तोहर शिष् य सभ बूढ़-पुरान सभक परम्पराक उल्लंघन किएक करैत अछि? रोटी खाइत काल हाथ नहि धोबैत छथि।
3 मुदा यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, “ अहाँ सभ सेहो अपन परम्परा सँ परमेश् वरक आज्ञाक उल्लंघन किएक करैत छी?
4 परमेश् वर आज्ञा देलथिन जे, “अपन बाप-माए कैं आदर करू।”
5 मुदा अहाँ सभ कहैत छी जे, जे केओ अपन बाप-माए कैं कहत जे, ‘ई वरदान अछि, जाहि सँ अहाँ कैं हमरा सँ लाभ भ’ सकैत अछि।
6 ओकर बाप आ मायक आदर नहि करू, ओ स्वतंत्र रहत। एहि तरहेँ अहाँ सभ अपन परम्परा सँ परमेश् वरक आज्ञा कैं बेकार कयलहुँ।
7 अहाँ सभ पाखंडी सभ, यशायाह अहाँ सभक विषय मे नीक जकाँ भविष्यवाणी कयलनि।
8 ई लोक अपन मुँह सँ हमरा लग अबैत अछि आ अपन ठोर सँ हमरा आदर करैत अछि। मुदा हुनका लोकनिक हृदय हमरा सँ दूर अछि।
9 मुदा ओ सभ व्यर्थ मे हमर आराधना करैत छथि, आ मनुष् यक आज्ञाक शिक्षाक लेल सिखाबैत छथि।
10 ओ लोक सभ कैं बजा कऽ कहलथिन, “ सुनू आ बुझू।
11 जे मुँह मे जाइत अछि से मनुष् य कैं अशुद्ध नहि करैत अछि। मुदा जे मुँह सँ निकलैत अछि, से मनुष् य कैं अशुद्ध करैत अछि।”

12 तखन हुनकर शिष् य सभ आबि कऽ हुनका पुछलथिन, “की
अहाँ जनैत छी जे फरिसी सभ ई बात सुनि कऽ आहत भऽ
गेलाह?”
13 मुदा ओ उत्तर देलथिन, “ हमर स् वर्गीय पिता जे कोनो पौधा
नहि रोपने छथि, से जड़ि सँ उखाड़ि देल जायत।”
14 ओकरा सभ कैँ छोड़ू, ओ सभ आन्हर सभक आन्हर नेता बनू।
आन्हर जँ आन्हर कैँ आगू बढ़बैत अछि तँ दुनू खाधि मे खसि
पड़त।
15 तखन पत्रुस हुनका कहलथिन, “हमरा सभ कैँ ई दृष्टान्त
सुनाउ।”
16 यीशु पुछलथिन, “ की अहाँ सभ सेहो अखनो बुझि नहि रहल
छी?”
17 की अहाँ सभ एखन धरि ई नहि बुझैत छी जे मुँह मे जे किछु
प्रवेश करैत अछि से पेट मे जाइत अछि आ बहरा मे फेकि देल
जाइत अछि?
18 मुदा जे बात मुँह सँ निकलैत अछि से हृदय सँ निकलैत अछि।
ओ सभ मनुष् य कैँ अशुद्ध करैत अछि।
19 हृदय सँ अधलाह विचार, हत्या, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरी,
झूठ गवाही आ निन्दा निकलैत अछि।
20 ई सभ मनुख कैँ अशुद्ध करैत अछि, मुदा हाथ नहि धोओल
गेल भोजन करब मनुष् य कैँ अशुद्ध नहि करैत अछि।
21 यीशु ओतय सँ जा कऽ सोर आ सीदोन प्रदेश मे विदा भेलाह।
22 ओहि इलाका सँ कनानक एकटा स् त्री हुनका चिचिया कऽ
कहलथिन, “हे प्रभु, हे दाऊदक पुत्र, हमरा पर दया करू। हमर
बेटी एकटा शैतानसँ बहुत परेशान अछि।
23 मुदा ओ ओकरा एको शब्द नहि उत्तर देलथिन। हुनकर शिष्
य सभ आबि कऽ हुनका सँ विनती कयलनि जे, “ओकरा विदा
कऽ दियौक। किएक तँ ओ हमरा सभक पाछाँ-पाछाँ कानैत
छथि।
24 मुदा ओ उत्तर देलथिन, “ हम इस्राएलक घरानाक हेरायल
भेँड़ा सभक दिस छोड़ि नहि पठाओल गेल छी।”
25 तखन ओ आबि कऽ हुनकर आराधना कयलनि आ कहलथिन,
“प्रभु, हमर सहायता करू।”
26 मुदा ओ उत्तर देलथिन, “ बच्चा सभक रोटी लऽ कऽ कुकुर
सभक हाथ मे फेकि देब उचित नहि।”
27 ओ बजलीह, “सत्य हे प्रभु, तइयो कुकुर सभ अपन मालिकक
टेबुल पर सँ खसैत टुकड़ी खाइत अछि।”
28 तखन यीशु हुनका उत्तर देलथिन, “ हे स् त्री, अहाँक विश् वास
बहुत पैघ अछि। ओहि घड़ी सँ ओकर बेटी ठीक भ' गेलै।
29 यीशु ओतऽ सँ विदा भऽ गलील समुद्रक समीप पहुँचलाह।
एक पहाड़ पर चढ़ि कऽ ओतहि बैसि गेलाह।
30 बहुत रास भीड़ हुनका लग आबि कऽ लंगड़ा, आन्हर, गूंगा,
अपंग आ बहुतो लोक सभ हुनका सभ कैँ यीशुक पएर लग फेकि
देलकनि। ओ ओकरा सभ कैँ ठीक कयलनि।
31 लोक सभ गूंगा सभ कैँ बजैत देखि, अपंग सभ कैँ स्वस्थ,
लंगड़ा सभ कैँ चलैत आ आन्हर सभ कैँ देखि कऽ देखि
आश्चर्यचकित भऽ गेल।
32 तखन यीशु अपन शिष् य सभ कैँ बजा कऽ कहलथिन,
“ हमरा ओहि भीड़ पर दया आबि रहल अछि, किएक तँ ओ सभ
एखन तीन दिन धरि हमरा संग रहैत अछि आ किछु नहि खाय
पड़ैत अछि।
33 हुनकर शिष् य सभ हुनका पुछलथिन, “हमरा सभ कैँ जंगल
मे एतेक रोटी कतय सँ भेटत जे एतेक रास भीड़ कैँ भरि सकब?”
34 यीशु हुनका सभ कैँ पुछलथिन, “ अहाँ सभ लग कतेक रोटी
अछि?” ओ सभ कहलकनि, “सात आ किछु छोट-छोट माछ।”
35 ओ लोक सभ कैँ जमीन पर बैसबाक आज्ञा देलथिन।
36 ओ सातटा रोटी आ माछ लऽ कऽ धन् यवाद दऽ कऽ तोड़ि
कऽ अपन शिष् य सभ कैँ आ शिष् य सभ कैँ भीड़ कैँ दऽ
देलथिन।
37 ओ सभ भोजन कऽ कऽ तृप्त भऽ गेल।
38 भोजन करऽ वला चारि हजार पुरुष छल, स् त्री आ बच्चा
सभक अतिरिक्त।
39 ओ लोक सभ कैँ विदा कऽ जहाज पर चढ़ि मगदला प्रदेश मे
आबि गेलाह।

अध्याय 16

1 फरिसी सभ सेहो सदुकी सभक संग आबि कऽ हुनका सभ कैँ
परीक्षा लेलक जे स् वर्ग सँ हुनका सभ कैँ कोनो चमत् कार
देखाबय।
2 ओ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, “ साँझ भेला पर अहाँ सभ
कहैत छी जे नीक मौसम होयत, किएक तँ आकाश लाल भऽ गेल
अछि।”
3 भोरे-भोर, “आइ दिन अधलाह मौसम होयत, किएक तँ आकाश
लाल आ उड़ैत अछि।” हे पाखंडी सभ, अहाँ सभ आकाशक मुँह
कैँ बूझि सकैत छी। मुदा की अहाँ सभ समयक संकेत कैँ नहि
बुझि सकैत छी?
4 दुष्ट आ व्यभिचारी पीढ़ी कोनो चिन् हक खोज मे लागल अछि।
ओकरा कोनो चिन् ह, सिवाय योना प्रवक् ताक चिन् ह।” ओ
ओकरा सभ कैँ छोड़ि कऽ चलि गेलाह।
5 जखन हुनकर शिष् य सभ ओहि कात पहुँचलाह तँ ओ सभ
रोटी लेबऽ बिसरि गेल छलाह।
6 तखन यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, “ फरिसी आ सदुकी
सभक खमीर सँ सावधान रहू आ सावधान रहू।”
7 ओ सभ आपस मे विचार-विमर्श करैत कहलथिन, “हम सभ
रोटी नहि लेने छी।”
8 यीशु ई बात बुझि हुनका सभ कैँ कहलथिन, “ हे कम विश्
वासक लोक सभ, अहाँ सभ आपस मे किएक तर्क-वितर्क करैत
छी, किएक तँ अहाँ सभ रोटी नहि अनलहुँ?”
9 की अहाँ सभ एखन धरि नहि बुझैत छी आ ने पाँच हजार मे सँ
पाँच रोटी आ कतेक टोकरी उठौलहुँ से मोन नहि अछि?
10 चारि हजार मे सँ सातटा रोटी आ कतेक टोकरी अहाँ सभ
नहि उठौलहुँ?
11 अहाँ सभ कोना नहि बुझैत छी जे हम अहाँ सभ कैँ रोटीक
विषय मे ई बात नहि कहलहुँ जे अहाँ सभ फरिसी आ सदुकी
सभक खमीर सँ सावधान रहू?
12 ओ सभ बुझि गेलाह जे ओ हुनका सभ कैँ रोटीक खमीर सँ
नहि, बल् कि फरिसी आ सदुकी सभक शिक्षा सँ सावधान
रहबाक लेल कहैत छथि।
13 यीशु कैसरिया फिलिप्पी प्रदेश मे पहुँचला पर अपन शिष् य
सभ सँ पुछलथिन, “ मनुष् य सभक पुत्र के कहैत अछि?”
14 ओ सभ कहलथिन, “किछु लोक कहैत अछि जे अहाँ यूहन् ना
बपतिस् मा देनिहार छी। आ दोसर लोक यिर्मयाह वा कोनो
भविष्यवक्ता।
15 ओ हुनका सभ कैँ पुछलथिन, “ मुदा अहाँ सभ के कहैत छी
जे हम के छी?”

16 सिमोन पत्रुस उत्तर देलथिन, "अहाँ मसीह, जीवित परमेश्
वरक पुत्र छी।"
17 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " हे सिमोन बरजोना, अहाँ धन्य
छी, किएक तँ अहाँ केँ ई बात मांस आ खून नहि, बल् कि हमर स्
वर्ग मे रहनिहार पिता प्रगट कयलनि अछि।"
18 हम अहाँ केँ ईहो कहैत छी जे, अहाँ पत्रुस छी, आ एहि चट्टान
पर हम अपन मण् डली बनबैत छी। आ नरकक फाटक ओकरा
पर हावी नहि होयत।
19 हम अहाँ केँ स् वर्गक राज् यक चाभी दऽ देब।
20 तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ
ककरो ई नहि कहथि जे ओ यीशु मसीह छथि।
21 तहिया सँ यीशु अपन शिष्य सभ केँ ई देखाबय लगलाह जे
हुनका यरूशलेम जा कऽ प्राचीन-पुरोहित आ धर्म-शिक्षक सभक
बहुत कष्ट भोगि कऽ मारल जेबाक चाही आ तेसर दिन जीबि
उठब।
22 तखन पत्रुस हुनका पकड़ि कऽ डाँटय लगलाह, "हे प्रभु, अहाँ
सँ दूर रहू।"
23 मुदा ओ घुमि कऽ पत्रुस केँ कहलथिन, "हे शैतान, अहाँ हमरा
पाछाँ हटि जाउ।
24 तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, " जँ केओ हमरा
पाछाँ आबय चाहैत अछि तँ ओ अपना केँ त्यागि अपन क्रूस उठा
कऽ हमरा पाछाँ लागय।"
25 जे केओ अपन प्राण बचाओत से ओकरा गमाओत।
26 जँ मनुष्य समस्त संसारक लाभ उठा लेत आ अपन प्राण गमा
लेत तँ ओकरा की फायदा? आकि मनुष् य अपन प्राणक बदला
मे की देत?
27 मनुख-पुत्र अपन पिताक महिमा मे अपन स् वर्गदूत सभक
संग आबि जायत। तखन ओ प्रत्येक केँ अपन काजक अनुसार
फल देथिन।
28 हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे एतय किछु एहन लोक
छथि जे जाबत धरि मनुष् य-पुत्र केँ अपन राज् य मे अबैत नहि
देखत ता धरि मृत् युक स्वाद नहि लेत।

अध्याय 17

1 छह दिनक बाद यीशु पत्रुस, याकूब आ हुनकर भाय यूहन् ना
केँ लऽ कऽ अलग-अलग ऊँच पहाड़ पर लऽ गेलाह।
2 ओ हुनका सभक सोझाँ बदलि गेलाह।
3 ओतऽ मूसा आ एलियाह हुनका सभ केँ गप्प करैत प्रकट
भेलाह।
4 तखन पत्रुस यीशु केँ कहलथिन, "प्रभु, हमरा सभक लेल एतय
रहब नीक अछि। एकटा अहाँक लेल, एकटा मूसाक लेल, आ
एक एलियाहक लेल।
5 जखन ओ बजैत छलाह, तखन देखलहुँ जे एकटा चमकैत मेघ
हुनका सभ पर छाहरि गेल छलनि, आ मेघ मे सँ एकटा आवाज
निकललनि जे कहैत छल, "ई हमर प्रिय पुत्र छथि, जिनका पर
हम प्रसन्न छी। हुनकर बात सुनू।
6 शिष् य सभ ई बात सुनि कऽ ओ सभ मुँह पर खसि पड़लाह आ
बहुत भयभीत भऽ गेलाह।
7 यीशु आबि कऽ हुनका सभ केँ छूबि कऽ कहलथिन, " उठू आ
नहि डेराउ।"
8 ओ सभ आँखि उठा कऽ यीशु केँ छोड़ि ककरो नहि देखलक।
9 जखन ओ सभ पहाड़ सँ उतरैत छलाह तखन यीशु हुनका सभ
केँ आज्ञा देलथिन, " जाबत धरि मनुष् य-पुत्र मृत् यु मे सँ जीबि
उठत ताबत धरि ई दर्शन ककरो नहि कहि दिअ।"
10 हुनकर शिष् य सभ हुनका सँ पुछलथिन, "तखन शास्त्री सभ
किएक कहैत छथि जे एलियाह केँ पहिने आबय पड़तनि?"
11 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " सत्ते एलियाह पहिने
आबि कऽ सभ किछु ठीक कऽ लेताह।"
12 मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे एलियाह पहिने सँ आबि
गेल छथि, मुदा ओ सभ हुनका नहि चिन्हलनि, मुदा हुनका संग जे
किछु चाहैत छलाह से कयलनि। तहिना मनुष् य-पुत्र सेहो हुनका
सभक कष्ट उठाओत।
13 तखन शिष् य सभ बुझि गेलाह जे ओ हुनका सभ केँ बपतिस्
मा देनिहार यूहन् नाक विषय मे कहैत छथि।
14 लोक सभ लोक लग पहुँचला पर एक गोटे हुनका लग ठेहुन
टेक कऽ कहलथिन।
15 प्रभु, हमर बेटा पर दया करू, किएक तँ ओ पागल आ
घबराहटि मे अछि, किएक तँ ओ बेर-बेर आगि मे खसि पड़ैत
अछि आ बेर-बेर पानि मे खसि पड़ैत अछि।
16 हम हुनका अहाँक शिष् य सभक लग अनलहुँ, मुदा ओ सभ
हुनका ठीक नहि कऽ सकलाह।
17 तखन यीशु उत्तर देलथिन, " हे अविश्वास आ विकृत पीढ़ी, हम
अहाँ सभक संग कतेक दिन धरि रहब? हम अहाँ केँ कतेक दिन
धरि कष्ट सहब? ओकरा एतय हमरा लग आनि दियौक।
18 यीशु शैतान केँ डाँटि देलथिन। ओहि समय सँ ओ बच्चा ठीक
भऽ गेलाह।
19 तखन शिष् य सभ अलग-अलग यीशु लग आबि पुछलथिन,
"हमरा सभ हुनका किएक नहि भगा सकलहुँ?"
20 यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभक अविश् वासक
कारणेँ हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे जँ अहाँ सभक विश्
वास सरसोकक दाना जकाँ अछि तँ अहाँ सभ एहि पहाड़ केँ
कहब जे, 'एतय सँ ओतऽ हटि जाउ। आ ओ हटि जायत। आ
अहाँ सभक लेल कोनो बात असंभव नहि होयत।
21 मुदा एहि तरहक नहि, बल् कि प्रार्थना आ उपवास सँ बाहर
निकलैत अछि।
22 जखन ओ सभ गलील मे रहैत छलाह तखन यीशु हुनका सभ
केँ कहलथिन, " मनुष् य-पुत्र केँ मनुष् य सभक हाथ मे सौंपल
जायत।
23 ओ सभ ओकरा मारि देतैक आ तेसर दिन ओ जीबि उठत।
आ ओ सभ अत्यधिक दुखी छलाह।
24 जखन ओ सभ कफरनहूम पहुँचलाह तखन करक पाइ
लेनिहार सभ पत्रुस लग आबि कऽ कहलथिन, "की अहाँक
मालिक कर नहि दैत छथि?"
25 ओ कहलथिन, "हँ।" घर मे अयला पर यीशु हुनका रोकि कऽ
कहलथिन, " सिमोन, अहाँक की विचार अछि?" पृथ्वीक राजा
केकरा सँ रीति-रिवाज वा कर लैत छथि? अपन संतानक, आकि
अनजान लोकक?
26 पत्रुस हुनका कहलथिन, "परदेशी लोकक।" यीशु हुनका
कहलथिन, "तखन बच्चा सभ स्वतंत्र भऽ गेल अछि।"
27 मुदा, कहीं हम सभ हुनका सभ केँ ठेस नहि पहुँचाबी, समुद्र
मे जा कऽ हड़ु फेकि कऽ जे माछ पहिने उठैत अछि, तकरा
उठाउ। जखन अहाँ हुनकर मुँह खोलब तखन अहाँ केँ एकटा
पाइ भेटत।

अध्याय 18

1 ओही समय मे शिष् य सभ यीशु लग आबि पुछलथिन, “स्वर्गक
राज् य मे के सभ सँ पैघ अछि?”
2 यीशु एकटा छोट बच्चा कैँ बजा कऽ हुनका सभक बीच मे बैसा
देलथिन।
3 ओ कहलथिन, “ हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे जाबत
धरि अहाँ सभ धर्म परिवर्तन नहि करब आ छोट-छोट बच्चा जकाँ
नहि बनब, ताबत अहाँ सभ स् वर्गक राज् य मे प्रवेश नहि करब।”
4 एहि लेल जे केओ एहि बच्चा जकाँ अपना कैँ नम्र बना लेत, से
स् वर्गक राज् य मे सभ सँ पैघ अछि।
5 जे केओ हमरा नाम पर एहन एकटा छोट बच्चा कैँ ग्रहण करत,
से हमरा ग्रहण करैत अछि।
6 मुदा जे हमरा पर विश् वास करयवला एहि छोट-छोट बच्चा
सभ मे सँ कोनो एकटा कैँ ठेस पहुँचबैत अछि, ओकरा लेल नीक
होयत जे ओकर गरदनि मे चक्कीक पाथर टाँगि देल जाय आ
समुद्रक गहींर मे डूबि जाय।
7 अपराधक कारणेँ संसारक धिक्कार! कारण, ई जरूरी छै कि
अपराध आबै छै; मुदा धिक्कार ओहि आदमी पर, जकरा द्वारा
अपराध होइत छैक!
8 तैँ जँ अहाँक हाथ वा पैर अहाँ कैँ ठेस पहुँचबैत अछि तँ ओकरा
काटि कऽ फेकि दियौक।
9 जँ अहाँक आँखि अहाँ कैँ दोष दैत अछि तँ ओकरा उखाड़ि
कऽ फेकि दियौक।
10 सावधान रहू जे एहि छोट-छोट बच्चा सभ मे सँ एको कैँ
तिरस्कार नहि करू। हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे स् वर्ग मे
हुनका सभक स् वर्गदूत सभ सदिखन हमर स् वर्ग मे रहनिहार
पिताक मुँह देखैत रहैत छथि।
11 मनुखक पुत्र जे हेरायल छल ओकरा बचाबऽ लेल आयल
छथि।
12 अहाँ सभ केहन सोचैत छी? जँ ककरो सौ भेँड़ा अछि आ
ओहि मे सँ एकटा भटकल अछि तँ की ओ उननबेटा भेँड़ा कैँ
छोड़ि पहाड़ मे जा कऽ भटकल चीज कैँ तकैत नहि अछि?
13 जँ ओ ओकरा पाबि लैत अछि तँ हम अहाँ सभ कैँ सत् य
कहैत छी जे ओ ओहि उननबे भेँड़ा सँ बेसी आनन्दित होइत अछि
जे भटकल नहि छल।
14 तहिना अहाँ सभक स् वर्ग मे रहनिहार पिताक इच् छा नहि
अछि जे एहि छोट-छोट बच्चा सभ मे सँ एक गोटेक नाश भऽ
जाय।
15 जँ अहाँक भाय अहाँक अपराध मे अपराध करत तँ जाउ आ
ओकरा असगर अहाँ आ हुनका बीच ओकर दोष बताउ।
16 मुदा जँ ओ अहाँक बात नहि सुनत तँ एक-दू गोटे आओर
अपना संग लऽ जाउ, जाहि सँ दू-तीन गवाहक मुँह सँ सभ बात
सिद्ध भऽ जाय।
17 जँ ओ हुनका सभक बात सुनबा मे उपेक्षा करैत छथि तँ मण्
डली कैँ कहू, मुदा जँ ओ मण् डली कैँ सुनबा मे उपेक्षा करैत
छथि तँ ओ अहाँक लेल गैर-यहूदी आ करदाता जकाँ होथि।
18 हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे अहाँ सभ जे किछु पृथ्
वी पर बान्हब से स् वर्ग मे बान्हल रहत।
19 हम अहाँ सभ कैँ फेर कहैत छी जे जँ अहाँ सभ मे सँ दू गोटे
पृथ् वी पर एकमत भऽ जायब जे ओ सभ जे किछु माँगताह, तँ ई
हमर स् वर्ग मे रहनिहार पिता द्वारा कयल जायत।
20 किएक तँ जतऽ दू-तीन गोटे हमर नाम पर जमा भऽ गेल छथि,
ओतहि हम हुनका सभक बीच मे छी।
21 तखन पत्रुस हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, “प्रभु, हमर
भाय हमरा पर कतेक बेर पाप करत आ हम ओकरा क्षमा कऽ
देब?” सात बेर धरि?
22 यीशु हुनका कहलथिन, “ हम अहाँ कैँ सात बेर धरि नहि
कहैत छी।
23 तैँ स् वर्गक राज् य कैँ कोनो राजा सँ उपमा देल गेल अछि जे
अपन सेवक सभक हिसाब-किताब लेत।
24 जखन ओ हिसाब-किताब करऽ लगलाह तँ हुनका लग एकटा
एहन व्यक्ति आनल गेलनि जे हुनका पर दस हजार टोला कर्ज
छलनि।
25 मुदा हुनका पाइ नहि देबाक छलनि, तैँ हुनकर मालिक हुनका
आज्ञा देलथिन जे हुनका, हुनकर पत्नी, बच्चा सभ आ हुनकर सभ
किछु बेचि देल जाय।
26 ओ नोकर खसि कऽ हुनकर आराधना कयलनि आ कहलथिन,
“प्रभु, हमरा संग धैर्य राखू, हम अहाँ कैँ सभटा पाइ दऽ देब।”
27 तखन ओहि नोकरक मालिक कैँ दया आबि गेलनि आ ओ
ओकरा छोड़ि कऽ कर्ज माफ कऽ देलथिन।
28 ओ नोकर बाहर निकलि कऽ अपन एकटा सहकर्मी कैँ भेटल,
जकरा पर सय पाइक बकाया छलैक।
29 हुनकर संगी दास हुनका पएर लग खसि कऽ हुनका सँ विनती
करैत कहलथिन, “हमरा संग धैर्य राखू, हम अहाँ कैँ सभ किछु
चुका देब।”
30 ओ नहि चाहैत छलाह, बल् कि जाबत धरि ओ कर्ज नहि
चुकाबथि ताबत धरि हुनका जेल मे राखि देलथिन।
31 जखन हुनकर संगी दास सभ ई घटना देखि बहुत दुखी भऽ
गेलाह आ अपन मालिक कैँ जे किछु भेल छल से सुनौलनि।
32 तखन हुनकर मालिक हुनका बजा कऽ कहलथिन, “हे दुष्ट
सेवक, हम अहाँक सभटा ऋण माफ कऽ देलहुँ, कारण अहाँ
हमरा सँ चाहलहुँ।
33 की अहाँ कैँ सेहो अपन संगी दास पर दया नहि करबाक चाही
छल जेना हम अहाँ पर दया करैत छलहुँ?
34 ओकर मालिक क्रोधित भऽ कऽ ओकरा यातना देबयवला
सभक हाथ मे सौंपि देलक जाबत धरि ओ अपन सभटा बकाया
नहि चुका लेत।
35 हमर स् वर्गीय पिता सेहो अहाँ सभक संग तहिना करताह, जँ
अहाँ सभ अपन-अपन भाय कैँ अपन अपराध कैँ हृदय सँ क्षमा
नहि करब।

अध्याय 19

1 यीशु ई सभ बात पूरा कऽ कऽ गलील सँ विदा भऽ यरदन
नदीक ओहि पार यहूदिया प्रदेश मे आबि गेलाह।
2 बहुत रास भीड़ हुनका पाछाँ-पाछाँ चलि गेल। ओतहि हुनका
सभ कैँ ठीक कयलनि।
3 फरिसी सभ सेहो हुनका परखैत हुनका लग आबि कऽ
पुछलथिन, “की पुरुष कैँ कोनो काजक कारणेँ अपन पत्नी कैँ
छोड़ब उचित अछि?”
4 ओ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, “ की अहाँ सभ ई नहि पढ़ने
छी जे शुरू मे एकरा सभ कैँ बनौनिहार नर-मारी बनौलनि।
5 ओ कहलथिन, “एहि लेल पुरुष बाप-माए कैँ छोड़ि कऽ अपन
पत्नी सँ चिपकल रहत।”

6 तेँ आब ओ सभ दू गोटे नहि, बल् कि एक शरीर बनि गेल छथि। तेँ जे परमेश् वर एक संग जोड़ने छथि, तकरा मनुष् य अलग नहि करय।
7 ओ सभ हुनका पुछलथिन, "तखन मूसा किएक आज्ञा देलथिन जे तलाक पत्र दऽ कऽ ओकरा छोड़ि देल जाय?
8 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभक हृदयक कठोरताक कारणेँ मूसा अहाँ सभ कैँ अपन स् त्री कैँ छोड़बाक अनुमति देलनि।
9 हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे जे केओ अपन स् त्री कैँ व्यभिचारक कारणेँ छोड़ि कऽ दोसर विवाह करत, ओ व्यभिचार करैत अछि।
10 हुनकर शिष् य सभ हुनका कहलथिन, "जँ पुरुखक स् त्रीक संग एहन अछि तँ विवाह करब नीक नहि।"
11 मुदा यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " ई बात जिनका देल गेल अछि, तकरा छोड़ि सभ लोक ई बात नहि ग्रहण कऽ सकैत अछि।"
12 किएक तँ किछु नपुंसक अछि जे अपन मायक कोखसँ एना जन्मल अछि आ किछु नपुंसक अछि जे मनुष् यक नपुंसक बनाओल गेल अछि। जे एकरा ग्रहण करबा मे सक्षम अछि, से ओकरा ग्रहण करय।
13 तखन हुनका लग छोट-छोट बच्चा सभ कैँ आनल गेलनि जे ओ हुनका सभ पर हाथ राखि प्रार्थना करथि।
14 यीशु कहलथिन, " बच्चा सभ कैँ हमरा लग आबय सँ मना करू, किएक तँ स् वर्गक राज् य एहन सभक अछि।"
15 ओ हुनका सभ पर हाथ राखि कऽ ओतय सँ विदा भऽ गेलाह।
16 एक गोटे हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, "गुरुजी, हम कोन नीक काज करब जाहि सँ हमरा अनन्त जीवन भेटय?"
17 ओ हुनका पुछलथिन, " अहाँ हमरा नीक किएक कहैत छी? एकटा नीक केओ नहि अछि, अर्थात परमेश् वर।
18 ओ हुनका पुछलथिन, "कोन? यीशु कहलथिन, " हत्या नहि करू, व्यभिचार नहि करू, चोरी नहि करू, झूठ गवाही नहि दिअ।
19 अपन पिता आ मायक आदर करू।
20 युवक हुनका कहलथिन, "हम अपन जवानी सँ ई सभ बात राखने छी।
21 यीशु हुनका कहलथिन, " जँ अहाँ सिद्ध बनय चाहैत छी तँ जा कऽ जे किछु अछि से बेचि कऽ गरीब सभ कैँ दऽ दियौक, तखन अहाँ लग स् वर्ग मे धन-सम् पत्ति भेटत।
22 मुदा ओ युवक ई बात सुनि दुखी भऽ गेलाह, किएक तँ हुनका लग बहुत सम्पत्ति छलनि।
23 तखन यीशु अपन शिष् य सभ कैँ कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे, धनिक आदमी कैँ स् वर्गक राज् य मे प्रवेश करब कठिन अछि।"
24 हम फेर अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, धनिक आदमी कैँ परमेश् वरक राज् य मे प्रवेश सँ बेसी सुईक आँखि सँ उँट कैँ गुजरब आसान अछि।
25 ई बात सुनि हुनकर शिष् य सभ बहुत आश्चर्यचकित भऽ कऽ कहलथिन, "तखन के उद्धार पाबि सकैत अछि?"
26 यीशु ओकरा सभ कैँ देखि कऽ कहलथिन, " मनुष् य सभक लेल ई असंभव अछि। मुदा परमेश् वरक लेल सभ किछु संभव अछि।
27 तखन पत्रुस हुनका कहलथिन, "देखू, हम सभ सभ किछु छोड़ि अहाँक पाछाँ लागि गेलहुँ। तेँ हमरा सभ कैँ की भेटत?
28 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे, अहाँ सभ जे सभ हमरा पाछाँ चललहुँ, पुनर्जन्म मे जखन मनुष् यक पुत्र अपन महिमाक सिंहासन पर बैसताह, तखन अहाँ सभ सेहो बारह सिंहासन पर बैसि कऽ बारह गोत्रक न्याय करब इजरायल।
29 जे केओ हमर नामक कारणेँ घर-घर, भाय, बहिन, वा पिता, माए, पत्नी, संतान वा जमीन छोड़ि देत, ओकरा सय गुना भेटत आ अनन्त जीवनक उत्तराधिकार भेटत।
30 मुदा बहुतो जे सभ पहिने छथि, ओ सभ बाद मे रहताह। आ अंतिम लोक सभ पहिने होयत।

अध्याय 20

1 स् वर्गक राज् य एकटा घरक मालिक जकाँ अछि जे भोरे-भोर अपन अंगूरक बगीचा मे मजदूर राखय लेल निकलल छल।
2 ओ मजूर सभ सँ एक पाइ प्रतिदिनक लेल तैयार भऽ गेलाह आ ओकरा सभ कैँ अपन अंगूरक बगीचा मे पठा देलनि।
3 ओ करीब तेसर बजे बाहर गेलाह आ देखलनि जे आन लोक सभ बजार मे बेकार ठाढ़ अछि।
4 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन। अहाँ सभ सेहो अंगूरक बगीचा मे जाउ, आ जे किछु उचित अछि से हम अहाँ सभ कैँ दऽ देब।" आ ओ सभ अपन बाट पर चलि गेलाह।
5 ओ फेर करीब छठम-नौम बजे बाहर निकलि गेलाह।
6 करीब एगारहम बजे ओ बाहर निकललाह आ दोसर लोक सभ कैँ बेकार ठाढ़ पाबि कहलथिन, "अहाँ सभ दिन भरि बेकार किएक ठाढ़ छी?"
7 ओ सभ हुनका कहलथिन, "किएक तँ हमरा सभ कैँ कियो भाड़ा पर नहि लेने अछि।" ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ सेहो अंगूरक बगीचा मे जाउ। आ जे किछु उचित अछि, से अहाँ सभ कैँ भेटत।"
8 साँझ भेला पर अंगूरक बगीचाक मालिक अपन भंडारी कैँ कहलथिन, "मजदूर सभ कैँ बजा कऽ ओकरा सभ कैँ ओकर भाड़ा दऽ दियौक।"
9 करीब एगारहम बजे जखन भाड़ा पर बैसल लोक सभ अयलाह, तखन हुनका सभ कैँ एक-एकटा पाइ भेटि गेलनि।
10 मुदा जखन पहिल लोक सभ अयलाह तखन ओ सभ सोचलनि जे हुनका सभ कैँ बेसी भेटि सकैत छलनि। तहिना हुनका सभ कैँ एक-एकटा पाइ भेटैत छलनि।
11 ओ सभ ई पाबि घरक मालिकक विरुद्ध गुनगुनाइत रहलाह।
12 ओ कहलनि जे, "अंतिम लोक सभ मात्र एक घंटा काज केलक, आ अहाँ ओकरा सभ कैँ हमरा सभक बराबर बना देलियैक, जे दिनक बोझ आ गर्मी उठाओल गेल अछि।"
13 मुदा ओ हुनका सभ मे सँ एक गोटे कैँ उत्तर देलथिन, "मित्र, हम अहाँ पर कोनो दुष् ट नहि करैत छी।
14 जे अछि से लऽ कऽ जाउ।
15 की हमरा लेल उचित नहि अछि जे हम अपन अपन संग जे चाहैत छी से करब? की तोहर आँखि अधलाह अछि, कारण हम नीक छी?
16 एहि तरहेँ अंतिम लोक सभ पहिने आ पहिल सभ बाद मे रहत, किएक तँ बहुतो लोक बजाओल गेल अछि, मुदा चुनल गेल लोक कम।
17 यीशु यरूशलेम जा कऽ बारह शिष् य कैँ बाट मे अलग-अलग लऽ कऽ हुनका सभ कैँ कहलथिन।

18 देखू, हम सभ यरूशलेम जा रहल छी। मनुष्य-पुत्र कैं मुख्यपुरोहित आ शास्त्री सभक समक्ष सौंपल जायत।
19 ओ गैर-यहूदी सभक हाथ मे ओकरा उपहास करबाक लेल, कोड़ा मारबाक लेल आ क्रूस पर चढ़ाबय लेल सौंपि देताह।
20 तखन जबदीक सन्तान सभक माय अपन पुत्र सभक संग हुनका लग आबि हुनकर आराधना कयलनि आ हुनका सँ किछु बात चाहैत छलीह।
21 ओ हुनका पुछलथिन, " अहाँ की चाहैत छी?" ओ हुनका कहलथिन, "हमर ई दुनू बेटा कैं एकटा अहाँक दहिना कात आ दोसर बामा कात, अहाँक राज्य मे बैसबाक अनुमति दिअ।"
22 यीशु उत्तर देलथिन, " अहाँ सभ की माँगैत छी से नहि जनैत छी।" की अहाँ सभ ओहि प्याला मे सँ पीबि सकैत छी जाहि सँ हम बपतिस् मा लैत छी? ओ सभ हुनका कहलथिन, "हम सभ सक्षम छी।"
23 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, " अहाँ सभ हमर प्याला सँ पीबि कऽ ओहि बपतिस् मा सँ बपतिस् मा लेब जाहि सँ हम बपतिस् मा लेने छी जिनका लेल हमर पिता द्वारा तैयार कयल गेल अछि, हुनका सभ कैं देल गेल अछि।
24 दस गोटे ई बात सुनि दुनू भाइ पर आक्रोशित भऽ गेलाह।
25 यीशु हुनका सभ कैं बजा कऽ कहलथिन, " अहाँ सभ जनैत छी जे गैर-यहूदी सभक मुखिया सभ हुनका सभ पर प्रभुत्व रखैत छथि आ पैघ लोक सभ हुनका सभ पर अधिकार रखैत छथि।"
26 मुदा अहाँ सभक बीच एहन नहि होयत।
27 जे केओ अहाँ सभ मे प्रमुख बनय चाहैत अछि, से अहाँ सभक सेवक बनय।
28 जहिना मनुख-पुत्र सेवा करऽ लेल नहि, बल् कि सेवा करऽ लेल आ बहुतो लोकक फिरौतीक रूप मे अपन प्राण देबऽ लेल आयल छलाह।
29 जखन ओ सभ यरीहो सँ विदा भेलाह तँ बहुत रास भीड़ हुनका पाछाँ-पाछाँ आबि गेलाह।
30 बाट कात मे बैसल दू टा आन्हर यीशु कैं ओहि ठाम सँ गुजरैत देखि चिचिया उठलनि, "हे प्रभु, हे दाऊदक पुत्र, हमरा सभ पर दया करू।"
31 लोक सभ हुनका सभ कैं चुप रहबाक कारणेँ डाँटि देलकनि, मुदा ओ सभ आरो बेसी चिचिया उठलनि, "हे प्रभु, हे दाऊदक पुत्र, हमरा सभ पर दया करू।"
32 यीशु ठाढ़ भऽ हुनका सभ कैं बजा कऽ कहलथिन, " अहाँ सभ की चाहैत छी जे हम अहाँ सभक संग की करी?"
33 ओ सभ हुनका कहलथिन, "प्रभु, हमरा सभक आँखि खुजि जाय।"
34 यीशु हुनका सभ पर दया कऽ हुनका सभक आँखि कैं छुबि गेलाह।

अध्याय 21

1 जखन ओ सभ यरूशलेम लग पहुँचलाह आ जैतूनक पहाड़ पर बेतफागे पहुँचलाह, तखन यीशु दूटा शिष् य कैं पठौलनि।
2 हुनका सभ कैं कहलथिन, " अहाँ सभक सामनेक गाम मे जाउ, तखन तुरन्त एकटा गदहा बान्हल आ ओकरा संग एकटा बछड़ाक बच्चा भेटत।"
3 जँ केओ अहाँ सभ कैं कोनो बात कहत तँ अहाँ सभ कहब जे, 'प्रभु कैं हुनका सभक आवश्यकता छनि। आ तुरन्त हुनका सभ कैं पठा देताह।
4 ई सभ बात एहि लेल भेल जे प्रवक् ता द्वारा कहल गेल बात पूरा भऽ जाय।
5 अहाँ सभ सियोनक बेटी कैं कहि दियौक जे, "देखू, अहाँक राजा नम्र, गदहा पर बैसल आ गदहाक बछड़ा पर बैसल अहाँ लग आबि रहल छथि।"
6 शिष्य सभ जा कऽ यीशुक आज्ञाक अनुसार काज कयलनि।
7 ओ सभ गदहा आ बछड़ा कैं आनि कऽ ओकरा सभ कैं कपड़ा पहिरि कऽ ओकरा सभ पर बैसा देलक।
8 बहुत पैघ भीड़ बाट मे अपन वस्त्र पसारि लेलक। दोसर लोक गाछक डारि काटि कऽ बाट मे भूसा लगा देलक।
9 आगू जे लोक सभ आ पाछाँ-पाछाँ चलैत छल, ओ सभ चिचिया उठल, "दाऊदक पुत्र कैं होसाना। उच्चतम में होसन्ना।
10 यीशु यरूशलेम पहुँचला पर पूरा शहर चकित भऽ कऽ कहलक जे, "ई के अछि?"
11 लोक सभ बाजल, "ई गलीलक नासरतक प्रवक् ता यीशु छथि।"
12 यीशु परमेश् वरक मन् दिर मे जा कऽ मन् दिर मे बेचनिहार आ कीननिहार सभ कैं बाहर निकालि देलथिन।
13 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, " धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, "हमर घर कैं प्रार्थनाक घर कहल जायत।" मुदा अहाँ सभ एकरा चोर सभक मांद बना देलियैक।
14 आन्हर आ लंगड़ा सभ मन् दिर मे हुनका लग आबि गेलाह। ओ ओकरा सभ कैं ठीक कऽ देलक।
15 जखन मुखिया पुरोहित आ धर्मशिक्षक सभ हुनकर अद्भुत काज सभ कैं देखलनि आ मन् दिर मे बच्चा सभ चिचिया रहल छल आ कहैत छल जे, "दाऊदक पुत्र कैं होसाना।" ओ सभ घोर नाराज छलाह,
16 ओ हुनका कहलथिन, "की अहाँ सभ सुनैत छी जे ई सभ की कहैत अछि?" यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, "हँ। की अहाँ सभ कहियो नहि पढ़ने छी जे, "शिशु आ दूध पिलाबला सभक मुँह सँ अहाँ प्रशंसा सिद्ध केलहुँ?"
17 यीशु ओकरा सभ कैं छोड़ि नगर सँ बाहर बेतनिया दिस विदा भेलाह। आ ओतहि ठहरि गेलाह।
18 भोरे-भोर जखन ओ नगर मे घुरैत छलाह तखन हुनका भूख लागि गेलनि।
19 बाट मे अंजीरक गाछ देखि ओकरा लग आबि कऽ ओहि पर पात छोड़ि किछु नहि भेटलनि आ कहलथिन, " आब सँ अनन्त काल धरि अहाँ पर कोनो फल नहि उगय दियौक।" आ सम्प्रति अंजीरक गाछ मुरझा गेल।
20 शिष्य सभ ई देखि आश्चर्यचकित भऽ कऽ कहलथिन, "अंजीरक गाछ कतेक जल्दी मुरझा गेल अछि?"
21 यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे जँ अहाँ सभक विश् वास अछि आ शंका नहि अछि तँ अहाँ सभ अंजीरक गाछक संग जे काज कयल गेल अछि, से मात्र नहि करब, बल् कि जँ अहाँ सभ एहि पहाड़ कैं कहब जे, "हटि जाउ।" , आ समुद्र मे फेकल जाउ। कयल जायत।
22 अहाँ सभ विश् वास करैत प्रार्थना मे जे किछु माँगब, से अहाँ सभ कैं भेटत।
23 जखन ओ मन् दिर मे पहुँचलाह तखन ओ सिखाबैत काल मुख्यपुरोहित आ लोकक बूढ़-पुरान सभ हुनका लग आबि पुछलथिन, "अहाँ ई सभ कोन अधिकार सँ करैत छी?" आ अहाँ कैं ई अधिकार के देलक?

24 यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, " हमहूँ अहाँ सभ सँ एकटा बात पूछब जे जँ अहाँ सभ हमरा कहब तँ हमहूँ अहाँ सभ कैँ कहब जे हम कोन अधिकार सँ ई सभ काज करैत छी।"
25 यूहन् नाक बपतिस् मा कतऽ सँ भेल? स्वर्ग सँ आकि मनुक्खक? ओ सभ मने-मन-संगे तर्क-वितर्क करैत कहलथिन, "जँ हम सभ कहब जे, 'स्वर्ग सँ! ओ हमरा सभ कैँ कहताह, "तखन अहाँ सभ हुनका पर विश् वास किएक नहि केलहुँ?"
26 मुदा जँ हम सभ ई कहब जे, 'मनुष्यक'। हम लोकसँ डरैत छी; किएक तँ सभ यूहन् ना कैँ भविष्यवक्ता बुझैत छथि।
27 ओ सभ यीशु कैँ उत्तर देलथिन, "हम सभ नहि कहि सकैत छी।" ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैँ ई नहि कहैत छी जे हम कोन अधिकार सँ ई सभ काज करैत छी।"
28 मुदा अहाँ सभक की विचार अछि? एक आदमी के दू टा बेटा छल। ओ पहिलुका लग आबि कहलथिन, "बौआ, आइ हमर अंगूरक बगीचा मे काज करू।"
29 ओ उत्तर देलथिन, "हम नहि चाहब, मुदा तकर बाद ओ पश्चाताप कऽ कऽ चलि गेलाह।"
30 ओ दोसरक लग आबि कऽ एहने कहलथिन। ओ उत्तर देलथिन, "हम जा रहल छी, मालिक, मुदा नहि गेलाह।"
31 दुनू मे सँ के अपन पिताक इच्छा पूरा केलक? ओ सभ हुनका कहलथिन, "पहिलका।" यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे, कर वसूली आ वेश्या सभ अहाँ सभ सँ पहिने परमेश् वरक राज् य मे जाइत अछि।"
32 यूहन् ना धार्मिकताक बाट मे अयलाह, मुदा अहाँ सभ हुनका पर विश् वास नहि केलहुँ, मुदा करदाता आ वेश्या सभ हुनका पर विश् वास कयलनि।
33 एकटा आओर दृष्टान्त सुनू, "एकटा घरक मालिक छल जे अंगूरक बगीचा रोपने छल आ ओकरा चारू कात बाड़ लगा देने छल आ ओहि मे दारूक चूहा खोदने छल आ एकटा बुर्ज बनौने छल आ ओकरा किसान सभ कैँ छोड़ि कऽ दूर देश मे गेल छल।
34 जखन फलक समय लग आबि गेल तँ ओ अपन नोकर सभ कैँ किसान सभ लग पठौलनि जे ओ सभ फल पाबि सकय।
35 किसान सभ हुनकर नोकर सभ कैँ लऽ कऽ एकटा कैँ मारि-पीटि दोसर कैँ मारि देलक आ दोसर कैँ पाथर सँ मारि देलक।
36 फेर ओ पहिल नोकर सँ बेसी आन नोकर पठौलनि।
37 मुदा अंत मे ओ अपन बेटा कैँ हुनका सभ लग पठौलनि जे, "ओ सभ हमर बेटा कैँ आदर करत।"
38 किसान सभ बेटा कैँ देखि कऽ आपस मे कहलथिन, "ई उत्तराधिकारी छथि। आऊ, ओकरा मारि दियौक आ ओकर उत्तराधिकार पर कब्जा क' ली।"
39 ओ सभ ओकरा पकड़ि कऽ अंगूरक बगीचा सँ बाहर निकालि कऽ मारि देलक।
40 जखन अंगूरक बगीचाक मालिक आबि जेताह तखन ओ ओहि किसान सभक संग की करताह?
41 ओ सभ हुनका कहलथिन, "ओ ओहि दुष्ट सभ कैँ दयनीय रूप सँ नष्ट कऽ देत आ अपन अंगूरक बगीचा आन किसान सभ कैँ छोड़ि देत, जे सभ ओकरा अपन-अपन फल देथिन।"
42 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " की अहाँ सभ कहियो धर्मशास् त्र मे नहि पढ़ने छी जे, "जे पाथर बनौनिहार सभ अस्वीकार कयलनि, से कोनक सिर बनि गेल अछि।"
43 तैँ हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे परमेश् वरक राज् य अहाँ सभ सँ छीन कऽ ओहि जाति कैँ देल जायत जे ओकर फल देत।
"
45 जखन मुख्यपुरोहित आ फरिसी सभ हुनकर दृष्टान्त सुनि कऽ बुझि गेलाह जे ओ हुनका सभक विषय मे बाजि रहल छथि।
46 मुदा जखन ओ सभ हुनका पर हाथ रखबाक प्रयास कयलनि तँ ओ सभ भीड़ सँ डेरा गेलाह, किएक तँ ओ सभ हुनका परमेश् वरक प्रवक् ता मानैत छलाह।

अध्याय 22

1 यीशु उत्तर देलथिन आ फेर दृष्टान्तक द्वारा हुनका सभ कैँ कहलथिन।
2 स् वर्गक राज् य कोनो राजा जकाँ अछि जे अपन पुत्रक लेल विवाह कयलनि।
3 ओ अपन नोकर सभ कैँ पठा देलथिन जे ओ सभ विवाह मे बजाओल गेल लोक सभ कैँ बजाबय।
4 फेर ओ दोसर नोकर सभ कैँ पठा कऽ कहलथिन, "जे सभ बजाओल गेल अछि, ओकरा सभ कैँ कहि दियौक जे, हम अपन भोजन तैयार कऽ लेने छी।
5 मुदा ओ सभ एहि बात कैँ हल्लुक कऽ कऽ एक अपन खेत दिस विदा भऽ गेलाह।
6 शेष लोक सभ हुनकर नोकर सभ कैँ पकड़ि कऽ हुनका सभ कैँ घृणा कऽ कऽ मारि देलकनि।
7 मुदा राजा ई बात सुनि कऽ क्रोधित भऽ गेलाह आ ओ अपन सेना पठा कऽ ओहि हत्यारा सभ कैँ नष्ट कऽ देलथिन आ हुनका सभक नगर कैँ जरा देलथिन।
8 तखन ओ अपन नोकर सभ कैँ कहलथिन, "विवाह तऽ तैयार भऽ गेल अछि, मुदा जे सभ बजाओल गेल छल से सभ योग्य नहि छल।"
9 तैँ अहाँ सभ राजमार्ग पर जाउ आ जे कियो भेटत, तकरा विवाहक लेल बोली लगाउ।
10 तखन ओ नोकर सभ राजमार्ग पर निकलि गेल आ जे सभ कैँ अधलाह-नीक भेटल, ओकरा सभ कैँ एक ठाम जमा कऽ लेलक।
11 राजा जखन पाहुन सभ कैँ देखबाक लेल भीतर गेलाह तँ ओतऽ एकटा एहन आदमी कैँ देखलनि जे विवाहक वस्त्र नहि पहिरने छल।
12 ओ हुनका पुछलथिन, "मित्र, अहाँ विवाहक वस्त्र नहि लऽ कऽ एतय कोना आबि गेलहुँ?" आ ओ बेजुबान भ' गेलाह।
13 तखन राजा नोकर सभ कैँ कहलथिन, "ओकर हाथ-पैर बान्हि कऽ लऽ जाउ आ बाहरक अन्हार मे फेकि दियौक। ओतय कानब आ दाँत कटौनाइ होयत।
14 किएक तँ बहुतो लोक बजाओल गेल अछि, मुदा किछुए चुनल गेल अछि।
15 तखन फरिसी सभ जा कऽ विचार-विमर्श कयलनि जे हुनका कोना हुनकर बात मे फँसाओल जा सकैत अछि।
16 ओ सभ हेरोदीसक संग अपन शिष् य सभ कैँ हुनका लग पठौलनि जे, "गुरु, हम सभ जनैत छी जे अहाँ सत् य छी आ परमेश् वरक बाट परमेश् वरक बाट सत् य मे सिखाबैत छी, आ अहाँ ककरो परवाह नहि करैत छी।
17 तैँ हमरा सभ कैँ कहू जे, अहाँक की विचार अछि? की कैसर कैँ कर देब उचित अछि वा नहि?
18 यीशु हुनका सभक दुष्टता बुझि कहलथिन, " हे पाखंडी सभ, अहाँ सभ हमरा किएक परीक्षा दैत छी?"
19 हमरा करक पाइ देखाउ। ओ सभ एक पाइ हुनका लग अनलनि।

20 ओ हुनका सभ कें पुछलथिन, " ई मूर्ति आ उपर परमेश् वर
केकर अछि?"
21 ओ सभ हुनका कहलथिन, "कैसरक।" तखन यीशु हुनका
सभ कें कहलथिन, " तें जे सभ कैसरक अछि से कैसर कें दऽ
दियौक। आ परमेश् वरक जे किछु अछि से परमेश् वरक लेल।
22 ई बात सुनि ओ सभ आश्चर्यचकित भऽ हुनका छोड़ि कऽ चलि
गेलाह।
23 ओही दिन सदुकी सभ हुनका लग आबि कऽ पुछलथिन।
24 "गुरु, मूसा कहलथिन, "जँ केओ मरि जायत, जकर संतान
नहि अछि त' ओकर भाय अपन पत्नी सँ विवाह क' क' अपन भाय
कें संतान पैदा करत।"
25 हमरा सभक संग सातटा भाय छलाह, आ पहिल भाय स् त्री
कें विवाह कऽ कऽ मृत भऽ गेलाह आ कोनो संतान नहि रहला
पर अपन स् त्री कें अपन भाय कें छोड़ि देलनि।
26 तहिना दोसर आ तेसर सातम धरि।
27 अंत मे ओ स् त्री सेहो मरि गेलीह।
28 तें पुनरुत्थान मे ओ सात मे सँ केकर पत्नी हेतीह? किएक तँ
हुनका सभ लग ओ छलनि।
29 यीशु हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, " अहाँ सभ शास्त्र आ
परमेश् वरक सामर्थ् य कें नहि जानि कऽ गलती करैत छी।
30 पुनरुत्थान मे ओ सभ ने विवाह करत आ ने विवाह मे देल
जायत, बल् कि स् वर्ग मे परमेश् वरक स् वर्गदूत जकाँ रहत।
31 मुदा मृत् युक पुनरुत्थानक विषय मे की अहाँ सभ परमेश् वर
द्वारा अहाँ सभ कें कहल गेल बात नहि पढ़ने छी।
32 हम अब्राहम, इसहाक आ याकूबक परमेश् वर छी? परमेश्
वर मृतकक परमेश् वर नहि, बल् कि जीवित लोकक परमेश् वर
छथि।
33 ई बात सुनि लोक सभ हुनकर शिक्षा देखि आश्चर्यचकित भऽ
गेल।
34 फरिसी सभ ई सुनि कऽ जे ओ सदुकी सभ कें चुप करा देने
छथि तँ ओ सभ एक ठाम जमा भऽ गेलाह।
35 तखन हुनका सभ मे सँ एक गोटे कानून-शिक्षक हुनका सँ
एकटा प्रश्न पुछलथिन आ हुनका प्रलोभन कऽ कऽ कहलथिन।
36 गुरु, धर्म-नियम मे कोन पैघ आज्ञा अछि?
37 यीशु हुनका कहलथिन, " अहाँ अपन प्रभु परमेश् वर सँ पूरा
मोन, पूरा प्राण आ पूरा मन सँ प्रेम करू।"
38 ई पहिल आ पैघ आज्ञा अछि।
39 दोसर एहि तरहक अछि जे, "अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ
प्रेम करू।"
40 एहि दुनू आज्ञा पर सभ धर्म-नियम आ प्रवक् ता सभ लटकल
अछि।
41 फरिसी सभ जमा भेला पर यीशु हुनका सभ सँ पुछलथिन।
42 ओ कहलथिन, " अहाँ सभ मसीहक बारे मे की सोचैत छी?"
केकर बेटा छै? ओ सभ हुनका कहलथिन, "दाऊदक पुत्र।"
43 ओ हुनका सभ कें कहलथिन, " तखन दाऊद आत् मा मे
हुनका प्रभु कोना कहैत छथिन।
44 परमेश् वर हमर प्रभु कें कहलथिन, "जखन धरि हम अहाँक
शत्रु सभ कें अहाँक पैरक ठेहुन नहि बना लेब, ताबत धरि अहाँ
हमर दहिना कात बैसल रहू?"
45 तखन जँ दाऊद हुनका प्रभु कहैत छथि तँ ओ हुनकर पुत्र
कोना छथि?
46 ओहि दिन सँ कियो हुनका सँ कोनो बातक उत्तर नहि दऽ
सकल आ ने ककरो हुनका सँ आओर कोनो प्रश्न पूछबाक हिम्मत
नहि भेल।

अध्याय 23

1 तखन यीशु भीड़ आ अपन शिष् य सभ कें कहलथिन।
2 ओ कहलनि, "धर्मशास्त्री आ फरिसी सभ मूसाक आसन पर
बैसल छथि।
3 तें ओ सभ जे किछु आज्ञा दैत छथिन, से सभ पालन करू आ
पूरा करू। मुदा अहाँ सभ हुनका सभक काजक अनुसरण नहि
करू, किएक तँ ओ सभ कहैत छथि, मुदा नहि करैत छथि।
4 ओ सभ भारी बोझ बान्हि कऽ मनुष् य सभक कान्ह पर राखि
दैत छथि। मुदा ओ सभ स्वयं एक आँगुरसँ नहि हिलाओत।
5 मुदा ओ सभ अपन सभ काज मनुष् यक दर्शनक लेल करैत
अछि।
6 भोज-भोज मे उपरका कोठली आ सभाघर मे प्रमुख आसन
सभ सँ प्रेम करू।
7 बजार-बजार मे प्रणाम कयल जाइत अछि आ मनुष् य सभक
द्वारा रब्बी, रब्बी कहल जाय।
8 मुदा अहाँ सभ रब्बी नहि कहल जाउ, किएक तँ अहाँ सभक
गुरु एके छथि, मसीह। आ अहाँ सभ भाइ छी।
9 आ पृथ् वी पर ककरो अपन पिता नहि कहब, किएक तँ अहाँ
सभक पिता एक छथि जे स् वर्ग मे छथि।
10 अहाँ सभ कें मालिक नहि कहल जाउ, किएक तँ अहाँ सभक
गुरु एके छथि, मसीह।
11 मुदा अहाँ सभ मे जे पैघ अछि से अहाँक दास बनत।
12 जे केओ अपना कें ऊपर उठबैत अछि, से नीचाँ कयल
जायत। जे अपना कें नम्र बनाओत से ऊँच कयल जायत।"
13 मुदा अहाँ सभ, पाखंडी सभ, धर्मशास्त्री आ फरिसी सभ, अहाँ
सभ पर धिक्कार! किएक तँ अहाँ सभ स् वर्गक राज् य कें मनुष्
यक विरुद्ध बंद कऽ दैत छी, किएक तँ अहाँ सभ ने अपना भीतर
जाइत छी आ ने प्रवेश करऽ वला सभ कें भीतर जाय दैत छी।
14 अहाँ सभ धिक्कार अछि, अहाँ सभ शास्त्री आ फरिसी सभ,
पाखंडी सभ! किएक तँ अहाँ सभ विधवा सभक घर खाइत छी आ
नाटकक कारणें नमहर प्रार्थना करैत छी।
15 अहाँ सभ धिक्कार अछि, अहाँ सभ शास्त्री आ फरिसी सभ,
पाखंडी सभ! किएक तँ अहाँ सभ समुद्र आ भूमिक चक्कर लगा
कऽ एकटा धर्म परिवर्तन करयवला बना लैत छी आ जखन ओ
बनैत अछि तखन ओकरा अपना सँ दू गुना बेसी नरकक संतान
बना दैत छी।
16 अहाँ सभ कें धिक्कार अछि, अहाँ सभ आन्हर मार्गदर्शक सभ,
जे कहैत छी जे, "जे केओ मन् दिरक शपथ लेत, से किछु नहि।"
मुदा जे कियो मन्दिरक सोनाक शपथ लेत, से ऋणी अछि!
17 अहाँ सभ मूर्ख आ आन्हर सभ, किएक तँ एहि सँ पैघ अछि,
सोना आ कि मन् दिर जे सोना कें पवित्र करैत अछि?
18 "जे केओ वेदीक शपथ लेत, से किछु नहि।" मुदा जे कियो
ओहि वरदानक शपथ लैत अछि, से दोषी अछि।
19 अहाँ सभ मूर्ख आ आन्हर सभ, किएक तँ एहि सँ पैघ अछि जे
वरदान आ वेदी जे वरदान कें पवित्र करैत अछि?
20 तें जे केओ वेदीक शपथ लैत अछि, से ओहि वेदी आ ओहि मे
राखल सभ वस्तुक शपथ लैत अछि।

21 जे केओ मन् दिरक शपथ लैत अछि, ओ ओहि मन् दिर आ
ओहि मे रहनिहारक शपथ लैत अछि।
22 जे स् वर्गक शपथ लेत से परमेश् वरक सिंहासन आ ओहि पर
बैसल लोकक शपथ लैत अछि।
23 अहाँ सभ धिक्कार अछि, अहाँ सभ शास्त्री आ फरिसी सभ,
पाखंडी सभ! कारण, अहाँ सभ पुदीना, सौंफ आ जीराक दसम
भाग दैत छी, आ धर्म-नियम, न्याय, दया आ विश्वासक पैघ बात
सभ कैं छोड़ि देलहुँ।
24 अहाँ सभ आन्हर मार्गदर्शक सभ, जे चील कैं चोट करैत छी
आ ऊँट कैं निगलैत छी।
25 धिक्कार अहाँ सभ, हे शास्त्री आ फरिसी सभ, पाखंडी सभ!
अहाँ सभ प्याला आ थालीक बाहरी भाग कैं साफ करैत छी, मुदा
भीतर ओ सभ लूट-पाट आ अतिशय सँ भरल अछि।
26 हे आन्हर फरीसी, पहिने प्याला आ थाली मे जे किछु अछि
तकरा साफ करू, जाहि सँ ओकर बाहरी भाग सेहो शुद्ध भ'
जाय।
27 धिक्कार अहाँ सभ, हे शास्त्री आ फरिसी सभ, पाखंडी सभ!
किएक तँ अहाँ सभ उज्जर कएल कब्र जकाँ छी, जे बाहर सँ
सुन्दर लगैत अछि, मुदा भीतर सँ मृत् युक हड्डी आ सभटा
अशुद्धता सँ भरल अछि।
28 तहिना अहाँ सभ सेहो बाहरी रूप सँ मनुष् य सभक सामने
धर्मी बुझाइत छी, मुदा भीतर सँ अहाँ सभ पाखंड आ अधर्म सँ
भरल छी।
29 अहाँ सभ धिक्कार अछि, अहाँ सभ शास्त्री आ फरिसी सभ,
पाखंडी सभ! किएक तँ अहाँ सभ प्रवक् ता सभक कब्र बनबैत
छी आ धर्मी सभक कब्र सभ कैं सजाबैत छी।
30 ओ कहू जे, "जँ हम सभ अपन पूर्वजक समय मे रहितहुँ तँ
हुनका सभक संग प्रवक् ता सभक खून मे सहभागी नहि रहितहुँ।"
31 तेँ अहाँ सभ अपना पर गवाह बनू जे अहाँ सभ प्रवक् ता सभ
कैं मारि देनिहार सभक सन् तान छी।
32 तखन अहाँ सभ अपन पूर्वजक नाप भरू।
33 हे साँप सभ, हे साँपक पीढ़ी, अहाँ सभ नरकक दण्ड सँ कोना
बचि सकब?
34 तेँ देखू, हम अहाँ सभ लग भविष्यवक्ता, ज्ञानी आ शास्त्री सभ
पठा रहल छी। अहाँ सभ ओकरा सभ मे सँ किछु कैं अपन
सभाघर मे कोड़ा मारब आ नगर-नगर मे ओकरा सभ कैं
प्रताड़ित करब।
35 एहि लेल जे धर्मी हाबिल केर खून सँ ल' क' बरकियाक पुत्र
जकरयाहक खून धरि, जिनका अहाँ सभ मन् दिर आ वेदीक बीच
मे मारि देलहुँ, पृथ् वी पर बहौल गेल सभ धार्मिक खून अहाँ सभ
पर आबि जाय।
36 हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे ई सभ बात एहि पीढ़ी
पर आओत।
37 हे यरूशलेम, यरूशलेम, हे यरूशलेम, जे प्रवक् ता सभ कैं
मारि दैत छी आ अहाँ लग पठाओल गेल लोक सभ कैं पाथर सँ
मारि दैत छी, हम कतेक बेर अहाँक बच्चा सभ कैं एक ठाम जमा
करितहुँ, जेना मुर्गी अपन मुर्गी कैं पाँखि नीचाँ जमा करैत अछि,
मुदा अहाँ सभ नहि चाहैत छलहुँ!
38 देखू, अहाँक घर अहाँ सभक लेल उजाड़ भ' गेल अछि।
39 हम अहाँ सभ कैं कहैत छी जे, अहाँ सभ हमरा ताबत धरि
नहि देखब जाबत धरि अहाँ सभ ई नहि कहब जे, "धन्य अछि जे
प्रभुक नाम सँ अबैत अछि।"

अध्याय 24

1 यीशु मन्दिर सँ बाहर निकलि गेलाह आ हुनकर शिष् य सभ
हुनका लग मन्दिरक भवन देखाबय लेल आयल छलाह।
2 यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " अहाँ सभ ई सभ बात नहि
देखि रहल छी?" हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे एतऽ एक
पाथर पर एक पाथर नहि बचल रहत जे नहि फेकल जायत।"
3 जखन ओ जैतूनक पहाड़ पर बैसल छलाह तखन शिष् य सभ
हुनका लग एकांत आबि कऽ पुछलथिन, "कहू जे ई सभ कहिया
होयत?" तोहर आगमन आ संसारक अन्त्यक कोन निशानी होयत?
4 यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " सावधान रहू जे केओ
अहाँ सभ कैं धोखा नहि दऽ सकय।"
5 हमरा नाम सँ बहुतो लोक आबि कऽ कहत जे, "हम मसीह छी।"
आ बहुतो कैं धोखा देत।
6 अहाँ सभ युद्ध आ युद्धक अफवाह सुनब।
7 किएक तँ जाति-जाति जाति-जातिक विरुद्ध उठत आ राज् य-
राज्यक विरूद्ध भऽ जायत।
8 ई सभ दुखक आरंभ अछि।
9 तखन ओ सभ अहाँ सभ कैं कष्टक लेल सौंपि कऽ मारि देत।
10 तखन बहुतो लोक ठेस पहुँचत आ एक-दोसर कैं धोखा देत
आ एक-दोसर सँ घृणा करत।
11 बहुतो झूठ प्रवक् ता सभ उठत आ बहुतो कैं धोखा देत।
12 अधर्मक भरमार हेबाक कारणेँ बहुतो लोकक प्रेम ठंढा भऽ
जायत।
13 मुदा जे अन्त धरि सहन करत, से उद्धार पाओत।
14 राज्यक ई सुसमाचार समस्त संसार मे प्रचारित कयल जायत,
जाहि सँ सभ जाति कैं गवाही बनत। तखन अंत आओत।
15 जखन अहाँ सभ दानियल भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल
उजाड़क घृणित बात कैं पवित्र स्थान मे ठाढ़ देखब।
16 तखन यहूदिया मे रहनिहार सभ पहाड़ पर भागि जाय।
17 जे घरक चोटी पर अछि से अपन घर सँ कोनो वस्तु
निकालबाक लेल नहि उतरय।
18 आ जे खेत मे अछि से अपन कपड़ा लऽ कऽ घुरि कऽ नहि
आबय।
19 ओहि दिन मे गर्भवती आ दूध देबयवला सभक लेल धिक्कार!
20 मुदा अहाँ सभ प्रार्थना करू जे अहाँ सभक पलायन जाड़ मे
आ विश्राम-दिन मे नहि हो।
21 किएक तँ तखन बहुत पैघ क्लेश होयत जे संसारक प्रारम्भसँ
एखन धरि नहि छल आ ने कहियो होयत।
22 जाबत ओ दिन छोट नहि भऽ जायत, ताबत धरि कोनो
शरीरक उद्धार नहि होयत।
23 तखन जँ केओ अहाँ सभ कैं ई कहत जे, "देखू, एतऽ मसीह
वा ओतहि छथि।" विश्वास नहि करू।
24 किएक तँ ओतऽ झूठ मसीह आ झूठा प्रवक् ता सभ उठत आ
पैघ-पैघ चिन् त्र आ चमत् कार देखौताह। एतेक धरि जे जँ संभव
होइत तँ ओ सभ चुनल लोक सभ कैं धोखा देत।
25 देखू, हम अहाँ सभ कैं पहिने कहि देने छी।
26 तेँ जँ ओ सभ अहाँ सभ कैं ई कहत जे, 'देखू, ओ मरुभूमि मे
अछि। बाहर नहि जाउ, देखू, ओ गुप्त कोठली मे अछि। विश्वास
नहि करू।
27 किएक तँ जहिना पूब दिससँ बिजली अबैत अछि आ पश्चिम
धरि चमकैत अछि। तहिना मनुष् यक पुत्रक आगमन सेहो होयत।

28 किएक तँ जतए शव अछि, ओतहि गरुड़ सभ जमा भऽ
जायत।
29 ओहि दिनक क्लेशक तुरंत बाद सूर्य अन्हार भ' जायत, आ
चान अपन इजोत नहि देत, आकाश सँ तारा खसि पड़त आ
आकाशक शक्ति हिलत।
30 तखन स् वर्ग मे मनुष् यक पुत्रक चिन् ह प्रकट होयत।
31 ओ अपन स् वर्गदूत सभ कैं तुरहीक जोर-जोर सँ पठाओत
आ ओ सभ अपन चुनल लोक सभ कैं चारू हवा सँ आकाशक
एक छोर सँ दोसर छोर धरि जमा करत।
32 आब अंजीरक गाछक दृष्टान्त सीखू। जखन ओकर डारि
एखन धरि कोमल होइत छैक आ पात निकलैत छैक तखन अहाँ
सभ जनैत छी जे गर्मी लग आबि गेल अछि।
33 तहिना अहाँ सभ जखन ई सभ बात देखब तँ ई जानि लिअ जे
ओ दरबज्जा सभ लग अछि।
34 हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे जा धरि ई सभ बात पूरा
नहि भऽ जायत ता धरि ई पीढ़ी नहि बीतत।
35 आकाश आ पृथ् वी समाप्त भऽ जायत, मुदा हमर वचन
समाप्त नहि होयत।
36 मुदा ओहि दिन आ समयक विषय मे केओ नहि जनैत अछि,
स् वर्गक स् वर्गदूत नहि, सिवाय हमर पिता मात्र कैं।
37 मुदा जेना नोआक समय छल, तहिना मनुष् य-पुत्रक आगमन
सेहो होयत।
38 जहिना जलप्रलय सँ पहिने के दिन मे ओ सभ खाइत-पीबैत
छलाह, विवाह करैत छलाह आ विवाह करैत छलाह, जाबत धरि
नोह जहाज मे प्रवेश नहि केलनि।
39 जाबत धरि बाढ़ि आबि कऽ सभ कैं नहि ल' गेलनि ताबत धरि
नहि बुझलनि। तहिना मनुष् यक पुत्रक आगमन सेहो होयत।
40 तखन दू गोटे खेत मे रहताह। एकटा लऽ जेतै, आ दोसर
छोड़ि देल जायत।
41 दूटा स्त्री चक्की मे पीसैत रहतीह। एकटा लऽ जेतै, आ दोसर
छोड़ि देल जायत।
42 तेँ जागरूक रहू, किएक तँ अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँ
सभक प्रभु कोन समय मे आओत।
43 मुदा ई जानि लिअ जे जँ घरक मालिक कैं बुझल रहैत जे चोर
कोन प्रहर मे आओत तऽ ओ जागल रहैत आ अपन घर तोड़य
नहि दैत।
44 तेँ अहाँ सभ सेहो तैयार रहू, किएक तँ मनुष् य-पुत्र जाहि
समय मे अहाँ सभ नहि सोचैत छी, आओत।
45 तखन एहन विश्वासी आ बुद्धिमान सेवक के अछि, जकरा
अपन मालिक अपन घरक घरक मालिक बनौने छथि, जे समय
पर हुनका सभ कैं भोजन देबाक लेल?
46 धन्य अछि ओ सेवक, जकरा मालिक आबि कऽ एना करैत
देखताह।
47 हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे ओ ओकरा अपन सभ
सम् पत्तिक अधिपति बनाओत।
48 मुदा जँ ओ दुष्ट सेवक मोन मे ई कहत जे, 'हमर मालिक
अपन आगमन मे देरी क' रहल छथि।
49 ओ अपन संगी दास सभ कैं मारि-पीट करऽ लागत आ नशा
मे धुत्त लोक सभक संग भोजन-पीन करऽ लागत।
ओहि नोकरक मालिक ओहि दिन आबि जेताह जखन ओ ओकरा
पर नजरि नहि राखत आ ओहि घड़ी मे जखन ओकरा नहि बुझल
होयत।
51 ओ ओकरा काटि कऽ पाखंडी सभक संग ओकर भाग
राखत।

अध्याय 25

1 तखन स् वर्गक राज् य दस कुमारि कन्याक उपमा कयल
जायत, जे अपन दीप लऽ कऽ वर सँ भेंट करबाक लेल
निकललीह।
2 ओहि मे सँ पाँच गोटे बुद्धिमान आ पाँच गोटे मूर्ख छलाह।
3 मूर्ख सभ अपन दीप लऽ कऽ गेल आ तेल नहि लऽ गेल।
4 मुदा ज्ञानी लोकनि अपन दीपक संग अपन बर्तन मे तेल ल'
लेलनि।
5 वर जाबत देरी कऽ रहलाह, ओ सभ सुति गेलाह आ सुति
गेलाह।
6 आधा राति मे चिचिया उठल, "देखू, वर आबि रहल छथि। अहाँ
सभ हुनका सँ भेंट करय लेल निकलू।
7 तखन ओ सभ कुमारि सभ उठि कऽ अपन दीप कैं छंटनी
कयलनि।
8 मूर्ख लोकनि बुद्धिमान सभ कैं कहलथिन, "अपन तेल हमरा
सभ कैं दिअ। किएक तँ हमरा सभक दीप बुझि गेल अछि।
9 मुदा बुद्धिमान लोकनि उत्तर देलथिन, "एना नहि। कहीं हमरा
सभ आ अहाँ सभक लेल पर्याप्त नहि भ' जाय, बल् कि अहाँ सभ
बेचनिहार सभक लग जाउ आ अपना लेल कीनि लिअ।"
10 जखन ओ सभ कीनय गेलाह तखन वर आबि गेलाह। तैयार
लोक सभ हुनका संग विवाह मे प्रवेश कयलनि।
11 तकर बाद आन कुमारि सभ सेहो आबि कऽ कहलथिन, "प्रभु,
प्रभु, हमरा सभक लेल खोलू।"
12 मुदा यीशु उत्तर देलथिन, "हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी
जे हम अहाँ सभ कैं नहि चिन्हैत छी।"
13 तेँ जागरूक रहू, किएक तँ अहाँ सभ मनुष् य-पुत्र कोन दिन
आओत, से नहि जनैत छी।
14 स् वर्गक राज् य ओहिना अछि जेना कोनो लोक दूर-दूर देश
मे जा कऽ अपन नोकर सभ कैं बजा कऽ अपन सम् पत्ति ओकरा
सभ कैं सौंप देलक।
15 एक गोटे कैं पाँच तोरा, दोसर कैं दू टाका आ दोसर कैं एक
टोला देलनि। प्रत्येक आदमी के अपन अनेक क्षमता के अनुसार;
आ सोझे अपन यात्रा पर निकलि गेल।
16 तखन जे पाँच तोरा पाबि गेल छल, से ओहि मे सँ व्यापार कऽ
कऽ ओकरा सभ कैं पाँच तोरा आन कऽ देलक।
17 तहिना जे दूटा पाबि गेल छल, ओकरा दूटा आन लाभ सेहो
भेटलैक।
18 मुदा जे एकटा ग्रहण केने छल, ओ जा कऽ धरती मे खोदलक
आ अपन मालिकक पाइ नुका लेलक।
19 बहुत दिनक बाद ओहि नोकर सभक मालिक आबि कऽ
हुनका सभक हिसाब-किताब करैत छथि।
20 एहि तरहेँ जे पाँच टोला पाबि गेल छल, ओ आबि कऽ पाँच
तोरा आओर आनि कऽ कहलक, "प्रभु, अहाँ हमरा पाँच तोरा
सौंपलहुँ।
21 हुनकर मालिक हुनका कहलथिन, "हे नीक आ विश्वासी सेवक,
नीक काज केलहुँ, अहाँ किछु बात पर विश्वासी रहलहुँ, हम अहाँ
कैं बहुतो बात पर शासक बना देब।
22 ओ दू टा टोला सेहो आबि कऽ कहलथिन, "प्रभु, अहाँ हमरा दू
टाका सौंपि देलहुँ।

23 हुनकर मालिक हुनका कहलथिन, “हे नीक आ विश्वासी सेवक, नीक केलहुँ। अहाँ किछु बात पर विश्वासी रहलहुँ, हम अहाँ कैं बहुतो बात पर शासक बना देब।
24 तखन एक टोला लऽ कऽ कऽ कहलथिन, “प्रभु, हम अहाँ कैं जनैत छलहुँ जे अहाँ कठोर आदमी छी, जतय अहाँ नहि बोअने छी, ओतहि काटि कऽ देलक।
25 हम घबरा गेलहुँ आ जा कऽ तोहर टैलेंट धरती मे नुका कऽ राखि देलहुँ।
26 हुनकर मालिक उत्तर देलथिन, “हे दुष्ट आ आलसी सेवक, अहाँ जनैत छलहुँ जे हम जतऽ बोना नहि केने छी, ओतहि काटि काटि लैत छी आ जतऽ भूसा नहि रोपने छी, ओतय काटि लैत छी।
27 तेँ अहाँ कैं हमर पाइ आदान-प्रदान करनिहार सभ लग राखि देबाक चाही छल, तखन हमरा अयला पर हमरा अपन पाइ सूदक संग ग्रहण करबाक चाही छल।
28 तेँ ओकरा सँ तोरा लऽ कऽ जे दस तोरा अछि तकरा दऽ दियौक।
29 जकरा लग अछि ओकरा सभ कैं प्रचुरता भेटतैक।
30 अहाँ सभ ओहि बेकार सेवक कैं बाहरी अन्हार मे फेकि दियौक।
31 जखन मनुष् यक पुत्र अपन महिमा मे आ सभ पवित्र स् वर्गदूत हुनका संग आओत, तखन ओ अपन महिमाक सिंहासन पर बैसताह।
32 हुनका सामने सभ जाति जमा भऽ जायत, आ ओ ओकरा सभ कैं एक-दोसर सँ अलग कऽ लेताह, जेना चरबाह अपन भेँड़ा कैं बकरी सँ अलग करैत अछि।
33 ओ बरद सभ कैं अपन दहिना कात राखत, मुदा बकरी सभ कैं बामा कात।
34 तखन राजा अपन दहिना कात मे बैसल लोक सभ कैं कहताह, “हे हमर पिताक आशीर्वादित लोक सभ, आऊ, संसारक सृष्टि सँ अहाँ सभक लेल तैयार कयल गेल राज्यक उत्तराधिकारी बनू।
35 हम भूखल छलहुँ आ अहाँ सभ हमरा भोजन दऽ देलहुँ, हम प्यासल छलहुँ आ अहाँ सभ हमरा पीबैत छलहुँ।
36 अहाँ सभ हमरा नंगटे, आ अहाँ सभ हमरा कपड़ा पहिरा देलहुँ, हम बीमार छलहुँ आ अहाँ सभ हमरा सँ भेंट कयल, हम जेल मे छलहुँ आ अहाँ सभ हमरा लग आबि गेलहुँ।
37 तखन धर्मी लोक सभ हुनका उत्तर देताह, “प्रभु, हम सभ अहाँ कैं कहिया भूखल देखलहुँ आ अहाँ कैं भोजन करौलहुँ?” वा प्यासल, आ अहाँकैं पीबि देलक?
38 हम सभ अहाँ कैं कहिया परदेशी देखि कऽ अपना मे समेटि लेलहुँ? आकि नंगटे, आ तोरा कपड़ा पहिरा देलियैक?
39 हम सभ अहाँ कैं बीमार वा जेल मे कहिया देखलहुँ आ अहाँ लग आबि गेलहुँ?
40 राजा हुनका सभ कैं उत्तर देताह, “हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे अहाँ सभ हमर एहि छोट-छोट भाय सभ मे सँ एक गोटेक संग ई काज केलहुँ, तहिना अहाँ सभ हमरा लेल ई काज केलहुँ।”
41 तखन ओ बामा कातक लोक सभ कैं सेहो कहताह, “हे शापित, हमरा सँ चलि जाउ, अनन्त आगि मे जे शैतान आ ओकर स् वर्गदूत सभक लेल तैयार कयल गेल अछि।
42 हम भूखल छलहुँ आ अहाँ सभ हमरा भोजन नहि देलियैक।
43 हम परदेशी छलहुँ, मुदा अहाँ सभ हमरा नंगटे नहि पकड़लहुँ, आ अहाँ सभ हमरा कपड़ा नहि पहिरलहुँ।
44 तखन ओ सभ हुनका उत्तर देताह, “प्रभु, हम सभ अहाँ कैं भूखल वा प्यासल वा परदेशी, नंगटे, बीमार वा जेल मे कहिया देखलहुँ आ अहाँक सेवा नहि केलहुँ?
45 तखन ओ हुनका सभ कैं उत्तर देताह, “हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे अहाँ सभ एहि मे सँ एक गोटेक संग ई काज नहि केलहुँ, तेँ हमरा संग नहि केलहुँ।”
46 ई सभ अनन्त दण्ड मे चलि जायत, मुदा धर्मी अनन्त जीवन मे।

अध्याय 26

1 यीशु ई सभ बात समाप्त कऽ कऽ अपन शिष् य सभ कैं कहलथिन।
2 अहाँ सभ जनैत छी जे दू दिनक बाद फसह-पर्वक पाबनि अछि आ मनुष् य-पुत्र कैं क्रूस पर चढ़ाबय लेल धोखा देल जायत।
3 तखन मुख्यपुरोहित सभ, धर्म-शिक्षक आ लोकक बूढ़-पुरोहित सभ, महापुरोहितक महल मे जमा भ' गेलाह, जकरा काइफा कहल जाइत छल।
4 ओ सभ विचार-विमर्श कयलनि जे ओ सभ चतुराई सँ यीशु कैं पकड़ि कऽ मारि सकय।
5 मुदा ओ सभ कहलथिन, “पर्वक दिन नहि, कहीं लोकक बीच हंगामा नहि भऽ जाय।”
6 यीशु जखन कोढ़ी सिमोनक घर मे बेतनिया मे छलाह।
7 एक स् त्री हुनका लग अयलीह, जिनका लग एकटा अलाबास्टरक डिब्बा छलनि, जाहि मे बहुत कीमती मरहम छलनि, आ ओ भोजनक समय मे हुनका माथ पर ढारि देलनि।
8 मुदा हुनकर शिष् य सभ ई देखि क्रोधित भऽ कऽ कहलथिन, “ई कोन काजक लेल उजाड़ल जा रहल अछि?”
9 ई मरहम बहुत दाम मे बेचि कऽ गरीब सभ कैं देल जा सकैत छल।
10 यीशु ई बात बुझि हुनका सभ कैं कहलथिन, “ अहाँ सभ स् त्री कैं किएक परेशान करैत छी? किएक तँ ओ हमरा पर नीक काज केने छथि।
11 किएक तँ अहाँ सभक संग गरीब सभ सदिखन रहैत अछि। मुदा हमरा अहाँ सभ सदिखन नहि छी।
12 ओ हमर शरीर पर ई मरहम ढारि देलनि आ हमरा दफन करबाक लेल कयलनि।
13 हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे, जतए-जतय ई सुसमाचार सम् पूर्ण संसार मे प्रचारित होयत, ओतहि एहि स् त्रीक द्वारा कयल गेल बात सेहो कहल जायत।
14 बारह मे सँ एक गोटे यहूदा इस्करियोती नामक पुरोहित सभक लग गेलाह।
15 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, “अहाँ सभ हमरा की देब आ हम ओकरा अहाँ सभक हाथ मे सौंपि देब?” ओ सभ चानीक तीस टुकड़ीक लेल हुनका संग वाचा कयलनि।
16 ओहि समय सँ ओ हुनका धोखा देबाक अवसर तकैत रहलाह।
17 अखमीरी रोटीक पर्वक पहिल दिन शिष् य सभ यीशु लग आबि कऽ पुछलथिन, “अहाँ चाहै छी जे हम सभ फसह-पाबनि अहाँ लेल कतऽ तैयार करी?”

18 ओ कहलथिन, " एहन आदमी लग नगर मे जाउ आ ओकरा
कहू जे, 'गुरु कहैत छथि, 'हमर समय लग आबि गेल अछि। हम
अपन शिष्य सभक संग अहाँक घर मे फसह-पाबनि मनाएब।
19 शिष्य सभ जेना यीशु द्वारा नियुक्त कयल गेल छल, तेना
कयलनि। ओ सभ फसह-पाबनि तैयार कयलनि।
20 साँझ भेला पर ओ बारह गोटेक संग बैसि गेलाह।
21 ओ सभ भोजन करैत काल ओ कहलथिन, " हम अहाँ सभ केँ
सत्ते कहैत छी जे अहाँ सभ मे सँ कियो हमरा धोखा देत।"
22 ओ सभ बहुत दुखी भऽ कऽ एक-एक गोटे ओकरा कहऽ
लगलाह, "प्रभु, की हम छी?"
23 ओ उत्तर देलथिन, " जे हमरा संग बर्तन मे हाथ डुबाबैत अछि,
से हमरा धोखा देत।"
24 मनुष् यक पुत्र ओहिना चलैत छथि जेना हुनका बारे मे लिखल
अछि, मुदा धिक्कार ओहि आदमी पर, जकरा द्वारा मनुष् यक पुत्र
केँ धोखा देल गेल अछि। ओहि आदमीक लेल नीक रहितैक जँ
ओ जन्म नहि लेने रहितैक।
25 तखन हुनका धोखा देनिहार यहूदा उत्तर देलथिन, "गुरु, की
हम छी?" ओ ओकरा कहलथिन, " अहाँ कहलहुँ।"
26 ओ सभ भोजन करैत काल यीशु रोटी लऽ कऽ आशीष दऽ
कऽ ओकरा तोड़ि कऽ शिष् य सभ केँ दऽ देलथिन आ कहलथिन,
" लीह, खाउ। ई हमर देह अछि।
27 ओ प्याला लऽ कऽ धन् यवाद दऽ कऽ हुनका सभ केँ देलथिन
आ कहलथिन, " अहाँ सभ एहि मे सँ पीबू।
28 ई हमर नव नियमक खून अछि जे पापक क्षमाक लेल बहुतो
लोकक लेल बहाओल गेल अछि।
29 मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, हम आब सँ एहि बेल केर
फल मे सँ ताबत धरि नहि पीब, जाबत धरि हम अहाँ सभक संग
अपन पिताक राज्य मे नव-नव फल नहि पीब।
30 ओ सभ स्तोत्र गाबि कऽ जैतूनक पहाड़ पर निकलि गेलाह।
31 तखन यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, " आइ राति अहाँ सभ
हमरा कारणेँ आहत होयब।
32 मुदा हम जीबि उठलाक बाद अहाँ सभ सँ पहिने गलील
जायब।
33 पत्रुस उत्तर देलथिन, "अहाँक कारणेँ भले सभ लोक आहत
भऽ जाय, मुदा हम कहियो आहत नहि होयब।"
34 यीशु हुनका कहलथिन, " हम अहाँ केँ सत्ते कहैत छी जे आइ
राति मुर्गा बाजबा सँ पहिने अहाँ हमरा तीन बेर अस्वीकार करब।"
35 पत्रुस हुनका कहलथिन, "हम जँ अहाँक संग मरि जायब, मुदा
हम अहाँ केँ अस्वीकार नहि करब।" तहिना सभ शिष्य सेहो
कहलनि।
36 तखन यीशु हुनका सभक संग गेटसमनी नामक स्थान पर
आबि शिष् य सभ केँ कहलथिन, " जखन धरि हम ओतऽ जाबऽ
प्रार्थना करऽ जा रहल छी ताबत अहाँ सभ एतऽ बैसि जाउ।"
37 ओ पत्रुस आ जबदीक दुनू बेटा केँ अपना संग ल' गेलाह।
38 तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " हमर प्राण मृत् यु धरि
बहुत दुखी अछि।
39 ओ कनेक आगू बढ़ि कऽ मुँह पर खसि कऽ प्रार्थना कयलनि,
" हे हमर पिता, जँ संभव हो तँ ई प्याला हमरा सँ चलि जाउ।
40 यीशु शिष् य सभक लग आबि कऽ हुनका सभ केँ सुतल पाबि
कऽ पत्रुस केँ पुछलथिन, " की, अहाँ सभ हमरा संग एक घंटा धरि
नहि जागि सकलहुँ?"
41 जागरूक आ प्रार्थना करू जे अहाँ सभ परीक्षा मे नहि पड़य।
42 ओ दोसर बेर चलि गेलाह आ प्रार्थना कयलनि, " हे हमर पिता,
जँ ई प्याला हमरा सँ नहि चलि जायत, जाबत हम एकरा नहि पीब,
तँ अहाँक इच्छा पूरा होयत।"
43 ओ फेर आबि कऽ हुनका सभ केँ सुतल देखलनि, कारण
हुनका सभक आँखि भारी छलनि।
44 ओ हुनका सभ केँ छोड़ि फेर चलि गेलाह आ तेसर बेर प्रार्थना
कयलनि।
45 तखन यीशु अपन शिष् य सभक लग आबि हुनका सभ केँ
कहलथिन, " आब सुति रहू आ विश्राम करू।
46 उठू, हम सभ जाइ।
47 जखन ओ बजैत छलाह तखन बारह मे सँ एक यहूदा आ
हुनका संग तलवार आ लाठी लऽ कऽ बहुत रास भीड़ आबि
गेलाह।
48 हुनका धोखा देनिहार हुनका सभ केँ एकटा संकेत देलथिन जे,
"हम जकरा चुम्मा लेब, ओ वैह अछि।"
49 ओ तुरन्त यीशु लग आबि कहलथिन, "हे गुरु! आ चुम्मा
लेलक।
50 यीशु हुनका पुछलथिन, " मित्र, अहाँ किएक आबि गेल छी?"
तखन ओ सभ आबि कऽ यीशु पर हाथ राखि कऽ हुनका पकड़ि
लेलक।
51 यीशुक संग रहनिहार मे सँ एक गोटे अपन हाथ पसारि कऽ
अपन तलवार निकालि महापुरोहितक एकटा नोकर केँ मारि
देलक आ ओकर कान काटि लेलक।
52 तखन यीशु हुनका कहलथिन, " अपन तलवार केँ फेर सँ
ओकर जगह पर राखि दियौक।
53 की अहाँ सोचैत छी जे आब हम अपन पिता सँ प्रार्थना नहि
कऽ सकैत छी आ ओ हमरा एखन बारह सँ बेसी स् वर्गदूतक
सेना दऽ देताह?
54 तखन ई धर्मशास् त्र कोना पूरा होयत जे एहि तरहेँ होबऽ
पड़त?
55 ओही समय यीशु लोक सभ केँ कहलथिन, " की अहाँ सभ
हमरा पकड़बाक लेल तलवार आ लाठी ल' क' चोर जकाँ
निकलल छी?" हम अहाँ सभक संग नित्य मन् दिर मे शिक्षा दैत
बैसल रही, मुदा अहाँ सभ हमरा पर कोनो पकड़ नहि रखलहुँ।
56 मुदा ई सभ बात एहि लेल भेल जे प्रवक् ता सभक धर्मशास् त्र
पूरा भऽ जाय। तखन सभ शिष् य हुनका छोड़ि कऽ भागि गेलाह।
57 यीशु केँ पकड़ने लोक सभ हुनका महापुरोहित कैफा लग लऽ
गेलाह, जतय धर्मशास्त्री आ बूढ़-पुरान सभ जमा छल।
58 मुदा पत्रुस हुनका पाछाँ-पाछाँ दूर-दूर धरि महापुरोहितक
महल धरि गेलाह आ अंत देखबाक लेल नोकर सभक संग बैसि
गेलाह।
59 मुख्यपुरोहित सभ, प्राचीन-पुरोहित सभ आ सम्पूर्ण परिषद्
यीशुक विरुद्ध झूठ गवाही तकलनि जे हुनका मारि देल जाय।
60 मुदा कियो नहि भेटल। अंत मे दू टा झूठ गवाह आयल,
61 ओ कहलथिन, "ई आदमी कहलक जे, हम परमेश् वरक मन्
दिर केँ ध्वस्त कऽ तीन दिन मे बना सकैत छी।"
62 महापुरोहित उठि कऽ कहलथिन, "की अहाँ किछु उत्तर नहि
दऽ रहल छी?" ई सभ अहाँक विरुद्ध की गवाही दैत अछि?
63 मुदा यीशु चुप रहलाह। महापुरोहित हुनका उत्तर देलथिन,
"हम अहाँ केँ जीवित परमेश् वरक शपथ दैत छी जे अहाँ हमरा
सभ केँ ई बताउ जे अहाँ परमेश् वरक पुत्र मसीह छी वा नहि।"

64 यीशु हुनका कहलथिन, " अहाँ कहलहुँ, तइयो हम अहाँ सभ
कैं कहैत छी जे आब अहाँ सभ मनुष् य-पुत्र कैं सामर्थ्यक दहिना
कात बैसल आ स् वर्गक मेघ मे आबि रहल देखब।"
65 तखन महापुरोहित अपन वस्त्र फाड़ि कऽ कहलथिन, "ओ
निन्दा कयलनि अछि। हमरा सभ कैं गवाहक आओर की
आवश्यकता अछि? देखू, आब अहाँ सभ हुनकर निन्दा सुनलहुँ।
66 अहाँ सभक की विचार अछि? ओ सभ उत्तर देलथिन, "ओ
मृत्युक दोषी छथि।"
67 तखन ओ सभ हुनका मुँह पर थूक फेकि कऽ मारि देलकनि।
आ दोसर लोक हुनका हाथक हथेली सँ मारि देलकनि।
68 ओ कहलनि, "हे मसीह, हमरा सभ कैं भविष्यवाणी करू, जे
अहाँ कैं मारि देलक?"
69 पत्रुस बाहर महल मे बैसल छलाह आ एकटा लड़की हुनका
लग आबि कऽ कहलथिन, "अहाँ सेहो गलील निवासी यीशुक संग
छलहुँ।"
70 मुदा यीशु हुनका सभक सोझाँ नकारैत कहलथिन, "हमरा
नहि बुझल अछि जे अहाँ की कहैत छी।"
71 यीशु ओसारा मे निकलला पर एकटा आओर दासी हुनका
देखि कऽ कहलथिन, "ई आदमी सेहो नासरतक यीशुक संग
छल।"
72 ओ फेर शपथ दऽ कऽ अस्वीकार कयलनि, "हम ओहि
आदमी कैं नहि चिन्हैत छी।"
73 किछु समयक बाद ओहि ठाम ठाढ़ लोक सभ हुनका लग
आबि कऽ पत्रुस कैं कहलथिन, "अहाँ सेहो हुनका सभ मे सँ एक
छी। किएक तँ तोहर बाजब तोरा झगड़ा करैत अछि।"
74 तखन ओ गारि पढ़य लगलाह आ शपथ देबय लगलाह, "हम
ओहि आदमी कैं नहि चिन्हैत छी।" आ तुरन्त मुर्गा क्रू भ गेल।
75 पत्रुस यीशुक वचन मोन पाड़लनि जे हुनका कहलथिन, "मुर्गा
बाजबा सँ पहिने अहाँ हमरा तीन बेर अस्वीकार करब।" ओ बाहर
निकलि कऽ कटु कानय लागल।

अध्याय 27

1 भोर भेला पर सभ मुख्यपुरोहित आ प्रजाक बूढ़-पुरान सभ
यीशुक विरुद्ध विचार कयलनि जे हुनका मारि देल जाय।
2 ओ सभ ओकरा बान्हि कऽ ओकरा लऽ गेल आ राज्यपाल
पोन्टियुस पिलातुसक हाथ मे सौंप देलक।
3 तखन यीशु कैं धोखा देलक यहूदा हुनका दोषी ठहराओल गेल
देखि अपना कैं पश्चाताप कयलनि आ ओहि तीस टा चानीक
टुकड़ी कैं मुख्यपुरोहित आ बूढ़-पुरोहित सभक लग फेर सँ
अनलनि।
4 ओ कहलनि, "हम पाप केलहुँ जे हम निर्दोष खूनक संग धोखा
कऽ देलहुँ।" ओ सभ पुछलथिन, "हमरा सभक लेल ई की अछि?"
देखू अहाँ ओहि बात कैं।
5 ओ चानीक टुकड़ी सभ मन् दिर मे फेकि कऽ चलि गेलाह आ
फाँसी पर फँसि गेलाह।
6 मुख्यपुरोहित सभ चानीक टुकड़ी सभ लऽ कऽ कहलथिन,
"कोष मे राखब उचित नहि अछि, किएक तँ ई खूनक मोल अछि।"
7 ओ सभ विचार-विमर्श कऽ कऽ परदेशी सभ कैं गाड़बाक लेल
कुम्हारक खेत कीनि लेलक।
8 तेँ ओहि खेत कैं आइ धरि "खूनक खेत" कहल गेल।
9 तखन जेरेमी प्रवक् ता द्वारा कहल गेल बात पूरा भेल जे, "ओ
सभ चानीक तीस टुकड़ी लऽ लेलक, जकर दाम छल, जकर मोल
इस्राएलक सन् तान मे सँ कयल गेल छल।
10 ओ सभ कुम्हारक खेतक लेल देलनि, जेना प्रभु हमरा देलनि।
11 यीशु राज्यपालक समक्ष ठाढ़ भऽ गेलाह आ राज्यपाल हुनका
सँ पुछलथिन, "की अहाँ यहूदी सभक राजा छी?" यीशु हुनका
कहलथिन, " अहाँ कहैत छी।"
12 जखन हुनका पर मुखिया पुरोहित आ बूढ़-पुरान सभक
आरोप लगलनि तँ ओ किछुओ उत्तर नहि देलथिन।
13 तखन पिलातुस हुनका कहलथिन, "की अहाँ नहि सुनैत छी जे
ओ सभ अहाँ पर कतेक गवाही दैत छथि?"
14 ओ हुनका कहियो एको शब्द नहि कहलथिन। एतेक जे
राज्यपाल बहुत आश्चर्यचकित भ' गेलाह।
15 ओहि भोज मे राज्यपालक आदति छलनि जे लोक सभक लेल
एकटा कैदी कैं छोड़ि दैत छलाह, जकरा ओ सभ चाहैत छलाह।
16 तखन हुनका सभक एकटा उल्लेखनीय कैदी छलनि, जकर
नाम छल बरब्बा।
17 तखन ओ सभ जमा भेला पर पिलातुस हुनका सभ कैं
कहलथिन, "अहाँ सभ चाहैत छी जे हम अहाँ सभ कैं ककरा
छोड़ि दी?" बरब्बा, आकि यीशु जकरा मसीह कहल जाइत छैक?
18 ओ जनैत छलाह जे ईर्ष्याक कारणेँ ओ सभ हुनका बँचौने
छथि।
19 जखन ओ न्यायक आसन पर बैसल छलाह तखन हुनकर पत्नी
हुनका लग पठौलनि जे, "ओहि धर्मी पुरुष सँ अहाँक कोनो संबंध
नहि अछि, कारण आइ हुनका कारणेँ हमरा सपना मे बहुत कष्ट
भेल अछि।"
20 मुदा मुख्यपुरोहित आ बूढ़-पुरान सभ लोक सभ कैं मना
लेलक जे बरब्बा सँ पूछि कऽ यीशु कैं नष्ट कऽ दियौक।
21 राज्यपाल हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ एहि दुनू
मे सँ के चाहैत छी जे हम अहाँ सभ कैं छोड़ि दी? ओ सभ
कहलकनि, "बरब्बा।"
22 पिलातुस हुनका सभ कैं कहलथिन, "तखन हम यीशु कैं की
करब, जकरा मसीह कहल जाइत अछि?" ओ सभ हुनका
कहलथिन, "ओकरा क्रूस पर चढ़ाओल जाय।"
23 राज्यपाल पुछलथिन, "ओ की अधलाह केलथि?" मुदा ओ सभ
आओर बेसी चिचिया उठल जे, "ओकरा क्रूस पर चढ़ाओल जाय।"
24 जखन पिलातुस देखलनि जे ओ किछुओ परास्त नहि भऽ
सकैत छथि, बल् कि हंगामा भऽ रहल अछि, तखन ओ पानि लऽ
कऽ भीड़क समक्ष हाथ धो लेलनि आ कहलथिन, "हम एहि धर्मी
व्यक्तिक खून सँ निर्दोष छी।"
25 तखन सभ लोक उत्तर देलथिन, "ओकर खून हमरा सभ पर
आ हमरा सभक बच्चा सभ पर हो।"
26 तखन ओ बरब्बा कैं हुनका सभक हाथ मे छोड़ि देलनि आ
यीशु कैं कोड़ा मारि कऽ क्रूस पर चढ़ाबय लेल सौंपि देलनि।
27 तखन राज्यपालक सिपाही सभ यीशु कैं आम सभागार मे लऽ
गेल आ समस्त सैनिक सभक दल कैं हुनका लग जमा कऽ
लेलक।
28 ओ सभ ओकर कपड़ा उतारि कऽ लाल रंगक वस्त्र पहिरि
लेलक।
29 ओ सभ काँटक मुकुट गढ़ि कऽ ओकर माथ पर आ दहिना
हाथ मे खढ़ लगा देलक।
30 ओ सभ हुनका पर थूक फेकि कऽ खढ़ लऽ कऽ माथ पर
प्रहार कयलनि।

31 ओ सभ हुनकर उपहास केलाक बाद हुनका सँ वस्त्र उतारि कऽ हुनकर अपन वस्त्र पहिरि कऽ हुनका क्रूस पर चढ़ाबय लेल लऽ गेलाह।
32 जखन ओ सभ बाहर निकलैत छलाह तखन हुनका सभ केँ कुरेनक एकटा आदमी भेटलनि, जकर नाम सिमोन छलनि।
33 ओ सभ गोल्गोथा नामक स्थान पर पहुँचलाह, अर्थात् खोपड़ीक स्थान पर पहुँचलाह।
34 ओ सभ ओकरा पित्त मिलाओल सिरका पीबय लेल देलक, मुदा ओकर स्वाद चखला पर ओ नहि पीबय लागल।
35 ओ सभ हुनका क्रूस पर चढ़ा देलथिन आ हुनकर कपड़ा बाँटि कऽ चिट्ठी निकालि देलथिन, जाहि सँ ई बात पूरा भऽ जाय जे प्रवक् ता द्वारा कहल गेल छल, "ओ सभ हमर वस्त्र ओकरा सभक बीच बाँटि देलक आ हमर वस्त्र पर चिट्ठी लगा देलक।"
36 ओ सभ बैसि कऽ ओतऽ हुनका देखैत रहलाह।
37 ओकर माथ पर अपन आरोप लगा देलथिन जे, "ई यहूदी सभक राजा यीशु छथि।"
38 तखन हुनका संग दूटा चोर क्रूस पर चढ़ाओल गेल छल, एकटा दहिना कात आ दोसर बामा कात।
39 ओहि ठाम सँ गुजरय बला लोक सभ माथ हिलाबैत हुनका गारि देलक।
40 ओ कहलथिन, "अहाँ जे मन् दिर केँ तोड़ि कऽ तीन दिन मे बनबैत छी, से अपना केँ बचाउ।" जँ अहाँ परमेश् वरक पुत्र छी तँ क्रूस पर सँ उतरि जाउ।
41 तहिना मुख्यपुरोहित सभ सेहो शास्त्री आ बूढ़-पुरान सभक संग हुनकर उपहास करैत कहलथिन।
42 ओ दोसरो केँ उद्धार कयलनि। अपना केँ ओ नहि बचा सकैत अछि। जँ ओ इस्राएलक राजा छथि तँ आब क्रूस पर सँ उतरि जाथि आ हम सभ हुनका पर विश् वास करब।
43 ओ परमेश् वर पर भरोसा कयलनि। जँ ओकरा चाही तँ आब ओकरा बचाबऽ दियौक, किएक तँ ओ कहने छल जे हम परमेश् वरक पुत्र छी।"
44 हुनका संग क्रूस पर चढ़ल चोर सभ सेहो हुनका दाँत मे फेकि देलक।
45 छठम बजे सँ नवम बजे धरि पूरा देश मे अन्हार भऽ गेल।
46 करीब नौम बजे यीशु जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह, " एली, एली, लामा सबक्थनी?" अर्थात् "हमर परमेश् वर, हमर परमेश् वर, अहाँ हमरा किएक छोड़ि देलहुँ?"
47 ओतऽ ठाढ़ किछु लोक सभ ई बात सुनि कऽ कहलथिन, "ई आदमी एलियाह केँ बजा रहल अछि।"
48 एक गोटे तुरत दौड़ल एकटा स्पंज लऽ कऽ ओहि मे सिरका भरि कऽ खढ़ पर राखि ओकरा पीबय देलक।
49 बाँकी लोक सभ कहलथिन, "आउ, देखब जे एलियाह ओकरा बचाबऽ आओत कि नहि।"
50 यीशु फेर जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह।
51 देखू, मन्दिरक पर्दा ऊपर सँ नीचाँ धरि दू भाग मे फाटि गेल छल। पृथ्वी काँपि गेल आ पाथर फाटि गेल।
52 कबर सभ खुजल। सुतल पवित्र लोकक बहुत रास शरीर उठि गेल।
53 यीशु जीबि उठलाक बाद कबर सभ सँ बाहर निकलि पवित्र नगर मे जा कऽ बहुतो लोकक समक्ष प्रगट भेलाह।
54 जखन सेनापति आ हुनका संग जे यीशु केँ देखैत छलाह, भूकम्प आ घटना सभ देखि ओ सभ बहुत भयभीत भऽ कऽ कहलथिन, "सत्ते ई परमेश् वरक पुत्र छलाह।"
55 ओतऽ बहुतो स् त्रीगण दूर सँ देखैत छलीह जे गलील सँ यीशुक पाछाँ-पाछाँ हुनकर सेवा कऽ रहल छलीह।
56 ओहि मे मरियम मगदलीनी, याकूब आ योसेसक माय मरियम आ जबदीक सन्तानक माय मरियम सेहो छलीह।
57 साँझ भेला पर अरिमथियाक यूसुफ नामक एकटा धनी आदमी अयलाह जे यीशुक शिष् य सेहो छलाह।
58 ओ पिलातुस लग जा कऽ यीशुक लाश माँगि लेलक। तखन पिलातुस शव केँ छोड़बाक आज्ञा देलनि।
59 यूसुफ लाश लऽ कऽ एकटा साफ लिनन कपड़ा मे लपेटि लेलक।
60 ओ ओकरा अपन नव कब्र मे राखि देलथिन, जकरा ओ चट्टान मे उखाड़ने छलाह, तखन ओ एकटा पैघ पाथर केँ कब्रक दरबज्जा पर गुड़का कऽ चलि गेलाह।
61 मरियम मगदलीनी आ दोसर मरियम कब्रक सामने बैसल छलीह।
62 तैयारीक दिनक बाद दोसर दिन मुख्यपुरोहित आ फरिसी सभ पिलातुस लग आबि गेलाह।
63 ओ कहलनि, "महाराज, हमरा सभ केँ मोन अछि जे ओ धोखेबाज जीवित रहैत कहने छल जे, "तीन दिनक बाद हम जीबि उठब।"
64 तेँ आज्ञा दियौक जे तेसर दिन धरि कब्र केँ सुरक्षित राखल जाय, जाहि सँ हुनकर शिष् य सभ राति मे आबि कऽ ओकरा चोरा कऽ लोक सभ केँ नहि कहथि जे, "ओ मृत् यु मे सँ जीबि उठल छथि।"
65 पिलातुस हुनका सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ लग पहरा अछि।
66 ओ सभ जा कऽ कब्र केँ पक्का कऽ कऽ पाथर पर मुहर लगा कऽ पहरा लगा देलक।

अध्याय 28

1 विश्राम-दिनक अंत मे जखन सप्ताहक पहिल दिन भोर होबय लागल तखन मरियम मगदलीनी आ दोसर मरियम कब्र देखय लेल अयलीह।
2 देखू, एकटा पैघ भूकम्प भेल, कारण प्रभुक स् वर्गदूत स् वर्ग सँ उतरि कऽ दरबज्जा पर सँ पाथर केँ पाछू घुमा कऽ ओहि पर बैसि गेलाह।
3 हुनकर चेहरा बिजली जकाँ आ वस्त्र बर्फ जकाँ उज्जर छलनि।
4 हुनकर डर सँ रक्षक सभ हिलैत-डुलैत मृत् यु जकाँ भऽ गेलाह।
5 स् वर्गदूत स् त्रीगण सभ केँ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ नहि डेराउ, किएक तँ हम जनैत छी जे अहाँ सभ क्रूस पर चढ़ाओल गेल यीशु केँ तकैत छी।"
6 ओ एतय नहि छथि, किएक तँ ओ जीबि गेल छथि, जेना ओ कहलनि। आऊ, देखू ओ स्थान जतय प्रभु पड़ल छलाह।
7 जल्दी-जल्दी जा कऽ हुनकर शिष् य सभ केँ कहि दियौन जे ओ मृत् यु मे सँ जीबि उठल छथि। ओ अहाँ सभक आगू-पाछू गलील जाइत छथि। ओतहि अहाँ सभ हुनका देखबनि।
8 ओ सभ भय आ बहुत हर्षक संग जल्दी-जल्दी कब्र सँ विदा भऽ गेलाह। आ अपन शिष् य सभ केँ खबरि अनबाक लेल दौड़ल।
9 जखन ओ सभ हुनकर शिष् य सभ केँ ई बात कहय जा रहल छलाह तँ यीशु हुनका सभ सँ भेंट कऽ कऽ कहलथिन, " सब जय हो।" ओ सभ आबि कऽ हुनकर पएर पकड़ि कऽ हुनकर आराधना कयलनि।

10 तखन यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, " नहि डरू।
11 जखन ओ सभ जा रहल छलाह तँ देखलहुँ जे पहरेदारक
किछु लोक नगर मे आबि कऽ मुख् यपुरोहित सभ केँ सभटा
काजक बात कहलकनि।
12 जखन ओ सभ बूढ़-पुरान सभक संग जमा भऽ गेलाह आ
विचार-विमर्श कयलनि, तखन ओ सभ सिपाही सभ केँ पैघ पाइ
दऽ देलथिन।
13 ओ कहलथिन, "कहू जे, हुनकर शिष् य सभ राति मे आबि
कऽ हुनका चोरा कऽ चलि गेलाह जखन हम सभ सुतल छलहुँ।"
14 जँ ई बात राज्यपालक कान मे आबि जायत तँ हम सभ हुनका
मना कऽ अहाँ सभ केँ सुरक्षित राखब।
15 ओ सभ पाइ लऽ कऽ जेना सिखाओल गेल छल, तेना कऽ
रहल छल।
16 तखन ओ एगारहटा शिष्य गलील, ओहि पहाड़ पर चलि
गेलाह, जतऽ यीशु हुनका सभ केँ नियुक्त केने छलाह।
17 ओ सभ हुनका देखि हुनकर आराधना कयलनि।
18 यीशु हुनका सभ लग आबि कऽ कहलथिन, " स्वर्ग आ पृथ् वी
मे हमरा सभटा सामर्थ् य देल गेल अछि।"
19 तेँ अहाँ सभ जाउ आ सभ जाति केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत्
माक नाम सँ बपतिस् मा दऽ कऽ सिखाउ।
20 हम अहाँ सभ केँ जे किछु आज्ञा देने छी, तकरा सभ केँ पालन
करबाक सिखाह। आमीन।

मरकुस के सुसमाचार

अध्याय 1

1 परमेश् वरक पुत्र यीशु मसीहक सुसमाचारक प्रारम्भ।
2 जेना प्रवक् ता सभ मे लिखल अछि, "देखू, हम अपन दूत कैँ
अहाँक सामने पठा रहल छी जे अहाँक आगू मे बाट तैयार करत।"
3 मरुभूमि मे एक गोटेक आवाज, "प्रभुक बाट तैयार करू,
हुनकर बाट सोझ करू।"
4 यूहन् ना जंगल मे बपतिस् मा दैत छलाह आ पापक क्षमाक
लेल पश्चातापक बपतिस् माक प्रचार करैत छलाह।
5 यहूदियाक समस्त देश आ यरूशलेमक लोक सभ हुनका लग
गेलाह आ सभ अपन पाप स्वीकार करैत यरदन नदी मे हुनका सँ
बपतिस् मा लेलनि।
6 यूहन् ना ऊँटक केश पहिरने छलाह आ कमर मे चमड़ाक पट्टी
पहिरने छलाह। ओ टिड्डी आ जंगली मधु खाइत छल।
7 ओ प्रचार कऽ कऽ कहलथिन, "हमरा बाद हमरा सँ बेसी
शक्तिशाली केओ अबैत अछि, जकर जूताक कुंडी हम झुकि कऽ
खोलबाक योग्य नहि छी।"
8 हम अहाँ सभ कैँ पानि सँ बपतिस् मा देने छी, मुदा ओ अहाँ
सभ कैँ पवित्र आत् मा सँ बपतिस् मा देताह।
9 ओहि समय मे यीशु गलीलक नासरत सँ आबि यरदन नदी मे
यूहन् ना द्वारा बपतिस् मा लेलनि।
10 तुरन्त पानि सँ बाहर निकलैत देखलनि जे आकाश खुजि गेल
अछि आ आत् मा कबूतर जकाँ हुनका पर उतरि रहल अछि।
11 तखन स् वर्ग सँ एकटा आवाज आयल जे, "अहाँ हमर प्रिय पुत्र
छी, जिनका पर हम प्रसन्न छी।"
12 तुरन्त आत् मा हुनका जंगल मे धकेलि दैत छथिन।
13 ओ चालीस दिन धरि जंगल मे रहलाह, शैतानक परीक्षा मे।
जंगली जानवर सभक संग छल। स् वर्गदूत सभ हुनकर सेवा
करैत छलाह।
14 यूहन् ना जेल मे बंद भेलाक बाद यीशु गलील मे परमेश्वरक
राज्यक सुसमाचार प्रचार करैत गेलाह।
15 ओ कहलनि, " समय पूरा भऽ गेल अछि आ परमेश् वरक
राज् य लग आबि गेल अछि।
16 जखन ओ गलील समुद्रक कात मे चलैत छलाह तखन ओ
देखलनि जे सिमोन आ हुनकर भाय अन्द्रियास समुद्र मे जाल
फेकि रहल छथि।
17 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभ हमरा पाछाँ आबि
जाउ, हम अहाँ सभ कैँ मनुष् यक माछ मारय बला बना देब।"
18 ओ सभ तुरत अपन जाल छोड़ि हुनकर पाछाँ लागि गेलाह।
19 ओतऽ सँ कनेक आगू बढ़ि कऽ ओ जबदीक पुत्र याकूब आ
हुनकर भाय यूहन् ना कैँ देखलनि जे जहाज मे बैसल जाल ठीक
करैत छलाह।
20 ओ तुरत हुनका सभ कैँ बजौलनि आ ओ सभ अपन पिता
जबदी कैँ भाड़ाक नोकर सभक संग नाव मे छोड़ि हुनकर पाछाँ
लागि गेलाह।
21 ओ सभ कफरनहूम मे गेलाह। विश्राम-दिन मे ओ तुरन्त
सभाघर मे जा कऽ शिक्षा देबय लगलाह।
22 ओ सभ हुनकर शिक्षा देखि आश्चर्यचकित भऽ गेलाह, किएक
तँ ओ हुनका सभ कैँ शास्त्री सभ जकाँ नहि, बलुक अधिकारधारी
जकाँ शिक्षा दैत छलाह।
23 हुनका सभक सभाघर मे अशुद्ध आत् माक संग एक आदमी
छल। ओ चिचिया उठल।
24 ओ कहलनि, "हमरा सभ कैँ छोड़ि दियौक। हे नासरतक यीशु,
तोरा सँ हमरा सभक की लेना-देना अछि? की अहाँ हमरा सभक
नाश करय लेल आयल छी? हम तोरा जनैत छी जे अहाँ के छी,
परमेश् वरक पवित्र।
25 यीशु हुनका डाँटैत कहलथिन, " अपन चुप रहू आ हुनका मे
सँ बाहर निकलू।"
26 अशुद्ध आत् मा हुनका फाड़ि कऽ जोर-जोर सँ चिचिया
उठलनि।
27 ओ सभ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह जे ओ सभ आपस मे प्रश्न-
चौड़ा करैत रहलाह जे, "ई की बात अछि?" ई कोन नव सिद्धांत
अछि? किएक तँ ओ अशुद्ध आत् मा सभ कैँ सेहो अधिकार सँ
आज्ञा दैत छथि आ ओ सभ हुनकर आज्ञा मानैत छथि।
28 तुरन्त हुनकर प्रसिद्धि गलील चारूकातक समस्त प्रदेश मे
पसरि गेलनि।
29 ओ सभ तुरन्त सभाघर सँ बाहर निकलला पर याकूब आ
यूहन् नाक संग सिमोन आ अन् द्रेयासक घर मे प्रवेश कयलनि।
30 सिमोनक स् त्रीक माय बोखार सँ बीमार पड़ल छलीह आ ओ
सभ हुनका हुनकर बारे मे कहैत छथिन।
31 ओ आबि कऽ ओकर हाथ पकड़ि कऽ उठौलनि। तुरन्त
बोखार ओकरा छोड़ि देलक आ ओ हुनका सभक सेवा कयलनि।
32 साँझ मे जखन सूर्यास्त भेल तखन ओ सभ बीमार आ दुष् टात्
मा सँ ग्रसित सभ कैँ हुनका लग अनलनि।
33 पूरा शहर दरबज्जा पर जमा भ' गेल छल।
34 ओ बहुत रास दुष् टात् मा सभ कैँ भगा देलथिन। ओ दुष् टात्
मा सभ कैँ बाजऽ नहि देलक, किएक तँ ओ सभ ओकरा चिन्हैत
छल।
35 भोरे दिन सँ बहुत पहिने उठि कऽ एकांत स्थान पर विदा
भेलाह आ ओतहि प्रार्थना कयलनि।
36 सिमोन आ हुनकर संग रहनिहार सभ हुनका पाछाँ-पाछाँ
चललनि।
37 ओ सभ हुनका पाबि कऽ कहलथिन, "सब लोक तोरा तकैत
अछि।"
38 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " आउ, हम सभ बगलक नगर
सभ मे जाउ, जाहि सँ हम ओतहि सेहो प्रचार कऽ सकब।
39 ओ पूरा गलील मे हुनका सभक सभाघर मे प्रचार कयलनि आ
दुष् टात् मा सभ कैँ भगा देलनि।
40 एकटा कोढ़ी हुनका लग आबि कऽ हुनका लग विनती कऽ
कऽ हुनका लग ठेहुन टेकने कहलथिन, "अहाँ चाहै छी तँ हमरा
शुद्ध कऽ सकैत छी।"
41 यीशु दया कऽ कऽ हाथ बढ़ा कऽ हुनका छूबि कऽ कहलथिन,
" हम चाहब। अहाँ शुद्ध रहू।
42 यीशु बजैत देरी हुनका तुरन्त कोढ़ चलि गेलनि आ ओ शुद्ध
भऽ गेलाह।
43 ओ हुनका कड़ा आज्ञा देलथिन आ तुरन्त हुनका विदा कऽ
देलथिन।
44 ओ हुनका कहलथिन, " देखू, अहाँ ककरो सँ किछु नहि बाजू,
बल् कि जाउ, पुरोहितक समक्ष अपना कैँ देखाउ आ अपन शुद्धि
लेल ओहि बात सभ कैँ चढ़ाउ जे मूसा आज्ञा देने छलाह, जाहि सँ
हुनका सभक गवाही हो।"
45 मुदा ओ बाहर निकलि गेलाह आ एहि बात कैँ बेसी प्रचार
करऽ लगलाह आ एहि बात कैँ धधकय लगलाह जे यीशु आब
खुलि कऽ शहर मे प्रवेश नहि कऽ सकलाह, बल् कि बाहर
मरुभूमि मे रहि गेलाह।

अध्याय 2

1 ओ किछु दिनक बाद फेर कफरनहूम मे प्रवेश कयलनि। आ हल्ला भेल जे ओ घर मे छथि।
2 तुरन्त बहुतो लोक सभ एक ठाम जमा भऽ गेलाह जे हुनका सभ केँ ग्रहण करबाक लेल कोनो जगह नहि छल, दरबज्जाक आसपास सेहो नहि छलनि।
3 ओ सभ चारि गोटेक लकवाग्रस्त केँ ल' क' हुनका लग आबि गेलाह।
4 जखन ओ सभ दबाबक कारणेँ हुनका लग नहि आबि सकलाह तखन ओ सभ छत केँ खोलि देलथिन जतय ओ छलथिन।
5 यीशु हुनका सभक विश् वास देखि लकवाग्रस्त केँ कहलथिन, " बौआ, अहाँक पाप क्षमा भऽ गेल।"
6 मुदा ओतऽ किछु धर्मशास्त्री सभ बैसल छलाह आ मोन मे तर्क-वितर्क करैत छलाह।
7 ई आदमी एहि तरहेँ निन्दा किएक कहैत अछि? केवल परमेश् वर छोड़ि के पाप क्षमा कऽ सकैत अछि?
8 जखन यीशु अपन आत् मा मे बुझि गेलाह जे ओ सभ अपना मे एना विचार करैत छथि, तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " अहाँ सभ एहि बात सभक मोन मे किएक विचार कऽ रहल छी?"
9 पक्षाघाती केँ ई कहब की सहज अछि जे, 'अहाँक पाप क्षमा भऽ गेल। आकि ई कहब जे, "उठि कऽ अपन बिछौन उठा कऽ चलू?"
10 मुदा अहाँ सभ ई जानि कऽ जे मनुष् यक पुत्र केँ पाप क्षमा करबाक अधिकार पृथ् वी पर छनि। "
11 हम अहाँ केँ कहैत छी जे उठू आ अपन ओछाओन उठा कऽ अपन घर मे जाउ।
12 ओ तुरन्त उठि कऽ ओछाओन उठौलनि आ सभ गोटेक आगू बढ़ि गेलाह। एतेक धरि जे ओ सभ आश्चर्यचकित भऽ परमेश् वरक महिमा कऽ कऽ कहलथिन, "हम सभ कहियो एहि तरहेँ नहि देखलहुँ।"
13 ओ फेर समुद्रक कात मे विदा भेलाह। सभ भीड़ हुनका लग आबि गेलाह आ ओ हुनका सभ केँ सिखबैत छलाह।
14 ओहि ठाम सँ गुजरैत काल ओ अल्फीसक पुत्र लेवी केँ दरसखाना पर बैसल देखि कहलथिन, " हमर पाछाँ चलू।" ओ उठि कऽ हुनका पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह।
15 जखन यीशु अपन घर मे भोजन करऽ बैसल छलाह तखन यीशु आ हुनकर शिष् य सभक संग बहुतो कर वसूली आ पापी सभ सेहो बैसल छलाह।
16 धर्मशास्त्री आ फरिसी सभ हुनका कर वसूली आ पापी सभक संग भोजन करैत देखि हुनकर शिष् य सभ केँ पुछलथिन, "ओ करदाता आ पापी सभक संग भोजन आ पीबैत कोना?
17 यीशु ई बात सुनि कऽ हुनका सभ केँ कहलथिन, " स्वस्थ केँ वैद्यक आवश्यकता नहि, बल् कि बीमार केँ।
18 यूहन् ना आ फरिसी सभक शिष् य सभ उपवास करैत छलाह, तखन ओ सभ आबि कऽ हुनका पुछलथिन, "यूहन्ना आ फरिसी सभक शिष् य सभ उपवास किएक करैत छथि, मुदा अहाँक शिष् य सभ उपवास किएक नहि करैत छथि?"
19 यीशु हुनका सभ केँ पुछलथिन, "की वरक संग रहबाक लेल वरक बच्चा सभ उपवास कऽ सकैत अछि?" जा धरि वर संग रहैत छथि ता धरि उपवास नहि क' सकैत छथि।
20 मुदा ओ दिन आओत जखन वर केँ हुनका सभ सँ दूर कऽ देल जायत आ ओहि दिन मे ओ सभ उपवास करताह।
21 पुरान वस्त्र पर नवका कपड़ाक टुकड़ी सेहो केओ नहि सियैत अछि, नहि तऽ ओहि मे भरल नवका कपड़ा पुरान कपड़ा मे सँ हटि जाइत अछि आ ओकर फाटल आओर बेसी भ' जाइत अछि।
22 नव मदिरा केँ केओ पुरान डिब्बा मे नहि डालैत अछि, नहि तऽ नवका मदिरा बोतल सभ केँ फाड़ि दैत अछि आ मदिरा उझलि जायत आ बोतल सभ खराब भऽ जायत।
23 विश्राम-दिन मे ओ धानक खेत मे घुमि गेलाह। हुनकर शिष् य सभ जाइत-जाइत धानक कान तोड़य लगलाह।
24 फरिसी सभ हुनका पुछलथिन, "देखू, विश्राम-दिन मे ओ सभ किएक एहन काज करैत अछि जे उचित नहि अछि?"
25 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " की अहाँ सभ कहियो नहि पढ़ने छी जे दाऊद आ हुनका संग रहनिहार सभ जे काज कयलनि?
26 महापुरोहित अबियाथरक समय मे यीशु कोना परमेश् वरक घर मे जा कऽ ओ रोटी खा गेलाह, जे पुरोहित सभक छोड़ि कऽ खाएब उचित नहि अछि आ हुनका संग रहनिहार सभ केँ सेहो दऽ देलनि?
27 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " विश्राम-दिन मनुष् यक लेल बनल अछि, आ मनुष् य विश्राम-दिनक लेल नहि।
28 तेँ मनुष् य-पुत्र विश्राम-दिनक प्रभु सेहो छथि।

अध्याय 3

1 ओ फेर सभाघर मे प्रवेश कयलनि। ओतय एकटा आदमी छल जकर हाथ मुरझा गेल छलैक।
2 ओ सभ हुनका पर नजरि रखलनि जे विश्राम-दिन मे ओ हुनका ठीक करत कि नहि। जाहि सँ ओ सभ हुनका पर आरोप लगाबथि।
3 ओ मुरझाएल हाथ बला आदमी केँ कहलथिन, " आगू ठाढ़ रहू।"
4 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " की विश्राम-दिन मे नीक काज करब उचित अछि आकि अधलाह?" जान बचाबय लेल, आकि मारय लेल? मुदा ओ सभ चुप रहलाह।
5 ओ हुनका सभक हृदयक कठोरताक कारणेँ दुखी भऽ कऽ चारू कात तामस मे तकलनि, तखन ओ ओहि आदमी केँ कहलथिन, " अपन हाथ बढ़ाउ।" ओ ओकरा पसारि देलक आ ओकर हाथ दोसर जकाँ ठीक भ' गेलै।
6 फरिसी सभ निकलि कऽ तुरत हेरोदीसक लोक सभ सँ हुनका विरुद्ध विचार-विमर्श कयलनि जे ओ सभ हुनका कोना नष्ट कऽ सकैत छथि।
7 यीशु अपन शिष् य सभक संग समुद्र दिस विदा भऽ गेलाह।
8 यरूशलेम, इदुमिया आ यरदन नदीक ओहि पार सँ। सोर आ सीदोनक आसपासक लोक सभ हुनकर पैघ-पैघ काज सुनि हुनका लग आबि गेलाह।
9 ओ अपन शिष्य सभ केँ कहलथिन जे, लोकक भीड़क कारणेँ एकटा छोट नाव हुनका पर प्रतीक्षा करथि, जाहि सँ ओ सभ हुनका मे भीड़ नहि लगाओत।
10 ओ बहुतो केँ ठीक कऽ देने छलाह। एतेक तक कि ओ सभ ओकरा छूबय लेल दबा देलक, जे कियो विपत्ति सँ पीड़ित छल।
11 अशुद्ध आत् मा सभ हुनका देखि हुनका सामने खसि कऽ चिचिया उठलनि आ कहलथिन, "अहाँ परमेश् वरक पुत्र छी।"
12 ओ हुनका सभ केँ कड़ा आज्ञा देलथिन जे ओ सभ हुनका सभक परिचय नहि करथि।

13 ओ पहाड़ पर चढ़ि कऽ जकरा चाहथि तकरा बजबैत छथि।
14 यीशु बारह गोटे कैँ नियुक्त कयलनि जे ओ सभ हुनका संग
रहथि आ प्रचार करऽ लेल पठा सकथि।
15 आ ओकरा मे बीमारी सभ कैँ ठीक करबाक आ दुष् टात् मा
सभ कैँ बाहर निकालबाक सामर्थ् य अछि।
16 ओ सिमोन पत्रुसक उपनाम रखलनि।
17 जबदीक पुत्र याकूब आ याकूबक भाय यूहन् ना। ओ हुनका
सभक उपनाम बोअनेर्गेस रखलनि, अर्थात्, गरजबाक बेटा सभ।
18 आन्द्रियास, फिलिपुस, बार्थोलोम्यू, मत्ती, थोमा, अल्फीसक पुत्र
याकूब, थद्देयुस आ कनानक सिमोन।
19 यहूदा इस्करियोती जे हुनका धोखा देलकनि।
20 लोक सभ फेर एकठाम भऽ जाइत अछि जे ओ सभ रोटी तक
नहि खा सकल।
21 जखन हुनकर संगी सभ ई बात सुनि कऽ हुनका पकड़बाक
लेल निकलि गेलाह।
22 यरूशलेम सँ उतरल शास्त्री सभ कहलथिन, "ओकरा लग
बेलजबूब अछि आ ओ दुष् टात् मा सभक मुख् य द्वारा दुष् टात्
मा सभ कैँ भगा दैत अछि।"
23 ओ हुनका सभ कैँ अपना लग बजा कऽ दृष्टान्त मे कहलथिन,
" शैतान शैतान कैँ कोना भगा सकैत अछि?"
24 जँ कोनो राज्य अपना आप मे बँटि जाय तँ ओ राज्य ठाढ़ नहि
भऽ सकैत अछि।
25 जँ कोनो घर अपना आप मे बँटि गेल तँ ओ घर ठाढ़ नहि भऽ
सकैत अछि।
26 जँ शैतान अपना पर उठि कऽ विभाजित भऽ जायत तँ ओ
ठाढ़ नहि भऽ सकैत अछि, बल् कि ओकर अंत भऽ जायत।
27 केओ बलगरक घर मे जा कऽ ओकर सम् पत्ति लूटि नहि
सकैत अछि, जाबत ओ पहिने बलवान कैँ बान्हि नहि लेत। आ
तखन ओ अपन घर बिगाड़ि लेत।
28 हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे, मनुष् यक सन् तान सभ
कैँ सभ पाप माफ कयल जायत।
29 मुदा जे पवित्र आत् माक निन्दा करत, तकरा कहियो क्षमा
नहि भेटैत छैक, बल् कि अनन्त दण्डक खतरा अछि।
30 किएक तँ ओ सभ कहैत छल जे, "ओकरा मे अशुद्ध आत् मा
अछि।"
31 तखन हुनकर भाय आ माय सभ आबि कऽ बाहर ठाढ़ भऽ
हुनका बजा कऽ हुनका लग पठौलनि।
32 लोक सभ हुनका चारू कात बैसल लोक सभ हुनका
कहलथिन, "देखू, अहाँक माय आ अहाँक भाय सभ बाहर अहाँ
कैँ खोजि रहल छथि।"
33 यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, " हमर माय आ हमर भाय
सभ के छथि?"
34 ओ अपन चारू कात बैसल लोक सभ दिस तकैत बजलाह,
" देखू, हमर माय आ हमर भाय सभ!
35 किएक तँ जे केओ परमेश् वरक इच् छा पूरा करत, से हमर
भाय, बहिन आ माय छथि।

अध्याय 4

1 ओ फेर समुद्रक कात मे शिक्षा देबऽ लगलाह, तखन हुनका
लग बहुत रास भीड़ जमा भऽ गेलनि, जाहि सँ ओ एकटा नाव मे
बैसि समुद्र मे बैसि गेलाह। समस्त भीड़ समुद्रक कात मे जमीन
पर छल।
2 ओ हुनका सभ कैँ दृष्टान्त द्वारा बहुत किछु सिखबैत छलाह आ
अपन शिक्षा मे हुनका सभ कैँ कहलथिन।
3 सुनू। देखू, एकटा बोनिहार बोनिहार निकलल छल।
4 जखन ओ रोपैत छलाह तखन किछु बाट कात मे खसि पड़ल
आ आकाशक चिड़ै सभ आबि कऽ ओकरा खा गेल।
5 किछु गोटे पाथरक जमीन पर खसि पड़ल, जतय ओहि ठाम
बेसी माटि नहि छल। ओ तुरन्त उछलि गेल, किएक तऽ ओकरा
मे माटिक गहराई नहि छलैक।
6 मुदा रौद उगला पर ओ जरि गेल। आ जड़ि नहि रहबाक
कारणेँ ओ मुरझा गेल।
7 किछु काँटक बीच खसि पड़ल आ काँट बढ़ि कऽ ओकरा गला
दबा देलक आ कोनो फल नहि देलक।
8 आन लोक नीक जमीन पर खसि पड़ल आ फल उगैत आ बढ़ैत
गेल। कियो तीस, कियो साठि, आ कियो सय।
9 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " जेकरा सुनबाक लेल कान
अछि, ओ सुनय।"
10 जखन ओ असगर छलाह तखन बारह गोटेक संग हुनका लग
मे बैसल लोक सभ हुनका सँ दृष्टान्त पुछलथिन।
11 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभ कैँ परमेश् वरक
राज् यक रहस् य जानबाक अधिकार देल गेल अछि।
12 जाहि सँ ओ सभ देखि कऽ देखि सकथि आ नहि बुझि
सकथि। सुनि कऽ सुनि सकैत छथि, मुदा नहि बुझि सकैत छथि।
कहीं कहियो ओ सभ धर्म परिवर्तन नहि कऽ सकैत छथि आ
हुनका सभक पाप क्षमा नहि भ' जेतनि।"
13 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " की अहाँ सभ ई दृष्टान्त नहि
जनैत छी? तखन अहाँ सभ दृष्टान्त कोना बुझब?
14 बोनिहार वचन बोनि लैत अछि।
15 ई सभ बाट कात मे अछि, जतय वचन बोओल गेल अछि।
मुदा जखन ओ सभ सुनैत अछि तँ शैतान तुरन्त आबि कऽ हुनका
सभक हृदय मे जे वचन रोपल गेल छल से लऽ लैत अछि।
16 ई सभ तहिना पाथरक जमीन पर बोओल गेल अछि। ओ सभ
जखन ओ सभ वचन सुनि कऽ तुरन्त प्रसन्नता सँ ग्रहण करैत
छथि।
17 ओ सभ अपना मे जड़ि नहि रखैत छथि आ किछु समय धरि
टिकैत रहैत छथि, बाद मे जखन वचनक कारणेँ कष्ट वा सताओल
जाइत छनि तखन तुरन्त हुनका सभ कैँ आपत्ति होइत छनि।
18 ई सभ काँटक बीच बोओल गेल अछि। जेना वचन सुनब,
19 एहि संसारक चिन्ता आ धन-दौलतक छल आ आन-आन
वस्तुक वासना सभ वचन कैँ गला घोंटैत अछि आ ओ निष्फल
भऽ जाइत अछि।
20 ई सभ नीक जमीन पर बोओल गेल अछि। जे वचन सुनैत
अछि आ ओकरा ग्रहण करैत अछि आ फल दैत अछि, कियो
तीस गुना, कियो साठि आ कियो सय।
21 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " की मोमबत्ती आनल जाइत
अछि, जकरा कटाक नीचाँ राखल जाइत अछि आकि
ओछाओनक नीचाँ? आ मोमबत्ती पर नहि राखल जाय?
22 किएक तँ एहन कोनो बात नुकायल नहि अछि जे प्रगट नहि
होयत। आ ने कोनो बात गुप्त राखल गेल छल, बल् कि विदेश मे
आबि जाय।
23 जँ ककरो सुनबाक कान अछि तँ ओ सुनय।
24 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ जे सुनैत छी से
सावधान रहू।
25 किएक तँ जकरा लग अछि से ओकरा देल जायत।

26 ओ कहलथिन, " परमेश् वरक राज् य तहिना अछि, जेना मनुष् य जमीन मे बीया फेकि दैत अछि।
27 ओ राति-दिन सुति कऽ उठत आ बीया उगैत आ बढ़ि जायत, से ओकरा कोना बुझल छैक।
28 पृथ् वी अपना सँ फल दैत अछि। पहिने ब्लेड, फेर कान, तकर बाद कान मे भरल मकई।
29 मुदा जखन फसल निकलि जाइत अछि तँ तुरन्त हँसुआ लगा दैत छथिन, किएक तँ फसलक समय आबि गेल अछि।
30 ओ पुछलथिन, " हम सभ परमेश् वरक राज् य कें कोन तरहक उपमा देब?" आकि कोन तुलनासँ एकर तुलना करब?
31 ई सरसोंक दाना जकाँ अछि, जे जखन पृथ् वी पर बोओल जाइत अछि तँ पृथ् वी मे जे बीया अछि ताहि सँ कम भऽ जाइत अछि।
32 मुदा जखन ओ बोओल जाइत अछि तखन ओ बढ़ैत अछि आ सभ जड़ी-बूटी सँ पैघ भऽ जाइत अछि आ पैघ-पैघ डारि सभ कें उखाड़ि दैत अछि। जाहि सँ हवाक चिड़ै सभ ओकर छाया मे बैसि जाय।
33 ओहि तरहक बहुत रास दृष्टान्त सँ यीशु हुनका सभ कें वचन बजौलनि।
34 मुदा ओ हुनका सभ कें बिना कोनो दृष्टान्तक बात नहि कहलनि।
35 ओही दिन साँझ भेला पर ओ हुनका सभ कें कहलथिन, " आउ, ओहि पार जाउ।"
36 लोक सभ कें विदा कऽ कऽ नाव मे बैसल जहिना हुनका लऽ गेलनि। आ हुनका संग आन छोट-छोट जहाज सेहो छल।
37 तखन एकटा पैघ हवाक तूफान उठल आ लहरि नाव मे धड़कि गेल जे आब नाव भरि गेल।
38 ओ नावक पाछू मे तकिया पर सुतल छलाह, तखन ओ सभ हुनका जगबैत कहलथिन, "गुरु, अहाँ कें ई चिन्ता नहि अछि जे हम सभ नाश भ' जायब?"
39 ओ उठि कऽ हवा कें डाँटि कऽ समुद्र कें कहलथिन, " शांति रहू, शान्त रहू।" हवा रुकि गेलै आ बहुत शान्त भ गेलै।
40 यीशु हुनका सभ कें कहलथिन, " अहाँ सभ एतेक डराएल किएक छी? अहाँ सभक विश् वास कोना नहि अछि?
41 ओ सभ बहुत भयभीत भऽ एक दोसरा सँ कहलथिन, "ई केहन मनुख अछि जे हवा आ समुद्र सेहो ओकर आज्ञा मानैत अछि?"

अध्याय 5

1 ओ सभ समुद्रक ओहि पार गदरेनी सभक देश मे आबि गेलाह।
2 जखन ओ नाव सँ उतरलाह तँ तुरन्त कबर मे सँ एकटा अशुद्ध आत् मा सँ लऽ कऽ हुनका सँ भेंट कयलनि।
3 ओ कब्र सभक बीच मे निवास करैत छलाह। आ केओ ओकरा जंजीर सँ नहि बान्हि सकैत छल।
4 एहि लेल जे हुनका बेर-बेर बेड़ी आ जंजीर सँ बान्हल जाइत छलनि आ जंजीर सभ कें तोड़ि देल गेल छलनि आ बेड़ी सभ टूटि गेल छलनि।
5 ओ सदिखन राति-दिन पहाड़ आ कब्र मे कानैत रहैत छलाह आ पाथर सँ अपना कें काटि लैत छलाह।
6 मुदा यीशु कें दूर देखि ओ दौड़ि कऽ हुनकर आराधना कयलनि।
7 ओ जोर-जोर सँ चिचिया उठलनि, "हे परमेश् वर परमेश् वरक पुत्र यीशु, अहाँ सँ हमरा की संबंध अछि?" हम अहाँ कें परमेश् वरक शपथ दैत छी जे अहाँ हमरा यातना नहि दिअ।
8 ओ हुनका कहलथिन, " हे अशुद्ध आत् मा, ओहि आदमी मे सँ बाहर निकलू।"
9 ओ पुछलथिन, " तोहर नाम की अछि?" ओ उत्तर देलथिन, "हमर नाम लेजिओन अछि, कारण हम सभ बहुत छी।"
10 ओ हुनका सँ बहुत विनती कयलनि जे ओ हुनका सभ कें देश सँ बाहर नहि पठाबथि।
11 पहाड़क लग मे सुग्गरक एकटा पैघ झुंड छल जे भोजन कऽ रहल छल।
12 सभ दुष्टात्मा हुनका सँ विनती करैत कहलथिन, "हमरा सभ कें सुग्गर मे पठा दियौक, जाहि सँ हम सभ ओहि मे प्रवेश करी।"
13 यीशु तुरन्त हुनका सभ कें विदा दऽ देलथिन। अशुद्ध आत्मा सभ बाहर निकलि कऽ सुग्गर सभ मे घुसि गेल, आ झुंड सभ एकटा खड़ा जगह सँ समुद्र मे दौड़ि गेल, (ओ सभ करीब दू हजार छल) आ समुद्र मे घुटन भ' गेल।
14 सुग्गर चराबय बला सभ भागि कऽ नगर आ खेत मे ई बात सुनौलनि। आ ओ सभ बाहर निकलि गेलाह जे ई की कयल गेल अछि।
15 ओ सभ यीशु लग पहुँचि कऽ ओहि परमेश् वर कें देखि जे जे शैतान सँ ग्रसित छल आ सेना छल, बैसल, कपड़ा पहिरने आ ठीक-ठीक विचार मे।
16 ई देखनिहार सभ हुनका सभ कें कहलथिन जे शैतान सँ ग्रसित लोकक संग आ सुग्गर सभक विषय मे सेहो कोना भेलनि।
17 ओ सभ हुनका सँ प्रार्थना करऽ लगलाह जे ओ सभ अपन-अपन प्रदेश सँ विदा भऽ जाथि।
18 जखन ओ नाव मे बैसि गेलाह तँ जे शैतानक भूत सवार छल, हुनका सँ प्रार्थना कयलनि जे ओ हुनका संग रहथि।
19 मुदा यीशु हुनका छोड़ि नहि देलथिन, बल् कि हुनका कहलथिन, " अपन मित्र सभ लग जा कऽ हुनका सभ कें कहि दिअ जे प्रभु अहाँक लेल कतेक पैघ काज कयलनि आ अहाँ पर दया कयलनि।"
20 ओ विदा भेलाह आ दकापोलिस मे प्रचार करऽ लगलाह जे यीशु हुनका लेल कतेक पैघ काज कयलनि।
21 जखन यीशु फेर जहाज सँ दोसर कात पहुँचलाह तँ बहुत लोक हुनका लग जमा भऽ गेलाह।
22 आराधनालयक एकटा शासक याइरूस नामक एक गोटे आबि रहल छथि। ओकरा देखिते ओ पयर पर खसि पड़लाह।
23 ओ हुनका सँ बहुत विनती करैत कहलथिन, "हमर छोटकी बेटी मृत्युक सीमा मे पड़ल अछि। ओ जीवित रहतीह।
24 यीशु हुनका संग गेलाह। बहुत लोक हुनका पाछाँ-पाछाँ आबि कऽ भीड़ लगा देलक।
25 एकटा स् त्री कें बारह वर्ष धरि खूनक गरदनि कऽ रहल छलनि।
26 ओ बहुत रास वैद्यक द्वारा बहुत कष्ट भोगि कऽ ओकर सभटा खर्चा कऽ लेलक, मुदा ओ किछु नीक नहि भऽ गेल, बल् कि ओ आओर खराब भऽ गेल।
27 यीशुक नाम सुनि कऽ पाछाँ मे बैसि कऽ हुनकर वस्त्र छूबि लेलनि।
28 ओ बजलीह, "जँ हम हुनकर कपड़ा छोड़ि कऽ छूबि सकब तँ हम स्वस्थ भऽ जायब।"

29 तुरत हुनकर खूनक फव्वारा सुखा गेलनि। आ ओकरा अपन शरीर मे लागल जे ओ ओहि विपत्ति सँ ठीक भ' गेल अछि।
30 यीशु तुरन्त ई जानि कऽ जे हुनका मे सँ सद्गुण निकलि गेल अछि, ओ हुनका दमदार मे घुमि कऽ कहलथिन, " हमर कपड़ा के छूबि लेलक?"
31 हुनकर शिष् य सभ हुनका कहलथिन, "अहाँ देखै छी जे भीड़ अहाँ पर भीड़ लगा रहल अछि आ कहैत छी जे, 'हमरा के छूबि लेलक?"
32 ओ चारू कात देखि कऽ देखलक जे ई काज केने छलीह।
33 मुदा ओ स् त्री डरैत आ काँपि-काँपि कऽ हुनका मे की भेल छल से जानि हुनका सामने आबि कऽ हुनका सभटा सत् य बजौलनि।
34 ओ हुनका कहलथिन, " बेटी, अहाँक विश् वास अहाँ केँ ठीक कऽ देलक। शान्तिपूर्वक जाउ, आ अपन विपत्ति सँ स्वस्थ भ' जाउ।"
35 जखन ओ बजैत छलाह तखन सभाघरक शासक घर सँ किछु लोक आबि कऽ कहलथिन, "अहाँक बेटी मरि गेल अछि।
36 यीशु जखन कहल गेल बात सुनि सभाघरक शासक केँ कहलथिन, " डरब नहि, मात्र विश् वास करू।"
37 ओ पत्रुस, याकूब आ याकूबक भाय यूहन् ना केँ छोड़ि ककरो हुनका पाछाँ नहि चलय देलनि।
38 ओ सभाघरक शासकक घर पहुँचि कऽ हल्ला-हल्ला आ बहुत कानय बला सभ केँ देखलनि।
39 ओ घर मे अयला पर हुनका सभ केँ पुछलथिन, " अहाँ सभ एहि तरहक हंगामा आ कानब किएक? युवती मरल नहि अछि, बल् कि सुति रहल अछि।
40 ओ सभ हुनका तिरस्कृत करैत हँसैत रहलाह। मुदा सभ केँ बाहर निकालि कऽ ओ युवतीक बाप-माए आ संग मे रहनिहार सभ केँ लऽ कऽ ओहि मे प्रवेश कऽ जाइत छथि जतय ओ कन्या पड़ल छल।
41 ओ युवतीक हाथ पकड़ि कऽ कहलथिन, " तलिथा जीर। जकर अर्थ अछि, "बच्ची, हम अहाँ केँ कहैत छी, उठू।"
42 ओ युवती तुरत उठि कऽ चलि गेल। कारण ओ बारह वर्षक छलीह। ओ सभ बहुत आश्चर्यचकित भऽ गेलाह।
43 यीशु ओकरा सभ केँ कड़ा आज्ञा देलथिन जे ई बात केओ नहि जानि। आ आज्ञा देलथिन जे हुनका किछु खाय लेल देल जाय।

अध्याय 6

1 ओतऽ सँ निकलि कऽ अपन देश मे आबि गेलाह। आ हुनकर शिष् य सभ हुनकर पाछाँ-पाछाँ चलैत छथि।
2 विश्राम-दिन आबि गेला पर यीशु सभाघर मे शिक्षा देबऽ लगलाह, मुदा हुनकर बात सुनि कऽ बहुतो लोक आश्चर्यचकित भऽ कऽ कहलथिन, "ई सभ ई सभ कतऽ सँ आयल अछि?" ओकरा कोन बुद्धि देल गेल छैक जे एहन पराक्रमी काज सेहो ओकर हाथ सँ कयल जाइत छैक?
3 की ई याकूब, योसेस, यहूदा आ सिमोनक भाय मरियमक पुत्र बढ़ई नहि छथि? आ की हुनकर बहिन सभ एतय हमरा सभक संग नहि छथि? ओ सभ हुनका पर आहत भऽ गेलाह।
4 यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, " प्रवक् ताक आदर-सत्कार नहि होइत अछि, बल् कि अपन देश मे, अपन-अपन परिजन मे आ अपन घर मे।
5 ओतऽ ओ कोनो पराक्रमी काज नहि कऽ सकलाह, सिवाय एहि बातक जे ओ किछु बीमार लोक पर हाथ राखि हुनका सभ केँ ठीक कऽ देलथिन।
6 ओ हुनका सभक अविश् वासक कारणेँ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह। ओ गाम-घर मे घुमि-घुमि पढ़बैत रहलाह।
7 ओ बारह गोटे केँ बजा कऽ दू-दू गोटे केँ पठाबऽ लगलाह। आ ओकरा सभ केँ अशुद्ध आत् मा सभ पर अधिकार देलक।
8 ओ हुनका सभ केँ आज्ञा देलथिन जे यात्राक लेल मात्र लाठी छोड़ि किछु नहि लऽ जाउ। कोनो स्क्रिप, रोटी आ पर्स मे पाइ नहि।
9 मुदा चप्पल पहिरने रहू। आ दू कोट नहि पहिरब।
10 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " अहाँ सभ जाहि ठाम कोनो घर मे प्रवेश करब, ताबत धरि ओतहि रहब जाबत धरि अहाँ सभ ओहि स्थान सँ नहि निकलब।"
11 जे केओ अहाँ सभक स्वागत नहि करत आ नहि सुनत, तखन अहाँ सभ ओतय सँ निकलला पर अपन पएरक नीचाँक धूरा केँ हिला दियौक, जाहि सँ हुनका सभक विरुद्ध गवाही भेटि जाय। हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे, न्यायक दिन सदोम आ अमोरा केँ ओहि नगर सँ बेसी सहनशील होयत।
12 ओ सभ बाहर जा कऽ प्रचार करऽ लगलाह जे मनुष् य सभ पश्चाताप करथि।
13 ओ सभ बहुतो दुष् टात् मा सभ केँ भगा देलक आ बहुतो बेमार सभ केँ तेल लगा कऽ ओकरा सभ केँ ठीक कऽ देलक।
14 राजा हेरोदेस हुनका बारे मे सुनलनि। (किएक तँ हुनकर नाम पसरल छलनि) आ ओ कहलनि, "बपतिस् मा देनिहार यूहन् ना मृत् यु मे सँ जीबि उठलाह, आ तेँ हुनका मे पराक्रमक काज देखा रहल अछि।"
15 दोसर लोक सभ कहलथिन, "ई एलियाह अछि।" दोसर लोक कहलथिन, "ई एकटा प्रवक् ता छथि वा प्रवक् ता सभ मे सँ एक जकाँ।"
16 मुदा हेरोदेस ई बात सुनि कऽ कहलथिन, "हम यूहन् ना छथि जिनकर माथ काटि देलहुँ।
17 किएक तँ हेरोदेस स्वयं पठा कऽ यूहन् ना केँ पकड़ि कऽ जेल मे बान्हि देने छलाह, जे हुनकर भाय फिलिप्पुसक स् त्री हेरोदियाक कारणेँ छलनि।
18 यूहन् ना हेरोदेस केँ कहने छलाह जे, "अहाँ केँ अपन भाइक स् त्री धारण करब उचित नहि अछि।"
19 तेँ हेरोदियास हुनका संग झगड़ा कऽ कऽ हुनका मारि देबऽ चाहैत छलाह। मुदा ओ नहि क' सकलीह:
20 हेरोदेस यूहन् ना केँ डरैत छलाह, ई जानि जे ओ धर्मी आ पवित्र लोक छथि आ हुनकर पालन करैत छलाह। हुनकर बात सुनि कऽ ओ बहुत काज कयलनि आ खुशी-खुशी हुनकर बात सुनलनि।
21 जखन कोनो नीक दिन आबि गेल तखन हेरोदेस अपन जन्मदिन पर अपन मालिक, सेनापति आ गलीलक मुखिया सभक लेल भोजन कयलनि।
22 जखन उल्लिखित हेरोदियाक बेटी भीतर आबि कऽ नाचैत हेरोदेस आ हुनका संग बैसल लोक सभ केँ प्रसन्न कयलनि तँ राजा ओहि कन्या केँ कहलथिन, "अहाँ जे चाहब से हमरा सँ माँगू, हम अहाँ केँ दऽ देब।"
23 ओ हुनका शपथ लेलनि, "अहाँ जे किछु हमरा सँ माँगब, हम अहाँ केँ अपन आधा राज्य धरि दऽ देब।"

24 ओ बाहर जा कऽ अपन माय सँ पुछलथिन, “हम की माँगब?” ओ बजलीह, “यूहन्ना बपतिस् मा देनिहारक माथ।”
25 ओ तुरन्त राजा लग आबि पुछलथिन, “हम चाहैत छी जे अहाँ हमरा बपतिस् मा देनिहार यूहन् नाक माथ एक बेर-बेर एकटा बर्तन मे दऽ दिअ।”
26 राजा बहुत दुखी छलाह। तइयो अपन शपथक कारणेँ आ हुनका सभक लेल जे हुनका संग बैसल छलाह, हुनका सभ केँ अस्वीकार नहि कयलनि।
27 राजा तुरत एकटा जल्लाद पठा कऽ हुनकर माथ आनबाक आज्ञा देलथिन।
28 ओ अपन माथ एकटा बर्तन मे आनि कऽ ओहि कन्या केँ दऽ देलक।
29 जखन हुनकर शिष् य सभ ई बात सुनि कऽ हुनकर शव केँ लऽ कऽ कब्र मे राखि देलनि।
30 प्रेरित सभ यीशु लग जमा भऽ हुनका सभ किछु कहलथिन।
31 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “ अहाँ सभ अलग-अलग मरुभूमि मे आबि कऽ कनेक विश्राम करू।
32 ओ सभ एकांत मे जहाज सँ एकटा मरुभूमि दिस विदा भेलाह।
33 लोक सभ हुनका सभ केँ विदा होइत देखि बहुतो लोक हुनका चिन्हलनि आ सभ नगर सँ दौड़ि कऽ हुनका सभ केँ आगू बढ़ि कऽ हुनका लग आबि गेलाह।
34 यीशु जखन बाहर निकललाह तँ बहुत लोक सभ केँ देखि हुनका सभ पर दया आबि गेलाह, किएक तँ ओ सभ ओहि भेँड़ा जकाँ छल जकर चरबाह नहि छल।
35 दिन बितला पर हुनकर शिष् य सभ हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, “ई मरुभूमि अछि आ आब समय बहुत बीति गेल अछि।
36 ओकरा सभ केँ विदा कऽ दियौक जे ओ सभ चारूकात आ गाम-घर मे जा कऽ अपना लेल रोटी कीनि सकय, किएक तँ ओकरा सभ लग किछु नहि अछि।
37 ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, “ अहाँ सभ हुनका सभ केँ भोजन दऽ दियौक।” ओ सभ हुनका पुछलथिन, “की हम सभ जा कऽ दू सय पाइक रोटी कीनि कऽ ओकरा सभ केँ खाय देब?”
38 ओ हुनका सभ केँ पुछलथिन, “ अहाँ सभ लग कतेक रोटी अछि?” जा कऽ देखू। जखन ओ सभ बुझि गेलाह तँ ओ सभ कहैत छथिन, “पाँच आ दूटा माछ।”
39 ओ हुनका सभ केँ आज्ञा देलथिन जे सभ गोटे केँ हरियर घास पर दल-दल मे बैसा देल जाय।
40 ओ सभ सैकड़ों आ पचासक पाँति मे बैसि गेलाह।
41 ओ पाँच रोटी आ दूटा माछ लऽ कऽ स् वर्ग दिस तकलनि आ आशीष दऽ कऽ रोटी सभ केँ तोड़ि कऽ अपन शिष् य सभ केँ दऽ देलथिन जे ओ सभ ओकरा सभक सोझाँ राखि देथि। दुनू माछ सभ मे बाँटि देलक।
42 ओ सभ भोजन कऽ कऽ तृप्त भऽ गेल।
43 ओ सभ बारह टा टोकरी मे टुकड़-टुकड़ आ माछ सभ सँ भरल छल।
44 रोटी खेनिहार सभ करीब पाँच हजार आदमी छल।
45 ओ तुरन्त अपन शिष्य सभ केँ नाव मे बैसबाक लेल बाध्य कयलनि, आ लोक सभ केँ विदा कयलनि।
46 यीशु हुनका सभ केँ विदा कऽ एकटा पहाड़ पर प्रार्थना करबाक लेल विदा भेलाह।
47 जखन साँझ भेल तखन नाव समुद्रक बीच मे छल आ ओ असगरे जमीन पर छल।
48 ओ ओकरा सभ केँ नाव चलाबऽ मे परिश्रम करैत देखलक। किएक तँ हवा हुनका सभक विपरीत छल, आ राति मे चारिम प्रहरक करीब ओ समुद्र पर चलैत हुनका सभक लग आबि गेलाह आ हुनका सभक लग सँ गुजरय चाहैत छलाह।
49 मुदा ओ सभ यीशु केँ समुद्र पर चलैत देखि कऽ ई बुझि कऽ जे ई आत् मा अछि आ चिचिया उठल।
50 किएक तँ ओ सभ हुनका देखि कऽ घबरा गेलाह। ओ तुरन्त हुनका सभ सँ गप्प कयलनि आ कहलथिन, “ साहस राखू। डरब नहि।
51 ओ नाव मे बैसि हुनका सभक लग चलि गेलाह। हवा रुकि गेलै, आ ओ सभ अपना आप मे बहुत आश्चर्यचकित भ' गेल आ आश्चर्यचकित भ' गेलै।
52 ओ सभ रोटीक चमत्कार पर विचार नहि करैत छलाह, किएक तँ हुनका सभक मोन कठोर भऽ गेल छलनि।
53 ओ सभ पार कऽ कऽ गेनेसरेत देश मे आबि कऽ किनार पर आबि गेलाह।
54 जखन ओ सभ नाव सँ उतरलाह तँ तुरन्त हुनका चिन्हलनि।
55 ओहि पूरा इलाका मे दौड़ैत गेलाह आ ओतऽ बीमार लोक सभ केँ ओछाओन पर ल' क' घुम' लगलाह, जतय हुनका सभ केँ सुनल गेल छलनि।
56 ओ सभ गाम-गाम-गाम वा नगर वा देहात मे जतय-जतय घुसैत छलाह, ओ सभ बीमार सभ केँ गली-गली मे राखि दैत छलाह आ हुनका सँ विनती करैत छलाह जे जँ हुनकर वस्त्रक सीमा मात्र छूबि सकैत छलनि।

अध्याय 7

1 तखन फरिसी सभ आ यरूशलेम सँ आयल किछु धर्मशास्त्री सभ हुनका लग आबि गेलाह।
2 जखन ओ सभ हुनकर किछु शिष् य सभ केँ अशुद्ध वा अधोला हाथ सँ रोटी खाइत देखलनि तँ हुनका सभ केँ दोष बुझना गेलनि।
3 फरिसी आ समस्त यहूदी सभ, जाबत ओ सभ बेर-बेर हाथ नहि धोबैत छथि, तखन धरि बूढ़-पुरान सभक परम्परा केँ पालन करैत भोजन नहि करैत छथि।
4 जखन ओ सभ बजार सँ अबैत छथि, जाबत धरि नहैत छथि, तखन ओ सभ भोजन नहि करैत छथि। आरो बहुत रास चीज जे ओकरा सभ केँ पकड़बाक लेल भेटल अछि, जेना कटोरा, घैल, पीतल के बर्तन आ टेबुल धोबय के काज।
5 तखन फरिसी आ शास्त्री सभ हुनका सँ पुछलथिन, “अहाँक शिष् य सभ बूढ़-पुरान सभक प्रथाक अनुसार किएक नहि चलैत छथि, बल् कि अधो हाथ सँ रोटी खाइत छथि?”
6 ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, “ यशायाह अहाँ सभ पाखंडी सभक विषय मे नीक भविष्यवाणी केने छथि, जेना कि धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, “ई लोक सभ हमरा अपन ठोर सँ आदर करैत अछि, मुदा ओकर सभक मोन हमरा सँ दूर अछि।”
7 मुदा ओ सभ व्यर्थ मे हमर आराधना करैत छथि, मनुष् यक आज्ञाक शिक्षाक लेल।
8 अहाँ सभ परमेश् वरक आज्ञा केँ छोड़ि कऽ मनुष् यक परम्परा केँ मानैत छी जेना घैल आ प्याला धोब।

9 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, " अहाँ सभ परमेश् वरक आज्ञा कैं पूरा तरहेँ अस्वीकार करैत छी, जाहि सँ अहाँ सभ अपन परंपरा कैं पालन करी।"
10 मूसा कहलथिन, "अपन पिता आ मायक आदर करू। आ, "जे केओ बाप वा माय कैं गारि पढ़ैत अछि, ओकरा मृत्युक बाद मरि जाय।"
11 मुदा अहाँ सभ कहैत छी जे, "जँ केओ अपन पिता वा माय कैं कहत जे, 'कोर्बन अछि, अर्थात् वरदान, जाहि सँ अहाँ कैं हमरा सँ लाभ भ' सकैत अछि। ओ स्वतंत्र हेताह।
12 अहाँ सभ ओकरा आब अपन पिता वा मायक लेल कोनो काज नहि करय दैत छी।
13 परमेश् वरक वचन कैं अहाँ सभ जे परम्पराक प्रचार-प्रसार कयलहुँ, तकरा द्वारा बेकार करैत छी।
14 ओ सभ लोक कैं अपना लग बजा कऽ कहलथिन, " अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे हमर बात सुनू आ बुझू।
15 मनुखक बाहर सँ कोनो एहन बात नहि होइत छैक जे ओकरा मे घुसि कऽ ओकरा अशुद्ध कऽ सकैत अछि।
16 जँ ककरो सुनबाक कान अछि तँ ओ सुनय।
17 जखन ओ लोक सभ सँ घर मे प्रवेश कयलनि तखन हुनकर शिष् य सभ हुनका सँ दृष्टान्तक विषय मे पुछलथिन।
18 ओ हुनका सभ कैं पुछलथिन, " की अहाँ सभ सेहो एहन तरहेँ बेबुनियाद छी?" की अहाँ सभ ई नहि बुझैत छी जे बाहर सँ जे किछु मनुष् य मे प्रवेश करैत अछि, से ओकरा अशुद्ध नहि कऽ सकैत अछि।
19 किएक तँ ई बात हुनकर हृदय मे नहि, बल् कि पेट मे प्रवेश करैत अछि आ सभ भोजन कैं शुद्ध करैत बहरा मे निकलैत अछि?
20 ओ कहलथिन, " जे मनुष् य मे सँ निकलैत अछि, से मनुष् य कैं अशुद्ध करैत अछि।"
21 मनुखक भीतर सँ, मनुष् यक हृदय सँ अधलाह विचार, व्यभिचार, व्यभिचार, हत्या।
22 चोरी, लोभ, दुष्टता, छल, कामुकता, दुष्ट नजरि, निन्दा, घमंड, मूर्खता।
23 ई सभ अधलाह बात भीतर सँ अबैत अछि आ मनुष् य कैं अशुद्ध करैत अछि।
24 ओतऽ सँ उठि कऽ सोर आ सीदोनक सीमा मे गेलाह आ एकटा घर मे घुसि गेलाह, मुदा ई बात केओ नहि जानय चाहैत छल, मुदा ओ नुका नहि सकलाह।
25 किएक तँ एकटा स् त्री, जिनकर छोटकी बेटी मे अशुद्ध आत् मा छलनि, ओ हुनकर बात सुनि कऽ हुनका पयर लग खसि पड़लीह।
26 ओ स् त्री यूनानी, जाति सँ सिरोफेनीशियन छल। ओ हुनका सँ विनती केलनि जे ओ हुनकर बेटी मे सँ शैतान कैं बाहर निकालि देथिन।
27 यीशु ओकरा कहलथिन, " पहिने बच्चा सभ कैं पेट भरय दियौक।
28 ओ हुनका उत्तर देलथिन, "हँ, प्रभु, तइयो टेबुलक नीचाँक कुकुर सभ बच्चा सभक टुकड़ी खाइत अछि।"
29 ओ ओकरा कहलथिन, " एहि बातक कारणेँ जाउ। तोहर बेटी मे सँ शैतान निकलि गेल अछि।
30 जखन ओ अपन घर पहुँचलीह तँ देखलनि जे शैतान बाहर निकलि गेल छल आ ओकर बेटी ओछाओन पर पड़ल छल।
31 ओ फेर सोर आ सीदोन प्रदेश सँ विदा भऽ कऽ दकापोलिस प्रदेशक बीच सँ गलील समुद्र मे पहुँचलाह।
32 ओ सभ हुनका लग एकटा बहीर कैं अनलनि जे बजबा मे बाधा छल। ओ सभ हुनका सँ विनती करैत छथि जे हुनका पर हाथ राखि दियौक।
33 ओ ओकरा भीड़ मे सँ अलग कऽ कऽ कान मे आँगुर दऽ कऽ थूक फेकि कऽ जीह छूबि लेलक।
34 ओ स् वर्ग दिस तकैत आह भरलनि आ कहलथिन, "एफ्फाथा, अर्थात खुजि जाउ।"
35 तुरत हुनकर कान खुजि गेलनि आ जीहक डोरी खुजि गेलनि आ ओ साफ-साफ बाजि उठलाह।
36 ओ हुनका सभ कैं आज्ञा देलथिन जे ओ सभ ककरो नहि कहथिन, मुदा ओ सभ जतेक आज्ञा दैत छलाह, ओ सभ ओतबे बेसी प्रचार करैत छलाह।
37 ओ सभ अच्चकित भऽ कऽ कहलथिन, "ओ सभ काज नीक जकाँ कयलनि।

अध्याय 8

1 ओहि समय मे भीड़ बहुत बेसी छल आ खाएबला किछु नहि छल, तँ यीशु अपन शिष् य सभ कैं बजा कऽ हुनका सभ कैं कहलथिन।
2 हमरा ओहि भीड़ पर दया आबि रहल अछि, किएक तँ ओ सभ हमरा संग तीन दिन भऽ गेल अछि आ ओकरा सभ लग किछु नहि अछि।
3 जँ हम हुनका सभ कैं उपवास कऽ अपन घर दिस विदा कऽ देबनि तँ ओ सभ बाट मे बेहोश भऽ जेताह।
4 हुनकर शिष् य सभ हुनका उत्तर देलथिन, "एतय जंगल मे एहि लोक सभ कैं रोटी कतऽ सँ तृप्त कऽ सकैत अछि?"
5 ओ हुनका सभ सँ पुछलथिन, " अहाँ सभ लग कतेक रोटी अछि?" ओ सभ कहलथिन, "सात।"
6 ओ लोक सभ कैं जमीन पर बैसबाक आज्ञा देलथिन। ओ सभ ओकरा सभ कैं लोकक समक्ष राखि देलक।
7 हुनका सभ लग किछु छोट-छोट माछ छलनि, तखन ओ आशीर्वाद देलथिन आ ओकरा सभ कैं सेहो हुनका सभक सोझाँ राखबाक आज्ञा देलथिन।
8 ओ सभ भोजन कऽ कऽ तृप्त भऽ गेलाह।
9 जे सभ भोजन केने छल, से करीब चारि हजार छल।
10 ओ तुरत अपन शिष् य सभक संग नाव मे बैसि कऽ दलमनुथा प्रदेश मे आबि गेलाह।
11 फरिसी सभ बाहर आबि कऽ हुनका सँ झगड़ा करय लगलाह आ स् वर्ग सँ हुनका परीक्षा मे कोनो चिन् हक माँगय लगलाह।
12 ओ अपन आत् मा मे गहींर आह भरि कऽ कहलथिन, " ई पीढ़ी कोनो चिन् ह किएक चाहैत अछि?" हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे एहि पीढ़ी कैं कोनो चिन् ह नहि देल जायत।"
13 ओ ओकरा सभ कैं छोड़ि फेर नाव मे बैसि कऽ दोसर कात विदा भेलाह।
14 शिष्य सभ रोटी लेब बिसरि गेल छलाह आ नाव मे हुनका सभक संग एक रोटी सँ बेसी रोटी नहि छलनि।
15 यीशु हुनका सभ कैं आज्ञा देलथिन, " सावधान रहू, फरिसी सभक खमीर आ हेरोदेसक खमीर सँ सावधान रहू।"
16 ओ सभ आपस मे विचार-विमर्श करैत कहलथिन, "हमरा सभ लग रोटी नहि अछि।"
17 यीशु ई बात जानि कऽ हुनका सभ कैं कहलथिन, " अहाँ सभ किएक तर्क-वितर्क करैत छी जे अहाँ सभ लग रोटी नहि अछि?"

अहाँ सभ एखन धरि नहि बुझैत छी आ ने बुझैत छी? की अहाँ सभक मोन एखन धरि कठोर भ' गेल अछि?
18 आँखि अछि, अहाँ सभ नहि देखैत छी? कान अछि, अहाँ सभ नहि सुनैत छी? की अहाँ सभ मोन नहि रखैत छी?
19 जखन हम पाँच हजार लोकक बीच पाँच रोटी तोड़ि देलहुँ तँ अहाँ सभ कतेक टोकरी मे टुकड़ी-टुकड़ा उठा लेलहुँ? ओ सभ हुनका कहलथिन, "बारह गोटे।"
20 चारि हजार मे सँ सात गोटे तखन अहाँ सभ कतेक टोकरी मे टुकड़ी-टुकड़ा उठा लेलहुँ? ओ सभ कहलथिन, "सात।"
21 ओ हुनका सभ कैँ पुछलथिन, " अहाँ सभ कोना नहि बुझैत छी?
22 ओ बेतसैदा पहुँचलाह। ओ सभ एकटा आन्हर कैँ हुनका लग लऽ कऽ हुनका छूबऽ लेल विनती कयलनि।
23 ओ आन्हरक हाथ पकड़ि कऽ नगर सँ बाहर लऽ गेलाह। आँखि पर थूक फेकि कऽ हाथ राखि कऽ पुछलथिन जे की अहाँ कैँ कोनो काज देखबा मे अबैत अछि।
24 ओ आँखि उठा कऽ बजलाह, "हम आदमी कैँ गाछ जकाँ चलैत देखैत छी।"
25 तकर बाद ओ फेर अपन आँखि पर हाथ राखि कऽ आँखि उठा कऽ देखौलनि।
26 ओ हुनका अपन घर पठा देलथिन जे, " नहि नगर मे जाउ आ ने नगर मे ककरो ई बात कहि दियौक।"
27 यीशु अपन शिष् य सभ संग कैसरिया फिलिप्पी नगर मे गेलाह आ बाट मे ओ अपन शिष् य सभ सँ पुछलथिन, " हमरा के कहैत अछि?"
28 ओ सभ उत्तर देलथिन, "बपतिस् मा देनिहार यूहन् ना। आ दोसर, "भविष्यवक्ता मे सँ एक।"
29 ओ हुनका सभ कैँ पुछलथिन, " मुदा अहाँ सभ के कहैत छी जे हम के छी?" पत्रुस उत्तर देलथिन आ कहलथिन, "अहाँ मसीह छी।"
30 ओ हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ हुनकर विषय मे ककरो नहि कहथि।
31 ओ हुनका सभ कैँ सिखाबय लगलाह जे मनुष् यक पुत्र कैँ बहुत कष्ट भोगय पड़तनि, आ बूढ़-पुरोहित आ मुख्य पुरोहित आ शास्त्री सभक द्वारा तिरस्कृत कयल जायत आ मारल जायत आ तीन दिनक बाद जीबि उठतनि।
32 ओ ई बात खुलि कऽ बाजल। पत्रुस ओकरा पकड़ि कऽ डाँटय लगलाह।
33 मुदा जखन ओ घुमि कऽ अपन शिष् य सभ दिस तकलक तँ ओ पत्रुस कैँ डाँटि कऽ कहलथिन, " हे शैतान, हमरा पाछाँ हटि जाउ, किएक तँ अहाँ परमेश् वरक बात नहि, बल् कि मनुष् यक बातक स्वाद लैत छी।"
34 ओ अपन शिष् य सभक संग लोक सभ कैँ अपना लग बजा कऽ कहलथिन, " जे कियो हमरा पाछाँ आबय चाहैत छथि, से अपना कैँ नकारि कऽ अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ पड़य।"
35 जे केओ अपन प्राण बचाबय चाहैत अछि, से ओकरा गमा देत। मुदा जे केओ हमरा आ सुसमाचारक कारणेँ अपन प्राण गमा लेत, से ओकरा बचाओत।
36 जँ मनुष्य समस्त संसारक लाभ उठा लेत आ अपन प्राण गमा लेत तँ ओकरा की फायदा?
37 आकि मनुष् य अपन प्राणक बदला मे की देत?
38 एहि व्यभिचारी आ पापी पीढ़ी मे केओ हमरा आ हमर वचन पर लज्जित होयत। मनुष् यक पुत्र सेहो जखन पवित्र स् वर्गदूत सभक संग अपन पिताक महिमा मे आओत तखन हुनका सँ लज्जित होयत।

अध्याय 9

1 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे एतय ठाढ़ किछु लोक सभ कैँ ताबत धरि मृत्युक स्वाद नहि भेटत जाबत धरि ओ सभ परमेश् वरक राज् य कैँ सामर्थ् य सँ अबैत नहि देखि लेत।"
2 छह दिनक बाद यीशु पत्रुस, याकूब आ यूहन् ना कैँ अपना संग लऽ गेलाह आ हुनका सभ कैँ अलग-अलग एकटा ऊँच पहाड़ पर लऽ गेलाह।
3 हुनकर वस्त्र बर्फ जकाँ उज्जर भऽ गेलनि। जेना पृथ्वी पर कोनो फुलर ओकरा सभ कैँ उज्जर नहि क' सकैत अछि।
4 ओ सभ एलियाह मूसाक संग प्रगट भेलाह।
5 पत्रुस यीशु कैँ उत्तर देलथिन, "गुरु, हमरा सभक लेल एतय रहब नीक अछि। एकटा अहाँक लेल, एकटा मूसाक लेल, आ एक एलियाहक लेल।
6 किएक तँ ओकरा ई नहि बुझल छैक जे ओ की कहत। किएक तँ ओ सभ बहुत डरा गेल छल।
7 एकटा मेघ हुनका सभ पर छाँटि गेलनि, तखन मेघ मे सँ एकटा आवाज आयल जे, "ई हमर प्रिय पुत्र छथि, हुनकर बात सुनू।"
8 अचानक ओ सभ चारू कात देखि कऽ आब ककरो नहि देखलक, सिवाय यीशु कैँ मात्र अपना संग।
9 ओ सभ पहाड़ सँ उतरैत काल यीशु हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे जाबत धरि मनुष् य-पुत्र मृत् यु मे सँ जीबि नहि उठत ता धरि ओ सभ जे किछु देखलहुँ से ककरो नहि बताउ।
10 ओ सभ एक-दोसर कैँ एहि बात कैँ मन मे रखलनि, जे मृत् यु मे सँ जीबि उठबाक अर्थ की हेबाक चाही।
11 ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन, "धर्मशास्त्री सभ किएक कहैत छथि जे एलियाह कैँ पहिने आबय पड़तनि?"
12 ओ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, " एलियाह पहिने आबि कऽ सभ किछु ठीक करैत छथि। आ मनुष् यक पुत्रक विषय मे कोना लिखल गेल अछि जे ओकरा बहुत कष्ट भोगय पड़तैक आ ओकरा निर्दोष भऽ जेतै।
13 मुदा हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे एलियाह सत्ते आबि गेल छथि आ ओ सभ हुनका संग जे किछु चाहैत छलाह से कयलनि।
14 जखन ओ अपन शिष् य सभक लग पहुँचलाह तँ देखलनि जे हुनका सभक चारू कात बहुत रास भीड़ आ धर्मशास्त्री सभ हुनका सभ सँ झगड़ा कऽ रहल छथि।
15 तुरन्त सभ लोक हुनका देखि बहुत आश्चर्यचकित भऽ हुनका लग दौड़ि कऽ हुनका प्रणाम कयलनि।
16 ओ शास्त्री सभ सँ पुछलथिन, " अहाँ सभ हुनका सभ सँ की प्रश्न करैत छी?"
17 लोक मे सँ एक गोटे उत्तर देलथिन, "गुरु, हम अपन बेटा कैँ अहाँ लग अनने छी, जकरा मे गूंगा आत् मा अछि।
18 ओ जतऽ-जतय ओकरा लऽ जाइत अछि, ओ ओकरा नोचैत अछि, फेन फँसि कऽ दाँत कटैत अछि आ चीर-फाड़ करैत अछि। आ ओ सभ नहि कऽ सकल।
19 ओ हुनका उत्तर देलथिन, " हे अविश्वासी पीढ़ी, हम अहाँ सभक संग कतेक दिन धरि रहब?" हम अहाँ कैँ कतेक दिन धरि कष्ट सहब? ओकरा हमरा लग आनि दियौक।

20 ओ सभ हुनका लग अनलनि। ओ जमीन पर खसि पड़ल आ
फेन बनि कऽ लंगड़ा गेल।
21 ओ अपन पिता सँ पुछलथिन, " ई बात हुनका लग कतेक दिन
भऽ गेल?" ओ कहलथिन, "एकटा बच्चाक।"
22 बेर-बेर ओकरा नष्ट करबाक लेल ओकरा आगि आ पानि मे
फेकि देलक।
23 यीशु हुनका कहलथिन, " जँ अहाँ विश् वास कऽ सकैत छी तँ
विश् वास करयवला लेल सभ किछु संभव अछि।"
24 ओहि बच्चाक पिता तुरन्त चिचिया उठलाह आ कानि कऽ
कहलथिन, "प्रभु, हम विश् वास करैत छी। हमर अविश्वास मे अहाँ
सहायता करू।
25 यीशु देखि जे लोक सभ दौड़ि-दौड़ैत आबि रहल अछि, तखन
ओ दुष्टात्मा कैं डाँटि कऽ कहलथिन, " हे गूंगा आ बहीर आत् मा,
हम अहाँ कैं आज्ञा दैत छी जे, हुनका मे सँ बाहर निकलू आ फेर
हुनका मे प्रवेश नहि करू।"
26 ओ आत् मा चिचिया उठल आ ओकरा फाड़ि कऽ ओकरा मे
सँ बाहर निकलि गेल। एतेक धरि जे बहुतो लोक कहलनि जे, "ओ
मरि गेल छथि।"
27 यीशु हुनकर हाथ पकड़ि कऽ उठौलनि। आ उठि गेलाह।
28 ओ घर मे अयला पर हुनकर शिष् य सभ हुनका सँ एकांत
पुछलथिन, "हम सभ हुनका किएक नहि भगा सकलहुँ?"
29 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, " एहि तरहक कोनो तरहैं
प्रार्थना आ उपवास छोड़ि किछुओ नहि भऽ सकैत अछि।"
30 ओ सभ ओतऽ सँ विदा भऽ गलील सँ गुजरि गेलाह। आ ओ ई
नहि चाहैत छल जे ककरो ई बात जानि जाय।
31 ओ अपन शिष् य सभ कैं सिखाबैत कहलथिन, " मनुष् य-पुत्र
कैं मनुष् य सभक हाथ मे सौंपल गेल अछि आ ओ सभ ओकरा
मारि देत। मारल गेलाक बाद तेसर दिन जीबि उठत।
32 मुदा ओ सभ ई बात नहि बुझलनि आ हुनका सँ पूछबा मे
डरैत रहलाह।
33 ओ कफरनहूम पहुँचलाह आ घर मे रहि कऽ हुनका सभ सँ
पुछलथिन, " बात मे अहाँ सभ आपस मे की विवाद केलहुँ?"
34 मुदा ओ सभ चुप रहलाह, किएक तँ बाट मे ओ सभ आपस मे
विवाद कऽ रहल छल जे के सभ सँ पैघ होयत।
35 ओ बैसि कऽ बारह गोटे कैं बजा कऽ कहलथिन, " जँ केओ
पहिल बनबाक इच्छा रखैत अछि तँ ओ सभ सँ अंतिम आ सभक
सेवक होयत।"
36 ओ एकटा बच्चा कैं लऽ कऽ हुनका सभक बीच मे बैसा
देलथिन।
37 जे केओ हमरा नाम सँ एहन संतान मे सँ एक कैं ग्रहण करैत
अछि, से हमरा ग्रहण करैत अछि, आ जे हमरा ग्रहण करैत अछि,
से हमरा नहि, बल् कि हमरा पठेनिहार कैं ग्रहण करैत अछि।
38 यूहन् ना हुनका उत्तर देलथिन, "गुरु, हम सभ देखलहुँ जे एक
गोटे अहाँक नाम सँ दुष्टात्मा सभ कैं भगा रहल छल, मुदा ओ
हमरा सभक पाछाँ नहि चलैत अछि।
39 यीशु कहलथिन, " ओकरा मना नहि करू।
40 जे हमरा सभक विरोध मे नहि अछि से हमरा सभक पक्ष मे
अछि।
41 हम अहाँ सभ कैं मसीहक होयबाक कारणैं जे केओ अहाँ सभ
कैं हमर नाम सँ एक प्याला पानि पीबय लेल देत, से हम अहाँ सभ
कैं सत् य कहैत छी जे, ओ अपन इनाम नहि गमाओत।
"
43 जँ अहाँक हाथ अहाँ कैं दोषी ठहराबैत अछि तँ ओकरा काटि
दियौक।
44 जतय ओकर कीड़ा नहि मरैत अछि आ आगि नहि बुझैत
अछि।
45 जँ अहाँक पएर अहाँ कैं दोषी ठहराबैत अछि तँ ओकरा काटि
दियौक।
46 जतय ओकर कीड़ा नहि मरैत अछि आ आगि नहि बुझैत
अछि।
47 जँ अहाँक आँखि अहाँ कैं दोषी ठहरबैत अछि तँ ओकरा
उखाड़ि दियौक।
48 जतय ओकर कीड़ा नहि मरैत अछि आ आगि नहि बुझैत
अछि।
49 किएक तँ सभ कैं आगि मे नून देल जायत आ सभ बलिदान
कैं नून मे नून देल जायत।
50 नून नीक होइत छैक, मुदा जँ नूनक नमकीनता खतम भऽ
गेल अछि तँ अहाँ सभ ओकरा कोन तरहैं मसाला देब? अपना मे
नून राखू, आ एक-दोसर मे शान्ति राखू।

अध्याय 10

1 ओतऽ सँ उठि कऽ यरदन नदीक दूर-दूर धरि यहूदिया प्रदेश
मे आबि गेलाह। आ, जेना हुनका आदति छलनि, ओ हुनका सभ
कैं फेर सँ सिखबैत छलाह।
2 फरिसी सभ हुनका लग आबि पुछलथिन, "की पुरुख अपन स्
त्री कैं छोड़ब उचित अछि?" ओकरा प्रलोभन दैत।
3 ओ हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " मूसा अहाँ सभ कैं की आज्ञा
देलनि?"
4 ओ सभ कहलथिन, "मूसा तलाकक पत्र लिखि कऽ ओकरा
छोड़ि देबऽ देलथिन।"
5 यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " अहाँ सभक हृदयक
कठोरताक कारणैं ओ अहाँ सभ कैं ई उपदेश लिखने छथि।
6 मुदा सृष्टिक प्रारम्भहि सँ परमेश् वर हुनका सभ कैं स्त्री-पुरुष
बनौलनि।
7 एहि लेल पुरुष अपन बाप-माता कैं छोड़ि कऽ अपन पत्नी सँ
चिपकल रहत।
8 दुनू गोटे एक शरीर भऽ जेताह, तैं आब दुनू गोटे दू गोटे नहि,
बल् कि एक शरीर भऽ गेलाह।
9 एहि लेल परमेश् वर जे किछु जोड़ने छथि, तकरा मनुष् य
अलग नहि करय।
10 घर मे हुनकर शिष् य सभ हुनका सँ फेर ओहि विषय मे
पुछलथिन।
11 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, " जे केओ अपन स् त्री कैं छोड़ि
कऽ दोसर विवाह करैत अछि, से ओकरा संग व्यभिचार करैत
अछि।"
12 जँ कोनो स् त्री अपन पति कैं छोड़ि कऽ दोसर सँ विवाह कऽ
लेत तँ ओ व्यभिचार करैत अछि।
13 ओ सभ छोट-छोट बच्चा सभ कैं हुनका लग अनलनि जाहि सँ
ओ ओकरा सभ कैं छूबथि।
14 यीशु ई देखि बहुत नाराज भऽ हुनका सभ कैं कहलथिन,
" बच्चा सभ कैं हमरा लग आबय दियौक आ ओकरा सभ कैं मना
नहि करू।
15 हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे परमेश् वरक राज् य कैं
छोट जकाँ नहि ग्रहण करत, ओ ओहि मे प्रवेश नहि करत।

16 ओ ओकरा सभ केँ कोरा मे उठा कऽ ओकरा सभ पर हाथ राखि आशीर्वाद देलथिन।
17 जखन ओ बाट पर निकललाह तँ एक गोटे दौड़ैत आबि हुनका लग ठेहुन टेकैत पुछलथिन, “गुरुजी, हम की करब जाहि सँ हम अनन्त जीवनक उत्तराधिकारी भ’ सकब?”
18 यीशु हुनका पुछलथिन, “ अहाँ हमरा नीक किएक कहैत छी? एकटा नीक, अर्थात भगवान् के अलावा कियो नीक नहि अछि।
19 अहाँ ई आज्ञा जनैत छी जे, “व्यभिचार नहि करू, हत्या नहि करू, चोरी नहि करू, झूठ गवाही नहि दिअ, धोखा नहि करू, अपन पिता-माँक आदर नहि करू।”
20 ओ हुनका उत्तर देलथिन, “गुरु, हम ई सभटा बात अपन जवानी सँ देखैत छी।”
21 यीशु हुनका देखि हुनका सँ प्रेम कयलनि आ कहलथिन, “ अहाँ मे एकटा बातक कमी अछि, जाउ, जे किछु अछि से बेचि कऽ गरीब केँ दऽ दियौक, तखन अहाँ लग स् वर्ग मे धन भऽ जायत हमरा पाछाँ पड़ु।
22 ओ ई बात सुनि दुखी भऽ गेलाह, किएक तँ हुनका लग बहुत रास सम्पत्ति छलनि।
23 यीशु चारू कात तकैत अपन शिष्य सभ केँ कहलथिन, “ धनी-पत्नी सभ केँ परमेश् वरक राज् य मे प्रवेश कतेक कठिन अछि!”
24 हुनकर बात सुनि शिष् य सभ चकित भऽ गेलाह। यीशु फेर उत्तर देलथिन, “ बच्चा सभ, धन-दौलत पर भरोसा करनिहार सभक लेल परमेश् वरक राज् य मे प्रवेश करब कतेक कठिन अछि!”
25 धनिक आदमी केँ परमेश् वरक राज् य मे प्रवेश करबा सँ बेसी ऊँट केँ सुईक आँखि सँ गुजरब सहज अछि।
26 ओ सभ अचंभित भऽ कऽ आपस मे कहलथिन, “तखन के उद्धार पाबि सकैत अछि?”
27 यीशु ओकरा सभ दिस तकैत बजलाह, “ मनुष् यक लेल ई असंभव अछि, मुदा परमेश् वरक लेल नहि, किएक तँ परमेश् वरक लेल सभ किछु संभव अछि।”
28 तखन पत्रुस हुनका कहलथिन, “देखू, हम सभ सभ किछु छोड़ि अहाँक पाछाँ लागि गेलहुँ।”
29 यीशु उत्तर देलथिन, “ हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे हमरा आ सुसमाचारक कारणेँ कोनो एहन केओ नहि अछि जे घर वा भाइ, बहिन, बाप, माय, पत्नी, संतान वा जमीन छोड़ि गेल हो।” , २.
30 मुदा एहि समय मे ओकरा सय गुना घर-घर, भाइ, बहिन, माय, बच्चा, आ देश-प्रताड़क संग सताओत। आ आबै बला संसार मे अनन्त जीवन।
31 मुदा बहुतो जे सभ पहिने छथि, ओ सभ बाद मे रहताह। आ अंतिम पहिल।
32 ओ सभ यरूशलेम जा रहल बाट मे छलाह। यीशु हुनका सभक आगू बढ़ि गेलाह। आ पाछू-पाछू चलैत काल ओ सभ डरा गेल। ओ बारह गोटे केँ फेर सँ लऽ कऽ हुनका सभ केँ कहय लगलाह जे हुनका संग की हेबाक चाही।
33 ओ कहलनि, “ देखू, हम सभ यरूशलेम जा रहल छी। मनुष्य-पुत्र केँ मुख्यपुरोहित आ धर्म-शिक्षक सभक हाथ मे सौंपल जायत। ओ सभ ओकरा मृत्युदंड दऽ देतैक आ ओकरा गैर-यहूदी सभक हाथ मे सौंपि देतैक।
34 ओ सभ ओकर उपहास करत, कोड़ा मारत, थूक फेकत आ मारि देतैक।
35 जब्दीक पुत्र याकूब आ यूहन् ना हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, “गुरु, हम सभ चाहैत छी जे अहाँ हमरा सभक लेल जे किछु चाहैत छी से करू।”
36 ओ हुनका सभ केँ पुछलथिन, “ अहाँ सभ की चाहैत छी जे हम अहाँ सभक लेल की करी?”
37 ओ सभ हुनका कहलथिन, “हमरा सभ केँ एकटा अहाँक दहिना कात आ दोसर बामा कात, अहाँक महिमा मे बैसबाक अनुमति दिअ।”
38 यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, “ अहाँ सभ की माँगैत छी से अहाँ सभ केँ नहि बुझल अछि। आ ओहि बपतिस् मा सँ बपतिस् मा लेब, जाहि सँ हम बपतिस् मा लैत छी?
39 ओ सभ हुनका कहलथिन, “हमरा सभ कऽ सकैत छी।” यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, “ हम जे प्याला पीबैत छी, ताहि मे सँ अहाँ सभ सत्ते पीब। हम जाहि बपतिस् मा सँ बपतिस् मा लेने छी, ताहि सँ अहाँ सभ बपतिस् मा लेब।
40 मुदा हमर दहिना आ बामा हाथ पर बैसब हमर नहि अछि। मुदा जिनका लेल ई तैयार कयल गेल अछि, तकरा सभ केँ देल जायत।”
41 दस गोटे ई बात सुनि कऽ याकूब आ यूहन् ना सँ बहुत नाराज भऽ गेलाह।
42 यीशु हुनका सभ केँ अपना लग बजा कऽ कहलथिन, “ अहाँ सभ जनैत छी जे गैर-यहूदी सभ पर शासन करबाक लेल मानल गेल अछि। आ ओकर पैघ लोक सभ ओकरा सभ पर अधिकार रखैत छथि।
43 मुदा अहाँ सभक बीच एहन नहि होयत, मुदा जे केओ अहाँ सभक बीच पैघ बनय चाहैत अछि, से अहाँ सभक सेवक बनत।
44 अहाँ सभ मे सँ जे कियो पैघ बनय चाहैत छी, से सभक सेवक बनत।
45 मनुख-पुत्र सेहो सेवा कर’ लेल नहि, बल् कि सेवा कर’ लेल आ बहुतो लोकक मुक्ति मे अपन प्राण देब’ लेल आयल छलाह।
46 ओ सभ यरीहो पहुँचलाह, जखन यीशु अपन शिष् य सभ आ बहुत रास लोकक संग यरीहो सँ बाहर निकलैत छलाह, तखन तिमियोक पुत्र आन्हर बरतीमियस राजमार्गक कात मे बैसल भीख मांगैत छलाह।
47 जखन ओ ई सुनि कऽ जे ई नासरतक यीशु छथि, तखन ओ चिचियाबय लगलाह आ कहलथिन, “हे दाऊदक पुत्र यीशु, हमरा पर दया करू।”
48 बहुतो लोक हुनका चुप रहबाक आज्ञा देलथिन, मुदा ओ आर बेसी चिचिया उठलनि, “हे दाऊदक पुत्र, हमरा पर दया करू।”
49 यीशु ठाढ़ भऽ कऽ हुनका बजाबऽ आज्ञा देलथिन। ओ सभ आन्हर केँ बजा कऽ कहलथिन, “सान्त्वना रहू, उठू। ओ अहाँकेँ बजबैत छथि।
50 ओ अपन वस्त्र फेकि कऽ उठि कऽ यीशु लग आबि गेलाह।
51 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, “ अहाँ की चाहैत छी जे हम अहाँक संग की करी? आन्हर ओकरा कहलकनि, “प्रभु, हमरा दृष्टि भेटय।”
52 यीशु हुनका कहलथिन, “ जाउ। तोहर विश् वास तोरा ठीक कऽ देलक। ओ तुरत देखि कऽ यीशुक पाछाँ-पाछाँ बाट मे आबि गेलाह।

अध्याय 11

1 जखन ओ सभ यरूशलेम, जैतूनक पहाड़ पर बेतफाग आ
बेतनियाक समीप पहुँचलाह, तखन ओ अपन दूटा शिष् य कैं
पठौलनि।
2 ओ ओकरा सभ कैं कहलथिन, " अपन सामनेक गाम मे जाउ।
ओकरा ढीला कऽ दियौक।
3 जँ केओ अहाँ सभ कैं कहैत अछि जे, "अहाँ सभ ई किएक
करैत छी?" अहाँ सभ कहब जे प्रभु कैं हुनकर आवश्यकता
छनि। आ तुरन्त ओ ओकरा एतय पठा देत।
4 ओ सभ जा कऽ बछड़ाक बछड़ा कैं बाहर दरबज्जा मे बान्हल
देखलनि, जतय दू बाट मिलैत छल। आ ओकरा ढीला क' दैत
छथि।
5 ओतऽ ठाढ़ किछु लोक हुनका सभ कैं कहलथिन, "अहाँ सभ
बछड़ा कैं खोलि कऽ की करैत छी?"
6 ओ सभ यीशुक आज्ञाक अनुसार हुनका सभ कैं कहलथिन।
7 ओ सभ बछड़ा कैं यीशु लग अनलनि आ हुनका पर अपन वस्त्र
पहिरि लेलनि। ओ हुनका पर बैसि गेलाह।
8 बहुतो लोक बाट मे अपन वस्त्र पसारि लेलक, आ किछु गोटे
गाछक डारि काटि कऽ बाट मे भूसा फेकि देलक।
9 आगू बढ़निहार सभ आ पाछाँ-पाछाँ चलनिहार सभ चिचिया
उठलनि जे, "होसाना!" धन्य अछि जे प्रभुक नाम सँ अबैत अछि।
10 हमरा सभक पिता दाऊदक राज् य, जे परमेश् वरक नाम सँ
आबि रहल अछि, ओकर राज्य धन्य होअय।
11 यीशु यरूशलेम आ मन् दिर मे प्रवेश कऽ गेलाह आ चारू
कात देखि कऽ साँझ भऽ गेलाह आ बारह गोटेक संग बेतनिया
चलि गेलाह।
12 दोसर दिन जखन ओ सभ बेतनिया सँ अयलाह तँ हुनका भूख
लागल छलनि।
13 ओ दूर सँ एकटा अंजीरक गाछ कैं पात बला देखि ओ
अयलाह, जँ ओकरा पर कोनो वस्तु भेटि जाय। किएक तँ
अंजीरक समय एखन धरि नहि भेल छल।
14 यीशु ओकरा उत्तर देलथिन, " अहाँक फल केओ अनन्त काल
धरि नहि खायत।" हुनकर शिष् य सभ ई बात सुनलनि।
15 ओ सभ यरूशलेम पहुँचलाह, तखन यीशु मन् दिर मे जा कऽ
मन् दिर मे बेचनिहार आ कीननिहार सभ कैं भगाबय लगलाह आ
पाइ बदलनिहार सभक टेबुल आ कबूतर बेचनिहार सभक
आसन सभ उखाड़ि देलनि।
16 ओ मन्दिर मे ककरो कोनो बर्तन लऽ कऽ चलय नहि देथिन।
17 ओ हुनका सभ कैं शिक्षा दैत कहलथिन, " की धर्मशास्त्र मे
लिखल नहि अछि जे, 'हमर घर कैं सभ जातिक लेल प्रार्थनाक घर
कहल जायत?" मुदा अहाँ सभ एकरा चोर सभक मांद बना
देलियैक।
18 धर्म-शिक्षक आ मुख्य पुरोहित सभ ई बात सुनि कऽ हुनका
कोना नष्ट कऽ सकैत छथि, तकरा खोजैत रहलाह।
19 साँझ भेला पर ओ नगर सँ बाहर निकलि गेलाह।
20 भोरे-भोर ओ सभ अंजीरक गाछ जड़ि सँ सुखायल देखलनि।
21 पत्रुस हुनका मोन पाड़ि कऽ कहलथिन, "गुरु, देखू, अंजीरक
गाछ जकरा अहाँ शाप देने छलहुँ, से मुरझा गेल अछि।"
22 यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " परमेश् वर पर विश् वास
करू।"
23 हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे केओ एहि पहाड़ कैं
कहत जे, 'हटि कऽ समुद्र मे फेकि देल जाउ। ओ अपन हृदय मे
संदेह नहि करत, बल् कि ओ विश्वास करत जे ओ जे बात कहैत
छथि से पूरा होयत। जे किछु कहत से ओकरा भेटतैक।
24 तेँ हम अहाँ सभ कैं कहैत छी जे अहाँ सभ प्रार्थना करबा
काल जे किछु चाहैत छी, से विश्वास करू जे अहाँ सभ कैं ओ सभ
भेटैत अछि।
25 जखन अहाँ सभ प्रार्थना करैत ठाढ़ छी तँ जँ अहाँ सभ कैं
ककरो विरुद्ध कोनो आपत्ति होअय तँ क्षमा करू।
26 मुदा जँ अहाँ सभ क्षमा नहि करब तँ अहाँ सभक पिता जे स्
वर्ग मे छथि तँ अहाँ सभक अपराध कैं क्षमा नहि करताह।
27 ओ सभ फेर यरूशलेम आबि गेलाह, जखन यीशु मन् दिर मे
घुमैत छलाह, तखन ओतऽ मुख् यपुरोहित, शास्त्री आ बूढ़-पुरान
सभ हुनका लग आबि गेलाह।
28 ओ हुनका पुछथिन, "अहाँ ई सभ कोन अधिकार सँ करैत
छी?" आ अहाँ कैं ई सभ करबाक अधिकार के देलक?
29 यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " हमहूँ अहाँ सभ सँ
एकटा प्रश्न पूछब आ हमरा उत्तर देब आ हम अहाँ सभ कैं कहब
जे हम कोन अधिकार सँ ई सभ काज करैत छी।"
30 यूहन् नाक बपतिस् मा स् वर्ग सँ भेल छल आकि मनुष् यक?
हमरा जवाब दियौक।
31 ओ सभ मने-मन-मन-विमर्श करैत कहलथिन, "जँ हम सभ
कहब जे, 'स्वर्ग सँ आयल छी। ओ कहताह, "तखन अहाँ सभ
हुनका पर विश् वास किएक नहि केलहुँ?"
32 मुदा जँ हम सभ ई कहब जे, "मनुष्यक"। ओ सभ लोक सभ
सँ डेराइत छल, किएक तँ सभ लोक यूहन् ना कैं मानैत छल जे
ओ सत्ते एकटा भविष्यवक्ता छथि।
33 ओ सभ यीशु कैं उत्तर देलथिन, "हम सभ नहि कहि सकैत
छी।" यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " हम अहाँ सभ कैं ई
नहि कहैत छी जे हम कोन अधिकार सँ ई सभ काज करैत छी।"

अध्याय 12

1 ओ हुनका सभ सँ दृष्टान्तक द्वारा बाज' लगलाह। एक आदमी
अंगूरक बगीचा लगा कऽ ओकरा चारू कात बेड़ी लगा देलक आ
दारूक खेतक लेल जगह खोदलक आ एकटा बुर्ज बनौलक आ
ओकरा किसान सभक लेल छोड़ि देलक आ दूरक देश मे चलि
गेल।
2 ओहि समय मे ओ किसान सभ लग एकटा नोकर पठौलनि जे
ओ किसान सभ सँ अंगूरक बगीचाक फल ग्रहण करथि।
3 ओ सभ ओकरा पकड़ि कऽ मारि-पीटि कऽ खाली विदा भऽ
गेल।
4 ओ फेर हुनका सभ लग एकटा आओर नोकर पठौलनि। ओ
सभ ओकरा पर पाथर फेकि कऽ माथ मे चोट लगा देलक आ
ओकरा लज्जित कऽ कऽ विदा कऽ देलक।
5 ओ फेर दोसर कैं पठौलनि। ओकरा ओ सभ मारि देलकैक,
आओर बहुतो लोक कैं। किछुकैं मारि-पीटि, आ किछुकैं मारि
देब।
6 तेँ एकटा पुत्र अपन प्रिय पुत्र रहला पर ओ हुनका सभ लग पठा
देलथिन जे, "ओ सभ हमर पुत्र कैं आदर करत।"
7 मुदा ओ किसान सभ आपस मे कहलथिन, "ई उत्तराधिकारी
छथि। आऊ, ओकरा मारि दियौक, आ उत्तराधिकार हमरा सभक
भ' जायत।"
8 ओ सभ ओकरा पकड़ि कऽ मारि देलक आ अंगूरक बगीचा सँ
बाहर फेकि देलक।

9 तेँ अंगूरक बगीचाक मालिक की करताह? ओ आबि कऽ
किसान सभ केँ नष्ट कऽ देत आ अंगूरक बाग दोसर केँ दऽ देत।
10 की अहाँ सभ ई धर्मशास् त्र नहि पढ़ने छी। जे पाथर बिल्डर
सभ अस्वीकार केलक से कोनक माथ बनि गेल अछि।
11 प्रभुक ई काज छलनि आ हमरा सभक नजरि मे ई अद्‌भुत
अछि?
12 ओ सभ हुनका पकड़बाक प्रयास कयलनि, मुदा लोक सभ सँ
डरैत रहलाह, किएक तँ ओ सभ जनैत छल जे ई दृष्टान्त हुनका
सभक विरुद्ध बाजल अछि।
13 ओ सभ फरिसी आ हेरोदीस मे सँ किछु गोटे केँ हुनका लग
पठा देलथिन जे हुनका अपन बात मे पकड़ि लेथिन।
14 जखन ओ सभ आबि कऽ ओ सभ हुनका कहलथिन, "गुरु,
हम सभ जनैत छी जे अहाँ सत् य छी आ ककरो परवाह नहि
करैत छी, किएक तँ अहाँ मनुष् य सभक आदर नहि करैत छी,
बल् कि परमेश् वरक बाट सत् य मे सिखाबैत छी सीजर के
श्रद्धांजलि देब, आकि नहि?
15 हम सभ देब वा नहि देब? मुदा ओ हुनका सभक पाखंड केँ
जानि हुनका सभ केँ कहलथिन, " अहाँ सभ हमरा किएक परीक्षा
दैत छी?" हमरा लेल एक पाइ आनि दिअ, जाहि सँ हम देख
सकब।
16 ओ सभ ओकरा अनलनि। ओ हुनका सभ सँ पुछलथिन, " ई
मूर्ति आ उपर केकर अछि?" ओ सभ हुनका कहलथिन,
"कैसरक।"
17 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " कैसरक जे किछु अछि
से कैसर केँ आ परमेश् वरक जे किछु अछि से परमेश् वर केँ दऽ
दियौक।" ओ सभ हुनका देखि आश्चर्यचकित भऽ गेलाह।
18 तखन सदुकी सभ हुनका लग आबि गेलाह जे कहैत छथि जे
पुनरुत्थान नहि होयत। ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन।
19 गुरु, मूसा हमरा सभ केँ लिखने छथि, "जँ ककरो भाय मरि
कऽ अपन पत्नी केँ छोड़ि कऽ कोनो संतान नहि छोड़ैत अछि तँ
ओकर भाय ओकर पत्नी केँ लऽ कऽ अपन भाय केँ बीया पैदा
कऽ लेत।"
20 सात भाय छल, पहिल भाय स् त्री लऽ कऽ मरि कऽ कोनो
संतान नहि छोड़लक।
21 दोसर ओकरा पकड़ि कऽ मरि गेल, आ ने कोनो बीया छोड़ि
गेल।
22 ओहि सात गोटेक संग ओ छलनि, मुदा कोनो संतान नहि
छोड़लनि।
23 तखन पुनरुत्थान मे जखन ओ सभ जीबि उठताह तखन ओ
हुनका सभ मे सँ केकर पत्नी हेतीह? किएक तँ सात गोटेक पत्नी
छलनि।
24 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, "की अहाँ सभ शास्त्र आ
ने परमेश् वरक सामर्थ् य केँ नहि जनैत छी, तेँ की अहाँ सभ
गलती नहि कऽ रहल छी?"
25 जखन ओ सभ मृत् यु मे सँ जीबि उठत तखन ओ सभ ने
विवाह करत आ ने विवाह मे देल जायत। मुदा स् वर्ग मे रहनिहार
स् वर्गदूत जकाँ छथि।
26 मृत् यु केँ जीबि उठबाक विषय मे की अहाँ सभ मूसाक
किताब मे नहि पढ़ने छी जे कोना झाड़ी मे परमेश् वर हुनका
कहलथिन जे, "हम अब्राहम आ इसहाक आ याकूबक परमेश् वर
छी।" ?
27 ओ मृतकक परमेश् वर नहि, बल् कि जीवित लोकक परमेश्
वर छथि।
28 एक गोटे शास्त्री सभ आबि कऽ हुनका सभ केँ एक संग
विमर्श करैत सुनि हुनका सभ केँ नीक जकाँ उत्तर देलथिन से
बुझि हुनका सँ पुछलथिन, "सब सँ पहिल आज्ञा कोन अछि?"
29 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " सब आज्ञा मे पहिल आज्ञा अछि,
"हे इस्राएल, सुनू।" हमर सभक परमेश् वर प्रभु एक प्रभु छथि।
30 अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण
सँ, पूरा मन आ पूरा सामर्थ् य सँ प्रेम करू।
31 दोसर एहन अछि जे, "अहाँ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम
करू।" एहि सभ सँ पैघ कोनो आज्ञा नहि अछि।
32 धर्मशास्त्री हुनका कहलथिन, "अच्छा, गुरु, अहाँ सत् य
कहलहुँ, किएक तँ परमेश् वर एकेटा छथि। आ हुनका छोड़ि
दोसर कियो नहि अछि।
33 ओकरा सँ पूरा हृदय सँ, पूरा बुद्धि सँ, पूरा प्राण सँ आ पूरा
शक्ति सँ प्रेम करब आ अपन पड़ोसी सँ अपना जकाँ प्रेम करब,
सब होमबलि आ बलिदान सँ बेसी अछि।
34 यीशु जखन ई देखि जे ओ विवेकपूर्वक उत्तर देलनि, तखन ओ
हुनका कहलथिन, " अहाँ परमेश् वरक राज् य सँ दूर नहि छी।"
आ तकर बाद कोनो केओ हुनकासँ कोनो प्रश्न करबाक हिम्मत
नहि केलक।
35 यीशु मन् दिर मे शिक्षा दैत काल उत्तर देलथिन, " धर्मशास्त्री
सभ कोना कहैत छथि जे मसीह दाऊदक पुत्र छथि?"
36 किएक तँ दाऊद स्वयं पवित्र आत् माक द्वारा कहलथिन,
"परमेश् वर हमर प्रभु केँ कहलथिन, "जाबत धरि हम अहाँक शत्रु
सभ केँ अहाँक पैरक ठेहुन नहि बना लेब, ताबत धरि अहाँ हमर
दहिना कात बैसल रहू।"
37 तेँ दाऊद हुनका प्रभु कहैत छथि। तखन ओ अपन पुत्र कतय
सँ छथि? आ आम लोक हुनकर बात हर्षोल्लास सँ सुनलक।
38 ओ अपन शिक्षा मे हुनका सभ केँ कहलथिन, " धर्मशास्त्री
सभ सँ सावधान रहू, जे नम्हर वस्त्र पहिरि कऽ जायब आ बजार
मे प्रणाम करऽ चाहैत छथि।
39 भोज-भोज मे सभाघर मे प्रमुख आसन आ उपरका कोठली
मे।
40 ओ सभ विधवा सभक घर खाइत अछि आ नाटकक कारणेँ
नमहर प्रार्थना करैत अछि।
41 यीशु खजानाक कात मे बैसल छलाह आ देखैत छलाह जे
लोक सभ कोना कोष मे पाइ फेकैत अछि।
42 एकटा गरीब विधवा आबि गेलीह, आ ओ दूटा माइटी फेकि
देलनि, जाहि सँ एक फारथिंग भेटैत अछि।
43 ओ अपन शिष्य सभ केँ बजा कऽ कहलथिन, " हम अहाँ सभ
केँ सत् य कहैत छी जे ई गरीब विधवा ओहि सभ सँ बेसी धनराशि
मे फेकने छथि।
44 किएक तँ ओ सभ अपन प्रचुरता मे सँ सभ किछु निकालि
देलनि। मुदा ओ अपन अभाव मे सँ अपन सभ किछु आ अपन
सभटा जीवन-यापन केँ फेकि देलक।

अध्याय 13

1 ओ मन् दिर सँ बाहर निकलैत काल हुनकर एकटा शिष् य
हुनका कहलथिन, "गुरु, देखू, एतय केहन पाथर आ केहन भवन
अछि!"
2 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " की अहाँ ई सभ पैघ भवन सभ
देखैत छी?" एक पाथर दोसर पर नहि बचल रहत जे नहि फेकल
जायत।

3 जखन ओ मन् दिरक समक्ष जैतूनक पहाड़ पर बैसल छलाह
तखन पत्रुस, याकूब, यूहन् ना आ अन् द्रियस हुनका सँ एकांत
पुछलथिन।
4 कहू जे ई सभ कहिया होयत? जखन ई सभ बात पूरा होयत
तखन की चिन्ह होयत?
5 यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, " सावधान रहू जे कियो
अहाँ सभ कैँ धोखा नहि दऽ सकय।
6 हमरा नाम सँ बहुतो लोक आबि कऽ कहत जे, "हम मसीह छी।"
आ बहुतो कैँ धोखा देत।
7 जखन अहाँ सभ युद्ध आ युद्धक अफवाह सुनब तखन अहाँ
सभ घबराहट नहि करू। मुदा अन् त एखन धरि नहि आओत।
8 किएक तँ जाति-जाति जाति-जातिक विरुद्ध उठत, आ राज्य-
राज्यक विरु द्ध राज्य उठत।
9 मुदा अपना सभ कैँ सावधान रहू, किएक तँ ओ सभ अहाँ सभ
कैँ परिषद् मे सौंपि देत। आराधनालय मे अहाँ सभ कैँ मारि-पीट
कयल जायत।
10 सुसमाचार पहिने सभ जाति मे प्रचारित हेबाक चाही।
11 मुदा जखन ओ सभ अहाँ सभ कैँ लऽ जायत आ अहाँ सभ कैँ
सौंपि देत तखन पहिने सँ कोनो विचार नहि करू जे अहाँ सभ की
बाजब आ ने पहिने सँ सोचू पवित्र आत्मा के।
12 भाय भाय कैँ मारि देबाक लेल धोखा देत, आ पिता बेटा कैँ।
बच्चा सभ अपन माता-पिताक विरुद्ध उठि कऽ ओकरा सभ कैँ
मारि देत।"
13 हमर नामक कारणेँ अहाँ सभ सँ घृणा होयत, मुदा जे अन् त
धरि सहन करत, से उद्धार पाओत।
14 मुदा जखन अहाँ सभ ओहि उजाड़क घृणित बात कैँ देखब जे
दानियल भविष्यवक्ता द्वारा कहल गेल छल, जे ओतहि ठाढ़ नहि
हो, (जे पढ़ैत अछि, से बुझय,) तखन यहूदिया मे रहनिहार सभ
पहाड़ दिस भागि जाय।
15 घरक चोटी पर जे अछि से घर मे नहि जाउ आ ने घर मे प्रवेश
करथि।
16 खेत मे रहनिहार अपन वस्त्र धारण करबाक लेल घुरि कऽ
नहि जाय।
17 मुदा ओहि दिन मे गर्भवती आ दूध देबयवला सभक लेल
धिक्कार!
18 अहाँ सभ प्रार्थना करू जे अहाँ सभक पलायन जाड़ मे नहि
हो।
19 किएक तँ ओहि दिन मे एहन कष्ट होयत जे परमेश् वरक
सृष्टिक प्रारम्भ सँ आइ धरि नहि छल आ नहि होयत।
20 जँ परमेश् वर ओहि दिन सभ कैँ छोट नहि कऽ देथिन तँ
कोनो माँसक उद्धार नहि भऽ सकैत छल।
21 तखन जँ केओ अहाँ सभ कैँ कहत जे, "देखू, मसीह एतय
छथि।" वा देखू, ओ ओतहि छथि। हुनका पर विश्वास नहि करू।
22 किएक तँ झूठ मसीह आ झूठा प्रवक् ता सभ उठि जेताह आ
चिन् त्र आ चमत् कार करथि जे जँ सम्भव भऽ सकैत छल तँ
चुनल लोक सभ कैँ सेहो बहकाबथि।
23 मुदा अहाँ सभ सावधान रहू।
24 मुदा ओहि क्लेशक बाद ओहि दिन मे सूर्य अन्हार भऽ जायत
आ चान ओकरा इजोत नहि करत।
25 आकाशक तारा खसि पड़त आ स् वर्ग मे जे सामर्थ् य अछि से
हिलत।
26 तखन ओ सभ मनुष् य-पुत्र कैँ मेघ मे बहुत सामर्थ् य आ
महिमा सँ अबैत देखताह।
27 तखन ओ अपन स् वर्गदूत सभ कैँ पठाओत आ चारू हवा सँ
लऽ कऽ स् वर्गक अन्त्य भाग धरि अपन चुनल लोक सभ कैँ एक
ठाम जमा करत।
28 आब अंजीरक गाछक दृष्टान्त सीखू। जखन ओकर डारि
एखन धरि कोमल होइत छैक आ पात निकलैत छैक तखन अहाँ
सभ जनैत छी जे गर्मी लग आबि गेल अछि।
29 एहि तरहेँ अहाँ सभ जखन ई सभ घटना घटैत देखब तँ ई
जानि लिअ जे ई सभ दरबज्जा पर लग आबि गेल अछि।
30 हम अहाँ सभ कैँ सत् य कहैत छी जे जा धरि ई सभ काज
नहि भऽ जायत ता धरि ई पीढ़ी नहि बीतत।
31 आकाश आ पृथ्वी समाप्त भऽ जायत, मुदा हमर वचन समाप्त
नहि होयत।
32 मुदा ओहि दिन आ ओहि समयक विषय मे केओ नहि जनैत
अछि, ने स् वर्ग मे रहनिहार स् वर्गदूत आ ने पुत्र, सिवाय पिता कैँ।
33 अहाँ सभ सावधान रहू, जागल रहू आ प्रार्थना करू।
34 किएक तँ मनुष् य-पुत्र ओहिना अछि जेना दूर-दूर धरि जा
रहल अछि, जे अपन घर छोड़ि अपन नोकर सभ कैँ आ प्रत् येक-
अपन काज कैँ अधिकार दऽ देलक आ दरबज्जा रखनिहार कैँ
चौकस करबाक आज्ञा देलक।
35 तेँ अहाँ सभ जागल रहू, किएक तँ अहाँ सभ नहि जनैत छी जे
घरक मालिक कखन अबैत छथि, साँझ मे वा आधा राति मे वा
मुर्गीक बाजैत वा भोर मे।
36 कहीं अचानक आबि कऽ अहाँ सभ कैँ सुतल नहि पाबि जाय।
37 हम अहाँ सभ कैँ जे कहैत छी से सभ कैँ कहैत छी जे जागल
रहू।"

अध्याय 14

1 दू दिनक बाद फसह-पाबनि आ अखमीरी रोटीक पाबनि भेल,
तखन मुख्य पुरोहित आ धर्मशिक्षक सभ ओकरा चालबाजी मे
पकड़ि कऽ मारि देलक।
2 मुदा ओ सभ कहलथिन, "पर्वक दिन नहि, कहीं लोक मे हंगामा
नहि भ' जाय।"
3 कोढ़ी सिमोनक घर मे बेतनिया मे जखन ओ भोजन पर बैसल
छलाह तखन एकटा स् त्री अलाबास्टरक डिब्बा लऽ कऽ अयलाह,
जकरा मे बहुत कीमती मलबक मलहम छल। ओ डिब्बा तोड़ि
कऽ ओकर माथ पर ढारि देलक।
4 किछु लोक सभ अपना मे क्रोधित भऽ कऽ कहलथिन, "ई
मरहम किएक बर्बाद कयल गेल?"
5 तीन सय पेंस सँ बेसी मे बेचि कऽ गरीब सभ कैँ दऽ देल जा
सकैत छल। ओ सभ हुनका पर बड़बड़ाइत रहलाह।
6 यीशु कहलथिन, " ओकरा छोड़ि दियौक। अहाँ सभ ओकरा
किएक परेशान करैत छी? हमरा पर नीक काज केने छथि।
7 किएक तँ अहाँ सभक संग गरीब सभ सदिखन रहैत अछि, आ
जखन-जखन अहाँ सभ चाहैत छी, हुनका सभक नीक काज कऽ
सकैत छी, मुदा हमरा अहाँ सभक संग सदिखन नहि अछि।
8 ओ जे किछु कऽ सकलीह से कऽ सकलीह।
9 हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे, जतए-जतय ई सुसमाचार
सम् पूर्ण संसार मे प्रचारित होयत, ओतहि हुनकर द्वारा कयल गेल
बात सेहो हुनकर स्मरणक लेल कहल जायत।
10 बारह मे सँ एक यहूदा इस्करियोती मुख् यपुरोहित सभक लग
गेलाह।

11 ई बात सुनि ओ सभ खुश भऽ गेल आ ओकरा पाइ देबाक वचन देलक। आ ओ खोजैत रहलाह जे कोना सुविधापूर्वक ओकरा संग विश्वासघात क' सकैत अछि।
12 अखमीरी रोटीक पहिल दिन जखन फसह-पाबनि मारलनि तखन हुनकर शिष् य सभ हुनका पुछलथिन, "अहाँ चाहैत छी जे हम सभ कतय जा कऽ फसह-पाबनिक भोजन तैयार करी?"
13 ओ अपन दूटा शिष् य कें पठा कऽ कहलथिन, " अहाँ सभ नगर मे जाउ, तखन अहाँ सभ सँ एक आदमी पानिक घैल लऽ कऽ भेंट करत।"
14 ओ कतहु भीतर जायत, अहाँ सभ घरक मालिक कें कहू जे, 'गुरु कहैत छथि, 'अतिथि कक्ष कतय अछि, जतय हम अपन शिष् य सभक संग फसह-भोज खायब?
15 ओ अहाँ सभ कें ऊपरक एकटा पैघ कोठली देखाओत जे सुसज्जित आ तैयार कयल गेल अछि।
16 हुनकर शिष् य सभ जा कऽ नगर मे आबि कऽ हुनका सभ कें जेना कहने छलाह तेना पाबि गेलाह।
17 साँझ मे ओ बारह गोटेक संग अबैत छथि।
18 ओ सभ बैसल भोजन करैत काल यीशु कहलथिन, " हम अहाँ सभ कें सत् य कहैत छी जे अहाँ सभ मे सँ जे हमरा संग भोजन करैत अछि, से हमरा धोखा देत।"
19 ओ सभ दुखी भऽ कऽ एक-एक कऽ हुनका पुछऽ लगलाह, "की हम छी?" दोसर कहलकनि, "की हम छी?"
20 ओ हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, " ई बारह मे सँ एक अछि जे हमरा संग बर्तन मे डुबकी लगा रहल अछि।"
21 मनुष् यक पुत्र जहिना हुनका विषय मे लिखल अछि, तेना जाइ छथि। नीक रहैत जे ओहि आदमीक लेल जँ कहियो जन्म नहि लेने रहितैक।
22 जखन ओ सभ भोजन करैत छल तखन यीशु रोटी लऽ कऽ आशीष दऽ कऽ तोड़ि कऽ ओकरा सभ कें देलथिन आ कहलथिन, " लीह, खाउ, ई हमर शरीर अछि।"
23 ओ प्याला लऽ कऽ धन् यवाद दऽ कऽ ओकरा सभ कें दऽ देलथिन।
24 ओ हुनका सभ कें कहलथिन, " ई हमर नव नियमक खून अछि जे बहुतो लोकक लेल बहौल गेल अछि।"
25 हम अहाँ सभ कें सत् य कहैत छी जे, जाबत धरि हम परमेश् वरक राज् य मे नव-नव बेल केर फल नहि पीब।
26 ओ सभ स्तोत्र गाबि कऽ जैतूनक पहाड़ पर निकलि गेलाह।
27 यीशु हुनका सभ कें कहलथिन, " आइ राति अहाँ सभ हमरा कारणेँ आहत भऽ जायब।
28 मुदा हम जीबि उठलाक बाद अहाँ सभ सँ पहिने गलील जायब।
29 पत्रुस हुनका कहलथिन, "भले सभ आहत भऽ जायत, मुदा हम नहि करब।"
30 यीशु हुनका कहलथिन, " हम अहाँ कें सत्ते कहैत छी जे आइ राति मे मुर्गा दू बेर बाजबा सँ पहिने अहाँ हमरा तीन बेर अस्वीकार करब।"
31 मुदा ओ आर जोर सँ बजलाह, "जँ हम अहाँक संग मरि जायब तँ हम अहाँ कें कोनो तरहेँ अस्वीकार नहि करब।" तहिना सेहो कहलनि ओ सब।
32 ओ सभ गेटसमनी नामक स्थान पर पहुँचलाह, तखन ओ अपन शिष् य सभ कें कहलथिन, " जाबत हम प्रार्थना करब ताबत अहाँ सभ एतय बैसल रहू।"
33 ओ पत्रुस, याकूब आ यूहन् ना कें अपना संग लऽ कऽ बहुत आश्चर्यचकित भऽ गेलाह।
34 ओ हुनका सभ कें कहलथिन, " हमर प्राण मृत्युक लेल बहुत दुखी अछि।
35 ओ कनेक आगू बढ़ि कऽ जमीन पर खसि पड़लाह आ प्रार्थना कयलनि जे जँ संभव हो तऽ समय हुनका सँ बीति जाय।
36 ओ कहलथिन, " अब्बा, पिता, अहाँक लेल सभ किछु संभव अछि। ई प्याला हमरा सँ छीन लिअ, तथापि जे हम चाहैत छी से नहि, बल् कि अहाँ जे चाहैत छी।
37 यीशु आबि कऽ हुनका सभ कें सुतल देखि पत्रुस कें कहलथिन, " सिमोन, की अहाँ सुतल छी?" की अहाँ एक घंटा नहि जागि सकैत छलहुँ?
38 अहाँ सभ जागल रहू आ प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ परीक्षा मे नहि पड़ि जायब। आत्मा सचमुच तैयार छै, लेकिन शरीर कमजोर छै।
39 ओ फेर जा कऽ प्रार्थना कऽ कऽ वैह बात बजलाह।
40 जखन ओ घुरलाह तँ फेर हुनका सभ कें सुतल देखलनि, किएक तँ हुनका सभक आँखि भारी छलनि।
41 ओ तेसर बेर आबि हुनका सभ कें कहलथिन, " आब सुति जाउ आ आराम करू। देखू, मनुष् यक पुत्र पापी सभक हाथ मे सौंपल गेल अछि।
42 उठू, चलू। देखू, जे हमरा धोखा देत से लग आबि गेल अछि।"
43 जखन ओ एखन धरि बाजि रहल छलाह तखन तुरन्त बारह मे सँ एक यहूदा आ हुनका संग तलवार आ लाठी लऽ कऽ बहुत रास भीड़ आबि गेलाह।
44 हुनका धोखा देनिहार हुनका सभ कें एकटा निशानी दऽ कऽ कहने छल जे, "हम जकरा चुम्मा लेब, ओ वैह अछि।" ओकरा लऽ कऽ सुरक्षित लऽ जाउ।
45 ओ अयला पर सोझे हुनका लग जा कऽ कहलथिन, "गुरु, गुरु! आ चुम्मा लेलक।
46 ओ सभ हुनका पर हाथ राखि हुनका पकड़ि लेलनि।
47 ओतय ठाढ़ लोक मे सँ एक गोटे तलवार निकालि महापुरोहितक एकटा नोकर कें मारि कऽ ओकर कान काटि लेलक।
48 यीशु हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, " की अहाँ सभ हमरा पकड़बाक लेल तलवार आ लाठी लऽ कऽ चोर जकाँ निकलल छी?"
49 हम सभ दिन अहाँ सभक संग मन् दिर मे शिक्षा दैत छलहुँ, मुदा अहाँ सभ हमरा नहि पकड़लहुँ।
50 ओ सभ हुनका छोड़ि कऽ भागि गेलाह।
51 एकटा युवक हुनका पाछाँ-पाछाँ आबि गेल छल, जे अपन नंगटे शरीर मे लिनन कपड़ा पहिरने छल। युवक सभ हुनका पकड़ि लेलकनि।
52 ओ लिन कपड़ा छोड़ि ओकरा सभ सँ नंगटे भागि गेल।
53 ओ सभ यीशु कें महापुरोहितक लग लऽ गेलाह आ हुनका संग सभ मुख्यपुरोहित, बूढ़-पुरोहित आ शास्त्री सभ जमा भऽ गेलाह।
54 पत्रुस हुनका पाछाँ-पाछाँ दूर-दूर धरि महापुरोहितक महल मे गेलाह।
55 मुख्यपुरोहित सभ आ सम्पूर्ण परिषद् यीशु कें मारबाक लेल गवाही ताकय लगलाह। आ कोनो नहि भेटल।
56 किएक तँ बहुतो लोक हुनका विरुद्ध झूठ गवाही दैत छलाह, मुदा हुनका सभक गवाही एक संग नहि छल।

57 किछु लोक उठि कऽ हुनका पर झूठ गवाही देलथिन।
"
59 मुदा दुनूक गवाह सेहो एक संग नहि छल।
60 महापुरोहित बीच मे ठाढ़ भऽ यीशु सँ पुछलथिन, "की अहाँ किछु उत्तर नहि दऽ रहल छी?" ई सभ अहाँक विरुद्ध की गवाही दैत अछि?
61 मुदा ओ चुप रहलाह आ किछुओ उत्तर नहि देलनि। फेर महापुरोहित हुनका सँ पुछलथिन, "की अहाँ मसीह, धन्यक पुत्र छी?"
62 यीशु कहलथिन, " हम छी।
63 तखन महापुरोहित अपन कपड़ा फाड़ि कऽ कहलथिन, "हमरा सभ कें आओर गवाहक की चाही?"
64 अहाँ सभ निन्दा सुनलहुँ। ओ सभ हुनका मृत्युक दोषी ठहरौलनि।
65 किछु लोक हुनका पर थूक फेकय लगलाह, हुनकर मुँह झाँपि कऽ मारि-पीट करऽ लगलाह आ कहय लगलाह जे, "भविष्यवाणी कऽ दियौक।"
66 जखन पत्रुस महल मे नीचाँ मे छलाह तखन महापुरोहितक एकटा दासी आबि गेलाह।
67 पत्रुस कें गरम करैत देखि ओ हुनका दिस तकलीह आ बजलीह, "अहाँ सेहो नासरतक यीशुक संग छलहुँ।"
68 मुदा ओ एहि बात कें नकारैत कहलथिन, "हम नहि जनैत छी आ नहि बुझैत छी जे अहाँ की कहैत छी।" ओ ओसारा मे निकलि गेलाह। आ मुर्गा चालक दल।
69 एकटा दासी हुनका फेर सँ देखि कऽ ठाढ़ लोक सभ कें कहय लगलीह, "ई ओहि मे सँ एक छथि।"
70 ओ फेर एहि बात कें अस्वीकार कयलनि। किछुए काल बाद ओतय ठाढ़ लोक सभ फेर पत्रुस कें कहलथिन, "अहाँ हुनका सभ मे सँ एक छी।
71 मुदा ओ गारि पढ़य लगलाह आ कसम खाय लगलाह, "हम एहि आदमी कें नहि चिन्हैत छी, जकरा बारे मे अहाँ सभ बजैत छी।"
72 आ दोसर बेर मुर्गा क्रूर भऽ गेल। पत्रुस यीशु कें कहल बात मोन पाड़लनि, " मुर्गा दू बेर बाजबा सँ पहिने अहाँ हमरा तीन बेर अस्वीकार कऽ देब।" जखन ओ एहि बात पर सोचि कऽ कानि उठलाह।

अध्याय 15

1 भोरे-भोर मुख् यपुरोहित सभ बूढ़-पुरान सभ आ धर्म-शिक्षक सभ आ समस्त परिषद् सँ विचार-विमर्श कयलनि आ यीशु कें बान्हि कऽ लऽ गेलाह आ पिलातुस कें सौंप देलनि।
2 पिलातुस हुनका पुछलथिन, "की अहाँ यहूदी सभक राजा छी?" यीशु उत्तर देलथिन, " अहाँ ई बात कहैत छी।"
3 मुख्यपुरोहित सभ हुनका पर बहुत रास आरोप लगौलनि, मुदा ओ किछुओ उत्तर नहि देलनि।
4 पिलातुस फेर पुछलथिन, "की अहाँ किछु उत्तर नहि दऽ रहल छी?" देखू, ओ सभ अहाँक विरुद्ध कतेक गवाही दैत छथि।
5 मुदा यीशु एखन धरि किछुओ उत्तर नहि देलथिन। तेँ पिलातुस आश्चर्यचकित भ' गेलाह।
6 ओहि भोज मे ओ हुनका सभक लेल एकटा कैदी कें छोड़ि देलथिन, जकरा ओ सभ चाहथि।
7 बरब्बा नामक एक गोटे छलाह जे हुनका संग विद्रोह केनिहार लोक सभक संग बान्हल छल आ विद्रोह मे हत्या केने छलाह।
8 लोक सभ जोर-जोर सँ चीत्कार करय लागल जे ओ हुनका सभक संग जेना करैत छलाह, तेना करथि।
9 पिलातुस हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, "की अहाँ सभ चाहैत छी जे हम यहूदी सभक राजा कें अहाँ सभ कें छोड़ि दी?"
10 ओ जनैत छलाह जे मुख्य पुरोहित सभ हुनका ईर्ष्याक कारणेँ सौंपने छथि।
11 मुदा मुख्यपुरोहित सभ लोक सभ कें एहि लेल प्रेरित कयलनि जे ओ बरब्बा कें छोड़ि देबनि।
12 तखन पिलातुस हुनका सभ कें फेर सँ कहलथिन, "तखन अहाँ सभ की चाहैत छी जे हम जकरा अहाँ सभ यहूदी सभक राजा कहैत छी?"
13 ओ सभ फेर चिचिया उठल, "ओकरा क्रूस पर चढ़ा दियौक।"
14 तखन पिलातुस हुनका सभ कें कहलथिन, "ओ की अधलाह काज कयलनि?" ओ सभ आर बेसी चिचिया उठल, "ओकरा क्रूस पर चढ़ा दियौक।"
15 एहि तरहेँ पिलातुस लोक सभ कें संतुष्ट करऽ चाहैत छलाह आ बरब्बा कें हुनका सभक हाथ मे छोड़ि देलथिन आ यीशु कें कोड़ा मारि कऽ क्रूस पर चढ़ाबय लेल छोड़ि देलनि।
16 सिपाही सभ हुनका प्रैटोरियम नामक दलान पर लऽ गेलाह। आ पूरा दल कें एक ठाम बजबैत छथि।
17 ओ सभ ओकरा बैंगनी रंगक कपड़ा पहिरा कऽ काँटक मुकुट पानि कऽ माथ पर लगा देलक।
18 ओ हुनका प्रणाम करय लगलाह, "हे यहूदी सभक राजा!
19 ओ सभ ओकर माथ पर खढ़ सँ मारि देलक आ थूक फेकलक आ ठेहुन झुकि कऽ ओकर आराधना कयलक।
20 ओ सभ हुनकर उपहास कऽ कऽ हुनका सँ बैंगनी रंगक कपड़ा उतारि कऽ हुनका अपन कपड़ा पहिरि कऽ क्रूस पर चढ़ाबय लेल लऽ गेलाह।
21 ओ सभ सिकन्दर आ रूफसक पिता कुरेनियाक सिमोन कें अपन क्रूस उठाबऽ लेल बाध्य करैत छथि।
22 ओ सभ हुनका गोल्गोथा स्थान पर लऽ जाइत छथि, जकर अर्थ होइत अछि खोपड़ीक स्थान।"
23 ओ सभ हुनका गन्धक संग मदिरा पीबय देलथिन, मुदा हुनका नहि भेटलनि।
24 ओ सभ हुनका क्रूस पर चढ़ा कऽ हुनकर वस्त्र बाँटि कऽ हुनका सभ पर चिट्ठी लगा देलथिन जे प्रत्येक के की लेबाक चाही।
25 तेसर घंटा भऽ गेलै आ ओ सभ हुनका क्रूस पर चढ़ा देलथिन।
26 ओकर आरोपक ऊपर लिखल गेल छल, "यहूदी सभक राजा।"
27 हुनका संग दूटा चोर कें क्रूस पर चढ़ा दैत छथि। एकटा दहिना कात आ दोसर बामा कात।
28 धर्मशास् त्र पूरा भऽ गेल जे कहैत अछि जे, "ओ अपराधी सभक संग गिनल गेलाह।"
29 ओहि ठाम सँ गुजरय बला लोक सभ माथ हिलाबैत हुनका गारि कऽ कऽ कहलथिन, "अह, अहाँ जे मन् दिर कें तोड़ि कऽ तीन दिन मे बनबैत छी।
30 अपना कें बचाउ आ क्रूस पर सँ उतरि जाउ।
31 तहिना मुखिया पुरोहित सभ सेहो शास्त्री सभक संग उपहास करैत कहलथिन, "ओ दोसरो कें बचा लेलनि। अपना कें ओ नहि बचा सकैत अछि।

32 इस्राएलक राजा मसीह क्रूस पर सँ उतरि जाउ, जाहि सँ हम सभ देखि कऽ विश् वास करी। हुनका संग क्रूस पर चढ़ाओल गेल लोक सभ हुनका निन्दा कयलकनि।
33 छठम बजे भेला पर नवम बजे धरि पूरा देश पर अन्हार भऽ गेल।
34 नौम बजे यीशु जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह, " एलोई, एलोई, लामा सबक्थनी?" जकर अर्थ अछि, "हमर परमेश् वर, हमर परमेश् वर, अहाँ हमरा किएक छोड़ि देलहुँ?"
35 ओतय ठाढ़ किछु लोक सभ ई बात सुनि कऽ कहलथिन, "देखू, ओ एलियाह कैँ बजा रहल छथि।"
36 एक गोटे दौड़ि कऽ एकटा स्पंज मे सिरका भरि कऽ एकटा खढ़ पर राखि कऽ ओकरा पीबय देलक आ कहलक, "अहाँ छोड़ू। देखू जे एलियास ओकरा उतारय लेल आओत कि नहि।
37 यीशु जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह आ भूत छोड़ि देलनि।
38 मंदिरक पर्दा ऊपर सँ नीचाँ धरि दू भाग मे फाटि गेल।
39 जखन हुनका सामने ठाढ़ सेनापति देखलनि जे ओ एतेक चिचिया रहल छथि आ प्राण छोड़ि रहल छथि, तखन ओ कहलथिन, "ई आदमी सत्ते परमेश् वरक पुत्र छलाह।"
40 ओहि मे सँ स् त्रीगण सभ सेहो दूर दिस तकैत छलीह, जाहि मे मरियम मगदलीनी, याकूब छोट आ योसेक माय मरियम आ सलोमी छलीह।
41 (ओ गलील मे रहला पर हुनकर पाछाँ-पाछाँ चलैत छलाह आ हुनकर सेवा करैत छलाह।) आओर बहुत रास स् त्रीगण जे हुनका संग यरूशलेम गेल छलीह।
42 आब जखन साँझ भऽ गेल छल, किएक तँ ओ तैयारी छल, अर्थात् विश्राम-दिन सँ एक दिन पहिने।
"
44 पिलातुस आश्चर्यचकित भऽ गेलाह जे ओ पहिने सँ मरि गेल छथि।
45 जखन ओ सेनापति कैँ ई बात बुझि गेलनि तँ ओ लाश यूसुफ कैँ दऽ देलथिन।
46 ओ नीक सन लिनन कीनि कऽ ओकरा उतारि कऽ ओकरा लिनेन मे लपेटि कऽ पाथर सँ काटल कब्र मे राखि देलक आ कब्रक दरबज्जा पर पाथर गुड़का देलक।
47 मरियम मगदलीनी आ योसेक माय मरियम हुनका कतय राखल गेल छलनि से देखलनि।

अध्याय 16

1 विश्राम-दिन बीतला पर मरियम मगदलीनी आ याकूब आ सलोमीक माय मरियम मीठ मसाला कीनि लेलनि जाहि सँ ओ सभ आबि कऽ हुनका अभिषेक करथि।
2 सप्ताहक पहिल दिन भोरे-भोर ओ सभ सूर्योदय मे कब्र पर पहुँचलाह।
3 ओ सभ आपस मे कहलथिन, "कबरक दरबज्जा पर सँ पाथर के गुड़का देत?"
4 जखन ओ सभ देखलक तँ देखलक जे पाथर गुड़कि गेल अछि, किएक तँ ओ पाथर बहुत पैघ छल।
5 ओ सभ कब्र मे प्रवेश करैत देखलक जे एकटा युवक कैँ दहिना कात बैसल छल, जे नमहर उज्जर वस्त्र पहिरने छल। ओ सभ घबरा गेलाह।
6 ओ ओकरा सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ नहि डेराउ। ओ एतय नहि छथि, देखू ओ सभ ओहि स्थान पर जतय ओ सभ ओकरा राखि देने छलाह।"
7 मुदा जाउ, हुनकर शिष् य सभ आ पत्रुस कैँ कहि दिअ जे ओ अहाँ सभ सँ पहिने गलील जाइत छथि।
8 ओ सभ जल्दी-जल्दी निकलि कऽ कब्र सँ भागि गेल। ओ सभ काँपि उठल आ चकित भऽ गेल। किएक तँ ओ सभ डरा गेल छल।
9 सप्ताहक पहिल दिन जखन यीशु भोरे-भोर जीबि उठलाह तखन ओ पहिने मरियम मगदलीनी कैँ प्रकट भेलाह, जिनका मे सँ ओ सातटा दुष्टात्मा कैँ बाहर निकालने छलाह।
10 ओ सभ जा कऽ हुनका संग रहनिहार सभ कैँ कहलथिन।
11 ओ सभ जखन ई सुनि कऽ जे यीशु जीवित छथि आ हुनका सँ देखल गेलाह, तखन ओ सभ विश् वास नहि कयलनि।
12 तकर बाद ओ दू गोटे कैँ चलैत-फिरैत आ देश मे जाइत काल दोसर रूप मे प्रकट भेलाह।
13 ओ सभ जा कऽ शेष लोक सभ कैँ ई बात कहलथिन।
14 तकर बाद ओ एगारह गोटे कैँ भोजनक समय मे दर्शन कयलनि आ हुनका सभक अविश्वास आ कठोर हृदय सँ डाँटि देलनि, किएक तँ ओ सभ हुनका जीबि उठलाक बाद जे सभ हुनका देखने छलाह, हुनका सभ पर विश् वास नहि कयलनि।
15 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभ संसार मे जाउ आ सभ प्राणी कैँ सुसमाचार प्रचार करू।"
16 जे विश् वास करैत अछि आ बपतिस् मा लैत अछि, से उद्धार पाओत। मुदा जे विश् वास नहि करत से दोषी ठहराओल जायत।
17 ई सभ चिन् ह सभ विश् वास करयवला सभक पाछाँ चलत। हमर नाम पर ओ सभ दुष् टात् मा सभ कैँ भगाओत। ओ सभ नव भाषा मे बाजत।
18 ओ सभ साँप कैँ पकड़ि लेत। जँ ओ सभ कोनो घातक वस्तु पीबथि तँ ओकरा सभ कैँ कोनो नुकसान नहि होयत। ओ सभ बीमार सभ पर हाथ राखत आ ओ सभ ठीक भऽ जेताह।
19 तखन परमेश् वर हुनका सभ सँ बात कयला पर हुनका स् वर्ग मे लऽ गेलाह आ परमेश् वरक दहिना कात बैसलाह।
20 ओ सभ जा कऽ सभ ठाम प्रचार कयलनि, प्रभु हुनका सभक संग काज करैत छलाह आ हुनका सभक बाद चिन् त्र सभक संग वचन कैँ पुष्ट कयलनि। आमीन।

लूका के सुसमाचार

अध्याय 1

1 किएक तँ बहुतो लोक सभ अपना सभक बीच जे बात सभ पर विश् वास कयल गेल अछि, तकरा सभक प्रचार-प्रसार करबाक लेल हाथ मे उठौने छथि।
2 जेना ओ सभ हमरा सभक हाथ मे सौंपने छलाह, जे सभ शुरू सँ प्रत्यक्षदर्शी आ वचनक सेवक छलाह।
3 हे परम श्रेष्ठ थियोफिलस, हमरा सभ कैँ पहिने सँ सभ बात कैँ पूरा तरहेँ बुझल छल।
4 जाहि बातक अहाँ कैँ शिक्षा देल गेल अछि, तकर निश्चय अहाँ कैँ जानि सकब।
5 यहूदियाक राजा हेरोदेसक समय मे जकरयाह नामक एकटा पुरोहित छल जे अबियाक वंशक छल, ओकर पत्नी हारूनक बेटी मे सँ छल आ ओकर नाम एलिजाबेथ छल।
6 ओ दुनू गोटे परमेश् वरक समक्ष धर्मी छलाह, प्रभुक सभ आज्ञा आ नियम मे निर्दोष चलैत छलाह।
7 हुनका सभक कोनो संतान नहि छलनि, किएक तँ एलिजाबेथ बंजर छलीह आ दुनू गोटेक उम्र बढ़ि गेल छलनि।
8 जखन ओ अपन क्रमक अनुसार परमेश् वरक समक्ष पुरोहितक काज पूरा करैत छलाह।
9 पुरोहितक प्रथाक अनुसार हुनकर भाग्य परमेश् वरक मन् दिर मे जाइत काल धूप जरेबाक छलनि।
10 धूप-पानीक समय मे लोकक पूरा भीड़ बाहर प्रार्थना कऽ रहल छल।
11 धूप-वेदीक दहिना कात परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका दर्शन कयलनि।
12 जकरयाह हुनका देखि कऽ घबरा गेलाह आ भय भऽ गेलनि।
13 मुदा स् वर्गदूत हुनका कहलथिन, "जकराह, नहि डेराउ, किएक तँ अहाँक प्रार्थना सुनल गेल अछि। तोहर पत्नी एलिजाबेथ तोरा एकटा बेटा पैदा करतीह आ ओकर नाम यूहन्ना राखबह।
14 अहाँ कैँ आनन्द आ आनन्द भेटत। हुनकर जन्म पर बहुतो गोटे आनन्दित हेताह।
15 किएक तँ ओ प्रभुक नजरि मे महान होयत आ ने मदिरा पीत आ ने मद्यपान। ओ अपन मायक कोखि सँ पवित्र आत् मा सँ भरल रहत।
16 ओ इस्राएलक बहुतो लोक कैँ अपन परमेश् वर परमेश् वर दिस घुरताह।
17 ओ एलियाहक आत् मा आ सामर्थ् य मे हुनका सँ आगू बढ़ि कऽ पिता-पिता सभक मोन कैँ सन् तान सभक दिस आ आज्ञा नहि माननिहार सभक मोन कैँ धर्मी लोकक बुद्धि दिस घुमा देत। प्रभुक लेल तैयार लोक कैँ तैयार करबाक लेल।
18 जकरयाह स् वर्गदूत कैँ कहलथिन, "हम ई बात कोना बुझब?" किएक तँ हम बूढ़ छी, आ हमर पत्नी सेहो बूढ़ छी।
19 स् वर्गदूत हुनका कहलथिन, "हम जिब्राईल छी, जे परमेश् वरक समक्ष ठाढ़ छी। हम अहाँ सँ गप्प करबाक लेल पठाओल गेल छी आ अहाँ कैँ ई शुभ समाचार सुनाबय लेल पठाओल गेल छी।"
20 देखू, जाबत धरि ई सभ काज पूरा नहि होयत, ताबत धरि अहाँ गूंगा रहब आ बाजऽ मे सक्षम नहि रहब, किएक तँ अहाँ हमर बात पर विश्वास नहि करैत छी जे अपन समय मे पूरा होयत।
21 लोक जकरयाहक प्रतीक्षा मे लागल छल आ आश्चर्यचकित छल जे ओ एतेक दिन धरि मन् दिर मे रहलाह।
22 ओ बाहर निकलला पर हुनका सभ सँ गप्प नहि कऽ सकलाह आ ओ सभ बुझि गेलाह जे ओ मन् दिर मे कोनो दर्शन देखने छथि, किएक तँ ओ हुनका सभ कैँ इशारा कयलनि आ बेजुबान रहि गेलाह।
23 ओ अपन सेवाक दिन पूरा होइते अपन घर दिस विदा भेलाह।
24 ओहि दिनक बाद हुनकर पत्नी एलिजाबेथ गर्भवती भऽ पाँच मास धरि नुका कऽ कहलथिन।
25 जाहि दिन मे ओ हमरा दिस तकलनि, ताहि दिन मे प्रभु हमरा संग एहि तरहेँ व्यवहार कयलनि जाहि सँ मनुष् यक बीच हमर अपमान कैँ दूर कयल जाय।
26 छठम मास मे परमेश् वरक दिस सँ जिब्राईल स् वर्गदूत कैँ नासरत नामक गलील नगर मे पठा देल गेलनि।
27 दाऊदक वंशज यूसुफ नामक युवक सँ विवाह कयलनि। कुमारी के नाम मरियम छेलै।
28 तखन स् वर्गदूत हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, "हे यौ परमेश् वर परमेश् वर परमेश् वर अहाँक संग छथि।
29 ओ हुनका देखि हुनकर ई बात सँ घबरा गेलीह आ मोन मे आबि गेलीह जे ई कोन तरहक अभिवादन होयत।
30 स् वर्गदूत हुनका कहलथिन, "हे मरियम, नहि डेराउ, किएक तँ अहाँ परमेश् वरक अनुग्रह पाबि गेलहुँ।"
31 देखू, अहाँ अपन गर्भ मे गर्भवती भऽ कऽ एकटा पुत्र पैदा करब आ ओकर नाम यीशु राखब।
32 ओ महान होयत आ परमेश् वरक पुत्र कहल जायत।
33 ओ याकूबक घराना पर अनन्त काल धरि राज करत। ओकर राज्यक कोनो अंत नहि होयत।
34 मरियम स् वर्गदूत कैँ कहलथिन, "हम एक आदमी कैँ नहि चिन्हैत छी, ई कोना होयत?"
35 स् वर्गदूत उत्तर देलथिन, "पवित्र आत् मा तोरा पर आबि जायत आ परमेश् वरक सामर्थ् य तोरा पर छा जायत।
36 देखू, अहाँक पितियौत बहिन एलिजाबेथ सेहो बुढ़ापा मे एकटा बेटाक गर्भवती भऽ गेल छथि।
37 परमेश् वरक लेल कोनो बात असंभव नहि होयत।
38 मरियम कहलथिन, "देखू, प्रभुक दासी छथि। अहाँक वचनक अनुसार हमरा लेल हो।" स् वर्गदूत हुनका सँ विदा भऽ गेलाह।
39 ओहि दिन मे मरियम उठि कऽ हड़बड़ा कऽ पहाड़ी इलाका मे, यहूदाक एकटा नगर मे चलि गेलीह।
40 जकरयाहक घर मे जा कऽ एलिजाबेथ कैँ प्रणाम कयलनि।
41 एलिजाबेथ मरियमक अभिवादन सुनि कऽ ओ बच्चा हुनकर पेट मे कूदि गेल। एलिजाबेथ पवित्र आत् मा सँ भरि गेलीह।
42 ओ जोर-जोर सँ बजलीह, "अहाँ स् त्रीगण मे धन्य छी आ अहाँक गर्भक फल धन्य अछि।"
43 हमरा ई कतय सँ अछि जे हमर प्रभुक माय हमरा लग आबि जाथि?
44 देखू, जहिना अहाँक अभिवादनक आवाज हमरा कान मे बाजल तहिना ओ बच्चा हमरा पेट मे हर्ष सँ उछलि गेल।
45 ओ धन्य छथि जे विश् वास कयलनि, किएक तँ प्रभुक दिस सँ जे बात हुनका कहल गेल छलनि से पूरा होयत।
46 मरियम कहलथिन, "हमर प्राणी प्रभुक महिमा करैत अछि।
47 हमर आत् मा हमर उद्धारकर्ता परमेश् वर मे आनन्दित भेल अछि।
48 किएक तँ ओ अपन दासीक नीच सम्पत्ति कैँ ध्यान मे रखैत छथि, किएक तँ देखू, आब सँ सभ पीढ़ी हमरा धन्य कहत।

49 किएक तँ जे पराक्रमी अछि, से हमरा संग बहुत पैघ काज कयलक। आ ओकर नाम पवित्र अछि।
50 यीशुक दया ओहि सभ पर रहैत छनि जे हुनका डरैत छथि, पीढ़ी-दर-पीढ़ी।
51 ओ अपन बाँहि सँ सामर्थ्य देखौलनि। घमंडी लोक कैँ हृदयक कल्पना मे छिड़िया देने छथि।
52 ओ पराक्रमी सभ कैँ अपन आसन पर सँ उतारि कऽ नीचाँक लोक सभ कैँ ऊपर उठौलनि।
53 ओ भूखल कैँ नीक-नीक चीज सँ भरि देलनि। आ धनिक लोक कैँ ओ खाली पठा देलनि।
54 ओ अपन दयाक स्मरण मे अपन सेवक इस्राएल कैँ पकड़ने छथि।
55 जेना ओ हमरा सभक पूर्वज, अब्राहम आ हुनकर वंशज सँ अनन्त काल धरि कहने छलाह।
56 मरियम करीब तीन मास धरि हुनका संग रहलाह आ अपन घर वापस आबि गेलीह।
57 एलिजाबेथक प्रसवक पूरा समय आबि गेलनि। ओ एकटा बेटाक जन्म देलनि।
58 ओकर पड़ोसी आ ओकर पितियौत भाइ सभ सुनलकै जे प्रभु ओकरा पर बहुत दया केलकै। ओ सभ हुनका संग आनन्दित भऽ गेलाह।
59 आठम दिन ओ सभ बच्चाक खतना करऽ लेल अयलाह। ओ सभ ओकरा जकरयाह, ओकर पिताक नाम पर राखि देलक।
60 हुनकर माय उत्तर देलथिन, "एना नहि। मुदा हुनका यूहन् ना कहल जायत।
61 ओ सभ हुनका कहलथिन, "अहाँक परिजन मे सँ कियो एहन नहि अछि जे एहि नाम सँ बजाओल गेल हो।"
62 ओ सभ हुनकर पिता कैँ संकेत कयलनि जे ओ कोना हुनका बजाबय चाहैत छथि।
63 ओ लिखबाक पाटी माँगि कऽ लिखलनि जे, "ओकर नाम यूहन् ना अछि।" आ ओ सभ सभ आश्चर्यचकित भऽ गेल।
64 तुरन्त हुनकर मुँह खुजि गेलनि आ जीह खुजि गेलनि।
65 हुनका सभक चारू कात रहनिहार सभ लोक सभ कैँ भय भऽ गेलनि आ ई सभ बात यहूदियाक समस्त पहाड़ी इलाका मे प्रचारित भऽ गेलनि।
66 एहि बात सभक बात सुननिहार सभ अपना मोन मे राखि कऽ कहलथिन, "ई केहन बच्चा होयत?" प्रभुक हाथ हुनका संग छल।
67 ओकर पिता जकरयाह पवित्र आत् मा सँ भरि गेलाह आ भविष्यवाणी कयलनि।
68 इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वरक धन्य होउ। किएक तँ ओ अपन लोक सभ कैँ घुमि कऽ मुक् त कयलनि।
69 ओ अपन सेवक दाऊदक घर मे हमरा सभक लेल उद्धारक सींग उठौलनि।
70 जेना ओ अपन पवित्र प्रवक् ता सभक मुँह सँ कहने छलाह जे संसारक प्रारम्भहि सँ अछि।
71 जाहि सँ हम सभ अपन शत्रु सभ सँ आ हमरा सभ सँ घृणा करयवला सभक हाथ सँ उद्धार पाबि सकब।
72 अपन पूर्वज सभक प्रतिज्ञा कयल गेल दया कैँ पूरा करबाक लेल आ हुनकर पवित्र वाचाक स्मरण करबाक लेल।
73 ओ हमरा सभक पूर्वज अब्राहम कैँ जे शपथ ग्रहण कयलनि।
74 ओ हमरा सभ कैँ ई अनुमति देथिन जे हम सभ अपन शत्रु सभक हाथ सँ मुक्त भऽ कऽ निर्भीक हुनकर सेवा कऽ सकब।
75 जीवन भरि हुनका सामने पवित्र आ धार्मिकता मे रहू।
76 हे बच्ची, अहाँ परमेश् वरक प्रवक् ता कहल जाएब, किएक तँ अहाँ प्रभुक मुँहक सोझाँ जा कऽ हुनकर बाट तैयार करब।
77 ओ अपन पापक क्षमा द्वारा अपन प्रजा सभ कैँ उद्धारक ज्ञान देब।
78 हमरा सभक परमेश् वरक कोमल दयाक कारणेँ। जाहि सँ ऊपर सँ दिनक वसंत हमरा सभ कैँ आबि गेल अछि।
79 अन्हार आ मृत्युक छाया मे बैसल लोक सभ कैँ इजोत देबाक लेल हमरा सभक पएर कैँ शान्तिक बाट मे मार्गदर्शन करबाक लेल।
80 ओ बच्चा बढ़ैत गेल आ आत् मा मजबूत होइत गेल आ इस्राएलक समक्ष प्रगट करबाक दिन धरि मरुभूमि मे रहल।

अध्याय 2

1 ओहि समय मे सीजर अगस्तक आज्ञा देल गेल जे पूरा संसार मे कर लगाओल जाय।
2 (आ ई कर पहिल बेर तखन भेल जखन कुरेनियुस सीरियाक गवर्नर छलाह।)
3 सभ कियो अपन-अपन नगर मे कर लगाबय लेल गेलाह।
4 यूसुफ सेहो नासरत नगर सँ गलील सँ यहूदिया मे दाऊदक नगर मे चलि गेलाह, जकरा बेतलेहेम कहल जाइत छैक। (किएक तँ ओ दाऊदक घर आ वंशक छलाह।)
5 गर्भवती भेला पर हुनकर विवाहित पत्नी मरियमक संग कर लगाओल जायत।
6 जखन ओ सभ ओतऽ रहथि ताबत हुनकर प्रसवक दिन पूरा भऽ गेलनि।
7 ओ अपन जेठ पुत्र कैँ लऽ कऽ वस्त्र मे लपेटि कऽ चरबाह मे राखि देलथिन। कारण सराय मे हुनका लोकनिक लेल कोनो जगह नहि छलनि।
8 ओहि देश मे चरबाह सभ खेत मे रहैत छल आ राति मे अपन भैँड़ाक पहरा दैत छल।
9 देखू, परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका सभ पर आबि गेलाह आ प्रभुक महिमा हुनका सभक चारू कात चमकि गेलनि।
10 स् वर्गदूत हुनका सभ कैँ कहलथिन, "नहि डरू, किएक तँ हम अहाँ सभ कैँ बहुत आनन्दक शुभ समाचार दऽ रहल छी जे सभ लोकक लेल होयत।"
11 अहाँ सभक लेल आइ दाऊदक नगर मे एकटा उद्धारकर्ताक जन्म भेल अछि, जे मसीह प्रभु छथि।
12 ई अहाँ सभक लेल चिन् ह। अहाँ सभ कैँ ओहि बच्चा कैँ लपेटल कपड़ा मे लपेटल भेटत, जे चरबाह मे पड़ल अछि।
13 अचानक स् वर्गदूतक संग स् वर्गीय सेनाक भीड़ परमेश् वरक स्तुति कऽ कऽ कहलक।
14 परमेश् वरक महिमा होउ, आ पृथ् वी पर शान् ति आ मनुष् यक प्रति सद्भावना।
15 जखन स् वर्गदूत सभ हुनका सभ सँ स् वर्ग मे चलि गेलाह तखन चरबाह सभ एक-दोसर सँ कहलथिन, "आउ, आब बेतलेहेम जा कऽ ई घटना देखब जे प्रभु द्वारा कयल गेल अछि।" हम सब।
16 ओ सभ जल्दबाजी मे आबि कऽ मरियम, यूसुफ आ बच्चा कैँ चरबाह मे पड़ल देखलनि।
17 ओ सभ एकरा देखि कऽ ओ सभ एहि बच्चाक विषय मे जे बात कहल गेल छल, तकरा सभ कैँ प्रचारित कयलनि।

18 ई बात सुननिहार सभ लोक सभ आश्चर्यचकित भS गेलाह जे चरबाह सभ हुनका सभ कैँ कहल गेल छलनि।
19 मरियम एहि सभ बात कैँ अपना मोन मे मनन करैत रहलीह।
20 चरबाह सभ ओहि सभ बातक लेल परमेश् वरक महिमा आ स्तुति करैत घुरि गेलाह, जेना हुनका सभ कैँ कहल गेल छलनि।
21 जखन बच्चाक खतना करबाक आठ दिन पूरा भेल तखन ओकर नाम यीशु राखल गेल, जकर नाम स् वर्गदूत द्वारा गर्भ मे रहबा सँ पहिने राखल गेल छल।
22 मूसाक धर्म-नियमक अनुसार ओकर शुद्धिकरणक दिन पूरा भेला पर ओ सभ हुनका यरूशलेम लS कS प्रभुक समक्ष प्रस्तुत कयलनि।
23 (जेना कि प्रभुक नियम मे लिखल अछि जे, "जे पुरुष गर्भ खोलत, ओकरा प्रभुक लेल पवित्र कहल जायत।"
24 परमेश् वरक नियम मे जे कहल गेल अछि, "एक जोड़ी कबूतर वा दूटा कबूतरक बच्चाक अनुसार बलि चढ़ाओल जाय।"
25 यरूशलेम मे एक आदमी छल, जकर नाम शिमोन छल। वएह आदमी धर्मी आ भक्तिशील छल आ इस्राएलक सान्त्वनाक प्रतीक्षा मे छल।
26 पवित्र आत् मा द्वारा हुनका ई प्रगट कयल गेलनि जे प्रभुक मसीह कैँ देखबा सँ पहिने ओ मृत्यु नहि देखथि।
27 ओ आत् माक द्वारा मन् दिर मे आबि गेलाह।
28 तखन यीशु हुनका कोरा मे लS कS परमेश् वरक आशीष दS कहलथिन।
29 प्रभु, आब अहाँ अपन सेवक कैँ अपन वचनक अनुसार शान्तिपूर्वक विदा होमय दियौक।
30 किएक तँ हमर आँखि अहाँक उद्धार देखि लेलक।
31 जे अहाँ सभ लोकक सोझाँ तैयार कएने छी।
32 गैर-यहूदी सभ कैँ आ अहाँक प्रजा इस्राएलक महिमा कैँ रोशन करबाक लेल इजोत।
33 यूसुफ आ हुनकर माय हुनका बारे मे जे बात कहल गेल छलनि से देखि आश्चर्यचकित भS गेलाह।
34 शिमोन हुनका सभ कैँ आशीर्वाद देलथिन आ अपन माय मरियम कैँ कहलथिन, "देखू, ई बच्चा इस्राएल मे बहुतो लोकक पतन आ जीबि उठबाक लेल राखल गेल अछि। आ एकटा एहन चिन्हक लेल जकर विरोध कयल जायत।
35 (हँ, तलवार तोहर अपन प्राण मे सेहो छेदत) जाहि सँ बहुतो हृदयक विचार प्रकट भ' जाय।
36 आसेर वंशक फनुएलक बेटी हन्ना एकटा प्रवक् ता छलीह।
37 ओ करीब चारि सत्तरि वर्षक विधवा छलीह जे मंदिर सँ नहि विदा भेलीह, बल् कि राति-दिन उपवास आ प्रार्थना करैत परमेश् वरक सेवा करैत छलीह।
38 ओ ओहि क्षण आबि कS प्रभु कैँ धन्यवाद देलनि आ यरूशलेम मे मोक्षक प्रतीक्षा मे रहल सभ लोक सभ सँ हुनकर बारे मे बजलीह।
39 ओ सभ प्रभुक नियमक अनुसार सभ काज पूरा कS कS ओ सभ गलील, अपन नगर नासरत घुरि गेलाह।
40 ओ बच्चा बढ़ैत गेल आ बुद्धि सँ भरल आत् मा मजबूत भS गेल।
41 हुनकर माता-पिता सभ साल फसह-पाबनि मे यरूशलेम जाइत छलाह।
42 यीशु बारह वर्षक भेला पर ओ सभ भोजक प्रथाक अनुसार यरूशलेम चलि गेलाह।
43 ओ सभ दिन पूरा भेला पर जखन ओ सभ घुरि कS अबैत छलाह तँ बच्चा यीशु यरूशलेम मे रहि गेलाह। यूसुफ आ ओकर माय कैँ ई बात नहि बुझल छलैक।
44 मुदा ओ सभ हुनका संगमे रहल बुझि एक दिनक यात्रा विदा भेलाह। ओ सभ अपन परिजन आ परिचित लोकक बीच हुनका तकलनि।
45 जखन ओ सभ हुनका नहि भेटलनि तँ ओ सभ हुनका तकबाक लेल यरूशलेम घुरि गेलाह।
46 तीन दिनक बाद ओ सभ हुनका मन् दिर मे, वैद्यक बीच बैसल पाबि गेलाह, जे दुनू गोटे हुनका सभक बात सुनैत छलाह आ हुनका सभ सँ प्रश्न पूछैत छलाह।
47 हुनकर बात सुननिहार सभ हुनकर समझ आ उत्तर देखि आश्चर्यचकित भS गेलाह।
48 हुनका देखि ओ सभ आश्चर्यचकित भS गेलाह, तखन हुनकर माय हुनका कहलथिन, "बौआ, अहाँ हमरा सभक संग एहन व्यवहार किएक केलहुँ?" देखू, हम आ अहाँक पिता अहाँ कैँ दुखी भ' क' तकलहुँ।"
49 ओ हुनका सभ कैँ पुछलथिन, " अहाँ सभ हमरा कोना तकलहुँ?" की अहाँ सभ नहि जे हमरा अपन पिताक काज मे रहबाक चाही?
50 ओ सभ हुनका सभ कैँ कहल बात नहि बुझलनि।
51 यीशु हुनका सभक संग जा कS नासरत आबि हुनका सभक अधीन रहलाह।
52 यीशु बुद्धि आ कद मे बढ़ि गेलाह आ परमेश् वर आ मनुष् यक अनुग्रह मे बढ़ि गेलाह।

अध्याय 3

1 तिबेरियस कैसरक शासनक पन्द्रहम वर्ष मे, पोन्टियुस पिलातुस यहूदियाक राज्यपाल, हेरोदेस गलील प्रदेशक राज्यपाल, ओकर भाय फिलिप इटुरिया आ त्राकोनिटिस क्षेत्रक राज्यपाल, आ लाइसानिया अबिलीनक राज्यपाल।
2 हन्ना आ काइफा महापुरोहित छलाह, मुदा जंगल मे जकरयाहक पुत्र यूहन् ना कैँ परमेश् वरक वचन आयल।
3 ओ पापक क्षमाक लेल पश्चाताप करबाक बपतिस् माक प्रचार करैत यरदनक चारूकातक समस्त देश मे आबि गेलाह।
4 जेना यशायाह प्रवक् ताक वचनक पुस्तक मे लिखल अछि जे, "मरुभूमि मे एकटाक आवाज, "प्रभुक बाट तैयार करू, हुनकर बाट सोझ करू।"
5 हर घाटी भरि जायत, हर पहाड़ आ पहाड़ी नीचाँ खसा देल जायत। टेढ़-टेढ़ बाट सोझ भ' जायत, आ खुरदुरा बाट चिकना भ' जायत।
6 सभ मनुष्य परमेश् वरक उद्धार देखि लेत।
7 तखन यीशु बपतिस् मा लेबS लेल निकलल भीड़ सभ कैँ कहलथिन, "हे साँपक पीढ़ी, आगामी क्रोध सँ पलायन करबाक लेल के चेतौने अछि?"
8 तेँ पश्चाताप करबाक योग्य फल पैदा करू आ अपना भीतर ई नहि कहब जे, 'हमरा सभक पिता अब्राहम छथि, किएक तँ हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे परमेश् वर एहि पाथर सभ सँ अब्राहमक संतान पैदा करबा मे सक्षम छथि।"
9 आब गाछक जड़ि धरि कुल्हाड़ी राखि देल गेल अछि।
10 लोक सभ हुनका सँ पुछलथिन, "तखन हम सभ की करब?"

11 ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, "जेकरा लग दू टा कोट
अछि, ओकरा ओ कोट नहि अछि। आ जकरा भोजन अछि,
तकरा सेहो एहने करऽ।
12 तखन कर लेनिहार सेहो बपतिस् मा लेबाक लेल आबि कऽ
पुछलथिन, "गुरु, हम सभ की करब?"
13 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ केँ जे किछु निर्धारित
कयल गेल अछि, ताहि सँ बेसी नहि करू।"
14 सिपाही सभ सेहो हुनका सँ पूछलथिन, "हम सभ की करब?"
ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "ककरो पर कोनो हिंसा नहि करू
आ ने ककरो पर झूठ आरोप लगाउ। आ अपन मजदूरी पर संतुष्ट
रहू।
15 जहिना लोक सभ प्रतीक्षा मे छल आ सभ लोक मोन मे यूहन्ना
पर चिंतन करैत छल जे ओ मसीह छथि वा नहि।
16 यूहन् ना सभ केँ उत्तर देलथिन, "हम अहाँ सभ केँ पानि सँ
बपतिस् मा दैत छी। मुदा हमरा सँ बेसी शक्तिशाली केओ आबि
रहल अछि, जकर जूताक पट्टी हम खोलबाक योग्य नहि छी।
17 ओकर हाथ मे ओकर खंभा छैक आ ओ अपन फर्श केँ नीक
जकाँ साफ कऽ लेत आ गहूम केँ अपन भंडार मे जमा करत।
मुदा भूसा केँ ओ अमिट आगि मे जरा देत।
18 ओ अपन उपदेश मे आरो बहुत रास बात लोक सभ केँ प्रचार
कयलनि।
19 मुदा राजकीय हेरोदेस अपन भाय फिलिप्प केर पत्नी हेरोदिया
आ हेरोदेस द्वारा कयल गेल सभटा दुष्कर्मक कारणेँ हुनका द्वारा
डाँटल गेलनि।
20 सभ सँ बेसी ई बात जोड़ि देलनि जे ओ यूहन् ना केँ जेल मे
बंद कऽ देलनि।
21 जखन सभ लोक बपतिस् मा लेलक तँ यीशु सेहो बपतिस् मा
लैत आ प्रार्थना करैत स् वर्ग खुजि गेल।
22 पवित्र आत् मा कबूतर जकाँ शरीरक आकार मे हुनका पर
उतरि गेलाह आ स् वर्ग सँ एकटा आवाज आयल जे "अहाँ हमर
प्रिय पुत्र छी।" अहाँ मे हम प्रसन्न छी।
23 यीशु अपन उमेर करीब तीस वर्षक भऽ गेलाह।
24 ओ मत्तक पुत्र छल, जे लेवीक पुत्र छल, जे मल्कीक पुत्र छल,
जे जन्नाक पुत्र छल, जे यूसुफक पुत्र छल।
25 ओ मत्ताथियासक पुत्र छल, जे आमोसक पुत्र छल, जे नाउमक
पुत्र छल, जे एस्लीक पुत्र छल, जे नग्गे के पुत्र छल।
26 ओ माथक पुत्र छल, जे मत्तीयासक पुत्र छल, जे सेमेईक पुत्र
छल, जे यूसुफक पुत्र छल, जे यहूदाक पुत्र छल।
27 ओ योआनाक पुत्र छल, जे रेसाक पुत्र छल, जे सोरोबाबेलक
पुत्र छल, जे सलाथिएलक पुत्र छल, जे नेरीक पुत्र छल।
28 ओ मल्कीक पुत्र छल, जे अदीक पुत्र छल, जे कोसमक पुत्र
छल, जे एलमोदामक पुत्र छल, जे एरक पुत्र छल।
29 ओ योसेक पुत्र छल, जे एलीएजरक पुत्र छल, जे योरीमक पुत्र
छल, जे मत्तक पुत्र छल, जे लेवीक पुत्र छल।
30 ओ शिमोनक पुत्र छल, जे यहूदाक पुत्र छल, जे यूसुफक पुत्र
छल, जे योनानक पुत्र छल, जे एलियाकीमक पुत्र छल।
31 ओ मेलेआक पुत्र छल, जे मेनानक पुत्र छल, जे मत्तथाक पुत्र
छल, जे नाथनक पुत्र छल, जे दाऊदक पुत्र छल।
32 ओ जेसीक पुत्र छल, जे ओबेदक पुत्र छल, जे बूजक पुत्र छल,
जे सल्मोनक पुत्र छल, जे नासोनक पुत्र छल।
33 ओ अमीनादबक पुत्र छल, जे अरामक पुत्र छल, जे एस्रोमक
पुत्र छल, जे फारेसक पुत्र छल, जे यहूदाक पुत्र छल।
34 ओ याकूबक पुत्र छल, जे इसहाकक पुत्र छल, जे अब्राहमक
पुत्र छल, जे थाराक पुत्र छल, जे नाकोरक पुत्र छल।
35 ओ सरुचक पुत्र छल, जे रगौक पुत्र छल, जे फालेक्सक पुत्र
छल, जे हेबरक पुत्र छल, जे सालाक पुत्र छल।
36 ओ कैननक पुत्र छल, जे अर्फाक्सदक पुत्र छल, जे सेमक पुत्र
छल, जे नोआक पुत्र छल, जे लामेकक पुत्र छल।
37 ओ मथुसाला के पुत्र छल, जे हनोक के बेटा छल, जे यारेद के
बेटा छल, जे मलेएल के बेटा छल, जे कैनन के बेटा छल।
38 ओ हनोसक पुत्र छल, जे सेतक पुत्र छल, जे आदमक पुत्र
छल, जे परमेश् वरक पुत्र छल।

अध्याय 4

1 यीशु पवित्र आत् मा सँ भरल यरदन सँ घुरि अयलाह आ आत्
मा द्वारा निर्जन क्षेत्र मे लऽ गेलाह।
2 चालीस दिन धरि शैतानक परीक्षा मे पड़ल रहलाह। ओहि दिन
मे ओ किछु नहि खाइत छलाह, आ जखन ओ सभ समाप्त भेलाह
तखन हुनका भूख लागि गेलनि।
3 शैतान हुनका कहलथिन, "जँ अहाँ परमेश् वरक पुत्र छी तँ एहि
पाथर केँ रोटी बनेबाक आज्ञा दियौक।"
4 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे,
"मनुष् य मात्र रोटी सँ नहि, बल् कि परमेश् वरक प्रत् येक वचन
सँ जीवित रहत।"
5 शैतान ओकरा एकटा ऊँच पहाड़ पर लऽ कऽ क्षण भरि मे
ओकरा संसारक सभ राज्य देखा देलक।
6 शैतान हुनका कहलथिन, "हम अहाँ केँ ई सभ सामर्थ्य आ
हुनका सभक महिमा देबनि। आ जकरा हम चाहब ओकरा दऽ
दैत छी।
7 तेँ जँ अहाँ हमर आराधना करब तँ सभ किछु अहाँक होयत।
8 यीशु उत्तर देलथिन, " शैतान, हमरा पाछू हटि जाउ, किएक तँ
धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, "अहाँ अपन प्रभु परमेश् वरक
आराधना करू आ मात्र हुनकर सेवा करू।"
9 ओ ओकरा यरूशलेम लऽ कऽ मन् दिरक शिखर पर बैसा कऽ
कहलथिन, "अहाँ जँ परमेश् वरक पुत्र छी तँ एतऽ सँ नीचाँ फेकि
दिअ।
10 धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, "ओ अहाँक रक्षा करबाक लेल
अपन स् वर्गदूत सभ केँ आज्ञा देथिन।"
11 ओ सभ अहाँ केँ अपन हाथ मे उठा लेत, जाहि सँ अहाँ
कहियो अपन पैर पाथर पर नहि ठोकि देब।
12 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " कहल गेल अछि जे, "अहाँ अपन
प्रभु परमेश् वर केँ परीक्षा नहि देब।"
13 जखन शैतान सभ परीक्षा केँ समाप्त कऽ लेलक तँ ओ किछु
समयक लेल हुनका सँ विदा भऽ गेलाह।
14 यीशु आत् माक सामर्थ् य मे गलील घुरि गेलाह।
15 ओ सभ हुनका सभक सभाघर मे शिक्षा दैत छलाह आ सभ
लोकक महिमा होइत छलनि।
16 ओ नासरत पहुँचलाह, जतय हुनकर पालन-पोषण भेल
छलनि।
17 तखन हुनका यशायाह प्रवक् ताक पुस्तक सौंपल गेलनि। ओ
पोथी खोलि कऽ ओ स् थान भेटलनि जतय लिखल छलनि।
18 प्रभुक आत् मा हमरा पर अछि, किएक तँ ओ हमरा गरीब
सभ केँ सुसमाचार प्रचार करबाक लेल अभिषेक कयलनि। ओ
हमरा टुटल-फुटल मोन केँ ठीक करबाक लेल पठौलनि अछि, जे

हम बंदी सभ कें उद्धार करबाक प्रचार करी, आ आन्हर सभ कें दृष्टि ठीक होयबाक प्रचार करी।
19 प्रभुक स्वीकार्य वर्षक प्रचार करबाक लेल।
20 ओ किताब बन्न कऽ कऽ सेवक कें फेर सँ दऽ कऽ बैसि गेलाह। सभाघर मे रहनिहार सभक नजरि हुनका पर टिकल छलनि।
21 ओ हुनका सभ कें कहलथिन, " आइ ई शास्त्र अहाँ सभक कान मे पूरा भऽ गेल अछि।"
22 सभ हुनका गवाही देलथिन आ हुनकर मुँह सँ निकलल कृपालु वचन देखि आश्चर्यचकित भऽ गेलाह। ओ सभ पुछलथिन, "की ई यूसुफक बेटा नहि अछि?"
23 ओ हुनका सभ कें कहलथिन, " अहाँ सभ हमरा ई फकड़ा अवश्य कहब, "वैद्य, अपना कें ठीक करू।"
24 ओ कहलथिन, " हम अहाँ सभ कें सत् य कहैत छी जे, कोनो प्रवक् ता कें अपन देश मे स्वीकार नहि कयल जाइत अछि।"
25 मुदा हम अहाँ सभ कें सत् य कहैत छी जे एलियाहक समय मे इस्राएल मे बहुतो विधवा छल, जखन तीन वर्ष छह मास धरि स् वर्ग बंद छल, जखन पूरा देश मे बहुत अकाल पड़ि गेल छल।
26 मुदा एलियाह कें सिदोन नगरक सरेप्ता कें छोड़ि कऽ किनको विधवा स् त्री कें नहि पठाओल गेल।
27 एलीसिया प्रवक् ताक समय मे इस्राएल मे बहुतो कोढ़ी छल। अरामी नामान छोड़ि ओकरा सभ मे सँ कियो शुद्ध नहि भेल।
28 सभाघर मे बैसल सभ लोक सभ ई बात सुनि कऽ क्रोधित भऽ गेलाह।
29 ओ सभ उठि कऽ ओकरा नगर सँ बाहर निकालि कऽ ओहि पहाड़ी पर लऽ गेलाह जाहि पर हुनका लोकनिक नगर बनल छलनि।
30 मुदा यीशु हुनका सभक बीच सँ गुजरि गेलाह।
31 ओ गलीलक कफरनहूम नगर मे उतरि कऽ विश्राम-दिन मे हुनका सभ कें शिक्षा दैत छलाह।
32 ओ सभ हुनकर शिक्षा देखि आश्चर्यचकित भऽ गेलाह, किएक तँ हुनकर वचन सामर्थ्यक संग छलनि।
33 सभाघर मे एक आदमी छल, जकरा मे अशुद्ध दुष्टात्मा छल आ जोर-जोर सँ चिचिया उठल।
34 ओ कहलनि, "हमरा सभ कें छोड़ि दियौक। हे नासरतक यीशु, तोरा सँ हमरा सभक की लेना-देना अछि? की अहाँ हमरा सभक नाश करय लेल आयल छी? हम तोरा जनैत छी जे अहाँ के छी। परमेश् वरक पवित्र।
35 यीशु हुनका डाँटैत कहलथिन, " अपन चुप रहू आ हुनका मे सँ बाहर निकलू।" जखन शैतान हुनका बीच मे फेकि देलकनि तखन ओ हुनका मे सँ बाहर निकलि गेलाह आ हुनका कोनो चोट नहि पहुँचौलनि।
36 ओ सभ आश्चर्यचकित भऽ कऽ आपस मे बजैत रहलाह, "ई केहन बात अछि?" किएक तँ ओ अशुद्ध आत् मा सभ कें अधिकार आ सामर्थ् य सँ आज्ञा दैत छथि आ ओ सभ बाहर निकलि जाइत छथि।
37 हुनकर प्रसिद्धि चारू कात इलाका मे चलि गेलनि।
38 ओ सभाघर सँ उठि कऽ सिमोनक घर मे प्रवेश कयलनि। सिमोनक पत्नीक माय कें बहुत बोखार भ' गेलनि। ओ सभ हुनका सँ हुनका लेल विनती कयलनि।
39 ओ ओकरा ऊपर ठाढ़ भऽ बोखार कें डाँटि देलक। ओ ओकरा छोड़ि देलक।
40 सूर्यास्त भेला पर सभ तरहक बीमारी सँ पीड़ित सभ हुनका सभ कें हुनका लग अनलनि। ओ सभ एक-एकटा पर हाथ राखि कऽ हुनका सभ कें ठीक कऽ देलथिन।
41 बहुतो लोकक बीच सँ दुष्टात्मा सभ सेहो चिचियाइत बाजल, "अहाँ परमेश् वरक पुत्र मसीह छी।" ओ ओकरा सभ कें डाँटि कऽ ओकरा सभ कें बाजऽ नहि देलथिन, किएक तँ ओ सभ जनैत छल जे ओ मसीह छथि।
42 भोर भेला पर यीशु विदा भऽ कऽ मरुभूमि मे चलि गेलाह आ लोक सभ हुनका खोजि कऽ हुनका लग आबि कऽ हुनका रोकि देलकनि जाहि सँ ओ हुनका सभ सँ नहि हटथि।
43 ओ हुनका सभ कें कहलथिन, " हमरा परमेश् वरक राज् यक प्रचार आन नगर सभ मे सेहो करबाक अछि।
44 ओ गलीलक सभाघर मे प्रचार करैत छलाह।

अध्याय 5

1 जखन लोक सभ परमेश् वरक वचन सुनबाक लेल हुनका पर धड़कैत छल, तखन ओ गेनेसरत झील लग ठाढ़ भऽ गेलाह।
2 ओ पोखरि कात मे दू टा नाव ठाढ़ देखलनि, मुदा मलाह सभ ओहि मे सँ निकलि गेल छल आ जाल धो रहल छल।
3 तखन ओ सिमोनक एकटा नाव मे बैसि कऽ हुनका सँ प्रार्थना कयलनि जे ओ देश सँ कनेक बाहर निकालि दिअ। ओ बैसि कऽ लोक सभ कें नाव सँ बाहर सिखबैत रहलाह।
4 जखन ओ बाजब छोड़ि कऽ सिमोन कें कहलथिन, " गहिर मे उतारि कऽ अपन जाल कें खसबाक लेल उतारू।"
5 सिमोन उत्तर देलथिन, "गुरु, हम सभ राति भरि मेहनति कऽ कऽ किछु नहि लेलहुँ।
6 ई काज पूरा कऽ कऽ ओ सभ बहुत रास माछ पकड़ि लेलक आ ओकर जाल टूटि गेल।
7 ओ सभ दोसर नाव मे बैसल अपन साथी सभ कें इशारा कयलनि जे ओ सभ आबि कऽ हुनका सभक सहायता करथि। ओ सभ आबि कऽ दुनू नाव कें भरि देलक आ ओ सभ डूबऽ लागल।
8 सिमोन पत्रुस जखन ई देखि यीशुक ठेहुन पर खसि पड़लाह आ कहलथिन, "हमरा सँ चलि जाउ। कारण, हे प्रभु, हम पापी छी।
9 ओ सभ माछक झोंक देखि ओ आ ओकर संग मे रहनिहार सभ चकित भऽ गेलाह।
10 जखन सिमोनक संगी याकूब आ यूहन् ना सेहो छलाह। यीशु सिमोन कें कहलथिन, " डरब नहि। आब सँ अहाँ मनुष्य कें पकड़ब।"
11 जखन ओ सभ अपन नाव सभ जमीन पर आनि कऽ सभटा छोड़ि हुनकर पाछाँ लागि गेलाह।
12 जखन ओ कोनो नगर मे छलाह तखन कोढ़ सँ भरल एकटा आदमी देखलनि।
13 ओ हाथ बढ़ा कऽ ओकरा छूबि कऽ कहलथिन, " हम चाहब। तखने कोढ़ हुनका सँ दूर भऽ गेलनि।
14 ओ हुनका आज्ञा देलथिन जे ओ ककरो नहि कहथि, बल् कि जाउ, पुरोहित कें देखाउ आ मूसाक आज्ञा अनुसार अपन शुद्धि लेल चढ़ा दियौक, जाहि सँ हुनका सभक गवाही हो।
15 मुदा ओतेक बेसी हुनकर प्रसिद्धि बढ़ि गेलनि।
16 ओ मरुभूमि मे हटि कऽ प्रार्थना कयलनि।
17 एक दिन जखन ओ शिक्षा दैत छलाह तँ ओहि ठाम फरिसी आ धर्म-नियमक वैद्य सभ बैसल छलाह, जे गलील, यहूदिया आ

यरूशलेमक प्रत्येक नगर सँ बाहर निकलल छलाह हुनका सभकेँ ठीक करबाक लेल उपस्थित छलाह।
18 लोक सभ एकटा लकवा मारल गेल आदमी केँ ओछाओन पर अनलक।
19 जखन ओ सभ लोकक कारणेँ ओकरा कोन बाट सँ आनि सकैत अछि से नहि पाबि सकलाह, तखन ओ सभ घरक ऊपर चढ़ि गेलाह आ ओकरा खपड़ाक बीच मे बैसा कऽ यीशुक सोझाँ मे बैसा देलथिन।
20 ओ हुनका सभक विश् वास देखि कऽ कहलथिन, " यौ, तोहर पाप माफ भऽ गेलौ।"
21 धर्मशास्त्री आ फरिसी सभ तर्क-वितर्क करय लगलाह, "ई के अछि जे निन्दा करैत अछि?" पाप के क्षमा क सकैत अछि, मुदा केवल भगवान्?
22 यीशु हुनका सभक विचार बुझि हुनका सभ केँ कहलथिन, " अहाँ सभ मोन मे की तर्क दैत छी?"
23 ई कहब जे, 'अहाँक पाप क्षमा भऽ गेलौह, से एहि सँ बेसी सहज अछि। आकि ई कहब जे "उठि कऽ चलू?"
24 मुदा एहि लेल जे अहाँ सभ ई जानि सकब जे मनुख-पुत्र केँ पृथ् वी पर पाप क्षमा करबाक अधिकार छनि, (ओ लकवाग्रस्त केँ कहलथिन, " हम अहाँ केँ कहैत छी जे उठू आ अपन सोफा उठा कऽ अपन घर मे जाउ।"
25 ओ तुरत हुनका सभक सोझाँ उठि कऽ परमेश् वरक महिमा करैत अपन घर दिस विदा भेलाह।
26 ओ सभ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह आ परमेश् वरक महिमा कऽ कऽ भयभीत भऽ गेलाह जे, "आइ हम सभ विचित्र बात देखलहुँ।"
केँ दरसखाना पर बैसल देखलनि।
28 ओ सभ किछु छोड़ि उठि कऽ हुनका पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह।
29 लेवी हुनका अपन घर मे एकटा पैघ भोज बनौलनि, आ कर लेनिहार आ आन लोकक बहुत रास मंडली हुनका सभक संग बैसल छलाह।
30 मुदा ओकर सभक शास्त्री आ फरिसी सभ हुनकर शिष् य सभ पर बड़बड़ाइत कहलथिन, "अहाँ सभ कर वसूली आ पापी सभक संग किएक खा-पीबैत छी?"
31 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " स्वस्थ लोक केँ वैद्यक आवश्यकता नहि। मुदा जे बीमार अछि।
32 हम धर्मी लोक केँ नहि बल् कि पापी सभ केँ पश्चाताप करबाक लेल बजबय लेल आयल छी।
33 ओ सभ हुनका कहलथिन, "यूहन्नाक शिष् य सभ बेर-बेर उपवास आ प्रार्थना किएक करैत छथि आ फरिसी सभक शिष् य सभ सेहो किएक। मुदा तोहर खाइत-पीबैत छी?
34 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " की अहाँ सभ वरक संग रहबाक समय मे बरियाती सभ केँ उपवास कऽ सकैत छी?"
35 मुदा ओ दिन आओत जखन वर केँ हुनका सभ सँ दूर कऽ देल जायत आ ओहि दिन मे ओ सभ उपवास करताह।
36 ओ हुनका सभ केँ एकटा दृष्टान्त सेहो कहलथिन। नव वस्त्रक टुकड़ी पुरान वस्त्र पर केओ नहि पहिरैत अछि। जँ से नहि तँ नवका दुनूक किराया भेटैत छैक आ नवका मे सँ जे टुकड़ा निकालल गेल छलैक से पुरनका सँ मेल नहि खाइत छैक।
37 नव मदिरा केओ पुरान डिब्बा मे नहि डालैत अछि। नहि तऽ नवका मदिरा बोतल सभ फाड़ि कऽ उझलि जायत आ बोतल सभ नष्ट भऽ जायत।
38 मुदा नवका मदिरा केँ नवका बोतल मे राखय पड़त। आ दुनू सुरक्षित अछि।
39 पुरान शराब पीबि कऽ केओ तुरन्त नवका शराबक इच्छा नहि करैत अछि, किएक तँ ओ कहैत अछि जे, "पुरान शराब नीक अछि।"

अध्याय 6

1 पहिल विश्राम-दिनक बाद दोसर विश्राम-दिन मे ओ धानक खेत मे घुमि गेलाह। हुनकर शिष् य सभ धानक कान तोड़ि कऽ हाथ मे रगड़ैत खाइत रहलाह।
2 किछु फरिसी सभ हुनका सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ विश्राम-दिन मे जे काज करबाक उचित नहि अछि से किएक करैत छी?"
3 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " की अहाँ सभ एतेक नहि पढ़ने छी जे दाऊद आ हुनका संग जे लोक सभ भूखल छलाह तखन की केलथि।
4 ओ कोना परमेश् वरक घर मे जा कऽ देखाबटी रोटी लऽ कऽ खा गेलाह आ अपन संग रहनिहार सभ केँ सेहो दऽ देलथिन। जकरा खाएब उचित नहि अछि, बल् कि मात्र पुरोहित सभक लेल?
5 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "मनुष्य-पुत्र विश्राम-दिनक प्रभु सेहो छथि।"
6 दोसर विश्राम-दिन मे ओ सभाघर मे जा कऽ शिक्षा दैत छलाह।
7 धर्मशास्त्री आ फरिसी सभ हुनका पर नजरि रखलनि जे ओ विश्राम-दिन मे ठीक करताह कि नहि। जाहि सँ हुनका पर कोनो आरोप लागय।
8 मुदा ओ हुनका सभक विचार केँ जानि कऽ मुरझाएल हाथ बला आदमी केँ कहलथिन, " उठि कऽ बीच मे ठाढ़ भऽ जाउ।" ओ उठि कऽ ठाढ़ भऽ गेलाह।
9 तखन यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, " हम अहाँ सभ सँ एकटा बात पूछब। विश्राम-दिन मे नीक काज करब उचित अछि आकि अधलाह? जान बचाबय लेल, आकि ओकरा नष्ट करय लेल?
10 चारू कात देखि ओ ओहि आदमी केँ कहलथिन, " अपन हाथ बढ़ाउ।" ओ एना कयलनि आ हुनकर हाथ दोसर जकाँ ठीक भऽ गेलनि।
11 ओ सभ पागलपन सँ भरि गेल। ओ सभ एक-दोसर सँ गपशप करैत छलाह जे ओ सभ यीशुक संग की क' सकैत छथि।
12 ओहि दिन मे ओ एकटा पहाड़ पर प्रार्थना करबाक लेल निकललाह आ भरि राति परमेश् वर सँ प्रार्थना करैत रहलाह।
13 भोर भेला पर ओ अपन शिष् य सभ केँ अपना लग बजौलनि आ ओहि मे सँ बारह गोटे केँ चुनलनि।
14 सिमोन, (जकर नाम ओ पत्रुस सेहो रखलनि) आ हुनकर भाय आन्द्रियास, याकूब आ यूहन् ना, फिलिप आ बार्थोलोम्यू।
15 मत्ती आ थोमा, अल्फीसक पुत्र याकूब आ सिमोन जेलोत नामक।
16 याकूबक भाय यहूदा आ यहूदा इस्करियोती जे गद्दार छलाह।
17 यीशु हुनका सभक संग नीचाँ आबि कऽ मैदान मे ठाढ़ भऽ गेलाह आ हुनकर शिष् य सभक संगत आ समस् त यहूदिया आ यरूशलेम आ सोर आ सिदोनक समुद्रक कात सँ बहुत रास लोक सभ जे हुनकर बात सुनय लेल आयल छलाह। आ अपन रोग सँ ठीक भ' जेबाक लेल।
18 ओ सभ अशुद्ध आत् मा सँ त्रस्त छल आ ओ सभ ठीक भऽ गेल।

19 सभ लोक हुनका छूबय चाहैत छल, किएक तँ हुनका मे सँ सद्‌गुण निकलि गेल छल आ सभ कैँ ठीक कऽ देलकनि।
20 ओ अपन शिष् य सभ पर नजरि उठा कऽ कहलथिन, " धन्य होउ गरीब सभ, किएक तँ परमेश् वरक राज् य अहाँ सभक अछि।"
21 धन्य छी अहाँ सभ जे आब भूखल छी, किएक तँ अहाँ सभ तृप्त भऽ जायब। धन्य छी अहाँ सभ जे एखन कानि रहल छी, किएक तँ अहाँ सभ हँसब।
22 अहाँ सभ धन्य छी, जखन मनुष् य-पुत्रक लेल अहाँ सभ सँ घृणा करत आ अहाँ सभ कैँ अपन संगति सँ अलग कऽ देत आ अहाँ सभ कैँ निन्दा करत आ अहाँक नाम कैँ दुष्ट बुझि बाहर निकालत।
23 ओहि दिन अहाँ सभ आनन्दित रहू आ आनन्द सँ उछलि जाउ, किएक तँ स् वर्ग मे अहाँ सभक इनाम बहुत पैघ अछि, किएक तँ हुनका सभक पूर्वज सेहो ओहिना प्रवक् ता सभक संग कयलनि।
24 मुदा अहाँ सभ धनिक लोक सभ कैँ धिक्कार! किएक तँ अहाँ सभ कैँ सान्त्वना भेटि गेल अछि।"
25 धिक्कार अहाँ सभ जे पेट भऽ गेल छी! किएक तँ अहाँ सभ भूखल रहब।" धिक्कार अहाँ सभ जे एखन हँसैत छी! किएक तँ अहाँ सभ शोक करब आ कानब।"
26 अहाँ सभ कैँ धिक्कार होयत, जखन सभ लोक अहाँ सभक नीक बात कहत! किएक तँ हुनका सभक पूर्वज सभ झूठ प्रवक् ता सभ कैँ सेहो एहने करैत छलाह।
27 मुदा हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, "अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू, जे अहाँ सभ सँ घृणा करैत अछि, हुनका सभक संग भलाई करू।
28 जे अहाँ सभ कैँ गारि पढ़ैत अछि, तकरा सभ कैँ आशीष दिअ आ जे सभ अहाँ सभ कैँ घृणा करैत अछि, तकरा सभक लेल प्रार्थना करू।
29 जे अहाँक एक गाल पर प्रहार करत ओकरा दोसर गाल सेहो चढ़ाउ। जे अहाँक वस्त्र छीन लेत से अहाँक वस्त्र सेहो नहि लेबऽ सँ मना करू।"
30 जे केओ अहाँ सँ माँगैत अछि, ओकरा दऽ दियौक। जे तोहर सम्पत्ति छीन लेत से फेर ओकरा सँ नहि माँग।"
31 जहिना अहाँ सभ चाहैत छी जे लोक अहाँ सभक संग करथि, तेना अहाँ सभ हुनका सभक संग सेहो एहिना करू।
32 जँ अहाँ सभ जे अहाँ सभ सँ प्रेम करैत अछि, तकरा सभ सँ प्रेम करैत छी तँ अहाँ सभक की धन्यवाद? किएक तँ पापी सभ सेहो प्रेम करैत अछि जे ओकरा सभ सँ प्रेम करैत अछि।
33 जँ अहाँ सभ अहाँ सभक भलाई करयवला सभक संग भलाई करैत छी तऽ अहाँ सभक की धन्यवाद? किएक तँ पापी सभ सेहो एहने काज करैत अछि।
34 जँ अहाँ सभ हुनका सभ कैँ उधार दैत छी, जिनका सभ सँ अहाँ सभ कैँ भेटबाक आशा अछि, तँ अहाँ सभ कैँ की धन्यवाद? किएक तँ पापी सभ सेहो पापी सभ कैँ उधार दैत अछि, जाहि सँ ओतबे फेर सँ भेटय।
35 मुदा अहाँ सभ अपन शत्रु सभ सँ प्रेम करू, आ नीक काज करू आ फेर किछु नहि करबाक आशा मे उधार दिअ। अहाँ सभक इनाम बेसी होयत, आ अहाँ सभ परमेश् वरक सन् तान बनब, किएक तँ ओ कृतघ्न आ अधलाह लोकक प्रति दयालु छथि।
36 तैँ अहाँ सभ दयालु बनू, जेना अहाँ सभक पिता सेहो दयालु छथि।
37 न्याय नहि करू, आ अहाँ सभक न् याय नहि होयत, दोषी नहि करू, आ अहाँ सभ कैँ दोषी नहि ठहराओल जायत।
38 दिअ, तखन अहाँ सभ कैँ देल जायत। नीक नाप, दबाओल, हिलल-डोलल आ दौड़ैत-दौड़ैत, लोक अहाँक कोरा मे दऽ देत। कारण, जे नाप अहाँ सभ नापब, ओहि नाप सँ अहाँ सभ कैँ फेर सँ नापल जायत।
39 ओ हुनका सभ कैँ एकटा दृष्टान्त बजलाह, " की आन्हर आन्हर कैँ लऽ जा सकैत अछि?" की दुनू गोटे खाधि मे नहि खसि पड़त?
40 शिष् य अपन गुरु जकाँ नहि अछि, मुदा जे कियो सिद्ध अछि से ओकर गुरु जकाँ होयत।
41 अहाँ अपन भायक आँखि मे जे कण्ठ अछि तकरा किएक देखैत छी, मुदा अपन आँखि मे जे किरण अछि तकरा नहि बुझैत छी?
42 अहाँ अपन भाय कैँ कोना कहि सकैत छी जे, 'भाई, हम अहाँक आँखि मे जे चीर अछि से निकालि दिअ, जखन कि अहाँ अपन आँखि मे जे बीम अछि से नहि देखैत छी? हे पाखंडी, पहिने अपन आँखि सँ बीम निकालि दियौक, तखन अहाँ स्पष्ट देखब जे अहाँ अपन भाइक आँखि मे जे कड़ाही अछि तकरा निकालि सकब।
43 किएक तँ नीक गाछ भ्रष्ट फल नहि दैत अछि। आ ने जड़ल गाछ नीक फल दैत अछि।
44 किएक तँ हरेक गाछ अपन फल सँ चिन्हल जाइत अछि। किएक तँ काँटसँ अंजीर नहि जुटाबैत अछि आ ने कांटेदार झाड़ीसँ अंगूर बटोरैत अछि।
45 नीक मनुष् य अपन हृदयक नीक भंडार सँ नीक चीज निकालैत अछि। आ दुष्ट मनुष्य अपन हृदयक अधलाह भंडार सँ अधलाह बात निकालैत अछि, किएक तँ हृदयक प्रचुरताक बात ओकर मुँह बजैत अछि।
46 अहाँ सभ हमरा प्रभु, प्रभु किएक कहैत छी आ हम जे कहैत छी से नहि करैत छी?
47 जे केओ हमरा लग आबि कऽ हमर बात सुनत आ ओकर पालन करत, हम अहाँ सभ कैँ ई देखा देब जे ओ केकरा सन अछि।
48 ओ ओहि आदमी जकाँ अछि जे घर बना कऽ गहींर धरि खोदने आ पाथर पर नींव रखलक .
49 मुदा जे सुनैत अछि आ नहि करैत अछि, से ओहि आदमी जकाँ अछि जे बिना नींवक पृथ् वी पर घर बनौने अछि। जकरा विरुद्ध धार जोरसँ मारि देलकैक आ तुरन्त खसि पड़ल। आ ओहि घरक खंडहर बहुत पैघ छल।

अध्याय 7

1 ओ लोक सभक समक्ष अपन सभ बात समाप्त कऽ कऽ कफरनहूम मे प्रवेश कयलनि।
2 एकटा सेनापतिक नोकर जे हुनकर प्रिय छलनि, ओ बीमार छल आ मरबा लेल तैयार छल।
3 यीशुक नाम सुनि ओ यहूदी सभक बूढ़-पुरान सभ कैँ हुनका लग पठौलनि जे ओ अपन नोकर कैँ ठीक कऽ कऽ आबि जाउ।
4 ओ सभ यीशु लग पहुँचला पर तुरन्त हुनका सँ विनती कयलथिन, "जेकरा लेल ओ ई काज करथि, से ओ योग्य छथि।
5 ओ हमरा सभक जाति सँ प्रेम करैत छथि आ हमरा सभक सभाघर बनौने छथि।

6 तखन यीशु हुनका सभक संग गेलाह। जखन ओ घर सँ दूर नहि छलाह तखन सेनापति हुनका लग मित्र सभ पठौलनि जे, "प्रभु, अपना कैँ परेशान नहि करू, कारण हम एहि योग्य नहि छी जे अहाँ हमर छत मे प्रवेश करी।
7 तेँ हम अपना कैँ अहाँ लग एबाक योग्य नहि बुझलहुँ, बल् कि एक वचन मे कहू, तखन हमर सेवक ठीक भऽ जायत।
8 हमहूँ अधिकारक अधीन छी, हमरा अधीन सैनिक सभ अछि, आ हम एक गोटे कैँ कहैत छी जे, जाउ, ओ चलि जायत। आ दोसर कैँ, "आउ, ओ आबि जायत।" आ हमर सेवक कैँ, "ई करू, आ ओ पूरा करैत अछि।"
9 यीशु ई बात सुनि कऽ हुनका देखि आश्चर्यचकित भऽ हुनका घुमि कऽ हुनका पाछाँ-पाछाँ चलय बला लोक सभ कैँ कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, हमरा एतेक पैघ विश् वास नहि भेटल अछि, इस्राएल मे नहि।"
10 पठाओल गेल लोक सभ घर दिस घुरि कऽ ओहि नोकर कैँ स्वस्थ पाबि गेल जे बीमार छल।
11 ओकर दोसर दिन ओ नैन नामक नगर मे गेलाह। हुनकर बहुतो शिष् य आ बहुतो लोक हुनका संग चलि गेलाह।
12 जखन ओ नगरक फाटक लग पहुँचलाह तँ देखलहुँ जे एकटा मृत् यु कैँ बाहर लऽ गेल छल, जे ओकर मायक एकलौता बेटा छल आ ओ विधवा छल।
13 प्रभु ओकरा देखि कऽ ओकरा पर दया आबि कहलथिन, " नहि कानब।"
14 यीशु आबि कऽ मृत् यु कैँ छुबि गेलाह आ ओकरा लऽ कऽ लेनिहार सभ ठाढ़ भऽ गेलाह। ओ कहलथिन, " युवक, हम अहाँ कैँ कहैत छी जे उठू।"
15 मरल लोक उठि कऽ बैसि कऽ बाजऽ लागल। ओ ओकरा अपन मायक हाथ मे सौंप देलक।
16 लोक सभ परमेश् वरक महिमा भऽ गेलनि आ ओ सभ परमेश् वरक स्तुति कयलनि जे, "हमरा सभक बीच एकटा पैघ प्रवक् ता उठि गेल छथि। आ "परमेश् वर अपन लोकक दर्शन कयलनि।"
17 यीशुक ई अफवाह पूरा यहूदिया आ चारू कातक समस्त प्रदेश मे पसरि गेल।
18 यूहन् नाक शिष् य सभ हुनका ई सभ बातक बारे मे बता देलथिन।
19 यूहन् ना अपन दूटा शिष् य हुनका सभ कैँ बजा कऽ यीशु लग पठौलथिन, "की अहाँ ओ जे आब' बला छी?" आकि हम सभ दोसर ताकि रहल छी?
20 लोक सभ हुनका लग पहुँचला पर कहलथिन, "यूहन्ना बपतिस् मा देनिहार हमरा सभ कैँ ई कहबाक लेल पठौलनि अछि जे, "की अहाँ ओ जे आब' बला छथि?" आकि हम सभ दोसर ताकि रहल छी?
21 ओहि समय मे ओ हुनका सभक बहुत रास दुर्बलता आ विपत्ति आ दुष् टात्मा सभ कैँ ठीक कयलनि। आन्हर बहुतो कैँ ओ दृष्टि दऽ देलथिन।
22 तखन यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " जाउ, अहाँ सभ जे किछु देखलहुँ आ सुनलहुँ से यूहन् ना कैँ कहि दिअ। कोना आन्हर देखैत अछि, लंगड़ा चलैत अछि, कोढ़ी सभ शुद्ध भ' जाइत अछि, बहीर सुनैत अछि, मृतक जीबि उठैत अछि, गरीब सभ कैँ सुसमाचार प्रचार कयल जाइत अछि।
23 ओ धन्य अछि जे केओ हमरा पर कोनो आपत्ति नहि करत।
24 जखन यूहन् नाक दूत सभ चलि गेलाह तखन ओ लोक सभ सँ यूहन्नाक विषय मे कहय लगलाह, " अहाँ सभ जंगल मे की देखय लेल गेलहुँ?" हवासँ हिलल खढ़?
25 मुदा अहाँ सभ की देखय लेल निकललहुँ? कोमल वस्त्र पहिरने आदमी? देखू, जे सभ सुन्दर वस्त्र पहिरने छथि आ नाजुक जीवन जीबैत छथि, से राजा सभक आँगन मे छथि।
26 मुदा अहाँ सभ की देखय लेल निकललहुँ? एकटा भविष्यवक्ता? हँ, हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी, आ एकटा भविष्यवक्ता सँ बहुत बेसी।
27 ई ओ छथि, जिनका बारे मे लिखल अछि, "देखू, हम अपन दूत कैँ अहाँक सामने पठा रहल छी जे अहाँक आगू मे बाट तैयार करत।"
28 हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, जे सभ स् त्रीगण सँ जन्म लेने छथि, ताहि मे यूहन् ना बपतिस् मा देनिहार सँ पैघ कोनो प्रवक् ता नहि छथि।
29 हुनकर बात सुननिहार सभ लोक आ करदाता सभ यूहन् नाक बपतिस् मा सँ बपतिस् मा लैत परमेश् वर कैँ धार्मिक ठहरौलनि।
30 मुदा फरिसी आ धर्म-नियमक लोक सभ परमेश् वरक बपतिस् मा नहि लेलनि।
31 परमेश् वर कहलथिन, " तखन हम एहि पीढ़ीक लोक सभक उपमा कोन तरहेँ देब?" आ केहन छथि?
32 ओ सभ ओहि बच्चा सभ जकाँ अछि जे बजार मे बैसल एक-दोसर कैँ बजबैत कहैत अछि जे, "हम सभ अहाँ सभ कैँ चीर-फाड़ बजौलहुँ, मुदा अहाँ सभ नहि नाचलहुँ। हम सभ अहाँ सभक शोक केलहुँ, मुदा अहाँ सभ नहि कानलहुँ।
33 बपतिस् मा देनिहार यूहन् ना ने रोटी खाइत आ ने मदिरा पीबैत अयलाह। अहाँ सभ कहैत छी जे, "ओकरा मे शैतान अछि।"
34 मनुष्य-पुत्र खाइत-पीबैत आबि गेल छथि। अहाँ सभ कहैत छी जे, "देखू, पेटू आ मदिरा पीनिहार, करदाता आ पापी सभक मित्र!"
35 मुदा बुद्धि ओकर सभ संतानक द्वारा धर्मी ठहराओल गेल अछि।
36 एकटा फरिसी हुनका सँ आग्रह कयलनि जे ओ हुनका संग भोजन करथि। ओ फरीसीक घर मे जा कऽ भोजन करऽ बैसलाह।
37 ओहि नगर मे एकटा स् त्री पापी छल, जखन ओ जनैत छलीह जे यीशु फरिसी सभक घर मे भोजन पर बैसल छथि।
38 ओ हुनका पाछाँ-पाछू कानि-कानि कऽ ठाढ़ भऽ कऽ हुनकर पएर नोर सँ धोबय लगलाह आ हुनकर माथक केश सँ पोछि कऽ हुनकर पयर चुम्मा लेलनि आ मरहम सँ अभिषेक कयलनि।
39 ओ फरिसी जे हुनका बजौने छल, से देखि मने-मन बजलाह, "ई आदमी जँ प्रवक् ता रहितथि तऽ बुझि गेल रहैत जे ई केहन स् त्री छथि जे हुनका छूबैत छथि, किएक तँ ओ पापी छथि।"
40 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " सिमोन, हमरा अहाँ सँ किछु कहबाक अछि।" ओ कहलथिन, "गुरु, आगू बढ़ू।"
41 एकटा एहन लेनदार छल, जकर दूटा कर्जदार छल, एकटा पर पाँच सय पेंस आ दोसर पचास पेंस।
42 जखन हुनका सभ कैँ किछु देबाक नहि छलनि तँ ओ दुनू गोटे कैँ साफ-साफ माफ कऽ देलथिन। तेँ हमरा कहू जे ओकरा सभ मे सँ के ओकरा सँ बेसी प्रेम करत?
43 सिमोन उत्तर देलथिन, "हमरा बुझने ओ, जकरा ओ बेसी क्षमा कयलनि।" ओ हुनका कहलथिन, " अहाँ ठीके न् याय केलहुँ।"

44 यीशु ओहि स् त्री दिस घुमि कऽ सिमोन केँ पुछलथिन, " की अहाँ एहि स् त्री केँ देखैत छी?" हम अहाँक घर मे घुसलहुँ, अहाँ हमरा पएर लेल पानि नहि देलियैक, मुदा ओ हमर पैर नोर सँ धो देलनि आ माथक केश सँ पोछि देलनि।
45 अहाँ हमरा चुम्मा नहि देलहुँ, मुदा जहिया सँ हम भीतर आयल छी, ई स् त्री हमर पएर चुम्मा नहि छोड़ने अछि।
46 अहाँ हमर माथ पर तेल नहि लगौलहुँ, मुदा ई स् त्री हमर पएर पर तेल लगाओल गेल अछि।
47 तेँ हम अहाँ केँ कहैत छी जे हुनकर बहुत पाप क्षमा भऽ गेलनि। किएक तँ ओ बहुत प्रेम करैत छलीह, मुदा जकरा कम क्षमा कयल जाइत छैक, से कम प्रेम करैत छैक।
48 ओ ओकरा कहलथिन, " तोहर पाप क्षमा भऽ गेल अछि।"
49 यीशुक संग भोजन करऽ वला सभ मन मे कहऽ लगलाह, "ई के अछि जे पाप केँ सेहो क्षमा करैत अछि?"
50 ओ स् त्री केँ कहलथिन, " अहाँक विश् वास अहाँ केँ बचा लेलक। चैन सँ जाउ।

अध्याय 8

1 तकर बाद ओ सभ नगर आ गाम मे घुमि कऽ परमेश् वरक राज् यक शुभ समाचार प्रचार करैत आ सुनबैत गेलाह।
2 दुष्टात्मा आ दुर्बलता सँ ठीक भेल किछु स् त्रीगण, मगदलीनी नामक मरियम, जिनका मे सँ सातटा दुष् टात् मा निकलल छल।
3 हेरोदेसक भण्डारी चूजाक पत्नी योआना, सुसाना आ आन बहुतो लोक जे हुनका अपन सम्पत्तिक सेवा करैत छलाह।
4 जखन बहुतो लोक जमा भऽ कऽ सभ नगर सँ हुनका लग आबि गेलाह तँ ओ दृष् टान् त द्वारा बजलीह।
5 एकटा बोनिहार अपन बीया बोबय लेल निकलल, जखन ओ बीया बोनि रहल छल तखन किछु बाट कात मे खसि पड़ल। ओकरा दबा देल गेलै आ हवाक चिड़े सभ ओकरा खा गेलै।
6 किछु गोटे चट्टान पर खसि पड़लाह। उगैत देरी ओ मुरझा गेल, कारण ओकरा मे नमीक अभाव छलैक।
7 किछु काँटक बीच खसि पड़ल। ओकरा संग काँट उगलि कऽ ओकर गला दबा देलक।
8 आन लोक नीक जमीन पर खसि पड़ल आ उगलि कऽ सौ गुना फल देलक। ई बात कहि कऽ ओ चिचिया उठलनि, " जेकरा सुनबाक कान अछि, से सुनय।"
9 हुनकर शिष् य सभ हुनका सँ पुछलथिन, "ई दृष्टान्त की भऽ सकैत अछि?"
10 ओ कहलथिन, " अहाँ सभ केँ परमेश् वरक राज् यक रहस् य सभ केँ जानब देल गेल अछि। जे देखि कऽ ओ सभ नहि देखथि आ सुनि कऽ नहि बुझि सकथि।
11 दृष्टान्त ई अछि जे बीया परमेश् वरक वचन अछि।
12 रस्ताक कात मे जे सभ अछि से सुनैत अछि। तखन शैतान आबि कऽ हुनका सभक हृदय सँ वचन हटा दैत अछि, जाहि सँ ओ सभ विश्वास नहि कऽ कऽ उद्धार नहि पाबि सकैत अछि।
13 चट्टान पर ओ सभ ओ सभ अछि जे सुनि कऽ हर्षक संग वचन ग्रहण करैत अछि। आ एहि सभक कोनो जड़ि नहि अछि जे किछु काल धरि विश्वास करैत अछि आ प्रलोभनक समय मे खसि पड़ैत अछि।
14 काँट-काँट मे खसल ओ सभ अछि जे सुनि कऽ बाहर निकलि जाइत अछि आ एहि जीवनक चिन्ता आ धन-सम्पत्ति आ भोग-विलास मे घुटन भ' जाइत अछि आ पूर्णता मे कोनो फल नहि दैत अछि।
15 मुदा नीक जमीन पर ओ सभ अछि जे ईमानदार आ नीक मोन सँ वचन सुनि कऽ ओकरा पालन करैत अछि आ धैर्यपूर्वक फल दैत अछि।
16 केओ दीया जरा कऽ ओकरा बर्तन सँ झाँपि नहि दैत अछि आ ने ओछाओनक नीचाँ राखि दैत अछि। मुदा ओकरा दियादार पर राखि दैत अछि, जाहि सँ ओहि मे प्रवेश करय बला इजोत देखय।
17 किएक तँ कोनो एहन कोनो बात गुप्त नहि अछि जे प्रगट नहि होयत। आ ने कोनो एहन बात नुकायल जे नहि जानि कऽ बाहर आबि जायत।
18 तेँ सावधान रहू जे कोना सुनैत छी। जकरा लग नहि छैक, ओकरा सँ जे किछु भेटैत छैक से छीन लेल जायत।"
19 तखन हुनकर माय आ हुनकर भाय सभ हुनका लग आबि गेलाह, मुदा दबावक कारणेँ हुनका पर नहि आबि सकलाह।
20 हुनका ई बात कहल गेलनि जे, "अहाँक माय आ भाय सभ अहाँ केँ देखबाक इच्छा करैत बाहर ठाढ़ छथि।"
21 ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " हमर माय आ हमर भाय सभ ई सभ छथि जे परमेश् वरक वचन सुनैत छथि आ पूरा करैत छथि।"
22 एक दिन यीशु अपन शिष् य सभक संग नाव मे बैसि गेलाह आ हुनका सभ केँ कहलथिन, " आउ, हम सभ पोखरिक ओहि पार जाउ।" आ ओ सभ आगू बढ़ि गेल।
23 मुदा जखन ओ सभ जहाज पर चलैत छलाह तखन ओ सुति गेलाह। ओ सभ पानि सँ भरि गेल छल आ खतरा मे पड़ि गेल छल।
24 ओ सभ हुनका लग आबि कऽ हुनका जगबैत कहलथिन, "गुरु, गुरु, हम सभ नाश भऽ जाइत छी।" तखन ओ उठि कऽ हवा आ पानि के प्रकोप केँ डाँटि देलथिन।
25 ओ हुनका सभ केँ पुछलथिन, " अहाँ सभक विश् वास कतऽ अछि?" ओ सभ डरैत-डरैत एक-दोसर सँ कहैत रहलाह, "ई केहन आदमी अछि!" किएक तँ ओ हवा आ पानि केँ सेहो आज्ञा दैत छथि आ ओ सभ हुनकर आज्ञा मानैत छथि।"
26 ओ सभ गदारीक देश मे पहुँचलाह जे गलीलक सामने अछि।
27 जखन ओ जमीन पर गेलाह तँ नगर सँ बाहर एकटा एहन आदमी हुनका सँ भेंट कयलनि, जकरा मे बहुत दिन सँ दुष्टात्मा छलनि आ ओ कोनो कपड़ा नहि पहिरने छल आ ने कोनो घर मे रहैत छल, बल्कि कब्र मे रहैत छल।
28 यीशु केँ देखि ओ चिचिया उठलाह आ हुनका सोझाँ खसि पड़लाह आ जोर-जोर सँ बजलाह, "हे परमेश् वर परमेश् वरक पुत्र यीशु, हमरा अहाँ सँ की लेना-देना अछि?" हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे हमरा सताब नहि।
29 (किएक तँ ओ अशुद्ध आत् मा केँ ओहि आदमी मे सँ बाहर निकलबाक आज्ञा देने छलाह। किएक तँ ओ बहुत बेर ओकरा पकड़ने छल।) २.
30 यीशु हुनका पुछलथिन, " तोहर नाम की अछि?" ओ कहलथिन, "सेना।
31 ओ सभ हुनका सँ विनती कयलनि जे ओ हुनका सभ केँ गहींर मे जेबाक आज्ञा नहि देथिन।
32 ओतऽ पहाड़ पर बहुत रास सुग्गरक झुंड छल आ ओ सभ हुनका सभ केँ विनती कयलनि जे ओ सभ ओकरा सभ केँ ओहि मे प्रवेश करऽ देथिन। आ ओ हुनका सभ केँ कष्ट भोगि देलनि।

33 तखन ओहि आदमी मे सँ दुष्टात्मा सभ बाहर निकलि सुग्गर सभ मे घुसि गेल।
34 जखन ओकरा सभक चरबाहक लोक सभ ई काज देखि कऽ भागि गेल आ नगर आ देश मे ई बात सुनौलक।
35 तखन ओ सभ बाहर निकलि गेलाह जे की भेल अछि। यीशु लग पहुँचि कऽ ओहि आदमी केँ देखलनि, जकरा मे सँ दुष् टात् मा सभ चलि गेल छल, जे यीशुक पएर मे बैसल छल, कपड़ा पहिरने आ अपन सद्‌बुद्धि मे बैसल छल।
36 ई देखनिहार सभ हुनका सभ केँ कहलथिन जे ओ दुष् टात् मा सभक आतंक कोन तरहेँ ठीक भऽ गेलाह।
37 तखन चारू कात गदरेनी सभक भीड़ हुनका सभ सँ विदा होबऽ लेल विनती कयलनि। किएक तँ ओ सभ बहुत भय भऽ गेलाह।
38 जाहि आदमी मे सँ दुष् टात् मा सभ चलि गेल छल, ओ हुनका संग रहबाक लेल विनती कयलक।
39 अपन घर जाउ आ देखाउ जे परमेश् वर अहाँक संग कतेक पैघ काज कयलनि। यीशु जा कऽ पूरा नगर मे प्रचार करऽ लगलाह जे यीशु हुनका संग कतेक पैघ काज केलथिन।
40 यीशु घुरला पर लोक सभ खुशी-खुशी हुनका स्वागत कयलनि।
41 देखि, याइरूस नामक एक आदमी आबि गेलाह, आ ओ सभाघरक अधिकारी छलाह।
42 हुनका एकटा एकमात्र बेटी छलनि जे करीब बारह वर्षक छलनि। मुदा जहिना-जहिना ओ जाइत छलाह, लोक सभ हुनका पर भीड़ लगा देलकनि।
43 बारह वर्षक खूनक समस्या छल, जे अपन पूरा जीवन वैद्यक काज मे बिता देने छल, आ ने ककरो सँ ठीक भऽ सकल।
44 हुनका पाछाँ आबि कऽ हुनकर वस्त्रक सीमा छूबि गेलनि।
45 यीशु पुछलथिन, " हमरा के छूबि लेलक?" जखन सभ अस्वीकार कयलनि तँ पत्रुस आ हुनकर संगी सभ कहलथिन, "गुरु, भीड़ अहाँ केँ भीड़ लगा कऽ दबाबैत अछि आ अहाँ कहैत अछि जे, " हमरा के छूलक?"
46 यीशु कहलथिन, " कियो हमरा छूबि लेलक, किएक तँ हम बुझि रहल छी जे हमरा मे सँ सद्‌गुण निकलि गेल अछि।"
47 जखन ओ स् त्री देखलक जे ओ नुकायल नहि अछि, तखन ओ काँपि कऽ आबि गेलीह आ हुनका सामने खसि पड़लीह आ सभ लोकक समक्ष हुनका कहलथिन जे ओ हुनका कोन कारण सँ छूबि लेलनि आ कोना तुरन्त ठीक भऽ गेलीह।
48 ओ ओकरा कहलथिन, " बेटी, सान्त्वना रहू। चैन सँ जाउ।
49 जखन ओ बजैत छलाह तखन सभाघरक मालिक सँ एक गोटे आबि कऽ कहलथिन, "तोहर बेटी मरि गेल अछि। परेशानी मालिक नहि।
50 यीशु ई बात सुनि कऽ कहलथिन, " डरब नहि, मात्र विश् वास करू, तखन ओ ठीक भऽ जेतीह।"
51 ओ घर मे अयला पर पत्रुस, याकूब, यूहन् ना, कन्याक पिता आ माय केँ छोड़ि ककरो भीतर नहि जाय देलक।
52 सभ कानि कऽ विलाप कयलनि, मुदा ओ कहलनि, " नहि कानू। ओ मरि गेल नहि अछि, बल् कि सुतल अछि।
53 ओ सभ ई जानि कऽ जे ओ मरि गेल छलीह, हुनका तिरस्कृत करैत हँसैत रहलाह।
54 ओ सभ ओकरा सभ केँ बाहर निकालि कऽ ओकर हाथ पकड़ि कऽ बजौलनि, " दासी, उठू।"
55 हुनकर आत् मा फेर आबि गेलनि आ ओ तुरन्त उठि गेलीह आ ओ हुनका भोजन देबाक आज्ञा देलथिन।
56 ओकर माय-बाप आश्चर्यचकित भऽ गेलाह, मुदा ओ हुनका सभ केँ आज्ञा देलथिन जे की भेल अछि से ककरो नहि कहय।

अध्याय 9

1 तखन ओ अपन बारह शिष् य केँ एक ठाम बजा कऽ सभ दुष् टात् मा पर आ रोग सभ केँ ठीक करबाक अधिकार आ अधिकार देलनि।
2 ओ हुनका सभ केँ परमेश् वरक राज् यक प्रचार करऽ आ बीमार सभ केँ ठीक करबाक लेल पठौलनि।
3 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " अपन यात्राक लेल किछु नहि लऽ जाउ, ने लाठी, ने चीर, ने रोटी आ ने पाइ। ने दू-दू कोट अछि।
4 अहाँ सभ जाहि घर मे घुसब, ओतहि रहू आ ओतय सँ चलि जाउ।
5 जे केओ अहाँ सभ केँ ग्रहण नहि करत, तखन जखन अहाँ सभ ओहि नगर सँ बाहर निकलब तँ हुनका सभक विरुद्ध गवाही देबाक लेल अपन पएरक धूरा केँ हिला दियौक।
6 ओ सभ विदा भऽ गेलाह आ नगर सभ मे घुमि कऽ सुसमाचार प्रचार करैत आ सभ ठाम ठीक करैत गेलाह।
7 राजकीय हेरोदेस हुनका द्वारा कयल गेल सभ काज सुनि कऽ ओ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह, किएक तँ किछु लोकक ई बात कहल गेल छल जे यूहन् ना मृत् यु मे सँ जीबि उठल छथि।
8 किछु गोटे मे एलियाह प्रकट भेलाह। आ किछु गोटेक कहब छलनि जे पुरान प्रवक् ता सभ मे सँ एक गोटे जीबि उठलाह।
9 हेरोदेस कहलथिन, "हम यूहन् नाक माथ काटि देलहुँ, मुदा ई के अछि, जकरा बारे मे हम एहन बात सुनैत छी?" आ हुनका देखबाक इच्छा भेलनि।
10 जखन ओ सभ प्रेरित सभ घुरि कऽ आबि गेलाह तँ हुनका सभक सभ काज हुनका कहलथिन। ओ ओकरा सभ केँ लऽ कऽ बेतसैदा नगरक एकटा मरुभूमि मे एक-दोसर भऽ गेलाह।
11 लोक सभ ई जानि कऽ हुनकर पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह आ ओ हुनका सभ केँ ग्रहण कयलनि आ हुनका सभ केँ परमेश् वरक राज् यक विषय मे कहलनि आ जे सभ ठीक करबाक आवश्यकता छलनि तकरा सभ केँ ठीक कयलनि।
12 जखन दिन घिसियाय लागल तखन बारह गोटे आबि कऽ कहलथिन, "भीड़ केँ विदा कऽ दिअ, जाहि सँ ओ सभ चारूकातक नगर आ देहात मे जा कऽ ठहरि कऽ भोजन करथि मरुभूमि स्थान।
13 मुदा यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, " अहाँ सभ ओकरा सभ केँ भोजन दऽ दियौक।" ओ सभ कहलथिन, "हमरा सभ लग पाँच रोटी आ दू टा माछ छोड़ि आओर किछु नहि अछि। सिवाय एहि सब लोकक लेल मांस कीनय लेल जा क'।
14 ओ सभ करीब पाँच हजार आदमी छल। ओ अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, "पचास गोटे केँ एक संग बैसा दियौक।"
15 ओ सभ एना कऽ कऽ सभ केँ बैसा देलक।
16 तखन ओ पाँचटा रोटी आ दूटा माछ लऽ कऽ स् वर्ग दिस तकैत ओकरा सभ केँ आशीष दऽ कऽ तोड़ि कऽ शिष् य सभ केँ दऽ देलथिन जे ओ सभ लोकक सोझाँ राखि देथि।
17 ओ सभ भोजन कऽ कऽ सभ तृप्त भऽ गेलाह आ ओहि मे सँ बारह टा टोकरी जमा भऽ गेलाह।

18 जखन ओ असगरे प्रार्थना कऽ रहल छलाह तखन हुनकर शिष् य सभ हुनका संग छलाह आ पुछलथिन, " लोक सभ हमरा के कहैत अछि?"
19 ओ सभ उत्तर देलथिन, "यूहन्ना बपतिस् मा देनिहार। मुदा किछु गोटे कहैत छथि, "एलियास!" आ किछु लोक कहैत छथि जे पुरान प्रवक् ता सभ मे सँ एक गोटे जीबि उठल छथि।
20 ओ हुनका सभ केँ पुछलथिन, " मुदा अहाँ सभ के कहैत छी जे हम के छी?" पत्रुस उत्तर देलथिन, "परमेश् वरक मसीह।"
21 यीशु ओकरा सभ केँ कड़ा आज्ञा देलथिन जे ई बात ककरो नहि कहब।
22 ओ कहलथिन, " मनुष्य-पुत्र केँ बहुत कष्ट भोगय पड़तनि, आ बूढ़-पुरोहित आ धर्म-शिक्षक सभक द्वारा अस्वीकार कयल जायत आ तेसर दिन मारल जेबाक चाही आ जीबि उठल जायत।"
23 ओ सभ हुनका सभ केँ कहलथिन, " जँ केओ हमरा पाछाँ आबय चाहैत अछि तँ ओ अपना केँ नकारय आ प्रतिदिन अपन क्रूस उठा कऽ हमरा पाछाँ लागय।"
24 जे केओ अपन प्राण बचाबय चाहैत अछि, से ओकरा गमाओत, मुदा जे कियो हमरा लेल अपन प्राण गमा लेत, से ओकरा बचाओत।
25 जँ मनुष् यक समस्त संसार केँ लाभान्वित कऽ कऽ अपना केँ गमा लेलक आकि फेकि देल जाय तँ ओकरा की फायदा?
26 जे केओ हमरा आ हमर बात पर लजत, तखन मनुष् यक पुत्र जखन अपन महिमा मे आ अपन पिता आ पवित्र स् वर्गदूत सभक महिमा मे आओत तखन ओकरा लज्जित होयत।
27 मुदा हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे एतय किछु एहन लोक छथि जे जा धरि परमेश् वरक राज् य नहि देखत ता धरि मृत् युक स्वाद नहि लेत।
28 एहि बात सभक करीब आठ दिनक बाद ओ पत्रुस, यूहन् ना आ याकूब केँ लऽ कऽ एकटा पहाड़ पर प्रार्थना करबाक लेल चलि गेलाह।
29 जखन ओ प्रार्थना करैत छलाह तखन हुनकर चेहराक रूप बदलि गेलनि आ हुनकर वस्त्र उज्जर आ चमकैत छलनि।
30 यीशु सँ दू गोटे गप्प कऽ रहल छलाह, जे नाम छल मूसा आ एलियाह।
31 ओ महिमा मे प्रगट भेलाह आ यरूशलेम मे हुनकर मृत्युक विषय मे बजलाह।
32 पत्रुस आ हुनका संग रहनिहार सभ नींद मे भारी पड़ि गेलाह, जखन ओ सभ जागल छलाह तखन हुनकर महिमा आ हुनका संग ठाढ़ दुनू आदमी केँ देखलनि।
33 जखन ओ सभ हुनका सँ विदा होइत छलाह तँ पत्रुस यीशु केँ कहलथिन, "गुरु, हमरा सभक लेल एतय रहब नीक अछि। एकटा अहाँक लेल, एकटा मूसाक लेल आ एक एलियाहक लेल।
34 ई बात कहैत काल मेघ आबि कऽ ओकरा सभ पर छाहरि दऽ देलक।
35 मेघ मे सँ एकटा आवाज आयल जे, "ई हमर प्रिय पुत्र छथि।
36 जखन आवाज बीति गेल तखन यीशु असगरे पाबि गेलाह। ओ सभ ओकरा लग मे राखि कऽ ओहि समय मे ककरो नहि कहलक जे ओ सभ देखने छल।
37 दोसर दिन जखन ओ सभ पहाड़ी पर सँ उतरलाह तँ बहुत लोक हुनका सँ भेंट कयलनि।
38 ओहि दलक एक आदमी चिचिया कऽ बाजल, "गुरु, हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे हमर बेटा केँ देखू, किएक तँ ओ हमर एकमात्र संतान अछि।"
39 एक आत् मा ओकरा पकड़ि लैत अछि आ ओ अचानक चिचिया उठैत अछि। ओकरा नोचैत छैक जे फेर फेन बनि जाइत छैक आ ओकरा कुचलैत ओकरा सँ मुश्किल सँ दूर भ' जाइत छैक।
40 हम अहाँक शिष् य सभ सँ विनती केलहुँ जे हुनका बाहर निकालि दियौक। आ ओ सभ नहि कऽ सकल।
41 यीशु उत्तर देलथिन, " हे अविश्वास आ विकृत पीढ़ी, हम अहाँ सभक संग कतेक दिन धरि रहब आ अहाँ सभ केँ सहन करब? अपन बेटा केँ एतय आनू।
42 जखन ओ एखन धरि आबि रहल छलाह तखन शैतान हुनका नीचाँ फेकि देलकनि आ ओकरा फाड़ि देलकनि। यीशु अशुद्ध आत् मा केँ डाँटि देलथिन आ ओहि बच्चा केँ ठीक कयलनि आ ओकरा अपन पिता केँ फेर सँ सौंप देलथिन।
43 ओ सभ परमेश् वरक पराक्रमी सामर्थ् य देखि चकित भऽ गेलाह। यीशुक सभ काज पर सभ एक-एक गोटे आश्चर्यचकित भऽ गेलाह, तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन।
44 ई बात अहाँ सभक कान मे डूबि जाउ, किएक तँ मनुष् य-पुत्र मनुष् यक हाथ मे सौंपल जायत।
45 मुदा ओ सभ ई बात नहि बुझलनि आ ई बात हुनका सभ सँ नुकायल रहि गेलनि जे ओ सभ ई बात नहि बुझि सकलाह।
46 तखन हुनका सभक बीच एकटा विवाद भेल जे हुनका सभ मे सँ कोन पैघ होयत।
47 यीशु हुनका सभक मोनक विचार बुझि एकटा बच्चा केँ लऽ कऽ ओकरा लग बैसा देलथिन।
48 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " जे केओ हमरा नाम सँ एहि बच्चा केँ ग्रहण करत, से हमरा ग्रहण करैत अछि।
49 यूहन् ना उत्तर देलथिन, "गुरु, हम सभ देखलहुँ जे एक गोटे अहाँक नाम सँ दुष्टात्मा सभ केँ भगा रहल छल। हम सभ हुनका मना कऽ देलियनि, किएक तँ ओ हमरा सभक संग नहि चलैत छथि।
50 यीशु हुनका कहलथिन, " ओकरा मना नहि करू, किएक तँ जे हमरा सभक विरोध मे नहि अछि से हमरा सभक पक्ष मे अछि।"
51 जखन हुनका उठयबाक समय आबि गेलनि तखन ओ दृढ़तापूर्वक यरूशलेम जेबाक लेल मुड़ि गेलाह।
52 हुनका सामने दूत पठौलनि, आ ओ सभ सामरी सभक गाम मे जा कऽ हुनका लेल तैयारी करऽ लगलाह।
53 ओ सभ हुनका स् वागत नहि कयलनि, किएक तँ हुनकर मुँह एना छल जेना ओ यरूशलेम जायब।
54 जखन हुनकर शिष्य याकूब आ यूहन् ना ई देखि कहलथिन, "प्रभु, की अहाँ चाहैत छी जे हम सभ एलियाह जकाँ आगि स् वर्ग सँ उतरि कऽ ओकरा सभ केँ भस्म कऽ दिअ?"
55 मुदा यीशु घुमि कऽ हुनका सभ केँ डाँटि कऽ कहलथिन, " अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँ सभ कोन तरहक आत् माक छी।"
56 मनुखक पुत्र मनुष् यक प्राण केँ नष्ट करबाक लेल नहि, बल्कि ओकरा बचाबऽ लेल आयल छथि। आ दोसर गाम चलि गेलाह।
57 जखन ओ सभ बाट मे जाइत छलाह तखन एक आदमी हुनका कहलथिन, "प्रभु, अहाँ जतय जायब, हम अहाँक पाछाँ-पाछाँ चलब।"

58 यीशु हुनका कहलथिन, " लोमड़ीक छेद होइत छैक आ आकाशक चिड़ै सभक खोंता होइत छैक। मुदा मनुष् य-पुत्र कैं माथ राखय लेल कतय नहि छनि।
59 ओ दोसर कैं कहलथिन, " हमरा पाछाँ चलू।" मुदा ओ कहलथिन, "प्रभु, हमरा पहिने जा कऽ अपन पिता कैं दफना दियौक।"
60 यीशु हुनका कहलथिन, " मृतक कैं अपन मुर्दा कैं गाड़य दियौक।
61 दोसरो कहलक, "प्रभु, हम अहाँक पाछाँ चलब। मुदा पहिने हम हुनका सभकैं विदाई करऽ जाइ, जे हमर घरमे घरमे अछि।
62 यीशु हुनका कहलथिन, " कोनो हल पर हाथ राखि कऽ पाछू घुमि कऽ देखि कऽ परमेश् वरक राज् यक योग्य नहि अछि।"

अध्याय 10

1 एहि बातक बाद परमेश् वर आरो सत्तरि गोटे कैं नियुक्त कयलनि आ हुनका सभ कैं दू-दू गोटे कैं अपन सामने सँ ओहि नगर सभ मे पठा देलथिन, जतय ओ स्वयं जेताह।
2 तँ ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, " सत्ते फसल बहुत अछि, मुदा मजदूर कम अछि।
3 जाउ, हम अहाँ सभ कैं भेड़ियाधसानक बीच मेमना जकाँ पठा रहल छी।
4 ने पर्स, ने चीर आ ने जूता, आ बाट मे ककरो प्रणाम नहि करू।
5 अहाँ सभ जाहि घर मे जाउ, पहिने कहब जे, "एहि घर मे शान्ति हो।"
6 जँ शान्तिक पुत्र ओतय रहत तँ अहाँ सभक शान्ति ओकरा पर रहत।
7 ओहि घर मे रहू, जे किछु ओ सभ देल जाइत अछि, से खाउ-पीबू, किएक तँ मजदूर अपन भाड़ाक पात्र अछि। घर-घर नहि जाउ।
8 अहाँ सभ जाहि नगर मे जाउ आ ओ सभ अहाँ सभ कैं ग्रहण करैत छथि, से अहाँ सभक सोझाँ जे किछु राखल गेल अछि, से खाउ।
9 ओहि मे जे बीमार अछि, ओकरा सभ कैं ठीक करू आ ओकरा सभ कैं कहि दियौक जे, "परमेश् वरक राज् य अहाँ सभक समीप आबि गेल अछि।"
"
11 अहाँ सभक नगरक जे धूरा हमरा सभ पर चिपकल अछि, तकरा हम सभ अहाँ सभक विरुद्ध पोछैत छी।
12 मुदा हम अहाँ सभ कैं कहैत छी जे ओहि दिन सदोम कैं ओहि नगर सँ बेसी सहनशील होयत।
13 धिक्कार, कोराज़िन! धिक्कार अछि, बेतसैदा! किएक तँ जँ सोर आ सीदोन मे जे पराक्रमी काज अहाँ सभ मे भेल अछि से भेल रहैत तँ ओ सभ बहुत दिन पहिने बोरा आ राख मे बैसल पश्चाताप कऽ लेने रहितथि।
14 मुदा न्यायक समय सोर आ सीदोन कैं ई बात अहाँ सभ सँ बेसी सहनशील होयत।
15 अहाँ कफरनहूम, जे स् वर्ग मे उदात्त छी, नरक मे खसा देल जायब।
16 जे अहाँ सभक बात सुनैत अछि से हमर बात सुनैत अछि। जे अहाँ सभ कैं तिरस्कृत करैत अछि, से हमरा तिरस्कृत करैत अछि। जे हमरा तिरस्कार करैत अछि, से हमरा पठेनिहार कैं तिरस्कार करैत अछि।
17 सत्तरि गोटे हर्षित भऽ कऽ घुरि कऽ कहलथिन, "प्रभु, अहाँक नामक कारणेँ दुष् टात् मा सभ सेहो हमरा सभक अधीन अछि।"
18 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, " हम शैतान कैं स् वर्ग सँ बिजली जकाँ खसैत देखलहुँ।"
19 देखू, हम अहाँ सभ कैं साँप आ बिच्छू आ शत्रुक सभ सामर्थ् य पर रौदबाक अधिकार दैत छी।
20 मुदा एहि बात पर आनन्दित नहि होउ जे आत् मा अहाँ सभक अधीन अछि। बल् कि आनन्दित होउ, किएक तँ अहाँ सभक नाम स् वर्ग मे लिखल अछि।
21 ओहि समय मे यीशु आत् मा मे आनन्दित भऽ कहलथिन, " हे पिता, आकाश-पृथ्वीक प्रभु, हम अहाँ कैं धन्यवाद दैत छी जे अहाँ ई सभ बात बुद्धिमान आ बुद्धिमान सभ सँ नुका कऽ बच्चा सभ कैं प्रगट कयलहुँ। कारण, अहाँक नजरि मे एना नीक लागल।
22 हमर पिता द्वारा सभ किछु हमरा सौंपल गेल अछि। पिता के छथि, पुत्र छोड़ि, आ पुत्र जिनका सामने प्रगट करताह।
23 यीशु हुनका अपन शिष् य सभ दिस घुमि कऽ एकांत मे बजलाह, " धन्य अछि ओ आँखि जे अहाँ सभ जे देखैत छी।
24 हम अहाँ सभ कैं कहैत छी जे अहाँ सभ जे किछु देखैत छी से देखबाक लेल बहुतो प्रवक् ता आ राजा सभ चाहैत छलाह। आ जे बात अहाँ सभ सुनैत छी, तकरा सुनैत छी, मुदा नहि सुनने छी।
25 एक गोटे कानून-विचार्य ठाढ़ भऽ कऽ हुनका परखैत कहलथिन, "गुरु, हम अनन् त जीवनक उत्तराधिकारी बनबाक लेल की करब?"
26 ओ हुनका पुछलथिन, " धर्म-नियम मे की लिखल अछि?" अहाँ कोना पढ़ैत छी?
27 ओ उत्तर देलथिन, "अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वर सँ पूरा हृदय सँ, पूरा प्राण सँ, अपन समस्त सामर्थ् य आ पूरा मन सँ प्रेम करू। आ अपन पड़ोसी अपना जकाँ।
28 ओ हुनका कहलथिन, " अहाँ सही उत्तर देलियैक।
29 मुदा ओ अपना कैं धर्मी ठहराबय चाहैत यीशु कैं कहलथिन, "हमर पड़ोसी के अछि?"
30 यीशु उत्तर देलथिन, " एकटा आदमी यरूशलेम सँ यरीहो जा कऽ चोर सभक बीच खसि पड़ल, जे ओकर कपड़ा उतारि कऽ घायल कऽ कऽ ओकरा आधा मृत छोड़ि कऽ चलि गेल।
31 संयोगवश एकटा पुरोहित ओहि बाट सँ उतरि गेलाह आ हुनका देखि ओ ओहि पार सँ गुजरि गेलाह।
32 तहिना एकटा लेवी ओहि स्थान पर पहुँचला पर आबि कऽ हुनका दिस तकलक आ ओहि कात सँ गुजरि गेल।
33 मुदा एकटा सामरी वंशज ओतऽ पहुँचि गेल।
34 ओ हुनका लग जा कए हुनकर घाव कैं तेल आ मदिरा ढारि कऽ अपन पशु पर बैसा कऽ एकटा सराय मे लऽ गेलाह आ हुनकर देखभाल कयलनि।
35 दोसर दिन जखन ओ विदा भेलाह तँ दू पाइन निकालि कऽ सेना कैं दऽ देलथिन आ कहलथिन, "ओकर देखभाल करू। अहाँ जे किछु बेसी खर्च करब तखन हम फेर आबि जायब तखन हम अहाँ कैं प्रतिफल देब।"
36 अहाँ सोचैत छी जे एहि तीनू मे सँ के चोर सभक बीच खसि पड़लाक पड़ोसी छल?
37 ओ कहलथिन, "जे हुनका पर दया कयलनि।" तखन यीशु हुनका कहलथिन, "जाउ आ अहाँ सेहो एहने करू।"
38 ओ सभ जाइत काल यीशु एकटा गाम मे प्रवेश कयलनि आ मार्था नामक एकटा स् त्री हुनका अपन घर मे समेटि लेलनि।

39 हुनकर एकटा बहिन मरियम नामक छलीह, जे यीशुक पएर लग बैसल हुनकर वचन सुनैत छलीह।
40 मुदा मार्था बहुत रास सेवा करबा मे बोझिल छलीह आ हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, "प्रभु, की अहाँ केँ एहि बातक कोनो परवाह नहि जे हमर बहिन हमरा असगरे सेवा करबाक लेल छोड़ि देलनि?" तेँ ओकरा आग्रह करू जे ओ हमरा मदति करथि।
41 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " मार्ता, मार्था, अहाँ बहुत रास बात मे सावधान आ चिंतित छी।
42 मुदा एकटा बातक आवश्यकता अछि, मरियम ओहि नीक भाग केँ चुनने छथि जे हुनका सँ नहि हँटल जायत।

अध्याय 11

1 जखन ओ एक ठाम प्रार्थना कऽ रहल छलाह तखन हुनकर एकटा शिष् य हुनका कहलथिन, "प्रभु, हमरा सभ केँ प्रार्थना करब सिखाउ जेना यूहन् ना अपन शिष् य सभ केँ सेहो सिखबैत छलाह।"
2 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " जखन अहाँ सभ प्रार्थना करैत छी तँ कहू जे, 'हमर सभक पिता जे स् वर्ग मे छी, अहाँक नाम पवित्र कयल जाय।" तोहर राज्य आऊ। तोहर इच्छा पूरा होउ, जेना स्वर्ग मे, पृथ्वी मे सेहो।
3 हमरा सभ केँ दिन-प्रतिदिन अपन दिनक रोटी दिअ।
4 आ हमरा सभक पाप क्षमा करू। किएक तँ हम सभ सेहो क्षमा कऽ दैत छी जे हमरा सभक ऋणी अछि। आ हमरा सभ केँ परीक्षा मे नहि लऽ जाउ। मुदा हमरा सभ केँ अधलाह सँ बचाउ।
5 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " अहाँ सभ मे सँ ककरो मित्र होयत आ आधा राति मे हुनका लग जा कऽ कहत जे, "मित्र, हमरा तीन टा रोटी उधार दिअ।"
6 किएक तँ हमर एकटा मित्र अपन यात्रा मे हमरा लग आबि गेल अछि, आ हमरा लग ओकरा सामने कोनो बात नहि अछि?
7 ओ भीतर सँ उत्तर देताह, "हमरा परेशान नहि करू। हम उठि कऽ तोरा नहि दऽ सकैत छी।
8 हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, भले ओ उठि कऽ ओकरा अपन मित्र हेबाक कारणेँ नहि देथिन, मुदा अपन आग्रहक कारणेँ ओ उठि कऽ ओकरा जतेक चाही से देत।
9 हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे माँगू, तखन अहाँ सभ केँ देल जायत। खोजू, तऽ पाबि जायब। खटखटाउ, तखन अहाँ सभक लेल खुजल रहत।"
10 जे केओ माँगैत अछि, से भेटैत अछि। जे खोजै छै, से पाबै छै। जे खटखटाओत तकरा लेल ओ खोलल जायत।"
11 जँ कोनो बेटा अहाँ सभ मे सँ कियो पिता सँ रोटी माँगत तऽ की ओकरा पाथर देत? जँ माछ माँगत तँ माछक बदला मे साँप दऽ देतैक?
12 आकि जँ ओ अंडा माँगत तँ ओकरा बिच्छू चढ़ाओत?
13 जँ अहाँ सभ दुष्ट भऽ कऽ अपन सन् तान सभ केँ नीक वरदान देबऽ जनैत छी तँ अहाँ सभक स् वर्गीय पिता हुनका सँ माँगनिहार सभ केँ पवित्र आत् मा कतेक बेसी देथिन?
14 ओ एकटा दुष् टात् मा केँ बाहर निकालि रहल छल आ ओ गूंगा छल। जखन शैतान बाहर निकलि गेल तखन गूंगा सभ बाजि उठल। आ लोक सभ आश्चर्यचकित भ' गेल।
15 मुदा हुनका सभ मे सँ किछु गोटे कहलथिन, "ओ दुष् टात् मा सभक प्रमुख बेलजबूबक द्वारा दुष् टात् मा सभ केँ भगाबैत छथि।"
16 दोसर लोक सभ हुनका परखैत स् वर्ग सँ चिन् त्र तकैत छल।
17 मुदा ओ हुनका सभक विचार केँ जानि हुनका सभ केँ कहलथिन, " प्रत्येक राज्य जे अपना-अपना विरुद्ध बँटल अछि, से उजाड़ भऽ जाइत अछि। घरक विरुद्ध बँटल घर खसि पड़ैत अछि।
18 जँ शैतान सेहो अपना आप मे बँटि जायत तँ ओकर राज्य कोना ठाढ़ होयत? किएक तँ अहाँ सभ कहैत छी जे हम बेलजबूबक द्वारा दुष् टात् मा सभ केँ भगा दैत छी।"
19 जँ हम बेलजबूबक द्वारा दुष् टात् मा सभ केँ भगाबैत छी तँ अहाँ सभक पुत्र सभ केकरा द्वारा ओकरा सभ केँ बाहर निकालैत अछि? तेँ ओ सभ अहाँ सभक न्यायाधीश हेताह।"
20 मुदा जँ हम परमेश् वरक आँगुर सँ दुष् टात् मा सभ केँ भगा दैत छी तँ परमेश् वरक राज् य अहाँ सभ पर आबि गेल अछि।
21 जखन बलवान आदमी हथियारबंद अपन महल रखैत अछि तखन ओकर सम्पत्ति शान्ति मे रहैत अछि।
22 मुदा जखन ओकरा सँ बेसी बलवान ओकरा पर आबि कऽ ओकरा पर विजय प्राप्त कऽ दैत छैक तँ ओ ओकरा सँ ओकर सभटा कवच छीनि लैत छैक जकरा पर ओकरा भरोसा छलैक आ ओकर लूट-पाट बँटि लैत छैक।
23 जे हमरा संग नहि अछि से हमरा विरोध मे अछि, आ जे हमरा संग नहि जमा करैत अछि से तितर-बितर करैत अछि।
24 जखन अशुद्ध आत् मा मनुष् य मे सँ निकलि जाइत अछि तँ ओ शुष्क स् थान मे घुमि कऽ विश्रामक खोज मे चलैत अछि। क्यो नहि भेटला पर ओ कहैत छथि, "हम अपन घर मे घुरि जायब, जतय सँ हम निकललहुँ।"
25 जखन ओ अबैत छथि तँ ओकरा झाड़ि-झूड़ल आ सजाओल पाबैत छथि।
26 तखन ओ जा कऽ अपना सँ बेसी दुष्ट सातटा आन आत् मा केँ अपना लग लऽ जाइत छथि। ओ सभ ओहि मे प्रवेश कऽ कऽ ओतऽ रहि जाइत अछि, आ ओहि आदमीक अंतिम अवस्था पहिलुक स्थिति सँ बेसी खराब अछि।
27 जखन यीशु ई सभ बात कहि रहल छलाह तखन ओहि दलक एकटा स् त्री हुनका आवाज उठा कऽ कहलथिन, "धन्य अछि ओ गर्भ जे अहाँ केँ जन्म देलक आ जे पेट चूसने छी।"
28 मुदा ओ कहलथिन, " बल् कि परमेश् वरक वचन सुननिहार आ ओकर पालन करनिहार सभ धन्य छथि।"
29 जखन लोक सभ मोटगर जमा भऽ गेल तँ ओ कहय लगलाह, " ई सभ दुष् ट पीढ़ी अछि। एहि पर कोनो चिन् ह नहि, सिवाय योनास प्रवक् ताक चिन् ह।
30 जहिना योना नीनवी लोकक लेल चिन् ह, तहिना मनुष् य-पुत्र सेहो एहि पीढ़ीक लेल सेहो होयत।
31 दक्षिणक रानी न्यायक समय मे एहि पीढ़ीक लोक सभक संग उठि कऽ हुनका सभ केँ दोषी ठहराओतनि, किएक तँ ओ पृथ् वीक अन्त्य भाग सँ सुलेमानक बुद्धि सुनबाक लेल आयल छलीह। आ देखू, सुलेमान सँ पैघ एकटा एतय अछि।"
32 नीनवक लोक सभ एहि पीढ़ीक संग न्यायक समय मे उठि कऽ ओकरा दोषी ठहराओत। आ देखू, योनास सँ पैघ एकटा एतय अछि।
33 केओ दीया जरा कऽ ओकरा गुप्त स्थान पर नहि राखि दैत अछि, ने कोनो झाड़ीक नीचाँ, बल् कि दीया पर अबैत अछि।
34 शरीरक इजोत आँखि अछि, तेँ जखन अहाँक आँखि एकल रहैत अछि तखन अहाँक पूरा शरीर सेहो इजोत सँ भरल अछि।

मुदा जखन अहाँक आँखि अधलाह होइत अछि तखन अहाँक शरीर सेहो अन्हार सँ भरल रहैत अछि।
35 तेँ सावधान रहू जे अहाँ मे जे इजोत अछि से अन्हार नहि हो।
36 जँ अहाँक समस्त शरीर इजोत सँ भरल रहत आ कोनो भाग अन्हार नहि होयत तँ पूरा शरीर इजोत सँ भरल रहत, जेना जखन दीयाक तेज चमक अहाँ केँ इजोत दैत अछि।
37 जखन ओ बाजि रहल छलाह तखन एकटा फरीसी हुनका संग भोजन करबाक लेल विनती कयलनि।
38 फरिसी ई देखि आश्चर्यचकित भऽ गेलाह जे ओ पहिने भोजन करबा सँ पहिने नहि नहौलनि।
39 परमेश् वर हुनका कहलथिन, " अब अहाँ सभ फरिसी सभ प्याला आ थालीक बाहर साफ कऽ रहल छी। मुदा अहाँक भीतरक भाग खरखर आ दुष्टता सँ भरल अछि।
40 अहाँ सभ मूर्ख सभ, की जे बाहरक चीज बनौलक से भीतरक चीज सेहो नहि बनौलक?
41 बल् कि अहाँ सभक जे किछु अछि, ताहि सँ भिक्षा दिअ। देखू, अहाँ सभक लेल सभ किछु शुद्ध अछि।
42 मुदा, अहाँ सभ केँ धिक्कार अछि, फरिसी सभ! किएक तँ अहाँ सभ पुदीना आ रुई आ सभ तरहक जड़ी-बूटीक दसम भाग दैत छी आ न्याय आ परमेश् वरक प्रेम केँ पार करैत छी।
43 हे फरिसी सभ, अहाँ सभ केँ धिक्कार! किएक तँ अहाँ सभ सभाघर मे सभ सँ ऊपरक आसन आ बजार मे शुभकामना सँ प्रेम करैत छी।
44 अहाँ सभ धिक्कार अछि, अहाँ सभ शास्त्री आ फरिसी सभ, पाखंडी सभ! किएक तँ अहाँ सभ ओहि कब्र जकाँ छी जे नहि देखाइत अछि, आ ओहि पर चलयवला लोक सभ ओकरा सभक कोनो ज्ञान नहि रखैत अछि।"
45 तखन एक गोटे व्यक्ति-शिक्षक हुनका कहलथिन, "गुरु, ई कहि अहाँ हमरा सभ केँ सेहो निन्दा करैत छी।"
46 ओ कहलथिन, " अहाँ सभ केँ सेहो धिक्कार अछि, हे व्यक्त-वस्तु सभ! किएक तँ अहाँ सभ मनुष्य सभ पर कठिन भार उठाबैत छी, आ अहाँ सभ एक आँगुर सँ भार केँ नहि छूबैत छी।
47 धिक्कार अहाँ सभ केँ! किएक तँ अहाँ सभ प्रवक् ता सभक कब्र बनबैत छी आ अहाँ सभक पूर्वज ओकरा सभ केँ मारि देलक।
48 अहाँ सभ सत्ते गवाही दैत छी जे अहाँ सभ अपन पूर्वज सभक काज केँ अनुमति दैत छी।
49 तेँ परमेश् वरक बुद्धि सेहो कहलथिन, "हम हुनका सभ केँ प्रवक् ता आ प्रेरित सभ पठा देबनि आ हुनका सभ मे सँ किछु केँ मारि कऽ सताओत।
50 जाहि सँ संसारक सृष्टि सँ बहराएल सभ प्रवक् ता सभक खून एहि पीढ़ी सँ माँगल जाय।
51 हाबिल केर खून सँ ल' क' जकरयाहक खून धरि जे वेदी आ मन्दिरक बीच मे नष्ट भ' गेल छल।
52 हे वकील सभ, अहाँ सभ केँ धिक्कार! अहाँ सभ ज्ञानक चाभी छीनि लेलहुँ, अहाँ सभ अपना मे प्रवेश नहि केलहुँ आ जे सभ प्रवेश करैत छल, तकरा सभ केँ अहाँ सभ रोकि देलियैक।
53 जखन यीशु हुनका सभ केँ ई बात कहि रहल छलाह तखन धर्मशास्त्री आ फरिसी सभ हुनका पर जोर-जोर सँ आग्रह करय लगलाह आ हुनका बहुत रास बात कहय लेल उकसाबय लगलाह।
54 हुनकर प्रतीक्षा करैत छलाह आ हुनकर मुँह सँ किछु निकालबाक प्रयास करैत छलाह जाहि सँ हुनका पर आरोप लगाओल जा सकय।

अध्याय 12

1 एहि बीच जखन असंख्य लोक सभ एक ठाम जमा भ' गेल छल, जाहि सँ ओ सभ एक-दोसर पर दबाड़ि गेल, तखन ओ सभ सँ पहिने अपन शिष् य सभ केँ कहय लगलाह, " फरिसी सभक खमीर सँ सावधान रहू, जे पाखंड अछि।"
2 किएक तँ कोनो एहन कोनो बात नहि अछि जे प्रगट नहि होयत। आ ने नुकाएल, जे पता नहि चलत।
3 तेँ अहाँ सभ जे किछु अन्हार मे कहलहुँ से इजोत मे सुनल जायत। जे बात अहाँ सभ कोठरी मे कान मे बाजल छी से घरक चोटी पर प्रचारित कयल जायत।
4 हम अहाँ सभ केँ हमर मित्र लोकनि केँ कहैत छी जे, जे शरीर केँ मारि दैत अछि, आ तकर बाद ओकरा सभ केँ आब कोनो काज नहि, ताहि सभ सँ नहि डेराउ।
5 मुदा हम अहाँ सभ केँ पहिने सँ चेतावनी देब जे अहाँ सभ ककरा सँ डरब। हँ, हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, हुनका सँ डरू।"
6 की पाँच गौरैया दू फारथ मे बिकाइत अछि आ परमेश् वरक सामने एकटा गौरैया बिसरल नहि जाइत अछि?
7 मुदा अहाँक माथक केश सेहो सभ गिनल गेल अछि। तेँ नहि डेराउ, अहाँ सभ बहुतो गौरैया सँ बेसी मोलगर छी।
8 हम अहाँ सभ केँ सेहो कहैत छी जे जे केओ मनुष् यक समक्ष हमरा स् वीकार करत, से मनुष् य-पुत्र सेहो परमेश् वरक स् वर्गदूत सभक समक्ष हुनका स्वीकार करत।
9 मुदा जे केओ मनुष् यक समक्ष हमरा अस्वीकार करत, से परमेश् वरक स् वर्गदूत सभक समक्ष अस्वीकार कयल जायत।
10 जे केओ मनुष् यक पुत्रक विरुद्ध कोनो बात कहत तँ ओकरा माफ कयल जायत।
11 जखन ओ सभ अहाँ सभ केँ सभाघर, मजिस्ट्रेट आ अधिकार सभक समक्ष अनताह तखन अहाँ सभ एहि बातक कोनो विचार नहि करू जे अहाँ सभ कोना उत्तर देब आ की कहब।
12 किएक तँ पवित्र आत् मा अहाँ सभ केँ ओहि समय मे सिखाओत जे अहाँ सभ केँ की कहबाक चाही।
13 ओहि दल मे सँ एक गोटे हुनका कहलथिन, "गुरु, हमर भाय सँ कहू जे ओ हमरा संग उत्तराधिकार बँटथि।"
14 ओ हुनका पुछलथिन, " यार, हमरा अहाँ सभक न्यायाधीश वा बँटवारा के बनौलनि?"
15 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " सावधान रहू आ लोभ सँ सावधान रहू, किएक तँ मनुष् यक जीवन ओहि वस्तुक प्रचुरता मे नहि होइत छैक।"
16 ओ हुनका सभ केँ एकटा दृष्टान्त बजौलनि, " एकटा धनी लोकक जमीन मे प्रचुर मात्रा मे खेती भेलैक।
17 ओ मने-मन सोचैत कहलथिन, "हम की करब, किएक तँ हमरा लग अपन फल देबाक कोनो जगह नहि अछि?"
18 ओ कहलथिन, "हम ई काज करब। आ ओतहि हम अपन सभ फल आ सम्पत्ति दान करब।
19 हम अपन प्राण केँ कहब जे, "अहाँ केँ बहुत वर्ष धरि बहुत रास सम्पत्ति जमा कयल गेल अछि। आराम करू, खाउ, पीबू आ मस्त रहू।

20 मुदा परमेश् वर हुनका कहलथिन, "हे मूर्ख, आइ राति अहाँक प्राण माँगल जायत।
21 जे अपना लेल धन जमा करैत अछि, मुदा परमेश् वरक प्रति धनिक नहि अछि।
22 ओ अपन शिष् य सभ कें कहलथिन, " एही लेल हम अहाँ सभ कें कहैत छी जे, अहाँ सभ की खाएब, ताहि पर कोनो चिन्ता नहि करू। आ ने शरीरक लेल, जे पहिरब।
23 जीवन भोजन सँ बेसी अछि, आ शरीर वस्त्र सँ बेसी अछि।
24 काग पर विचार करू। जकरा मे ने भंडार अछि आ ने कोठी। परमेश् वर ओकरा सभ कें पोसैत छथि, अहाँ सभ चिड़ै सभ सँ कतेक नीक छी?
25 अहाँ सभ मे सँ के सोचि कऽ अपन कद मे एक हाथ बढ़ा सकैत अछि?
26 जँ अहाँ सभ छोट-छोट काज नहि कऽ सकैत छी तँ शेषक लेल अहाँ सभ किएक सोचैत छी?
27 कुमुद पर विचार करू जे ओ कोना बढ़ैत अछि। तैयो हम अहाँ सभ कें कहैत छी जे सुलेमान अपन समस्त महिमा मे एहि मे सँ कोनो एकटा जकाँ सजल नहि छलाह।
28 जँ परमेश् वर घास कें एना कपड़ा पहिरा दैत छथिन जे आइ खेत मे अछि आ काल्हि भोज मे फेकल जायत अछि। हे अल्प विश् वासक लोक सभ, ओ अहाँ सभ कें कतेक बेसी कपड़ा पहिराओत?
29 अहाँ सभ की खाएब आ की पीब से नहि ताकब आ ने अहाँ सभ संदेह मे रहू।
30 संसारक जाति सभ एहि सभ बातक खोज करैत अछि।
31 बल् कि अहाँ सभ परमेश् वरक राज् य कें ताकब। ई सभ बात अहाँ सभक संग जोड़ल जायत।"
32 हे छोट झुंड, नहि डेराउ। किएक तँ अहाँ सभक पिता अहाँ सभ कें राज्य देबऽ चाहैत छथि।
33 जे किछु अछि से बेचि कऽ भिक्षा दिअ। अपना लेल झोरा जे पुरान नहि होइत अछि, आकाश मे एकटा एहन खजाना जे क्षीण नहि होइत अछि, जतय चोर लग नहि अबैत अछि आ ने पतंग भ्रष्ट नहि करैत अछि।
34 किएक तँ जतऽ अहाँक खजाना रहत, ओतहि अहाँक मोन सेहो रहत।
35 अहाँक कमर मे पट्टी बान्हल रहू आ अहाँक इजोत जरैत रहय।
36 अहाँ सभ ओहि लोक जकाँ छी जे अपन मालिकक प्रतीक्षा करैत अछि जखन ओ विवाह सँ घुरताह। जाहि सँ जखन ओ आबि कऽ खटखटौताह तँ तुरन्त हुनका सामने खोलि सकथिन।
37 धन्य छथि ओ सेवक सभ, जे प्रभु आबि कऽ हुनका सभ कें पहरा दैत पाबि लेताह।
38 जँ ओ दोसर प्रहर मे आबि वा तेसर प्रहर मे आबि कऽ ओकरा सभ कें ओहिना पाबि लेत तऽ धन्य ओ सेवक सभ।
39 ई जानि लिअ जे जँ घरक मालिक कें बुझल रहैत जे चोर कोन समय मे आओत तऽ ओ जागल रहैत आ अपन घर तोड़य नहि दैत।
40 तेँ अहाँ सभ सेहो तैयार रहू, किएक तँ मनुष् य-पुत्र ओहि समय मे आबि रहल छथि जखन अहाँ सभ नहि सोचैत छी।
41 तखन पत्रुस हुनका कहलथिन, "प्रभु, की अहाँ ई दृष्टान्त हमरा सभ कें कहैत छी वा सभ कें?"
42 परमेश् वर कहलथिन, " तखन ओ विश् वासपूर्ण आ बुद्धिमान भंडारी के अछि, जकरा अपन मालिक अपन घरक लोक पर शासक बनाओत आ समय पर हुनका सभ कें भोजनक भाग देथिन?"
43 धन्य अछि ओ सेवक, जकरा मालिक आबि कऽ एना करैत देखताह।
44 हम अहाँ सभ कें सत् य कहैत छी जे ओ ओकरा अपन सभ किछु पर अध् यक्ष बनाओत।
45 मुदा जँ ओ सेवक मोन मे कहैत अछि जे, 'हमर मालिक अपन आबय मे देरी क' रहल छथि। आ पुरुष-दासी-कन्या सभ कें मारि-पीट कर' लागत, आ खा-पीब आ नशा मे धुत्त होब' लागत।
46 ओहि नोकरक मालिक ओहि दिन मे आबि जेताह जखन ओ ओकरा नहि ताकत आ ओहि समय मे जखन ओकरा नहि बुझल होयत।
47 जे नोकर अपन मालिकक इच्छा कें जनैत छल आ अपना कें तैयार नहि करैत छल आ ने ओकर इच्छाक अनुसार करैत छल, ओकरा बहुत मारल जायत।
48 मुदा जे नहि जनैत छल आ प्रहारक योग्य काज करैत अछि, तकरा कम प्रहार सँ मारल जायत। कारण, जकरा बहुत किछु देल जायत, ओकरा सँ बहुत किछु माँगल जायत।
49 हम पृथ्वी पर आगि पठेबाक लेल आयल छी। आ जँ पहिने सँ जरि गेल अछि तँ हम की करब?
50 मुदा हमरा बपतिस् मा लेबऽ पड़त। आ जा धरि ई पूरा नहि भ' जायत ता धरि हम कोना संकुचित छी!
51 अहाँ सभ ई मानि लैत छी जे हम पृथ् वी पर शान्ति देबऽ लेल आयल छी? हम कहैत छी, नहि; बल्कि विभाजन:
52 आब सँ एक घर मे पाँच गोटे बँटल रहताह, तीन गोटे दू गोटेक विरुद्ध आ दू गोटे तीन गोटेक विरुद्ध।
53 पिता बेटाक विरुद्ध आ बेटा पिताक विरुद्ध बँटल रहत। माय बेटीक विरुद्ध आ बेटी मायक विरुद्ध। सासु अपन पुतोहुक विरुद्ध आ पुतोहु अपन सासुक विरुद्ध।
54 ओ लोक सभ कें सेहो कहलथिन, " पशच्च दिस सँ मेघ उठैत देखि कऽ तुरत कहैत छी जे, 'बृष्टि अबैत अछि। आ से सेहो अछि।
55 जखन अहाँ सभ दक्षिणक हवा बहैत देखि कऽ कहैत छी जे, गर्मी होयत। आ से होइत छैक।
56 अहाँ सभ पाखंडी सभ, अहाँ सभ आकाश आ पृथ् वीक मुँह कें बूझि सकैत छी। मुदा एहि बेर अहाँ सभ कोना नहि बुझैत छी?
57 हँ, आ अहाँ सभ अपना सँ किएक नहि मानैत छी जे उचित अछि?
" कहीं ओ अहाँ कें न्यायाधीशक समक्ष नहि राखि देत, आ न्यायाधीश अहाँ कें अधिकारीक हाथ मे नहि सौंपि देत, आ अधिकारी अहाँ कें जेल मे नहि राखि देत।"
59 हम अहाँ कें कहैत छी जे जाबत धरि अहाँ अंतिम माइटी नहि चुका लेब ता धरि ओतय सँ नहि निकलब।

अध्याय 13

1 ओहि समय मे किछु लोक हुनका गलील लोकक विषय मे कहैत छलाह, जिनकर खून पिलातुस हुनका सभक बलिदान मे मिला देने छलाह।
2 यीशु हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, " की अहाँ सभ ई मानैत छी जे ई गलील लोक सभ गलील लोक सभ सँ बेसी पापी छथि, कारण हुनका सभ कें एहन कष्ट भेलनि?"

3 हम अहाँ सभ केँ नहि कहैत छी, मुदा, जाबत अहाँ सभ पश्चाताप नहि करब, ताबत धरि अहाँ सभ तहिना नाश भऽ जायब।

4 आकि ओ अठारह गोटे, जिनका पर सिलोआमक बुर्ज खसि पड़लनि आ हुनका सभ केँ मारि देलकनि, से अहाँ सभ सोचैत छी जे ओ सभ यरूशलेम मे रहनिहार सभ लोक सँ बेसी पापी छलाह?

5 हम अहाँ सभ केँ नहि कहैत छी, मुदा, जाबत अहाँ सभ पश्चाताप नहि करब, ताबत धरि अहाँ सभ तहिना नाश भऽ जायब।

6 ओ ई दृष्टान्त सेहो कहलनि। एक आदमीक अंगूरक बगीचा मे अंजीरक गाछ रोपल छल। ओ आबि कऽ ओहि पर फल ताकैत रहलाह, मुदा कोनो फल नहि भेटलनि।

7 तखन ओ अपन अंगूरक बगीचाक साज-सज्जा करयवला केँ कहलथिन, “देखू, तीन साल सँ हम एहि अंजीरक गाछ पर फल ताकैत आबि रहल छी, मुदा कोनो नहि भेटैत अछि। एकरा जमीन पर किएक बोझिल अछि?

8 ओ हुनका उत्तर देलथिन, “प्रभु, एहि साल सेहो छोड़ू, जाबत हम ओकरा चारू कात खोदब आ ओकरा गोबर नहि देब।

9 जँ ओ फल दैत अछि तँ नीक, आ जँ नहि, तँ तकर बाद ओकरा काटि देब।

10 ओ विश्राम-दिन मे एकटा सभाघर मे शिक्षा दऽ रहल छलाह।

11 एकटा स् त्री छल, जकरा अठारह वर्षक दुर्बलताक आत् मा छलनि, ओ एक संग प्रणाम कएने छलीह आ अपना केँ कोनो तरहेँ उठि नहि सकलीह।

12 यीशु ओकरा देखि कऽ ओकरा अपना लग बजा कऽ कहलथिन, “ हे स् त्री, अहाँ अपन दुर्बलता सँ मुक्त भऽ गेल छी।”

13 ओ ओकरा पर हाथ राखि देलक आ तुरन्त ओ सोझ भऽ गेलीह आ परमेश् वरक महिमा कयलनि।

14 सभाघरक मालिक क्रोधित भऽ कऽ उत्तर देलथिन, किएक तँ यीशु विश्राम-दिन मे ठीक कयलनि आ लोक सभ केँ कहलथिन, “छह दिन मे लोक केँ काज करबाक चाही सब्त के दिन।

15 तखन परमेश् वर हुनका उत्तर देलथिन, “ हे पाखंडी, की अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे विश्राम-दिन मे अपन बैल वा अपन गदहा केँ ठेहुन सँ नहि खोलि कऽ पानि पीबय लेल नहि लऽ जाइत छी?”

16 की ई स् त्री अब्राहमक बेटी, जकरा शैतान एहि अठारह वर्ष मे बान्हि देने छथि, विश्रामक दिन एहि बंधन सँ मुक्त नहि हेबाक चाही?

17 यीशु ई बात कहि कऽ हुनकर सभ विरोधी सभ लज्जित भऽ गेलाह।

18 तखन ओ पुछलथिन, “ परमेश् वरक राज् य केहन अछि?” आ हम एकरा कोन तरहेँ मिलैत-जुलैत रहब?

19 ई एकटा सरसोक दाना जकाँ अछि, जकरा मनुष् य लऽ कऽ अपन गाछी मे फेकि देलक। ओ बढ़ि कऽ एकटा पैघ गाछक मोम बनि गेल। आ आकाशक चिड़ै सभ ओकर डारि मे बैसि गेल।

20 ओ फेर पुछलथिन, “ हम परमेश् वरक राज् य केँ कोन उपमा देब?”

21 ई खमीर जकाँ अछि, जकरा स् त्री तीन नाप आटा मे नुका कऽ रखने छल, जाबत धरि पूरा खमीर नहि भऽ गेल।

22 ओ नगर-गाम मे घुमि कऽ शिक्षा दैत रहलाह आ यरूशलेम दिस विदा भेलाह।

23 तखन एक गोटे हुनका पुछलथिन, “प्रभु, की उद्धार पाबनिहार कम अछि?” ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “

24 संकीर्ण फाटक पर प्रवेश करबाक लेल प्रयास करू, किएक तँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, बहुतो लोक प्रवेश करबाक प्रयास करताह, मुदा नहि कऽ सकैत छथि।

25 जखन एक बेर घरक मालिक उठि कऽ दरबज्जा बन्न कऽ देलक आ अहाँ सभ बाहर ठाढ़ भऽ कऽ दरबज्जा खटखटाबय लगैत छी जे, “प्रभु, प्रभु, हमरा सभ केँ खोलि दियौक।” ओ अहाँ सभ केँ उत्तर देताह, “हम अहाँ सभ केँ नहि जनैत छी जे अहाँ सभ कतय सँ आयल छी।

26 तखन अहाँ सभ कहब जे, “हम सभ अहाँक सोझाँ मे भोजन-पीना केलहुँ आ अहाँ हमरा सभक गली-गली मे शिक्षा देलहुँ।”

27 मुदा ओ कहताह, “हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे हम अहाँ सभ केँ नहि जनैत छी जे अहाँ सभ कतय सँ आयल छी। हे सभ अधर्मकर्मी, हमरा सँ दूर भ' जाउ।”

28 जखन अहाँ सभ परमेश् वरक राज् य मे अब्राहम, इसहाक, याकूब आ सभ प्रवक् ता सभ केँ देखब आ अहाँ सभ केँ बाहर निकालि देल गेल अछि।

29 ओ सभ पूब, पश्चिम, उत्तर आ दक्षिण सँ आबि परमेश् वरक राज् य मे बैसत।

30 देखू, अंतिम लोक सभ पहिने होयत, आ पहिल लोक सभ अंतिम होयत।

31 ओही दिन किछु फरिसी सभ हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, “नहि जाउ आ एतऽ सँ चलि जाउ।

32 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “ जाउ, ओहि लोमड़ी केँ कहि दियौक जे, “देखू, हम दुष् टात् मा सभ केँ भगा दैत छी आ आइ-काल्हि इलाज करैत छी, आ तेसर दिन हम सिद्ध भऽ जायब।”

33 तैयो हमरा आइ, काल्हि आ दोसर दिन चलब, किएक तँ ई नहि भऽ सकैत अछि जे यरूशलेम सँ कोनो भविष्यवक्ता नष्ट भऽ जाय।

34 हे यरूशलेम, यरूशलेम, जे भविष्यवक्ता सभ केँ मारि दैत छी आ अहाँ लग पठाओल गेल लोक सभ केँ पाथर सँ मारि दैत छी। हम कतेक बेर अहाँक बच्चा सभ केँ एक ठाम जमा करितहुँ, जेना मुर्गी अपन बच्चा सभ केँ पाँखि नीचाँ जमा करैत अछि, मुदा अहाँ सभ नहि चाहैत छलहुँ!

35 देखू, अहाँ सभक घर अहाँ सभक लेल उजाड़ भऽ गेल अछि, आ हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे, जाबत धरि अहाँ सभ हमरा नहि देखब, जाबत धरि अहाँ सभ कहब जे, “धन्य अछि जे प्रभुक नाम सँ आओत।”

अध्याय 14

1 जखन ओ विश्राम-दिन मे एकटा मुख्य फरीसीक घर मे रोटी खाय गेलाह तखन ओ सभ हुनका पर नजरि रखलनि।

2 देखू, हुनका आगू मे एकटा एहन आदमी छल जे बूंदक बीमारी सँ पीड़ित छल।

3 यीशु धर्म-नियमक व्यापक आ फरिसी सभ केँ कहलथिन, “ की विश्राम-दिन मे ठीक करब उचित अछि?”

4 ओ सभ चुप रहलाह। ओ ओकरा लऽ कऽ ठीक कऽ कऽ ओकरा छोड़ि देलक।

5 ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, “ अहाँ सभ मे सँ केकर गदहा वा बैल गड्ढा मे खसि पड़त आ विश्राम-दिन मे ओकरा तुरन्त बाहर नहि निकालत?”

6 ओ सभ हुनका फेर सँ एहि बातक उत्तर नहि दऽ सकलाह।
7 ओ सभ बजौल गेल लोक सभ कैं एकटा दृष्टान्त देलनि, जखन
ओ सभ प्रमुख कोठली सभ कैं कोना चुनलनि। हुनका सभ कैं
कहलथिन।
8 जखन अहाँ कैं ककरो विवाह मे बजाओल जायत तखन अहाँ
कैं सर्वोच्च कोठली मे नहि बैसब। कहीं तोरा सँ बेसी आदरणीय
आदमी ओकरा सँ नहि बजाओल जायत।
9 जे अहाँ आ हुनका बजौने छल, से आबि कऽ अहाँ कैं कहैत
अछि जे, "एहि आदमी कैं जगह दिअ।" आ अहाँ लाज सँ नीचाँक
कोठली लेबय लगैत छी।
10 मुदा जखन अहाँ कैं बजाओल जायत तखन जाउ आ नीचाँक
कोठली मे बैसि जाउ। जाहि सँ जखन अहाँ कैं बजौने छथि, तखन
ओ अहाँ कैं कहथिन जे, "मित्र, ऊपर चलि जाउ।"
11 किएक तँ जे केओ अपना कैं ऊपर उठबैत अछि, से नीचाँ
कयल जायत। जे अपना कैं नम्र करैत अछि, से ऊँच कयल
जायत।"
12 तखन ओ हुनका आज्ञा देनिहार कैं सेहो कहलथिन, " जखन
अहाँ भोजन वा भोजन करब तखन अपन मित्र, भाय, ने अपन
रिश्तेदार आ ने अपन धनी पड़ोसी कैं बजाउ। कहीं ओहो सभ
अहाँ कैं फेर सँ नहि बजा लेत आ अहाँ कैं कोनो प्रतिफल नहि
भेटि जाय।"
13 मुदा जखन अहाँ भोज करब तखन गरीब, अपंग, लंगड़ा आ
आन्हर कैं बजाउ।
14 अहाँ धन्य होयब। किएक तँ ओ सभ तोहर प्रतिफल नहि दऽ
सकैत अछि, किएक तँ धर्मी लोकक जीबि उठला पर तोहर
प्रतिफल भेटतौक।"
15 जखन हुनका संग भोजन करय बला लोक मे सँ एक गोटे ई
बात सुनि कऽ कहलथिन, "धन्य अछि जे परमेश् वरक राज् य मे
रोटी खाओत।"
16 तखन ओ हुनका कहलथिन, " एकटा आदमी बहुत रास भोज
कयलनि आ बहुतो कैं बजौलनि।
17 भोजनक समय मे अपन नोकर कैं पठौलनि जे बजाओल गेल
लोक सभ कैं कहय, "आउ।" किएक तँ आब सभ किछु तैयार
भऽ गेल अछि।
18 ओ सभ एक सहमति सँ बहाना बनाबय लगलाह। पहिल लोक
हुनका कहलथिन, "हम एकटा जमीन कीनि लेने छी, आ ओकरा
देखय लेल जाय पड़त।
19 दोसर गोटे कहलथिन, "हम पाँचटा जुआ बैल कीनि लेने छी
आ ओकरा सभ कैं परखय जा रहल छी।"
20 दोसर कहलक, "हम पत्नीक विवाह कएने छी, तैं हम नहि
आबि सकैत छी।"
21 ओ नोकर आबि कऽ अपन मालिक कैं ई सभ बात बता
देलक। तखन घरक मालिक तमसा क' अपन नोकर कैं
कहलथिन, "जल्दी सँ शहरक गली-गली मे निकलू, आ गरीब,
अपंग, रुकल आ आन्हर कैं एतय आनि दियौक।"
22 सेवक कहलथिन, "प्रभु, अहाँक आज्ञानुसार ई काज भऽ गेल,
मुदा तैयो जगह अछि।"
23 प्रभु नोकर कैं कहलथिन, "राजमार्ग आ बाग मे जाउ आ
ओकरा सभ कैं बाध्य करू जाहि सँ हमर घर भरि जाय।"
24 हम अहाँ सभ कैं कहैत छी जे, जे लोक सभ कैं बजाओल गेल
छल, ताहि मे सँ कियो हमर भोजनक स्वाद नहि लेत।
25 हुनका संग बहुत रास भीड़ गेल।
26 जँ केओ हमरा लग आबि कऽ अपन पिता, माय, पत्नी, संतान,
भाय, बहिन, हँ, आ अपन प्राण सँ सेहो घृणा नहि करैत अछि, तँ
ओ हमर शिष् य नहि बनि सकैत अछि।
27 जे केओ अपन क्रूस नहि उठा कऽ हमरा पाछाँ नहि आओत,
से हमर शिष् य नहि भऽ सकैत अछि।
28 किएक तँ अहाँ सभ मे सँ केओ बुर्ज बनेबाक इच् छा करैत
अछि जे पहिने बैसि कऽ खर्चक गणना नहि करैत अछि जे
ओकरा पूरा करबाक लेल पर्याप्त अछि की नहि?
29 जँ ओ नींव राखि कऽ ओकरा पूरा नहि कऽ पबैत छथि तँ सभ
देखनिहार सभ हुनकर उपहास करऽ लगथिन।
30 ओ कहलथिन, "ई आदमी निर्माण करऽ लागल, मुदा काज
पूरा नहि कऽ सकल।"
31 की राजा दोसर राजाक संग युद्ध करऽ जा कऽ पहिने बैसि
कऽ ई विचार नहि करैत अछि जे की ओ दस हजारक संग बीस
हजारक संग आबयवला सँ भेंट कऽ सकैत अछि?
32 जँ दोसरो बहुत दूर अछि तँ ओ दूत पठा कऽ शान्तिक शर्त
चाहैत अछि।
33 तहिना अहाँ सभ मे सँ जे केओ अपन सभ किछु नहि छोड़ैत
अछि, से हमर शिष् य नहि बनि सकैत अछि।
34 नून नीक होइत अछि, मुदा जँ नूनक सुगंध खतम भऽ गेल
अछि तँ ओकरा कोन तरहेँ मसाला देल जायत?
35 ई ने देशक लेल उपयुक्त अछि आ ने गोबरक खेतक लेल।
मुदा मनुष्य ओकरा बाहर फेकि दैत अछि। जेकरा सुनै के कान
छै, ओकरा सुनै।

अध्याय 15

1 तखन सभ करदाता आ पापी हुनकर बात सुनबाक लेल हुनका
लग आबि गेलाह।
2 फरिसी आ धर्मशास्त्री सभ बड़बड़ाइत कहलथिन, "ई आदमी
पापी सभ कैं ग्रहण करैत अछि आ ओकरा सभक संग भोजन
करैत अछि।"
3 यीशु ई दृष्टान्त हुनका सभ कैं कहलथिन।
4 अहाँ सभ मे सँ केकरो सय भेँड़ा लऽ कऽ जँ ओकरा मे सँ
एकटा भेँड़ा गमा लेत तँ उननबेटा भेँड़ा कैं जंगल मे छोड़ि कऽ जे
हेरायल अछि ताबत धरि ओकरा पाछाँ नहि चलत?
5 जखन ओ ओकरा पाबि कऽ हर्षित भऽ कऽ कान्ह पर राखि
दैत छथि।
6 घर अबैत काल ओ अपन मित्र आ पड़ोसी सभ कैं बजा कऽ
कहैत छथिन, "हमरा संग आनन्दित रहू। किएक तँ हम अपन
बरद जे हेरायल छल, से पाबि गेल छी।
7 हम अहाँ सभ कैं कहैत छी जे, स् वर्ग मे एकटा पापी पर
पश्चाताप करयवला पर, ओहिना उननबे धर्मी लोक सँ बेसी
आनन्द होयत, जिनका पश्चाताप करबाक आवश्यकता नहि।
8 या की जे स् त्री चानीक दस टुकड़ी लऽ कऽ एक टुकड़ी गमा
लेत तँ ओ दीया नहि जरा कऽ घर झाड़ि कऽ ताबत धरि लगन सँ
तकैत नहि अछि?
9 जखन ओ ओकरा पाबि कऽ अपन मित्र आ पड़ोसी सभ कैं
बजा कऽ कहैत छथि जे, "हमरा संग आनन्दित रहू।" कारण जे
टुकड़ा हम गमा लेने रही से हमरा भेटि गेल अछि।
10 तहिना हम अहाँ सभ कैं कहैत छी जे, परमेश् वरक स् वर्गदूत
सभक सामने एकटा पापी पर आनन् ध अछि जे पश् चात्ताप
करैत अछि।

11 ओ कहलथिन, " एकटा आदमीक दूटा बेटा छल।
12 हुनका सभ मे सँ छोटका अपन पिता कें कहलथिन, "पिता, हमरा जे सम्पत्ति अछि से हमरा दिअ।" ओ हुनका सभ कें अपन गुजर-बसर बाँटि देलनि।
13 किछुए दिनक बाद छोटका बेटा सभ गोटे कें एक ठाम जमा भ' गेल आ दूर-दूर धरि यात्रा कयलक आ ओतहि उधम मचाबय मे अपन सम्पत्ति कें बर्बाद क' देलक।
14 जखन ओ सभ खर्च कऽ कऽ ओहि देश मे प्रबल अकाल पड़ि गेल। आ ओ अभाव मे पड़य लगलाह।
15 ओ जा कऽ ओहि देशक कोनो नागरिकक संग जुड़ि गेलाह। ओ ओकरा अपन खेत मे सुग्गर चराबय लेल पठौलनि।
16 ओ सुग्गर सभ जे छिलका खाइत छल, ओहि मे सँ अपन पेट भरि देथिन।
17 जखन ओ मन मे आबि कऽ कहलथिन, "हमर पिताक कतेक भाड़ाक नोकर लग रोटी आ बचल अछि, आ हम भूख सँ नाश भऽ जाइत छी!
18 हम उठि कऽ अपन पिता लग जा कऽ हुनका कहबनि जे, "पिता, हम स् वर्ग आ अहाँक समक्ष पाप केलहुँ।
19 आब हम अपन बेटा कहबाक योग्य नहि छी।
20 ओ उठि कऽ अपन पिता लग आबि गेलाह। मुदा जखन ओ बहुत दूर छलाह तखन हुनकर पिता हुनका देखि करुणा भेलाह आ दौड़ि कऽ हुनकर गरदनि पर खसि पड़लाह आ चुम्मा लेलनि।
21 पुत्र हुनका कहलथिन, "पिता, हम स् वर्ग आ अहाँक नजरि मे पाप केलहुँ आ आब अहाँक बेटा कहबाक योग्य नहि छी।"
22 मुदा पिता अपन नोकर सभ कें कहलथिन, "सब नीक वस्त्र निकालि कऽ ओकरा पहिरि लिअ। हाथ मे अंगूठी आ पएर मे जूता लगा देलथिन।
23 ओ मोटगर बछड़ा कें एतय आनि कऽ मारि दियौक। आउ, खाइ आ मस्त रहू।
24 हमर ई बेटा मरि गेल छल आ फेर जीवित अछि। ओ हेरा गेल छल, आ भेटि गेल अछि। आ ओ सभ मस्त होबय लगलाह।
25 हुनकर जेठका बेटा खेत मे छल, जखन ओ घर लग आबि गेलाह तखन ओ संगीत आ नाच सुनलनि।
26 ओ एकटा नोकर कें बजा कऽ पुछलथिन जे एहि बात सभक की अर्थ अछि।
27 ओ हुनका कहलथिन, "तोहर भाय आबि गेलाह। अहाँक पिता मोटका बछड़ा कें मारि देलनि, कारण ओ ओकरा सुरक्षित आ स्वस्थ ग्रहण कयलनि।
28 ओ क्रोधित भऽ कऽ भीतर नहि जाय चाहैत छलाह, तेँ हुनकर पिता बाहर आबि हुनका सँ विनती कयलनि।
29 ओ अपन पिता कें उत्तर देलथिन, "देखू, हम कतेको वर्ष सँ अहाँक सेवा करैत छी, आ ने अहाँक आज्ञाक उल्लंघन केलहुँ।
30 मुदा जहिना अहाँक ई बेटा आबि गेल, जे वेश्या सभक संग अहाँक जीवन-यापन कें खा गेल अछि, तखन अहाँ ओकरा लेल मोटका बछड़ा कें मारि देलियैक।
31 ओ हुनका कहलथिन, "बौआ, अहाँ सदिखन हमरा संग रहैत छी, आ हमरा लग जे किछु अछि से अहाँक अछि।"
32 हमरा सभ कें हँसी-खुशी करब उचित छल, किएक तँ ई अहाँक भाय मरि गेल छल आ जीवित अछि। आ हेरा गेल, आ भेटैत अछि।

अध्याय 16

1 ओ अपन शिष् य सभ कें सेहो कहलथिन, " एकटा धनी लोक छल, जकर एकटा भण्डारी छल। आ ओकरा पर आरोप लगाओल गेल जे ओ अपन सम्पत्ति बर्बाद क' देलक।
2 ओ हुनका बजा कऽ पुछलथिन, "हम अहाँक ई बात कोना सुनैत छी?" अपन भण्डारीपनक हिसाब दियौक। किएक तँ अहाँ आब भंडारी नहि बनि सकैत छी।
3 तखन ओ भण्डारी मने-मन पुछलथिन, "हम की करब?" हमर मालिक हमरा सँ भंडारी छीन लैत छथि। भीख माँगय लेल हमरा लाज होइत अछि।
4 हम सोचि लेने छी जे की करब, जाहि सँ जखन हम भंडारी सँ बाहर भऽ जायब तँ ओ सभ हमरा अपन घर मे ग्रहण कऽ सकथि।
5 ओ अपन मालिकक ऋणी सभ मे सँ एक-एकटा कें बजा कऽ पहिल कें कहलथिन, "अहाँ हमर मालिकक कतेक ऋणी छी?"
6 ओ कहलथिन, "सौ नाप तेल।" ओ ओकरा कहलथिन, "अपन बिल लऽ कऽ जल्दी-जल्दी बैसि जाउ आ पचासटा लिखू।"
7 तखन ओ दोसर कें कहलथिन, "अहाँ पर कतेक कर्ज अछि?" ओ कहलथिन, "सौ नाप गहूम।" ओ ओकरा कहलथिन, "अपन बिल लऽ कऽ सत्तरटा लिखू।"
8 प्रभु अधर्मी भण्डारी कें प्रशंसा कयलनि, किएक तँ ओ बुद्धिमानी सँ काज कयलनि।
9 हम अहाँ सभ कें कहैत छी जे, अधर्मक धन सँ अपना कें मित्र बनाउ। जाहि सँ जखन अहाँ सभ विफल रहब तँ ओ सभ अहाँ सभ कें अनन्त निवास मे समेटि लेत।
10 जे छोट-छोट बात मे विश् वास करैत अछि, से बहुत किछु मे सेहो विश् वास करैत अछि।
11 तेँ जँ अहाँ सभ अधर्मक धन मे विश् वास नहि कयलहुँ तँ के अहाँ सभक भरोसा मे सत् य धन कें सौंपत?
12 जँ अहाँ सभ दोसरक बात मे विश् वास नहि कयलहुँ तँ अहाँ सभ कें के देत?
13 कोनो नौकर दू मालिकक सेवा नहि कऽ सकैत अछि, किएक तँ ओ एक सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम करत। नै तँ एककेँ पकड़ि कऽ दोसरकेँ तिरस्कार करत। अहाँ सभ परमेश् वर आ धन-सम्पत्तीक सेवा नहि कऽ सकैत छी।
14 लोभी फरिसी सभ सेहो ई सभ बात सुनलनि।
15 ओ हुनका सभ कें कहलथिन, " अहाँ सभ मनुष् यक समक्ष अपना कें धार्मिक ठहराबऽ वला छी। मुदा परमेश् वर अहाँ सभक हृदय कें जनैत छथि, किएक तँ मनुष् य मे जे आदर कयल जाइत अछि से परमेश् वरक नजरि मे घृणित अछि।
16 धर्म-नियम आ प्रवक् ता सभ यूहन् ना धरि छल।
17 धर्म-नियमक एक छोट-मोट खंडक विफलता सँ स् वर्ग आ पृथ् वीक पारित होयब आसान अछि।
18 जे केओ अपन स् त्री कें छोड़ि कऽ दोसर विवाह करैत अछि, से व्यभिचार करैत अछि।
19 एकटा एहन धनी आदमी छल, जे बैंगनी आ महीन लिनन कपड़ा पहिरने छल आ सभ दिन धूमधाम सँ चलैत छल।
20 लाजर नामक एकटा भिखारी छल, जे हुनकर फाटक पर घाव सँ भरल छल।
21 ओ धनिक लोकक टेबुल पर सँ खसल टुकड़-टुकड़ सँ भोजन करऽ चाहैत छल।

22 ओ भिखारी मरि गेल आ स् वर्गदूत सभ ओकरा अब्राहमक
कोरा मे लऽ गेल।
23 ओ नरक मे कष्ट मे पड़ि कऽ आँखि उठा कऽ अब्राहम केँ दूर
सँ आ लाजर केँ कोरा मे देखैत छथि।
24 ओ चिचिया कऽ कहलथिन, "हे पिता अब्राहम, हमरा पर दया
करू आ लाजर केँ पठा दिअ जे ओ अपन आँगुरक नोक पानि मे
डुबा कऽ हमर जीह ठंढा करथि। कारण हम एहि ज्वाला मे
सताओल गेल छी।
25 मुदा अब्राहम कहलथिन, "बौआ, मोन राखू जे अहाँ केँ
जीवनकाल मे नीक-नीक चीज भेटल छल आ लाजर केँ सेहो
अधलाह बात भेटल अछि।
26 एहि सभक अतिरिक्त हमरा सभ आ अहाँ सभक बीच एकटा
पैघ खाड़ी ठाढ़ अछि, जाहि सँ जे सभ एतय सँ अहाँ सभ लग
पहुँचय चाहैत अछि से नहि कऽ सकैत अछि। आ ने ओ सभ
हमरा सभ लग जा सकैत अछि, जे ओतय सँ आबि सकैत छल।
27 तखन ओ कहलथिन, "हे पिता, हम अहाँ सँ विनती करैत छी
जे अहाँ हुनका हमर पिताक घर पठा दिअ।
28 हमरा पाँच भाय अछि। जाहि सँ ओ हुनका सभ केँ गवाही
देथिन, जाहि सँ ओहो सभ एहि यातनाक स्थान मे नहि आबि
जाय।"
29 अब्राहम हुनका कहलथिन, "ओकरा सभ लग मूसा आ प्रवक्
ता सभ छथि। हुनका सभ केँ सुनय दियौन।
30 ओ कहलथिन, "नहि, पिता अब्राहम, मुदा जँ केओ मृत् यु मे सँ
हुनका सभक लग गेल तँ ओ सभ पश्चाताप करत।"
31 ओ हुनका कहलथिन, "जँ ओ सभ मूसा आ प्रवक् ता सभक
बात नहि सुनत तँ ओ सभ मृत् यु मे सँ जीबि गेलाक बादो नहि
मनाओल जायत।"

अध्याय 17

1 तखन ओ शिष्य सभ केँ कहलथिन, " अपन अपराधक बादो
असंभव अछि।
2 एहि छोट-छोट बच्चा सभ मे सँ एकटा केँ ठेस पहुँचबा सँ नीक
जे हुनका लेल चक्कीक पाथर गरदनि मे लटका देल जाय आ ओ
समुद्र मे फेकि देल जाय।
3 अपना केँ सावधान रहू, जँ अहाँक भाय अहाँ सभक विरुद्ध
अपराध करैत अछि तँ ओकरा डाँटि दियौक। आ जँ ओ पश्चाताप
करत तँ ओकरा क्षमा करू।
4 जँ ओ अहाँ पर एक दिन मे सात बेर अपराध करैत अछि आ
एक दिन मे सात बेर अहाँ दिस घुरि कऽ ई कहैत अछि जे, "हम
पश्चाताप करैत छी।" अहाँ ओकरा क्षमा कऽ देब।
5 प्रेरित सभ प्रभु केँ कहलथिन, "हमरा सभक विश् वास बढ़ाउ।"
6 परमेश् वर कहलथिन, " जँ अहाँ सभक विश् वास सरसोक
दाना जकाँ रहैत तँ अहाँ सभ एहि सिकमिनक गाछ केँ कहि
सकितहुँ जे, 'जड़ि सँ उखाड़ि कऽ समुद्र मे रोपल जाउ। आ
ओकरा अहाँक बात मानबाक चाही।
7 मुदा अहाँ सभ मे सँ केकर नोकर जोतैत वा माल-जाल चरबैत
अछि, तखन जखन ओ खेत सँ अबैत अछि तखन-तखन ओकरा
कहत जे, "जाउ आ भोजन करबाक लेल बैसि जाउ?"
8 ओ हुनका ई नीक नहि कहथिन जे, जाबत धरि हम भोजन आ
पीब नहि लेब, ताबत धरि हम जे किछु भोजन कऽ सकब ताहि सँ
तैयार रहू आ कटि मे बान्हि कऽ हमर सेवा करू। तकर बाद
अहाँ खा-पीब?
9 की ओ ओहि नोकर केँ धन्यवाद दैत छथिन जे ओ जे काज
हुनका देल गेल छलनि से कयलनि? हम टा नहि करैत छी।
10 तहिना अहाँ सभ जखन आज्ञा देल गेल सभ काज पूरा कऽ
लेब तँ कहब जे, "हम सभ बेकार दास छी।"
11 ओ यरूशलेम जाइत काल सामरिया आ गलीलक बीच सँ
गुजरि गेलाह।
12 एक गाम मे प्रवेश करैत काल हुनका सँ दूर ठाढ़ दस गोट
कोढ़ी आदमी भेटलनि।
13 ओ सभ अपन आवाज उठा कऽ कहलथिन, "हे गुरु, यीशु,
हमरा सभ पर दया करू।"
14 यीशु ओकरा सभ केँ देखि कऽ कहलथिन, " जाउ, पुरोहित
सभक समक्ष देखाउ।" जखन ओ सभ जाइत-जाइत शुद्ध भऽ
गेलाह।
15 हुनका सभ मे सँ एक गोटे हुनका ठीक भऽ गेला पर घुरि
गेलाह आ जोर-जोर सँ परमेश् वरक महिमा कयलनि।
16 ओ हुनका परमेश् वरक पएर लग मुँह पर खसि कऽ हुनका
धन् यवाद देलनि।
17 यीशु उत्तर देलथिन, " की दस गोटे शुद्ध नहि भेलाह?" मुदा
नौ कतय अछि?
18 एहि परदेशी केँ छोड़ि परमेश् वरक महिमा करबाक लेल घुरि
कऽ आयल लोक नहि भेटैत अछि।
19 ओ हुनका कहलथिन, " उठू, जाउ।
20 फरिसी सभ हुनका सँ पुछलथिन जे परमेश् वरक राज् य
कहिया आओत, तँ ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " परमेश्
वरक राज् य देखि कऽ नहि अबैत अछि।
21 आ ने ओ सभ कहत जे, "एतय देखू!" वा, लो ओतय! किएक
तँ देखू, परमेश् वरक राज् य अहाँ सभक भीतर अछि।"
22 ओ शिष् य सभ केँ कहलथिन, " ओ दिन आओत जखन अहाँ
सभ मनुष् य-पुत्रक एक दिन देखबाक इच्छा करब, मुदा अहाँ
सभ ओकरा नहि देखब।"
23 ओ सभ अहाँ सभ केँ कहत जे, "एतय देखू।" वा, ओतहि देखू:
हुनका सभक पाछाँ नहि जाउ आ ने हुनका सभक पाछाँ पड़ू।
24 किएक तँ जहिना आकाशक नीचाँक एक भागसँ बिजली
जहिना आकाशक नीचाँ दोसर भाग धरि चमकैत अछि। तहिना
मनुष्यक पुत्र सेहो अपन समय मे रहताह।"
25 मुदा पहिने ओकरा बहुत कष्ट भोगय पड़तैक आ एहि पीढ़ी मे
ओकरा अस्वीकार कयल जाय।
26 जहिना नोहक समय मे भेल छल, तहिना मनुष् य-पुत्रक समय
मे सेहो होयत।
27 जाबत धरि नोह जहाज मे प्रवेश नहि कऽ गेलाह, ताबत धरि
ओ सभ खाइत-पीबैत, स् त्रीगणक विवाह करैत, विवाह कयल
गेल।
28 तहिना लूतक समय मे सेहो छल। खाइत छल, पीबैत छल,
कीनैत छल, बेचैत छल, रोपैत छल, बनबैत छल।
29 मुदा जाहि दिन लूत सदोम सँ बाहर निकललाह, ओहि दिन स्
वर्ग सँ आगि आ गंधक बरसैत सभ केँ नष्ट कऽ देलक।
30 जखन मनुष् यक पुत्र प्रगट होयत तखन सेहो एहने होयत।
31 ओहि दिन घरक चोटी पर आ घर मे अपन सामान उतारय
लेल नहि उतरय।
32 लूतक पत्नी केँ मोन पाड़ू।
33 जे केओ अपन प्राण बचाबय चाहैत अछि, से ओकरा गमा
देत। आ जे कियो अपन प्राण गमा लेत से ओकरा बचाओत।

34 हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे ओहि राति मे दू गोटे एक पलंग
पर बैसल रहताह। एकटा लऽ जायत आ दोसर छोड़ि देल
जायत।
35 दूटा स्त्री एक संग पीसैत रहतीह। एकटा लऽ जेतै, आ दोसर
छोड़ि देल जायत।
36 दू आदमी खेत मे रहत। एकटा लऽ जेतै, आ दोसर छोड़ि देल
जायत।
37 ओ सभ उत्तर देलथिन, “प्रभु, कतय?” ओ हुनका सभ केँ
कहलथिन, “ जतय-जतय शव अछि, ओतय गरुड़ सभ जमा
होयत।”

अध्याय 18

1 ओ हुनका सभ केँ एहि लेल एकटा दृष्टान्त कहलथिन जे मनुष्
य सभ केँ सदिखन प्रार्थना करबाक चाही आ बेहोश नहि रहबाक
चाही।
2 ओ कहलनि, “ एकटा नगर मे एकटा न्यायाधीश छलाह जे
परमेश् वर सँ नहि डैरैत छलाह आ ने मनुष् य केँ मानैत छलाह।
3 ओहि नगर मे एकटा विधवा छलीह। ओ हुनका लग आबि
कहलथिन, “हमर शत्रु सँ हमरा सँ बदला लिअ।”
4 ओ किछु काल धरि नहि चाहय लगलाह, मुदा बाद मे ओ मने-
मन बजलाह, “हम परमेश् वर सँ नहि डरैत छी आ मनुष् य केँ
परवाह नहि करैत छी।
5 तैयो ई विधवा हमरा परेशान करैत अछि, तेँ हम ओकर बदला
लेब, जाहि सँ ओ निरंतर आबि कऽ हमरा थका नहि देतीह।
6 प्रभु कहलथिन, “ सुनू जे अधर्मी न्यायाधीश की कहैत छथि।”
7 की परमेश् वर अपन चुनल लोक सभक बदला नहि लेताह जे
दिन-राति हुनका सँ पुकारैत छथि, भले ओ हुनका सभ केँ बहुत
दिन धरि सहन करैत छथि?
8 हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे ओ जल्दी-जल्दी हुनका सभक
बदला लेताह। मुदा जखन मनुष् यक पुत्र आओत तँ की ओकरा
पृथ् वी पर विश् वास भेटतैक?
9 ओ ई दृष्टान्त ओहि किछु लोक सभ केँ कहलथिन जे अपना पर
भरोसा करैत छल जे ओ सभ धार्मिक अछि आ दोसर केँ
तिरस्कार करैत छल।
10 दू गोटे प्रार्थना करबाक लेल मन् दिर मे चलि गेलाह। एकटा
फरिसी, आ दोसर कर वसूली।
11 फरिसी ठाढ़ भऽ कऽ मने-मन प्रार्थना कयलनि, “हे परमेश्
वर, हम अहाँ केँ धन्यवाद दैत छी जे हम आन लोक जकाँ लूटपाट
करयवला, अन्यायी, व्यभिचारी वा एहि करदाता जकाँ नहि छी।”
12 हम सप्ताह मे दू बेर उपवास करैत छी, जे किछु अछि ताहि मे
सँ दसम भाग दैत छी।
13 कर लेनिहार दूर ठाढ़ भऽ कऽ स् वर्ग दिस एतेक नजरि नहि
उठौलनि, बल् कि हुनकर छाती पर चोट लगा कऽ कहलथिन,
“परमेश् वर हमरा पापी पर दया करथिन।”
14 हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे ई आदमी दोसर सँ बेसी धर्मी
भऽ कऽ अपन घर गेल। जे अपना केँ नम्र करैत अछि, से ऊँच
कयल जायत।”
15 ओ सभ शिशु सभ केँ सेहो हुनका लग अनलनि जाहि सँ ओ
ओकरा सभ केँ छूबथि।
16 यीशु ओकरा सभ केँ बजा कऽ कहलथिन, “ बच्चा सभ केँ
हमरा लग आबय दियौक आ ओकरा सभ केँ मना नहि करू।
17 हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे परमेश् वरक राज् य केँ
छोट बच्चा जकाँ नहि ग्रहण करत।
18 एकटा शासक हुनका पुछलथिन, “अच्छा गुरु, अनन्त जीवनक
उत्तराधिकारी बनबाक लेल हम की करब?”
19 यीशु हुनका पुछलथिन, “ अहाँ हमरा नीक किएक कहैत छी?
एकटा अर्थात भगवान् छोड़ि कियो नीक नहि अछि।
20 अहाँ ई आज्ञा जनैत छी जे, “व्यभिचार नहि करू, हत्या नहि
करू, चोरी नहि करू, झूठ गवाही नहि करू, अपन पिता आ
मायक आदर करू।”
21 ओ कहलथिन, “हम अपन जवानी सँ ई सभटा राखने छी।”
22 यीशु ई बात सुनि कऽ कहलथिन, “ अहाँ मे एकटा चीजक
कमी अछि, जे किछु अछि से बेचि कऽ गरीब सभ मे बाँटि दिअ,
तखन अहाँ लग स् वर्ग मे धन भऽ जायत।
23 ई बात सुनि ओ बहुत दुखी भऽ गेलाह, किएक तँ ओ बहुत
धनिक छलाह।
24 यीशु जखन देखि कऽ बहुत दुखी छथि तँ ओ कहलथिन,
“ धनदार सभ केँ परमेश् वरक राज् य मे प्रवेश कतेक कठिन
अछि!”
25 ऊँट केँ सुईक आँखि सँ गुजरब, धनिक केँ परमेश् वरक राज्
य मे प्रवेश सँ बेसी सहज अछि।
26 ई बात सुननिहार सभ कहलथिन, “तखन के उद्धार पाबि
सकैत अछि?”
27 ओ कहलथिन, “ जे बात मनुष् यक लेल असंभव अछि, से
परमेश् वरक लेल सम्भव अछि।”
28 तखन पत्रुस कहलथिन, “देखू, हम सभ सभ किछु छोड़ि
अहाँक पाछाँ लागि गेलहुँ।”
29 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “ हम अहाँ सभ केँ सत् य
कहैत छी जे परमेश् वरक राज् य लेल घर, माता-पिता, भाय, स्
त्री वा संतान केँ छोड़ि कऽ गेल केओ एहन केओ नहि अछि।
30 एहि समय मे आ आगामी संसार मे अनन्त जीवन मे ओ सभ
बेसी सँ बेसी नहि पाओत।
31 तखन ओ बारह गोटे केँ अपना लग लऽ कऽ कहलथिन,
“ देखू, हम सभ यरूशलेम जा रहल छी आ मनुष् य-पुत्रक विषय
मे प्रवक् ता सभ द्वारा लिखल गेल सभ बात पूरा भऽ जायत।”
32 किएक तँ ओ गैर-यहूदी सभक हाथ मे सौंपल जेताह, आ
हुनका उपहास कयल जायत, विनती कयल जायत आ थूक
फेकल जायत।
33 ओ सभ ओकरा कोड़ा मारि कऽ मारि देतैक।
34 ओ सभ एहि मे सँ कोनो बात नहि बुझलनि आ ई बात हुनका
सभ सँ नुकायल छलनि आ ने ओ सभ कहल गेल बात सभ जनैत
छलाह।
35 जखन ओ यरीहो लग पहुँचलाह तँ एकटा आन्हर बाट कात मे
बैसल भीख माँगैत छल।
36 लोक सभ केँ ओहि ठाम सँ गुजरैत सुनि ओ पुछलथिन जे
एकर की अर्थ अछि।
37 ओ सभ हुनका कहलथिन जे, “नासरतक यीशु ओहि ठाम सँ
गुजरैत छथि।”
38 ओ चिचिया उठलनि, “हे दाऊदक पुत्र यीशु, हमरा पर दया
करू।”
39 पहिने जे लोक सभ हुनका चुप रहबाक लेल डाँटि देलकनि,
मुदा ओ आर बेसी चिचिया उठलनि, “हे दाऊदक पुत्र, हमरा पर
दया करू।”
40 यीशु ठाढ़ भऽ कऽ हुनका लग अनबाक आज्ञा देलथिन।

41 ओ कहलथिन, " अहाँ की चाहैत छी जे हम अहाँक संग की
करी?" ओ कहलथिन, "प्रभु, हम अपन दृष्टि पाबि सकब।"
42 यीशु हुनका कहलथिन, " अहाँक विश्‌ वास देखि जाउ।
43 ओ तुरत देखि कऽ परमेश्‌ वरक महिमा करैत हुनका पाछाँ-
पाछाँ चलि गेलाह।

अध्याय 19

1 यीशु यरीहो सँ प्रवेश कऽ गेलाह।
2 जक्कै नामक एक आदमी छल, जे कर लेनिहार मे प्रमुख छल
आ ओ धनिक छल।
3 ओ यीशु कैँ देखय चाहैत छलाह जे ओ के छथि। आ प्रेसक लेल
नहि क' सकल, कारण ओ कद कम छल।
4 ओ आगू दौड़ि कऽ ओकरा देखबाक लेल एकटा सिकोमोरक
गाछ पर चढ़ि गेलाह।
5 यीशु ओहि स्थान पर पहुँचला पर आँखि उठा कऽ देखलनि आ
हुनका देखि कहलथिन, " जक्कै, जल्दी-जल्दी उतरि जाउ।
किएक तँ आइ हमरा अहाँक घर मे रहबाक अछि।"
6 ओ जल्दी-जल्दी उतरि कऽ हर्षित भऽ हुनका स्वागत कयलनि।
7 ओ सभ ई देखि सभ गुनगुनाइत बजलाह, "ओ एकटा पापी
लोकक संग पाहुन बनय लेल चलि गेलाह।"
8 जकरयाह ठाढ़ भऽ प्रभु कैँ कहलथिन। देखू, प्रभु, हमर आधा
सम्पत्ति हम गरीब कैँ दैत छी। जँ हम ककरो सँ कोनो बात झूठ
आरोप लगा कऽ लेने छी तँ ओकरा चारि गुना वापस कऽ दैत
छी।
9 यीशु हुनका कहलथिन, " आइ एहि घर मे उद्धार आबि गेल
अछि, कारण ओहो अब्राहमक पुत्र छथि।"
10 किएक तँ मनुष्‌ य-पुत्र जे हेरायल अछि तकरा तकबाक आ
उद्धार करबाक लेल आयल छथि।
11 जखन ओ सभ ई बात सुनि कऽ ओ एकटा दृष्टान्त बजौलनि,
किएक तँ ओ यरूशलेमक नजदीक छलाह आ हुनका सभ कैँ ई
बुझल छल जे परमेश्‌ वरक राज्‌ य तुरन्त प्रगट भऽ जायत।
12 ओ कहलथिन, " एकटा कुलीन लोक दूर-दूर धरि जा कऽ
अपना लेल राज्‌ य लऽ कऽ घुरबाक लेल गेलाह।"
13 ओ अपन दस नोकर कैँ बजा कऽ दस पाउंड दऽ देलथिन आ
कहलथिन, "जाबत हम नहि आबि जायब ताबत धरि कब्जा मे
रहू।"
14 मुदा हुनकर नागरिक सभ हुनका सँ घृणा करैत हुनका पाछाँ-
पाछाँ एकटा संदेश पठौलनि जे, "हमरा सभ पर ई आदमी हमरा
सभ पर राज करयवला नहि होयत।"
15 जखन ओ राज्य पाबि कऽ घुरि अयलाह, तखन ओ एहि
नोकर सभ कैँ बजाओल जेबाक आज्ञा देलनि, जाहि सभ कैँ ओ
पाइ देने छलाह, जाहि सँ ओ ई जानि सकथि जे व्यापार सँ प्रत्येक
कैँ कतेक लाभ भेलनि।
16 तखन पहिल लोक आबि कऽ कहलथिन, "प्रभु, अहाँक पाउंड
मे दस पाउंड बढ़ि गेल अछि।"
17 ओ हुनका कहलथिन, "अच्छा, हे नीक सेवक।
18 दोसर गोटे आबि कऽ कहलथिन, "प्रभु, अहाँक पाउंड मे पाँच
पाउंड बढ़ि गेल अछि।"
19 ओ हुनका कहलथिन, "अहाँ सेहो पाँच नगरक पराधीन रहू।"
20 एक गोटे आबि कऽ कहलथिन, "प्रभु, देखू, एतऽ अहाँक
पाउंड अछि, जे हम नैपकिन मे राखि देने छी।
21 हम अहाँ सँ डरैत छलहुँ, किएक तँ अहाँ तपस्वी लोक छी,
अहाँ जे किछु नहि बिछाओल छल, तकरा उठा लैत छी आ जे
नहि बोएलहुँ से काटि लैत छी।
22 ओ ओकरा कहलथिन, "हे दुष्ट सेवक, हम तोहर मुँह सँ तोहर
न्याय करब।" अहाँ जनैत छलहुँ जे हम तपस्वी लोक छी, जे हम
नहि बिछलहुँ, तकरा उठा रहल छी आ जे नहि बोएलहुँ, तकरा
काटि लैत छी।
23 तखन अहाँ हमर पाइ बैंक मे किएक नहि देलियैक जे हमरा
अयला पर हम अपन पाइ सूदक संग माँगि सकितहुँ?
24 ओहि ठाम ठाढ़ लोक सभ कैँ कहलथिन, "ओकरा सँ ओ
पाउंड ल' लिअ आ जकरा लग दस पाउंड अछि ओकरा दऽ
दियौक।"
25 (ओ सभ हुनका कहलथिन, "प्रभु, हुनका लग दस पाउंड
अछि।"
26 हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे जे कियो अछि से सभ कैँ देल
जायत। जे नहि अछि, तकरा सँ जे किछु अछि, तकरा ओकरा सँ
छीन लेल जायत।"
27 मुदा हमर शत्रु सभ जे नहि चाहैत अछि जे हम ओकरा सभ
पर राज करी, ओ सभ एतय आनि कऽ हमरा सोझाँ ओकरा सभ
कैँ मारि दियौक।
28 ई बात कहि कऽ ओ यरूशलेम चढ़ि कऽ आगू बढ़ि गेलाह।
29 जखन ओ जैतूनक पहाड़ नामक पहाड़ पर बेतफागे आ
बेतनियाक समीप पहुँचलाह, तखन ओ अपन दूटा शिष्‌ य कैँ
पठौलनि।
30 ओ कहलनि, "अहाँ सभ अपन सामनेक गाम मे जाउ। जाहि
मे अहाँ सभ कैँ प्रवेश करबा काल एकटा बछड़ा बान्हल भेटत,
जाहि पर एखन धरि केओ नहि बैसल छल।
31 जँ केओ अहाँ सभ सँ पूछैत अछि जे, "अहाँ सभ ओकरा
किएक खोलैत छी?" अहाँ सभ हुनका एहि तरहेँ कहबनि जे, "प्रभु
कैँ हुनकर आवश्यकता छनि।"
32 पठाओल गेल लोक सभ जा कऽ ओहिना पाबि गेल जेना यीशु
हुनका सभ कैँ कहने छलाह।
33 जखन ओ सभ बछड़ा कैँ खोलैत छलाह तखन ओकर मालिक
सभ ओकरा सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ बछड़ा कैँ किएक
खोलैत छी?"
34 ओ सभ कहलथिन, "प्रभु कैँ हुनकर आवश्यकता छनि।"
35 ओ सभ हुनका यीशु लग अनलनि आ ओ सभ अपन वस्त्र
बछड़ा पर फेकि देलनि आ यीशु कैँ ओहि पर बैसा देलनि।
36 यीशु जाइत काल ओ सभ अपन कपड़ा बाट मे पसारि
देलथिन।
37 जखन यीशु लग अयलाह तँ जैतूनक पहाड़ पर उतरला पर
सभ शिष्‌ य सभक भीड़ हर्षित होमऽ लगलाह आ परमेश्‌ वरक
स्तुति करबाक लेल जोर-जोर सँ परमेश्‌ वरक स्तुति करऽ
लगलाह।
38 ओ कहलनि, "प्रभुक नाम सँ जे राजा अबैत छथि, हुनकर धन्य
होउ।
39 लोकक बीच सँ किछु फरिसी हुनका कहलथिन, "गुरु, अपन
शिष्‌ य सभ कैँ डाँटि दियौक।"
40 ओ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, " हम अहाँ सभ कैँ कहैत
छी जे जँ ई सभ चुप भ' जायत तँ पाथर तुरन्त चिचिया उठत।"
41 यीशु लग पहुँचला पर ओ नगर कैँ देखि कऽ कानि रहलाह।

42 ओ कहलथिन, " अहाँ जँ कम सँ कम आइ अपन दिन मे अहाँ कैं ओहि बात कैं बुझल रहितहुँ जे अहाँक शान्तिक बात अछि।" मुदा आब ओ सभ अहाँक आँखि सँ नुकायल अछि।
"
44 ओ तोरा जमीनक संग आ तोहर सन्तान सभ सेहो तोहर भीतर राखि देत। ओ सभ अहाँ मे एक पाथर पर एक पाथर नहि छोड़त। किएक तँ अहाँ अपन मुलाकातक समय नहि जनैत छलहुँ।
45 ओ मन् दिर मे जा कऽ ओहि मे बेचनिहार आ कीननिहार सभ कैं भगाबय लगलाह।
46 ओ सभ हुनका सभ कैं कहलथिन, " धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, "हमर घर प्रार्थनाक घर अछि।"
47 ओ सभ दिन मन् दिर मे शिक्षा दैत छलाह। मुदा मुख्यपुरोहित आ धर्मशिक्षक आ प्रजाक मुख्य सभ हुनका नाश करऽ चाहलक।
48 ओ सभ की कऽ सकैत छल, से नहि पाबि सकल, किएक तँ सभ लोक हुनकर बात सुनबा मे बहुत उत्सुक छल।

अध्याय 20

1 ओहि दिन मे सँ एक दिन जखन ओ मन् दिर मे लोक सभ कैं शिक्षा दैत छलाह आ सुसमाचार प्रचार करैत छलाह तखन मुख्यपुरोहित आ धर्म-शिक्षक सभ बूढ़-पुरान सभक संग हुनका पर आबि गेलाह।
2 ओ हुनका सँ कहलथिन, "हमरा सभ कैं कहू जे अहाँ कोन अधिकार सँ ई सभ काज करैत छी?" आकि के अछि जे अहाँ कैं ई अधिकार देलक?
3 ओ हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " हमहूँ अहाँ सभ सँ एकटा बात पूछब। आ हमरा उत्तर दियौक।
4 यूहन् नाक बपतिस् मा स् वर्ग सँ छल आ कि मनुखक?
5 ओ सभ मने-मन-मन-विमर्श कऽ कऽ कहलथिन, "जँ हम सभ कहब जे, 'स्वर्ग सँ आयल छी। ओ कहताह, "तखन अहाँ सभ हुनका पर विश् वास किएक नहि केलहुँ?"
6 मुदा जँ हम सभ कहैत छी जे, "मनुष् य सभक।" सभ लोक हमरा सभ कैं पाथर मारि देत, किएक तँ ओकरा सभ कैं ई बात बुझल छैक जे यूहन् ना एकटा भविष्यवक्ता छलाह।
7 ओ सभ उत्तर देलथिन जे ई कतय सँ आयल अछि से नहि बुझि सकल।
8 यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैं ई नहि कहैत छी जे हम कोन अधिकार सँ ई सभ काज करैत छी।"
9 तखन ओ लोक सभ कैं ई दृष्टान्त बजबय लगलाह। एक आदमी अंगूरक बगीचा रोपलक आ ओकरा किसान सभक हाथ मे छोड़ि देलक आ बहुत दिन धरि दूरक देश मे चलि गेल।
10 ओहि समय मे ओ एकटा नौकर कैं किसान सभ लग पठौलनि जे ओ सभ ओकरा अंगूरक बगीचा मे सँ फल दऽ देथिन।
11 फेर ओ एकटा आओर नोकर पठौलनि, आ ओ सभ ओकरा सेहो मारि-पीटि कऽ लज्जापूर्वक विनती कयलक आ ओकरा खाली विदा कऽ देलक।
12 ओ फेर तेसर कैं पठौलनि आ ओ सभ ओकरा घायल कऽ कऽ बाहर निकालि देलक।
13 तखन अंगूरक बगीचाक मालिक कहलथिन, "हम की करब?" हम अपन प्रिय पुत्र कैं पठा देब, भ' सकैत अछि जे ओ सभ ओकरा देखिते ओकर आदर करत।
14 किसान सभ हुनका देखि कऽ आपस मे विचार-विमर्श करैत कहलथिन, "ई उत्तराधिकारी छथि।
15 ओ सभ ओकरा अंगूरक बगीचा सँ बाहर निकालि कऽ मारि देलक। तँ अंगूरक बगीचाक मालिक हुनका सभ कैं की करताह?
16 ओ आबि कऽ एहि किसान सभ कैं नष्ट कऽ देत आ अंगूरक बगीचा दोसर कैं दऽ देत। ई बात सुनि कऽ कहलथिन, "भगवान नहि करथि।"
17 यीशु हुनका सभ कैं देखि कऽ कहलथिन, " तखन ई की लिखल अछि जे, "जे पाथर बनौनिहार सभ अस्वीकार कऽ देलक, से कोनक माथ बनि गेल?"
18 जे कियो ओहि पाथर पर खसि पड़त से टूटि जायत। मुदा जकरा पर खसत, ओकरा पीसि कऽ चूर्ण कऽ देत।
19 ओहि समय मे मुख्यपुरोहित आ धर्मशिक्षक सभ हुनका पर हाथ रखबाक प्रयास कयलनि। ओ सभ लोक सभ सँ डरैत छल, किएक तँ ओ सभ बुझि गेल छल जे ई दृष्टान्त हुनका सभक विरुद्ध बाजल अछि।
20 ओ सभ हुनका पर नजरि रखलनि आ जासूस सभ पठा देलथिन जे अपना कैं धर्मी लोकक रूप मे देखाबथि, जाहि सँ ओ सभ हुनकर बात कैं पकड़ि सकथि, जाहि सँ ओ सभ हुनका राज्यपालक अधिकार आ अधिकार मे सौंपि सकथि।
21 ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन, "गुरु, हम सभ जनैत छी जे अहाँ सही बात कहैत छी आ सिखाबैत छी आ ने ककरो व्यक्ति कैं स्वीकार करैत छी, बल् कि परमेश् वरक बाट सत् य सिखाबैत छी।
22 की हमरा सभ कैं कैसर कैं कर देब उचित अछि वा नहि?
23 मुदा यीशु हुनका सभक धूर्तता बुझि हुनका सभ कैं कहलथिन, " अहाँ सभ हमरा किएक परीक्षा दैत छी?"
24 हमरा एक पाइ देखाउ। केकर छवि आ उपलेख अछि? ओ सभ उत्तर देलथिन, "कैसरक।"
25 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, " एहि लेल कैसरक जे किछु अछि से कैसर कैं आ परमेश् वरक जे किछु अछि से परमेश् वर कैं दऽ दियौक।"
26 ओ सभ लोकक समक्ष हुनकर बात कैं नहि पकड़ि सकलाह आ हुनकर उत्तर देखि ओ सभ आश्चर्यचकित भऽ चुप भऽ गेलाह।
27 तखन सदुकी सभ मे सँ किछु गोटे हुनका लग आबि गेलाह जे एहि बात कैं नकारैत छथि जे कोनो पुनरुत्थान नहि होयत। ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन।
28 "गुरु, मूसा हमरा सभ कैं लिखने छथि, "जँ ककरो भाय स् त्री लऽ कऽ मरि जाय आ बिना संतानक मरि जाय तँ ओकर भाय ओकर स् त्री कैं लऽ कऽ अपन भाय कैं संतान पैदा करय।"
29 एहि लेल सातटा भाय छलाह, आ पहिल भाय स् त्री विवाह कऽ कऽ बिना संतानक मरि गेलाह।
30 दोसर लोक ओकरा विवाह कऽ लेलक आ ओ निस्संतान मरि गेल।
31 तेसर ओकरा पकड़ि लेलक। तहिना सात गोटे सेहो सन्तान नहि छोड़ि कऽ मरि गेलाह।
32 बाद मे ओ स् त्री सेहो मरि गेलीह।
33 तँ पुनरुत्थानक समय मे ओ ककर पत्नी छथि? किएक तँ सात गोटेक पत्नीक संग छलनि।
34 यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " एहि संसारक बच्चा सभ विवाह करैत अछि आ विवाह मे देल जाइत अछि।

35 मुदा जे सभ ओहि संसार आ मृत् यु मे सँ पुनरुत्थान करबाक
योग्य मानल जायत, से सभ ने विवाह करैत अछि आ ने विवाह मे
देल जाइत अछि।
36 ओ सभ आब नहि मरि सकैत अछि, किएक तँ ओ सभ स्
वर्गदूत सभक बराबर अछि। आ पुनरुत्थानक संतान बनि परमेश्
वरक संतान छी।
37 आब जखन मृत् यु सभ जीबि उठल अछि, तखन मूसा सेहो
झाड़ी पर प्रगट कयलनि, जखन ओ प्रभु कैं अब्राहमक परमेश् वर,
इसहाकक परमेश् वर आ याकूबक परमेश् वर कहैत छथि।
38 ओ मृत् युक परमेश् वर नहि, बल् कि जीवित लोकक परमेश्
वर छथि।
39 तखन किछु शास्त्री सभ उत्तर देलथिन, "गुरु, अहाँ नीक बात
कहलहुँ।"
40 तकर बाद ओ सभ हुनका सँ कोनो तरहक प्रश्न करबाक
हिम्मत नहि कयलनि।
41 ओ हुनका सभ कैं पुछलथिन, " ओ सभ कोना कहैत छथि जे
मसीह दाऊदक पुत्र छथि?"
42 दाऊद स्वयं भजन पुस्तक मे कहैत छथि, "परमेश् वर हमर
प्रभु कैं कहलथिन, "अहाँ हमर दहिना कात बैसल रहू।"
43 जाबत हम तोहर शत्रु सभ कैं तोहर पैरक ठेहुन नहि बनाबी।
44 तैं दाऊद हुनका प्रभु कहैत छथिन, तखन ओ हुनकर पुत्र
कोना छथि?
45 तखन सभ लोकक समक्ष यीशु अपन शिष् य सभ कैं
कहलथिन।
"
47 ओ सभ विधवा सभक घर खाइत अछि आ प्रेमक लेल
नमहर-नमहर प्रार्थना करैत अछि।

अध्याय 21

1 ओ आँखि उठा कS देखलक जे धनी लोक सभ अपन वरदान
खजाना मे फेकि रहल अछि।
2 ओ एकटा गरीब विधवा कैं सेहो देखलनि जे ओतS दू टा
कटहर फेकि रहल छलीह।
3 ओ कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे ई गरीब
विधवा सभ सँ बेसी धनराशि देलक।
4 किएक तँ ई सभ अपन प्रचुरता मे सँ परमेश् वरक बलिदान मे
डालने छथि।
5 जखन किछु लोक मन्दिरक विषय मे कहैत छलाह जे ओ नीक
पाथर आ वरदान सँ सजाओल गेल अछि।
6 अहाँ सभ जे देखब, से एहन दिन आओत, जाहि मे एक पाथर
दोसर पर नहि बचल रहत जे नहि फेकल जायत।
7 ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन, "गुरु, मुदा ई सभ कहिया होयत?"
जखन ई सभ घटना घटत तखन कोन संकेत होयत?
8 ओ कहलथिन, " सावधान रहू जे अहाँ सभ धोखा नहि खाउ।
समय लग आबि रहल अछि, तैं अहाँ सभ हुनका सभक पाछाँ
नहि जाउ।"
9 मुदा जखन अहाँ सभ युद्ध आ हंगामा सभक विषय मे सुनब तँ
डरब नहि, किएक तँ ई सभ पहिने होबS पड़त। मुदा अंत धीरे-
धीरे नहि होइत छैक।
10 तखन ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, " जाति जाति पर आ राज्
य राज् यक विरुद्ध उठत।
11 विभिन्न स्थान पर पैघ भूकम्प आ अकाल आ महामारी
आओत। आ स् वर्ग सँ भयावह दृश्य आ पैघ-पैघ चिह्न होयत।
12 मुदा एहि सभ सँ पहिने ओ सभ अहाँ सभ पर हाथ राखि अहाँ
सभ कैं सताओत आ हमरा नामक कारणेँ अहाँ सभ कैं सभाघर
आ जेल मे सौंपि देत।
13 ई गवाही लेल अहाँ सभक दिस घुरत।
14 तैं अहाँ सभक मोन मे ई बात राखू जे अहाँ सभ जे उत्तर देब
ताहि सँ पहिने मनन नहि करू।
15 हम अहाँ सभ कैं एकटा एहन मुँह आ बुद्धि देब, जकरा अहाँ
सभक सभ विरोधक विरोध नहि कS सकैत अछि आ ने विरोध
कS सकैत अछि।
16 अहाँ सभ कैं माय-बाबू, भाय, रिश्तेदार आ मित्र दुनू द्वारा
धोखा देल जायत। अहाँ सभ मे सँ किछु गोटे कैं ओ सभ मारि
देथिन।
17 हमर नामक कारणेँ अहाँ सभ कैं सभ लोक घृणा करत।
18 मुदा अहाँक माथक एको केश नहि नष्ट होयत।
19 अहाँ सभ धैर्य राखि कS अपन प्राणी कैं अपना मे राखि लिअ।
20 जखन अहाँ सभ यरूशलेम कैं सेना सभक घेराबंदी देखब तँ
ई जानि लिअ जे ओकर उजड़बाक समय लग आबि गेल अछि।
21 तखन यहूदिया मे रहनिहार सभ पहाड़ दिस भागि जाय। जे
सभ ओकर बीच मे अछि, से सभ बाहर निकलि जाय। आ देश मे
रहनिहार लोक सभ ओहि मे नहि जाउ।
22 किएक तँ ई प्रतिशोधक दिन होयत, जाहि सँ सभ बात पूरा
भS जाय।
23 मुदा ओहि दिन मे गर्भवती आ दूध देबयवला सभक लेल
धिक्कार! कारण, एहि देश मे बहुत संकट आ एहि लोक पर क्रोध
होयत।
24 ओ सभ तलवारक धार मे खसि पड़त आ सभ जाति मे बंदी
बनाओल जायत।
25 रौद, चान आ तारा मे चिन् ह। आ पृथ् वी पर जाति-जाति
सभक विपत्ति, भ्रमक संग। समुद्र आ लहरि गर्जैत;
26 मनुष् यक हृदय डर सँ आ पृथ् वी पर आबय बला बात कैं
देखबाक कारणेँ क्षीण भS जायत।
27 तखन ओ सभ मनुष् य-पुत्र कैं मेघ मे सामर्थ् य आ बहुत
महिमा सँ अबैत देखताह।
28 जखन ई सभ बात होबS लागत तखन आँखि उठा कS माथ
उठाउ। किएक तँ अहाँक मोक्ष लग आबि गेल अछि।
29 ओ हुनका सभ कैं एकटा दृष्टान्त बजौलनि। देखू अंजीरक
गाछ आ सभटा गाछ।
30 जखन ओ सभ अखन निकलैत अछि तँ अहाँ सभ अपना आप
कैं देखैत छी आ बुझैत छी जे आब गर्मी लग आबि गेल अछि।
31 तहिना अहाँ सभ जखन ई सभ घटना घटैत देखब तँ ई जानि
लिअ जे परमेश् वरक राज् य नजदीक आबि गेल अछि।
32 हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी, जाबत धरि सभ किछु पूरा
नहि भS जायत ता धरि ई पीढ़ी नहि बीतत।
33 आकाश आ पृथ्वी समाप्त भS जायत, मुदा हमर वचन समाप्त
नहि होयत।
34 अहाँ सभ अपना कैं सावधान रहू, जाहि सँ अहाँ सभक मोन मे
कोनो समय मे अतिशयोक्ति, नशा आ एहि जीवनक चिन्ता सँ
बेसी भार नहि आबि जाय।
35 किएक तँ ई सभ पृथ् वी पर रहनिहार सभ पर जाल जकाँ
आबि जायत।

36 तेँ अहाँ सभ जागल रहू आ सदिखन प्रार्थना करू जाहि सँ अहाँ सभ एहि सभ घटना सँ बचबाक आ मनुष् य-पुत्रक समक्ष ठाढ़ रहबाक योग्य मानल जाय।
37 दिन मे ओ मन् दिर मे शिक्षा दैत छलाह। राति मे ओ बाहर निकलि गेलाह आ ओहि पहाड़ पर रहैत छलाह जे जैतूनक पहाड़ कहल जाइत अछि।
38 सभ लोक भोरे-भोर मन् दिर मे हुनका लग हुनकर बात सुनबाक लेल आबि गेलाह।

अध्याय 22

1 अखमीरी रोटीक पाबनि लग आबि गेल छल, जकरा फसह कहल जाइत अछि।
2 मुख्यपुरोहित आ धर्मशिक्षक सभ ओकरा कोना मारि सकैत अछि। किएक तँ ओ सभ लोकसँ डेराइत छल।
3 तखन शैतान बारह गोटेक संख्या मे सँ इस्करियोती नामक यहूदा मे प्रवेश कयलनि।
4 यीशु जा कऽ मुख् यपुरोहित आ सेनापति सभ सँ गपशप कयलनि जे ओ हुनका सभ केँ कोना धोखा दऽ सकैत छथि।
5 ओ सभ प्रसन्न भऽ हुनका पाइ देबाक वाचा कयलनि।
6 ओ वचन देलथिन आ लोकक अनुपस्थिति मे हुनका सभ केँ धोखा देबाक अवसर तकलनि।
7 तखन अखमीरी रोटीक दिन आबि गेल, जखन फसह-पाबनि केँ मारबाक चाही।
8 ओ पत्रुस आ यूहन् ना केँ पठौलनि जे, " जाउ आ हमरा सभ केँ फसह-पाबनि तैयार करू जाहि सँ हम सभ भोजन करी।"
9 ओ सभ हुनका पुछलथिन, "अहाँ चाहैत छी जे हम सभ कतऽ तैयार करी?"
10 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " देखू, जखन अहाँ सभ नगर मे प्रवेश करब तखन एक आदमी अहाँ सभ सँ भेंट करत, जे पानि क घैल ल' क' चलत। ओकर पाछाँ-पाछाँ ओहि घर मे जाउ जतय ओ प्रवेश करैत अछि।
11 अहाँ सभ घरक मालिक केँ कहब जे, 'गुरु अहाँ केँ कहैत छथि जे, 'अतिथि कक्ष कतय अछि, जतय हम अपन शिष् य सभक संग फसह-भोज खायब?
12 ओ अहाँ सभ केँ एकटा पैघ कोठली देखौताह जे सुसज्जित अछि।
13 ओ सभ जा कऽ ओ सभ जेना हुनका सभ केँ कहने छलाह, तेना पाबि गेलाह।
14 जखन समय आबि गेल तखन ओ बारह प्रेरित आ हुनका संग बैसि गेलाह।
15 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " हमरा कष्ट सँ पहिने अहाँ सभक संग ई फसह भोजन करबाक इच्छा अछि।
16 हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, जाबत धरि परमेश् वरक राज् य मे ई पूरा नहि भऽ जायत ता धरि हम आब एकर फल नहि खाएब।
17 ओ प्याला लऽ कऽ धन्यवाद दैत कहलथिन, " ई लऽ कऽ आपस मे बाँटि लिअ।
18 हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे जा धरि परमेश् वरक राज् य नहि आओत ता धरि हम बेल केर फल नहि पीब।
19 ओ रोटी लऽ कऽ धन्यवाद देलथिन आ ओकरा तोड़ि कऽ हुनका सभ केँ देलथिन, " ई हमर शरीर अछि जे अहाँ सभक लेल देल गेल अछि।
20 तहिना भोजनक बाद प्याला सेहो कहैत छल जे, " ई प्याला हमर खून मे नव नियम अछि जे अहाँ सभक लेल बहौल गेल अछि।"
21 मुदा देखू, जे हमरा धोखा देत, ओकर हाथ हमरा संग टेबुल पर अछि।
22 मनुष् यक पुत्र जेना निर्धारित कयल गेल छल, तेना जाइत छथि, मुदा धिक्कार ओहि आदमी पर, जकरा द्वारा ओकरा धोखा देल गेल अछि।
23 ओ सभ आपस मे पूछताछ करऽ लगलाह जे ई काज करऽ वला मे सँ के अछि।
24 हुनका सभ मे झगड़ा सेहो भेल जे हुनका सभ मे सँ केकरा सभ सँ पैघ मानल जायत।
25 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " गैर-यहूदी सभक राजा सभ हुनका सभ पर प्रभुत्व रखैत छथि। आ जे ओकरा सभ पर अधिकार रखैत अछि, ओकरा परोपकारी कहल जाइत छैक।
26 मुदा अहाँ सभ एहन नहि रहब, मुदा जे अहाँ सभ मे पैघ अछि, से छोटका जकाँ होअय। जे मुखिया अछि से सेवा करनिहार जकाँ।
27 किएक तँ की पैघ अछि जे भोजन पर बैसल अछि आ कि सेवा करऽ वला? की ओ भोजन पर बैसल नहि अछि? मुदा हम अहाँ सभक बीच ओहिना छी जेना सेवा करऽ वला अछि।"
28 अहाँ सभ ओ सभ छी जे हमर परीक्षा मे हमरा संग बनल रहलाह।
29 हम अहाँ सभक लेल एकटा राज् य नियुक्त करैत छी, जेना हमर पिता हमरा लेल निर्धारित केने छथि।
30 अहाँ सभ हमर राज्य मे हमर टेबुल पर खा-पीब आ सिंहासन पर बैसि इस्राएलक बारह गोत्रक न्याय करब।
31 परमेश् वर कहलथिन, " सिमोन, सिमोन, देखू, शैतान अहाँ सभ केँ गहूम जकाँ छानबाक लेल चाहैत अछि।
32 मुदा हम अहाँक लेल प्रार्थना केलहुँ जे अहाँक विश् वास क्षीण नहि हो।
33 ओ हुनका कहलथिन, "प्रभु, हम अहाँक संग जेल आ मृत्यु दुनू मे जेबाक लेल तैयार छी।"
34 ओ कहलथिन, " हम पत्रुस, हम अहाँ केँ कहैत छी जे आइ मुर्गा नहि बाजत, ताहि सँ पहिने अहाँ तीन बेर एहि बात सँ इनकार करब जे अहाँ हमरा चिन्हैत छी।"
35 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " जखन हम अहाँ सभ केँ बिना पर्स, स्क्रिप आ जूताक बिना पठेलहुँ, तखन अहाँ सभ केँ कोनो चीजक कमी छल? ओ सभ कहलथिन, "किछु नहि।"
36 तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " मुदा आब, जकरा लग पर्स अछि, ओ ओकरा ल' लेत आ तहिना ओकर तलवार सेहो।
37 हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे ई बात हमरा मे एखन धरि पूरा हेबाक चाही जे, "ओ अपराधी सभक बीच मे गिनल गेलाह।"
38 ओ सभ कहलथिन, "प्रभु, देखू, दूटा तलवार अछि।" ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, " बहुत भऽ गेल।"
39 ओ अपन आदति जकाँ जैतूनक पहाड़ पर निकलि गेलाह। हुनकर शिष् य सभ सेहो हुनकर पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह।
40 यीशु ओहि स्थान पर पहुँचला पर हुनका सभ केँ कहलथिन, " प्रार्थना करू जे अहाँ सभ परीक्षा मे नहि पड़य।"
41 ओ पाथरक ढाल पर हुनका सभ सँ हटि गेलाह आ ठेहुन टेकने प्रार्थना कयलनि।
42 ओ कहलनि, " पिता, जँ अहाँ चाहैत छी तँ ई प्याला हमरा सँ हटा दियौक।

43 तखन स् वर्ग सँ एकटा स् वर्गदूत हुनका सामर्थ् य दऽ कऽ
प्रगट भेलाह।
44 ओ पीड़ा कऽ कऽ आरो गंभीरता सँ प्रार्थना कयलनि आ
पसीना ओहिना भऽ गेलाह जेना जमीन पर खसैत खूनक पैघ-पैघ
बूंद।
45 यीशु प्रार्थना सँ उठि कऽ अपन शिष् य सभक लग पहुँचलाह
तँ हुनका सभ कैँ दुख सँ सुतल देखलनि।
46 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभ किएक सुतैत छी?"
उठू आ प्रार्थना करू, जाहि सँ अहाँ सभ परीक्षा मे नहि पड़ि
जायब।"
47 जखन ओ एखन धरि बाजैत छलाह तखन देखलहुँ जे बहुतो
लोक आ बारह गोटे मे सँ एक यहूदा नामक लोक हुनका सभक
आगाँ बढ़ि कऽ यीशु लग आबि गेलाह जे हुनका चुम्मा लेथि।
48 यीशु हुनका पुछलथिन, " यहूदा, की अहाँ मनुष् य-पुत्र कैँ
चुम्मा दऽ कऽ धोखा दऽ दैत छी?"
49 हुनका लगक लोक सभ जखन हुनका बाद की होयत से
देखलनि तँ हुनका पुछलथिन, "प्रभु, की हम सभ तलवार सँ मारि
देब?"
50 ओहि मे सँ एक गोटे महापुरोहितक नोकर कैँ मारि कऽ
ओकर दहिना कान काटि लेलक।
51 यीशु उत्तर देलथिन, " अहाँ सभ एखन धरि सहन करू।" ओ
हुनकर कान छूबि कऽ हुनका ठीक कऽ देलथिन।
52 तखन यीशु हुनका लग आयल मुख् यपुरोहित सभ, मन् दिरक
सेनापति सभ आ बूढ़-पुरान सभ कैँ कहलथिन, " की अहाँ सभ
चोर जकाँ तलवार आ लाठी लऽ कऽ निकलल छी?"
53 जखन हम सभ दिन अहाँ सभक संग मन् दिर मे छलहुँ तँ
अहाँ सभ हमरा पर हाथ नहि बढ़बैत छलहुँ।
54 तखन ओ सभ हुनका पकड़ि कऽ महापुरोहितक घर मे
अनलनि। पत्रुस दूर-दूर धरि पाछू-पाछू चलि गेलाह।
55 ओ सभ दलानक बीच मे आगि जरा कऽ एक संग बैसि गेलाह,
तखन पत्रुस हुनका सभक बीच बैसि गेलाह।
56 मुदा एकटा दासी हुनका आगि लग बैसल देखि कऽ हुनका
दिस तकलनि आ कहलथिन, "ई आदमी सेहो हुनका संग छल।"
57 ओ हुनका नकारैत कहलथिन, "मारी, हम हुनका नहि चिन्हैत
छी।"
58 किछुए कालक बाद एक गोटे हुनका देखि कहलथिन, "अहाँ
सेहो हुनका सभक मे सँ छी।" पत्रुस कहलथिन, "यार, हम नहि
छी।"
59 करीब एक घंटाक बाद एक गोटे विश्वासपूर्वक कहलथिन,
"सत्ते ई आदमी सेहो हुनका संग छल।
60 पत्रुस कहलथिन, "यार, अहाँ की कहैत छी से हमरा नहि
बुझल अछि।" जखन ओ एखन धरि बजैत छलाह तखन तुरन्त
मुर्गा खसकि गेल।
61 प्रभु घुमि कऽ पत्रुस दिस तकलनि। पत्रुस प्रभुक वचन मोन
पाड़लनि जे ओ हुनका कहने छलाह, " मुर्गा बाजबा सँ पहिने
अहाँ हमरा तीन बेर अस्वीकार कऽ देब।"
62 पत्रुस बाहर निकलि कऽ कटु कानय लागल।
63 यीशु कैँ पकड़ने लोक सभ हुनकर उपहास कऽ कऽ मारि
देलकनि।
64 ओ सभ हुनका आँखि पर पट्टी बान्हि कऽ हुनका मुँह पर
प्रहार कयलनि आ पुछलथिन, "भविष्यवाणी करु, अहाँ कैँ के
मारि देलक?"
65 ओ सभ आरो बहुत रास बात हुनका पर निन्दा कयलनि।
66 भोर होइते लोकक बूढ़-पुरोहित आ शास्त्री सभ एक ठाम
आबि कऽ हुनका अपन परिषद् मे लऽ गेलनि आ कहलथिन।
67 की अहाँ मसीह छी? बताइए। ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन,
" हम अहाँ सभ कैँ कहब तँ अहाँ सभ विश् वास नहि करब।
68 जँ हमहूँ अहाँ सभ सँ पूछब तँ अहाँ सभ हमरा कोनो उत्तर
नहि देब आ ने हमरा जाय देब।
69 आब मनुष् यक पुत्र परमेश् वरक सामर्थ् यक दहिना कात
बैसताह।
70 तखन ओ सभ पुछलथिन, "की अहाँ परमेश् वरक पुत्र छी?"
ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभ कहैत छी जे हम छी।"
71 ओ सभ पुछलथिन, "हमरा सभ कैँ आओर गवाहक की चाही?"
किएक तँ हम सभ हुनके मुँह सँ सुनने छी।

अध्याय 23

1 ओ सभ लोक सभ उठि कऽ हुनका पिलातुस लग लऽ गेलाह।
2 ओ सभ हुनका पर आरोप लगाबय लगलाह जे, "हमरा सभ कैँ
ई आदमी राष्ट्र कैँ विकृत करैत देखलहुँ आ कैसर कैँ कर देबऽ सँ
मना करैत देखलहुँ जे ओ स्वयं मसीह राजा छथि।"
3 पिलातुस हुनका पुछलथिन, "की अहाँ यहूदी सभक राजा छी?"
ओ हुनका उत्तर देलथिन, " अहाँ ई बात कहैत छी।"
4 तखन पिलातुस मुख्यपुरोहित आ लोक सभ कैँ कहलथिन,
"हमरा एहि आदमी मे कोनो दोष नहि भेटैत अछि।"
5 ओ सभ आर भयंकर भऽ कऽ बाजल, "ओ गलील सँ ल' कऽ
एहि ठाम धरि समस्त यहूदी सभ मे शिक्षा दैत लोक सभ कैँ
भड़काबैत छथि।"
6 पिलातुस गलीलक विषय मे सुनि पुछलथिन जे की ओ आदमी
गलील अछि।
7 जहिना हुनका बुझलनि जे ओ हेरोदेसक अधिकार क्षेत्र मे छथि,
तखन ओ हुनका हेरोदेस लग पठौलनि, जे ओहि समय मे
यरूशलेम मे सेहो छलाह।
8 हेरोदेस यीशु कैँ देखि कऽ बहुत खुश भऽ गेलाह, किएक तँ ओ
बहुत दिन सँ हुनका देखबाक इच्छा रखैत छलाह। आ हुनका
आशा छलनि जे हुनका द्वारा कयल गेल कोनो चमत्कार देखल
गेल होयत।
9 तखन ओ हुनका सँ बहुत रास बात मे पूछताछ कयलनि। मुदा
ओ ओकरा किछु उत्तर नहि देलक।
10 तखन मुख्य पुरोहित आ धर्मशिक्षक सभ ठाढ़ भऽ हुनका पर
घोर आरोप लगौलनि।
11 हेरोदेस अपन युद्धकर्मी सभक संग हुनका घृणा कऽ कऽ
हुनकर मजाक उड़ौलनि आ एकटा सुन्दर वस्त्र पहिरि कऽ फेर
सँ पिलातुस लग पठा देलथिन।
12 ओही दिन पिलातुस आ हेरोदेस एक संग दोस्ती भऽ गेलाह,
किएक तँ पहिने दुनू गोटेक बीच शत्रुता छलनि।
13 पिलातुस जखन ओ मुख् यपुरोहित सभ, शासक सभ आ लोक
सभ कैँ बजौलनि।
14 हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ एहि आदमी कैँ हमरा
लग अनलहुँ जेना लोक कैँ विकृत करयवला अछि।
15 हेरोदेस सेहो नहि, किएक तँ हम अहाँ सभ कैँ हुनका लग
पठौने छलहुँ। देखू, ओकरा संग कोनो मृत्युक योग्य कोनो काज
नहि होइत छैक।
16 तेँ हम ओकरा डाँटि देब आ ओकरा छोड़ि देब।

17 (किएक तँ हुनका सभ कैँ भोज मे एकटा कैँ छोड़ि देबाक
चाही।"
18 ओ सभ एक्के बेर चिचिया उठलनि, "एहि आदमी कैँ दूर करू
आ हमरा सभक लेल बरब्बा कैँ छोड़ि दिअ।"
19 (ओ नगर मे विद्रोह आ हत्याक कारणेँ जेल मे डालल गेलाह।)
20 पिलातुस यीशु कैँ छोड़ि देबऽ चाहैत छलाह आ फेर हुनका
सभ सँ बात कयलनि।
21 मुदा ओ सभ चिचिया उठलनि, "ओकरा क्रूस पर चढ़ाउ, क्रूस
पर चढ़ाउ।"
22 ओ तेसर बेर हुनका सभ कैँ पुछलथिन, "ओ की अधलाह
काज कयलनि?" हम ओकरा मे मृत्युक कोनो कारण नहि भेटल
अछि, तेँ हम ओकरा सजा देब आ ओकरा छोड़ि देब।
23 ओ सभ तुरन्त जोर-जोर सँ बजैत छलाह जे हुनका क्रूस पर
चढ़ाओल जाय। ओ सभ आ मुख्य पुरोहित सभक आवाज प्रबल
भऽ गेल।
24 तखन पिलातुस सजा देलथिन जे ओ सभ ओहिना होअय।
25 ओ विद्रोह आ हत्याक कारणेँ जेल मे डालल गेल छल, जकरा
ओ सभ चाहने छल, ओकरा सभ कैँ छोड़ि देलक। मुदा यीशु कैँ
हुनका सभक इच्छा मे सौंप देलनि।
26 जखन ओ सभ हुनका लऽ जा रहल छल तखन ओ सभ
कुरेनियाक सिमोन कैँ पकड़ि लेलक आ यीशुक पाछाँ-पाछाँ क्रूस
राखि देलक।
27 यीशुक पाछाँ-पाछाँ बहुत रास लोक आ स् त्रीगण सभ सेहो
हुनका विलाप आ विलाप करैत छल।
28 यीशु हुनका सभ दिस घुमि कऽ कहलथिन, " हे यरूशलेमक
बेटी सभ, हमरा लेल नहि कानब, बल् कि अपना आ अपन बच्चा
सभक लेल कानब।"
29 देखू, ओ दिन आबि रहल अछि जाहि मे ओ सभ कहताह जे,
"धन्य अछि बंजर, जे गर्भ कहियो नहि जनैत छल, आ ओ बच्चा जे
कहियो दूध नहि पबैत छल।"
30 तखन ओ सभ पहाड़ सभ कैँ कहय लागत जे, "हमरा सभ पर
खसि पड़त।" आ पहाड़ी दिस, हमरा सभकैँ झाँपि दियौक।
31 जँ ओ सभ हरियर गाछ मे ई सभ काज करत तँ सुखल गाछ
मे की होयत?
32 हुनका संग दूटा आओर अपराधी सेहो छल, जकरा मारि
देबाक लेल लऽ गेल छल।
33 ओ सभ जखन कलवारी नामक स्थान पर पहुँचलाह, तखन
ओ सभ हुनका आ अपराधी सभ कैँ एकटा दहिना कात आ दोसर
बामा कात क्रूस पर चढ़ा देलनि।
34 तखन यीशु कहलथिन, " पिता, हुनका सभ कैँ क्षमा करू।
किएक तँ ओ सभ की करैत छथि से नहि जनैत छथि। ओ सभ
ओकर वस्त्र बाँटि कऽ चिट्ठी लगा देलक।
35 लोक सभ देखि कऽ ठाढ़ भऽ गेल। हुनका सभक संग शासक
सभ सेहो हुनकर उपहास करैत कहलथिन, "ओ दोसरो कैँ बचा
लेलनि। जँ ओ परमेश् वरक चुनल मसीह छथि तँ अपना कैँ
बचाबथि।
36 सिपाही सभ हुनका लग आबि कऽ सिरका चढ़ा कऽ हुनकर
उपहास केलक।
37 ओ कहलथिन, "अहाँ जँ यहूदी सभक राजा छी तँ अपना कैँ
बचाउ।"
38 हुनका ऊपर यूनानी, लैटिन आ हिब्रू भाषाक अक्षर मे लिखल
छलनि, "ई यहूदी सभक राजा छथि।"
39 फाँसी पर लटकल अपराधी मे सँ एक गोटे हुनका गारि कऽ
कऽ कहलथिन, "अहाँ जँ मसीह छी तँ अपना कैँ आ हमरा सभ
कैँ बचाउ।"
40 मुदा दोसर लोक हुनका डाँटि कऽ कहलथिन, "की अहाँ
परमेश् वर सँ नहि डेरैत छी, किएक तँ अहाँ ओहिना दोषी
ठहराओल गेल छी?"
41 हम सभ सत्ते न्यायपूर्वक। कारण, हमरा सभ कैँ अपन काजक
उचित फल भेटैत अछि।
42 ओ यीशु कैँ कहलथिन, "प्रभु, जखन अहाँ अपन राज् य मे
आबि जायब तखन हमरा मोन पाड़ू।"
43 यीशु हुनका कहलथिन, " हम अहाँ कैँ सत्ते कहैत छी जे आइ
अहाँ हमरा संग स्वर्ग मे रहब।"
44 लगभग छठम बजे भऽ गेल छल आ नवम बजे धरि पूरा पृथ्
वी पर अन् हार भऽ गेल।
45 रौद अन्हार भऽ गेल आ मन्दिरक पर्दा बीच मे फाटि गेल।
46 यीशु जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह, " पिता , हम अपन आत्
मा अहाँक हाथ मे सौंपि रहल छी।
47 सेनापति ई बात देखि परमेश् वरक महिमा कऽ कऽ
कहलथिन, "ई तँ धर्मी लोक छलाह।"
"
49 हुनकर सभ परिचित आ गलील सँ हुनका पाछाँ-पाछाँ आबय
बला स् त्रीगण सभ दूर ठाढ़ भऽ कऽ ई सभ बात देखैत रहलाह।
50 यूसुफ नामक एक आदमी छल जे सल्लाहकार छल। ओ नीक
लोक आ धर्मी छलाह।
51 (ओ हुनका सभक सलाह आ काज सँ सहमत नहि छलाह।)
ओ यहूदी सभक नगर अरिमाथियाक छलाह।
52 ई आदमी पिलातुस लग जा कऽ यीशुक लाश माँगि लेलक।
53 ओ ओकरा उतारि कऽ लिनेन मे लपेटि कऽ पाथर मे
उखाड़ल कब्र मे राखि देलथिन, जाहि मे पहिने कहियो ककरो
नहि राखल गेल छल।
54 ओहि दिन तैयारी भऽ गेल छल आ विश्रामक दिन आबि गेल
छल।
55 गलील सँ हुनका संग आयल स् त्री सभ सेहो पाछाँ-पाछाँ चलि
गेलीह आ कब्र कैँ देखि रहल छलीह जे हुनकर लाश कोना
राखल गेल छलनि।
56 ओ सभ घुरि कऽ मसाला आ मरहम तैयार कयलनि। आज्ञाक
अनुसार विश्राम-दिन विश्राम कयलनि।

अध्याय 24

1 सप्ताहक पहिल दिन भोरे-भोर ओ सभ अपन बनाओल मसाला
आ किछु आन लोक सभ कैँ ल' कऽ कब्र पर पहुँचलाह।
2 ओ सभ पाथर कब्र पर सँ गुड़कि कऽ गेल देखलनि।
3 ओ सभ भीतर गेलाह, मुदा प्रभु यीशुक शव नहि भेटलनि।
4 जखन ओ सभ एहि विषय मे बहुत असमंजस मे पड़ि गेल छल,
तखन देखलहुँ जे दू गोटे चमकैत वस्त्र पहिरने हुनका सभक लग
मे ठाढ़ छलाह।
5 ओ सभ डरा कऽ पृथ् वी दिस मुँह झुका कऽ कहलथिन, "अहाँ
सभ मृत् युक बीच जीवित लोक कैँ किएक तकैत छी?"
6 ओ एतय नहि छथि, बल् कि जीबि उठल छथि।
7 ओ कहलनि, "मनुष्य-पुत्र कैँ पापी लोकक हाथ मे सौंपल जाय
आ क्रूस पर चढ़ाओल जाय आ तेसर दिन जीबि उठय पड़तैक।"
8 ओ सभ हुनकर बात मोन पाड़लनि।

9 ओ कब्र पर सँ घुरलाह आ ई सभ बात एगारह गोटे कैँ आ बाँकी सभ कैँ कहलथिन।
10 मरियम मगदलीनी, योआना, याकूबक माय मरियम आ हुनका सभक संग रहनिहार आन स् त्रीगण सभ प्रेरित सभ कैँ ई बात कहने छलीह।
11 ओ सभ हुनका सभक बात बेकार कथा जकाँ बुझाइत छलनि, मुदा ओ सभ ओकरा सभ पर विश्वास नहि कयलनि।
12 तखन पत्रुस उठि कऽ कब्र दिस दौड़ल गेलाह। झुकि कऽ ओ लिनेन कपड़ा सभ कैँ अपना-अपन बिछल देखि कऽ विदा भऽ गेलाह।
13 ओहि दिन दू गोटे यरूशलेम सँ करीब साठि फीट दूर इमाऊस नामक गाम मे गेलाह।
14 ओ सभ एहि सभ घटनाक विषय मे एक संग गप्प कयलनि।
15 जखन ओ सभ एक संग गप्प-सप्प करैत छल, तखन यीशु हुनका सभक संग आबि गेलाह।
16 मुदा हुनका सभक नजरि टिकल छलनि जे ओ सभ हुनका नहि चिन्हथि।
17 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभ चलैत-चलैत आ दुखी होइत काल एक-दोसर सँ कोन तरहक संवाद होइत अछि?
18 हुनका सभ मे सँ एक गोटे जिनकर नाम क्लिओपास छलनि, हुनका कहलथिन, "की अहाँ यरूशलेम मे मात्र परदेशी छी आ एहि दिन मे ओहि ठाम जे घटना घटल अछि से नहि जनैत छी?"
19 यीशु हुनका सभ कैँ पुछलथिन, " की बात? ओ सभ हुनका कहलथिन, "नासरतक यीशुक विषय मे, जे परमेश् वर आ समस्त लोकक समक्ष काज आ वचन मे पराक्रमी प्रवक् ता छलाह।
20 मुख्य पुरोहित आ हमरा सभक शासक सभ हुनका मृत्युक सजाय देबाक लेल सौंपि देलनि आ क्रूस पर चढ़ा देलनि।
21 मुदा हमरा सभ कैँ भरोसा छल जे ओ इस्राएल कैँ मुक् त करबाक छल, आ एहि सभक अतिरिक्त आइ ई सभ काज भेलाक तेसर दिन अछि।
22 हँ, हमरा सभक संगतिक किछु स् त्रीगण सभ सेहो हमरा सभ कैँ आश्चर्यचकित कऽ देलक जे कब्र पर भोरे-भोर छल।
23 जखन हुनका सभ कैँ हुनकर लाश नहि भेटलनि तँ ओ सभ आबि कऽ कहलथिन जे ओ सभ स् वर्गदूत सभक दर्शन सेहो देखलनि जे ओ जीवित छथि।
24 हमरा सभक संग मे सँ किछु गोटे कब्र पर जा कऽ ओहिना भेटलनि जेना स् त्रीगण सभ कहने छलीह।
25 तखन यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हे मूर्ख सभ, आ प्रवक् ता सभक सभ बात पर विश् वास करबा मे मंद हृदय मे रहनिहार।
26 की मसीह कैँ ई सभ कष्ट भोगि कऽ अपन महिमा मे प्रवेश नहि करबाक चाही छल?
27 मूसा आ सभ प्रवक् ता सभ सँ शुरू भऽ ओ सभ धर्मशास् त्र मे हुनका सभ कैँ अपन विषय मे बुझा देलथिन।
28 ओ सभ ओहि गामक नजदीक आबि गेलाह, जतय ओ सभ जाइत छलाह।
29 मुदा ओ सभ हुनका बाध्य कऽ कऽ कहलथिन, "हमरा सभक संग रहू, किएक तँ साँझ भऽ गेल अछि आ दिन भऽ गेल अछि।" ओ हुनका सभक संग रहबाक लेल भीतर गेलाह।
30 जखन ओ हुनका सभक संग भोजन पर बैसल छलाह तखन ओ रोटी लऽ कऽ आशीष दऽ हुनका सभ कैँ तोड़ि कऽ देलथिन।
31 हुनका सभक आँखि खुजि गेलनि आ ओ सभ हुनका चिन्हलनि। आ ओ हुनका सभक नजरि सँ विलुप्त भ' गेलाह।
32 ओ सभ एक-दोसर सँ कहलथिन, "की हमरा सभक हृदय मे जरल नहि छल जखन ओ हमरा सभ सँ बाट मे गप्प करैत छलाह आ जाबत ओ हमरा सभ कैँ धर्मशास्त्र कैँ खोलैत छलाह?
33 ओही समय ओ सभ उठि कऽ यरूशलेम घुरि गेलाह आ हुनका सभक संग रहनिहार सभ एगारह गोटे कैँ जमा कयल गेल देखलनि।
34 ओ कहलनि, "प्रभु सत्ते जीबि उठल छथि आ सिमोन कैँ प्रगट भऽ गेलाह।"
35 ओ सभ बाट मे की-की भेल आ रोटी तोड़बा मे हुनका सभ कैँ कोना चिन्हल गेलनि से कहलथिन।
36 जखन ओ सभ ई बात कहि रहल छलाह तखन यीशु हुनका सभक बीच ठाढ़ भऽ कऽ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभ कैँ शान्ति हो।"
37 मुदा ओ सभ आतंकित आ भयभीत भऽ गेलाह आ सोचलनि जे ओ सभ कोनो आत्मा कैँ देखि लेने छथि।
38 ओ हुनका सभ कैँ पुछलथिन, " अहाँ सभ किएक घबरा गेल छी? आ अहाँ सभक हृदय मे विचार किएक उठैत अछि?
39 हमर हाथ आ पएर देखू जे हम स्वयं छी। किएक तँ आत् माक मांस आ हड्डी नहि होइत छैक, जेना अहाँ सभ हमरा देखैत छी।
40 ई बात कहि कऽ ओ हुनका सभ कैँ अपन हाथ आ पएर देखौलनि।
41 जखन ओ सभ खुशी सँ विश् वास नहि कऽ रहल छल आ आश्चर्यचकित भऽ गेल छल, तखन यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन, " की अहाँ सभ कैँ एतय भोजन अछि?"
42 ओ सभ ओकरा भुजल माछक टुकड़ी आ मधुक छत्ताक टुकड़ी देलक।
43 ओ ओकरा लऽ कऽ हुनका सभक समक्ष भोजन कयलनि।
44 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हम अहाँ सभक संग रहैत काल अहाँ सभ कैँ ई बात कहने रही जे मूसाक धर्म-नियम, भविष्यवक्ता आ भजन मे लिखल सभ बात पूरा होबऽ पड़त। हमरा संबंध मे।
45 तखन यीशु हुनका सभक बुद्धि खोललनि जाहि सँ ओ सभ धर्मशास् त्र कैँ बुझि सकथि।
46 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " एहि तरहेँ धर्मशास् त्र मे लिखल अछि आ मसीह कैँ तेसर दिन मृत् यु मे सँ जीबि उठबाक चाही।
47 यरूशलेम सँ शुरू भऽ कऽ सभ जाति मे हुनकर नाम पर पश्चाताप आ पापक क्षमाक प्रचार कयल जाय।
48 अहाँ सभ एहि बातक गवाह छी।
49 देखू, हम अपन पिताक प्रतिज्ञा अहाँ सभ पर पठा रहल छी, मुदा अहाँ सभ यरूशलेम नगर मे ताबत धरि रहू जाबत धरि अहाँ सभ कैँ ऊपर सँ सामर्थ् य नहि भेटि जायत।
50 ओ हुनका सभ कैँ बेतनिया धरि लऽ गेलाह आ हाथ उठा कऽ हुनका सभ कैँ आशीर्वाद देलनि।
51 जखन यीशु हुनका सभ कैँ आशीष दैत छलाह तखन हुनका सभ सँ अलग भऽ गेलाह आ स् वर्ग मे लऽ गेलाह।
52 ओ सभ हुनकर आराधना कयलनि आ बहुत हर्ष सँ यरूशलेम घुरि गेलाह।
53 ओ सभ दिन मन् दिर मे परमेश् वरक स्तुति आ आशीष दैत रहलाह। आमीन।

जॉन

अध्याय 1

1 शुरू मे वचन छल, आ वचन परमेश् वरक संग छल, आ वचन
परमेश् वर छलाह।
2 शुरू मे परमेश् वरक संग सेहो वैह छल।
3 सभ किछु हुनका द्वारा बनाओल गेल अछि। आ हुनका बिना
कोनो एहन चीज नहि बनल जे बनल छल।
4 हुनका मे जीवन छलनि। आ जीवन मनुष् यक इजोत छल।
5 अन्हार मे इजोत चमकैत अछि। आ अन्हार ओकरा नहि
बुझलक।
6 परमेश् वर द्वारा पठाओल गेल एक आदमी छल, जकर नाम
यूहन् ना छल।
7 ओ इजोतक गवाही देबाक लेल अयलाह जाहि सँ सभ लोक
हुनका द्वारा विश् वास करथि।
8 ओ इजोत नहि छलाह, बल् कि ओहि इजोतक गवाही देबाक
लेल पठाओल गेल छलाह।
9 ओ सत् य इजोत छल जे संसार मे अबैत सभ मनुष् य कैँ इजोत
दैत अछि।
10 ओ संसार मे छलाह, आ संसार हुनका द्वारा बनाओल गेल
छल, मुदा संसार हुनका नहि चिन्हलक।
11 ओ अपन लोक लग आबि गेलाह, मुदा अपन लोक हुनका
नहि ग्रहण कयलनि।
12 मुदा जे सभ हुनका ग्रहण कयलनि, हुनका सभ कैँ परमेश्
वरक पुत्र बनबाक अधिकार देलनि।
13 ओ सभ खून सँ नहि, आ ने शरीरक इच्छा सँ, आ ने मनुष् यक
इच्छा सँ, बल् कि परमेश् वर सँ।
14 ओ वचन शरीर बनि कऽ हमरा सभक बीच रहलाह, आ हम
सभ हुनकर महिमा, पिताक एकलौताक महिमा जकाँ देखलहुँ।
15 यूहन् ना हुनका बारे मे गवाही दैत चिचिया उठलाह, "हम
हुनका बारे मे कहने छलहुँ जे, "हमरा बाद जे आओत से हमरा सँ
बेसी नीक अछि।"
16 हुनकर पूर्णता सँ हमरा सभ कैँ अनुग्रहक बदला मे अनुग्रह
भेटल अछि।
17 धर्म-नियम मूसा द्वारा देल गेल अछि, मुदा अनुग्रह आ सत् य
यीशु मसीहक द्वारा भेल।
18 परमेश्वर कैँ केओ कहियो नहि देखने अछि। एकलौता पुत्र,
जे पिताक कोरा मे अछि, ओ हुनका प्रचार कयलनि अछि।
19 यूहन् नाक ई गवाही अछि जखन यहूदी सभ यरूशलेम सँ
पुरोहित आ लेवी सभ कैँ पठौलनि जे ओ हुनका सँ पूछथि जे,
"अहाँ के छी?"
20 ओ स् वीकार कऽ कऽ अस्वीकार नहि कयलनि। मुदा
स्वीकार कयलनि जे, "हम मसीह नहि छी।"
21 ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन, "तखन की?" की अहाँ एलियाह
छी? ओ कहलथिन, "हम नहि छी।" की अहाँ ओ भविष्यवक्ता छी?
ओ उत्तर देलथिन, "नहि।"
22 तखन ओ सभ हुनका पुछलथिन, "अहाँ के छी?" जाहि सँ हम
सभ जे हमरा सभ कैँ पठौलनि, तकरा सभ कैँ उत्तर दऽ सकब।"
अहाँ अपना बारे मे की कहैत छी?
23 ओ कहलथिन, "हम जंगल मे एकटा एहन लोकक आवाज छी
जे "प्रभुक बाट सोझ करू, जेना यशायाह भविष्यवक्ता कहने
छलाह।"
24 जे सभ पठाओल गेल छल, से फरिसी सभ मे सँ छल।
25 ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन, "तखन अहाँ ओ मसीह आ ने
एलियाह आ ने ओ भविष्यवक्ता नहि छी तँ अहाँ बपतिस् मा
किएक दैत छी?"
26 यूहन् ना हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "हम पानि सँ बपतिस्
मा दैत छी।
27 ओ छथि जे हमरा पाछाँ आबि रहल छथि, हमरा सँ बेसी नीक
छथि, जिनकर जूताक कुंडी खोलबाक योग्य नहि छी।
28 ई सभ यरदन नदीक ओहि पारक बेताबरा मे भेल, जतऽ
यूहन् ना बपतिस् मा दऽ रहल छलाह।
29 दोसर दिन यूहन् ना यीशु कैँ हुनका लग अबैत देखि
कहलथिन, "देखू, परमेश् वरक मेमना जे संसारक पाप कैँ दूर
करैत छथि।"
30 ई ओ छथि जिनका बारे मे हम कहने छलहुँ जे, "हमरा बाद
एकटा एहन आदमी अबैत अछि जे हमरा सँ बेसी श्रेष्ठ अछि।"
31 हम हुनका नहि चिन्हैत छलहुँ, मुदा एहि लेल जे ओ
इस्राएलक समक्ष प्रगट होथि, तेँ हम पानि सँ बपतिस् मा दैत
आयल छी।
32 यूहन् ना गवाही दैत कहलथिन, "हम देखलहुँ जे आत् मा
कबूतर जकाँ स् वर्ग सँ उतरैत अछि आ ओ हुनका पर बैसल
छल।"
33 हम हुनका नहि चिन्हैत छलहुँ, मुदा जे हमरा पानि सँ बपतिस्
मा देबाक लेल पठौलनि, से हमरा कहलथिन, "अहाँ जकरा पर
आत् मा उतरैत देखब आ ओकरा पर रहत, वैह पवित्र आत् मा सँ
बपतिस् मा दैत अछि।"
34 हम देखलहुँ आ गवाही देलहुँ जे ई परमेश् वरक पुत्र छथि।
35 दोसर दिन यूहन् ना आ हुनकर दूटा शिष् य फेर ठाढ़ भऽ
गेलाह।
36 चलैत काल यीशु दिस तकैत कहलथिन, "देखू परमेश् वरक
मेमना!"
37 दुनू शिष् य हुनका बजैत सुनि यीशुक पाछाँ-पाछाँ चलि
गेलाह।
38 तखन यीशु घुमि कऽ हुनका सभ कैँ पाछाँ-पाछाँ चलैत देखि
पुछलथिन, " अहाँ सभ की चाहैत छी?" ओ सभ हुनका पुछलथिन,
"गुरु, जकर अर्थ अछि, "गुरु" अहाँ कतय रहैत छी?"
39 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " आउ आ देखू।" ओ सभ
आबि कऽ देखलक जे ओ कतऽ रहैत छथि आ ओहि दिन हुनका
संग रहि गेलाह, किएक तँ करीब दसम घंटा भऽ गेल छल।
40 यूहन् नाक गप्प सुनि हुनका पाछाँ-पाछाँ चलय बला दुनू मे सँ
एक छल सिमोन पत्रुसक भाय अन् द्रेया।
41 ओ पहिने अपन भाय सिमोन कैँ पाबि कऽ कहलथिन, "हमरा
सभ कैँ मसीह भेटि गेल अछि।
42 ओ हुनका यीशु लग अनलनि। यीशु हुनका देखि कहलथिन,
" अहाँ योनाक पुत्र सिमोन छी।
43 ओकर बादक दिन यीशु गलील जाय चाहैत छलाह आ
फिलिपुस कैँ पाबि कऽ कहलथिन, " हमर पाछाँ चलू।"
44 फिलिपुस बेतसैदाक छलाह जे अन्द्रिया आ पत्रुसक नगर
छल।
45 फिलिपुस नथनील कैँ पाबि कऽ कहलथिन, "हमरा सभ कैँ ओ
यूसुफक पुत्र नासरतक यीशु, जकरा बारे मे मूसा आ प्रवक् ता
सभ लिखने छलाह, हुनका पाबि गेलहुँ।"

46 नथनील हुनका कहलथिन, “की नासरत सँ कोनो नीक बात निकलि सकैत अछि?” फिलिपुस हुनका कहलथिन, “आउ आ देखू।”
47 यीशु नथनेल केँ हुनका लग अबैत देखि कहलथिन, “ देखू, एकटा इस्राएली अछि, जकरा मे कोनो धोखा नहि अछि!
48 नथनील हुनका पुछलथिन, “अहाँ हमरा कतऽ सँ चिन्हैत छी?” यीशु उत्तर देलथिन, “ फिलपस अहाँ केँ बजाबय सँ पहिने जखन अहाँ अंजीरक गाछक नीचाँ छलहुँ तखन हम अहाँ केँ देखलहुँ।”
49 नथनेल उत्तर देलथिन, “गुरु, अहाँ परमेश् वरक पुत्र छी। अहाँ इस्राएलक राजा छी।
50 यीशु उत्तर देलथिन, “ हम अहाँ केँ अंजीरक गाछक नीचाँ देखलहुँ, ताहि लेल की अहाँ विश् वास करैत छी?” अहाँ एहि सभ सँ पैघ बात देखब।
51 ओ हुनका कहलथिन, “हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे आब अहाँ सभ स् वर्ग केँ खुजल देखब आ परमेश् वरक स् वर्गदूत सभ केँ मनुष् य-पुत्र पर चढ़ैत-उतरैत देखब।”

अध्याय 2

1 तेसर दिन गलील प्रदेशक काना मे विवाह भेल। यीशुक माय ओतहि छलीह।
2 यीशु आ हुनकर शिष् य सभ केँ विवाह मे बजाओल गेलनि।
3 जखन हुनका सभ केँ मदिराक अभाव भेलनि तँ यीशुक माय हुनका कहलथिन, “ओकरा सभ लग मदिरा नहि अछि।”
4 यीशु हुनका पुछलथिन, “ महिला, अहाँ सँ हमरा की लेना-देना अछि?” हमर घड़ी एखन धरि नहि आबि सकल अछि।
5 हुनकर माय नोकर सभ केँ कहलथिन, “ओ अहाँ सभ केँ जे किछु कहत, से करू।”
6 ओतऽ यहूदी सभक शुद्धताक अनुसार पाथरक छहटा घैल राखल छल, जाहि मे दू-तीन टा फरकीन छल।
7 यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, “ घैल मे पानि भरि दियौक।” ओ सभ ओकरा सभ केँ किनार धरि भरि देलक।
8 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “ आब बाहर निकालि कऽ भोजक गवर्नर केँ लऽ जाउ।” आ ओ सभ ओकरा उघारि देलक।
9 जखन भोजक शासक मदिरा बनल पानि चखि कऽ नहि बुझलनि जे ई पानि कतऽ सँ आयल अछि।
10 ओ हुनका कहलथिन, “शुरुआत मे सभ केओ नीक मदिरा पीबैत अछि। जखन मनुष्य नीक जकाँ पीबि लेत तँ ओ सभ अधलाह अछि।
11 यीशु गलील प्रदेशक काना मे चमत्कार सभक प्रारंभ कयलनि आ अपन महिमा प्रकट कयलनि। हुनकर शिष् य सभ हुनका पर विश् वास कयलनि।
12 तकर बाद ओ अपन माय, भाय आ शिष् य सभ कफरनहूम गेलाह।
13 यहूदी सभक फसह-पाबनि लग आबि गेल छल आ यीशु यरूशलेम गेलाह।
14 मन्दिर मे बैल-भेड़ आ कबूतर बेचनिहार लोक सभ आ पाइ बदलनिहार सभ बैसल भेटल।
15 ओ छोट-छोट डोरी सँ कोड़ा मारि कऽ सभ केँ मन् दिर सँ भगा देलथिन। बदलनिहार सभक पाइ उझलि कऽ टेबुल सभ उखाड़ि देलक।
16 ओ कबूतर बेचनिहार सभ केँ कहलथिन, “ एहि सभ केँ एतय सँ लऽ जाउ। हमर पिताक घर केँ माल-जालक घर नहि बनाउ।
17 हुनकर शिष् य सभ केँ मोन पड़लनि जे धर्मशास् त्र मे लिखल छल, “अहाँक घरक उत्साह हमरा खा गेल अछि।”
18 तखन यहूदी सभ हुनका कहलथिन, “अहाँ ई सभ काज कऽ रहल छी, हमरा सभ केँ की चमत्कार कऽ रहल छी?”
19 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, “ ई मन् दिर केँ नष्ट कऽ दिअ, आ हम तीन दिन मे एकरा ठाढ़ कऽ देब।”
20 तखन यहूदी सभ कहलथिन, “ई मन्दिर छियालीस वर्ष सँ बनल छल, आ की अहाँ एकरा तीन दिन मे ठाढ़ करब?”
21 मुदा ओ अपन शरीरक मन् दिरक विषय मे बजलाह।
22 जखन यीशु मृत् यु मे सँ जीबि उठलाह तखन हुनकर शिष् य सभ केँ मोन पड़लनि जे ओ हुनका सभ केँ ई बात कहने छलाह। ओ सभ धर्मशास् त्र आ यीशुक कहल बात पर विश् वास कयलनि।
23 जखन यीशु फसह-पाबनि मे यरूशलेम मे छलाह, तखन हुनका द्वारा कयल गेल चमत्कार देखि बहुतो लोक हुनकर नाम पर विश् वास कयलनि।
24 मुदा यीशु सभ मनुष् य केँ जनैत छलाह, तेँ हुनका सभक हाथ मे अपना केँ नहि सौंपलनि।
25 मनुष् यक गवाही देबाक आवश्यकता नहि छल, किएक तँ ओ मनुष् य मे की अछि से जनैत छल।

अध्याय 3

1 फरिसी सभ मे सँ एक आदमी निकोदेमुस नामक छल, जे यहूदी सभक शासक छल।
2 ओ राति मे यीशु लग आबि कऽ कहलथिन, “गुरु, हम सभ जनैत छी जे अहाँ परमेश् वर दिस सँ आयल गुरु छी।
3 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, “ हम अहाँ केँ सत्ते कहैत छी जे जाबत धरि केओ नव जन्म नहि लेत, ताबत धरि ओ परमेश् वरक राज् य नहि देखि सकैत अछि।”
4 निकोदेमुस हुनका पुछलथिन, “मनुख बूढ़ भऽ कऽ कोना जन्म भऽ सकैत अछि?” की ओ दोसर बेर अपन मायक गर्भ मे प्रवेश क' क' जन्म लेत?
5 यीशु उत्तर देलथिन, “ हम अहाँ केँ सत् य कहैत छी जे जाबत धरि केओ पानि आ आत् मा सँ नहि जनम लेत, ताबत धरि ओ परमेश् वरक राज् य मे प्रवेश नहि कऽ सकैत अछि।”
6 जे शरीर सँ जन्मल अछि से मांस अछि। आ जे आत् मा सँ जनमल अछि से आत् मा अछि।
7 आश्चर्य नहि करू जे हम अहाँ केँ कहलियनि जे, ‘अहाँ सभ केँ नव जन्म लेबय पड़त।
8 हवा जतय चाहैत अछि ओतय बहैत अछि, आ अहाँ ओकर आवाज सुनैत छी, मुदा ई नहि बुझि सकैत छी जे ओ कतय सँ अबैत अछि आ कतय जाइत अछि।
9 निकोदेम हुनका उत्तर देलथिन, “ई सभ कोना भ' सकैत अछि?”
10 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, “ की अहाँ इस्राएलक मालिक छी आ ई सभ बात नहि जनैत छी?”
11 हम अहाँ केँ सत् य कहैत छी जे हम सभ ई बात बजैत छी जे हम सभ जनैत छी आ गवाही दैत छी जे हम सभ देखलहुँ। आ अहाँ सभ हमरा सभक गवाही नहि ग्रहण करैत छी।
12 जँ हम अहाँ सभ केँ पार्थिव बात कहने छी आ अहाँ सभ विश् वास नहि करब तँ अहाँ सभ कोना विश् वास करब, जँ हम अहाँ सभ केँ स् वर्गीय बात कहब?

13 स् वर्ग मे जे मनुखक पुत्र छथि, स् वर्ग मे बैसल लोकक छोड़ि
कऽ केओ स् वर्ग मे नहि चढ़ल अछि।
14 जहिना मूसा मरुभूमि मे साँप कैँ ऊपर उठौलनि, तहिना मनुष्
य-पुत्र कैँ ऊपर उठाओल जेबाक चाही।
15 जे केओ हुनका पर विश् वास करैत अछि, से नष्ट नहि भऽ
जाय, बल् कि अनन् त जीवन पाओत।
16 परमेश् वर संसार सँ एतेक प्रेम कयलनि जे ओ अपन
एकलौता पुत्र कैँ दऽ देलथिन जाहि सँ जे कियो हुनका पर विश्
वास करैत अछि, तकरा नाश नहि भऽ जाय, बल् कि अनन् त
जीवन भेटय।
17 परमेश् वर अपन पुत्र कैँ संसार मे दोषी ठहराबय लेल नहि
पठौलनि। मुदा एहि लेल जे हुनका द्वारा संसारक उद्धार हो।
18 जे हुनका पर विश् वास करैत अछि, तकरा दोषी नहि
ठहराओल जाइत अछि, मुदा जे विश् वास नहि करैत अछि, से
पहिने सँ दोषी ठहराओल गेल अछि, किएक तँ ओ परमेश् वरक
एकलौता पुत्रक नाम पर विश् वास नहि केने अछि।
19 ई दोष ई अछि जे संसार मे इजोत आबि गेल अछि आ मनुष्
य इजोत सँ बेसी अन्हार कैँ प्रेम करैत छल, किएक तँ ओकर
काज अधलाह छल।
20 किएक तँ जे केओ अधलाह काज करैत अछि, से इजोत सँ
घृणा करैत अछि आ ने इजोत मे अबैत अछि, जाहि सँ ओकर
काज कैँ डाँट नहि भेटय।
21 मुदा जे सत् य करैत अछि से इजोत मे अबैत अछि जाहि सँ
ओकर काज परमेश् वर मे कयल गेल अछि।
22 एहि बातक बाद यीशु आ हुनकर शिष् य सभ यहूदिया देश मे
अयलाह। ओतहि हुनका सभक संग रहि कऽ बपतिस् मा लेलनि।
23 यूहन् ना सेहो सलीमक समीप एनोन मे बपतिस् मा दऽ रहल
छलाह, किएक तँ ओतऽ बहुत पानि छलनि।
24 यूहन् ना एखन धरि जेल मे नहि राखल गेल छलाह।
25 तखन यूहन् नाक किछु शिष् य आ यहूदी सभक बीच
शुद्धिकरणक विषय मे प्रश्न उठल।
26 ओ सभ यूहन् ना लग आबि कऽ कहलथिन, “गुरु, जे अहाँक
संग यरदन नदीक ओहि पार छल, जकरा अहाँ गवाही देलहुँ, ओ
बपतिस् मा दऽ रहल अछि आ सभ लोक हुनका लग अबैत
अछि।”
27 यूहन् ना उत्तर देलथिन, “मनुष् य कैँ स् वर्ग सँ किछु नहि भेटि
सकैत अछि।”
28 अहाँ सभ हमरा गवाही दैत छी जे हम कहलहुँ जे, ‘हम मसीह
नहि छी, बल् कि हुनका सँ पहिने पठाओल गेल छी।
29 जे कनियाँ रखैत छथि से वर छथि, मुदा वरक मित्र जे ठाढ़
भऽ हुनका सुनैत छथि, से वरक आवाज पर बहुत आनन्दित
होइत छथि।
30 ओकरा बढ़य पड़तैक, मुदा हमरा घटय पड़तैक।
31 जे ऊपर सँ अबैत अछि से सभ सँ ऊपर अछि, पृथ् वी सँ जे
अछि से पृथ् वी सँ ऊपर अछि।
32 ओ जे देखलनि आ सुनलनि से गवाही दैत छथि। ओकर
गवाही केओ नहि ग्रहण करैत अछि।
33 जे हुनकर गवाही ग्रहण केने अछि, से अपन मोहर लगा देने
अछि जे परमेश् वर सत् य छथि।
34 परमेश् वर जकरा पठौलनि अछि से परमेश् वरक वचन बजैत
अछि।
35 पिता पुत्र सँ प्रेम करैत छथि आ सभ किछु अपना हाथ मे दऽ
देने छथि।
36 जे पुत्र पर विश् वास करैत अछि ओकरा अनन्त जीवन भेटैत
छैक। मुदा परमेश् वरक क्रोध हुनका पर टिकल रहैत छनि।

अध्याय 4

1 जखन प्रभु कैँ ई जानि गेलनि जे फरिसी सभ कोना सुनलनि जे
यीशु यूहन् ना सँ बेसी शिष् य बनौलनि आ बपतिस् मा देलनि।
2 (यदि यीशु स्वयं बपतिस् मा देलनि, बल् कि हुनकर शिष् य सभ
बपतिस् मा देलनि।”
3 ओ यहूदिया छोड़ि फेर गलील विदा भेलाह।
4 ओकरा सामरिया मे जाय पड़तैक।
5 तखन ओ सामरियाक एकटा नगर मे पहुँचलाह, जे सिकर
नामक अछि, जे जमीनक समीप अछि जे याकूब अपन पुत्र यूसुफ
कैँ देने छलाह।
6 याकूबक इनार ओतहि छल। यीशु अपन यात्रा सँ थाकि गेलाह,
एहि तरहेँ इनार पर बैसल रहलाह।
7 ओतऽ एकटा सामरियाक स् त्री पानि लऽ कऽ अयलीह।
8 (किएक तँ हुनकर शिष् य सभ भोजन कीनबाक लेल नगर चलि
गेल छलाह।”
9 तखन सामरियाक स् त्री हुनका पुछलथिन, “अहाँ यहूदी भऽ
कऽ हमरा सामरियाक स् त्री सँ पीबय कोना माँगि रहल छी?”
कारण, यहूदी सभक सामरी सभक संग कोनो व्यवहार नहि
अछि।
10 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, “ जँ अहाँ परमेश् वरक वरदान कैँ
जनैत रहितहुँ आ जे अहाँ कैँ कहैत छथि जे, हमरा पीबय दिअ।”
अहाँ हुनका सँ माँगने रहितहुँ आ ओ अहाँ कैँ जीवित पानि दऽ
दैतथिन।
11 ओ स् त्री हुनका पुछलथिन, “महाराज, अहाँ लग कोनो चीज
नहि अछि, आ इनार गहींर अछि।
12 की अहाँ हमरा सभक पिता याकूब सँ पैघ छी, जे हमरा सभ
कैँ इनार दऽ देलनि, आ ओहि मे सँ स्वयं, अपन बच्चा सभ आ
अपन माल-जाल पीबि लेलनि?
13 यीशु उत्तर देलथिन, “ जे केओ एहि पानि सँ पीबैत अछि, से
फेर सँ प्यास लागत।
14 मुदा जे पानि हम देब से पीबैत अछि, से कहियो प्यास नहि
लागत। मुदा हम जे पानि ओकरा देबनि से हुनका मे जलक इनार
बनत जे अनन्त जीवन मे उगैत अछि।
15 ओ स् त्री हुनका कहलथिन, “महाराज, हमरा ई पानि दिअ,
जाहि सँ हमरा प्यास नहि लागय आ ने एतय पानि पीबय लेल
आबि जाय।”
16 यीशु ओकरा कहलथिन, “ जाउ, अपन पति कैँ बजा कऽ
एतय आबि जाउ।”
17 ओ स् त्री उत्तर देलथिन, “हमरा लग कोनो पति नहि अछि।”
यीशु ओकरा कहलथिन, “ अहाँ नीक जकाँ कहलहुँ जे, “हमर
कोनो पति नहि अछि।”
18 अहाँक पाँचटा पति भेल अछि। आब जे अहाँ लग अछि से
अहाँक पति नहि अछि।
19 ओ स् त्री हुनका कहलथिन, “महाराज, हम बुझि रहल छी जे
अहाँ एकटा प्रवक् ता छी।”
20 हमरा सभक पूर्वज एहि पहाड़ पर आराधना करैत छलाह।
अहाँ सभ कहैत छी जे यरूशलेम मे ओ जगह अछि जतय लोक
कैँ आराधना करबाक चाही।”

21 यीशु ओकरा कहलथिन, " मारी, हमरा पर विश्वास करू, ओ समय आबि रहल अछि जखन अहाँ सभ ने एहि पहाड़ पर आ ने यरूशलेम मे पिताक आराधना करब।"
22 अहाँ सभ की आराधना करैत छी से नहि जनैत छी, हम सभ जनैत छी जे हम सभ की आराधना करैत छी, किएक तँ उद्धार यहूदी सभ सँ भेटैत अछि।
23 मुदा ओ समय आबि रहल अछि आ आब आबि गेल अछि, जखन सत् य उपासक सभ आत् मा आ सत् य सँ पिताक आराधना करताह।
24 परमेश् वर एकटा आत् मा छथि।
25 ओ स् त्री हुनका कहलथिन, "हम जनैत छी जे मसीह आबि रहल छथि, जकरा मसीह कहल जाइत अछि।
26 यीशु हुनका कहलथिन, " हम जे अहाँ सँ बात करैत छी।"
27 एहि बात पर हुनकर शिष् य सभ आबि कऽ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह जे ओ स् त्री सँ गप्प कऽ रहल छथि। वा, अहाँ ओकरा संग किएक गप्प करैत छी?
28 ओ स् त्री अपन घैल छोड़ि नगर मे जा कऽ पुरुष सभ कैँ कहलथिन।
29 एकटा एहन आदमी कैँ देखय लेल जाउ, जे हमरा जे किछु करैत छलहुँ, से हमरा कहने छल।
30 तखन ओ सभ नगर सँ बाहर निकलि हुनका लग आबि गेलाह।
31 एहि बीच हुनकर शिष् य सभ हुनका सँ प्रार्थना करैत कहलथिन, "गुरु, भोजन करू।"
32 मुदा यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हमरा लग एहन भोजन अछि जे अहाँ सभ कैँ नहि बुझल अछि।"
33 तैँ शिष् य सभ एक-दोसर सँ कहलथिन, "की केओ ओकरा भोजन करबाक लेल अनने अछि?"
34 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हमर भोजन अछि जे हमरा पठौनिहारक इच्छा पूरा करब आ हुनकर काज पूरा करब।"
35 अहाँ सभ ई नहि कहब जे आब चारि मास बाँकी अछि, तखन फसल काटि आबि जायत?" देखू, हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, आँखि उठा कऽ खेत दिस देखू। कारण, फसल काटय लेल पहिने सँ उज्जर भ' गेल अछि।
36 जे फसल काटि लैत अछि, तकरा मजदूरी भेटैत अछि आ अनन्त जीवनक लेल फल जुटाबैत अछि, जाहि सँ बोनिहार आ काटनिहार दुनू गोटे एक संग आनन्दित होथि।
37 एहि मे ई कहब सत्य अछि जे, "एक गोटे बोनैत अछि आ दोसर फसल काटि लैत अछि।"
38 हम अहाँ सभ कैँ ओहि काज कैँ काटि लेबाक लेल पठौने रही जाहि पर अहाँ सभ कोनो मेहनति नहि केलहुँ।
39 ओहि नगरक बहुतो सामरी लोकनि हुनका पर विश् वास कयलनि जे ओहि स् त्रीक गवाही देलनि जे, "हम जे किछु केलहुँ से सभ हमरा कहलनि।"
40 जखन सामरी सभ हुनका लग आबि गेलाह तँ हुनका सभ सँ विनती कयलनि जे ओ हुनका सभक संग रहथि।
41 हुनकर अपन वचनक कारणेँ आरो बहुतो लोक विश् वास कयलनि।
42 ओ स् त्री कैँ कहलथिन, "आब हम सभ विश् वास करैत छी, अहाँक एहि बातक कारणेँ नहि, किएक तँ हम सभ स्वयं हुनकर बात सुनने छी आ जनैत छी जे ई सत्ते संसारक उद्धारकर्ता मसीह छथि।"
43 दू दिनक बाद ओ ओतय सँ विदा भऽ गलील गेलाह।
44 यीशु स्वयं गवाही दैत छलाह जे, प्रवक् ता कैँ अपन देश मे कोनो आदर नहि होइत छैक।
45 जखन ओ गलील पहुँचलाह तँ गलीलवासी सभ हुनका यरूशलेम मे पाबनि मे जे किछु कयलनि से देखि हुनका स्वागत कयलनि।
46 यीशु फेर गलील प्रदेशक काना पहुँचलाह, जतय ओ पानि कैँ मदिरा बनाओल गेलाह। कफरनहूम मे एकटा कुलीन लोक छल, जकर बेटा कफरनहूम मे बीमार छल।
47 जखन ओ ई सुनि जे यीशु यहूदिया सँ गलील आबि गेल छथि, तखन ओ हुनका लग जा कऽ हुनका सँ विनती कयलनि जे ओ उतरि कऽ अपन बेटा कैँ ठीक कऽ दियौक।
48 यीशु हुनका कहलथिन, " जाबत धरि अहाँ सभ चिन् त्र आ चमत्कार नहि देखब, ताबत धरि अहाँ सभ विश् वास नहि करब।"
49 ओ कुलीन ओकरा कहलथिन, "महाराज, हमर बच्चा मरबा सँ पहिने उतरि जाउ।"
50 यीशु हुनका कहलथिन, "जाउ। तोहर बेटा जीबैत अछि। ओ आदमी यीशु द्वारा कहल गेल बात पर विश् वास कऽ कऽ चलि गेल।
51 यीशु उतरैत काल हुनकर नोकर सभ हुनका सँ भेंट कऽ कऽ कहलथिन, "तोहर बेटा जीवित अछि।"
52 तखन ओ हुनका सभ सँ पूछलनि जे ओ कोन समय मे सुधार करय लगलाह। ओ सभ हुनका कहलथिन, "काल्हि सातम बजे बोखार हुनका छोड़ि देलकनि।"
53 बाप कैँ बुझल छलनि जे ओहि समय मे यीशु हुनका कहलथिन, " तोहर बेटा जीवित अछि। "
54 ई फेर दोसर चमत्कार अछि जे यीशु यहूदिया सँ गलील मे अयला पर कयलनि।

अध्याय 5

1 एकर बाद यहूदी सभक भोज भेल। यीशु यरूशलेम गेलाह।
2 यरूशलेम मे बरदक बजारक कात मे एकटा पोखरि अछि, जकरा हिब्रू भाषा मे बेथेस्दा कहल जाइत अछि, जकर पाँचटा ओसारा अछि।
3 एहि सभ मे नपुंसक लोकक बहुत रास भीड़ पड़ल छल, जे आन्हर, रुकल, मुरझा गेल छल, जे पानि कैँ हिलबाक प्रतीक्षा मे छल।
4 एकटा स् वर्गदूत एक समय मे पोखरि मे उतरि कऽ पानि कैँ झकझोरि देलक।
5 ओतय एक आदमी छल, जे अड़तीस वर्षक दुर्बलता मे छल।
6 यीशु जखन हुनका पड़ल देखि कऽ बुझि गेलाह जे ओ बहुत दिन सँ एहन स्थिति मे छथि, तखन ओ हुनका पुछलथिन, " की अहाँ ठीक भऽ जायब?"
7 ओ नपुंसक हुनका उत्तर देलथिन, "महाराज, हमरा लग पानि चकनाचूर भेला पर हमरा पोखरि मे राखयवला केओ नहि अछि।
8 यीशु हुनका कहलथिन, " उठू, अपन बिछाओन उठा कऽ चलू।"
9 तखने ओ आदमी ठीक भऽ गेल आ ओछाइन उठा कऽ चलि गेल।
10 यहूदी सभ ठीक भेल कैँ कहलथिन, "विश्राम-दिन अछि।"
11 ओ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "जे हमरा ठीक करौलनि, से हमरा कहलथिन, "अपन बिछाओन उठा कऽ चलू।"
12 तखन ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन, "की आदमी अहाँ कैँ कहने छल जे, 'अपन ओछाओन उठा कऽ चलू?"

13 जे लोक ठीक भऽ गेल छल से नहि बुझल छल जे ई के अछि,
किएक तँ यीशु ओहि ठाम मे बहुतो लोक छल।
14 तकर बाद यीशु हुनका मन् दिर मे पाबि कऽ कहलथिन,
" देखू, अहाँ ठीक भऽ गेलहुँ।
15 ओ आदमी विदा भेलाह आ यहूदी सभ केँ कहलथिन जे यीशु
छथि जे हुनका ठीक कयलनि।
16 एहि लेल यहूदी सभ यीशु केँ सताबैत छलाह आ हुनका
मारबाक प्रयास कयलनि, कारण ओ विश्राम-दिन मे ई सभ काज
कयलनि।
17 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " हमर पिता एखन धरि
काज करैत छथि आ हमहूँ काज करैत छी।"
18 एहि लेल यहूदी सभ हुनका मारबाक लेल आओर बेसी चाहैत
छल, किएक तँ ओ विश्राम-दिन केँ नहि तोड़ि देलनि, बल् कि ईहो
कहैत छल जे परमेश् वर हुनकर पिता छथि आ अपना केँ परमेश्
वरक बराबर बना लेलनि।
19 तखन यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " हम अहाँ सभ केँ
सत् य कहैत छी जे पुत्र अपना सँ किछु नहि कऽ सकैत अछि,
बल् कि पिता केँ जे काज करैत देखैत अछि, से कऽ सकैत अछि।
20 किएक तँ पिता पुत्र सँ प्रेम करैत छथि आ अपना सभ काज
हुनका देखाबैत छथि।
21 किएक तँ जहिना पिता मृत् यु केँ जीबैत छथि आ ओकरा सभ
केँ जीवित करैत छथि। तहिना पुत्र जकरा चाहै छै ओकरा जीवंत
करै छै।
22 किएक तँ पिता ककरो न् याय नहि करैत छथि, बल् कि सभ
न् याय पुत्रक हाथ मे सौंपि देने छथि।
23 सभ लोक पुत्रक आदर करथि जेना पिताक आदर करैत
छथि। जे पुत्रक आदर नहि करैत अछि, से पिताक आदर नहि
करैत अछि जे ओकरा पठौने छथि।
24 हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे जे हमर वचन सुनैत
अछि आ हमरा पठेनिहार पर विश् वास करैत अछि, ओकरा
अनन्त जीवन भेटैत छैक, मुदा ओ दोषी नहि ठहराओत। मुदा
मृत्यु सँ जीवन मे आबि गेल अछि।
25 हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे ओ समय आबि रहल
अछि आ आब आबि रहल अछि, जखन मृत् यु परमेश् वरक
पुत्रक आवाज सुनत।
26 किएक तँ जहिना पिता केँ अपना मे जीवन छनि। तहिना ओ
पुत्र केँ अपना मे जीवन पाब' लेल द' देलनि।
27 ओ मनुष् यक पुत्र छथि, ताहि लेल हुनका न् याय करबाक
अधिकार सेहो देलनि अछि।
28 एहि बात पर आश्चर्य नहि होउ, किएक तँ ओ समय आबि
रहल अछि जाहि मे कबर मे रहनिहार सभ हुनकर आवाज
सुनत।
29 ओ बाहर आबि जायत। जे सभ नीक काज केने अछि, से सभ
जीवनक पुनरुत्थानक लेल। आ जे सभ अधलाह काज केने अछि,
तकरा सभ केँ दण्डक पुनरुत्थान कयल जायत।
30 हम अपना सँ किछु नहि कऽ सकैत छी, जेना सुनैत छी तेना
हम न्याय करैत छी। कारण, हम अपन इच्छा नहि, बल् कि हमरा
पठेनिहार पिताक इच्छा चाहैत छी।
31 जँ हम अपना गवाही दैत छी तँ हमर गवाही सत् य नहि
अछि।
32 एकटा आओर अछि जे हमर गवाही दैत अछि। हम जनैत छी
जे ओ हमरा विषय मे जे गवाही दैत छथि से सत्य अछि।
33 अहाँ सभ यूहन् ना लग पठौलहुँ आ ओ सत् यक गवाही
देलनि।
34 मुदा हमरा मनुष् यक गवाही नहि भेटैत अछि, मुदा ई सभ
बात हम अहाँ सभक उद्धार करबाक लेल कहैत छी।
35 ओ एकटा जरैत आ चमकैत इजोत छलाह।
36 मुदा हमरा यूहन् ना सँ बेसी गवाही अछि, कारण जे काज
पिता हमरा पूरा करबाक लेल देने छथि, जे काज हम करैत छी, से
हमरा गवाही दैत अछि जे पिता हमरा पठौने छथि।
37 हमरा पठौनिहार पिता स्वयं हमरा गवाही देलनि। अहाँ सभ ने
ओकर आवाज कहियो सुनने छी आ ने ओकर आकार देखलहुँ।
38 अहाँ सभ मे हुनकर वचन नहि बनल अछि।
39 शास्त्र मे खोज करू। किएक तँ अहाँ सभ सोचैत छी जे अहाँ
सभ केँ अनन्त जीवन भेटैत अछि।
40 अहाँ सभ हमरा लग नहि आबय चाहैत छी जे अहाँ सभ केँ
जीवन भेटय।
41 हमरा मनुष् यक आदर नहि भेटैत अछि।
42 मुदा हम अहाँ सभ केँ जनैत छी जे अहाँ सभ मे परमेश् वरक
प्रेम नहि अछि।
43 हम अपन पिताक नाम सँ आयल छी, मुदा अहाँ सभ हमरा
ग्रहण नहि करैत छी।
"
45 ई नहि सोचू जे हम अहाँ सभ पर पिताक समक्ष आरोप लगा
देब।
46 जँ अहाँ सभ मूसा पर विश् वास करितहुँ तँ हमरा पर विश्
वास करितहुँ।
47 मुदा जँ अहाँ सभ हुनकर लेखन पर विश्वास नहि करब तँ
हमर बात पर कोना विश्वास करब?

अध्याय 6

1 एहि बातक बाद यीशु गलील समुद्रक ओहि पार गेलाह जे
तिबेरियाक समुद्र अछि।
2 बहुतो भीड़ हुनका पाछाँ-पाछू चलि गेल, कारण ओ सभ
हुनकर चमत्कार देखि रहल छल जे ओ बीमार लोक सभ पर
कयलनि।
3 यीशु एकटा पहाड़ पर चढ़ि कऽ ओतऽ अपन शिष् य सभक
संग बैसलाह।
4 फसह-पाबनि यहूदी सभक पाबनि लग आबि गेल छल।
5 यीशु जखन आँखि उठा कऽ एकटा पैघ दल केँ हुनका लग
आबि रहल देखि फिलिपुस केँ पुछलथिन, " हम सभ रोटी कतऽ
सँ कीनब जाहि सँ ई सभ खा सकब?"
6 ओ ई बात हुनका परखबाक लेल कहलनि, किएक तँ ओ
अपना केँ बुझल छल जे ओ की करत।
7 फिलिपुस हुनका उत्तर देलथिन, "दू सय पाइक रोटी हुनका
सभक लेल पर्याप्त नहि अछि, जाहि सँ एक-एक गोटे कनि-मनि
रोटी ल' सकथि।"
8 हुनकर एकटा शिष्य सिमोन पत्रुसक भाय आन्द्रियास हुनका
कहलथिन।
9 एतय एकटा लड़का अछि, जकरा लग पाँचटा जौक रोटी आ
दूटा छोट-छोट माछ अछि।
10 यीशु कहलथिन, " लोक सभ केँ बैसा दियौक।" आब ओहि
ठाम बहुत घास भ गेल छल। तेँ आदमी सभ बैसि गेलाह, संख्या
मे करीब पाँच हजार।

11 यीशु रोटी लऽ लेलनि। धन्यवाद दऽ कऽ शिष् य सभ कैं आ शिष् य सभ कैं बैसल लोक सभ कैं बाँटि देलथिन। आ तहिना माछ सभक सेहो जतेक चाहत।
12 जखन ओ सभ पेट भरि गेल तखन ओ अपन शिष् य सभ कैं कहलथिन, " जे किछु बचल अछि से सभ कैं जमा करू जाहि सँ किछु नहि हेरा जाय।"
13 तैं ओ सभ ओकरा सभ कैं एक ठाम जमा कऽ कऽ बारह टोकरी मे जौक पाँचटा रोटीक टुकड़ी भरि देलक जे भोजन केनिहार सभक लेल बँचल छल।
14 ओ सभ यीशुक चमत्कार देखि कहलथिन, "सत्ते ई ओ प्रवक् ता छथि जे संसार मे आबि रहल छथि।"
15 यीशु जखन बुझि गेलाह जे ओ सभ हुनका राजा बनेबाक लेल जबरदस्ती पकड़ि लेताह, तखन ओ असगरे एकटा पहाड़ पर चलि गेलाह।
16 साँझ भेला पर हुनकर शिष् य सभ समुद्र दिस उतरि गेलाह।
17 ओ नाव मे बैसि समुद्रक ओहि पार कफरनहूम दिस गेलाह। आब अन्हार भऽ गेल छल, आ यीशु हुनका सभ लग नहि आयल छलाह।
18 एकटा तेज हवाक कारणेँ समुद्र उठि गेल।
19 ओ सभ करीब पाँच बीस-तीस फरॉन्ग धरि नाव चला कऽ यीशु कैं समुद्र पर चलैत आ नाव लग अबैत देखलनि।
20 मुदा यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " हम छी। डरब नहि।
21 तखन ओ सभ स्वेच्छा सँ ओकरा नाव मे बैसा लेलक आ तुरन्त जहाज ओहि भूमि पर पहुँचि गेल जतय ओ सभ जा रहल छल।
22 दोसर दिन समुद्रक ओहि पार ठाढ़ लोक सभ देखलक जे ओतऽ दोसर नाव नहि अछि, सिवाय ओहि नावक, जाहि मे हुनकर शिष् य सभ प्रवेश कयलनि, आ यीशु अपन शिष् य सभक संग नाव मे नहि, बल् कि हुनकर नाव मे बैसलाह शिष्य सभ असगरे चलि गेलाह।
23 (मुदा परमेश् वरक धन्यावादक बाद तिबिरियास सँ आन नाव सभ ओहि ठामक लग मे आबि गेल।"
24 जखन लोक सभ देखलक जे यीशु ओतऽ नहि छथि आ ने हुनकर शिष् य सभ, तँ ओ सभ जहाज पर चढ़ि कऽ कफरनहूम पहुँचि कऽ यीशुक खोज मे आबि गेलाह।
25 ओ सभ ओकरा समुद्रक ओहि पार पाबि कऽ पुछलथिन, "गुरु, अहाँ एतऽ कहिया आयल छी?"
26 यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे अहाँ सभ हमरा तकैत छी, एहि लेल नहि जे अहाँ सभ चमत् कार देखलहुँ, बल् कि अहाँ सभ रोटी खा कऽ तृप्त भऽ गेलहुँ।"
27 जे भोजन नाश होइत अछि, ताहि लेल परिश्रम नहि करू, बल् कि ओहि भोजनक लेल परिश्रम करू जे अनन्त जीवनक लेल टिकैत अछि, जे मनुष् यक पुत्र अहाँ सभ कैं देथिन।
28 तखन ओ सभ हुनका पुछलथिन, "हम सभ की करब जाहि सँ हम सभ परमेश् वरक काज कऽ सकब?"
29 यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " परमेश् वरक काज ई अछि जे अहाँ सभ ओहि पर विश् वास करू जकरा ओ पठौने छथि।"
30 ओ सभ हुनका पुछलथिन, "तखन अहाँ कोन चिन्ह कऽ रहल छी जाहि सँ हम सभ देखि कऽ अहाँ पर विश् वास कऽ सकब?" अहाँ की काज करैत छी?
31 हमरा सभक पूर्वज मरुभूमि मे मन्ना खाइत छलाह। जेना धर्मशास् त्र मे लिखल अछि, "ओ हुनका सभ कैं स् वर्ग सँ रोटी दऽ देलनि।"
32 तखन यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे, मूसा अहाँ सभ कैं स् वर्ग सँ रोटी नहि देलनि। मुदा हमर पिता अहाँ सभ कैं सत् य रोटी स् वर्ग सँ दैत छथि।
33 परमेश् वरक रोटी ओ छथि जे स् वर्ग सँ उतरि कऽ संसार कैं जीवन दैत छथि।
34 तखन ओ सभ हुनका कहलथिन, "प्रभु, हमरा सभ कैं ई रोटी सदिखन दिअ।"
35 यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " हम जीवनक रोटी छी। जे हमरा पर विश् वास करत से कहियो प्यास नहि करत।
36 मुदा हम अहाँ सभ कैं कहलियनि जे अहाँ सभ सेहो हमरा देखलहुँ आ विश्वास नहि करैत छी।
37 पिता हमरा जे किछु दैत छथि से हमरा लग आबि जायत। जे हमरा लग आओत तकरा हम कोनो तरहेँ बाहर नहि निकालब।"
38 हम स् वर्ग सँ उतरि कऽ अपन इच्छा पूरा करबाक लेल नहि, बल् कि हमरा पठेनिहारक इच्छा पूरा करबाक लेल उतरलहुँ।
39 हमरा पठौनिहार पिताक इच् छा ई अछि जे ओ हमरा जे किछु देने छथि, ताहि मे सँ हम किछु नहि गमाबी, बल् कि अंतिम दिन ओकरा फेर सँ जियाब।
40 हमरा पठेनिहारक इच् छा ई अछि जे जे कियो पुत्र कैं देखि हुनका पर विश् वास करैत अछि, ओकरा अनन्त जीवन भेटय।
41 तखन यहूदी सभ हुनका पर बड़बड़ाइत रहलाह, कारण ओ कहलथिन, "हम ओ रोटी छी जे स् वर्ग सँ उतरल अछि।"
42 ओ सभ पुछलथिन, "की ई यूसुफक पुत्र यीशु नहि छथि, जिनकर पिता आ माय कैं हम सभ जनैत छी?" तखन ओ कोना कहैत छथि जे, "हम स् वर्ग सँ उतरलहुँ?"
43 यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " अहाँ सभ आपस मे गुनगुनाहट नहि करू।"
44 हमरा पठौनिहार पिता ताबत धरि कियो हमरा लग नहि आबि सकैत अछि।
45 प्रवक् ता सभ मे लिखल अछि जे, "ओ सभ परमेश् वरक द्वारा सिखाओल जायत।" तैं जे केओ पिता परमेश् वरक बात सुनने आ सीखने अछि, से हमरा लग अबैत अछि।
46 ई नहि जे केओ पिता कैं देखने अछि, सिवाय जे परमेश् वरक अछि, ओ पिता कैं देखने अछि।
47 हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे, जे हमरा पर विश् वास करैत अछि, ओकरा अनन्त जीवन भेटैत छैक।
48 हम जीवनक रोटी छी।
49 अहाँ सभक पूर्वज जंगल मे मन्ना खाइत छलाह आ मरि गेल छथि।
50 ई ओ रोटी अछि जे स् वर्ग सँ उतरैत अछि, जाहि सँ मनुष् य ओहि मे सँ खा कऽ मरि नहि सकैत अछि।
51 हम स् वर्ग सँ उतरल जीवित रोटी छी।
52 यहूदी सभ आपस मे झगड़ा कऽ कऽ कहलथिन, "ई मनुष् य हमरा सभ कैं अपन मांस कोना दऽ सकैत अछि?"
53 तखन यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे जाबत अहाँ सभ मनुष् य-पुत्रक मांस नहि खायब आ हुनकर खून नहि पीब, ताबत धरि अहाँ सभ मे जीवन नहि रहत।"

54 जे हमर मांस खाइत अछि आ हमर खून पीबैत अछि, ओकरा अनन्त जीवन भेटैत छैक। आ हम ओकरा अंतिम दिन मे जिआ देब।
55 हमर मांस सत्ते भोजन अछि आ हमर खून सत्ते पेय अछि।
56 जे हमर मांस खाइत अछि आ हमर खून पीबैत अछि, से हमरा मे रहैत अछि आ हम ओकरा मे रहैत छी।
57 जहिना जीवित पिता हमरा पठौलनि अछि आ हम पिताक द्वारा जीबैत छी, तहिना जे हमरा खायत से हमरा द्वारा जीवित रहत।
58 ई ओ रोटी अछि जे स् वर्ग सँ उतरल छल, से नहि जेना अहाँ सभक पूर्वज मन्ना खाइत छलाह आ मरि गेल छलाह।
59 ई सभ बात ओ कफरनहूम मे शिक्षा दैत सभाघर मे बजलाह।
60 यीशुक बहुतो शिष् य सभ ई बात सुनि कऽ कहलथिन, "ई बात कठिन अछि। के सुनि सकैत अछि?
61 यीशु जखन मने-मन बुझि गेलाह जे हुनकर शिष् य सभ एहि बात पर बड़बड़ाइत छथि, तखन ओ हुनका सभ कें कहलथिन, " की ई बात अहाँ सभ कें ठेस पहुँचबैत अछि?"
62 जँ अहाँ सभ मनुष् य-पुत्र कें जतऽ पहिने छलाह, ओतय चढ़ैत देखब तँ की?
63 ई आत् मा अछि जे जीवित करैत अछि। शरीरक कोनो फायदा नहि होइत छैक, हम जे बात अहाँ सभ कें कहैत छी, से आत् मा अछि आ जीवन अछि।
64 मुदा अहाँ सभ मे सँ किछु एहन अछि जे विश् वास नहि करैत अछि। किएक तँ यीशु शुरूए सँ जनैत छलाह जे ओ सभ के छथि जे विश् वास नहि करैत छथि आ के हुनका धोखा देबाक चाही।
65 ओ कहलथिन, " एही लेल हम अहाँ सभ कें कहलहुँ जे, जाबत धरि हमर पिता हुनका नहि देल जायत, ताबत धरि केओ हमरा लग नहि आबि सकैत अछि।"
66 ओहि समय सँ हुनकर बहुतो शिष् य सभ घुरि कऽ चलि गेलाह आ आब हुनका संग नहि चललनि।
67 तखन यीशु बारह गोटे कें कहलथिन, " की अहाँ सभ सेहो जायब?"
68 सिमोन पत्रुस हुनका उत्तर देलथिन, "प्रभु, हम सभ केकरा लग जायब?" अहाँ लग अनन्त जीवनक वचन अछि।
69 हम सभ विश् वास करैत छी आ निश्चिंत छी जे अहाँ ओ मसीह, जीवित परमेश् वरक पुत्र छी।
70 यीशु हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, " की हम अहाँ सभ कें बारह गोटे कें नहि चुनने छी आ अहाँ सभ मे सँ एक गोटे शैतान अछि?"
71 ओ सिमोनक पुत्र यहूदा इस्करियोतीक विषय मे कहलनि, किएक तँ ओ बारह मे सँ एक छलाह जे हुनका धोखा देबय बला छल।

अध्याय 7

1 एहि बातक बाद यीशु गलील मे चलि गेलाह, किएक तँ ओ यहूदी धर्म मे नहि चलय चाहैत छलाह, किएक तँ यहूदी सभ हुनका मारय चाहैत छलाह।
2 यहूदी सभक तम्बूक पाबनि लग आबि गेल छल।
3 हुनकर भाय सभ हुनका कहलथिन, "एतय सँ जाउ आ यहूदिया मे जाउ, जाहि सँ अहाँक शिष् य सभ सेहो देखथि जे अहाँ जे काज करैत छी।"
4 किएक तँ एहन केओ नहि अछि जे गुप्त रूपेँ कोनो काज करैत अछि आ ओ स्वयं खुलि कऽ चिन्हबाक प्रयास करैत अछि। जँ अहाँ ई सभ काज करैत छी तँ संसारक सामने अपना कें देखाउ।
5 किएक तँ हुनकर भाय सभ हुनका पर विश् वास नहि कयलनि।
6 तखन यीशु हुनका सभ कें कहलथिन, " हमर समय एखन धरि नहि आबि सकल अछि।
7 संसार अहाँ सभ सँ घृणा नहि कऽ सकैत अछि। मुदा ओ हमरा सँ घृणा करैत अछि, कारण हम एकर गवाही दैत छी जे ओकर काज अधलाह अछि।
8 अहाँ सभ एहि भोज मे जाउ। किएक तँ हमर समय एखन धरि पूरा नहि भेल अछि।
9 यीशु हुनका सभ कें ई बात कहि कऽ ओ गलील मे रहि गेलाह।
10 मुदा जखन हुनकर भाय सभ चलि गेलाह तखन ओ सेहो भोज मे खुलि कऽ नहि, बल् कि गुप्त रूप सँ भोज मे चलि गेलाह।
11 तखन यहूदी सभ भोज मे हुनका खोजि कऽ पुछलथिन, "ओ कतय छथि?"
12 लोक सभ मे हुनका विषय मे बहुत गुनगुनाहटि भेल, किएक तँ किछु लोक कहैत छल जे, "ओ नीक लोक छथि।" मुदा लोक सभ कें धोखा दैत अछि।
13 मुदा यहूदी सभक डर सँ केओ हुनका बारे मे खुलि कऽ नहि बजलक।
14 भोजक बीच मे यीशु मन् दिर मे जा कऽ शिक्षा दैत छलाह।
15 यहूदी सभ आश्चर्यचकित भऽ कऽ कहलथिन, "ई आदमी कहियो चिट्ठी नहि जनैत अछि?"
16 यीशु हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, " हमर शिक्षा हमर नहि, बल् कि हमरा पठौनिहारक अछि।"
17 जँ केओ अपन इच् छा पूरा करऽ चाहैत अछि तँ ओकरा बुझल हेतैक जे ई शिक्षा परमेश् वरक अछि आकि हम अपना सँ बजैत छी।
18 जे अपन महिमा बजैत अछि से अपन महिमा तकैत अछि, मुदा जे ओकरा पठेनिहार महिमा चाहैत अछि, से सत् य अछि आ ओकरा मे कोनो अधर्म नहि अछि।
19 की मूसा अहाँ सभ कें धर्म-नियम नहि देलनि, मुदा अहाँ सभ मे सँ कियो धर्म-नियमक पालन नहि करैत अछि? अहाँ सभ हमरा मारय बला किएक जा रहल छी?
20 लोक सभ उत्तर देलकनि, "अहाँक दुष् टात् मा अछि।
21 यीशु हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, " हम एकेटा काज केलहुँ आ अहाँ सभ आश्चर्यचकित छी।"
22 मूसा अहाँ सभ कें खतना कयलनि। (ई मूसा सँ नहि, बल् कि पिता-पिताक द्वारा अछि।) आ अहाँ सभ विश्राम-दिन मे मनुष् यक खतना करैत छी।
23 विश्राम-दिन मे जँ केओ खतना कराओल जायत तँ मूसाक नियमक उल्लंघन नहि हो। की अहाँ सभ हमरा पर तमसाइत छी, किएक तँ हम विश्राम-दिन मे एक-एक आदमी कें ठीक कऽ देलहुँ?
24 देखबाक अनुसार न्याय नहि करू, बल् कि धार्मिक न् याय पर न्याय करू।
25 तखन यरूशलेम मे सँ किछु लोक कहलथिन, "की ई ओ नहि अछि, जकरा ओ सभ मारय चाहैत छथि?"
26 मुदा, देखू, ओ निर्भीकतापूर्वक बजैत छथि, मुदा ओ सभ हुनका किछु नहि कहैत छथि। की शासक सभ सत्ते जनैत छथि जे ई मसीह छथि?

27 मुदा हम सभ एहि मनुख कैँ जनैत छी जे ओ कतय सँ आयल
अछि।
28 तखन यीशु मन् दिर मे सिखाबैत काल चिचिया उठलाह,
" अहाँ सभ हमरा जनैत छी आ हम कतय सँ आयल छी से अहाँ
सभ जनैत छी।
29 मुदा हम हुनका चिन्हैत छी, किएक तँ हम हुनका सँ छी आ
ओ हमरा पठौने छथि।
30 तखन ओ सभ हुनका पकड़बाक प्रयास कयलनि, मुदा केओ
हुनका पर हाथ नहि लगेलक, कारण हुनकर समय एखन धरि
नहि आबि सकल छलनि।
31 लोक मे सँ बहुतो लोक हुनका पर विश् वास कऽ कऽ
कहलथिन, "जखन मसीह आबि जेताह तँ की ओ एहि आदमी सँ
बेसी चमत् कार करताह?"
32 फरिसी सभ सुनलनि जे लोक सभ हुनका विषय मे एहन
गड़बड़ी करैत अछि। फरिसी आ मुखिया पुरोहित सभ हुनका
पकड़बाक लेल अधिकारी सभ पठौलनि।
33 तखन यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हम अहाँ सभक संग
कनेक काल मे रहब, तखन हम हमरा पठेनिहार लग जायब।"
34 अहाँ सभ हमरा ताकब, मुदा हमरा नहि पाबि सकब।
35 तखन यहूदी सभ आपस मे पुछलथिन, "ओ कतय जेताह,
जाहि सँ हम सभ ओकरा नहि पाबि सकब?" की ओ गैर-यहूदी
सभक बीच छिड़ियाएल लोक सभ लग जा कऽ गैर-यहूदी सभ कैँ
सिखाओत?
36 ई कोन तरहक कहब अछि जे, "अहाँ सभ हमरा ताकब, मुदा
हमरा नहि भेटत।"
37 अंतिम दिन, पर्वक ओहि पैघ दिन मे यीशु ठाढ़ भऽ कऽ
चिचिया उठलाह, " जँ केओ पियासैत अछि तँ ओ हमरा लग
आबि कऽ पीबय।"
38 जे हमरा पर विश् वास करत, जेना धर्मशास् त्र मे कहल गेल
अछि, ओकर पेट सँ जीवित जलक नदी बहत।
39 (मुदा ई बात ओ आत् माक विषय मे कहलनि जे हुनका पर
विश् वास करयवला सभ कैँ भेटबाक चाही।
40 बहुतो लोक ई बात सुनि कऽ कहलथिन, "सत्ते ई भविष्यवक्ता
छथि।"
41 दोसर लोक कहलथिन, "ई मसीह छथि।" मुदा किछु गोटे
कहलथिन, "की मसीह गलील सँ बाहर आबि जेताह?"
42 की धर्मशास् त्र मे ई नहि कहल गेल अछि जे, "मसीह
दाऊदक वंशज मे सँ आ बेतलेहेम नगर सँ बाहर आबि रहल
छथि, जतय दाऊद छलाह?"
43 तेँ हुनका कारणेँ लोक मे विभाजन भऽ गेल।
44 किछु गोटे हुनका पकड़ि लेताह। मुदा कियो हुनका पर हाथ
नहि लगेलक।
45 तखन अफसर सभ मुख् यपुरोहित आ फरिसी सभक लग
आबि गेलाह। ओ सभ ओकरा सभ कैँ पुछलथिन, "अहाँ सभ
ओकरा किएक नहि अनलहुँ?"
46 अधिकारी सभ उत्तर देलथिन, "एहि आदमी जकाँ केओ
कहियो नहि बाजल।"
47 तखन फरिसी सभ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "की अहाँ
सभ सेहो धोखा खा गेल छी?"
48 की हुनका पर कोनो शासक आ फरिसी सभ मे सँ विश् वास
केने छथि?
49 मुदा ई लोक सभ जे धर्म-नियम कैँ नहि जनैत अछि, से
शापित अछि।
50 निकोदेमुस हुनका सभ कैँ कहलथिन, "जे राति मे यीशु लग
आयल छलाह।"
51 की हमर सभक व्यवस्था ककरो सुनबा सँ पहिने ओकर न्याय
करैत अछि आ ओकरा की करैत अछि?
52 ओ सभ हुनका पुछलथिन, "की अहाँ सेहो गलील के छी?"
खोजू आ देखू, किएक तँ गलील सँ कोनो प्रवक् ता नहि उठैत
अछि।
53 एक-एक गोटे अपन-अपन घर चलि गेलाह।

अध्याय 8

1 यीशु जैतूनक पहाड़ पर गेलाह।
2 भोरे-भोर ओ फेर मन् दिर मे आबि गेलाह आ सभ लोक हुनका
लग आबि गेलाह। ओ बैसि कऽ हुनका सभ कैँ सिखबैत रहलाह।
3 धर्मशास्त्री आ फरिसी सभ व्यभिचार मे पकड़ल गेल स् त्री कैँ
हुनका लग अनलनि। जखन ओ सभ ओकरा बीच मे बैसा लेलक।
4 ओ सभ हुनका कहलथिन, "गुरु, ई स् त्री व्यभिचार मे पकड़ल
गेल छल।"
5 मूसा धर्म-नियम मे हमरा सभ कैँ आज्ञा देलनि जे एहन लोक
सभ कैँ पाथर मारि देल जाय, मुदा अहाँ की कहैत छी?
6 ओ सभ हुनका परीक्षा मे ई बात कहलथिन जे हुनका पर
आरोप लगाबय पड़य। मुदा यीशु झुकि गेलाह आ अपन आँगुर सँ
जमीन पर लिखि गेलाह जेना ओ हुनका सभक बात नहि सुनने
होथि।
7 जखन ओ सभ हुनका सँ पुछैत रहलाह तँ ओ उठि कऽ हुनका
सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभ मे जे कोनो पाप नहि अछि, से
पहिने ओकरा पर पाथर फेकय।"
8 ओ फेर झुकि कऽ जमीन पर लिखलनि।
9 ई बात सुननिहार सभ अपन विवेक सँ दोषी भऽ कऽ एक-एक
कऽ जेठका सँ शुरू भऽ कऽ अंतिम लोक धरि बाहर निकलि
गेलाह।
10 यीशु उठि कऽ ओहि स् त्री कैँ छोड़ि ककरो नहि देखलनि तँ
पुछलथिन, " एहि स् त्री, ओ सभ अहाँ पर आरोप लगाबऽ वला
सभ कतऽ छथि?" की तोहर केओ दोषी नहि ठहरौलक?
11 ओ बजलीह, "प्रभु, केओ नहि।" यीशु ओकरा कहलथिन,
" हमहूँ तोरा दोषी नहि ठहरा रहल छी।
12 यीशु फेर हुनका सभ सँ कहलथिन, " हम संसारक इजोत छी।
13 फरिसी सभ हुनका कहलथिन, "अहाँ अपन गवाही दैत छी।
तोहर रिकार्ड सत्य नहि अछि।
14 यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, " हम भले अपन गवाही
दैत छी, मुदा हमर गवाही सत् य अछि। मुदा हम कतय सँ आयल
छी आ कतय जा रहल छी से अहाँ सभ नहि कहि सकैत छी।
15 अहाँ सभ शरीरक अनुसार न्याय करैत छी। हम कोनो
आदमीक न्याय नहि करैत छी।
16 मुदा जँ हम न् याय करैत छी तँ हमर न् याय सत् य अछि,
किएक तँ हम असगर नहि, बल् कि हम आ ओ पिता छी जे हमरा
पठौलनि।
17 अहाँक धर्म-नियम मे सेहो लिखल अछि जे दू आदमीक
गवाही सत् य अछि।
18 हम अपना बारे मे गवाही दैत छी आ जे पिता हमरा पठौलनि
से हमर गवाही दैत छथि।
19 तखन ओ सभ हुनका पुछलथिन, "अहाँक पिता कतय छथि?"
यीशु उत्तर देलथिन, " अहाँ सभ हमरा नहि जनैत छी आ ने हमर

पिता कैं, जँ अहाँ सभ हमरा चिन्हितहुँ तँ हमर पिता कैं सेहो
चिन्हितहुँ।
20 यीशु मन् दिर मे शिक्षा दैत काल कोष मे ई बात कहलनि।
किएक तँ हुनकर समय एखन धरि नहि आबि सकल छलनि।
21 तखन यीशु हुनका सभ कैं फेर कहलथिन, " हम जा रहल छी,
अहाँ सभ हमरा ताकब आ अपन पाप मे मरि जायब।
22 तखन यहूदी सभ कहलथिन, "की ओ अपना कैं मारि लेताह?"
कारण ओ कहैत छथि, "हम जतय जा रहल छी, अहाँ सभ नहि
आबि सकैत छी।"
23 यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " अहाँ सभ नीचाँक छी। हम
ऊपर सँ छी, अहाँ सभ एहि संसारक छी। हम एहि संसारक नहि
छी।
24 हम अहाँ सभ कैं कहलियनि जे अहाँ सभ अपन पाप मे मरि
जायब, किएक तँ जँ अहाँ सभ विश्वास नहि करब जे हम ओ छी तँ
अहाँ सभ अपन पाप मे मरि जायब।
25 तखन ओ सभ हुनका पुछलथिन, "अहाँ के छी?" यीशु हुनका
सभ कैं कहलथिन, "जे हम अहाँ सभ कैं शुरू सँ कहने रही।"
26 हमरा अहाँ सभक विषय मे बहुत किछु कहबाक आ न्याय
करबाक अछि, मुदा जे हमरा पठौलनि से सत् य अछि। हम
संसार सँ ओ बात कहैत छी जे हम हुनका बारे मे सुनने छी।
27 ओ सभ ई नहि बुझलनि जे ओ हुनका सभ कैं पिताक विषय
मे बाजि रहल छथि।
28 तखन यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " जखन अहाँ सभ
मनुष् य-पुत्र कैं ऊपर उठौब तखन अहाँ सभ बुझब जे हम ओ छी
आ हम अपना सँ किछु नहि करैत छी। मुदा जेना हमर पिता
हमरा सिखबैत छथि, हम ई सभ बात कहैत छी।
29 जे हमरा पठौलनि से हमरा संग अछि। कारण, हम सदिखन
वैह काज करैत छी जे हुनका नीक लगैत छनि।
30 यीशु ई बात सभ बजैत काल बहुतो लोक हुनका पर विश् वास
कयलनि।
31 यीशु हुनका पर विश् वास करऽ वला यहूदी सभ कैं
कहलथिन, " जँ अहाँ सभ हमर वचन पर चलैत रहब तँ अहाँ सभ
सत्ते हमर शिष् य छी।
32 अहाँ सभ सत् य कैं जानब आ सत् य अहाँ सभ कैं स्वतंत्र बना
देत।
33 ओ सभ हुनका उत्तर देलथिन, "हम सभ अब्राहमक वंशज छी,
आ कहियो ककरो दास नहि भेलहुँ।
34 यीशु हुनका सभ कैं उत्तर देलथिन, " हम अहाँ सभ कैं सत् य
कहैत छी जे केओ पाप करैत अछि, ओ पापक दास अछि।"
35 सेवक घर मे सदाक लेल नहि रहैत अछि, मुदा पुत्र अनन्त
काल धरि रहैत अछि।
36 जँ पुत्र अहाँ सभ कैं स्वतंत्र बना देत तँ अहाँ सभ सत्ते स्वतंत्र
भऽ जायब।
37 हम जनैत छी जे अहाँ सभ अब्राहमक वंशज छी। मुदा अहाँ
सभ हमरा मारय चाहैत छी, किएक तँ हमर वचन अहाँ सभ मे
कोनो स्थान नहि अछि।
38 हम अपन पिताक संग जे देखलहुँ से कहैत छी।
39 ओ सभ उत्तर देलथिन, "अब्राहम हमरा सभक पिता छथि।"
यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " अहाँ सभ अब्राहमक सन् तान
रहितहुँ तँ अब्राहमक काज करितहुँ।"
40 मुदा आब अहाँ सभ हमरा मारय चाहैत छी, जे सत् य अहाँ
सभ कैं कहने छी जे हम परमेश् वर सँ सुनने छी।
41 अहाँ सभ अपन पिताक काज करैत छी। तखन ओ सभ
हुनका कहलथिन, "हम सभ व्यभिचार सँ नहि जनमल छी। हमरा
सभक एकेटा पिता छथि, ओ परमेश् वर छथि।
42 यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " जँ परमेश् वर अहाँ सभक
पिता रहितथि तँ अहाँ सभ हमरा सँ प्रेम करितहुँ। आ ने हम अपने
सँ आयल छी, बल् कि ओ हमरा पठौलनि।
43 अहाँ सभ हमर बात किएक नहि बुझैत छी? एतेक तक कि
अहाँ सभ हमर वचन नहि सुनि सकैत छी।
44 अहाँ सभ अपन पिता शैतान सँ छी आ अपन पिताक वासना
कैं पूरा करब। ओ शुरूए सँ हत्यारा छल, आ सत् य मे नहि रहैत
छल, किएक तँ ओकरा मे कोनो सत् य नहि अछि। जखन ओ
झूठ बाजैत अछि तँ ओ अपन बात कहैत अछि, किएक तँ ओ
झूठ बाजनिहार अछि आ ओकर पिता अछि।
45 हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी तेँ अहाँ सभ हमरा पर विश्
वास नहि करैत छी।
46 अहाँ सभ मे सँ के हमरा पापक विषय मे बुझबैत अछि? जँ
हम सत् य कहैत छी तँ अहाँ सभ हमरा पर विश् वास किएक
नहि करैत छी?
47 जे परमेश् वरक अछि से परमेश् वरक वचन सुनैत अछि, तेँ
अहाँ सभ परमेश् वरक नहि छी।
48 तखन यहूदी सभ हुनका उत्तर देलथिन, "हम सभ नीक नहि
कहैत छी जे अहाँ सामरी छी आ अहाँ मे दुष्टात्मा अछि?"
49 यीशु उत्तर देलथिन, " हमरा लग कोनो शैतान नहि अछि।
मुदा हम अपन पिताक आदर करैत छी आ अहाँ सभ हमरा
अपमान करैत छी।
50 हम अपन महिमा नहि चाहैत छी।
51 हम अहाँ सभ कैं सत् य कहैत छी जे जँ केओ हमर बात
मानैत अछि तँ ओ कहियो मृत्यु नहि देखि सकैत अछि।
52 तखन यहूदी सभ हुनका कहलथिन, "आब हमरा सभ कैं
बुझल अछि जे अहाँ मे दुष् टात् मा अछि।" अब्राहम आ
भविष्यवक्ता सभ मरि गेल छथि। आ अहाँ कहैत छी जे जँ केओ
हमर बात मानैत अछि तँ ओ कहियो मृत्युक स्वाद नहि लेत।"
53 की अहाँ हमरा सभक पिता अब्राहम सँ पैघ छी जे मरि गेल
छथि? परमेश् वरक प्रवक् ता सभ मरि गेल अछि।
54 यीशु उत्तर देलथिन, " जँ हम अपना कैं आदर करैत छी तँ
हमर आदर किछु नहि। हुनका बारे मे अहाँ सभ कहैत छी जे ओ
अहाँ सभक परमेश् वर छथि।
55 तैयो अहाँ सभ हुनका नहि चिन्हलहुँ। मुदा हम ओकरा चिन्हैत
छी, आ जँ हम कहब जे हम ओकरा नहि चिन्हैत छी तऽ हमहूँ
अहाँ जकाँ झूठ बाजब।
56 अहाँक पिता अब्राहम हमर दिन देखि आनन्दित भेलाह।
57 तखन यहूदी सभ हुनका कहलथिन, "अहाँ एखन पचास वर्षक
नहि भऽ गेलहुँ आ की अहाँ अब्राहम कैं देखलहुँ?"
58 यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, " हम अहाँ सभ कैं सत् य
कहैत छी जे अब्राहम सँ पहिने हम छी।"
59 ओ सभ हुनका पर पाथर फेकबाक लेल पाथर उठौलनि।

अध्याय 9

1 यीशु ओहि ठाम सँ गुजरैत काल एकटा एहन आदमी कैं
देखलनि जे जन्म सँ आन्हर छल।
2 हुनकर शिष्य सभ हुनका सँ पुछलथिन, "गुरु, ई आन्हर जनम
सँ के पाप केलक?

3 यीशु उत्तर देलथिन, " ने ई आदमी पाप केलक आ ने ओकर
माता-पिता, बल् कि परमेश् वरक काज हुनका मे प्रगट होअय।"
4 हमरा जे हमरा पठौलनि, ताबत दिन मे हमरा पठौनिहारक
काज करबाक चाही।
5 जा धरि हम संसार मे छी ता धरि संसारक इजोत छी।
6 ई बात कहि कऽ ओ जमीन पर थूकि कऽ थूक सँ माटि
बनौलनि आ ओहि आन्हरक आँखि पर माटि सँ अभिषेक
कयलनि।
7 ओ हुनका कहलथिन, " जाउ, सिलोआमक पोखरि मे धोउ,
जकर अर्थ अछि जे पठाओल गेल अछि।"
8 पड़ोसी सभ आ जे सभ पहिने हुनका आन्हर देखने छल, ओ
सभ पुछलथिन, "की ई ओ नहि अछि जे बैसि कऽ भीख माँगैत
छल?"
9 किछु गोटे कहलथिन, "ई ओ छथि, किछु गोटे कहलथिन, "ओ
हुनका सन छथि।"
10 ओ सभ हुनका पुछलथिन, "अहाँक आँखि कोना खुजल?
11 ओ उत्तर देलथिन, "यीशु नामक एक आदमी माटि बना कऽ
हमरा आँखि पर अभिषेक कऽ हमरा कहलक जे, "सिलोआमक
पोखरि मे जा कऽ धोउ।"
12 तखन ओ सभ हुनका पुछलथिन, "ओ कतय छथि?" ओ
कहलनि, हमरा नहि बुझल अछि।
13 ओ सभ पहिने आन्हर कें फरिसी सभक लग अनलनि।
14 ओ विश्राम-दिन छल जखन यीशु माटि बनौलनि आ आँखि
खोललनि।
15 तखन फेर फरिसी सभ हुनका सँ पुछलथिन जे अहाँ कोना
देखलहुँ। ओ हुनका सभ कें कहलथिन, "ओ हमर आँखि पर माटि
लगा देलनि, आ हम धोलहुँ आ देखैत छी।"
16 एहि लेल किछु फरिसी सभ कहलथिन, "ई आदमी परमेश्
वरक नहि अछि, किएक तँ ओ विश्राम-दिन नहि मानैत अछि।"
दोसर लोक सभ कहलकनि, "जे पापी अछि, से एहन चमत्कार
कोना क' सकैत अछि? आ हुनका लोकनिक बीच विभाजन भ'
गेलनि।
17 ओ सभ फेर आन्हर कें पुछलथिन, "अहाँ ओकरा बारे मे की
कहैत छी जे ओ अहाँक आँखि खोलि देलक?" ओ कहलनि, "ओ
एकटा भविष्यवक्ता छथि।"
18 मुदा यहूदी सभ हुनका पर विश्वास नहि केलक जे ओ आन्हर
भऽ कऽ देखि नहि सकलाह, जाबत धरि ओ सभ देखनिहारक
माता-पिता कें नहि बजौलनि।
19 ओ सभ हुनका सभ सँ पुछलथिन, "की ई अहाँक बेटा अछि,
जकरा अहाँ सभ कहैत छी जे आन्हर भेल अछि?" तखन आब
कोना देखैत अछि?
20 हुनकर माता-पिता हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, "हम सभ
जनैत छी जे ई हमर सभक बेटा अछि आ ओ आन्हर भऽ गेल
अछि।
21 मुदा आब ओ कोन तरहेँ देखैत छथि, से हम सभ नहि जनैत
छी। जे आँखि खोलने अछि से हम सभ नहि जनैत छी। ओकरा सँ
पूछू, ओ अपना लेल बाजत।
22 ई बात हुनकर माता-पिता यहूदी सभ सँ डरबाक कारणेँ
कहलनि, किएक तँ यहूदी सभ पहिने सँ सहमत भऽ गेल छल जे
जँ केओ अपना कें मसीह छी तँ ओकरा सभाघर सँ बाहर कऽ
देल जाय।
23 तेँ हुनकर माता-पिता कहलथिन, "ओ उम्र बढ़ि गेल छथि।
ओकरासँ पूछू।
24 ओ सभ फेर ओहि आन्हर कें बजा कऽ कहलथिन, "परमेश्
वरक स्तुति करू।
25 ओ उत्तर देलथिन, "ओ पापी छथि वा नहि, हमरा नहि बुझल
अछि।
26 तखन ओ सभ फेर हुनका सँ पुछलथिन, "ओ अहाँ कें की
कयलनि?" ओ अहाँक आँखि कोना खोललक?
27 ओ हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, "हम अहाँ सभ कें पहिने सँ
कहि देने छी, मुदा अहाँ सभ नहि सुनलहुँ। की अहाँ सभ सेहो
हुनकर शिष्य बनब?
28 तखन ओ सभ हुनका गारि कऽ कहलथिन, "अहाँ हुनकर
शिष् य छी। मुदा हम सभ मूसाक शिष् य छी।
29 हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर मूसा सँ बात कयलनि।
30 ओ आदमी हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, "एहि मे आश्चर्यक
बात किएक अछि जे अहाँ सभ कें ई नहि बुझल अछि जे ओ
कतऽ सँ आयल अछि, मुदा ओ हमर आँखि खोलि देलक।"
31 आब हम सभ जनैत छी जे परमेश् वर पापी सभक बात नहि
सुनैत छथि।
32 जहिया सँ संसार शुरू भेल अछि तहिया सँ ई सुनबा मे नहि
आयल जे आन्हर जन्म सँ केओ आँखि खोलैत अछि।
33 जँ ई आदमी परमेश् वरक नहि रहितथि तँ ओ किछु नहि कऽ
सकैत छलाह।
34 ओ सभ उत्तर देलथिन, "अहाँ एकदम पाप मे जन्म लेने छी
आ की अहाँ हमरा सभ कें सिखाबैत छी?" ओ सभ ओकरा बाहर
निकालि देलक।
35 यीशु सुनलनि जे ओ सभ हुनका बाहर निकालि देलकनि। ओ
ओकरा पाबि कऽ कहलथिन, " की अहाँ परमेश् वरक पुत्र पर
विश् वास करैत छी?"
36 ओ उत्तर देलथिन, "हे प्रभु, ओ के छथि, जाहि सँ हम हुनका
पर विश् वास करी?"
37 यीशु हुनका कहलथिन, " अहाँ दुनू गोटे हुनका देखलहुँ आ
ओ अहाँ सँ गप्प करैत छथि।"
38 ओ कहलथिन, "प्रभु, हम विश् वास करैत छी।" आ ओ
हुनकर आराधना केलनि।
39 यीशु कहलथिन, " हम न्यायक लेल एहि संसार मे आयल छी
जाहि सँ जे सभ नहि देखैत अछि से देखय। आ देखनिहार सभ
आन्हर भऽ जाय।"
40 हुनका संग रहनिहार किछु फरिसी सभ ई बात सुनि हुनका
पुछलथिन, "की हमहूँ सभ आन्हर छी?"
41 यीशु हुनका सभ कें कहलथिन, " अहाँ सभ जँ आन्हर रहितहुँ
तँ अहाँ सभक पाप नहि रहैत। तेँ अहाँ सभक पाप बनल अछि।"

अध्याय 10

1 हम अहाँ सभ कें सत् य कहैत छी जे, जे दरबज्जा सँ भेँड़ाक घर
मे प्रवेश नहि करैत अछि, बल् कि कोनो आन बाट पर चढ़ैत
अछि, से चोर आ डकैत अछि।
2 मुदा जे दरबज्जा पर प्रवेश करैत अछि से भेँड़ाक चरबाह
अछि।
3 दरबज्जा ओकरा लेल खोलैत अछि। बरद सभ ओकर आवाज
सुनैत अछि, आ ओ अपन भेँड़ा सभ कें नाम सँ बजबैत अछि आ
ओकरा सभ कें बाहर निकालि दैत अछि।

4 जखन ओ अपन भेँड़ा सभ केँ बाहर निकालैत अछि तँ ओकरा सभक आगू बढ़ैत अछि आ भेँड़ा सभ ओकर पाछाँ-पाछाँ चलैत अछि।
5 ओ सभ परदेशी लोकक पाछाँ नहि चलत, बल् कि ओकरा सँ भागि जायत, किएक तँ ओ सभ परदेशी लोकक आवाज नहि जनैत अछि।
6 यीशु हुनका सभ केँ ई दृष्टान्त बजौलनि।
7 तखन यीशु हुनका सभ केँ फेर कहलथिन, " हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे, हम भेँड़ा सभक दरबज्जा छी।"
8 हमरा सँ पहिने जे सभ आयल छल, से सभ चोर आ डकैत अछि, मुदा बरद सभ ओकर बात नहि सुनलक।
9 हम दरबज्जा छी, जँ केओ भीतर प्रवेश करत तँ हमरा द्वारा उद्धार भेटत।
10 चोर नहि, बल् कि चोरी करबाक लेल अबैत अछि, मारि मारबाक लेल आ नष्ट करबाक लेल अबैत अछि।
11 हम नीक चरबाह छी, नीक चरबाह भेँड़ाक बदला मे अपन प्राण दैत अछि।
12 मुदा जे भाड़ाक काज करैत अछि, चरबाह नहि, जकर भेँड़ा अपन नहि अछि, से भेड़िया केँ अबैत देखि भेँड़ा केँ छोड़ि कऽ भागि जाइत अछि।
13 भाड़ाक लोक भागि जाइत अछि, किएक तँ ओ भाड़ाक लोक अछि आ भेँड़ाक कोनो परवाह नहि करैत अछि।
14 हम नीक चरबाह छी, आ अपन भेँड़ा केँ जनैत छी आ हमर भेँड़ा केँ सेहो चिन्हैत छी।
15 जहिना पिता हमरा जनैत छथि, तहिना हम पिता केँ सेहो जनैत छी।
16 हमरा लग आन भेँड़ा सभ अछि जे एहि झुंडक नहि अछि। एकटा झुंड आ एकटा चरबाह रहत।
17 तेँ हमर पिता हमरा सँ प्रेम करैत छथि, कारण हम अपन प्राण दऽ दैत छी जाहि सँ हम ओकरा फेर सँ लऽ सकब।
18 हमरा सँ केओ नहि छीन लैत अछि, बल् कि हम अपना सँ एकरा दऽ दैत छी। हमरा ओकरा बिछाबय के सामर्थ्य अछि, आ फेर लेबय के सामर्थ्य अछि। ई आज्ञा हमरा अपन पिता सँ भेटल अछि।
19 एहि बात सभक कारणेँ यहूदी सभक बीच फेर सँ विभाजन भऽ गेल।
20 ओ सभ मे सँ बहुतो लोक कहलथिन, "ओकरा मे दुष् टात् मा अछि आ ओ बताह अछि। अहाँ सभ हुनकर बात किएक सुनैत छी?
21 दोसर लोक सभ कहलथिन, "ई सभ दुष् टात् माक बात नहि अछि।" की शैतान आन्हरक आँखि खोलि सकैत अछि?
22 यरूशलेम मे समर्पणक पर्व छल आ जाड़क मास छल।
23 यीशु सुलेमानक ओसारा मे मन् दिर मे घुमैत छलाह।
24 तखन यहूदी सभ हुनका चारू कात आबि कऽ कहलथिन, "अहाँ हमरा सभ केँ कतेक दिन धरि शंका करबैत छी?" जँ अहाँ मसीह छी तँ हमरा सभ केँ साफ-साफ कहू।
25 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " हम अहाँ सभ केँ कहलियनि, मुदा अहाँ सभ विश् वास नहि कयलहुँ।
26 मुदा अहाँ सभ विश् वास नहि करैत छी, किएक तँ अहाँ सभ हमर भेँड़ा मे सँ नहि छी, जेना हम अहाँ सभ केँ कहने रही।
27 हमर भेँड़ा सभ हमर आवाज सुनैत अछि आ हम ओकरा सभ केँ चिन्हैत छी आ ओ सभ हमरा पाछाँ-पाछाँ चलैत अछि।
28 हम ओकरा सभ केँ अनन्त जीवन दैत छी। ओ सभ कहियो नाश नहि होयत आ ने केओ ओकरा सभ केँ हमरा हाथ सँ उखाड़ि लेत।"
29 हमर पिता जे हुनका सभ केँ हमरा देलनि, ओ सभ सँ पैघ छथि। हमर पिताक हाथ सँ केओ ओकरा सभ केँ उखाड़ि नहि सकैत अछि।
30 हम आ हमर पिता एक छी।
31 तखन यहूदी सभ हुनका पाथर मारबाक लेल फेर सँ पाथर उठौलनि।
32 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " हम अहाँ सभ केँ अपन पिता सँ बहुत नीक काज देखौलहुँ। ओहि मे सँ कोन काजक लेल अहाँ सभ हमरा पाथर मारि रहल छी?
33 यहूदी सभ हुनका उत्तर देलथिन, "हम सभ अहाँ केँ नीक काजक कारणेँ अहाँ केँ पाथर नहि मारलहुँ। मुदा निन्दा करबाक लेल। आ एहि लेल जे अहाँ मनुख भ' क' अपना केँ परमेश् वर बना लैत छी।
34 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " की अहाँ सभक नियम मे ई नहि लिखल अछि जे हम कहलहुँ, 'अहाँ सभ देवता छी?
35 जँ ओ ओकरा सभ केँ देवता कहैत छल, जिनका लग परमेश् वरक वचन आयल छल, आ धर्मशास् त्र केँ तोड़ि नहि देल जा सकैत अछि।
36 अहाँ सभ ओहि परमेश् वर केँ कहू जे पिता पवित्र कयलनि आ संसार मे पठौलनि, "अहाँ निन्दा करैत छी। कारण हम कहलहुँ, "हम परमेश् वरक पुत्र छी?"
37 जँ हम अपन पिताक काज नहि करैत छी तँ हमरा पर विश्वास नहि करू।
38 मुदा जँ हम करब तँ अहाँ सभ हमरा पर विश् वास नहि करैत छी तँ काज सभ पर विश् वास करू।
39 तेँ ओ सभ फेर हुनका पकड़बाक प्रयास कयलनि, मुदा ओ हुनका सभक हाथ सँ बचि गेलाह।
40 ओ फेर यरदन नदीक ओहि पार चलि गेलाह, जतय यूहन् ना पहिने बपतिस् मा देने छलाह। ओतहि रहि गेलाह।
41 बहुतो लोक हुनका लग आबि कऽ कहलथिन, "यूहन्ना कोनो चमत्कार नहि केलनि।
42 ओतऽ बहुतो लोक हुनका पर विश् वास कयलनि।

अध्याय 11

1 मरियम आ ओकर बहिन मार्थाक नगरक बेतनियाक लाजर नामक एक आदमी बीमार छल।
2 (ओ मरियम छलीह जे प्रभु केँ मरहम सँ अभिषेक कयलनि आ अपन केश सँ हुनकर पएर पोछलीह, जिनकर भाय लाजर बीमार छलाह।"
3 तेँ हुनकर बहिन सभ हुनका लग पठौलनि जे, "प्रभु, देखू, अहाँ जकरा सँ प्रेम करैत छी, से बीमार अछि।"
4 यीशु ई बात सुनि कहलथिन, " ई बीमारी मृत्युक लेल नहि, बल् कि परमेश् वरक महिमाक लेल अछि, जाहि सँ परमेश् वरक पुत्रक महिमा होयत।"
5 यीशु मार्था, ओकर बहिन आ लाजर सँ प्रेम करैत छलाह।
6 ओ सुनि कऽ जे ओ बीमार छथि, तखन ओ दू दिन धरि ओहि ठाम रहि गेलाह जतय ओ छलाह।
7 तकर बाद ओ अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, " आउ, फेर यहूदिया जाउ।"

8 हुनकर शिष् य सभ हुनका कहलथिन, “गुरु, यहूदी सभ अहाँ कैं पाथर मारय चाहैत छल। आ फेर ओतऽ जायब?
9 यीशु उत्तर देलथिन, “की दिन मे बारह घंटा नहि होइत छैक?” जँ केओ दिन मे चलैत अछि तँ ओ ठोकर नहि खाइत अछि, किएक तँ ओ एहि संसारक इजोत देखैत अछि।
10 मुदा जँ केओ राति मे चलैत अछि तँ ओ ठोकर खाइत अछि, किएक तँ ओकरा मे इजोत नहि अछि।
11 ओ ई सभ बात कहलथिन, तकर बाद ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, “ हमर सभक मित्र लाजर सुति रहल छथि। मुदा हम जाइ छी, जाहि सँ हम ओकरा नींद सँ जगबैत छी।
12 तखन हुनकर शिष् य सभ कहलथिन, “प्रभु, जँ ओ सुति रहल छथि तँ ओ नीक भऽ जेताह।”
13 मुदा यीशु अपन मृत्युक बात कहलनि, मुदा ओ सभ सोचलनि जे ओ नींद मे विश्राम करबाक बात कऽ रहल छथि।
14 तखन यीशु हुनका सभ कैं साफ-साफ कहलथिन, “ लाजर मरि गेल छथि।”
15 हम अहाँ सभक लेल प्रसन्न छी जे हम ओतऽ नहि छलहुँ, जाहि सँ अहाँ सभ विश् वास करी। तैयो हम सभ हुनका लग जाइ।
16 तखन थोमस जे दिदिमस कहल जाइत अछि, अपन शिष् य सभ कैं कहलथिन, “हमरा सभ सेहो जाउ, जाहि सँ हम सभ हुनका संग मरि सकब।”
17 यीशु जखन अयलाह तँ देखलनि जे ओ चारि दिन पहिने सँ कब्र मे पड़ल छथि।
18 बेथानी यरूशलेम सँ करीब पन्द्रह फरलोंग दूर छल।
19 बहुतो यहूदी सभ मार्था आ मरियम लग अपन भाय कैं सान्त्वना देबऽ लगलाह।
20 मार्था यीशुक अयबाक बात सुनि कऽ हुनका सँ भेंट कयलनि।
21 मार्था यीशु कैं कहलथिन, “प्रभु, जँ अहाँ एत' रहितहुँ तँ हमर भाय नहि मरि गेल रहितथि।”
22 मुदा हम जनैत छी जे एखनहु अहाँ परमेश् वर सँ जे किछु माँगब, परमेश् वर अहाँ कैं दऽ देताह।”
23 यीशु ओकरा कहलथिन, “ तोहर भाय जीबि उठत।”
24 मार्था हुनका कहलथिन, “हम जनैत छी जे ओ अंतिम दिन मे पुनरुत्थान मे जीबि उठताह।”
25 यीशु ओकरा कहलथिन, “ हम पुनरुत्थान आ जीवन छी।
26 जे केओ जीवित रहत आ हमरा पर विश् वास करत से कहियो नहि मरत। की अहाँ एहि बात पर विश्वास करैत छी?
27 ओ हुनका कहलथिन, “हँ, प्रभु, हमरा विश्वास अछि जे अहाँ परमेश् वरक पुत्र मसीह छी जे संसार मे आबि जेताह।”
28 ई बात कहि कऽ ओ जा कऽ अपन बहिन मरियम कैं गुप्त रूप सँ बजा कऽ कहलथिन, “गुरु आबि गेलाह आ अहाँ कैं बजा रहल छथि।”
29 ई बात सुनि कऽ ओ जल्दी-जल्दी उठि कऽ हुनका लग आबि गेलीह।
30 यीशु एखन धरि ओहि नगर मे नहि आयल छलाह, बल् कि ओहि ठाम छलाह जतय मार्था हुनका सँ भेंट केलनि।
31 ओ सभ जे यहूदी सभ हुनका संग घर मे छल आ हुनका सान्त्वना दैत छल, मरियम कैं हड़बड़ा कऽ उठि कऽ बाहर निकलल देखि हुनका पाछाँ-पाछाँ आबि कऽ कहलक जे, “ओ ओतऽ कानय लेल चिता पर जाइत छथि।”
32 मरियम जखन यीशु लग पहुँचि कऽ हुनका देखि हुनका पयर पर खसि पड़लीह आ कहलथिन, “प्रभु, जँ अहाँ एतऽ रहितहुँ तँ हमर भाय नहि मरि गेल रहितहुँ।”
33 यीशु हुनका कानैत आ हुनका संग आयल यहूदी सभ कैं सेहो कानैत देखि कऽ कऽ कऽ कऽ कऽ घबरा गेलाह।
34 ओ पुछलथिन, “ अहाँ सभ ओकरा कतय राखि देलहुँ?” ओ सभ हुनका कहलथिन, “प्रभु, आऊ आ देखू।”
35 यीशु कानय लगलाह।
36 तखन यहूदी सभ कहलथिन, “देखू, ओ हुनका सँ कतेक प्रेम करैत छलाह!
37 ओ सभ मे सँ किछु गोटे कहलथिन, “की ई आदमी जे आन्हर सभक आँखि खोलने छल, से ई नहि कऽ सकैत छल जे ई आदमी सेहो नहि मरि सकैत छल?”
38 यीशु फेर अपना मे कुहरैत चिता लग आबि गेलाह। ओ गुफा छल, आ ओहि पर एकटा पाथर पड़ल छल।
39 यीशु कहलथिन, “ अहाँ सभ पाथर छीनि लिअ।” मरला के बहिन मार्था ओकरा कहलथिन, “प्रभु, एखन धरि ओकरा दुर्गन्ध आबि रहल छैक, किएक तँ ओ चारि दिन सँ मरि गेल अछि।”
40 यीशु हुनका कहलथिन, “ की हम अहाँ सँ ई नहि कहलहुँ जे जँ अहाँ विश् वास करब तँ परमेश् वरक महिमा देखब?”
41 तखन ओ सभ ओहि ठाम सँ पाथर उतारि लेलक जतय मृतक सभ राखल गेल छल। यीशु आँखि उठा कऽ कहलथिन, “ पिता, हम अहाँ कैं धन्यवाद दैत छी जे अहाँ हमर बात सुनलहुँ।”
42 हम जनैत छलहुँ जे अहाँ हमरा सदिखन सुनैत छी, मुदा बगल मे ठाढ़ लोक सभक कारणेँ हम ई बात कहलहुँ जाहि सँ ओ सभ विश्वास करथि जे अहाँ हमरा पठौने छी।
43 ई बात कहि कऽ ओ जोर-जोर सँ चिचिया उठलनि, “ लाजर, बाहर आबि जाउ।”
44 मृत् युक हाथ-पैर कबरक वस्त्र सँ बान्हि कऽ बाहर निकलल। यीशु ओकरा सभ कैं कहलथिन, “ ओकरा छोड़ि दियौक आ ओकरा छोड़ि दियौक।”
45 तखन बहुतो यहूदी सभ मरियम लग आबि कऽ यीशुक काज देखि कऽ हुनका पर विश् वास कयलनि।
46 मुदा हुनका सभ मे सँ किछु गोटे फरिसी सभक लग जा कऽ यीशुक काज सभ कैं कहलथिन।
47 तखन मुख्यपुरोहित आ फरिसी सभ एकटा परिषद् जमा कऽ कऽ कहलथिन, “हम सभ की करी?” किएक तँ ई आदमी बहुत रास चमत्कार करैत अछि।
48 जँ हम सभ हुनका एहि तरहेँ छोड़ि देबनि तँ सभ लोक हुनका पर विश् वास करत।
49 ओहि साल महापुरोहित कैफा नामक एक गोटे हुनका सभ कैं कहलथिन, “अहाँ सभ किछु नहि जनैत छी।
50 आ ने ई बुझू जे हमरा सभक लेल ई उचित अछि जे एक आदमी लोकक लेल मरि जाय आ पूरा जाति नष्ट नहि भऽ जाय।
51 ई बात ओ अपना सँ नहि बाजल, बल् कि ओहि वर्ष महापुरोहितक रूप मे ओ भविष्यवाणी कयलनि जे यीशु ओहि जातिक लेल मरताह।
52 ओ मात्र ओहि जातिक लेल नहि, बल् कि ओ परमेश् वरक सन् तान सभ कैं एक ठाम जमा करबाक लेल जे सभ तितर-बितर छल।
53 ओहि दिन सँ ओ सभ हुनका मारि देबाक लेल विचार-विमर्श कयलनि।

54 यीशु आब यहूदी सभक बीच खुलि कऽ नहि चललाह। मुदा ओतहि सँ निर्जन क्षेत्रक समीप एप्रैम नामक नगर मे गेलाह आ ओतहि हुनकर शिष् य सभक संग रहि गेलाह।
55 यहूदी सभक फसह-पाबनि लग आबि गेल छल आ बहुतो लोक फसह-पाबनि सँ पहिने देश सँ बाहर यरूशलेम चलि गेलाह।
56 तखन ओ सभ यीशु केँ खोजि कऽ मन् दिर मे ठाढ़ भऽ कऽ आपस मे बजैत रहलाह, "अहाँ सभ केँ की लगैत अछि जे ओ भोज मे नहि आओत?"
57 मुख्यपुरोहित आ फरिसी दुनू गोटे एकटा आज्ञा दऽ देने छलाह जे जँ केओ जनैत अछि जे ओ कतय छथि तँ ओ ओकरा पकड़ि लेत।

अध्याय 12

1 फसह-पाबनि सँ छह दिन पहिने यीशु बेतनिया पहुँचलाह, जतय लाजर छलाह जे मृत् यु मे सँ जिया देलनि।
2 ओतहि ओ सभ हुनका भोजनक भोजन बनौलनि। मार्था सेवा करैत छलीह, मुदा लाजर हुनका संग टेबुल पर बैसल लोक मे सँ एक छलाह।
3 मरियम बहुत महग एक पाउंड मलम मलम लऽ कऽ यीशुक पएर पर अभिषेक कयलनि आ हुनकर केश सँ हुनकर पएर पोछि लेलनि।
4 तखन हुनकर एकटा शिष् य, सिमोनक पुत्र यहूदा इस्करियोती कहलथिन।
5 ई मरहम तीन सय पेंस मे बेचि कऽ गरीब सभ केँ किएक नहि देल गेल?
6 ई बात ओ ई नहि कहलनि जे ओ गरीबक चिन्ता करैत छलाह। मुदा एहि लेल जे ओ चोर छल, ओकरा लग झोरा छल आ ओहि मे राखल गेल चीज लऽ कऽ चलैत छल।
7 तखन यीशु कहलथिन, " ओ ओकरा छोड़ि दियौक।
8 किएक तँ अहाँ सभक संग गरीब सभ सदिखन रहैत अछि। मुदा हमरा अहाँ सभ सदिखन नहि छी।
9 यहूदी सभ मे सँ बहुतो लोक सभ जनैत छल जे ओ ओतय छथि, मुदा ओ सभ मात्र यीशुक लेल नहि, बल् कि लाजर केँ सेहो देखबाक लेल आयल छल, जकरा ओ मृत् यु मे सँ जिया देने छलाह।
10 मुदा मुख्यपुरोहित सभ विचार-विमर्श कयलनि जे लाजर केँ सेहो मारि देल जाय।
11 किएक तँ हुनका कारणेँ बहुतो यहूदी सभ यीशु पर विश् वास कऽ कऽ चलि गेलाह।
12 दोसर दिन भोज मे आयल बहुतो लोक सभ सुनलक जे यीशु यरूशलेम आबि रहल छथि।
13 ताड़क गाछक डारि पकड़ि हुनका सँ भेंट करबाक लेल निकलि गेलाह आ चिचिया उठलनि, "होसाना, "धन्य छथि इस्राएलक राजा जे प्रभुक नाम सँ आबि रहल छथि।"
14 यीशु एकटा गदहाक बच्चा पाबि ओहि पर बैसलाह। जेना लिखल अछि,
15 हे सियोनक बेटी, नहि डेराउ, देखू, तोहर राजा गदहाक बछड़ा पर बैसल आबि रहल छथि।
16 ई बात सभ पहिने हुनकर शिष् य सभ केँ नहि बुझल छलनि, बल् कि यीशुक महिमा भेला पर ओ सभ मोन पाड़लनि जे ई सभ बात हुनका विषय मे लिखल गेल अछि आ ओ सभ हुनका संग ई सभ काज कयलनि।
17 जखन ओ लाजर केँ अपन कब्र सँ बजौलनि आ मृत् यु मे सँ जीबि उठौलनि तखन हुनका संग रहनिहार लोक सभ गवाही देलक।
18 एहि कारणेँ लोक सभ हुनका सँ भेंट कयलनि, किएक तँ ओ सभ सुनलनि जे ओ ई चमत्कार कयलनि।
19 फरिसी सभ आपस मे कहलथिन, "अहाँ सभ बुझैत छी जे अहाँ सभ कोना किछु पर विजय नहि पाबि रहल छी?" देखू, संसार हुनका पाछाँ चलि गेल अछि।
20 ओहि मे सँ किछु यूनानी लोक सभ छल जे भोज मे आराधना करबाक लेल आबि गेल छल।
21 ओ गलील प्रदेशक बेतसैदाक फिलिपुस लग आबि कऽ हुनका सँ आग्रह कयलनि जे, "महाराज, हम सभ यीशु केँ देखय चाहैत छी।"
22 फिलिपुस आबि कऽ आन्द्रियास केँ कहलथिन, और फेर अन् द्रेया आ फिलिपुस यीशु केँ कहलथिन।
23 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, " ओ समय आबि गेल अछि जे मनुष् यक पुत्रक महिमा होयत।"
24 हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे, जाबत धरि कोनो गहूमक धान माटि मे खसि कऽ नहि मरि जायत, तखन ओ असगरे रहैत अछि।
25 जे अपन प्राण सँ प्रेम करैत अछि, से ओकरा गमा लेत। जे एहि संसार मे अपन जीवन सँ घृणा करैत अछि, से ओकरा अनन्त जीवनक लेल राखत।
26 जँ केओ हमर सेवा करैत अछि तँ ओ हमरा पाछाँ पड़य। आ जतऽ हम छी, ओतहि हमर सेवक सेहो रहत।
27 आब हमर प्राण त्रस्त अछि। आ हम की कहब? पिता, हमरा एहि समय सँ बचाउ, मुदा हम एहि समय मे आबि गेलहुँ।
28 पिता, अपन नामक महिमा करू। तखन स्वर्ग सँ एकटा आवाज आयल जे, "हम एकर महिमा क' देलहुँ आ फेर एकर महिमा करब।"
29 ओतय ठाढ़ लोक सभ ई बात सुनि कऽ बाजल जे गरजैत अछि।
30 यीशु उत्तर देलथिन, " ई आवाज हमरा कारणे नहि, बल् कि अहाँ सभक लेल आयल अछि।"
31 आब एहि संसारक न् याय अछि, आब एहि संसारक राजकुमार केँ बाहर निकालि देल जायत।
32 जँ हम पृथ् वी पर सँ उठाओल जायब तँ सभ लोक केँ अपना लग खींचब।
33 ई बात ओ ई बात कहि कऽ कहलथिन जे ओ कोन मृत् युक मरब।
34 लोक सभ हुनका उत्तर देलथिन, "हम सभ धर्म-नियम सँ सुनने छी जे मसीह अनन्त काल धरि रहताह। ई मनुष् यक पुत्र के अछि?
35 तखन यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, " अखन किछुए काल मे इजोत अहाँ सभक संग रहत।" जाबत अहाँ सभ लग इजोत अछि ताबत चलू, जाहि सँ अहाँ सभ पर अन्हार नहि आबि जाय, किएक तँ जे अन्हार मे चलैत अछि से नहि जनैत अछि जे ओ कतय जा रहल अछि।
36 जाबत अहाँ सभ लग इजोत अछि, ताबत धरि इजोत पर विश् वास करू जाहि सँ अहाँ सभ इजोतक सन् तान बनि सकब। यीशु ई बात कहि कऽ चलि गेलाह आ हुनका सभ सँ नुका गेलाह।

37 मुदा ओ सभ हुनका सभ सँ पहिने एतेक चमत्कार कयलनि, मुदा ओ सभ हुनका पर विश्‌ वास नहि कयलनि।
38 जाहि सँ यशायाह प्रवक्‌ ताक ई बात पूरा भऽ जाय जे ओ कहलनि, “प्रभु, हमरा सभक बात पर के विश्वास केलक?” आ प्रभुक बाँहि केकरा पर प्रगट भेल अछि?
39 तेँ ओ सभ विश्‌ वास नहि कऽ सकलाह, किएक तँ यशायाह फेर ई बात कहलनि।
40 ओ हुनका सभक आँखि आन्हर कऽ देलनि आ हृदय केँ कठोर कऽ देलनि। जे ओ सभ आँखि सँ नहि देखथि आ ने हृदय सँ बुझथि आ धर्म परिवर्तन नहि करथि आ हम हुनका सभ केँ ठीक करी।
41 यशायाह अपन महिमा देखि कऽ हुनका बारे मे बजला पर ई बात कहलनि।
42 मुदा प्रमुख शासक सभक बीच सेहो बहुतो लोक हुनका पर विश्‌ वास कयलनि। मुदा फरिसी सभक कारणेँ ओ सभ हुनका सभ केँ नहि छोड़ि देलथिन।
43 ओ सभ परमेश्‌ वरक स्तुति सँ बेसी मनुष्‌ यक स्तुति सँ बेसी प्रेम करैत छलाह।
44 यीशु चिचिया कऽ कहलथिन, “ जे हमरा पर विश्‌ वास करैत अछि, से हमरा पर नहि, बल्‌ कि हमरा पठेनिहार पर विश्‌ वास करैत अछि।”
45 जे हमरा देखैत अछि, से हमरा पठेनिहार केँ देखैत अछि।
46 हम संसार मे इजोत आबि गेल छी, जाहि सँ केओ हमरा पर विश्‌ वास करैत अछि, अन्‌ हार मे नहि रहय।
47 जँ केओ हमर बात सुनैत अछि आ विश्वास नहि करैत अछि तँ हम ओकर न्याय नहि करैत छी, किएक तँ हम संसारक न्याय करबाक लेल नहि, बल्‌ कि संसारक उद्धार करबाक लेल आयल छी।
48 जे हमरा अस्वीकार करैत अछि आ हमर वचन नहि ग्रहण करैत अछि, ओकर न्याय करयवला अछि।
49 हम अपना बारे मे नहि बजलहुँ। मुदा जे पिता हमरा पठौलनि, ओ हमरा एकटा आज्ञा देलनि जे हम की कहब आ की बाजब।
50 हम जनैत छी जे हुनकर आज्ञा अनन्त जीवन अछि।

अध्याय 13

1 फसह-पर्वक पाबनि सँ पहिने जखन यीशु बुझि गेलाह जे हुनकर समय आबि गेल अछि जे ओ एहि संसार सँ बाहर निकलि कऽ पिता लग जेताह।
2 भोजन समाप्त भेला पर शैतान सिमोनक पुत्र यहूदा इस्करियोतीक हृदय मे राखि देलकनि जे हुनका धोखा दऽ देथिन।
3 यीशु जनैत छलाह जे पिता सभ किछु हुनका हाथ मे दऽ देने छथि आ परमेश्‌ वरक दिस सँ आयल छथि आ परमेश्‌ वर लग गेलाह।
4 ओ भोजन कऽ कऽ उठि कऽ अपन वस्त्र एक कात राखि देलक। एकटा तौलिया लऽ कऽ कमरबंद कऽ लेलक।
5 तकर बाद ओ एकटा बेसन मे पानि ढारि देलनि आ शिष्‌ य सभक पएर धोबय लगलाह आ जाहि तौलिया सँ ओ कमरबंद छलाह, ताहि सँ पोछय लगलाह।
6 तखन ओ सिमोन पत्रुस लग आबि गेलाह, तखन पत्रुस हुनका पुछलथिन, “प्रभु, की अहाँ हमर पएर धोबैत छी?”
7 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, “ हम की कऽ रहल छी से अहाँ एखन नहि जनैत छी। मुदा अहाँकेँ बादमे पता चलत।
8 पत्रुस हुनका कहलथिन, “अहाँ हमर पएर कहियो नहि धोउ।” यीशु हुनका उत्तर देलथिन, “ जँ हम अहाँ केँ नहि धोबी तँ अहाँक हमरा संग कोनो भाग नहि अछि।”
9 सिमोन पत्रुस हुनका कहलथिन, “प्रभु, हमर पएर मात्र नहि, बल्‌ कि हमर हाथ आ माथ सेहो।”
10 यीशु हुनका कहलथिन, “ जेकरा धोओल गेल अछि, ओकरा पएर धोबय के अलावा ओकर पएर धोबाक आवश्यकता नहि छैक, बल्‌ कि एक-एकटा शुद्ध अछि।
11 किएक तँ ओ जनैत छल जे ओकरा धोखा देबय पड़तैक। तेँ ओ कहलनि, “अहाँ सभ शुद्ध नहि छी।”
12 ओ हुनका सभक पएर धो कऽ अपन वस्त्र लऽ कऽ फेर बैसलाह, “की अहाँ सभ जनैत छी जे हम अहाँ सभक संग की केलहुँ?”
13 अहाँ सभ हमरा गुरु आ प्रभु कहैत छी। कारण हमहूँ एहने छी।
14 तखन जँ हम अहाँक प्रभु आ गुरु अहाँक पएर धोने छी। अहाँ सभ केँ सेहो एक-दोसरक पएर धोबाक चाही।
15 हम अहाँ सभ केँ एकटा उदाहरण देलहुँ जे अहाँ सभ जेना हम अहाँ सभक संग केलहुँ, तेना करू।
16 हम अहाँ सभ केँ सत्‌ य कहैत छी जे सेवक अपन मालिक सँ पैघ नहि होइत अछि। आ ने पठाओल गेल ओकरा पठेनिहार सँ पैघ नहि।
17 जँ अहाँ सभ ई सभ बात जनैत छी तँ जँ अहाँ सभ ई सभ बात करब तँ अहाँ सभ धन्य छी।
18 हम अहाँ सभक विषय मे नहि बजैत छी, हम केकरा चुनने छी से हम जनैत छी, मुदा एहि लेल जे धर्मशास्‌ त्र पूरा होअय जे, “जे हमरा संग रोटी खाइत अछि, से हमरा पर अपन एड़ी उठौने अछि।”
19 आब हम अहाँ सभ केँ ई अयबा सँ पहिने कहैत छी जे जखन ई बात पूरा होयत तखन अहाँ सभ विश्वास करी जे हम वैह छी।
20 हम अहाँ सभ केँ सत्‌ य कहैत छी जे जे हम जकरा पठबैत छी तकरा ग्रहण करैत अछि, से हमरा ग्रहण करैत अछि। जे हमरा ग्रहण करैत अछि, से हमरा पठेनिहार केँ ग्रहण करैत अछि।”
21 यीशु ई बात कऽ कऽ घबरा गेलाह आ गवाही देलथिन, “ हम अहाँ सभ केँ सत्ते कहैत छी जे अहाँ सभ मे सँ कियो हमरा धोखा देत।”
22 तखन शिष्य सभ एक-दोसर दिस तकैत रहलाह आ शंका करैत छलाह जे ओ केकरा पर गप्प करैत छथि।
23 यीशुक एकटा शिष्‌ य, जकरा यीशु प्रेम करैत छलाह, यीशुक छाती पर झुकल छलाह।
24 सिमोन पत्रुस हुनका इशारा कऽ कऽ पुछलथिन जे ओ केकरा बारे मे बजैत छथि।
25 यीशुक छाती पर पड़ल ओ हुनका पुछलथिन, “प्रभु, ई के अछि?”
26 यीशु उत्तर देलथिन, “ ओ वैह छथि, जकरा हम एक सोप डुबा कऽ दऽ देब।” ओ सोना डुबा कऽ सिमोनक पुत्र यहूदा इस्करियोती केँ दऽ देलथिन।
27 पीलाक बाद शैतान हुनका मे प्रवेश कयलनि। तखन यीशु हुनका कहलथिन, “जे अहाँ करैत छी, से जल्दी करू।”

28 टेबुल पर बैसल केओ नहि जनैत छल जे ओ हुनका कोन उद्देश्य सँ ई बात कहलनि।
29 यहूदाक झोरा रहबाक कारणेँ हुनका सभ मे सँ किछु गोटे सोचैत छलाह जे यीशु हुनका कहलथिन, "भोज मे जे किछु हमरा सभ केँ चाही से कीनि लिअ।" वा, जे गरीबकेँ किछु देबाक चाही।
30 ओ सोप लऽ कऽ तुरन्त बाहर निकलि गेलाह।
31 एहि लेल यीशु बाहर निकलला पर कहलथिन, " आब मनुष् यक पुत्रक महिमा भऽ गेलनि आ हुनका द्वारा परमेश् वरक महिमा भेलनि।"
32 जँ हुनका द्वारा परमेश् वरक महिमा होयतनि तँ परमेश् वर हुनका अपना मे महिमा सेहो करताह आ तुरन्त हुनकर महिमा करताह।
33 छोट-छोट बच्चा सभ, तइयो किछु काल धरि हम अहाँ सभक संग छी। अहाँ सभ हमरा ताकब। तेँ आब हम अहाँ सभ केँ कहैत छी।
34 हम अहाँ सभ केँ एकटा नव आज्ञा दैत छी जे अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करू। जेना हम अहाँ सभ सँ प्रेम केलहुँ, तहिना अहाँ सभ सेहो एक-दोसर सँ प्रेम करू।
35 जँ अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करब तँ सभ लोक एहि बात सँ जनत जे अहाँ सभ हमर शिष् य छी।
36 सिमोन पत्रुस हुनका पुछलथिन, "प्रभु, अहाँ कतय जा रहल छी?" यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " हम जतय जा रहल छी, अहाँ एखन हमरा पाछाँ नहि जा सकैत छी। मुदा अहाँ बाद मे हमरा पाछाँ चलब।"
37 पत्रुस हुनका कहलथिन, "प्रभु, हम आब अहाँक पाछाँ किएक नहि पाबि सकैत छी?" हम अहाँक लेल अपन प्राण देब।
38 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " की अहाँ हमरा लेल अपन प्राण देब?" हम अहाँ केँ सत्ते कहैत छी जे जाबत अहाँ हमरा तीन बेर अस्वीकार नहि करब ता धरि मुर्गा नहि बाजत।

अध्याय 14

1 अहाँ सभ परमेश् वर पर विश् वास करू आ हमरा पर सेहो विश् वास करू।
2 हमर पिताक घर मे बहुत रास भवन अछि, जँ एहन नहि रहैत तऽ हम अहाँ सभ केँ कहितहुँ। हम अहाँक लेल जगह तैयार करय लेल जाइत छी।
3 जँ हम जा कऽ अहाँ सभक लेल जगह तैयार करब तँ फेर आबि कऽ अहाँ सभ केँ अपना लग ग्रहण करब। जाहि सँ हम जतय छी, अहाँ सभ सेहो ओतहि रहब।"
4 हम कतय जा रहल छी से अहाँ सभ जनैत छी आ रस्ता सेहो अहाँ सभ जनैत छी।
5 थोमा हुनका कहलथिन, "प्रभु, हम सभ नहि जनैत छी जे अहाँ कतय जा रहल छी। आ बाट कोना जानि सकब?
6 यीशु हुनका कहलथिन, " हम बाट, सत् य आ जीवन छी।
7 जँ अहाँ सभ हमरा चिन्हितहुँ तँ हमर पिता केँ सेहो चिन्हितहुँ।
8 फिलिपुस हुनका कहलथिन, "प्रभु, हमरा सभ केँ पिता केँ देखा दिअ, तखन हमरा सभ केँ काफी अछि।"
9 यीशु हुनका पुछलथिन, " की हम एतेक दिन अहाँ सभक संग छी, मुदा अहाँ हमरा नहि चिन्हलहुँ, फिलिपुस?" जे हमरा देखने अछि, ओ पिता केँ देखने अछि। तखन अहाँ कोना कहैत छी जे, "हमरा सभ केँ पिता देखाउ?"
10 की अहाँ ई नहि मानैत छी जे हम पिता मे छी आ पिता हमरा मे छी? हम जे बात अहाँ सभ केँ कहैत छी से हम अपना सँ नहि कहैत छी, बल् कि हमरा मे रहनिहार पिता ओ काज करैत छथि।
11 हमरा विश्वास करू जे हम पिता मे छी आ पिता हमरा मे छी।
12 हम अहाँ सभ केँ सत् य कहैत छी जे जे हमरा पर विश् वास करत, से हम जे काज करैत छी से सेहो करत। आ एहि सभ सँ पैघ काज ओ करत। कारण हम अपन पिता लग जाइत छी।
13 अहाँ सभ हमरा नाम सँ जे किछु माँगब, से हम करब जाहि सँ पिताक महिमा पुत्र मे हो।
14 जँ अहाँ सभ हमरा नाम सँ कोनो बात माँगब तँ हम पूरा करब।
15 जँ अहाँ सभ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर आज्ञा सभक पालन करू।
16 हम पिता सँ प्रार्थना करब जे ओ अहाँ सभ केँ एकटा आओर सान्त्वना देथिन जाहि सँ ओ अहाँ सभक संग अनन्त काल धरि रहथि।
17 सत्यक आत् मा सेहो। संसार ओकरा नहि ग्रहण कऽ सकैत अछि, किएक तँ ओकरा नहि देखै छै आ ने ओकरा चिन्है छै। किएक तँ ओ अहाँ सभक संग रहैत अछि आ अहाँ सभ मे रहत।"
18 हम अहाँ सभ केँ अस्वस्थ नहि छोड़ब, हम अहाँ सभ लग आबि जायब।
19 किछुए काल मे संसार हमरा आब नहि देखि रहल अछि। मुदा अहाँ सभ हमरा देखैत छी।
20 ओहि दिन अहाँ सभ बुझब जे हम अपन पिता मे छी, अहाँ सभ हमरा मे छी आ हम अहाँ सभ मे छी।
21 जे हमर आज्ञा रखैत अछि आ ओकर पालन करैत अछि, से हमरा सँ प्रेम करैत अछि, आ जे हमरा सँ प्रेम करैत अछि, से हमर पिता प्रेम करत, आ हम ओकरा सँ प्रेम करब आ ओकरा सामने प्रकट करब।
22 इस्करियोती नहि, यहूदा हुनका पुछलथिन, "प्रभु, अहाँ हमरा सभक सामने कोना प्रगट होयब, संसारक सामने नहि?"
23 यीशु उत्तर देलथिन, " जँ केओ हमरा सँ प्रेम करैत अछि तँ ओ हमर वचनक पालन करत।
24 जे हमरा सँ प्रेम नहि करैत अछि से हमर बात नहि मानैत अछि, आ जे वचन अहाँ सभ सुनैत छी से हमर नहि, बल् कि हमरा पठेनिहार पिताक अछि।
25 ई सभ बात हम अहाँ सभक संग रहि कऽ अहाँ सभ केँ कहलहुँ।
26 मुदा ओ सान्त्वना देनिहार पवित्र आत् मा छथि, जिनका पिता हमर नाम सँ पठौताह, ओ अहाँ सभ केँ सभ किछु सिखाओत आ सभ किछु अहाँ सभ केँ मोन पाड़त, जे हम अहाँ सभ केँ कहलहुँ।
27 हम अहाँ सभक संग शान्ति छोड़ैत छी, अपन शान्ति अहाँ सभ केँ दैत छी। अहाँक मोन नहि घबराउ आ ने डरय।
28 अहाँ सभ सुनने छी जे हम अहाँ सभ केँ कोना कहलहुँ जे हम जा रहल छी आ फेर अहाँ सभ लग आबि रहल छी। जँ अहाँ सभ हमरा सँ प्रेम करितहुँ तँ अहाँ सभ आनन्दित रहितहुँ, कारण हम कहलहुँ जे, "हम पिता लग जाइत छी, किएक तँ हमर पिता हमरा सँ पैघ छथि।"
29 आब हम अहाँ सभ केँ ई बात होबऽ सँ पहिने कहि देने छी जे जखन ई बात पूरा होयत तखन अहाँ सभ विश् वास करी।
30 आब हम अहाँ सभ सँ बेसी गप्प नहि करब, किएक तँ एहि संसारक राजकुमार आबि रहल छथि आ हमरा मे किछु नहि छनि।

31 मुदा संसार ई जानि जे हम पिता सँ प्रेम करैत छी। आ जहिना पिता हमरा आज्ञा देलनि, तहिना हमहूँ करैत छी। उठू, एतय सँ चलि जाउ।

अध्याय 15

1 हम सत् य बेल छी, आ हमर पिता किसान छथि।
2 हमरा मे जे डारि फल नहि दैत अछि, तकरा ओ हटा दैत अछि, आ जे डारि फल दैत अछि, ओकरा शुद्ध करैत अछि, जाहि सँ ओ बेसी फल दैत अछि।
3 आब हम जे वचन अहाँ सभ कें कहलियनि, ताहि सँ अहाँ सभ शुद्ध भऽ गेलहुँ।
4 हमरा मे रहू, आ हम अहाँ मे। जेना डारि अपन फल नहि दऽ सकैत अछि, जाबत ओ बेल मे नहि रहैत अछि। जँ अहाँ सभ हमरा मे नहि रहब ताबत अहाँ सभ आब नहि कऽ सकैत छी।"
5 हम बेल छी, अहाँ सभ डारि छी।
6 जँ केओ हमरा मे नहि रहैत अछि तँ ओ डारि जकाँ फेकल जाइत अछि आ मुरझा जाइत अछि। लोक सभ ओकरा सभ कें जमा कऽ आगि मे फेकि दैत अछि आ ओ सभ जरि जाइत अछि।
7 जँ अहाँ सभ हमरा मे रहब आ हमर वचन अहाँ सभ मे रहत तँ अहाँ सभ जे चाहब से माँगब आ से अहाँ सभक लेल पूरा होयत।
8 हमर पिताक महिमा एहि तरहेँ होइत अछि जे अहाँ सभ बहुत फल दैत छी। तहिना अहाँ सभ हमर शिष् य बनब।"
9 जहिना पिता हमरा सँ प्रेम कयलनि, तहिना हम अहाँ सभ सँ प्रेम केलहुँ।
10 जँ अहाँ सभ हमर आज्ञा सभक पालन करब तँ हमर प्रेम मे रहब। जेना हम अपन पिताक आज्ञाक पालन करैत छी आ हुनकर प्रेम मे रहैत छी।
11 ई सभ बात हम अहाँ सभ कें एहि लेल कहलहुँ जे हमर आनन्द अहाँ सभ मे रहय आ अहाँ सभक आनन्द पूर्ण हो।
12 हमर ई आज्ञा अछि जे अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करू जेना हम अहाँ सभ सँ प्रेम केलहुँ।
13 एहि सँ पैघ प्रेम ककरो नहि छैक जे मनुष्य अपन मित्रक लेल अपन प्राण दऽ दैत अछि।
14 अहाँ सभ हमर मित्र छी, जँ हम अहाँ सभ कें जे आज्ञा दैत छी से करब।
15 आब हम अहाँ सभ कें दास नहि कहैत छी। किएक तँ नोकर अपन मालिक की करैत अछि से नहि जनैत अछि, मुदा हम अहाँ सभ कें मित्र कहने छी। कारण, जे किछु हम अपन पिताक विषय मे सुनने छी, से हम अहाँ सभ कें बुझा देलहुँ।
16 अहाँ सभ हमरा नहि चुनलहुँ, बल् कि हम अहाँ सभ कें चुनने छी आ अहाँ सभ कें एहि लेल नियुक्त कयलहुँ जे अहाँ सभ जा कऽ फल पैदा करू आ अहाँ सभक फल बनल रहय .
17 हम अहाँ सभ कें ई आज्ञा दैत छी जे अहाँ सभ एक-दोसर सँ प्रेम करू।
18 जँ संसार अहाँ सभ सँ घृणा करैत अछि तँ अहाँ सभ जनैत छी जे ओ अहाँ सभ सँ घृणा करबा सँ पहिने हमरा सँ घृणा करैत छल।
19 जँ अहाँ सभ संसारक रहितहुँ तँ संसार अपन लोक सभ सँ प्रेम करैत, मुदा अहाँ सभ संसारक नहि छी, मुदा हम अहाँ सभ कें संसार मे सँ चुनने छी, तेँ संसार अहाँ सभ सँ घृणा करैत अछि।
20 हम अहाँ सभ कें जे बात कहने रही, से मोन राखू, "सेवक अपन मालिक सँ पैघ नहि होइत अछि।" जँ ओ सभ हमरा सतौने अछि तँ अहाँ सभ कें सेहो सताओत। जँ ओ सभ हमर बात पूरा कएने छथि तँ अहाँक बात सेहो पालन करताह।
21 मुदा ई सभ काज ओ सभ हमरा नामक लेल अहाँ सभक संग करत, किएक तँ ओ सभ हमरा पठौनिहार कें नहि चिन्हैत अछि।
22 जँ हम हुनका सभ सँ नहि आबि कऽ गप्प नहि करितहुँ तँ हुनका सभ लग पाप नहि होइतनि।
23 जे हमरा सँ घृणा करैत अछि, से हमर पिता सँ सेहो घृणा करैत अछि।
24 जँ हम हुनका सभक बीच एहन काज नहि केने रहितहुँ जे आन केओ नहि केने रहितथि तँ हुनका सभक पाप नहि होइतनि।
25 मुदा ई बात एहि लेल होइत अछि जे हुनका सभक धर्म-नियम मे लिखल वचन पूरा भऽ जाय जे, "ओ सभ हमरा सँ बेवजह घृणा केलक।"
26 मुदा जखन ओ सान्त्वना देनिहार, जकरा हम पिताक दिस सँ अहाँ सभ लग पठौबनि, से सत्यक आत् मा, जे पिता सँ निकलैत अछि, तखन ओ हमरा बारे मे गवाही देत।
27 अहाँ सभ सेहो गवाही देब, किएक तँ अहाँ सभ शुरूए सँ हमरा संग छी।

अध्याय 16

1 हम अहाँ सभ कें ई बात कहलहुँ जे अहाँ सभ कें कोनो आपत्ति नहि हो।
2 ओ सभ अहाँ सभ कें सभाघर सँ बाहर निकालि देत।
3 ओ सभ अहाँ सभक संग ई सभ काज करताह, किएक तँ ओ सभ पिता कें नहि चिन्हने छथि आ ने हमरा।
4 मुदा ई सभ बात हम अहाँ सभ कें एहि लेल कहलहुँ जे जखन समय आओत तखन अहाँ सभ कें मोन पड़य जे हम अहाँ सभ कें ई सभ बात कहने रही। ई बात हम अहाँ सभ कें शुरू मे नहि कहलहुँ, कारण हम अहाँ सभक संग छलहुँ।
5 मुदा आब हम ओहि लोक लग जा रहल छी जे हमरा पठौलनि। अहाँ सभ मे सँ कियो हमरा सँ नहि पुछैत अछि जे, "अहाँ कतय जा रहल छी?"
6 मुदा हम अहाँ सभ कें ई बात कहने छी, तेँ अहाँ सभक मोन मे दुख भरि गेल अछि।
7 तैयो हम अहाँ सभ कें सत् य कहैत छी। अहाँ सभक लेल ई उचित अछि जे हम चलि जाइ, किएक तँ जँ हम नहि जायब तँ सान्त्वना देबयवला अहाँ सभक लग नहि आओत। मुदा जँ हम चलि जायब तँ ओकरा अहाँ सभ लग पठा देब।"
8 जखन ओ आबि जेताह तखन ओ संसार कें पाप, धार्मिकता आ न्यायक विषय मे डाँटताह।
9 पापक विषय मे, किएक तँ ओ सभ हमरा पर विश् वास नहि करैत अछि।
10 धार्मिकताक कारणेँ, किएक तँ हम अपन पिता लग जाइत छी आ अहाँ सभ हमरा आब नहि देखब।
11 न्यायक कारण, किएक तँ एहि संसारक राजकुमारक न् याय होइत अछि।
12 हमरा अहाँ सभ कें बहुत किछु कहबाक अछि, मुदा अहाँ सभ एखन सहन नहि कऽ सकैत छी।
13 मुदा जखन ओ सत् य आत् मा आबि जेताह तखन ओ अहाँ सभ कें सभ सत् य मे मार्गदर्शन करताह। मुदा जे किछु सुनत, से बाजत।
14 ओ हमरा महिमा करत।

15 पिताक जे किछु अछि से हमर अछि, तेँ हम कहलियनि जे ओ
हमर मे सँ किछु लऽ कऽ अहाँ सभ कें देखाओत।
16 किछुए काल मे अहाँ सभ हमरा नहि देखब।
17 तखन हुनकर किछु शिष् य सभ आपस मे कहलथिन, "ओ
हमरा सभ कें ई की कहैत छथि जे, "कनि काल मे अहाँ सभ
हमरा नहि देखब।" बाबू?
18 ओ सभ पुछलथिन, "ई की कहैत छथि जे, "कनि काल?" ओ
की कहैत छथि से हम सभ नहि कहि सकैत छी।
19 यीशु बुझि गेलाह जे ओ सभ हुनका सँ पूछय चाहैत छथि आ
हुनका सभ कें कहलथिन, " की अहाँ सभ आपस मे एहि बातक
पूछताछ करू जे हम कहलहुँ जे कनेक काल मे हमरा नहि
देखब।" ?
20 हम अहाँ सभ कें सत् य कहैत छी जे अहाँ सभ कानब आ
विलाप करब, मुदा संसार आनन्दित होयत।
21 स्त्री कें प्रसव भेला पर दुख होइत छैक, कारण ओकर समय
आबि गेलैक, मुदा जहिना ओकरा बच्चाक जन्म होइत छैक,
तखन ओकरा आब ओहि पीड़ा कें मोन नहि पड़ैत छैक, एहि
खुशी सँ जे पुरुष संसार मे जन्म लेलक।
22 आब अहाँ सभ कें दुख अछि, मुदा हम अहाँ सभ कें फेर सँ
देखब, आ अहाँ सभक मोन आनन्दित होयत आ अहाँ सभक
आनन्द कें केओ अहाँ सभ सँ नहि हँटत।
23 ओहि दिन अहाँ सभ हमरा सँ किछु नहि माँगब। हम अहाँ
सभ कें सत् य कहैत छी जे अहाँ सभ पिता सँ जे किछु माँगब, ओ
अहाँ सभ कें दऽ देताह।
24 एखन धरि अहाँ सभ हमर नाम सँ किछु नहि माँगलहुँ, माँगू
आ अहाँ सभ कें भेटि जायत, जाहि सँ अहाँ सभक आनन्द पूर्ण
हो।
25 ई सभ बात हम अहाँ सभ कें फकड़ा मे कहलहुँ, मुदा समय
आबि रहल अछि जखन हम अहाँ सभ कें फकड़ा मे नहि बाजब,
बल् कि हम अहाँ सभ कें पिताक विषय मे स्पष्ट रूप सँ देखा
देब।
26 ओहि दिन अहाँ सभ हमर नाम सँ माँगब, मुदा हम अहाँ सभ
कें ई नहि कहैत छी जे हम अहाँ सभक लेल पिता सँ प्रार्थना
करब।
27 किएक तँ पिता अपने अहाँ सभ सँ प्रेम करैत छथि, किएक तँ
अहाँ सभ हमरा सँ प्रेम कयलहुँ आ विश्वास कयलहुँ जे हम परमेश्
वर सँ निकलल छी।
28 हम पिता सँ निकलल छी आ संसार मे आबि गेल छी।
29 हुनकर शिष् य सभ हुनका कहलथिन, "देखू, आब अहाँ
साफ-साफ बाजि रहल छी आ कोनो फकड़ा नहि बजैत छी।"
30 आब हमरा सभ कें ई पक्का भऽ गेल अछि जे अहाँ सभ किछु
जनैत छी आ ककरो अहाँ सँ पूछबाक आवश्यकता नहि अछि।
31 यीशु हुनका सभ कें उत्तर देलथिन, " की अहाँ सभ आब विश्
वास करैत छी?"
32 देखू, ओ समय आबि रहल अछि, आब आबि गेल अछि,
जखन अहाँ सभ अपन-अपन घर मे तितर-बितर भ' जायब आ
हमरा असगर छोड़ि देब।
33 ई सभ बात हम अहाँ सभ कें एहि लेल कहलहुँ जे हमरा मे
शान्ति भेटय। संसार मे अहाँ सभ कें कष्ट भेटत। हम दुनियाँ पर
विजय पाबि गेल छी।

अध्याय 17

1 यीशु ई बात कहलनि आ स् वर्ग दिस बढ़ि कऽ कहलथिन,
" पिता, समय आबि गेल अछि। अपन पुत्रक महिमा करू जाहि
सँ अहाँक पुत्र सेहो अहाँक महिमा करथि।
2 जेना अहाँ ओकरा सभ प्राणी पर अधिकार दऽ देलहुँ जे ओ जे
सभ ओकरा देलहुँ, तकरा सभ कें अनन्त जीवन देब।
3 ई अनन्त जीवन अछि, जाहि सँ ओ सभ अहाँ कें एकमात्र सत् य
परमेश् वर आ यीशु मसीह कें, जिनका अहाँ पठौने छी, हुनका
चिन्हथि।
4 हम पृथ् वी पर तोहर महिमा कऽ देलहुँ, जे काज अहाँ हमरा
करऽ देलहुँ से हम पूरा कऽ लेलहुँ।
5 आब, हे पिता, अहाँ हमरा अपना संग ओहि महिमा सँ महिमा
करू जे हमरा संसारक अस्तित्व सँ पहिने अहाँक संग छल।
6 हम अहाँक नाम ओहि लोक सभ कें प्रकट कऽ देलहुँ जे अहाँ
हमरा संसार सँ बाहर देलहुँ। ओ सभ अहाँक वचनक पालन
कयलनि।
7 आब ओ सभ बुझि गेल अछि जे अहाँ हमरा जे किछु देलियैक
से सभ अहाँ सँ अछि।
8 अहाँ हमरा जे वचन देलहुँ से हम हुनका सभ कें दऽ देने छी।
ओ सभ ओकरा सभ कें ग्रहण कऽ लेलक आ निश्चय बुझि गेल जे
हम अहाँ सँ बाहर निकललहुँ, आ ओ सभ विश्वास केलक जे अहाँ
हमरा पठौने छी।"
9 हम हुनका सभक लेल प्रार्थना करैत छी। किएक तँ ओ सभ
तोहर अछि।
10 हमर सभटा तोहर अछि आ तोहर हमर अछि। आ हम हुनका
सभ मे महिमामंडित छी।
11 आब हम संसार मे नहि छी, बल् कि ई सभ संसार मे अछि आ
हम अहाँ लग आबि रहल छी। पवित्र पिता, जे सभ हमरा देने छी,
तकरा अपन नाम सँ राखू, जाहि सँ ओहो सभ हमरा सभ जकाँ
एक भ' जाय।
12 जाबत हम हुनका सभक संग संसार मे छलहुँ, ताबत हम
हुनका सभ कें अहाँक नाम सँ रखलहुँ। जाहि सँ शास्त्र पूरा भ'
जाय।
13 आब हम अहाँक लग आबि रहल छी। आ ई सभ बात हम
संसार मे कहैत छी, जाहि सँ ओ सभ हमर आनन्द कें अपना मे
पूरा करय।
14 हम ओकरा सभ कें तोहर वचन दऽ देलियैक। आ संसार
हुनका सभ सँ घृणा केलक अछि, किएक तँ ओ सभ संसारक नहि
अछि, जेना हम संसारक नहि छी।
15 हम ई प्रार्थना नहि करैत छी जे अहाँ ओकरा सभ कें संसार सँ
बाहर निकालि दियौक, बल् कि ओकरा सभ कें अधलाह काज सँ
बचाउ।
16 ओ सभ संसारक नहि छथि, जेना हम संसारक नहि छी।
17 अपन सत् य द्वारा ओकरा सभ कें पवित्र करू।
18 जहिना अहाँ हमरा संसार मे पठा देलहुँ, तहिना हमहूँ हुनका
सभ कें संसार मे पठा देलहुँ।
19 हम हुनका सभक लेल अपना कें पवित्र करैत छी, जाहि सँ
ओहो सभ सत् य द्वारा पवित्र कयल जाय।
20 हम मात्र एहि सभक लेल प्रार्थना नहि करैत छी, बल् कि
हुनका सभक लेल सेहो जे सभ अपन वचनक द्वारा हमरा पर
विश् वास करताह।

21 जाहि सँ ओ सभ एक भऽ जाय। जेना अहाँ हे पिता, अहाँ हमरा मे छी आ हम अहाँ मे छी, जाहि सँ ओहो सभ हमरा सभ मे एक भ' जाय।
22 अहाँ हमरा जे महिमा देलहुँ से हम हुनका सभ कैँ दऽ देलहुँ। जहिना हम सभ एक छी तहिना ओ सभ एक भऽ जाय।
23 हम ओकरा सभ मे छी आ अहाँ हमरा मे, जाहि सँ ओ सभ एक मे सिद्ध भऽ जाय। आ एहि तरहेँ संसार ई जानि लेत जे अहाँ हमरा पठौने छी आ ओकरा सभ सँ प्रेम केलहुँ, जेना अहाँ हमरा सँ प्रेम केलहुँ।"
24 यौ पिता, हम चाहैत छी जे अहाँ जे सभ हमरा देने छी, ओ सभ सेहो हमरा संग रहथि जतय हम छी। जाहि सँ ओ सभ हमर महिमा देखथि जे अहाँ हमरा देने छी।
25 हे धर्मी पिता, संसार अहाँ कैँ नहि चिन्हलक, मुदा हम अहाँ कैँ चिन्हलहुँ आ ई सभ जनैत अछि जे अहाँ हमरा पठौने छी।
26 हम हुनका सभ कैँ अहाँक नाम सुनौने छी आ प्रचार करब, जाहि सँ अहाँ जाहि प्रेम सँ हमरा सँ प्रेम केलहुँ से हुनका सभ मे रहय आ हम हुनका सभ मे रहब।

अध्याय 18

1 यीशु ई बात कहि कऽ अपन शिष् य सभक संग सिद्रोन नदीक ओहि पार गेलाह, जतऽ एकटा बगीचा छल, जाहि मे ओ आ अपन शिष् य सभ प्रवेश कयलनि।
2 हुनका धोखा देनिहार यहूदा सेहो ओहि स्थान कैँ जनैत छलाह, किएक तँ यीशु अपन शिष् य सभक संग बेर-बेर ओतऽ घुमैत छलाह।
3 तखन यहूदा मुख् यपुरोहित आ फरिसी सभ सँ एक दल आ अधिकारी सभ कैँ ल' कऽ लालटेन आ मशाल आ हथियार लऽ कऽ ओतऽ आबि गेलाह।
4 यीशु हुनका पर आबय बला सभ बात जानि कऽ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभ ककरा तकैत छी?"
5 ओ सभ हुनका उत्तर देलथिन, "नासरतक यीशु।" यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " हम ओ छी।" यहूदा जे हुनका धोखा देलकनि, से हुनका सभक संग ठाढ़ भऽ गेलाह।
6 जहिना यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हम ओ छी, तखन ओ सभ पाछू घुमि कऽ जमीन पर खसि पड़लाह।"
7 ओ फेर पुछलथिन, " अहाँ सभ ककरा तकैत छी?" ओ सभ कहलथिन, "नासरतक यीशु।"
8 यीशु उत्तर देलथिन, " हम अहाँ सभ कैँ कहने छी जे हम ओ छी।
9 एहि लेल जे ओ कहने छलाह जे, " अहाँ हमरा जे किछु देलहुँ, ताहि मे सँ हम कोनो गमा नहि देलहुँ।"
10 तखन सिमोन पत्रुस तलवार लऽ कऽ तलवार निकालि महापुरोहितक सेवक कैँ मारि देलथिन आ ओकर दहिना कान काटि लेलनि। नौकरक नाम मल्खूस छल।
11 तखन यीशु पत्रुस कैँ कहलथिन, " अपन तलवार म्यान मे राखू।
12 तखन ओहि दल आ सेनापति आ यहूदी सभक सेनापति सभ यीशु कैँ पकड़ि कऽ बान्हि लेलक।
13 पहिने हुनका हन्ना लग लऽ गेलनि। किएक तँ ओ काइफाक ससुर छलाह, जे ओहि वर्ष महापुरोहित छलाह।
14 कैफा छल जे यहूदी सभ कैँ सलाह दैत छल जे लोक सभक लेल एक आदमी मरब उचित।
15 सिमोन पत्रुस यीशुक पाछाँ-पाछाँ आ एकटा आओर शिष् य सेहो गेलाह।
16 मुदा पत्रुस बाहर दरबज्जा पर ठाढ़ छलाह। तखन ओ दोसर शिष् य जे महापुरोहितक चिन्हल छलनि से बाहर निकलि कऽ दरबज्जा रखनिहार सँ बात कऽ पत्रुस कैँ भीतर अनलनि।
17 दरबज्जा रखनिहार युवती पत्रुस कैँ कहलथिन, "की अहाँ सेहो एहि आदमीक शिष् य मे सँ एक नहि छी?" ओ कहैत छथि, "हम नहि छी।"
18 कोयला सँ आगि लगा कऽ नोकर आ अधिकारी सभ ओतहि ठाढ़ छलाह। ठंढा छल, ओ सभ गरम भ' गेल, पत्रुस हुनका सभक संग ठाढ़ भ' क' गरम भ' गेलाह।
19 तखन महापुरोहित यीशु सँ हुनकर शिष् य सभ आ हुनकर शिक्षाक विषय मे पुछलथिन।
20 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " हम संसार सँ खुलि कऽ बजलहुँ। हम कहियो सभाघर मे आ मन् दिर मे शिक्षा दैत छलहुँ, जतय यहूदी सभ सदिखन सहारा लैत छथि। आ गुप्त रूपेँ हम किछु नहि कहलहुँ।
21 अहाँ हमरा किएक पूछैत छी? हमर बात सुननिहार सभ सँ पूछू जे हम की कहलियनि।
22 यीशु ई बात कहि कऽ ओहिठाम ठाढ़ एकटा अधिकारी यीशु कैँ हाथक हथेली सँ मारि कऽ कहलथिन, "की अहाँ महापुरोहित कैँ एना उत्तर दऽ रहल छी?"
23 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " जँ हम अधलाह बजलहुँ तँ अधलाह बातक गवाही दिअ।
24 हन्ना हुनका बान्हि कऽ महापुरोहित कैफा लग पठौने छलाह।
25 सिमोन पत्रुस ठाढ़ भऽ कऽ गरम भऽ गेलाह। ओ सभ हुनका पुछलथिन, "की अहाँ सेहो हुनकर शिष् य मे सँ एक नहि छी?" ओ एकरा नकारैत कहलथिन, "हम नहि छी।"
26 महापुरोहितक एकटा सेवक, ओकर रिश्तेदार छल, जिनकर कान पत्रुस काटि देने छलाह, ओ कहलथिन, "की हम अहाँ कैँ हुनका संग बगीचा मे नहि देखलहुँ?"
27 तखन पत्रुस फेर सँ इनकार कयलनि आ तुरन्त मुर्गा खसकि गेल।
28 तखन ओ सभ यीशु कैँ कैफा सँ न् यायालय मे लऽ गेलाह। ओ सभ न्यायालय मे नहि गेलाह, जाहि सँ ओ सभ अशुद्ध नहि भ' जाय। मुदा एहि लेल जे ओ सभ फसह-पाबनि खा सकय।
29 तखन पिलातुस हुनका सभ लग जा कऽ पुछलथिन, "अहाँ सभ एहि आदमी पर की आरोप लगाबैत छी?"
30 ओ सभ उत्तर देलथिन, "जँ ओ अपराधी नहि रहितथि तँ हम सभ ओकरा अहाँक हाथ मे नहि सौंपितहुँ।"
31 तखन पिलातुस हुनका सभ कैँ कहलथिन, "अहाँ सभ हुनका लऽ जाउ आ अपन नियमक अनुसार हुनकर न्याय करू।" यहूदी सभ हुनका कहलथिन, "हमरा सभक लेल ककरो मारि देब उचित नहि अछि।
32 एहि लेल यीशुक ई बात पूरा भऽ जाय जे ओ कोन तरहक मृत् युक मृत् युक लेल बजलाह।
33 तखन पिलातुस फेर न्यायशाला मे जा कऽ यीशु कैँ बजा कऽ पुछलथिन, "की अहाँ यहूदी सभक राजा छी?"
34 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, " की अहाँ ई बात अपने सँ कहैत छी आ कि आन लोक हमरा विषय मे कहलक?"
35 पिलातुस उत्तर देलथिन, "की हम यहूदी छी?" तोहर जाति आ मुख्यपुरोहित सभ तोरा हमरा हाथ मे सौंपने अछि।
36 यीशु उत्तर देलथिन, " हमर राज्य एहि संसारक नहि अछि।

37 पिलातुस हुनका पुछलथिन, “तखन की अहाँ राजा छी?” यीशु
उत्तर देलथिन, “ अहाँ कहैत छी जे हम राजा छी।” हम एहि लेल
जन्म लेलहुँ आ एहि लेल हम संसार मे आयल छी जे हम सत्यक
गवाही दी। जे कियो सत् य अछि से हमर आवाज सुनैत अछि।
38 पिलातुस हुनका पुछलथिन, “सत्य की होइत छैक?” ई बात
कहि कऽ ओ फेर यहूदी सभक लग जा कऽ कहलथिन, “हमरा
हुनका मे कोनो दोष नहि भेटैत अछि।”
39 मुदा अहाँ सभक प्रथा अछि जे हम अहाँ सभ कैँ फसह-
पाबनि मे एक गोटे कैँ छोड़ि देब।
40 ओ सभ फेर चिचिया उठलनि, “ई आदमी नहि, बरब्बा।” आब
बरब्बा डकैत छल।

अध्याय 19

1 तखन पिलातुस यीशु कैँ पकड़ि कऽ कोड़ा मारि देलथिन।
2 सिपाही सभ काँटक मुकुट चढ़ा कऽ हुनकर माथ पर लगा
देलक आ बैंगनी रंगक वस्त्र पहिरि लेलक।
3 ओ कहलथिन, “हे यहूदी सभक राजा! ओ सभ ओकरा हाथ सँ
मारि देलकैक।
4 पिलातुस फेर जा कऽ हुनका सभ कैँ कहलथिन, “देखू, हम
हुनका अहाँ सभ लग अनैत छी जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब
जे हमरा हुनका मे कोनो दोष नहि भेटैत अछि।”
5 तखन यीशु काँटक मुकुट आ बैंगनी रंगक वस्त्र पहिरने बाहर
निकललाह। पिलातुस हुनका सभ कैँ कहलथिन, “देखू, ओ
आदमी!”
6 मुख्यपुरोहित आ अधिकारी सभ हुनका देखि चिचिया उठलनि,
“ओकरा क्रूस पर चढ़ाउ, क्रूस पर चढ़ाउ।” पिलातुस ओकरा सभ
कैँ कहलथिन, “अहाँ सभ ओकरा लऽ कऽ क्रूस पर चढ़ा दियौक।
7 यहूदी सभ हुनका उत्तर देलथिन, “हमरा सभक नियम अछि,
आ हमरा सभक नियमक अनुसार हुनका मरबाक चाही, किएक
तँ ओ अपना कैँ परमेश् वरक पुत्र बना लेलनि।”
8 पिलातुस ई बात सुनि कऽ ओ आर भयभीत भऽ गेलाह।
9 फेर न् यायालय मे जा कऽ यीशु सँ पुछलथिन, “अहाँ कतऽ सँ
छी?” मुदा यीशु हुनका कोनो उत्तर नहि देलथिन।
10 तखन पिलातुस हुनका कहलथिन, “की अहाँ हमरा सँ नहि
बाजि रहल छी?” की अहाँ नहि जनैत छी जे हमरा अहाँ कैँ क्रूस
पर चढ़ेबाक सामर्थ्य अछि आ अहाँ कैँ छोड़बाक सामर्थ्य अछि?
11 यीशु उत्तर देलथिन, “ अहाँक हमरा विरुद्ध कोनो अधिकार
नहि भऽ सकैत छल जाबत तोरा ऊपर सँ नहि देल गेल हो।
12 तहिया सँ पिलातुस हुनका छोड़बाक प्रयास कयलनि, मुदा
यहूदी सभ चिचिया उठलनि, “जँ अहाँ एहि आदमी कैँ छोड़ि दैत
छी तँ अहाँ कैसरक मित्र नहि छी।”
13 पिलातुस ई बात सुनि यीशु कैँ बाहर लऽ कऽ न्यायक आसन
पर बैसि गेलाह जे फुटपाथ कहल जाइत अछि, मुदा हिब्रू मे
गब्बाथा कहल जाइत अछि।
14 फसह-पर्वक तैयारी आ लगभग छठम घंटा छल, तखन ओ
यहूदी सभ कैँ कहलथिन, “देखू, अहाँ सभक राजा!”
15 मुदा ओ सभ चिचिया उठल, “ओकरा दूर करू, ओकरा दूर
करू, क्रूस पर चढ़ा दियौक।” पिलातुस हुनका सभ कैँ कहलथिन,
“की हम अहाँक राजा कैँ क्रूस पर चढ़ा देब?” मुखिया पुरोहित
सभ उत्तर देलथिन, “हमरा सभ लग कैसरक अतिरिक्त कोनो
राजा नहि अछि।”
16 तखन यीशु हुनका क्रूस पर चढ़ाबय लेल हुनका सभक हाथ मे
सौंप देलनि। ओ सभ यीशु कैँ लऽ कऽ लऽ गेलाह।
17 ओ अपन क्रूस लऽ कऽ एक ठाम गेलाह जकरा हिब्रू भाषा मे
गोल्गोथा कहल जाइत छैक।
18 ओ सभ हुनका क्रूस पर चढ़ा देलथिन, आ दू गोटे हुनका संग,
एक कात आ बीच मे यीशु कैँ क्रूस पर चढ़ा देलथिन।
19 पिलातुस एकटा उपाधि लिखि क्रूस पर राखि देलनि। ओहि
पर लिखल छल, “यहूदी सभक राजा नासरतक यीशु।”
20 तखन ई उपाधि बहुतो यहूदी सभ पढ़ि रहल छल, किएक तँ
जतऽ यीशु कैँ क्रूस पर चढ़ाओल गेल छल, ओतऽ नगरक समीप
छल।
21 तखन यहूदी सभक मुख् यपुरोहित सभ पिलातुस कैँ
कहलथिन, “यहूदी सभक राजा, ई नहि लिखू। मुदा ओ कहलनि
जे, “हम यहूदी सभक राजा छी।”
22 पिलातुस उत्तर देलथिन, “हम जे लिखने छी से हम लिखने
छी।”
23 तखन सिपाही सभ यीशु कैँ क्रूस पर चढ़ा कऽ हुनकर वस्त्र
लऽ कऽ चारि भाग मे बाँटि लेलनि। आ ओकर कोट सेहो, आब
कोट बिना सीमक छल, जे ऊपर सँ पूरा बुनल छल।
24 ओ सभ आपस मे कहलथिन, “आउ, एकरा फाड़ि कऽ नहि,
बल् कि एकरा लेल चिट्ठी लगाबी जे ई केकर होयत, जाहि सँ
धर्मशास् त्र पूरा भऽ जाय जे कहैत अछि जे, “ओ सभ हमर वस्त्र
ओकरा सभ मे बाँटि देलक आ हमर वस्त्रक लेल ओ सभ चिट्ठी
लगा देलक।” तेँ सिपाही सभ ई सभ काज केलक।
25 यीशुक क्रूस लग हुनकर माय, मायक बहिन, क्लिओफाक
पत्नी मरियम आ मरियम मगदलीनी ठाढ़ छलीह।
26 यीशु जखन अपन माय आ ओहि शिष् य कैँ ठाढ़ देखि,
जिनका सँ ओ प्रेम करैत छलाह, तखन ओ अपन माय कैँ
कहलथिन, “ हे स् त्री, देखू तोहर बेटा!
27 तखन ओ शिष्य कैँ कहलथिन, “ देखू, अहाँक माय! ओहि
समय सँ ओ शिष्य ओकरा अपन घर लऽ गेलाह।
28 एकर बाद यीशु ई जानि जे आब सभ काज पूरा भऽ गेल अछि,
जाहि सँ धर्मशास् त्र पूरा भऽ जाय, ओ कहलनि, “ हमरा प्यास
लागल अछि।”
29 एकटा बर्तन मे सिरका सँ भरल राखल छल, आ ओ सभ
एकटा स्पंज मे सिरका भरि कऽ हिसोप पर लगा कऽ हुनका मुँह
मे राखि देलक।
30 यीशु सिरका लऽ कऽ कहलथिन, “ समाप्त भऽ गेल।”
31 यहूदी सभ विश्राम-दिन मे क्रूस पर शव सभ कैँ क्रूस पर नहि
रहबाक तैयारी छल, (किएक तँ ओ विश्राम-दिन एकटा ऊँच दिन
छल) पिलातुस सँ विनती कयलनि जे हुनकर सभक टांग टूटि
जाय आ ओ सभ टूटि जाय छीन लेलक।
32 तखन सिपाही सभ आबि कऽ पहिल आ दोसर जे हुनका संग
क्रूस पर चढ़ल गेल छल, ओकर टांग तोड़ि देलक।
33 मुदा जखन ओ सभ यीशु लग पहुँचि कऽ देखलक जे ओ मरि
गेल छथि, तखन हुनकर टांग नहि तोड़लनि।
34 मुदा एकटा सिपाही भाला लऽ कऽ ओकर कात मे छेद कऽ
देलक आ तुरन्त ओतऽ खून आ पानि निकलि गेल।
35 जे देखलक से गवाही देलक आ ओकर गवाही सत् य अछि।
36 ई सभ बात एहि लेल भेल जे धर्मशास् त्र पूरा भऽ जाय जे,
“ओकर हड्डी नहि टूटत।”
37 फेर एकटा आओर धर्मशास् त्र कहैत अछि, “ओ सभ जकरा
बेधने छल, तकरा दिस तकत।”

38 एकर बाद अरिमाथियाक यूसुफ यीशुक शिष् य छलाह, मुदा
यहूदी सभक डर सँ गुप्त रूप सँ पिलातुस सँ विनती कयलनि जे
ओ यीशुक शव कैँ लऽ जाथि। ओ यीशुक लाश लऽ कऽ आबि
गेलाह।
39 निकोदेम सेहो आबि गेलाह जे पहिने राति मे यीशु लग आबि
गेल छलाह आ गंधक आ मुसब्बरक मिश्रण लगभग सौ पाउंड
भार अनने छलाह।
40 तखन ओ सभ यीशुक शव कैँ लऽ कऽ सुगंधक संग लिनन
वस्त्र मे गाड़ि लेलक, जेना यहूदी सभक गाड़बाक तरीका होइत
छैक।
41 जाहि ठाम हुनका क्रूस पर चढ़ाओल गेल छलनि, ओहि ठाम
एकटा बगीचा छल। आ गाछी मे एकटा नव कब्र छल, जाहि मे
एखन धरि मनुष् य कहियो नहि राखल गेल छल।
42 यहूदी सभक तैयारीक दिनक कारणेँ ओ सभ यीशु कैँ ओतहि
राखि देलक। किएक तँ कब्र लग लग छल।

अध्याय 20

1 सप्ताहक पहिल दिन मगदलीनी मरियम भोरे-भोर जखन
अन्हार छल तखन कब्र पर अबैत छथि आ कब्र पर सँ पाथर
उतारल देखैत छथि।
2 तखन ओ दौड़ि कऽ सिमोन पत्रुस आ दोसर शिष् य लग आबि
कऽ कहलथिन, "ओ सभ प्रभु कैँ कबर सँ निकालि लेलक, मुदा
हमरा सभ कैँ ई नहि बुझल अछि जे ओ सभ हुनका कतय राखि
देलनि।"
3 पत्रुस आ ओ आन शिष् य सेहो कबर मे गेलाह।
4 दुनू गोटे एक संग दौड़ल गेलाह आ दोसर शिष् य पत्रुस कैँ
पछाड़ि कऽ पहिने कब्र पर पहुँचि गेलाह।
5 ओ झुकि कऽ भीतर तकैत देखलक जे सनीक कपड़ा पड़ल
अछि। तैयो गेल ओ भीतर नहि।
6 तखन सिमोन पत्रुस हुनका पाछाँ-पाछाँ आबि कब्र मे गेलाह आ
लिनक कपड़ा पड़ल देखलनि।
7 हुनका माथक चारू कात जे नैपकिन छलनि से लिनन
कपड़ाक संग नहि पड़ल छलनि, बल् कि एक ठाम एक ठाम
लपेटल छलनि।
8 तखन ओ दोसर शिष् य सेहो भीतर गेलाह जे पहिने कब्र पर
आयल छलाह आ ओ देखि विश् वास कयलनि।
9 ओ सभ एखन धरि ई धर्मशास् त्र नहि जनैत छल जे ओ मृत् यु
मे सँ जीबि उठब।
10 तखन शिष्य सभ फेर अपन-अपन घर चलि गेलाह।
11 मुदा मरियम कब्र पर बाहर ठाढ़ भऽ कानि रहल छलीह आ
कानैत काल ओ झुकि कऽ कब्र दिस तकलीह।
12 ओ दूटा स् वर्गदूत कैँ उज्जर वस्त्र मे बैसल देखलनि, एकटा
माथ पर आ दोसर पएर पर, जतय यीशुक लाश पड़ल छल।
13 ओ सभ हुनका पुछलथिन, "महिला, अहाँ किएक कानैत छी?"
ओ ओकरा सभ कैँ कहलथिन, "किएक तँ ओ सभ हमर प्रभु कैँ
छीन लेलक आ हमरा नहि बुझल अछि जे ओ सभ ओकरा कतय
राखि देलक।"
14 ई बात कहि कऽ ओ पाछू घुमि कऽ यीशु कैँ ठाढ़ देखलनि।
15 यीशु ओकरा पुछलथिन, " मारी, अहाँ किएक कानैत छी?
अहाँ केकरा तकैत छी? ओ ओकरा माली बुझि कहलथिन,
"महाराज, जँ अहाँ ओकरा एतय सँ लऽ गेलहुँ तँ हमरा कहू जे
अहाँ ओकरा कतय राखि देलहुँ, हम ओकरा लऽ जायब।"
16 यीशु ओकरा कहलथिन, "मरियम।" ओ घुमि कऽ हुनका
कहलथिन, "रब्बोनी!" जे कहब अछि, गुरु।
17 यीशु ओकरा कहलथिन, " हमरा हाथ नहि लगाउ। कारण,
हम एखन धरि अपन पिता लग नहि चढ़ल छी। आ हमर परमेश्
वर आ अहाँक परमेश् वर कैँ।
18 मरियम मगदलीनी आबि कऽ शिष् य सभ कैँ कहलथिन जे
ओ प्रभु कैँ देखि लेने छथि आ ओ हुनका सँ ई बात कहलनि।
19 ओही दिन साँझ मे सप्ताहक पहिल दिन जखन यहूदी सभक
भय सँ जतऽ शिष् य सभ जमा छल, ओहि ठामक दरबज्जा सभ
बंद भऽ गेल छल, तखन यीशु बीच मे ठाढ़ भऽ कऽ हुनका सभ
कैँ कहलथिन, " अहाँ सभ कैँ शान्ति हो।"
20 ई कहि कऽ ओ हुनका सभ कैँ अपन हाथ आ कात
देखौलथिन। तखन प्रभु कैँ देखि शिष् य सभ प्रसन्न भऽ गेलाह।
21 तखन यीशु हुनका सभ कैँ फेर कहलथिन, " अहाँ सभ कैँ
शान्ति भेटय।
22 ई बात कहि कऽ ओ हुनका सभ पर साँस छोड़ि कऽ
कहलथिन, " पवित्र आत् मा ग्रहण करू।
23 जकर पाप अहाँ सभ क्षमा करैत छी, ओकरा सभ कैँ क्षमा
कयल जाइत छैक। आ जकर पाप अहाँ सभ राखि लैत छी, से
पकड़ल जाइत अछि।
24 जखन यीशु अयलाह तखन बारह गोटे मे सँ एक गोटे थोमस,
जकरा दिदिमस कहल जाइत छल, हुनका सभक संग नहि छल।
25 आन शिष् य सभ हुनका कहलथिन, "हम सभ प्रभु कैँ
देखलहुँ।" मुदा ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "जखन धरि हम
हुनकर हाथ मे नाखूनक छाप नहि देखब आ नाखूनक छाप मे
अपन आँगुर नहि राखब आ हुनकर कात मे हाथ नहि धऽ देब,
तखन धरि हम विश्वास नहि करब।"
26 आठ दिनक बाद फेर हुनकर शिष् य सभ भीतर आबि गेलाह
आ थोमस सेहो हुनका सभक संग छलाह, तखन यीशु दरबज्जा
सभ बन्न कऽ कऽ आबि कऽ बीच मे ठाढ़ भऽ गेलाह आ
कहलथिन, " अहाँ सभ कैँ शान्ति हो।"
27 तखन ओ थोमस कैँ कहलथिन, " अपन आँगुर एतय पहुँचि
कऽ हमर हाथ देखू। आ अपन हाथ एतऽ बढ़ा कऽ हमरा कात मे
धकेलि दिअ।
28 थोमा उत्तर देलथिन, "हमर प्रभु आ हमर परमेश् वर।"
29 यीशु हुनका कहलथिन, " तोमा, हमरा देखि विश् वास कऽ
लेलहुँ।"
30 यीशु अपन शिष् य सभक समक्ष सत् य आरो बहुत रास चिन्
ह सभ कयलनि, जे एहि पुस्तक मे नहि लिखल अछि।
31 मुदा ई सभ एहि लेल लिखल गेल अछि जे अहाँ सभ विश् वास
करी जे यीशु परमेश् वरक पुत्र मसीह छथि। आ विश् वास कऽ
कऽ अहाँ सभ हुनकर नाम सँ जीवन पाबि सकब।"

अध्याय 21

1 एहि बातक बाद यीशु तिबेरियाक समुद्र मे शिष् य सभ कैँ फेर
सँ देखौलनि। आ एहि तरहेँ ओ अपना कैँ देखौलनि।
2 ओतऽ सिमोन पत्रुस, दिदिमुस नामक थोमा, गलील मे काना
निवासी नथनील, जब्दीक पुत्र आ हुनकर दूटा आओर शिष् य
एक संग छलाह।
3 सिमोन पत्रुस हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हम माछ मारय जा
रहल छी।" ओ सभ हुनका कहलथिन, "हम सभ सेहो अहाँक संग

जाइत छी।" ओ सभ आगू बढ़ि कऽ तुरन्त जहाज मे बैसि गेलाह।
आ ओहि राति ओ सभ किछु नहि पकड़लनि।
4 भोर भेला पर यीशु किनार पर ठाढ़ भऽ गेलाह।
5 तखन यीशु हुनका सभ कैँ पुछलथिन, " बच्चा सभ, अहाँ सभ
किछु भोजन की? ओ सभ हुनका उत्तर देलथिन, "नहि।"
6 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " नावक दहिना कात जाल फेकि
दियौक, तखन अहाँ सभ कैँ भेटत।" ओ सभ फेकि देलक, आब
माछक भरमारक कारणेँ ओकरा नहि खींचि सकल।
7 तेँ ओ शिष् य जिनका सँ यीशु प्रेम करैत छलाह, पत्रुस कैँ
कहलथिन, "ई प्रभु छथि।" सिमोन पत्रुस जखन ई सुनि कऽ जे ई
प्रभु छथि, तखन ओ अपन मलाहक वस्त्र हुनका लग बान्हि देलनि,
(किएक तँ ओ नंगटे छलाह) आ अपना कैँ समुद्र मे फेकि देलनि।
8 आन शिष्य सभ एकटा छोट नाव मे बैसि कऽ आबि गेलाह।
(किएक तँ ओ सभ जमीनसँ दूर नहि छल, बल् कि दू सय हाथ
जकाँ छल) माछक संग जाल घीचि रहल छल।
9 ओ सभ जहिना जमीन पर पहुँचलाह तँ ओतऽ कोयलाक आगि
आ ओहि पर माछ आ रोटी बिछल देखलनि।
10 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अखन जे माछ पकड़ने छी,
तकरा सभ कैँ आनू।"
11 सिमोन पत्रुस चढ़ि कऽ जाल खींचि कऽ जमीन पर पहुँचलाह
जे एक सय तेपचास माछ सँ भरल छल।
12 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, "आउ आ भोजन करू।"
शिष्य सभ मे सँ कियो हुनका सँ ई पुछबाक हिम्मत नहि कयलनि
जे, "अहाँ के छी?" ई जानि जे ई प्रभु छथि।
13 तखन यीशु आबि कऽ रोटी लऽ कऽ ओकरा सभ कैँ आ माछ
सेहो दऽ देलथिन।
14 यीशु मृत् यु मे सँ जीबि उठलाक बाद ई तेसर बेर अपन शिष्
य सभ कैँ अपना कैँ देखौलनि।
15 ओ सभ भोजन कऽ कऽ यीशु सिमोन पत्रुस कैँ कहलथिन,
" सिमोन, योनासक पुत्र, की अहाँ हमरा सँ एहि सभ सँ बेसी प्रेम
करैत छी?" ओ हुनका कहलथिन, "हँ, प्रभु! अहाँ जनैत छी जे हम
अहाँसँ प्रेम करैत छी। ओ ओकरा कहलथिन, " हमर मेमना कैँ
पोसब।"
16 ओ दोसर बेर पुछलथिन, " सिमोन, योनासक पुत्र, की अहाँ
हमरा सँ प्रेम करैत छी?" ओ हुनका कहलथिन, "हँ, प्रभु! अहाँ
जनैत छी जे हम अहाँसँ प्रेम करैत छी। ओ ओकरा कहलथिन,
" हमर भेँड़ा कैँ चराउ।"
17 ओ तेसर बेर पुछलथिन, " सिमोन, योनाक पुत्र, की अहाँ हमरा
सँ प्रेम करैत छी?" पत्रुस दुखी भेलाह, कारण ओ तेसर बेर हुनका
कहलथिन, "की अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी?" ओ हुनका
कहलथिन, "प्रभु, अहाँ सभ बात जनैत छी। अहाँ जनैत छी जे हम
अहाँसँ प्रेम करैत छी। यीशु हुनका कहलथिन, " हमर भेँड़ा सभ
कैँ चराउ।"
18 हम अहाँ कैँ सत् य कहैत छी, जखन अहाँ छोट रही तखन
अहाँ अपना कैँ कमरबंद कऽ कऽ जतय चाहैत छलहुँ, मुदा
जखन अहाँ बूढ़ भऽ जायब तखन अहाँ अपन हाथ पसारि लेब आ
दोसर अहाँ कैँ कतरा मे बान्हि कऽ अहाँ कैँ ओतय लऽ जायत
wouldest नहि।
19 ओ ई बात बजैत छलाह जे ओ कोन मृत्यु द्वारा परमेश् वरक
महिमा करथि। ई बात कहि कऽ ओ हुनका कहलथिन, " हमर
पाछाँ चलू।"
20 तखन पत्रुस घुमि कऽ देखलनि जे ओ शिष् य जिनका सँ यीशु
प्रेम करैत छलाह। ओ सभ भोजनक समय हुनकर छाती पर
झुकि कऽ कहलथिन, "प्रभु, अहाँ कैँ धोखा देबयवला के अछि?"
21 पत्रुस हुनका देखि यीशु कैँ पुछलथिन, "प्रभु, ई आदमी की
करत?"
22 यीशु हुनका पुछलथिन, " जँ हम चाहैत छी जे ओ जाबत धरि
हम नहि आबि जायब, ताबत धरि ओ टिकल रहय तऽ अहाँक की
अछि?" हमरा पाछाँ चलू।
23 तखन भाइ सभक बीच ई बात प्रचारित भऽ गेल जे ओ शिष् य
नहि मरि जाय। मुदा, " जँ हम चाहब जे जाबत धरि ओ हमरा
अयब ताबत धरि टिकय, त' ई अहाँक की अछि?"
24 ई ओ शिष् य छथि जे एहि बात सभक गवाही दैत छथि आ ई
सभ बात लिखने छथि।
25 यीशु द्वारा कयल गेल आरो बहुत रास काज सेहो अछि, जे जँ
प्रत्येक कैँ लिखल जाय तँ हमरा बुझने जे संसार मे सेहो ओहि
पुस्तक सभ कैँ नहि राखल जा सकैत छल जे लिखल जाय।
आमीन।

प्रेरितों के कार्य

अध्याय 1

1 हे थियोफिलस, हम ओहि सभ बातक पूर्वक ग्रन्थ बनौने छी जे यीशु जे किछु करय लगलाह आ सिखाबय लगलाह।
2 जाबत धरि यीशु ऊपर उठाओल गेलाह, तकर बाद ओ पवित्र आत् मा द्वारा ओहि प्रेरित सभ कैँ आज्ञा नहि देलथिन, जिनका सभ कैँ ओ चुनने छलाह।
3 ओ हुनका सभ कैँ चलीस दिन धरि देखि कऽ परमेश् वरक राज् यक विषय मे बजैत बहुत रास अचूक प्रमाणक द्वारा अपना कैँ जीवित देखाओल गेलाह।
4 हुनका सभक संग जमा भऽ हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे यरूशलेम सँ नहि विदा भऽ जाउ, बल् कि पिताक प्रतिज्ञाक प्रतीक्षा करू ।
5 यूहन् ना पानि सँ बपतिस् मा देलनि। मुदा अहाँ सभ कैँ बहुत दिनक बाद पवित्र आत् मा सँ बपतिस् मा लेल जायत।
6 ओ सभ जखन एक ठाम आबि कऽ हुनका सँ पुछलथिन, "प्रभु, की अहाँ एहि समय मे इस्राएलक राज्य फेर सँ दऽ देब?"
7 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, " अहाँ सभक काज नहि अछि जे अहाँ सभ समय आ समय कैँ जानब, जे पिता अपन सामर्थ् य मे राखने छथि।"
8 पवित्र आत् मा अहाँ सभ पर आबि गेलाक बाद अहाँ सभ कैँ सामर्थ् य भेटत, आ अहाँ सभ यरूशलेम, समस्त यहूदिया, सामरिया आ पृथ् वीक अन् त भाग धरि हमर गवाह बनब।
9 ई सभ बात कहि कऽ ओ सभ देखैत रहलाह। एकटा मेघ हुनका सभक नजरि सँ बाहर आबि गेलनि।
10 जखन ओ सभ स् वर्ग दिस तकैत छल, तखन ओ सभ उज्जर वस्त्र मे दू गोटे हुनका सभक लग मे ठाढ़ छल।
11 ओ सभ सेहो कहलथिन, "हे गलील लोक सभ, अहाँ सभ स् वर्ग दिस तकैत किएक ठाढ़ छी?" ई यीशु जे अहाँ सभ सँ स् वर्ग मे चढ़ाओल गेल छथि, तहिना आओत जेना अहाँ सभ हुनका स् वर्ग मे जाइत देखलहुँ।
12 ओ सभ जैतून नामक पहाड़ सँ यरूशलेम वापस आबि गेलाह।
13 जखन ओ सभ भीतर पहुँचलाह तखन ओ सभ ऊपरका कोठली मे चलि गेलाह, जतय पत्रुस, याकूब, यूहन्ना, अन्द्रियास, फिलिप्पुस, थोमस, बार्थोलोम्यू, मत्ती, अल्फीसक पुत्र याकूब आ सिमोन जेलोतस दुनू रहैत छलाह। आ याकूबक भाय यहूदा।
14 ई सभ स् त्रीगण आ यीशुक माय मरियम आ हुनकर भाय सभक संग एक-मते प्रार्थना आ विनती करैत रहलाह।
15 ओहि समय मे पत्रुस शिष् य सभक बीच मे ठाढ़ भऽ कऽ कहलथिन, "एकटा नामक संख्या करीब एक सय बीस छल।"
16 यौ भाइ लोकनि, ई धर्मशास् त्र पूरा भऽ गेल हेतनि, जे पवित्र आत् मा दाऊदक मुँह सँ पहिने यहूदाक विषय मे कहने छलाह, जे यीशु कैँ लऽ कऽ लेनिहार सभक मार्गदर्शक छल।
17 ओ हमरा सभक संग गिनल गेल छलाह आ एहि सेवाक किछु हिस्सा सेहो प्राप्त कऽ लेने छलाह।
18 ई आदमी अधर्मक फल सँ खेत कीनि लेलक। आ माथ पर खसि पड़ैत बीच मे फाटि गेल आ ओकर सभटा आंत बाहर निकलि गेल।
19 यरूशलेम मे रहनिहार सभ लोक कैँ ई बात पता चललनि। एतेक धरि जे ओहि खेत कैँ हुनका लोकनिक उचित भाषा मे असेल्दमा अर्थात् खूनक खेत कहल जाइत छैक|
20 भजन-संग्रहक पुस्तक मे लिखल अछि जे, "ओकर निवास उजाड़ हो आ ओहि मे केओ नहि रहय।"
21 एहि लेल एहि लोक सभ मे सँ जे सभ दिन प्रभु यीशु हमरा सभक बीच मे घुमैत-फिरैत हमरा सभक संग रहैत छथि।
22 यूहन् नाक बपतिस् मा सँ शुरू भऽ कऽ ओहि दिन धरि जखन ओ हमरा सभ सँ उठाओल गेलाह, तकरा हमरा सभक संग हुनकर पुनरुत्थानक गवाह बनयबाक चाही।
23 ओ सभ दू गोटे कैँ नियुक्त कयलनि, जे यूसुफ नामक बरसाबास नामक छल, जकर नाम छल यूस् तु आ मथिया।
24 ओ सभ प्रार्थना कऽ कऽ कहलथिन, "हे प्रभु, जे सभ मनुष् यक हृदय कैँ जनैत छी, अहाँ एहि दुनू मे सँ चुनने छी कि नहि।
25 एहि लेल ओ एहि सेवा आ प्रेरितक काज मे भाग लेथि, जाहि सँ यहूदा अपराधक कारणेँ खसि पड़लाह, जाहि सँ ओ अपन स्थान पर जा सकथि।
26 ओ सभ अपन भाग्य देलक। चिट्ठी मथियस पर पड़ल। ओ एगारह प्रेरितक संग गिनल गेलाह।

अध्याय 2

1 जखन पेन्टेकोस्टक दिन पूर्ण रूपेण आबि गेल तखन सभ एक-एक ठाम एक-एकटा भऽ गेलाह।
2 एकाएक आकाश सँ तेज हवाक आवाज जकाँ आवाज आयल आ ओ सभ ओहि घर मे भरि गेल जतय ओ सभ बैसल छलाह।
3 हुनका सभ कैँ आगि जकाँ फाटल जीह देखा पड़लनि आ ओ सभ हुनका सभ मे सँ एक-एकटा पर बैसल।
4 ओ सभ पवित्र आत् मा सँ भरि गेलाह आ आत् मा हुनका सभ कैँ बजबाक अनुसार आन भाषा मे बाजय लगलाह।
5 यरूशलेम मे स् वर्गक नीचाँक सभ जाति मे सँ यहूदी सभ, भक्ति-धर्मी लोक सभ रहैत छलाह।
6 एहि बातक हल्ला भेला पर लोक सभ एक ठाम आबि कऽ लज्जित भऽ गेल।
7 ओ सभ आश्चर्यचकित भऽ आश्चर्यचकित भऽ एक-दोसर कैँ कहलथिन, "देखू, की ई सभ गलील नहि अछि?"
8 हम सभ कोना अपन-अपन भाषा मे सुनैत छी जाहि मे हम सभ जन्म लेने छी?
9 पार्थिया, मादी, एलामी, मेसोपोटामिया, यहूदिया, कप्पडोसिया, पोन्तुस आ एशिया मे रहनिहार।
10 मिस्र मे फ्रिगिया आ पम्फिलिया आ कुरेनेक आसपासक लीबियाक इलाका मे आ रोम मे परदेशी, यहूदी आ धर्म परिवर्तन करयवला लोक।
11 क्रेते आ अरबी, हम सभ ओकरा सभ कैँ अपना सभक भाषा मे परमेश् वरक अद्भुत काज कहैत सुनैत छी।
12 ओ सभ आश्चर्यचकित भऽ कऽ एक-दोसर सँ पुछैत रहलाह, "एकर की अर्थ अछि?"
13 दोसर लोक सभ उपहास करैत बाजल, "ई सभ नवका मदिरा सँ भरल अछि।"
14 पत्रुस एगारह गोटेक संग ठाढ़ भऽ कऽ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हे यहूदिया आ यरूशलेम मे रहनिहार सभ लोक, ई बात अहाँ सभ कैँ बुझू आ हमर बात सुनू।
15 किएक तँ ई सभ नशा मे धुत्त नहि छथि जेना अहाँ सभ सोचैत छी, किएक तँ ई सभ दिनक तेसर घंटा मात्र अछि।
16 मुदा ई बात योएल प्रवक् ता द्वारा कहल गेल अछि।

17 परमेश् वर कहैत छथि जे, "अंतिम दिन मे हम अपन आत् मा सभ शरीर पर बहायब, आ अहाँक बेटा-बेटी सभ भविष्यवाणी करत, आ अहाँक युवक सभ दर्शन देखत आ अहाँक बूढ़-पुरान सभ सपना देखत।" : १.
18 ओहि दिन मे हम अपन सेवक आ दासी सभ पर अपन आत् मा उझलि देब। ओ सभ भविष्यवाणी करत।
19 हम ऊपर स् वर्ग मे चमत् कार आ नीचाँ पृथ् वी पर चिन् त्र देखब। खून, आगि आ धुँआक वाष्प।
20 प्रभुक ओहि महान आ उल्लेखनीय दिन आबय सँ पहिने सूर्य अन्हार मे बदलि जायत आ चान खून मे बदलि जायत।
21 "जे केओ प्रभुक नाम पुकारत, से उद्धार पाओत।"
22 हे इस्राएलक लोक सभ, ई बात सुनू। नासरतक यीशु, अहाँ सभक बीच परमेश् वरक चमत् कार आ चमत् कार आ चिन् त्र सभक द्वारा स् वस् थ कयलनि, जे परमेश् वर हुनका द्वारा अहाँ सभक बीच कयलनि।
23 अहाँ सभ परमेश् वरक निश्चित सलाह आ पूर्वज्ञान सँ हुनका बचाओल गेलहुँ आ दुष्ट हाथ सँ क्रूस पर चढ़ा कऽ मारल गेलहुँ।
24 परमेश् वर हुनका मृत् युक कष्ट केँ खोलि कऽ जिआ देलनि अछि।
25 दाऊद हुनका विषय मे कहैत छथि, "हम प्रभु केँ सदिखन अपन मुँह सँ पहिने देखैत छलहुँ, कारण ओ हमर दहिना कात छथि, जाहि सँ हम नहि हिलब।
26 तेँ हमर मोन आनन्दित भेल आ हमर जीह आनन्दित भेल। हमर शरीर सेहो आशा मे आराम करत।
27 कारण, अहाँ हमर प्राण केँ नरक मे नहि छोड़ब आ ने अपन पवित्र केँ विनाश देखय देब।
28 अहाँ हमरा जीवनक बाट बुझा देलहुँ। अहाँ हमरा अपन मुँह सँ आनन्द सँ भरल बना देब।
29 यौ भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ केँ कुलपति दाऊदक विषय मे ई बात कहब जे ओ मरि गेल छथि आ दफना गेल छथि आ हुनकर कब्र आइ धरि हमरा सभक संग अछि।
30 तेँ ओ प्रवक् ता छलाह आ ई जानि जे परमेश् वर हुनका शपथ ग्रहण कएने छथि जे हुनकर कमरक फल मे सँ शरीरक अनुसार मसीह केँ ठाढ़ कऽ लेताह।
31 ओ पहिने ई देखि मसीहक पुनरुत्थानक विषय मे बजलाह जे हुनकर प्राण नरक मे नहि रहि गेलनि आ ने हुनकर शरीर भ्रष्ट भऽ गेलनि।
32 एहि यीशु केँ परमेश् वर जीबि उठौलनि, जकर हम सभ गवाह छी।
33 तेँ परमेश् वरक दहिना हाथ मे उदात्त भऽ गेलाह आ पिता सँ पवित्र आत् माक प्रतिज्ञा ग्रहण कयलनि।
34 दाऊद स् वर्ग मे नहि चढ़ल छथि, मुदा ओ मने-मन कहैत छथि, "परमेश् वर हमर प्रभु केँ कहलथिन, "अहाँ हमर दहिना कात बैसल रहू।"
35 जाबत हम तोहर शत्रु सभ केँ तोहर पैरक ठेहुन नहि बना लेब।
36 तेँ इस्राएलक समस्त घराना केँ ई बात निश्चय कऽ कऽ जानि जे परमेश् वर ओहि यीशु केँ प्रभु आ मसीह बना देलनि, जकरा अहाँ सभ क्रूस पर चढ़ा देलहुँ।
37 ई बात सुनि हुनका सभक मोन मे चुभन भऽ गेलनि आ पत्रुस आ बाँकी प्रेरित सभ केँ कहलथिन, "हे भाइ लोकनि, हम सभ की करब?"
38 तखन पत्रुस हुनका सभ केँ कहलथिन, "अपन पश्चाताप करू आ पापक क्षमाक लेल अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे यीशु मसीहक नाम सँ बपतिस् मा लिअ, तखन अहाँ सभ केँ पवित्र आत् माक वरदान भेटत।"
39 किएक तँ ई प्रतिज्ञा अहाँ सभ, अहाँ सभक सन् तान सभ आ दूर-दूरक सभ लोकक लेल अछि, जकरा सभ हमरा सभक परमेश् वर प्रभु बजौताह।
40 ओ आरो बहुत रास बात सभक संग गवाही देलनि आ आग्रह कयलनि जे, "एहि अशुभ पीढ़ी सँ अपना केँ बचाउ।"
41 तखन जे सभ हुनकर वचन केँ खुशी-खुशी ग्रहण कयलनि, से सभ बपतिस् मा लेलनि।
42 ओ सभ प्रेरित सभक शिक्षा आ संगति मे, रोटी तोड़बा मे आ प्रार्थना मे अडिग रहलाह।
43 सभ लोक पर भय भऽ गेल आ प्रेरित सभक द्वारा बहुत रास चमत् कार आ चिन् त्र सभ कयल गेल।
44 विश् वास करऽ वला सभ एक संग रहऽ वला सभ बात एक समान छल।
45 ओ सभ अपन सम् पत्ति आ सम् पत्ति बेचि कऽ सभ लोकक लेल बाँटि देलथिन।
46 ओ सभ दिन-प्रतिदिन एक-मने मन् दिर मे रहैत छलाह आ घर-घर रोटी तोड़ैत छलाह आ हर्ष आ मोन सँ एक-एकटा भऽ कऽ भोजन करैत छलाह।
47 परमेश् वरक स्तुति करब आ सभ लोकक अनुग्रह करब। आ प्रभु मण् डली मे रोज एहन जोड़ दैत छलाह जेकरा उद्धार भेटबाक चाही।

अध्याय 3

1 पत्रुस आ यूहन् ना प्रार्थनाक समय मे एक संग मन् दिर मे चलि गेलाह।
2 मायक कोखि सँ एकटा लंगड़ा आदमी केँ लऽ कऽ गेल छल, जकरा ओ सभ मन्दिर मे प्रवेश करय बला सभ सँ भिक्षा माँगबाक लेल नित्य मन्दिरक द्वार पर सुता दैत छल जे सुन्दर कहल जाइत अछि।
3 ओ पत्रुस आ यूहन् ना केँ मन् दिर मे जायबला देखि भिक्षा मंगलनि।
4 पत्रुस यूहन् नाक संग हुनका पर नजरि गड़ौने कहलथिन, "हमरा सभ केँ देखू।"
5 ओ हुनका सभ सँ किछु भेटबाक आशा मे हुनका सभक बात पर ध्यान देलनि।
6 तखन पत्रुस कहलथिन, "हमरा लग चानी आ सोना नहि अछि। मुदा जे हमरा लग अछि से हम अहाँ केँ दऽ दैत छी।
7 यीशु हुनकर दहिना हाथ पकड़ि कऽ ऊपर उठौलथिन, तखने हुनकर पएर आ टखने मे बल भेटि गेलनि।
8 ओ कूदि कऽ ठाढ़ भऽ गेलाह आ हुनका सभक संग मन् दिर मे प्रवेश कयलनि, चलैत-उछलि कऽ परमेश् वरक स्तुति करैत।
9 सभ लोक हुनका चलैत आ परमेश् वरक स्तुति करैत देखलक।
10 ओ सभ बुझि गेल जे मन्दिरक सुन्दर फाटक पर भिक्षाक लेल बैसल वैह छथि।
11 जखन ओ लंगड़ा ठीक भेल छल, पत्रुस आ यूहन् ना केँ पकड़ने छल, तखन सभ लोक बहुत आश्चर्यचकित भऽ कऽ सुलेमानक ओसारा मे दौड़ल गेल।

12 पत्रुस ई देखि लोक सभ केँ कहलथिन, "हे इस्राएलक लोक सभ, अहाँ सभ एहि बात पर किएक आश्चर्यचकित छी? वा अहाँ सभ हमरा सभ केँ एतेक गंभीरता सँ किएक देखैत छी जेना हम सभ अपन सामर्थ् य वा पवित्रता सँ एहि आदमी केँ चलय देलहुँ?
13 अब्राहम, इसहाक आ याकूबक परमेश् वर, जे हमरा सभक पूर्वजक परमेश् वर छथि, अपन पुत्र यीशुक महिमा कयलनि। अहाँ सभ ओकरा छोड़ि देलहुँ आ पिलातुसक समक्ष हुनका छोड़ि देबनि।
14 मुदा अहाँ सभ पवित्र आ धर्मी केँ अस्वीकार कयलहुँ आ चाहैत छलहुँ जे अहाँ सभ केँ एकटा हत्यारा देल जाय।
15 ओ जीवनक राजकुमार केँ मारि देलथिन, जकरा परमेश् वर मृत् यु मे सँ जिया देने छथि। जकर हम सभ गवाह छी।
16 हुनकर नाम पर विश् वासक कारणेँ हुनकर नाम एहि आदमी केँ मजगूत बना देलकनि, जकरा अहाँ सभ देखैत छी आ जनैत छी।
17 आब, भाइ लोकनि, हमरा बुझल अछि जे अहाँ सभ अज्ञानताक कारणेँ ई काज केलहुँ, जेना अहाँ सभक शासक सभ सेहो कयलनि।
18 मुदा जे बात परमेश् वर पहिने अपन सभ प्रवक् ता सभक मुँह सँ कहने छलाह जे मसीह केँ कष् ट भोगय पड़तनि से ओ पूरा कयलनि।
19 तेँ अहाँ सभ पश्चाताप करू आ धर्म परिवर्तन करू जाहि सँ अहाँ सभक पाप मेटाओल जाय, जखन प्रभुक सान्निध्य सँ आरामक समय आबि जायत।
20 ओ यीशु मसीह केँ पठौताह जे पहिने अहाँ सभ केँ प्रचार कयल गेल छल।
21 परमेश् वर संसारक प्रारम्भहि सँ अपन सभ पवित्र प्रवक् ता सभक मुँह सँ कहने छथि, ताबत धरि स् वर्ग केँ हुनका सभ केँ ग्रहण करबाक चाही।
22 मूसा पूर्वज सभ केँ सत् य कहने छलाह जे, "अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभक भाय सभ मे सँ हमरा सन एकटा प्रवक् ता ठाढ़ करताह। ओ जे किछु कहताह से अहाँ सभ हुनका सुनब।"
23 जे सभ प्रवक् ताक बात नहि सुनत, से लोक सभक बीच सँ नष्ट भऽ जायत।
24 हँ, शमूएल सँ आ ओकर बादक सभ प्रवक् ता सभ सेहो एहि दिन सभक बात कहने छथि।
25 अहाँ सभ प्रवक् ता सभक सन् तान छी आ ओहि वाचा सभक सन् तान छी जे परमेश् वर हमरा सभक पूर्वज सभक संग अब्राहम केँ कहलथिन, "अहाँक वंशज मे पृथ् वीक सभ जाति धन्य होयत।"
26 परमेश् वर अपन पुत्र यीशु केँ जीबि कऽ पहिने अहाँ सभ लग पठौलनि जे अहाँ सभ मे सँ एक-एक गोटे केँ अपन अपराध सँ दूर कऽ देलथिन।

अध्याय 4

1 जखन ओ सभ लोक सभ सँ गप्प करैत छलाह तखन पुरोहित सभ, मन् दिरक सेनापति आ सदुकी सभ हुनका सभ पर आबि गेलाह।
2 ओ सभ दुखी भेलाह जे ओ सभ लोक सभ केँ सिखबैत छलाह आ यीशुक द्वारा मृत् यु मे सँ जीबि उठबाक प्रचार कयलनि।
3 ओ सभ ओकरा सभ पर हाथ राखि कऽ दोसर दिन धरि ओकरा सभ केँ रोकि देलक।
4 मुदा वचन सुननिहार मे सँ बहुतो लोक विश् वास कयलनि। ओहि आदमी सभक संख्या करीब पाँच हजार छल।
5 दोसर दिन हुनका सभक शासक, बुजुर्ग आ शास्त्री सभ।
6 महापुरोहित हन्ना, कैफा, यूहन् ना, सिकन्दर आ महापुरोहितक परिजन सभ यरूशलेम मे जमा भ' गेल छलाह।
7 ओ सभ ओकरा सभ केँ बीच मे बैसा कऽ पुछलथिन, "अहाँ सभ कोन सामर्थ् य सँ वा कोन नाम सँ ई काज केलहुँ?"
8 तखन पत्रुस पवित्र आत् मा सँ भरल हुनका सभ केँ कहलथिन, "हे लोक सभक शासक आ इस्राएलक बूढ़ सभ।
9 जँ आइ हमरा सभ केँ ओहि नपुंसक संग कयल गेल नीक काजक परीक्षण कयल जाय तँ ओ कोन तरहेँ स्वस्थ भऽ गेल अछि।
10 अहाँ सभ आ इस्राएलक समस्त लोक केँ ई बुझल रहय जे नासरतक यीशु मसीहक नाम सँ, जिनका अहाँ सभ क्रूस पर चढ़ा देलहुँ, जिनका परमेश् वर मृत् यु मे सँ जिया देलनि, हुनका द्वारा ई आदमी एतय अहाँ सभक सोझाँ स्वस्थ अछि।
11 ई ओ पाथर अछि जे अहाँ सभ बनौनिहार सभ द्वारा किछु नहि कयल गेल छल, जे कोनक सिर बनि गेल अछि।
12 आ ने कोनो आन मे उद्धार नहि अछि, किएक तँ स् वर्गक नीचाँ मनुष् य मे कोनो आन नाम नहि देल गेल अछि जाहि सँ हमरा सभ केँ उद्धार भेटबाक चाही।
13 ओ सभ पत्रुस आ यूहन् नाक साहस देखि कऽ बुझि गेल जे ओ सभ अशिक्षित आ अज्ञानी लोक छथि, तखन ओ सभ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह। ओ सभ हुनका सभ केँ बुझि गेलाह जे ओ सभ यीशुक संग छथि।
14 ओ सभ ठीक भेल आदमी केँ हुनका सभक संग ठाढ़ देखि कऽ ओ सभ एहि बातक विरोध मे किछु नहि कहि सकलाह।
15 मुदा ओ सभ हुनका सभ केँ परिषद् सँ बाहर निकलबाक आज्ञा देलथिन।
16 ओ कहलथिन, "हमरा सभ एहि लोक सभक की करब?" कारण, यरूशलेम मे रहनिहार सभ लोक केँ ई स्पष्ट अछि जे हुनका सभक द्वारा एकटा उल्लेखनीय चमत्कार कयल गेल अछि। आ हम सभ एकरा नकारि नहि सकैत छी।
17 मुदा लोक मे ई बात आओर नहि पसरि जाय, ताहि लेल हम सभ ओकरा सभ केँ कड़ा धमकी दी जे आब सँ ओ सभ एहि नाम सँ ककरो सँ नहि बाजथि।
18 ओ सभ हुनका सभ केँ बजा कऽ हुनका सभ केँ आज्ञा देलथिन जे यीशुक नाम सँ एकदम नहि बाजथि आ ने सिखाउ।
19 पत्रुस आ यूहन् ना हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, "परमेश् वरक नजरि मे परमेश् वर सँ बेसी अहाँ सभक बात सुनब उचित अछि कि नहि, तँ अहाँ सभ न्याय करू।"
20 हम सभ जे देखलहुँ आ सुनलहुँ से नहि बाजि सकैत छी।
21 तखन ओ सभ ओकरा सभ केँ आरो धमकबैत ओकरा सभ केँ छोड़ि देलक, मुदा लोक सभक कारणेँ ओकरा सभ केँ कोनो तरहक सजाय नहि भेटलैक।
22 ओ आदमी चालीस वर्ष सँ बेसी उम्रक छल, जकरा पर ई चमत्कार कयल गेल छल।
23 छोड़ि कऽ ओ सभ अपन-अपन दल मे जा कऽ मुख् यपुरोहित सभ आ बूढ़-पुरान सभ द्वारा कहल गेल सभ बातक सूचना देलथिन।
24 ई बात सुनि ओ सभ एक मोन मे परमेश् वर दिस आवाज उठा कऽ कहलथिन, "प्रभु, अहाँ परमेश् वर छी जे स् वर्ग, पृथ् वी, समुद्र आ ओहि मे जे किछु अछि, तकरा बनौने छी।

25 ओ अहाँक सेवक दाऊदक मुँह सँ कहलथिन जे, “जाति-जाति सभ किएक क्रोधित भेल आ लोक सभ व्यर्थक कल्पना किएक कयलक?”
26 पृथ् वीक राजा सभ ठाढ़ भऽ गेलाह आ शासक सभ प्रभु आ हुनकर मसीहक विरुद्ध एक ठाम जमा भऽ गेलाह।
27 सच मे अहाँक पवित्र सन्तान यीशुक विरुद्ध, जकरा अहाँ अभिषेक केने छी, हेरोदेस आ पोन्टियुस पिलातुस, गैर-यहूदी आ इस्राएलक लोक सभ एक ठाम जमा भऽ गेल छलाह।
28 किएक तँ जे किछु अहाँक हाथ आ अहाँक सलाह पहिने निर्धारित कएने छल, से पूरा करबाक लेल।
29 आब हे प्रभु, हुनका सभक धमकैत देखू, आ अपन सेवक सभ कैँ ई अनुमति दऽ दियौक जे ओ सभ निर्भीकता सँ अहाँक वचन बाजथि।
30 ठीक करबाक लेल अपन हाथ पसारि कऽ। आ अहाँक पवित्र संतान यीशुक नाम सँ चिन् त्र आ चमत् कार कयल जाय।
31 ओ सभ प्रार्थना कऽ कऽ ओ जगह हिल गेल। ओ सभ पवित्र आत् मा सँ भरि गेल छलाह आ परमेश् वरक वचन निर्भीकता सँ बजैत छलाह।
32 विश् वास करनिहार सभक भीड़ एक हृदय आ एक प्राणी छल। मुदा दुनूक सभटा बात समान छल।
33 प्रेरित सभ बहुत सामर्थ् य सँ प्रभु यीशुक पुनरुत्थानक गवाही देलनि।
34 ओ सभ मे सँ कियो कमी नहि छल, किएक तँ जे सभ जमीन वा घरक मालिक छल, से सभ ओकरा बेचि कऽ बेचल गेल वस्तुक दाम अनैत छल।
35 ओ सभ ओकरा सभ कैँ प्रेरित सभक पएर लग राखि देलथिन।
36 योसेस, जे प्रेरित सभक द्वारा बरनबास नाम देल गेल छल, जे लेवी आ साइप्रस देशक छल।
37 जमीन छलनि ओ बेचि कऽ ओ पाइ आनि कऽ प्रेरित सभक पएर मे राखि देलनि।

अध्याय 5

1 मुदा अननिया नामक एक आदमी अपन पत्नी सफीराक संग अपन सम्पत्ति बेचि देलक।
2 ओ दाम मे सँ किछु भाग कैँ राखि कऽ हुनकर पत्नी कैँ सेहो जानकारी छलनि।
3 पत्रुस कहलथिन, “अननियाह, पवित्र आत् मा सँ झूठ बाजबाक लेल शैतान अहाँक मोन कैँ किएक भरि देलक आ देशक दाम मे सँ किछु भाग कैँ रोकि लेलक?”
4 जाबत धरि ओ रहल छल, की ओ अहाँक अपन नहि छल? बेचलाक बाद की ई अहाँक अपन अधिकार मे नहि छल? अहाँ अपन मोन मे ई बात किएक गर्भ मे रखने छी? अहाँ मनुष् यक संग नहि, बल् कि परमेश् वर सँ झूठ बाजल छी।
5 अननिया ई बात सुनि कऽ खसि पड़लाह आ प्राण छोड़ि देलनि।
6 युवक सभ उठि कऽ ओकरा घायल कऽ कऽ बाहर लऽ कऽ गाड़ि देलक।
7 लगभग तीन घंटाक बाद हुनकर पत्नी कैँ ई नहि बुझल छलनि जे की भेल छलनि।
8 पत्रुस हुनका उत्तर देलथिन, “हमरा कहू जे अहाँ सभ ओहि जमीन कैँ एतेक दाम मे बेचि देलहुँ?” ओ बजलीह, “हँ, एतेक बातक लेल।”
9 तखन पत्रुस हुनका पुछलथिन, “अहाँ सभ प्रभुक आत् मा कैँ परीक्षा देबाक लेल कोना सहमत भेलहुँ?” देखू, अहाँक पतिक गाड़ि देनिहार सभक पएर दरबज्जा पर अछि आ अहाँ कैँ बाहर लऽ जायत।”
10 तखन ओ तुरन्त हुनकर पएर पर खसि पड़लीह आ भूत कैँ छोड़ि देलनि, तखन युवक सभ भीतर आबि हुनका मृत पाबि गेलाह आ हुनका लऽ कऽ हुनका पतिक लग गाड़ि देलनि।
11 सभ मण् डलीक लोक आ ई सभ बात सुननिहार सभ कैँ बहुत भय भऽ गेल।
12 प्रेरित सभक हाथ सँ लोक सभक बीच बहुत रास चिन् त्र आ चमत् कार कयल गेल। (आओर सभ गोटे एक-मने सुलेमानक ओसारा मे छलाह।”
13 बाँकी सभ मे सँ केओ ओकरा सभक संग जुड़बाक साहस नहि केलक, मुदा लोक सभ ओकरा सभक आदर-सत्कार कयलक।
14 विश् वासी सभ प्रभुक प्रति बेसी बढ़ि गेलाह, स्त्री-पुरुषक भीड़।”
15 ओ सभ बीमार सभ कैँ सड़क पर लऽ कऽ ओछाओन आ पलंग पर सुता देलक जे कम सँ कम ओहि ठाम सँ गुजरैत पत्रुसक छाया हुनका सभ मे सँ किछु गोटे कैँ छाँकि सकय।
16 यरूशलेमक चारू कातक नगर सभ सँ भीड़ आबि कऽ बीमार लोक सभ आ अशुद्ध आत् मा सँ त्रस्त लोक सभ कैँ अनलक।
17 तखन महापुरोहित आ हुनकर संग रहनिहार सभ लोक सभ उठि कऽ आक्रोशित भऽ गेलाह।
18 ओ सभ प्रेरित सभ पर हाथ राखि कऽ हुनका सभ कैँ सार्वभौमिक जेल मे राखि देलथिन।
19 परमेश् वरक स् वर्गदूत राति मे जेलक दरबज्जा खोलि कऽ ओकरा सभ कैँ बाहर निकालि कऽ कहलथिन।
20 जाउ, मन् दिर मे ठाढ़ भऽ कऽ लोक सभ कैँ एहि जीवनक सभटा वचन बाजू।
21 ई बात सुनि ओ सभ भोरे-भोर मन् दिर मे प्रवेश कऽ कऽ शिक्षा देबऽ लगलाह। मुदा महापुरोहित आ हुनका संग रहनिहार सभ आबि कऽ परिषद् आ इस्राएलक समस्त मंडली कैँ बजा कऽ जेल मे पठा देलथिन जे हुनका सभ कैँ आनय।
22 मुदा जखन अधिकारी सभ आबि कऽ जेल मे हुनका सभ कैँ नहि भेटलनि तँ ओ सभ घुरि कऽ कहलथिन।
23 ओ कहलथिन, “जेल मे हमरा सभ कैँ सत्ते सुरक्षित रूप सँ बन्द भऽ गेल, आ पहरेदार सभ बाहर दरबज्जा सभक सोझाँ ठाढ़ भऽ गेल।
24 जखन महापुरोहित आ मन् दिरक सेनापति आ मुख् यपुरोहित सभ ई बात सुनि कऽ हुनका सभ कैँ शंका भेलनि जे ई बात कोन तरहेँ बढ़ि जायत।
25 तखन एक गोटे आबि कऽ हुनका सभ कैँ कहलथिन, “देखू, जे लोक सभ कैँ अहाँ सभ जेल मे राखि देलहुँ, से सभ मन् दिर मे ठाढ़ भऽ लोक सभ कैँ शिक्षा दऽ रहल छथि।”
26 तखन सेनापति अफसर सभक संग जा कऽ ओकरा सभ कैँ बिना कोनो हिंसा कैँ अनलक।
27 ओ सभ ओकरा सभ कैँ आनि कऽ परिषद्क समक्ष राखि देलक।
28 ओ कहलथिन, “की हम सभ अहाँ सभ कैँ कड़ा आज्ञा नहि देलियैक जे अहाँ सभ एहि नाम सँ शिक्षा नहि दियौक?” देखू,

अहाँ सभ यरूशलेम केँ अपन शिक्षा सँ भरि देलहुँ आ एहि आदमीक खून हमरा सभ पर अनबाक इरादा रखैत छी।
29 तखन पत्रुस आ आन प्रेरित सभ उत्तर देलथिन, "हमरा सभ केँ मनुष् य सँ बेसी परमेश् वरक आज्ञा मानबाक चाही।"
30 हमरा सभक पूर्वज सभक परमेश् वर यीशु केँ जीबि उठौलनि, जकरा अहाँ सभ मारि कऽ गाछ पर लटका देलहुँ।
31 परमेश् वर हुनका अपन दहिना हाथ सँ एकटा राजकुमार आ उद्धारकर्ता बनि कऽ ऊपर उठौलनि, जाहि सँ ओ इस्राएल केँ पश्चाताप करथि आ पापक क्षमा करथि।
32 हम सभ हुनकर गवाह छी। आ पवित्र आत् मा सेहो, जिनका परमेश् वर हुनकर आज्ञा माननिहार सभ केँ देने छथि।
33 ई बात सुनि कऽ ओ सभ मोन मे खिसिया गेलाह आ ओकरा सभ केँ मारि देबाक लेल विश् वास कयलनि।
34 तखन परिषद् मे एकटा फरीसी गमलीएल नामक एकटा फरीसी ठाढ़ भऽ गेलाह, जे सभ लोकक बीच प्रतिष्ठित छलाह।
35 ओ सभ हुनका सभ केँ कहलथिन, "हे इस्राएलक लोक सभ, अहाँ सभ एहि लोक सभक संबंध मे की करय चाहैत छी, से अपना केँ सावधान रहू।"
36 एहि दिन सभ सँ पहिने थ्यूदास उठि कऽ अपना केँ कियोक रूप मे घमंड करैत उठलाह। हुनका सभक संग करीब चारि सय लोक सभ मिलि गेलाह। जे सभ हुनकर आज्ञा मानैत छल, सभ तितर-बितर भऽ गेल आ अन्त्य भऽ गेल।
37 एकर बाद करक समय मे गलीलक यहूदा उठलाह आ बहुत लोक केँ हुनका पाछाँ खींच लेलनि। आ सभ, जे सभ हुनकर आज्ञा मानैत छल, तितर-बितर भ' गेल।
38 आब हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, एहि लोक सभ सँ परहेज करू आ ओकरा सभ केँ छोड़ि दियौक।
39 मुदा जँ ई परमेश् वरक अछि तँ अहाँ सभ ओकरा उखाड़ि नहि सकैत छी। कहीं अहाँ सभ परमेश् वरक संग लड़य मे सेहो नहि भेटि जायब।"
40 ओ सभ हुनका सँ सहमत भऽ गेलाह।
41 ओ सभ विश्वासक समक्ष सँ हर्षित भऽ गेलाह जे हुनका सभ केँ हुनकर नामक कारणेँ लज्जित करबाक योग्य मानल गेलनि।
42 ओ सभ दिन मन् दिर मे आ घर-घर मे यीशु मसीहक शिक्षा आ प्रचार करब नहि छोड़ैत छलाह।

अध्याय 6

1 ओहि समय मे जखन शिष् य सभक संख्या बढ़ि गेल तँ यूनानी सभ इब्रानी सभक विरुद्ध गुनगुनाहटि उठल, कारण ओकर सभक विधवा सभ नित्य सेवा मे उपेक्षा कयल गेल छल।
2 तखन बारह गोटे शिष् य सभक भीड़ केँ बजा कऽ कहलथिन, "ई कोनो कारण नहि जे हम सभ परमेश् वरक वचन छोड़ि कऽ टेबुल परोसब।"
3 तेँ यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ अपना सभक बीच पवित्र आत् मा आ बुद्धि सँ भरल सातटा लोक केँ देखू, जिनका हम सभ एहि काज मे नियुक्ति कऽ सकैत छी।
4 मुदा हम सभ सदिखन प्रार्थना आ वचनक सेवा मे अपना केँ समर्पित करब।
5 ओ सभ ई बात सभ लोक केँ नीक लागल आ ओ सभ विश् वास आ पवित्र आत् मा सँ भरल स्टीफन केँ चुनलनि, फिलिपुस, प्रोकोरस, निकानोर, तिमोन, परमेनास आ निकोलस जे अन्ताकियाक धर्म परिवर्तन कयलनि।
6 ओ सभ हुनका सभ केँ प्रेरित सभक समक्ष राखि देलथिन।
7 परमेश् वरक वचन बढ़ैत गेल। यरूशलेम मे शिष् य सभक संख्या बहुत बढ़ि गेल। आ पुरोहित सभक एकटा पैघ दल विश् वासक आज्ञाकारी छल।
8 विश् वास आ सामर्थ् य सँ भरल स्टीफन लोक सभक बीच बहुत पैघ आश्चर्य आ चमत् कार कयलनि।
9 तखन किछु लोक सभाघर, जकरा मुक्तिनी सभक सभाघर कहल जाइत अछि, कुरेनियाक लोक, सिकन्दरियाक लोक आ किलिसिया आ एशियाक लोक सभ मे सँ किछु लोक उठि कऽ स्टीफन सँ विवाद कयलनि।
10 ओ सभ ओहि बुद्धि आ आत् माक विरोध नहि कऽ सकलाह जाहि सँ ओ बजैत छलाह।
11 तखन ओ सभ लोक सभ केँ डाँटि देलकनि जे, "हम सभ हुनका मूसा आ परमेश् वरक विरुद्ध निन्दा बजैत सुनने छी।"
12 ओ सभ लोक सभ, बूढ़-पुरान सभ आ शास्त्री सभ केँ भड़का देलक आ हुनका पर आबि कऽ हुनका पकड़ि कऽ परिषद् मे लऽ गेलनि।
13 ओ झूठ गवाह सभ केँ ठाढ़ कऽ कऽ कहलक जे, "ई आदमी एहि पवित्र स्थान आ धर्म-नियमक विरुद्ध निन्दा करब नहि छोड़ैत अछि।
"
15 परिषद् मे बैसल सभ लोक हुनका दिस तकैत हुनका दिस तकलनि।

अध्याय 7

1 तखन महापुरोहित पुछलथिन, "की ई सभ बात एहन अछि?"
2 ओ कहलथिन, "हे भाय सभ, आ बाप-बाप सभ, सुनू। महिमा के परमेश् वर हमरा सभक पूर्वज अब्राहम मेसोपोटामिया मे रहलाह, तखन ओ चरन मे रहबा सँ पहिने प्रगट भेलाह।
3 ओ हुनका कहलथिन, "अहाँ अपन देश आ अपन परिजन सँ बाहर निकलि जाउ, जाहि देश मे हम अहाँ केँ देखा देब।"
4 तखन ओ कल्दीक देश सँ निकलि कऽ चरन मे रहि गेलाह आ ओतऽ सँ जखन हुनकर पिता मरि गेलाह तखन हुनका एहि देश मे ल' गेलाह, जाहि मे अहाँ सभ एखन रहैत छी।
5 ओ ओकरा ओहि मे कोनो उत्तराधिकार नहि देलथिन, एतेक तक जे ओ अपन पैर राखि सकैत छलाह, मुदा ओ वचन देलथिन जे ओ ओकरा सम्पत्तिक रूप मे आ ओकर बादक वंशज केँ देबनि, जखन कि हुनका एखन धरि कोनो संतान नहि छलनि .
6 परमेश् वर एहि तरहेँ कहलथिन, "ओकर वंशज परदेश मे रहय। ओ सभ चारि सय वर्ष धरि ओकरा सभ केँ गुलाम बना कऽ ओकरा सभ सँ बुराई करथि।
7 परमेश् वर कहलनि जे, जकरा ओ सभ दास बनत, तकरा हम न्याय करब।
8 ओ हुनका खतनाक वाचा देलथिन, आ अब्राहम इसहाकक जन्म देलनि आ आठम दिन हुनकर खतना कयलनि। इसहाकक जन्म याकूब भेलनि। आ याकूब बारह टा कुलपतिक जन्म देलनि।
9 कुलपति सभ ईर्ष्या कऽ कऽ यूसुफ केँ मिस्र देश मे बेचि देलथिन, मुदा परमेश् वर हुनका संग छलाह।
10 ओ हुनका अपन सभ दुख सँ मुक्त कऽ देलथिन आ मिस्रक राजा फिरौनक समक्ष हुनका अनुग्रह आ बुद्धि देलनि। ओ ओकरा मिस्र आ ओकर समस्त घरक राज्यपाल बना देलक।
11 पूरा मिस्र आ कनान देश मे कमी आ बहुत कष्ट आबि गेल।

12 मुदा जखन याकूब सुनलनि जे मिस्र मे धान्य अछि, तखन ओ
पहिने हमरा सभक पूर्वज कैँ पठा देलनि।
13 दोसर बेर यूसुफ कैँ अपन भाय सभ कैँ ज्ञात कयल गेलनि।
यूसुफक परिजन कैँ फिरौन कैँ बताओल गेलनि।
14 तखन यूसुफ कैँ पठौलनि जे ओ अपन पिता याकूब आ ओकर
सभ परिजन कैँ अपना लग बजौलनि।
15 तखन याकूब मिस्र देश जा कऽ ओ आ हमरा सभक पूर्वज
सभ मरि गेलाह।
16 ओ सभ सिकेम मे लऽ जा कऽ ओहि कब्र मे राखि देल गेल जे
अब्राहम सिकेमक पिता एम्मोरक पुत्र सभ सँ पाइ मे कीनने
छलाह।
17 मुदा जखन परमेश् वर अब्राहमक प्रतिज्ञाक समय लग आबि
गेल तँ मिस्र मे लोक सभ बढ़ि गेल आ बढ़ि गेल।
18 जाबत धरि दोसर राजा नहि उठलाह जे यूसुफ कैँ नहि चिन्हैत
छल।
19 ओ हमरा सभक परिजन सभक संग छल-प्रपंच करैत छल आ
हमरा सभक पूर्वज सभ सँ अधलाह विनती करैत छल जे ओ सभ
अपन छोट-छोट बच्चा सभ कैँ बाहर निकालि देलक जाहि सँ ओ
सभ जीवित नहि रहय।
20 ओहि समय मे मूसाक जन्म भेलनि आ ओ बहुत सुन्दर छलाह
आ तीन मास धरि अपन पिताक घर मे पोसलाह।
21 जखन हुनका बाहर निकालल गेलनि तखन फिरौनक बेटी
हुनका लऽ कऽ अपन बेटाक लेल पोसलीह।
22 मूसा मिस्रक सभ बुद्धि मे विद्वान छलाह आ बात आ काज मे
पराक्रमी छलाह।
23 जखन ओ चालीस वर्षक भऽ गेलाह तखन हुनका मोन मे
आबि गेलनि जे ओ अपन भाय इस्राएलक सन् तान सभ सँ भेंट
करथि।
24 हुनका सभ मे सँ एक गोटे कैँ दुष् ट कष्ट होइत देखि ओ
हुनकर बचाव कयलनि आ दबलल लोकक बदला लेलनि आ
मिस्रवासी कैँ मारि देलनि।
25 किएक तँ ओ सोचैत छलाह जे हुनकर भाय सभ ई बुझि
लेताह जे परमेश् वर हुनका सभ कैँ कोना उद्धार करैत छथि।
26 दोसर दिन ओ हुनका सभ कैँ झगड़ा करैत अपना कैँ देखा
देलथिन आ हुनका सभ कैँ फेर सँ एक भ' क' कहय चाहैत
छलाह जे, "हे मालिक, अहाँ सभ भाइ सभ छी। अहाँ सभ एक
दोसरा पर किएक अन्याय करैत छी?
27 मुदा जे अपन पड़ोसी पर अधलाह केने छल, ओकरा भगा
देलक आ कहलक जे, "अहाँ कैँ हमरा सभक पर शासक आ
न्यायाधीश के बनौलक?"
28 की अहाँ हमरा मारि देब जेना काल्हि मिस्रवासी कैँ मारने रही?
29 एहि बात सुनि मूसा भागि गेलाह आ मदीन देश मे परदेशी
भऽ गेलाह, जतय हुनका दू टा बेटा भेलनि।
30 चालीस वर्ष बीतला पर सीना पर्वतक जंगल मे प्रभुक एकटा
स् वर्गदूत झाड़ी मे आगि मे आगि मे दर्शन कयलनि।
31 मूसा ई देखि कऽ ई देखि आश्चर्यचकित भऽ गेलाह।
32 ओ कहलनि, "हम अहाँक पूर्वज सभक परमेश् वर छी,
अब्राहमक परमेश् वर, इसहाक आ याकूबक परमेश् वर छी।"
तखन मूसा काँपि उठलाह, मुदा देखबाक हिम्मत नहि भेलनि।
33 तखन परमेश् वर हुनका कहलथिन, "अपन पएर सँ जूता
उतारू, किएक तँ अहाँ जतऽ ठाढ़ छी से पवित्र भूमि अछि।"
34 हम देखलहुँ आ देखलहुँ जे मिस्र मे अपन प्रजाक कष्ट कैँ
देखलहुँ आ हुनका सभक कुहरब सुनलहुँ आ ओकरा सभ कैँ
उद्धार करबाक लेल उतरलहुँ। आब आउ, हम अहाँ कैँ मिस्र देश
पठा देब।"
35 एहि मूसा कैँ ओ सभ अस्वीकार कऽ कऽ कहलथिन, "अहाँ
कैँ के शासक आ न्यायाधीश बनौलनि?" वएह परमेश् वर झाड़ी मे
प्रकट भेल स् वर्गदूतक हाथ सँ शासक आ उद्धारकर्ता बनय लेल
पठौलनि।
36 ओ ओकरा सभ कैँ बाहर अनलनि, जखन ओ मिस्र देश मे,
लाल सागर मे आ निर्जन मे चालीस वर्ष धरि चमत्कार आ चिन् त्र
सभ कैँ देखौलनि।
37 ई ओ मूसा छथि जे इस्राएलक सन् तान सभ कैँ कहलथिन,
"अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ सभक भाय सभ मे सँ हमरा सन
एकटा प्रवक् ता ठाढ़ करताह। हुनका सुनब।
38 ई ओ छथि जे मण् डली मे सीना पहाड़ पर हुनका सँ गप्प
करनिहार स् वर्गदूत आ हमरा सभक पूर्वज सभक संग छलाह।
39 हमरा सभक पूर्वज हुनका सभक आज्ञा नहि मानैत छलाह,
बल् कि हुनका सभ कैँ भगा देलथिन आ हुनका सभक मोन मे
फेर मिस्र दिस घुरि गेलाह।
40 हारून कैँ कहलथिन, "हमरा सभ कैँ आगू बढ़बाक लेल
देवता बनाउ।
41 ओहि समय मे ओ सभ एकटा बछड़ा बनौलनि आ मूर्ति कैँ
बलि चढ़बैत छलाह आ अपन हाथक काज मे आनन्दित होइत
छलाह।
42 तखन परमेश् वर घुमि कऽ स् वर्गक सेनाक आराधना
करबाक लेल हुनका सभ कैँ छोड़ि देलनि। जेना भविष्यवक्ता
सभक पुस्तक मे लिखल अछि, "हे इस्राएलक घराना, की अहाँ
सभ हमरा लेल जंगल मे चालीस वर्षक समय मे मारल गेल पशु
आ बलि चढ़ा देलहुँ?"
43 हँ, अहाँ सभ मोलोकक तम्बू आ अपन देवता रेम्फानक तारा
कैँ लऽ गेलहुँ जे अहाँ सभ ओकरा सभक आराधना करबाक लेल
बनौने रही।
44 हमरा सभक पूर्वज सभ जंगल मे गवाही देबाक तम्बू कैँ
ओहिना रखने छलाह, जेना ओ मूसा सँ बजैत छलाह जे ओ देखने
छलाह, ओहिना बनाबथि।
45 हमरा सभक पूर्वज सभ सेहो यीशु कैँ संग गैर-यहूदी सभक
अधिकार मे अनलनि, जिनका परमेश् वर हमरा सभक पूर्वज
सभक सामने भगा देलनि, दाऊदक समय धरि।
46 ओ परमेश् वरक समक्ष अनुग्रह पाबि याकूबक परमेश् वरक
लेल एकटा तम् बू ताकय चाहैत छलाह।
47 मुदा सुलेमान हुनका लेल घर बनौलनि।
48 मुदा परमेश् वर हाथ सँ बनल मन् दिर मे नहि रहैत छथि।
जेना भविष्यवक्ता कहैत छथि।
49 स् वर्ग हमर सिंहासन अछि आ धरती हमर पैरक आधार
अछि। प्रभु कहैत छथिन, वा हमर विश्रामक स्थान की अछि?
50 की हमर हाथ ई सभ बात नहि बनौने अछि?
51 अहाँ सभ कठोर गर्दन आ कान मे खतना नहि कयल, अहाँ
सभ सदिखन पवित्र आत् माक विरोध करैत छी।
52 अहाँ सभक पूर्वज मे सँ कोन प्रवक् ता कैँ नहि सताओल गेल
अछि? ओ सभ ओहि सभ कैँ मारि देलक जे पहिने सँ धर्मी परमेश्
वरक आगमनक सूचना दैत छल। अहाँ सभ आब हुनका सभक
धोखा देबयवला आ हत्यारा बनि गेल छी।
53 ओ सभ स् वर्गदूत सभक स् थान मे धर्म-नियम ग्रहण कयलनि
आ ओकर पालन नहि कयलनि।
"

55 मुदा ओ पवित्र आत् मा सँ भरल भऽ कऽ स् वर्ग दिस तकलनि आ परमेश् वरक महिमा आ यीशु केँ परमेश् वरक दहिना कात ठाढ़ देखलनि।
56 ओ कहलथिन, "देखू, हम आकाश खुजल देखैत छी आ मनुष् य-पुत्र परमेश् वरक दहिना कात ठाढ़ अछि।"
57 तखन ओ सभ जोर-जोर सँ चिचिया उठल आ कान रोकि कऽ एक मोन सँ हुनका पर दौड़ल।
58 ओ ओकरा नगर सँ बाहर फेकि देलक आ पाथर मारि देलक।
59 ओ सभ स्टीफन केँ पाथर मारि कऽ परमेश् वर केँ पुकारैत कहलथिन, "प्रभु यीशु, हमर आत् मा ग्रहण करू।"
60 ओ ठेहुन टेकैत जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह, "प्रभु, एहि पाप केँ हुनका सभक जिम्मा नहि दियौक।" ई कहि कऽ ओ सुति गेलाह।

अध्याय 8

1 साउल अपन मृत्युक लेल सहमति दऽ रहल छलाह। ओहि समय मे यरूशलेम मे मण् डली पर बहुत प्रताड़ना भेल। ओ सभ प्रेरित सभ केँ छोड़ि यहूदिया आ सामरिया प्रदेश मे छिड़िया गेल छल।
2 धर्मपरायण लोक सभ स्टीफन केँ दफनाबऽ लेल लऽ गेलाह आ हुनका पर बहुत विलाप कयलनि।
3 साउलक विषय मे ओ मण् डली केँ विनाश कयलनि, घर-घर मे घुसि कऽ स्त्री-पुरुष केँ मारि कऽ जेल मे राखि देलनि।
4 एहि लेल जे सभ तितर-बितर भऽ गेल छल, सभ ओतहु सभ वचनक प्रचार करैत गेलाह।
5 तखन फिलिपुस सामरिया नगर मे जा कऽ हुनका सभ केँ मसीहक प्रचार कयलनि।
6 फिलिपुसक चमत्कार सुनि आ देखि लोक सभ एक-मने ओहि बात सभ पर ध्यान देलक।
7 किएक तँ बहुतो लोक सभ मे सँ अशुद्ध आत् मा सभ जोर-जोर सँ चिचियाइत छल।
8 ओहि नगर मे बहुत आनन्द भेल।
9 मुदा सिमोन नामक एक आदमी छल, जे पहिने ओही नगर मे जादू-टोना करैत छल आ सामरियाक लोक सभ केँ जादू-टोना करैत छल आ अपना केँ कोनो पैघ मानैत छल।
10 ओ सभ छोट-छोट सँ पैघ-पैघ धरि हुनका सभक बात मानैत रहलाह जे, "ई आदमी परमेश् वरक महान सामर्थ् य छथि।"
11 ओ सभ हुनका सभक प्रति आदर करैत छलाह, किएक तँ ओ बहुत दिन सँ हुनका सभ केँ जादू-टोना करैत छलनि।
12 मुदा जखन ओ सभ फिलिप्पुस परमेश् वरक राज् य आ यीशु मसीहक नामक विषय मे प्रचार करैत विश् वास कयलनि, तखन ओ सभ स्त्री-पुरुष बपतिस् मा लेलनि।
13 तखन सिमोन स्वयं सेहो विश् वास कयलनि आ बपतिस् मा लेला पर ओ फिलिपुसक संग रहि गेलाह।
14 जखन यरूशलेम मे रहनिहार प्रेरित सभ सुनलनि जे सामरिया परमेश् वरक वचन ग्रहण कऽ लेने अछि, तखन ओ सभ पत्रुस आ यूहन् ना हुनका सभ लग पठौलनि।
15 ओ सभ उतरि कऽ हुनका सभक लेल प्रार्थना कयलनि जाहि सँ ओ सभ पवित्र आत् मा ग्रहण करथि।
16 (किएक तँ एखन धरि ओ हुनका सभ मे सँ किनको पर नहि खसल छल।"
17 तखन ओ सभ हुनका सभ पर हाथ राखि पवित्र आत् मा ग्रहण कयलनि।
18 जखन सिमोन देखलनि जे प्रेरित सभक हाथ राखि कऽ पवित्र आत् मा हुनका सभ केँ पाइ चढ़ा देलनि।
19 ओ कहलनि, "हमरा ई सामर्थ्य सेहो दिअ, जाहि सँ हम जकरा पर हाथ राखब, ओ पवित्र आत् मा पाबि सकय।"
20 पत्रुस ओकरा कहलथिन, "तोहर पाइ तोहर संग नष्ट भऽ जाउ, किएक तँ अहाँ सोचने छी जे परमेश् वरक वरदान पाइ सँ कीनल जा सकैत अछि।"
21 एहि विषय मे अहाँक ने भाग अछि आ ने भाग्य, किएक तँ परमेश् वरक नजरि मे अहाँक मोन ठीक नहि अछि।
22 तँ अपन एहि दुष्कर्म सँ पश्चाताप करू आ परमेश् वर सँ प्रार्थना करू, जँ अहाँक हृदयक विचार क्षमा भऽ जाय।"
23 हम बुझैत छी जे अहाँ कटुताक पित्त आ अधर्मक बंधन मे छी।
24 तखन सिमोन उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ हमरा लेल प्रभु सँ प्रार्थना करू जे अहाँ सभ जे कहलहुँ ताहि मे सँ कोनो बात हमरा पर नहि आबि जाय।"
25 ओ सभ गवाही दऽ कऽ प्रभुक वचन सुनौलनि आ यरूशलेम घुरि कऽ सामरी लोकक बहुतो गाम मे सुसमाचार प्रचार कयलनि।
26 परमेश् वरक स् वर्गदूत फिलिपुस केँ कहलथिन, "उठू आ दक्षिण दिस ओहि बाट पर जाउ जे यरूशलेम सँ गाजा धरि जाइत अछि, जे मरुभूमि अछि।"
27 ओ उठि कऽ चलि गेलाह, इथियोपियाक एकटा इथियोपियाक एकटा नपुंसक, जे इथियोपियाक रानी कन्दासीक अधीन छल, जे अपन सभटा धनक प्रभारी छल आ आराधना करबाक लेल यरूशलेम आयल छल।
28 ओ घुरि कऽ अपन रथ मे बैसल यशायाह प्रवक् ता केँ पढ़लनि।
29 तखन आत् मा फिलिपुस केँ कहलथिन, "आप जाउ आ एहि रथ मे जुड़।"
30 फिलिपुस हुनका लग दौड़ल गेलाह आ हुनका यशायाह भविष्यवक्ता केँ पढ़ैत सुनलनि आ कहलथिन, "की अहाँ जे पढ़ैत छी से बुझैत छी?"
31 ओ पुछलथिन, "हम कोना कऽ सकब, जाबत धरि केओ हमरा मार्गदर्शन नहि करत?" ओ फिलिपुसक इच्छा केलनि जे ओ ऊपर आबि हुनका संग बैसथि।
32 ओ धर्मशास् त्रक स् थान ई छल, "ओ भेँड़ा जकाँ वधक लेल लऽ गेलाह। ओ अपन कातरनिहारक सामने गूंग मेमना जकाँ मुँह नहि खोललक।
33 अपमानित भेला पर हुनकर न् याय हटि गेलनि। किएक तँ ओकर प्राण पृथ् वीसँ हटि गेल अछि।
34 ओ नपुंसक फिलिपुस केँ उत्तर देलथिन, "प्रार्थना अछि, भविष्यवक्ता ई बात केकर कहैत छथि?" अपन, आकि कोनो आन आदमीक?
35 तखन फिलिपुस अपन मुँह खोलि कऽ ओही धर्मशास् त्र सँ शुरू कयलनि आ हुनका यीशुक प्रचार कयलनि।
36 जखन ओ सभ जाइत काल एकटा पानि लग पहुँचलाह, तखन ओ नपुंसक कहलथिन, "देखू, एतय पानि अछि। हमरा बपतिस् मा लेबय मे की बाधा उत्पन्न करैत अछि?

37 फिलिपुस कहलथिन, “जँ अहाँ सभ मोन सँ विश् वास करैत छी तँ अहाँ विश् वास कऽ सकैत छी।” ओ उत्तर देलथिन, “हमरा विश्वास अछि जे यीशु मसीह परमेश् वरक पुत्र छथि।”
38 ओ रथ कैँ ठाढ़ रहबाक आज्ञा देलथिन, तखन ओ सभ फिलिप आ नपुंसक दुनू गोटे पानि मे उतरि गेलाह। ओ हुनका बपतिस् मा देलथिन।
39 जखन ओ सभ पानि सँ बाहर निकललाह तँ परमेश् वरक आत् मा फिलिप्प कैँ लऽ गेलाह, जाहि सँ ओ नपुंसक हुनका फेर नहि देखि सकलाह।
40 फिलिपुस अजोत मे भेटलाह, ओ सभ नगर मे जाबत कैसरिया नहि पहुँचलाह ताबत धरि प्रचार करैत रहलाह।

अध्याय 9

1 शाऊल परमेश् वरक शिष् य सभक विरुद्ध धमकैत आ वध करैत महापुरोहितक लग गेलाह।
2 ओ हुनका सँ दमिश्क कैँ सभाघर सभ मे चिट्ठी मँगैत छलाह जे जँ हुनका एहि बाट मे सँ कोनो बात भेटि जाय, चाहे ओ पुरुष होथि वा स्त्री, तखन ओ ओकरा सभ कैँ बान्हल-बन्हल यरूशलेम लऽ जाथि।
3 यात्रा करैत काल ओ दमिश्क लग पहुँचलाह आ अचानक हुनका चारू कात स्वर्ग सँ इजोत चमकि गेलनि।
4 ओ धरती पर खसि पड़लाह आ एकटा आवाज सुनलनि जे, “ साउल, साउल, अहाँ हमरा किएक सताबैत छी?”
5 ओ पुछलथिन, “हे प्रभु, अहाँ के छी?” प्रभु कहलथिन, “ हम यीशु छी जकरा अहाँ सताबैत छी।”
6 ओ काँपि कऽ चकित भऽ कऽ कहलथिन, “प्रभु, अहाँ हमरा सँ की करऽ चाहैत छी?” प्रभु हुनका कहलथिन, “ उठि कऽ नगर मे जाउ, तखन अहाँ कैँ कहल जायत जे अहाँ कैँ की करबाक चाही।”
7 हुनका संग यात्रा करऽ वला लोक सभ कोनो आवाज सुनैत, मुदा ककरो नहि देखि कऽ बेजुबान ठाढ़ भऽ गेलाह।
8 साउल पृथ् वी पर सँ उठि गेलाह। जखन हुनकर आँखि खुजि गेलनि तँ ओ ककरो नहि देखलनि, मुदा ओ सभ हुनका हाथ पकड़ि कऽ दमिश्क लऽ गेलनि।
9 तीन दिन धरि ओ दृष्टिहीन रहलाह आ ने खाइत छलाह आ ने पीबैत छलाह।
10 दमिश्क मे अननिया नामक एकटा शिष् य छल। प्रभु एकटा दर्शन मे हुनका कहलथिन, “अननियाह।” ओ कहलथिन, “देखू, हम एतय छी, प्रभु।”
11 परमेश् वर हुनका कहलथिन, “ उठि कऽ सोझ गली मे जाउ आ यहूदाक घर मे तारसक शाऊल नामक एक गोटेक पूछताछ करू।
12 ओ दर्शन मे अननिया नामक एक आदमी कैँ भीतर आबि कऽ ओकरा पर हाथ राखि कऽ देखलक जे ओ देखि सकथि।
13 तखन अननिया उत्तर देलथिन, “प्रभु, हम एहि आदमीक बहुतो लोकक विषय मे सुनने छी जे ओ यरूशलेम मे अहाँक पवित्र लोक सभक संग कतेक दुष् ट कयलनि।
14 एतय हुनका मुख् यपुरोहित सभ सँ अधिकार छनि जे ओ अहाँक नाम बजनिहार सभ कैँ बान्हि सकैत छथि।
15 मुदा परमेश् वर हुनका कहलथिन, “ जाउ, किएक तँ ओ हमरा लेल एकटा चुनल पात्र छथि जे गैर-यहूदी, राजा आ इस्राएलक सन् तान सभक सोझाँ हमर नाम लऽ जायब।
16 हम हुनका ई देखा देबनि जे हमरा नामक लेल हुनका कतेक पैघ कष्ट भोगय पड़तनि।
17 अनन्याह जा कऽ घर मे प्रवेश कयलनि। ओ हुनका पर हाथ राखि कहलथिन, “भय साउल, प्रभु, यीशु, जे अहाँ अबैत काल बाट मे प्रकट भेलाह, हमरा पठौलनि जे अहाँ अपन दृष्टि पाबि पवित्र आत् मा सँ भरल रहब।”
18 तुरन्त हुनकर आँखि सँ तराजू जकाँ खसि पड़लनि।
19 जखन ओ भोजन पाबि गेलाह तँ ओ बलवान भऽ गेलाह। तखन साउल किछु दिन दमिश्क मे शिष् य सभक संग रहथि।
20 ओ तुरन्त सभाघर मे मसीहक प्रचार कयलनि जे ओ परमेश् वरक पुत्र छथि।
21 मुदा हुनकर बात सुननिहार सभ आश्चर्यचकित भऽ कऽ कहलथिन। की ई ओ नहि जे यरूशलेम मे एहि नामक पुकारनिहार सभ कैँ नष्ट कऽ देलक आ एहि लेल एतय आयल छल जे ओ ओकरा सभ कैँ बान्हल-बन्हा कऽ मुख् यपुरोहित सभक लग पहुँचा देलक?
22 मुदा साउल आरो बल बढ़ैत गेलाह आ दमिश्क मे रहनिहार यहूदी सभ कैँ लज्जित कऽ देलथिन जे ई सिद्ध कयलनि जे ई मसीह छथि।
23 बहुत दिन पूरा भेलाक बाद यहूदी सभ हुनका मारबाक योजना बना लेलक।
24 मुदा हुनका सभक प्रतीक्षा साउल कैँ पता चललनि। ओ सभ ओकरा मारबाक लेल दिन-राति फाटक पर नजरि रखलनि।
25 तखन शिष् य सभ राति मे हुनका लऽ कऽ देबाल लग एकटा टोकरी मे उतारि देलथिन।
26 जखन साउल यरूशलेम पहुँचलाह तखन ओ शिष् य सभक संग जुड़बाक प्रयास कयलनि।
27 बरनबास हुनका लऽ कऽ प्रेरित सभ लग अनलनि आ हुनका सभ कैँ कहलथिन जे ओ प्रभु कैँ कोना बाट मे देखलनि आ हुनका सँ बात कयलनि आ कोना ओ दमिश्क मे यीशुक नाम पर निर्भीकतापूर्वक प्रचार कयलनि।
28 ओ यरूशलेम मे अबैत-जाइत हुनका सभक संग छलाह।
29 ओ प्रभु यीशुक नाम सँ निर्भीकतापूर्वक बजैत रहलाह आ यूनानी सभक विरोध मे विवाद कयलनि।
30 भाय सभ ई जानि कऽ हुनका कैसरिया लऽ कऽ तरसुस पठा देलथिन।
31 तखन समस्त यहूदिया, गलील आ सामरिया मे मण् डली सभ कैँ विश्राम कयल गेल। प्रभुक भय आ पवित्र आत् माक आराम मे चलैत बढ़ि गेलाह।
32 जखन पत्रुस चारू कात घुमैत छलाह तखन ओ लुद्दा मे रहनिहार पवित्र लोक सभक लग सेहो उतरि गेलाह।
33 ओतऽ हुनका एनियस नामक एक आदमी भेटलनि जे आठ वर्ष धरि अपन बिछौन पर बैसल छल आ पक्षाघात सँ बीमार छल।
34 पत्रुस ओकरा कहलथिन, “एनियस, यीशु मसीह तोरा ठीक करैत छथि। आ ओ तुरन्त उठि गेलाह।
35 लुद्दा आ सरोन मे रहनिहार सभ हुनका देखि प्रभु दिस घुमि गेलाह।
36 याफा मे तबीता नामक एकटा शिष्य छल, जकर अर्थ मे डोरकास कहल जाइत छैक।
37 ओहि दिन मे ओ बीमार भऽ गेलीह आ मरि गेलीह।

38 जखन कि लिद्दा याफाक लग मे छल आ शिष् य सभ पत्रुसक ओतय रहबाक बात सुनि कऽ हुनका लग दू गोटे केँ पठौलनि जे ओ हुनका सभ लग आबऽ मे देरी नहि करथि।
39 तखन पत्रुस उठि कऽ हुनका सभक संग चलि गेलाह। यीशु पहुँचला पर ओ सभ हुनका ऊपरका कोठली मे अनलनि, आ सभ विधवा सभ हुनका लग कानि रहल छलीह आ डोरकास हुनका सभक संग रहबाक समय मे जे वस्त्र आ वस्त्र बनौने छलीह से देखा रहल छलीह।
40 पत्रुस सभ केँ बाहर निकालि कऽ ठेहुन टेकैत प्रार्थना कयलनि। ओकरा देह दिस घुमा कऽ कहलकै, "तबीता, उठू।" ओ अपन आँखि खोलि कऽ पत्रुस केँ देखि उठि कऽ बैसि गेलीह।
41 ओ ओकरा हाथ दऽ कऽ ओकरा उठौलथिन आ पवित्र आ विधवा सभ केँ बजा कऽ ओकरा जीवित कऽ देलथिन।
42 पूरा याफा मे ई बात ज्ञात भेल। बहुतो लोक प्रभु पर विश् वास कयलनि।
43 ओ याफा मे बहुत दिन धरि एकटा सिमोन जे चमड़ाक काज करयवला छलाह, हुनका संग रहलाह।

अध्याय 10

1 कैसरिया मे कुरनेलियुस नामक एक आदमी छल, जे इटालियन दल नामक दलक सेनापति छल।
2 एकटा भक्त मनुष् य आ अपन सम् पूर्ण घरक संग परमेश् वरक भय मानैत छल, जे लोक सभ केँ बहुत भिक्षा दैत छल आ सदिखन परमेश् वर सँ प्रार्थना करैत छल।
3 ओ एकटा दर्शन मे देखलनि जे दिनक करीब नौ बजे परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका लग आबि कऽ हुनका कहलथिन, "कुर्नेलियुस!"
4 जखन ओ हुनका दिस तकलनि तँ ओ डरि गेलाह आ कहलथिन, "हे प्रभु, ई की अछि?" ओ हुनका कहलथिन, "अहाँक प्रार्थना आ भिक्षा परमेश् वरक समक्ष स्मरणक रूप मे आबि गेल अछि।"
5 आब याफा मे लोक सभ केँ पठा कऽ एकटा सिमोन केँ बजाउ, जिनकर उपनाम पत्रुस अछि।
6 ओ एकटा सिमोन जे चमड़ाक काज करैत अछि, ओकर घर समुद्रक कात मे रहैत अछि।
7 जखन कुरनेलियुस सँ गप्प करनिहार स् वर्गदूत विदा भेलाह तँ ओ अपन घरक दूटा नोकर आ हुनकर प्रतीक्षा मे रहनिहार सभ मे सँ एकटा भक्त सिपाही केँ बजौलनि।
8 ई सभ बात हुनका सभ केँ सुना कऽ हुनका सभ केँ याफा पठा देलथिन।
9 दोसर दिन जखन ओ सभ यात्रा पर जा कऽ नगरक नजदीक आबि गेलाह तखन पत्रुस घरक ऊपर चढ़ि कऽ प्रार्थना करऽ लगलाह।
10 ओ बहुत भूखल भऽ गेलाह आ भोजन करय चाहैत छलाह, मुदा जखन ओ सभ तैयार भऽ गेलाह तखन ओ समाधि मे पड़ि गेलाह।
11 ओ स् वर्ग खुजि गेल आ एकटा बर्तन हुनका लग उतरि रहल छल जे चारू कोन मे एकटा पैघ चादर जकाँ बुनल गेल छल आ पृथ् वी पर उतारल गेल छल।
12 एहि मे पृथ् वीक चारि पैरक जानवर, जंगली जानवर, रेंगैत प्राणी आ आकाशक चिड़ै सभ छल।
13 तखन हुनका लग एकटा आवाज आयल, "हौ पत्रुस, उठू। मारि कऽ खाउ।
14 पत्रुस कहलथिन, "हे प्रभु, से नहि। किएक तँ हम कहियो कोनो अशुद्ध वा अशुद्ध वस्तु नहि खयलहुँ।
15 ओ आवाज फेर हुनका सँ बाजल, "जे परमेश् वर शुद्ध कयलनि, तकरा अहाँ अशुद्ध नहि कहब।"
16 ई तीन बेर भेल आ ओ बर्तन फेर सँ स् वर्ग मे चढ़ाओल गेल।
17 जखन पत्रुस मने-मन शंका करैत छलाह जे ई दर्शन जे ओ देखलनि से की हेतनि, तखन देखू, कुरनेलियुस सँ पठाओल गेल लोक सभ सिमोनक घरक विषय मे पूछताछ कऽ कऽ फाटकक समक्ष ठाढ़ भऽ गेलाह।
18 ओ फोन कऽ कऽ पुछलथिन जे की सिमोन, जे पत्रुस नामक छल, ओतहि ठहरल छथि।
19 पत्रुस ओहि दर्शन पर सोचैत काल आत् मा हुनका कहलथिन, "देखू, तीन गोटे अहाँ केँ खोजि रहल छथि।"
20 तेँ उठि कऽ उतरू आ हुनका सभक संग जाउ, एहि पर कोनो संदेह नहि, किएक तँ हम हुनका सभ केँ पठौने छी।
21 तखन पत्रुस ओहि लोक सभक लग गेलाह जे कुरनेलियुस सँ हुनका लग पठाओल गेल छल। ओ कहलथिन, "देखू, हम वैह छी जकरा अहाँ सभ ताकि रहल छी।
22 ओ सभ कहलथिन, "सेनापति कुरनेलियुस, जे धर्मी आ परमेश् वर सँ भय मानैत छथि, आ यहूदी सभक समस्त जाति मे नीक-नीक प्रतिष्ठित छलाह, हुनका परमेश् वर द्वारा एकटा पवित्र स् वर्गदूत द्वारा चेतावनी देल गेलनि जे अहाँ केँ अपन घर मे बजा कऽ सुनबाक लेल पठाबथि।" तोहर बात।
23 तखन ओ ओकरा सभ केँ बजौलनि आ ओकरा सभ केँ ठहरौलनि। दोसर दिन पत्रुस हुनका सभक संग चलि गेलाह आ याफाक किछु भाय हुनका संग गेलाह।
24 ओकर दोसर दिन ओ सभ कैसरिया मे प्रवेश कयलनि। कुरनेलियुस हुनका सभक प्रतीक्षा मे रहलाह आ अपन परिजन आ नजदीकी मित्र सभ केँ एक ठाम बजा लेने छलाह।
25 पत्रुस भीतर अबैत काल कुरनेलियुस हुनका सँ भेंट कयलनि आ हुनकर पयर पर खसि पड़लाह आ हुनकर आराधना कयलनि।
26 पत्रुस हुनका उठा कऽ कहलथिन, "उठि जाउ। हम स्वयं सेहो पुरुष छी।
27 जखन ओ हुनका सँ गप्प करैत छलाह तखन ओ भीतर गेलाह आ बहुतो लोक सभ एक ठाम आबि गेल छलाह।
28 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ जनैत छी जे यहूदीक संग रहब वा दोसर जातिक संग रहब गैर-कानूनी अछि। मुदा परमेश् वर हमरा ई देखा देलथिन जे हम ककरो अशुद्ध वा अशुद्ध नहि कहब।"
29 एहि लेल हम अहाँ सभ लग बिना कोनो गड़बड़ी केने आबि गेलहुँ, जहिना हमरा बजाओल गेल।
30 कुरनेलियुस कहलथिन, "चारि दिन पहिने हम आइ धरि उपवास कऽ रहल छलहुँ। नवम बजे हम अपन घर मे प्रार्थना केलहुँ आ देखलहुँ जे एकटा आदमी चमकैत वस्त्र मे हमरा सोझाँ ठाढ़ छल।
31 ओ कहलथिन, "कर्नेलियुस, अहाँक प्रार्थना सुनल गेल अछि आ परमेश् वरक नजरि मे अहाँक भिक्षाक स्मरण कयल गेल अछि।"

32 तेँ याफा मे पठा कऽ सिमोन केँ बजाउ, जिनकर उपनाम
पत्रुस छनि। ओ समुद्रक कात मे चमड़ाक काज करयवला
सिमोनक घर मे ठहरल छथि।
33 तेँ हम तुरन्त अहाँ लग पठौलहुँ। आ अहाँ नीक काज केलहुँ जे
अहाँ आबि गेलहुँ। आब हम सभ परमेश् वरक आज्ञा सुनबाक
लेल परमेश् वरक समक्ष उपस्थित छी।
34 तखन पत्रुस अपन मुँह खोलि कऽ कहलथिन, "हम सत्ते बुझि
रहल छी जे परमेश् वर ककरो कोनो आदर नहि करैत छथि।
35 मुदा हरेक जाति मे जे हुनका सँ डेराइत अछि आ
धार्मिकताक काज करैत अछि, से हुनका स्वीकार कयल जाइत
अछि।
36 परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ यीशु मसीहक द्वारा
शान् तिक प्रचार करैत पठौलनि।
37 हम कहैत छी, अहाँ सभ जनैत छी जे ई वचन पूरा यहूदिया मे
प्रचारित भेल छल आ यूहन् ना बपतिस् माक प्रचारक बाद गलील
सँ शुरू भेल छल।
38 परमेश् वर नासरतक यीशु केँ पवित्र आत् मा आ सामर्थ् य सँ
अभिषेक कयलनि। किएक तँ परमेश् वर हुनका संग छलाह।
39 हम सभ ओहि सभ काजक गवाह छी जे ओ यहूदी सभक
देश आ यरूशलेम मे कयलनि। जकरा ओ सभ मारि कऽ गाछ
पर लटका देलक।
40 परमेश् वर तेसर दिन हुनका जिया कऽ हुनका खुलि कऽ
देखौलथिन।
41 सभ लोक केँ नहि, बल् कि परमेश् वरक द्वारा पहिने चुनल
गेल गवाह सभ केँ, हमरा सभ केँ, जे हुनकर जीबि उठलाक बाद
हुनका संग भोजन-पीन केलहुँ।
42 ओ हमरा सभ केँ आज्ञा देलथिन जे हम सभ लोक सभ केँ
प्रचार करी आ गवाही दी जे परमेश् वर द्वारा जीवित आ मृत् युक
न्यायाधीश बनबाक लेल नियुक्त कयल गेल अछि।
43 सभ भविष्यवक्ता हुनका गवाही दियौन जे हुनकर नाम सँ जे
केओ हुनका पर विश् वास करत से पापक क्षमा भेटतनि।
44 जखन पत्रुस एखन धरि ई बात सभ बाजि रहल छलाह तखन
पवित्र आत् मा ओहि सभ लोक पर पड़ि गेलाह जे वचन सुनने
छलाह।
45 खतना करऽ वला लोक सभ पत्रुसक संग आयल सभ
आश्चर्यचकित भऽ गेलाह, किएक तँ पवित्र आत् माक वरदान गैर-
यहूदी सभ पर सेहो उझलल गेल छल।
46 ओ सभ हुनका सभ केँ अन्य भाषा मे बजैत आ परमेश् वरक
आदर करैत सुनलनि। तखन पत्रुस उत्तर देलथिन।
"
48 ओ हुनका सभ केँ प्रभुक नाम मे बपतिस् मा लेबाक आज्ञा
देलथिन। तखन ओ सभ हुनका सँ किछु दिन रुकबाक प्रार्थना
कयलनि।

अध्याय 11

1 यहूदिया मे रहनिहार प्रेरित आ भाय सभ सुनलनि जे गैर-यहूदी
सभ सेहो परमेश् वरक वचन ग्रहण कएने छथि।
2 पत्रुस यरूशलेम पहुँचला पर खतना करनिहार लोक सभ
हुनका सँ झगड़ा कयलनि।
3 ओ कहलथिन, "अहाँ खतना नहि भेल लोक सभक लग गेलहुँ
आ ओकरा सभक संग भोजन केलहुँ।"
4 मुदा पत्रुस शुरुए सँ एहि विषय केँ सुनौलनि आ आदेशक
अनुसार हुनका सभ केँ बतबैत कहलथिन।
5 हम याफा नगर मे प्रार्थना कऽ रहल छलहुँ आ समाधि मे एकटा
दर्शन देखलहुँ जे, "एकटा बर्तन जे एकटा पैघ चादर जकाँ नीचाँ
उतरि रहल छल, जे स्वर्ग सँ चारि कोन सँ नीचाँ उतरि गेल छल।
ई बात हमरा लग आबि गेल।
6 जखन हम अपन आँखि पर नजरि गड़ौने रही तखन हम सोचि
कऽ देखलहुँ जे पृथ् वीक चारि पैरक जानवर, जंगली जानवर,
रेंगैत प्राणी आ आकाशक चिड़ै सभ।
7 तखन हम एकटा आवाज सुनलहुँ जे हमरा कहैत अछि, "हौ
पत्रुस, उठू। मारि कऽ खाउ।
8 मुदा हम कहलियनि, "हे प्रभु, से नहि, किएक तँ हमरा मुँह मे
कोनो अशुद्ध वा अशुद्ध कोनो बात नहि आयल अछि।"
9 मुदा स् वर्ग सँ हमरा फेर सँ ई आवाज उत्तर देलक जे, "जे
परमेश् वर शुद्ध कयलनि, तकरा अहाँ अशुद्ध नहि कहब।"
10 ई तीन बेर भेल आ सभ गोटे फेर सँ स् वर्ग मे खींच लेल
गेलाह।
11 तखन तुरन्त तीन गोटे पहिने सँ ओहि घर मे आबि गेल छलाह,
जे कैसरिया सँ हमरा लग पठाओल गेल छलाह।
12 आत् मा हमरा हुनका सभक संग जेबाक लेल कहलथिन, एहि
मे कोनो संदेह नहि। ई छओ भाय हमरा संग गेलाह आ हम सभ
ओहि आदमीक घर मे प्रवेश कयलहुँ।
13 ओ हमरा सभ केँ ई देखा देलथिन जे कोना ओ अपन घर मे
एकटा स् वर्गदूत केँ देखि कऽ कहलथिन, "याफा मे लोक सभ केँ
पठा कऽ सिमोन केँ बजाउ, जिनकर उपनाम पत्रुस अछि।
14 के अहाँ केँ ई बात कहत जे अहाँ आ अहाँक समस्त घरक
लोकक उद्धार होयत।
15 जखन हम बाजऽ लगलहुँ तँ पवित्र आत् मा हुनका सभ पर
पड़ि गेलाह जेना शुरू मे हमरा सभ पर छल।
16 तखन हम प्रभुक वचन मोन पाड़लहुँ जे ओ कहने छलाह जे,
" यूहन्ना पानि सँ बपतिस् मा देलनि।" मुदा अहाँ सभ पवित्र आत्
मा सँ बपतिस् मा लेब।
17 तेँ परमेश् वर हुनका सभ केँ ओहिना वरदान देलनि जेना ओ
हमरा सभ केँ जे प्रभु यीशु मसीह पर विश् वास करैत छलहुँ। हम
की छलहुँ, जे हम परमेश् वर केँ सहन कऽ सकितहुँ?
18 ई बात सुनि ओ सभ चुप भऽ कऽ परमेश् वरक महिमा कऽ
कऽ कहलथिन, "तखन परमेश् वर गैर-यहूदी सभ केँ सेहो
जीवनक लेल पश्चाताप करबाक मौका देलनि अछि।"
19 स्तिफनुसक विषय मे जे प्रताड़ना भेल छल ताहि पर जे सभ
तितर-बितर भऽ गेल छल, से सभ फीनिक्स, साइप्रस आ
अन्ताकिया धरि पहुँचि गेल आ केवल यहूदी सभ केँ छोड़ि ककरो
सँ ई वचन नहि सुनौलक।
20 ओहि मे सँ किछु गोटे साइप्रस आ कुरेनक लोक छलाह, जे
सभ अंताकिया पहुँचला पर यूनानी सभ सँ प्रभु यीशुक प्रचार
करैत छलाह।
21 परमेश् वरक हाथ हुनका सभक संग छलनि आ बहुत लोक
विश् वास कए प्रभु दिस घुमि गेलाह।
22 तखन यरूशलेम मे रहनिहार मण् डलीक कान मे एहि बातक
खबरि आयल आ ओ सभ बरनबास केँ पठा देलथिन जे ओ
अंताकिया धरि जाथि।
23 ओ जखन परमेश् वरक कृपा देखि कऽ प्रसन्न भऽ हुनका सभ
केँ आग्रह कयलनि जे ओ सभ मन सँ प्रभु सँ चिपकल रहथि।

24 ओ नीक लोक छलाह, पवित्र आत् मा आ विश् वास सँ भरल छलाह।
25 बरनबास साउल केँ ताकबाक लेल तरसुस विदा भेलाह।
26 जखन ओ हुनका पाबि कऽ हुनका अंताकिया लऽ गेलाह। एक साल भरि ओ सभ मण् डली मे जुटि गेलाह आ बहुत लोक केँ शिक्षा दैत रहलाह। शिष् य सभ केँ पहिने अंताकिया मे मसीही कहल गेल।
27 एहि दिन मे यरूशलेम सँ प्रवक् ता सभ अनाकिया आबि गेलाह।
28 ओहि मे सँ एक गोटे अगाबस नामक ठाढ़ भऽ कऽ आत् मा द्वारा ई संकेत देलक जे पूरा संसार मे बहुत कमी होयत।
29 तखन शिष् य सभ अपन-अपन सामर्थ्यक अनुसार यहूदिया मे रहनिहार भाय सभ केँ सहायता पठेबाक संकल्प कयलनि।
30 ओ सभ सेहो ई काज कऽ कऽ बरनबास आ साउलक हाथ मे बुजुर्ग सभ लग पठौलनि।

अध्याय 12

1 ओहि समय मे राजा हेरोदेस मण् डली मे किछु लोक केँ परेशान करबाक लेल अपन हाथ बढ़ौलनि।
2 ओ यूहन् नाक भाय याकूब केँ तलवार सँ मारि देलक।
3 ओ यहूदी सभ केँ ई बात केँ नीक लागल, तेँ ओ पत्रुस केँ सेहो पकड़ि लेलक। (तखन अखमीरी रोटीक दिन छल।)
4 ओ ओकरा पकड़ि कऽ जेल मे राखि देलक आ ओकरा रखबाक लेल चारि चौथाई सैनिकक हाथ मे सौंप देलक। ईस्टर के बाद हुनका लोक के सामने लाबै के इरादा छेलै।
5 पत्रुस केँ जेल मे राखल गेल छल, मुदा मण् डली हुनका लेल परमेश् वर सँ अविराम प्रार्थना कयल गेल।
6 ओहि राति जखन हेरोदेस हुनका बाहर अनबाक इच्छा रखैत छलाह तखन पत्रुस दू टा जंजीर मे बान्हल दू टा सिपाहीक बीच सुतल छलाह आ दरबज्जाक आगूक रखवाला सभ जेल केँ राखि रहल छलाह।
7 परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका पर आबि गेलाह आ जेल मे एकटा इजोत चमकि गेलनि। हाथसँ जंजीर खसि पड़लनि।
8 तखन स् वर्गदूत हुनका कहलथिन, "अपना चप्पल बान्हि लिअ।" आ से ओ केलनि। ओ हुनका कहलथिन, "अपन वस्त्र अपना चारू कात फेकि कऽ हमरा पाछाँ लागि जाउ।"
9 ओ बाहर निकलि कऽ हुनका पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह। आ ई नहि बुझल छल जे ई बात सत् य छल जे स् वर्गदूत द्वारा कयल गेल छल। मुदा सोचलक जे एकटा दर्शन देखाइ पड़ल।
10 पहिल आ दोसर वार्ड सँ आगू बढ़ि कऽ ओ सभ लोहाक फाटक लग पहुँचलाह जे शहर दिस जाइत अछि। जे हुनका सभक लेल खुजल छलनि, आ ओ सभ एक गली मे निकलि गेलाह। आ तुरन्त स् वर्गदूत हुनका सँ विदा भऽ गेलाह।
11 पत्रुस जखन मन मे आबि गेलाह तँ ओ कहलथिन, "हमरा ई पक्का बुझल अछि जे प्रभु अपन स् वर्गदूत पठौलनि आ हमरा हेरोदेसक हाथ सँ आ यहूदी सभक सभ आशा सँ बचा लेलनि।"
12 यीशु एहि बात पर विचार कऽ कऽ यूहन्नाक माय मरियमक घर पहुँचलाह, जिनकर उपनाम मरकुस छलनि। जतय बहुतो गोटे प्रार्थना करैत जमा भ' गेल छलाह।
13 जखन पत्रुस फाटक दरबज्जा खटखटौलनि तखन रोदा नामक एकटा युवती सुनबाक लेल आबि गेलीह।
14 पत्रुसक आवाज बुझि ओ खुशीक कारणेँ फाटक नहि खोललीह, बल् कि दौड़ि कऽ भीतर आबि गेलीह जे पत्रुस कोना फाटकक आगू ठाढ़ छलाह।
15 ओ सभ ओकरा कहलथिन, "अहाँ बताह छी।" मुदा ओ लगातार एहि बातक पुष्टि करैत रहलीह जे एतबो अछि । तखन ओ सभ कहलथिन, "ई ओकर स् वर्गदूत अछि।"
16 पत्रुस खटखटबैत रहलाह, तखन ओ सभ दरबज्जा खोलि कऽ हुनका देखि कऽ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह।
17 मुदा ओ हुनका सभ केँ चुप रहबाक लेल हाथ सँ इशारा करैत हुनका सभ केँ ई बात सुनौलनि जे कोना प्रभु हुनका जेल सँ बाहर निकालि देलनि। ओ कहलथिन, "जाउ, याकूब आ भाइ सभ केँ ई बात सभ केँ देखाउ।" ओ विदा भऽ दोसर ठाम चलि गेलाह।
18 भोर होइते सिपाही सभक बीच कोनो छोट हलचल नहि भेल जे पत्रुसक की भेलैक।
19 हेरोदेस हुनका खोजि कऽ नहि पाबि कऽ रखबार सभ सँ पूछि कऽ आज्ञा देलथिन जे हुनका सभ केँ मारि देल जाय। ओ यहूदिया सँ कैसरिया गेलाह आ ओतहि रहि गेलाह।
20 हेरोदेस सोर आ सिदोनक लोक सभ सँ बहुत नाराज भऽ गेलाह, मुदा ओ सभ एक-मति मे हुनका लग आबि गेलाह आ ब्लास्टस केँ राजाक कोठरी मे बैसल केँ अपन मित्र बना कऽ शान्ति चाहैत छलाह। कारण हुनका लोकनिक देशक पोषण राजाक देश सँ होइत छलनि |
21 एक दिन मे हेरोदेस राज-वस्त्र पहिरने अपन सिंहासन पर बैसि कऽ हुनका सभ केँ वचन देलथिन।
22 लोक सभ चिचिया उठल जे, "ई देवताक आवाज अछि, मनुक्खक नहि।"
23 परमेश् वरक स् वर्गदूत तुरन्त हुनका मारि देलथिन, किएक तँ ओ परमेश् वरक महिमा नहि देलनि।
24 मुदा परमेश् वरक वचन बढ़ैत गेल आ बढ़ैत गेल।
25 बरनबास आ साउल अपन सेवा पूरा कऽ कऽ यरूशलेम सँ घुरि कऽ अपना संग यूहन् ना लऽ गेलाह, जिनकर उपनाम मरकुस छलनि।

अध्याय 13

1 अनाकियाक मण् डली मे किछु प्रवक् ता आ शिक्षक सभ छलाह। जेना बरनबास, नाइजर नामक शिमोन, कुरेनक लूसियस आ मनैन, जे हेरोदेसक राजकीय संग पालल गेल छलाह, आ साउल।
2 जखन ओ सभ प्रभुक सेवा करैत छल आ उपवास करैत छल, तखन पवित्र आत् मा कहलथिन, "हमरा लेल बरनबास आ साउल केँ अलग कऽ दिअ जे हम हुनका सभ केँ बजौने छी।"
3 ओ सभ उपवास आ प्रार्थना कऽ कऽ ओकरा सभ पर हाथ राखि कऽ ओकरा सभ केँ विदा कऽ देलक।
4 ओ सभ पवित्र आत् मा द्वारा पठाओल गेलाह आ सेलुसिया दिस विदा भेलाह। ओतय सँ ओ सभ जहाज सँ साइप्रस गेलाह।
5 ओ सभ सलामी मे पहुँचला पर यहूदी सभक सभाघर मे परमेश् वरक वचन प्रचार कयलनि।
6 ओ सभ ओहि द्वीप सँ पाफोस पहुँचला पर हुनका सभ केँ एकटा जादूगर, एकटा झूठा प्रवक् ता आ एकटा यहूदी भेटलनि, जकर नाम बरयशु छल।

7 ओ देशक सर्जियस पौलुसक संग छलाह जे एकटा बुद्धिमान छलाह। ओ बरनबास आ साउल कें बजा कऽ परमेश् वरक वचन सुनबाक इच्छा रखैत छलाह।
8 मुदा एलीमास जादूगर (किएक तँ ओकर नाम सेहो एहने अछि) ओकरा सभ कें विश् वास सँ विश् वास करबाक प्रयास कयलक।
9 तखन पवित्र आत् मा सँ भरल शाऊल हुनका पर नजरि रखलनि।
10 ओ कहलथिन, "हे शैतानक सन्तान, सभ धार्मिकताक शत्रु, की अहाँ प्रभुक सही बाट कें विकृत करब नहि छोड़ब?
11 आब देखू, प्रभुक हाथ अहाँ पर अछि, आ अहाँ आन्हर भऽ जायब, आ एक काल धरि सूर्य नहि देखब। तुरन्त हुनका पर धुंध आ अन्हार पड़ि गेलनि। ओ किछु गोटे कें ताकैत घुमि गेलाह जे हुनकर हाथ पकड़ि लेथि।
12 तखन ओ विश् वासी प्रभुक शिक्षा पर आश्चर्यचकित भऽ विश् वास कयलनि।
13 जखन पौलुस आ हुनकर दल पाफोस सँ मुक्त भऽ गेलाह तँ ओ सभ पम्फिलियाक पेर्गा पहुँचलाह।
14 पेर्गा सँ विदा भेला पर ओ सभ पिसिदियाक अन्ताकिया पहुँचलाह आ विश्राम-दिन मे सभाघर मे जा कऽ बैसि गेलाह।
15 धर्म-नियम आ प्रवक् ता सभ पढ़लाक बाद सभाघरक शासक सभ हुनका सभ लग पठौलनि जे, "हे भाइ लोकनि, जँ अहाँ सभक लेल लोक सभक लेल कोनो उपदेशक बात अछि तँ आगू बढ़ू।"
16 तखन पौलुस ठाढ़ भऽ कऽ हाथ सँ इशारा करैत कहलथिन, "इस्राएलक लोक आ अहाँ सभ परमेश् वरक भय मानब।"
17 एहि इस्राएलक लोकक परमेश् वर हमरा सभक पूर्वज सभ कें चुनलनि आ मिस्र देश मे परदेशी बनि कऽ लोक सभ कें ऊपर उठौलनि।
18 चालीस वर्षक समय मे ओ निर्जन मे हुनका लोकनिक आचरण कें सहन कयलनि।
19 ओ कनान देश मे सात जाति कें नष्ट कऽ कऽ ओकरा सभक देश चिट्ठी मे बाँटि देलथिन।
20 तकर बाद ओ हुनका सभ कें लगभग चारि सय पचास वर्ष धरि न्यायाधीश सभ कें देलथिन, जाबत धरि शमूएल भविष्यवक्ता नहि छलाह।
21 तकर बाद ओ सभ राजाक आग्रह कयलनि आ परमेश् वर हुनका सभ कें चालीस वर्षक समय मे सिसक पुत्र साउल कें देलथिन।
22 ओ हुनका सभ कें हटा कऽ दाऊद कें हुनका सभक राजा बनयबाक लेल ठाढ़ कयलनि। ओ हुनका सभ कें गवाही दैत कहलथिन, "हमरा यिशैक पुत्र दाऊद कें भेटल अछि, जे हमर सभक इच्छा पूरा करत।"
23 एहि आदमीक वंश मे सँ परमेश् वर अपन प्रतिज्ञाक अनुसार इस्राएलक लेल एकटा उद्धारकर्ता यीशु कें ठाढ़ कयलनि अछि।
24 जखन यूहन् ना अपन अयला सँ पहिने सभ इस्राएलक लोक सभ कें पश्चाताप करबाक बपतिस् माक प्रचार कयलनि।
25 यूहन् ना अपन बाट पूरा करैत कहलथिन, "अहाँ सभ हमरा के बुझैत छी?" हम ओ नहि छी। मुदा, देखू, हमरा बाद एकटा एहन लोक आबि रहल अछि, जकर जूता हम ओकर पएरक जूता खोलबाक योग्य नहि छी।
26 यौ भाइ लोकनि, अब्राहमक वंशक सन् तान आ अहाँ सभ मे जे केओ परमेश् वर सँ डरैत अछि, से अहाँ सभ कें ई उद्धारक वचन पठाओल गेल अछि।
27 यरूशलेम मे रहनिहार आ ओकर सभक शासक सभ हुनका नहि चिन्हैत छलाह आ ने प्रवक् ता सभक जे सभ विश्राम-दिन पढ़ल जाइत अछि, तकरा हुनका सभ कें दोषी ठहराबैत हुनका सभ कें पूरा कयलनि।
28 ओ सभ हुनका मे मृत्युक कोनो कारण नहि भेटलनि, मुदा ओ सभ पिलातुस सँ आग्रह कयलनि जे हुनका मारि देल जाय।
29 ओ सभ हुनका विषय मे लिखल सभ बात पूरा कऽ कऽ हुनका गाछ पर सँ उतारि कऽ कब्र मे राखि देलथिन।
30 मुदा परमेश् वर हुनका मृत् यु मे सँ जिया देलथिन।
31 हुनका संग गलील सँ यरूशलेम आयल लोक सभ कें बहुत दिन धरि देखल गेलनि।
32 हम सभ अहाँ सभ कें शुभ समाचार सुनबैत छी जे जे प्रतिज्ञा पूर्वज सभ सँ कयल गेल छल।
33 परमेश् वर हमरा सभ हुनका सभक सन् तान सभक लेल ओहिना पूरा कयलनि जे ओ यीशु कें जीबि उठौलनि। जेना दोसर भजन मे सेहो लिखल अछि, "अहाँ हमर पुत्र छी, आइ हम अहाँ कें जनम देलहुँ।"
34 ओ हुनका मृत् यु मे सँ जीबि उठौलनि, आब आब भ्रष्टाचार मे नहि आबि सकैत छथि, ताहि विषय मे ओ एहि तरहें कहलनि जे, "हम अहाँ सभ कें दाऊदक निश्चय दया देब।"
35 तें ओ दोसर भजन मे सेहो कहैत छथि, "अहाँ अपन पवित्र कें भ्रष्ट नहि होमय देब।"
36 किएक तँ दाऊद परमेश् वरक इच् छा सँ अपन पीढ़ीक सेवा कऽ कऽ नींद आबि गेलाह आ अपन पूर्वज सभक समक्ष राखल गेलाह आ भ्रष्ट भऽ गेलाह।
37 मुदा परमेश् वर जकरा जीबि उठौलनि, तकरा कोनो भ्रष्टाचार नहि देखलनि।
38 एहि लेल, यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ कें ई जानि लिअ जे एहि आदमीक द्वारा अहाँ सभ कें पापक क्षमाक प्रचार कयल गेल अछि।
39 हुनका द्वारा विश् वास करयवला सभ सभ ओहि सभ बात सँ धर्मी ठहराओल गेल अछि, जाहि सँ अहाँ सभ मूसाक धर्म-नियमक द्वारा धर्मी नहि ठहरा सकलहुँ।
40 तें सावधान रहू जे अहाँ सभ पर जे बात प्रवक् ता सभ मे कहल गेल अछि से नहि आबि जाय।
41 देखू, अहाँ सभ तिरस्कृत करऽ वला सभ, आश्चर्यचकित भऽ कऽ नाश भऽ जाउ, किएक तँ हम अहाँ सभक समय मे एहन काज करैत छी, जे काज अहाँ सभ कें कोनो तरहें विश्वास नहि करब, जँ केओ अहाँ सभ कें ई बात सुनबैत अछि।
42 जखन यहूदी सभ सभाघर सँ बाहर निकललाह तँ गैर-यहूदी सभ विनती कयलनि जे अगिला विश्राम-दिन हुनका सभ कें ई बात सुनाओल जाय।
43 जखन मंडली टूटि गेल तखन बहुतो यहूदी आ धर्म परिवर्तन करयवला लोक पौलुस आ बरनबासक पाछाँ-पाछाँ चलि गेलाह।
44 दोसर विश्राम-दिन परमेश् वरक वचन सुनबाक लेल लगभग पूरा शहर एक ठाम आबि गेल।
45 मुदा यहूदी सभ लोक सभ कें देखि ईर्ष्या सँ भरि गेल आ पौलुसक कहल बात सभक विरोध मे आ निन्दा करैत बजलाह।
46 तखन पौलुस आ बरनबास निर्भीक भऽ कऽ कहलथिन, "पहिने परमेश् वरक वचन अहाँ सभ कें कहल जायब आवश्यक छल .

47 परमेश् वर हमरा सभ केँ एना आज्ञा देलनि जे, “हम अहाँ केँ गैर-यहूदी सभक इजोत बनौने छी, जाहि सँ अहाँ पृथ् वीक छोर धरि उद्धारक लेल बनि जाउ।”
48 ई बात सुनि गैर-यहूदी सभ प्रसन्न भऽ प्रभुक वचनक महिमा कयलनि।
49 प्रभुक वचन समस्त प्रदेश मे प्रचारित भेल।
50 मुदा यहूदी सभ भक्त आ आदरणीय स् त्रीगण सभ आ नगरक मुखिया सभ केँ भड़का देलक आ पौलुस आ बरनबास पर सताओल गेल आ ओकरा सभ केँ अपन इलाका सँ भगा देलक।
51 मुदा ओ सभ अपन पएरक धूरा झटकारि कऽ इकोनियम पहुँचलाह।
52 शिष्य सभ हर्ष आ पवित्र आत् मा सँ भरल भऽ गेलाह।

अध्याय 14

1 आइकोनियम मे दुनू गोटे एक संग यहूदी सभक सभाघर मे जा कऽ एना बाजल जे यहूदी आ यूनानी सभक बहुत रास भीड़ विश् वास कयलक।
2 मुदा अविश् वासी यहूदी सभ गैर-यहूदी सभ केँ भड़का देलक आ भाय सभक विरुद्ध अपन विचार केँ दुष् ट कयल गेल।
3 ओ सभ बहुत दिन धरि प्रभु मे निर्भीकतापूर्वक बजैत रहलाह, जे हुनकर कृपाक वचनक गवाही दैत छलाह आ हुनका सभक हाथ सँ चिन् त्र आ चमत्कार करबाक अनुमति दैत छलाह।
4 मुदा नगरक भीड़ बँटि गेल, आ किछु यहूदी सभक संग आ किछु प्रेरित सभक संग।
5 जखन गैर-यहूदी आ यहूदी सभ अपन शासक सभक संग मारि-पीट कयल गेल।
6 ओ सभ जानि कऽ लूकाओनियाक नगर लुस्त्रा आ दर्बे आ चारू कातक इलाका मे भागि गेलाह।
7 ओतहि ओ सभ सुसमाचार प्रचार कयलनि।
8 लुस्त्रा मे एकटा एहन आदमी बैसल छल, जे अपन मायक पेट सँ अपंग छल, जे कहियो चलल नहि छल।
9 ओ पौलुसक गप्प सुनलनि।
10 जोर-जोर सँ कहलथिन, “पएर पर ठाढ़ रहू।” आ ओ उछलि कऽ चलल।
11 पौलुसक काज देखि लोक सभ लूकाओनियाक बाज मे आवाज उठा कऽ बाजल, “देवता सभ मनुष् यक रूप मे हमरा सभ लग उतरि गेल छथि।”
12 ओ सभ बरनबास केँ बृहस्पति कहलथिन। आ पौलुस, बुध, किएक तँ ओ मुख्य वक्ता छलाह।
13 तखन बृहस्पतिक पुरोहित जे हुनका सभक नगरक आगू छल, ओ सभ बैल आ माला सभ फाटक पर अनलनि आ लोक सभक संग बलि चढ़ाबय चाहैत छलाह।
14 जखन प्रेरित सभ बरनबास आ पौलुस ई बात सुनि कऽ ओ सभ अपन वस्त्र फाड़ि कऽ लोक सभक बीच दौड़ि कऽ चिचिया उठलाह।
15 ओ पुछलथिन, “हे सर, अहाँ सभ ई सभ किएक करैत छी?” हमहूँ सभ अहाँ सभक संग एक समान भावुक लोक छी आ अहाँ सभ केँ प्रचार करैत छी जे अहाँ सभ एहि व्यर्थता सभ सँ जीवित परमेश् वर दिस मुड़ि जाउ, जे स् वर्ग, पृथ् वी, समुद्र आ ओहि मे रहल सभ वस्तु केँ बनौलनि।
16 ओ सभ पहिने सभ जाति केँ अपन-अपन बाट पर चलय देलनि।
17 तैयो ओ अपना केँ गवाही रहित नहि छोड़ि कऽ नीक काज कयलनि आ हमरा सभ केँ स् वर्ग सँ वर्षा आ फल-फूलक समय देलनि, जाहि सँ हमरा सभक हृदय भोजन आ आनन्द सँ भरि देलनि।
18 एहि बात सभक कारणेँ ओ सभ लोक सभ केँ बहुत कम रोकलनि जे ओ सभ ओकरा सभक लेल बलिदान नहि देलक।
19 अन्ताकिया आ इकोनियम सँ किछु यहूदी सभ ओतऽ आबि कऽ लोक सभ केँ मना लेलक आ पौलुस केँ पाथर मारि कऽ ओकरा मरि गेल बुझि शहर सँ बाहर निकालि देलक।
20 मुदा जखन शिष् य सभ हुनका चारू कात ठाढ़ छलाह तखन ओ उठि कऽ नगर मे आबि गेलाह।
21 ओ सभ ओहि नगर मे सुसमाचार प्रचार कऽ कऽ बहुतो केँ शिक्षा दऽ कऽ फेर लुस्त्रा, इकोनियम आ अन् ताकिया घुरि गेलाह।
22 शिष् य सभक आत् मा केँ दृढ़ कऽ कऽ हुनका सभ केँ विश् वास मे रहबाक लेल आग्रह करैत छी आ हमरा सभ केँ बहुत क्लेशक बीच परमेश् वरक राज् य मे प्रवेश करबाक अछि।
23 ओ सभ मण् डली मे बूढ़-पुरान बना कऽ उपवास कऽ कऽ प्रार्थना कऽ कऽ हुनका सभ केँ प्रभुक समक्ष सौंप देलथिन, जिनका पर ओ सभ विश् वास करैत छलाह।
24 ओ सभ पिसिदिया मे घुमि कऽ पम्फिलिया पहुँचलाह।
25 ओ सभ पर्गा मे वचनक प्रचार कऽ कऽ अतालिया मे उतरि गेलाह।
26 ओतऽ सँ जहाज सँ अन्ताकिया गेलाह, जतय सँ ओ सभ परमेश् वरक कृपा मे स् वस् था कयल गेल छल।
27 जखन ओ सभ आबि कऽ मण् डली केँ जमा कऽ कऽ परमेश् वर हुनका सभक संग जे किछु कयलनि आ कोना ओ गैर-यहूदी सभक लेल विश् वासक दरबज्जा खोललनि से सुनौलनि।
28 ओ सभ ओतऽ बहुत दिन धरि शिष् य सभक संग रहलाह।

अध्याय 15

1 यहूदिया सँ उतरल किछु लोक भाय सभ केँ शिक्षा दैत कहलथिन, “जाबत धरि अहाँ सभ मूसाक अनुसार खतना नहि कयल जायत, ताबत धरि अहाँ सभक उद्धार नहि भऽ सकैत अछि।”
2 जखन पौलुस आ बरनबास केँ हुनका सभक संग कोनो छोट मतभेद आ विवाद भेलनि तखन ओ सभ निर्णय कयलनि जे पौलुस आ बरनबास आ हुनका सभ मे सँ किछु गोटे यरूशलेम एहि विषय मे प्रेरित आ प्राचीन सभ लग जाथि।
3 ओ सभ मण् डलीक बाट मे आनि गेलाह आ ओ सभ गैर-यहूदी सभक धर्म परिवर्तनक सूचना दैत फीनीक आ सामरिया मे सँ गुजरि गेलाह।
4 जखन ओ सभ यरूशलेम पहुँचलाह तखन हुनका सभ केँ मण् डली, प्रेरित सभ आ प्राचीन सभ द्वारा स्वागत कयल गेलनि आ ओ सभ जे किछु परमेश् वर हुनका सभक संग कयलनि, से सभ बात सुनौलनि।
5 मुदा विश् वास करयवला फरिसी सभक किछु पंथ उठि कऽ कहलक जे, “ओहि सभ केँ खतना करऽ आ मूसाक नियमक पालन करबाक आज्ञा देबऽ आवश् यक अछि।”
6 प्रेरित आ प्राचीन सभ एहि विषय पर विचार करबाक लेल एक ठाम आबि गेलाह।

7 जखन बहुत विवाद भेल तखन पत्रुस उठि कऽ हुनका सभ कैँ कहलथिन, “हे भाइ लोकनि, अहाँ सभ जनैत छी जे बहुत दिन पहिने परमेश् वर हमरा सभ मे सँ ई चुनि लेलनि जे गैर-यहूदी सभ हमर मुँह सँ सुसमाचारक वचन सुनथि। आ विश्वास करू।
8 परमेश् वर, जे हृदय कैँ जनैत छथि, हुनका सभ कैँ गवाही देलनि, जेना ओ हमरा सभक संग पवित्र आत् मा देलनि।
9 हमरा सभ आ हुनका सभक बीच कोनो भेद नहि राखू, विश्वास सँ हुनका सभक हृदय कैँ शुद्ध करू।
10 आब अहाँ सभ परमेश् वर कैँ शिष् य सभक गरदनि मे एकटा जुआ लगाबय लेल किएक परखैत छी, जे हमरा सभक पूर्वज आ ने हम सभ सहन कऽ सकलहुँ?
11 मुदा हम सभ विश् वास करैत छी जे प्रभु यीशु मसीहक कृपा सँ हमहूँ सभ हुनका सभक उद्धार पाबि सकब।
12 तखन सभ भीड़ चुप भऽ गेल आ बरनबास आ पौलुस कैँ सुनय लगलाह जे परमेश् वर हुनका सभक द्वारा गैर-यहूदी सभक बीच कोन-कोन चमत् कार आ आश्चर्य कयलनि।
13 ओ सभ चुप भऽ गेलाक बाद याकूब उत्तर देलथिन, “हे भाइ लोकनि, हमर बात सुनू।
”
15 भविष्यवक्ता सभक वचन एहि बात पर सहमत अछि। जेना लिखल अछि,
16 एकर बाद हम घुरब आ दाऊदक तम्बू कैँ फेर सँ बना देब जे खसि पड़ल अछि। हम ओकर खंडहर कैँ फेर सँ बना देब आ ओकरा ठाढ़ करब।
”
18 परमेश् वर संसारक प्रारम्भहि सँ हुनकर सभ काज कैँ जनैत छथि।
19 तैँ हमर वाक्य अछि जे हम सभ गैर-यहूदी सभक बीच सँ परमेश् वर दिस घुरल लोक सभ कैँ परेशान नहि करू।
20 मुदा हम सभ हुनका सभ कैँ ई लिखि दी जे ओ सभ मूर्तिक अशुद्धि, व्यभिचार, गला रेतब आ खून सँ परहेज करथि।
21 पूर्वकाल मे मूसाक प्रचार-प्रसारक लोक सभ नगर मे सभ रहैत छथि आ सभ विश्राम-दिन सभाघर मे पढ़ल जाइत छथि।
22 तखन प्रेरित आ बूढ़-पुरान सभ आ समस्त मण् डलीक संग मनुष् य कयलनि जे पौलुस आ बरनबासक संग अपन-अपन चुनल-चुनल लोक सभ कैँ अंताकिया पठा देल जाय। अर्थात् बरसाबास नामक यहूदा आ भाय सभक प्रमुख पुरुष सिलास।
23 ओ सभ एहि तरहेँ हुनका सभक द्वारा पत्र लिखैत छलाह। प्रेरित आरु प्राचीन आ भाय सभ अन्ताकिया आ सीरिया आ किलिसिया मे गैर-यहूदी भाइ सभ कैँ अभिवादन करैत छथि।
24 हम सभ सुनलहुँ जे हमरा सभक बीच सँ निकलल किछु लोक अहाँ सभ कैँ एहि बात सँ परेशान कऽ रहल अछि जे अहाँ सभ कैँ खतना कऽ कऽ धर्म-नियमक पालन करऽ पड़त।
”
26 जे लोक सभ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीहक नामक लेल अपन जान खतरा मे डालने अछि।
27 तैँ हम सभ यहूदा आ सिलास कैँ पठौने छी जे ओ सभ सेहो अहाँ सभ कैँ ई बात मुँह सँ कहताह।
28 पवित्र आत् मा आ हमरा सभ कैँ ई नीक लागल जे हम सभ एहि आवश्यक बात सभ सँ पैघ भार अहाँ सभ पर नहि उठाबी।
29 मूर्ति सभक लेल चढ़ाओल भोजन, खून, गला घोंटल वस्तु आ व्यभिचार सँ परहेज करू। फेयर ये वेल।
30 ओ सभ विदा भेला पर ओ सभ अनाकिया पहुँचलाह आ लोक सभ कैँ जमा कऽ कऽ ओ सभ पत्र पहुँचा देलथिन।
31 ओ सभ पढ़ि कऽ ओ सभ सान्त्वनाक लेल आनन्दित भऽ गेलाह।
32 यहूदा आ सिलास, जे स्वयं प्रवक् ता छलाह, ओ भाय सभ कैँ बहुत रास बात सँ उपदेश देलनि आ हुनका सभ कैँ दृढ़ कयलनि।
33 ओ सभ ओतऽ किछु काल रुकलाक बाद हुनका सभ कैँ शान्तिपूर्वक भाय सभक दिस सँ प्रेरित सभक लग छोड़ि देल गेलनि।
34 मुदा सिलास कैँ ओतहि रहब नीक लागल।
35 पौलुस आ बरनबास सेहो बहुतो लोकक संग अंताकिया मे प्रभुक वचनक शिक्षा आ प्रचार करैत रहलाह।
36 किछु दिनक बाद पौलुस बरनबास कैँ कहलथिन, “आउ, हम सभ फेर जा कऽ अपन भाय सभक ओहि नगर सभ मे जा कऽ देखब, जतऽ हम सभ प्रभुक वचन प्रचार केने छी।
37 बरनबास यूहन् ना, जकर उपनाम मरकुस छल, अपना संग ल’ जेबाक निर्णय कयलनि।
38 मुदा पौलुस हुनका सभ कैँ अपना संग लऽ जायब नीक नहि लागल, जे पम्फिलिया सँ हुनका सभ सँ विदा भऽ गेलाह आ हुनका सभक संग काज मे नहि गेलाह।
39 दुनू गोटेक बीच झगड़ा एतेक तेज भऽ गेल जे ओ सभ एक-दोसर सँ अलग भऽ गेलाह।
40 पौलुस सिलास कैँ चुनि कऽ चलि गेलाह, जखन कि भाय सभ परमेश् वरक अनुग्रहक लेल विश्वास कयलनि।
41 ओ सीरिया आ किलिसिया मे जा कऽ मण् डली सभ कैँ पुष्ट करैत गेलाह।

अध्याय 16

1 तखन ओ दर्बे आ लुस्त्रा मे गेलाह आ देखलहुँ जे ओतय एकटा शिष्य तिमुथियुस नामक छल, जे एकटा यहूदी महिलाक पुत्र छल आ विश्वासी छल। मुदा ओकर पिता यूनानी छलाह।
2 लुस्त्रा आ इकोनियम मे रहनिहार भाय सभ एहि बात कैँ नीक जकाँ सुनाबैत छलाह।
3 पौलुस कैँ हुनका संग जेबाक चाही। ओ ओहि इलाका मे रहनिहार यहूदी सभक कारणेँ हुनका लऽ कऽ खतना कऽ लेलनि।
4 जखन ओ सभ नगर सभ मे घुमैत-फिरैत ओ सभ यरूशलेम मे रहनिहार प्रेरित आ प्राचीन सभ द्वारा निर्धारित नियम सभक पालन करबाक लेल ओकरा सभ कैँ सुनौलनि।
5 एहि तरहेँ मण् डली सभ विश् वास मे दृढ़ भऽ गेल आ प्रतिदिन बढ़ैत गेल।
6 ओ सभ फ्रीगिया आ गलातिया प्रदेश मे जा कऽ पवित्र आत् मा द्वारा एशिया मे वचन प्रचार नहि कयल गेल।
7 मिसिया पहुँचलाक बाद ओ सभ बिथिनिया मे जेबाक प्रयास कयलनि।
8 मिसिया सँ गुजरैत लोक सभ त्रोआस मे उतरि गेलाह।
9 पौलुस कैँ राति मे एकटा दर्शन देखलनि। मकिदुनियाक एक आदमी ठाढ़ भऽ कऽ हुनका सँ प्रार्थना करैत कहलथिन, “मकिदुनिया मे आबि कऽ हमरा सभक सहायता करू।”
10 ओ दर्शन देखलाक बाद तुरन्त हम सभ मकिदुनिया मे जेबाक प्रयास केलहुँ आ ई निश्चिंत रूपेँ ई बुझि कऽ जे प्रभु हमरा सभ कैँ हुनका सभ कैँ सुसमाचार प्रचार करबाक लेल बजौने छथि।

11 तेँ हम सभ त्रोआस सँ मुक्त भऽ कऽ सोझ रस्ता सँ समोथ्रासिया आ दोसर दिन नियोपोलिस पहुँचलहुँ।
12 ओतऽ सँ फिलिप्पी, जे मकिदुनियाक ओहि भागक प्रमुख नगर आ उपनिवेशक क्षेत्र अछि, ओहि नगर मे किछु दिन धरि रहलहुँ।
13 विश्राम-दिन मे हम सभ नगर सँ नदीक कात मे निकललहुँ, जतय प्रार्थना करबाक आदति छल। हम सभ बैसि कऽ ओहि स् त्रीगण सभ सँ गप्प केलहुँ।
14 थियातिरा नगरक बैंगनी रंगक कपड़ा बेचनिहार लिडिया नामक एकटा स् त्री जे परमेश् वरक आराधना करैत छलीह, हमरा सभक बात सुनलनि।
15 जखन ओ आ अपन घरक लोक बपतिस् मा लेलनि तँ ओ हमरा सभ केँ विनती करैत कहलथिन, "जँ अहाँ सभ हमरा प्रभुक प्रति विश् वासयोग् य मानलहुँ तँ हमर घर मे आबि कऽ ओतहि रहू।" आ ओ हमरा सभकेँ बाध्य क' देलनि।
16 जखन हम सभ प्रार्थना करऽ जा रहल छलहुँ तँ एकटा एहन युवती हमरा सभ सँ भेंट केलक जे भविष्यवाणीक आत् मा सँ ग्रस्त छल आ अपन मालिक सभ केँ भविष्यवाणी कऽ कऽ बहुत फायदा भेलैक।
17 ओ पौलुस आ हमरा सभक पाछाँ-पाछाँ आबि कऽ चिचिया उठलनि, "ई सभ परमेश् वर परमेश् वरक सेवक छथि, जे हमरा सभ केँ उद्धारक बाट देखबैत छथि।"
18 ओ बहुत दिन धरि ई काज केलनि। मुदा पौलुस दुखी भऽ कऽ आत् मा केँ कहलथिन, "हम अहाँ केँ यीशु मसीहक नाम सँ आज्ञा दैत छी जे अहाँ ओकरा मे सँ बाहर निकलू।" आ ओही घड़ी बाहर आबि गेलाह।
19 जखन ओकर मालिक सभ देखलनि जे हुनका सभक लाभक आशा खतम भऽ गेलनि, तखन ओ सभ पौलुस आ सिलास केँ पकड़ि कऽ बजार मे लऽ गेलाह।
20 ओ हुनका सभ केँ दंडक सभ लग लऽ कऽ कहलथिन, "ई सभ यहूदी सभ भऽ कऽ हमरा सभक नगर केँ बहुत परेशान करैत छथि।
21 ओ सभ एहन रीति-रिवाज सभ केँ सिखाउ जे हमरा सभ केँ रोमी लोक केँ ग्रहण करब आ ने पालन करब उचित नहि अछि।
22 लोक सभ एक संग हुनका सभक विरुद्ध उठि गेल आ दंडक सभ हुनका सभक कपड़ा फाड़ि कऽ हुनका सभ केँ मारि-पीट करबाक आज्ञा देलनि।
23 ओ सभ ओकरा सभ पर बहुत मारि मारि कऽ जेल मे डालि देलक आ जेलर केँ सुरक्षित राखबाक आज्ञा देलक।
24 ओ सभ एहि तरहक आज्ञा पाबि हुनका सभ केँ भीतरक जेल मे राखि देलथिन आ हुनका सभक पएर कोठली मे ठाढ़ कऽ देलथिन।
25 आधा राति मे पौलुस आ सिलास प्रार्थना कऽ कऽ परमेश् वरक स्तुति गाबि रहलाह।
26 अचानक एकटा पैघ भूकम्प आबि गेल जे जेलक नींव हिल गेल।
27 जेलक रखवाला नींद सँ जागि कऽ जेलक दरबज्जा खुजल देखि ओ अपन तलवार निकालि कऽ अपना केँ मारय चाहैत छल, ई मानि कऽ जे कैदी सभ भागि गेल अछि।
28 पौलुस जोर-जोर सँ चिचिया उठलाह, "अपना केँ कोनो अधलाह नहि करू, किएक तँ हम सभ एतय छी।"
29 तखन ओ इजोत बजा कऽ उछलि कऽ भीतर आबि गेलाह आ काँपैत पौलुस आ सिलासक सोझाँ खसि पड़लाह।
30 ओ सभ ओकरा सभ केँ बाहर लऽ कऽ कहलथिन, "हे सर, हमरा उद्धार पाबऽ लेल की करब?"
31 ओ सभ कहलथिन, "प्रभु यीशु मसीह पर विश् वास करू, तखन अहाँ आ अपन घरक लोक उद्धार पाबि जायब।"
32 ओ सभ हुनका आ हुनकर घर मे रहनिहार सभ केँ प्रभुक वचन कहलथिन।
33 ओहि समय राति मे यीशु हुनका सभ केँ लऽ कऽ हुनका सभक कोड़ा धोबय लगलाह। ओ आ ओकर सभ गोटे तुरन्त बपतिस् मा लेलनि।
34 जखन ओ हुनका सभ केँ अपन घर मे अनलनि तखन ओ हुनका सभक सोझाँ मे भोजन राखि कऽ हुनका सभक समक्ष परमेश् वर पर विश् वास करैत आनन्दित भऽ गेलाह।
35 भोर भेला पर मजिस्ट्रेट सभ सार्जेंट सभ केँ पठौलनि जे, "ओहि लोक सभ केँ छोड़ि दियौक।"
36 जेलक रखवाला पौलुस केँ ई बात कहलथिन, "अहाँ सभ केँ छोड़बाक लेल दंडाधिकारी सभ पठौलनि अछि।
37 पौलुस हुनका सभ केँ कहलथिन, "ओ सभ रोमी रहि कऽ हमरा सभ केँ निर्दोष रूप सँ मारि-पीट कऽ जेल मे राखि देलक। आब की ओ सभ हमरा सभ केँ गुप्त रूप सँ बाहर निकालि दैत छथि? नै सत्ते; मुदा ओ सभ अपने आबि कऽ हमरा सभ केँ बाहर आनय।
38 सार्जेंट सभ ई बात सभ दंडाधिकारी सभ केँ कहलथिन आ ओ सभ ई सुनि कऽ जे ओ सभ रोमी छी, तखन ओ सभ डरि गेलाह।
39 ओ सभ आबि कऽ हुनका सभ केँ विनती कयलनि आ हुनका सभ केँ बाहर अनलनि आ नगर सँ बाहर निकलबाक लेल निहोरा कयलनि।
40 ओ सभ जेल सँ बाहर निकलि लिडियाक घर मे प्रवेश कयलनि।

अध्याय 17

1 ओ सभ अम्फिपोलिस आ अपोलोनिया मे सँ गुजरि कऽ थिस्सलुनिका पहुँचलाह, जतय यहूदी सभक सभाघर छल।
2 पौलुस जेना-तेना हुनका सभ लग गेलाह आ तीन विश्राम-दिन हुनका सभक संग धर्मशास् त्रक विषय मे चर्चा कयलनि।
3 ई बात खोलि कऽ आरोप लगाबैत छथि जे मसीह केँ कष्ट भोगि कऽ मृत् यु मे सँ जीबि उठल हेबाक चाही। आ ई यीशु, जिनका हम अहाँ सभ केँ प्रचार करैत छी, ओ मसीह छथि।"
4 ओ सभ मे सँ किछु गोटे विश् वास कयलनि आ पौलुस आ सिलासक संग संगति कयलनि। आ भक्त यूनानी सभक बहुत रास भीड़ आ मुखिया स् त्रीगण मे सँ किछुए नहि।
5 मुदा जे यहूदी सभ विश् वास नहि केलक, से ईर्ष्या कऽ कऽ किछु निष्कपट लोक सभ केँ अपना लग ल' लेलक आ एकटा दल जमा कऽ लेलक आ पूरा नगर मे हंगामा मचा देलक आ यासोनक घर पर आक्रमण कऽ ओकरा सभ केँ बाहर निकालबाक प्रयास कयलक जनता के।
6 जखन ओ सभ ओकरा सभ केँ नहि भेटल तँ ओ सभ यासोन आ किछु भाइ सभ केँ नगरक शासक सभक लग खींच लेलक आ चिचिया उठल, "जे सभ संसार केँ उल्टा-पुल्टा कऽ देलक अछि, से सभ एत' सेहो आबि गेल अछि।
7 यासोन हुनका ग्रहण कयलनि अछि, आ ई सभ कैसरक नियमक विपरीत कहैत छथि जे एकटा आओर राजा छथि, जे यीशु छथि।

8 ई बात सुनि ओ सभ लोक आ नगरक राजकीय सभ कैँ परेशान कऽ देलक।
9 ओ सभ यासोन आ दोसरक सुरक्षा लऽ कऽ ओकरा सभ कैँ छोड़ि देलक।
10 भाय सभ तुरन्त पौलुस आ सिलास कैँ राति मे बिरिया मे विदा कऽ देलथिन।
11 ओ सभ थिस्सलुनीकीक लोक सभ सँ बेसी कुलीन छलाह, कारण ओ सभ सत् य सँ वचन ग्रहण करैत छलाह आ नित्य धर्मशास् त्र मे खोज करैत छलाह जे ई बात सभ सत् य अछि वा नहि।
12 तेँ हुनका सभ मे सँ बहुतो गोटे विश् वास कयलनि। आदरणीय स्त्रीगणक सेहो जे यूनानी छलीह, आ पुरुषक सेहो, किछुए नहि।
13 मुदा जखन थिस्सलुनीकीक यहूदी सभ कैँ ई बुझबा मे आबि गेलनि जे पौलुस द्वारा परमेश् वरक वचन बेरिया मे प्रचार कयल गेल अछि, तखन ओ सभ ओतऽ सेहो आबि कऽ लोक सभ कैँ भड़का देलक।
14 तखने भाय सभ तुरन्त पौलुस कैँ समुद्र मे जेबाक लेल विदा कऽ देलथिन।
15 पौलुसक मार्गदर्शन करनिहार लोक सभ हुनका एथेंस लऽ गेलाह आ सिलास आ तिमुथियुस कैँ आज्ञा लऽ कऽ जे ओ सभ तेजी सँ हुनका लग आबि जायब।
16 जखन पौलुस एथेंस मे हुनका सभक प्रतीक्षा मे रहलाह, तखन ओ शहर कैँ मूर्तिपूजा मे पूर्ण रूप सँ समर्पित देखि हुनका मोन मे मोन भड़कि गेलनि।
17 तेँ यीशु सभाघर मे यहूदी सभ सँ आ भक्ति-भक्त सभ सँ आ बजार मे प्रतिदिन हुनका सँ भेंट करयवला लोक सभ सँ विवाद करैत छलाह।
18 तखन इपिकुरियन आ स्टोइकक किछु दार्शनिक हुनका सँ भेंट कयलनि। किछु गोटे कहलथिन, “ई बकबक की कहत? दोसर किछु गोटे, “ओ परदेशी देवता सभक विश् वास करयवला बुझाइत छथि।”
19 ओ सभ हुनका पकड़ि कऽ अरेओपगस लग अनलनि आ कहलथिन, “की हम सभ जानि सकैत छी जे ई नव शिक्षा जे अहाँ बजैत छी, की अछि?”
20 अहाँ हमरा सभक कान मे किछु विचित्र बात अनैत छी।
21 (किएक तँ ओतऽ सभ एथेंसवासी आ परदेशी लोक सभ अपन समय आन कोनो काज मे नहि बिताबैत छल, सिवाय कोनो नव बात कहबाक वा सुनबाक लेल।”
22 तखन पौलुस मंगल ग्रहक पहाड़क बीच ठाढ़ भऽ कहलथिन, “हे एथेंसक लोक सभ, हम बुझैत छी जे अहाँ सभ सभ बात मे बेसी अंधविश्वासी छी।”
23 जखन हम ओहि ठाम सँ गुजरैत छलहुँ आ अहाँ सभक भक्ति कैँ देखैत छलहुँ तखन हमरा एकटा वेदी भेटल जाहि पर ई लिखल छल, “अज्ञात परमेश् वरक लेल।” तेँ जकरा अहाँ सभ अनजान भऽ कऽ आराधना करैत छी, हम ओकरा अहाँ सभ कैँ कहैत छी।
24 परमेश् वर जे संसार आ ओहि मे रहल सभ वस्तु कैँ बनौलनि, ओ स् वर्ग आ पृथ् वीक मालिक छथि, ओ हाथ सँ बनल मन् दिर मे नहि रहैत छथि।
25 मनुष्यक हाथ सँ पूजित नहि होइत छैक जेना ओकरा कोनो वस्तुक आवश्यकता हो, किएक तँ ओ सभ कैँ जीवन, साँस आ सभ किछु दैत अछि।
26 एक खून सँ मनुष् यक सभ जाति कैँ पूरा पृथ् वी पर रहबाक लेल बना देलक आ पहिने निर्धारित समय आ ओकर निवासक सीमा निर्धारित कयल गेल अछि।
27 जाहि सँ ओ सभ प्रभु कैँ तकबाक लेल ताकथि, जँ ओ सभ प्रभुक पाछाँ-पाछाँ पाबि सकैत छथि आ हुनका पाबि सकैत छथि, यद्यपि ओ हमरा सभ मे सँ प्रत्येक सँ दूर नहि छथि।
28 हम सभ हुनका मे जीबैत छी, चलैत छी आ अपन अस्तित्व अछि। जेना अहाँक अपन कवि मे सँ किछु गोटे सेहो कहने छथि, “हम सभ सेहो हुनकर संतान छी।”
29 किएक तँ अपना सभ परमेश् वरक संतान छी, तेँ हमरा सभ कैँ ई नहि बुझबाक चाही जे परमेश् वर सोना वा चानी वा पाथर जकाँ छथि जे कला आ मनुष् यक युक्ति सँ उकेरल गेल छथि।
30 एहि अज्ञानताक समय पर परमेश् वर आँखि मिचौलनि। मुदा आब सभ लोक कैँ पश्चाताप करबाक आज्ञा दैत अछि।
31 किएक तँ ओ एकटा एहन दिन निर्धारित कएने छथि, जाहि दिन ओ ओहि आदमीक द्वारा संसारक धार्मिकतापूर्वक न्याय करताह। ओ सभ मनुष्य कैँ एहि बातक आश्वासन देलनि जे ओ ओकरा मृत् यु मे सँ जिया देलनि।
32 जखन ओ सभ मृत् युक पुनरुत्थानक विषय मे सुनलनि तऽ कियो मजाक उड़ौलनि।
33 पौलुस हुनका सभक बीच सँ चलि गेलाह।
34 मुदा किछु लोक हुनका सँ चिपकल रहि कऽ विश् वास कयलनि।

अध्याय 18

1 एहि बातक बाद पौलुस एथेंस सँ विदा भऽ कोरिन्थ आबि गेलाह।
2 ओ अकीला नामक एकटा यहूदी कैँ भेटलनि, जे पोन्तुस मे जन्मल छलाह, आ अपन पत्नी प्रिस्किला संग इटली सँ आयल छलाह। (किएक तँ क्लाउडियस सभ यहूदी सभ कैँ रोम सँ विदा हेबाक आज्ञा देने छलाह।) आ हुनका सभक लग आबि गेलाह।
3 ओ एकहि कारीगर रहबाक कारणेँ ओ हुनका सभक संग रहि कऽ काज करैत रहलाह, किएक तँ हुनका सभक काज मे ओ सभ तम्बू बनबैत छलाह।
4 ओ सभ विश्राम-दिन सभाघर मे तर्क-वितर्क करैत छलाह आ यहूदी आ यूनानी सभ कैँ मनाबैत छलाह।
5 जखन सिलास आ तीमुथियुस मकिदुनिया सँ अयलाह तँ पौलुसक आत् मा मे दबंग भऽ गेलाह आ यहूदी सभ कैँ गवाही देलथिन जे यीशु मसीह छथि।
6 जखन ओ सभ अपना कैँ विरोध कयलनि आ निन्दा कयलनि तँ ओ अपन वस्त्र हिला कऽ कहलथिन, “अहाँ सभक खून अहाँ सभक माथ पर रहय। हम शुद्ध छी, आब सँ हम गैर-यहूदी सभ लग जायब।
7 ओतऽ सँ विदा भेलाह आ युस्तु नामक एक आदमीक घर मे प्रवेश कयलनि, जे परमेश् वरक आराधना करैत छलाह, जिनकर घर सभाघर मे जोर-जोर सँ जुड़ि गेल छलनि।
8 सभाघरक मुखिया क्रिस्पस अपन सम् पूर्ण घरक संग प्रभु पर विश् वास कयलनि। कोरिन्थीक बहुतो लोक सुनि कऽ विश् वास कयलनि आ बपतिस् मा लेलनि।
9 तखन प्रभु राति मे पौलुस कैँ एक दर्शन मे कहलथिन, “ डरब नहि, बल् कि बाजू आ चुप नहि रहू।

10 किएक तँ हम अहाँक संग छी, आ केओ अहाँ पर कोनो आघात पहुँचाबऽ पड़त, किएक तँ एहि नगर मे हमरा बहुत लोक अछि।
11 ओ एक साल छह मास धरि ओतऽ हुनका सभक बीच परमेश्‌वरक वचन सिखाबैत रहलाह।
12 जखन गलिओ अखायाक उपस्यपति छलाह तँ यहूदी सभ एक-मति भऽ पौलुसक विरुद्ध विद्रोह कऽ हुनका न्‌यायालय पर लऽ गेलाह।
13 ओ कहैत छथि, "ई आदमी मनुष्‌यक कें धर्म-नियमक विपरीत परमेश्‌वरक आराधना करबाक लेल मनाबैत अछि।"
14 जखन पौलुस अपन मुँह खोलय बला छलाह तखन गलिओ यहूदी सभ कें कहलथिन, "हे यहूदी सभ, जँ ई कोनो गलत वा दुष्ट अश्लीलताक बात होइत तँ हम अहाँ सभ कें सहन करी।
15 मुदा जँ ई बात शब्द आ नाम आ अहाँ सभक धर्म-नियमक विषय मे अछि तँ अहाँ सभ ओकरा दिस देखू। कारण, हम एहि तरहक बातक कोनो न्यायाधीश नहि बनब।
16 ओ हुनका सभ कें न्यायक आसन सँ भगा देलथिन।
17 तखन सभ यूनानी सभाघरक प्रमुख सोस्थनीस कें पकड़ि कऽ न्यायाधीशक आसनक आगू मे मारि देलक। आ गैलियो ओहि मे सँ कोनो बातक परवाह नहि केलक।
18 तकर बाद पौलुस बहुत देर धरि ओतऽ रहलाह आ ओहि भाय सभ सँ विदा लऽ कऽ ओतऽ सँ प्रिस्किला आ अकीला आ हुनका संग जहाज सँ अराम मे विदा भऽ गेलाह। कंकरिया मे अपन माथ काटि लेलक, कारण हुनका व्रत छलनि।
19 ओ इफिसुस आबि कऽ हुनका सभ कें ओतहि छोड़ि गेलाह, मुदा ओ स्वयं सभाघर मे जा कऽ यहूदी सभक संग विमर्श कयलनि।
20 जखन ओ सभ हुनका सँ बेसी दिन रहबाक आग्रह कयलनि, तखन ओ सहमत नहि भेलाह।
21 मुदा हुनका सभ कें विदाई कऽ कऽ कहलथिन, "हमरा यरूशलेम मे आबय बला ई भोज पूरा तरहेँ मनाबय पड़त। ओ इफिसुस सँ जहाज सँ विदा भेलाह।
22 ओ कैसरिया मे उतरि कऽ मण्‌डली कें प्रणाम कयलनि।
23 ओतऽ किछु समय बिता कऽ ओ विदा भऽ गेलाह आ सभ शिष्‌य सभ कें मजबूत करैत गलातिया आ फ्रिगियाक समस्त देश कें क्रम मे घुमि गेलाह।
24 अलेक्जेंड्रिया मे जन्मल अपोलोस नामक एकटा यहूदी इफिसुस आबि गेलाह।
25 एहि आदमी कें प्रभुक बाट पर शिक्षा देल गेलनि। ओ आत्‌मा मे उग्र भऽ कऽ प्रभुक बात सभ लगन सँ बजैत छलाह आ सिखाबैत छलाह, मात्र यूहन्‌नाक बपतिस्‌मा कें जनैत छलाह।
26 ओ सभाघर मे निर्भीकतापूर्वक बाजऽ लगलाह, अकीला आ प्रिस्किला हुनका सभक बात सुनि कऽ हुनका अपना लग लऽ गेलाह आ परमेश्‌वरक बाट कें आरो सिद्ध तरीका सँ बुझा देलथिन।
27 जखन यीशु अखाया नगर मे जाय चाहैत छलाह तखन भाय सभ पत्र लिखि कऽ शिष्य सभ कें हुनका ग्रहण करबाक लेल आग्रह कयलनि।
28 किएक तँ ओ यहूदी सभ कें आ ओहि बात कें सार्वजनिक रूप सँ आश्वस्त कयलनि आ धर्मशास्‌त्रक द्वारा ई देखाबैत छलाह जे यीशु मसीह छथि।

अध्याय 19

1 जखन अपोलोस कोरिन्थ मे छलाह तखन पौलुस ऊपरका इलाका मे जा कऽ इफिसुस पहुँचलाह।
2 ओ हुनका सभ कें पुछलथिन, "जहिया सँ अहाँ सभ विश्‌वास केलहुँ तहिया सँ पवित्र आत्‌मा पाबि गेलहुँ? ओ सभ हुनका कहलथिन, "हमरा सभ एतेक तक नहि सुनलहुँ जे पवित्र आत्‌मा अछि कि नहि।"
3 ओ हुनका सभ कें पुछलथिन, "तखन अहाँ सभ की बपतिस्‌मा लेलहुँ? ओ सभ कहलथिन, "यूहन्नाक बपतिस्‌मा लेल।"
4 तखन पौलुस कहलथिन, "यूहन्‌ना पश्चातापक बपतिस्‌मा सँ बपतिस्‌मा देलनि आ लोक सभ कें कहलथिन जे ओ सभ हुनकर बाद जे आओत, अर्थात मसीह यीशु पर विश्‌वास करू।"
5 ई बात सुनि ओ सभ प्रभु यीशुक नाम मे बपतिस्‌मा लेलक।
6 पौलुस हुनका सभ पर हाथ राखि कऽ पवित्र आत्‌मा हुनका सभ पर आबि गेलाह। ओ सभ अनजान भाषा मे बजैत छलाह आ भविष्यवाणी करैत छलाह।
7 सभ आदमी करीब बारह वर्षक छल।
8 ओ सभाघर मे जा कऽ तीन मास धरि निर्भीकतापूर्वक बजैत रहलाह।
9 मुदा जखन गोताखोर कठोर भऽ गेलाह आ विश्‌वास नहि कयलनि, बल्‌कि भीड़क समक्ष एहि बात पर अधलाह बजैत छलाह, तखन ओ हुनका सभ सँ विदा भऽ गेलाह आ शिष्‌य सभ कें अलग कऽ देलनि आ एक टा अत्याचारक विद्यालय मे प्रतिदिन विवाद करैत छलाह।
10 दू साल धरि ई बात चलैत रहल। एहि तरहेँ एशिया मे रहनिहार सभ यहूदी आ यूनानी प्रभु यीशुक वचन सुनलनि।
11 परमेश्‌वर पौलुसक हाथ सँ विशेष चमत्‌कार कयलनि।
12 एहि तरहेँ हुनकर शरीर सँ बीमार गमछा वा एप्रन आनल गेलनि आ हुनका सभ सँ रोग दूर भऽ गेलनि आ ओहि मे सँ दुष्टात्मा सभ बाहर निकलि गेलनि।
13 तखन किछु आवारा यहूदी सभ, जे भूत-प्रेत कें भगाबैत छल, ओकरा सभ कें ओहि दुष्टात्मा सभ कें प्रभु यीशुक नाम सँ बजबैत कहलक, "हम सभ अहाँ सभ कें यीशुक शपथ दैत छी, जिनकर प्रचार पौलुस करैत छथि।"
14 एक स्केवाक सातटा पुत्र छल जे यहूदी छल आ पुरोहितक प्रमुख छल।
15 ओ दुष्टात्मा उत्तर देलकनि, "हम यीशु कें जनैत छी आ पौलुस कें हम जनैत छी। मुदा अहाँ के छी?
16 जाहि आदमी मे दुष्टात्मा छल, ओकरा सभ पर कूदि कऽ ओकरा सभ पर विजय प्राप्त कयलक आ ओकरा सभ पर विजय प्राप्त कयलक, जाहि सँ ओ सभ नंगटे आ घायल भऽ ओहि घर सँ बाहर भागि गेल।
17 ई बात इफिसुस मे रहनिहार सभ यहूदी आ यूनानी सभ कें सेहो बुझल छलनि। हुनका सभ पर भय भऽ गेलनि आ प्रभु यीशुक नाम बढ़ि गेलनि।
18 बहुतो विश्‌वास करऽ वला सभ आबि कऽ अपन कर्म कें स्‌वस्‌तु कयलक।
19 ओहि मे सँ बहुतो लोक सभ जे कौतुहलक काज करैत छल, अपन किताब सभ कें एक ठाम आनि सभ लोकक सोझाँ जरा देलक।
20 एहि तरहेँ परमेश्‌वरक वचन बढ़ैत गेल आ विजयी भेल।

21 एहि बात सभक समापन भेला पर पौलुस मकिदुनिया आ अखाया सँ गुजरि कऽ यरूशलेम जेबाक आत्मा सँ मनन कयलनि जे, "हमरा ओतय गेलाक बाद हमरा रोम कैँ सेहो देखय पड़त।"
22 ओ अपन सेवा करऽ वला दू गोटे तिमुथियुस आ इरास्तस कैँ मकिदुनिया पठौलनि। मुदा ओ स्वयं एक मौसम एशिया मे रहलाह।
23 ओहि समय मे ओहि बाट पर कोनो छोट हलचल नहि भेल।
24 किएक तँ देमेत्रियुस नामक एक आदमी चानीक मिथक बनबैत छल, जे डायनाक लेल चानीक तीर्थ बनबैत छल, से कारीगर सभ कैँ कोनो छोट लाभ नहि देलक।
25 ओ हुनका सभ कैँ ओहिना काजक मजदूर सभक संग बजा कऽ कहलथिन, "हे महोदय, अहाँ सभ जनैत छी जे एहि कर्म सँ हमरा सभक धन-सम्पत्ति अछि।"
26 अहाँ सभ देखैत आ सुनैत छी जे ई पौलुस असगरे इफिसुस मे नहि, बल् कि लगभग समस्त एशिया मे बहुत लोक कैँ बुझा कऽ घुमा देने छथि जे ओ सभ हाथ सँ बनल देवता नहि छथि।
27 एहि तरहेँ हमरा सभक कारीगरी कैँ मात्र एहि तरहेँ निष्कृत हेबाक खतरा मे नहि अछि। मुदा ईहो जे महान देवी डायना के मंदिर के तिरस्कार कयल जाय आ ओकर भव्यता के नष्ट कयल जाय, जिनकर आराधना पूरा एशिया आ दुनिया करैत अछि |
28 ई बात सुनि ओ सभ क्रोध सँ भरि कऽ चिचिया उठलनि जे, "इफिसियोंक डायना महान छथि।"
29 पूरा नगर उलझन सँ भरि गेल आ पौलुसक संगी मकिदुनियाक गाइयुस आ अरिस्तार्कस कैँ पकड़ि कऽ ओ सभ एक-मति सँ रंगमंच मे दौड़ि गेलाह।
30 जखन पौलुस लोकक बीच प्रवेश करऽ चाहैत छलाह तँ शिष् य सभ हुनका अनुमति नहि देलनि।
31 एशियाक किछु मुखिया जे हुनकर मित्र छलाह, हुनका लग पठौलनि जे ओ रंगमंच मे साहस नहि करथि।
32 एहि लेल कियो एक बात कहि रहल छल आ कियो दोसर, किएक तँ सभा भ्रमित छल। आ बेसी लोक कैँ ई नहि बुझल छलैक जे ओ सभ किएक एक ठाम आबि गेल अछि।
33 ओ सभ सिकंदर कैँ भीड़ मे सँ बाहर निकालि लेलक आ यहूदी सभ ओकरा आगू बढ़ा देलक। सिकन्दर हाथ सँ इशारा कयलनि आ लोक सभक सामने अपन बचाव करऽ चाहैत छलाह।
34 मुदा जखन ओ सभ ई जानि गेल जे ओ यहूदी छथि, तखन सभ एकहि आवाज मे दू घंटाक बीच चिचिया उठलनि, "इफिसियोंक डायना महान छथि।"
35 जखन नगरपालिका लोक सभ कैँ शान्त कऽ कऽ कहलथिन, "हे इफिसुसक लोक सभ, इफिसुसक नगर महादेवी डायना आ बृहस्पति सँ खसल मूर्तिक आराधक अछि, से नहि जनैत अछि।" ?
36 एहि बात सभक विरोध मे नहि कहल जा सकैत अछि, तेँ अहाँ सभ कैँ चुप रहबाक चाही आ बेधड़क किछु नहि करबाक चाही।
37 अहाँ सभ एहि लोक सभ कैँ एतय अनलहुँ जे ने मण् डली मे डकैत छथि आ ने अहाँक देवीक निन्दा करैत छथि।
38 तेँ जँ देमेत्रियु आ ओकर संग रहनिहार शिल्पी सभ कैँ ककरो विरुद्ध कोनो बात होअय तँ धर्म-नियम खुजल अछि आ ओहि मे कोनो प्रतियोगी सभ सेहो अछि।
39 मुदा जँ अहाँ सभ कोनो आन विषय मे पूछताछ करब तँ ओकर निर्णय कोनो विधिवत सभा मे कयल जायत।
40 एहि दिनक हंगामा मे हमरा सभ कैँ विवादक खतरा मे पड़ि गेल अछि।
41 ई बात कहि कऽ ओ सभा कैँ विदा कऽ देलथिन।

अध्याय 20

1 हंगामा समाप्त भेला पर पौलुस शिष् य सभ कैँ बजा कऽ हुनका सभ कैँ गला लगा कऽ मकिदुनिया जाय लेल विदा भेलाह।
2 यीशु ओहि प्रदेश सभ पर जा कऽ हुनका सभ कैँ बहुत उपदेश दऽ कऽ यूनान देश मे आबि गेलाह।
3 तीन मास ओतऽ रहलाह। जखन यहूदी सभ हुनकर प्रतीक्षा कयलनि, जखन ओ अराम मे जहाज सँ जा रहल छलाह, तखन ओ मकिदुनिया मे घुमबाक योजना बनौलनि।
4 ओतऽ ओतऽ हुनका संग आशिया मे बीरियाक सोपाटर गेलाह। आ थिस्सलुनीकियों मे सँ अरिस्तार्क आ सेकुंडस। आ दर्बेक गैयस आ तिमुथियुस। आ एशियाक तिकीकस आ ट्रोफिमस।
5 ई सभ पहिने जा रहल छल, हमरा सभक लेल त्रोआस मे रहि गेल।
6 हम सभ अखमीरी रोटीक बाद फिलिप्पी सँ जहाज सँ विदा भेलहुँ आ पाँच दिन मे हुनका सभ लग त्रोआस पहुँचलहुँ। जतऽ हम सभ सात दिन रहलहुँ।
7 सप्ताहक पहिल दिन जखन शिष्य सभ रोटी तोड़बाक लेल एकत्रित भेलाह तँ पौलुस हुनका सभ कैँ परसू विदा करबाक लेल तैयार भऽ कऽ हुनका सभ कैँ प्रचार कयलनि। आ आधा राति धरि अपन भाषण जारी रखलनि।
8 ऊपरका कोठली मे बहुत रास इजोत छल, जतय ओ सभ एक ठाम जमा छल।
9 एकटा खिड़की पर यूटिकस नामक एकटा युवक बैसल छल जे गहींर नींद मे पड़ल छल, तखन पौलुस बहुत दिन धरि प्रचार करैत रहलाह, तखन ओ नींद मे डूबि गेलाह आ तेसर मचान सँ खसि पड़लाह आ मृत भऽ कऽ उठौल गेलाह।
10 पौलुस उतरि कऽ हुनका पर खसि पड़लाह आ हुनका गला लगा कऽ कहलथिन, "अपना सभ कैँ परेशान नहि करू। किएक तँ ओकर प्राण ओकरा मे छैक।
11 ओ फेर ऊपर आबि रोटी तोड़ि कऽ भोजन कऽ कऽ दिन भोर धरि बहुत देर धरि गप्प-सप्प कऽ कऽ विदा भेलाह।
12 ओ सभ ओहि युवक कैँ जीवित अनलनि, मुदा कनिको सान्त्वना नहि भेटलनि।
13 हम सभ पहिने जहाज पर चलि गेलहुँ आ ओहि ठाम पौलुस कैँ अपना मे समेटि लेबाक इच् छा कऽ असोस पहुँचलहुँ।
14 जखन ओ अस्सोस मे हमरा सभ सँ भेंट कयलनि तखन हम सभ हुनका अपना मे समेटि कऽ मिटिलेन पहुँचलहुँ।
15 हम सभ ओहि ठाम सँ जहाज सँ विदा भेलहुँ आ दोसर दिन किओसक ओहि पार आबि गेलहुँ। दोसर दिन हम सभ सामोस पहुँचलहुँ आ ट्रोगिलियम मे रुकलहुँ। दोसर दिन हम सभ मिलेतुस पहुँचलहुँ।
16 पौलुस इफिसुसक कात मे जहाज सँ यात्रा करबाक निर्णय कऽ लेने छलाह, किएक तँ ओ एशिया मे समय नहि बिताबय चाहैत छलाह, किएक तँ जँ हुनका संभव हो तँ पेन्टेकोस्टक दिन यरूशलेम मे पहुँचबाक लेल जल्दबाजी कयलनि।
17 मिलिटस सँ इफिसुस पठा कऽ मण् डलीक प्राचीन सभ कैँ बजौलनि।

18 जखन ओ सभ हुनका लग पहुँचलाह तँ ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ जनैत छी, जहिया सँ हम एशिया मे आयल रही, ताहि दिन सँ हम अहाँ सभक संग केहन समय मे रहैत छी।
19 हम सभ विनम्रताक संग प्रभुक सेवा करैत छी, आ बहुत रास नोर आ परीक्षा सभक संग जे हमरा पर यहूदी सभक प्रतीक्षा मे पड़ल छल।
20 हम अहाँ सभक लेल कोनो लाभक बात नहि रोकलहुँ, बल् कि अहाँ सभ केँ देखा देलहुँ आ अहाँ सभ केँ सार्वजनिक रूप सँ आ घर-घर मे शिक्षा देलहुँ।
21 यहूदी आ यूनानी सभ केँ सेहो गवाही दैत छी जे परमेश् वरक प्रति पश्चाताप करू आ हमरा सभक प्रभु यीशु मसीह पर विश् वास करू।
22 आब देखू, हम आत् मा मे बान्हल यरूशलेम जा रहल छी, मुदा ओतऽ हमरा पर की होयत से नहि जनैत छी।
23 सिवाय एहि बातक जे पवित्र आत् मा हर नगर मे गवाही दैत छथि जे हमरा बंधन आ क्लेश टिकैत अछि।
24 मुदा एहि मे सँ कोनो बात हमरा नहि हिलाबैत अछि आ ने हम अपन प्राण केँ अपना लेल प्रिय मानैत छी, जाहि सँ हम अपन मार्ग आ प्रभु यीशु सँ भेटल सेवा केँ पूरा कऽ सकब जे हम परमेश् वरक कृपाक सुसमाचारक गवाही देब .
25 आब देखू, हम जनैत छी जे अहाँ सभ, जिनका सभक बीच हम परमेश् वरक राज् यक प्रचार करैत गेलहुँ, आब हमर मुँह नहि देखब।
26 तेँ हम आइ अहाँ सभ केँ गवाही दैत छी जे हम सभ लोकक खून सँ शुद्ध छी।
27 हम अहाँ सभ केँ परमेश् वरक सभटा विश् वास सुनाबय सँ परहेज नहि कयलहुँ।
28 तेँ परमेश् वरक मण् डलीक चरबाही करबाक लेल अपना केँ आ ओहि समस्त भेँड़ा सभक प्रति सावधान रहू, जकरा पर पवित्र आत् मा अहाँ सभ केँ पर्यवेक्षक बना देने छथि।
29 हम ई जनैत छी जे हमर गेलाक बाद अहाँ सभक बीच कष्ट भेड़ियाधसान प्रवेश करत, जे भेँड़ा केँ नहि छोड़त।
30 अहूँ सभ अपनहि सँ लोक सभ उठत, जे विकृत बात बाजत आ शिष् य सभ केँ अपना पाछाँ खींचय।
31 तेँ जागरूक रहू आ मोन राखू जे तीन वर्ष धरि हम एक-एक राति-दिन नोर बहैत चेताबय नहि छोड़लहुँ।
32 आब, भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ केँ परमेश् वर आ हुनकर कृपाक वचनक समक्ष सौंपि रहल छी जे अहाँ सभ केँ मजबूती देबऽ मे सक्षम अछि आ पवित्र कयल गेल सभ लोकक बीच अहाँ सभ केँ उत्तराधिकार देबऽ मे सक्षम अछि।
33 हम ककरो चानी, सोना आ परिधानक लालसा नहि केलहुँ।
34 हँ, अहाँ सभ स्वयं जनैत छी जे ई हाथ हमर आ हमरा संग रहनिहार सभक आवश्यकताक सेवा केलक।
35 हम अहाँ सभ केँ सभ किछु देखा देलहुँ जे एतेक परिश्रम करैत अहाँ सभ केँ कमजोर लोकक भरण-पोषण करबाक चाही आ प्रभु यीशुक एहि बात केँ मोन पाड़बाक चाही जे ओ कहलनि जे, “ प्राप्ति सँ बेसी देब धन्य अछि।”
36 ई बात कहि कऽ ओ सभ गोटेक संग ठेहुन टेकने प्रार्थना कयलनि।
37 ओ सभ बहुत कानि कऽ पौलुसक गरदनि पर खसि पड़ल आ चुम्मा लेलक।
38 सभ सँ बेसी दुखी भेलाह जे ओ सभ ओहि बात सभक कारणेँ जे ओ सभ आब हुनकर मुँह नहि देखथि। ओ सभ हुनका संग जहाज पर पहुँचि गेलाह।

अध्याय 21

1 हम सभ ओकरा सभ सँ हटि कऽ जहाज पर चढ़लाक बाद सोझ रस्ता धऽ कऽ कूस आ दोसर दिन रोड्स आ ओतय सँ पटारा पहुँचलहुँ।
2 जखन एकटा जहाज फीनिक्स दिस जा रहल छल, तखन हम सभ चढ़ि कऽ विदा भेलहुँ।
3 जखन हम सभ साइप्रस केँ खोजि कऽ ओकरा बामा कात छोड़ि अरिया मे जा कऽ सोर मे उतरलहुँ, कारण ओतहि जहाज पर अपन भार उतारबाक छल।
4 हम सभ शिष् य सभ केँ पाबि सात दिन धरि ओतऽ रहलहुँ, ओ सभ आत् माक द्वारा पौलुस केँ कहलथिन जे ओ यरूशलेम नहि जाउ।
5 हम सभ ओहि दिन सभ केँ पूरा कऽ कऽ विदा भऽ गेलहुँ। ओ सभ हमरा सभ केँ स् त्री-बच्चा सभक संग, जाबत धरि हम सभ शहर सँ बाहर नहि निकललहुँ, ताबत धरि हमरा सभ केँ रस्ता मे अनलनि।
6 हम सभ एक-दोसर सँ विदा लऽ कऽ जहाज पर चढ़ि गेलहुँ। आ ओ सभ फेर घर घुरि गेलाह।
7 जखन हम सभ सोर सँ अपन बाट पूरा कऽ कऽ टोलेमैस पहुँचलहुँ आ एक दिन भाय सभ केँ प्रणाम कयलनि आ हुनका सभक संग रहि गेलहुँ।
8 दोसर दिन हम सभ पौलुसक संगति विदा भेलहुँ आ कैसरिया पहुँचलहुँ। आ हुनका संग रहि गेलाह।
9 ओही आदमीक चारिटा बेटी कुमारि छलनि, जे भविष्यवाणी करैत छलीह।
10 जखन हम सभ ओतऽ बहुत दिन धरि रहलहुँ तँ यहूदिया सँ अगाबस नामक एकटा प्रवक् ता उतरलाह।
11 जखन ओ हमरा सभ लग पहुँचलाह तँ पौलुसक पट्टी लऽ कऽ अपन हाथ-पएर बान्हि कऽ कहलथिन, “पवित्र आत् मा ई कहैत छथि जे यरूशलेम मे यहूदी सभ ओहि आदमी केँ बान्हि कऽ ओकरा मे सौंपि देताह।” गैर-यहूदी सभक हाथ।
12 जखन हम सभ ई बात सुनि हम सभ आ ओहि ठामक लोक सभ हुनका सँ यरूशलेम नहि जेबाक लेल विनती कयलनि।
13 तखन पौलुस उत्तर देलथिन, “अहाँ सभ कानब आ हमर मोन तोड़ब की चाहैत छी?” कारण, हम मात्र बान्हल नहि, बल् कि प्रभु यीशुक नामक लेल यरूशलेम मे मरबाक लेल सेहो तैयार छी।
14 जखन ओ मनुष्य नहि करऽ चाहलाह तँ हम सभ ई कहैत रुकि गेलहुँ जे, “प्रभुक इच् छा पूरा होअय।”
15 ओहि दिनक बाद हम सभ अपन गाड़ी उठा कऽ यरूशलेम चलि गेलहुँ।
"
17 जखन हम सभ यरूशलेम पहुँचलहुँ तँ भाय सभ हमरा सभ केँ खुशी-खुशी स्वागत कयलनि।
18 दोसर दिन पौलुस हमरा सभक संग याकूब लग गेलाह। आ सभ बुजुर्ग सभ उपस्थित छलाह।
19 ओ हुनका सभ केँ प्रणाम कऽ कऽ विशेष रूप सँ बता देलथिन जे परमेश् वर अपन सेवाक द्वारा गैर-यहूदी सभक बीच की-की काज कयलनि।

20 ई बात सुनि ओ सभ प्रभुक महिमा कऽ कऽ कहलथिन, “हे
भाइ, अहाँ देखैत छी जे कतेक हजार यहूदी अछि जे विश् वास
करैत अछि। ओ सभ धर्म-नियमक प्रति उत्साही छथि।
21 हुनका सभ कैँ अहाँ सँ सूचित कयल गेल अछि जे अहाँ गैर-
यहूदी सभ कैँ मूसा कैँ छोड़बाक सिखाबैत छी जे हुनका सभ कैँ
अपन बच्चा सभक खतना नहि करबाक चाही आ ने रीति-
रिवाजक पालन करबाक चाही।
22 तैँ ई की अछि? भीड़ के जरूरत एक ठाम आबै के चाही,
किएक तँ ओ सभ सुनत जे अहाँ आबि गेलहुँ।”
23 तेँ हम सभ जे कहैत छी, से करू, हमरा सभक चारिटा पुरुष
छथि, जिनका सभ पर व्रत छनि।
24 ओ सभ लऽ कऽ ओकरा सभक संग अपना कैँ शुद्ध करू आ
ओकरा सभक संग आरोप लगाउ जे ओ सभ माथ मुंडन करथि।
मुदा अहाँ सेहो व्यवस्थित रहू आ धर्म-नियमक पालन करू।”
25 विश् वास करयवला गैर-यहूदी सभक विषय मे हम सभ
लिखि कऽ ई निष्कर्ष निकाललहुँ जे ओ सभ एहन कोनो बात नहि
मानैत अछि, सिवाय एहि बातक जे ओ सभ मूर्ति सभक लेल
चढ़ाओल गेल वस्तु सभ सँ, खून सँ, गला घोंटला सँ आ व्यभिचार
सँ अपना कैँ बचाबय।
26 तखन पौलुस ओहि आदमी सभ कैँ लऽ गेलाह आ दोसर दिन
हुनका सभक संग पवित्र भऽ कऽ मन् दिर मे प्रवेश कयलनि,
जाहि सँ पवित्रताक दिन पूरा हेबाक बातक संकेत देलनि, जाबत
धरि हुनका सभ मे सँ एक-एक गोटेक लेल बलिदान नहि
चढ़ाओल जायत।
27 सात दिन समाप्त भऽ गेल तखन एशियाक यहूदी सभ हुनका
मन् दिर मे देखि सभ लोक कैँ भड़का देलक आ हुनका पर हाथ
राखि देलक।
28 “इस्राएलक लोक सभ, मददि करू, “ई ओ आदमी अछि जे
सभ लोक कैँ लोक आ धर्म-नियम आ एहि स् थानक विरुद्ध सभ
ठाम शिक्षा दैत अछि।
29 (किएक तँ ओ सभ पहिने हुनका संग नगर मे इफिसीक
ट्रोफिमस कैँ देखने छलाह, जकरा ओ सभ बुझैत छलाह जे
पौलुस मन् दिर मे अनने छथि।”
30 पूरा नगर हटि गेल आ लोक सभ दौड़ल, पौलुस कैँ पकड़ि
कऽ मन् दिर सँ बाहर निकालि देलक।
31 जखन ओ सभ हुनका मारबाक लेल जा रहल छलाह तखन
सेनाक प्रमुख कैँ ई खबरि भेटलनि जे पूरा यरूशलेम मे हंगामा भ'
गेल अछि।
32 ओ सभ तुरन्त सिपाही आ सेनापति सभ कैँ लऽ कऽ दौड़ल
हुनका सभक लग आबि गेलाह।
33 तखन सेनापति लग आबि कऽ हुनका पकड़ि कऽ दू जंजीर मे
बान्हबाक आज्ञा देलथिन। आ माँग केलक जे ओ के अछि आ की
केने अछि।
34 लोकक बीच कियो एक-एकटा, कियो दोसर बात चिचिया
उठल, आ जखन ओ एहि हंगामा मे कोनो बात नहि बुझि
सकलाह, तखन ओ हुनका महल मे ल' जेबाक आज्ञा देलनि।
35 जखन ओ सीढ़ी पर पहुँचलाह तँ लोक सभक हिंसाक कारणेँ
सिपाही सभ हुनका लऽ गेलनि।
36 लोकक भीड़ पाछू-पाछू चिचिया रहल छल, “ओकरा छोड़ि
दियौक।”
37 जखन पौलुस कैँ महल मे ल' जेबाक छलनि तखन ओ
सेनापति कैँ कहलथिन, “की हम अहाँ सँ बात क' सकैत छी?” के
कहलक जे, की अहाँ यूनानी बाजि सकैत छी?
38 की अहाँ ओ मिस्रवासी नहि छी जे एहि दिन सँ पहिने हंगामा
कऽ कऽ चारि हजार हत्यारा कैँ जंगल मे लऽ गेल छल?
39 पौलुस कहलथिन, “हम किलिसियाक नगरक तरसुसक यहूदी
छी आ कोनो नगरक नागरिक छी।
40 जखन ओ हुनका अनुमति दऽ देलथिन तखन पौलुस सीढ़ी पर
ठाढ़ भऽ कऽ लोक सभ कैँ हाथ सँ इशारा कयलनि। जखन
बड़का चुप भऽ गेलनि तँ ओ हिब्रू भाषा मे हुनका सभ कैँ
कहलथिन।

अध्याय 22

1 यौ भाइ आ बाप-बाप, अहाँ सभ हमर बचाव सुनू जे हम एखन
अहाँ सभक सोझाँ राखि रहल छी।
2 (ओ सभ ई सुनि जे यीशु हुनका सभ सँ हिब्रू भाषा मे बाजैत
छथि, तखन ओ सभ आओर चुप भ' गेलाह।”
3 हम सत्ते एकटा यहूदी छी, जे किलिसियाक एकटा नगर तरसुस
मे जन्मल छी, तैयो एहि नगर मे गमालीएलक चरण मे पलल-
बढ़ल छी आ पिता-पिताक धर्म-नियमक सिद्ध तरीकाक अनुसार
शिक्षा दैत छलहुँ आ एहि मे उत्सुक छलहुँ परमेश् वर, जेना अहाँ
सभ आइयो छी।
4 हम एहि तरहेँ मृत् यु धरि सताबैत रहलहुँ, स्त्री-पुरुष कैँ बान्हि
कऽ जेल मे राखि देलियैक।
5 जेना महापुरोहित हमरा आ बूढ़-पुरान सभक सम्पत्ति सेहो
गवाही दैत छथि, हुनका सभ सँ हम भाय सभ कैँ पत्र लऽ कऽ
दमिश्क गेलहुँ जे ओतऽ बान्हल लोक सभ कैँ यरूशलेम लऽ कऽ
दंडित कयल जाय।
6 जखन हम दुपहर मे यात्रा करैत दमिश्क लग पहुँचलहुँ तँ
अचानक स् वर्ग सँ हमरा चारू कात एकटा पैघ इजोत चमकि
गेल।
7 हम जमीन पर खसि पड़लहुँ आ एकटा आवाज सुनलहुँ जे
हमरा कहैत छल, “ साउल, साउल, अहाँ हमरा किएक सताबैत
छी?”
8 हम उत्तर देलियैक, “हे प्रभु, अहाँ के छी?” ओ हमरा कहलथिन,
“ हम नासरतक यीशु छी, जकरा अहाँ सताबैत छी।”
9 हमरा संग जे सभ छल, से सभ इजोत देखि कऽ भयभीत भऽ
गेल। मुदा ओ सभ हमरा सँ गप्प करनिहारक आवाज नहि
सुनलनि।
10 हम कहलियनि, “हे प्रभु, हम की करब? प्रभु हमरा कहलथिन,
“उठि कऽ दमिश्क जाउ। ओतहि अहाँ कैँ ओहि सभ काजक बारे
मे कहल जायत जे अहाँ कैँ करबाक लेल निर्धारित कयल गेल
अछि।”
11 जखन हम ओहि इजोतक महिमाक कारणेँ देखि नहि सकलहुँ,
तखन हम अपना संग रहनिहार सभक हाथ सँ दमिश्क आबि
गेलहुँ।
“
13 हमरा लग आबि कऽ ठाढ़ भऽ हमरा कहलथिन, “साउल भाइ,
देखि लिअ।” आ ओही घड़ी हम आँखि उठा कऽ हुनका दिस
तकलहुँ।
14 ओ कहलथिन, “हमरा सभक पूर्वज सभक परमेश् वर अहाँ
कैँ एहि लेल चुनलनि जे अहाँ हुनकर इच्छा कैँ जानि कऽ ओहि
धर्मी कैँ देखब आ हुनकर मुँहक आवाज सुनब।”
15 अहाँ सभ लोकक सामने हुनकर गवाह बनब जे अहाँ जे
देखलहुँ आ सुनलहुँ।

16 आब अहाँ किएक देरी कऽ रहल छी? उठू, बपतिस् मा लिअ, आ प्रभुक नाम पुकारैत अपन पाप कैँ धोउ।"
17 जखन हम यरूशलेम घुरि कऽ मन्दिर मे प्रार्थना करैत छलहुँ तखन हम समाधि मे छलहुँ।
18 ओ हमरा ई कहैत देखलनि जे, " जल्दी-जल्दी यरूशलेम सँ बाहर निकलू।
19 हम कहलियनि, "प्रभु, ओ सभ जनैत छथि जे हम सभ सभाघर मे जे सभ अहाँ पर विश् वास करैत छल, तकरा सभ कैँ जेल मे राखि कऽ मारि-पीट करैत छलहुँ।
20 जखन अहाँक शहीद स्टीफनक खून बहल गेल तखन हमहूँ ठाढ़ छलहुँ आ हुनकर मृत्युक लेल सहमति दैत छलहुँ आ हुनका मारि देनिहार सभक वस्त्र राखि रहल छलहुँ।
21 ओ हमरा कहलथिन, " जाउ, किएक तँ हम अहाँ कैँ एतऽ दूर सँ गैर-यहूदी सभक लग पठा देब।"
22 ओ सभ यीशु कैँ ई बात सुनि कऽ बाजल, "एहन आदमी कैँ पृथ् वी पर सँ दूर करू, किएक तँ ओ जीवित रहब उचित नहि।"
23 ओ सभ चिचिया कऽ अपन कपड़ा उतारि कऽ हवा मे धूरा फेकि देलक।
24 प्रधान सेनापति हुनका महल मे अनबाक आज्ञा देलथिन आ कहलथिन जे हुनका कोड़ा मारि कऽ जाँच कयल जाय। जाहि सँ ओ बुझि सकथि जे ओ सभ हुनका विरुद्ध किएक एना चिचिया उठलनि।
25 जखन ओ सभ हुनका पेटी सँ बान्हि रहल छलाह तखन पौलुस ओहिठाम ठाढ़ सेनापति कैँ कहलथिन, "की अहाँ सभ कैँ रोमी आ निर्दोष कैँ कोड़ा मारब उचित अछि?"
26 सेनापति ई बात सुनि कऽ सेनापति कैँ कहलथिन, "अहाँ जे काज करैत छी से सावधान रहू।
27 तखन सेनापति आबि कऽ पुछलथिन, "की अहाँ रोमी छी?" ओ कहलक, हँ।
28 प्रधान सेनापति उत्तर देलथिन, "हमरा ई स्वतंत्रता बहुत रास रकम सँ भेटल अछि।" पौलुस कहलथिन, "मुदा हम स्वतन्त्र जन्मल छी।"
29 तखन ओ सभ तुरन्त हुनका सँ विदा भऽ गेलाह जे हुनका सँ जाँच करबाक छलनि।
30 दोसर दिन ओ ई जानि चाहैत छल जे यहूदी सभक द्वारा हुनका पर आरोप किएक कयल गेल छलनि, तँ ओ हुनका अपन दल मे सँ मुक्त कऽ देलनि आ मुख्यपुरोहित सभ आ हुनकर सभ परिषद् कैँ उपस्थित हेबाक आज्ञा देलनि आ पौलुस कैँ नीचाँ उतारि कऽ हुनका सभक सोझाँ बैसा देलनि।

अध्याय 23

1 पौलुस सभ परिषद् कैँ गंभीरता सँ देखि कहलथिन, "हे भाइ लोकनि, हम आइ धरि परमेश् वरक समक्ष सभ सद्विवेक सँ जीबैत छी।"
2 महापुरोहित अनन्याह हुनका लग ठाढ़ लोक सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे हुनका मुँह पर प्रहार करथिन।
3 तखन पौलुस ओकरा कहलथिन, "हे उज्जर देबाल, परमेश् वर तोरा मारि देथिन, किएक तँ की अहाँ हमरा पर धर्म-नियमक अनुसार न्याय करबाक लेल बैसल छी आ हमरा व्यवस्थाक विपरीत प्रहार करबाक आज्ञा दैत छी?"
4 ओहि ठाम ठाढ़ लोक सभ कहलथिन, "की अहाँ परमेश् वरक महापुरोहित कैँ निन्दा करैत छी?"
5 तखन पौलुस कहलथिन, "हे भाइ लोकनि, हमरा ई नहि बुझल अछि जे ओ महापुरोहित छलाह, किएक तँ धर्मशास् त्र मे लिखल अछि जे, "अहाँ सभ अपन प्रजाक शासकक आपत्ति नहि करू।"
6 मुदा पौलुस कैँ बुझि पड़लनि जे एक भाग सदुकी आ दोसर फरिसी अछि, तखन ओ परिषद् मे चिचिया उठलनि, "भाइ लोकनि, "हम फरिसी छी, फरीसीक पुत्र छी।" प्रश्न मे।
7 यीशु ई कहि कऽ फरिसी आ सदुकी सभक बीच विवाद भऽ गेल।
8 सदुकी सभ कहैत छथि जे पुनरुत्थान नहि अछि, ने स् वर्गदूत आ ने आत् मा, मुदा फरिसी सभ दुनू बात कैँ स्वीकार करैत छथि।
9 तखन एकटा बड़का चिचिया उठल आ फरिसी सभक धर्मशास्त्री सभ उठि कऽ झगड़ा कऽ कऽ कहलक जे, "हमरा सभ कैँ एहि आदमी मे कोनो अधलाह नहि भेटैत अछि ईश्वर।
10 जखन बहुत रास झगड़ा भेल तँ सेनापति सभ एहि डरसँ जे पौलुसक टुकड़-टुकड़ नहि भऽ जाएत, सेनापति सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ नीचाँ जा कऽ ओकरा सभ मे सँ जबरदस्ती पकड़ि कऽ महल मे आनि दिअ।
11 ओकर बादक राति परमेश् वर हुनका लग ठाढ़ भऽ कहलथिन, " हौ पौलुस, साहब रहू।
12 भोर भेला पर किछु यहूदी सभ जमा भऽ कऽ शाप मे बान्हि कऽ कहलथिन जे जाबत धरि पौलुस कैँ नहि मारि देब ताबत धरि नहि खाएब आ नहि पीब।
13 ओ सभ चालीस सँ बेसी छल जे ई षड्यंत्र रचने छल।
14 ओ सभ मुख्यपुरोहित आ बूढ़-पुरान सभ लग आबि कऽ कहलथिन, "हम सभ अपना कैँ एकटा पैघ शाप मे बान्हल छी जे जा धरि पौलुस कैँ नहि मारि देब ता धरि किछु नहि खाएब।"
15 एहि लेल अहाँ सभ परिषद्क संग मे सेनापति कैँ ई बात कहि दिअ जे ओ काल्हि हुनका अहाँ सभक लग उतारि जेताह, जेना अहाँ सभ हुनका बारे मे किछु आओर नीक जकाँ पूछि सकैत छी।
16 पौलुसक बहिनक बेटा जखन हुनका सभक ठेहुन मे पड़ल रहबाक बात सुनलनि तँ ओ महल मे जा कऽ पौलुस कैँ कहलथिन।
17 तखन पौलुस एकटा सेनापति कैँ बजा कऽ कहलथिन, "एहि युवक कैँ सेनापति लग आनि दियौक।
18 ओ हुनका लऽ कऽ सेनापति लग अनलनि आ कहलथिन, "कैदी पौलुस हमरा अपना लग बजौलनि आ हमरा सँ प्रार्थना कयलनि जे एहि युवक कैँ अहाँ लग अनबाक अछि।
19 तखन प्रधान सेनापति हुनकर हाथ पकड़ि कऽ हुनका संग एकांत मे जा कऽ पुछलथिन, "अहाँ कैँ हमरा की कहबाक अछि?"
20 ओ कहलथिन, "यहूदी सभ अहाँ सँ ई चाह कऽ लेने छथि जे काल्हि पौलुस कैँ परिषद् मे उतारि दिअ, जेना ओ सभ हुनका सँ किछु आओर नीक जकाँ पूछताछ करथि।"
21 मुदा अहाँ हुनका सभक समक्ष नहि मानू, किएक तँ चालीस सँ बेसी लोक हुनका सभक प्रतीक्षा मे अछि, जे शपथ सँ बान्हल अछि जे जाबत धरि ओकरा नहि मारि देत ता धरि ओ सभ नहि खाओत आ नहि पीत। तोरासँ कोनो प्रतिज्ञा ताकि रहल छी।
22 तखन प्रधान सेनापति ओहि युवक कैँ छोड़ि देलथिन आ हुनका आज्ञा देलथिन, "देखू, अहाँ ककरो ई बात नहि कहब जे अहाँ हमरा ई सभ बात कहलहुँ।"

23 ओ दूटा सेनापति कैं बजा कऽ कहलथिन, "रातिक तेसर बजे दू सय सैनिक आ सठि घुड़सवार आ दू सय भाला बजौनिहार कैं कैसरिया जाय लेल तैयार करू।
24 ओकरा सभ कैं पशु-पक्षी सभक व्यवस्था करू जाहि सँ ओ सभ पौलुस कैं सवार कऽ कऽ राज्यपाल फेलिक्स लग सुरक्षित राखि सकथि।
25 ओ एहि तरहेँ एकटा पत्र लिखलनि।
26 क्लाउडियस लिसियास महान राज्यपाल फेलिक्स कैं अभिवादन पठौलनि।
27 ई आदमी यहूदी सभ पकड़ि लेलक आ ओकरा सभक हाथ सँ मारल जेबाक चाही छल, तखन हम एकटा सेनाक संग आबि कऽ ओकरा बचा लेलहुँ।
28 जखन हम हुनका सभ पर आरोप लगाबय के कारण जानय चाहैत छलहुँ, तखन हम हुनका हुनका सभक परिषद् मे अनलहुँ।
29 हम हुनका सभ पर हुनका सभक धर्म-नियमक विषय मे आरोप लगाओल गेल बुझलहुँ, मुदा हुनका पर कोनो तरहक आरोप नहि छल जे मृत्यु वा बंधनक योग्य नहि अछि।
30 जखन हमरा ई बात कहल गेल जे यहूदी सभ ओहि आदमीक प्रतीक्षा कोना कऽ रहल अछि, तखन हम तुरन्त अहाँ लग पठौलहुँ आ ओकर आरोप लगाबयवला सभ कैं सेहो आज्ञा देलहुँ जे अहाँ सभक सोझाँ हुनका सभक विरुद्ध की अछि। विदायी।
31 तखन सिपाही सभ पौलुस कैं लऽ कऽ राति मे एंटीपैट्रिस लऽ कऽ अनलनि।
32 दोसर दिन ओ सभ घुड़सवार सभ कैं हुनका संग जेबाक लेल छोड़ि कऽ महल दिस घुरि गेलाह।
33 ओ सभ कैसरिया पहुँचि कऽ राज्यपाल कैं पत्र पहुँचा देलथिन।
34 राज्यपाल पत्र पढ़ि कऽ पुछलथिन जे अहाँ कोन प्रांतक छी। जखन ओ बुझि गेलाह जे ओ किलिसियाक छथि।
35 ओ कहलनि, जखन तोहर आरोप लगाबयवला सभ सेहो आबि जेताह तखन हम अहाँक बात सुनब। ओ हुनका हेरोदेसक न्यायालय मे राखबाक आज्ञा देलथिन।

अध्याय 24

1 पाँच दिनक बाद महापुरोहित अननिया बूढ़-पुरोहित सभक संग आ तर्तुलुस नामक एकटा वक्ता संग उतरलाह।
2 जखन हुनका बजाओल गेलनि तखन तर्तुलुस हुनका पर आरोप लगाबय लगलाह, "अहाँक द्वारा हमरा सभ कैं बहुत शान्तता भेटैत अछि आ अहाँक प्रयोजन सँ एहि जाति कैं बहुत योग्य काज कयल जाइत अछि।
3 हम सभ एकरा सदिखन स्वीकार करैत छी, आ सभ ठाम, परम कुलीन फेलिक्स, पूरा धन्यवादक संग।
4 मुदा हम अहाँ सँ आओर थकाऊ नहि भऽ जायब, हम अहाँ सँ विनती करैत छी जे अहाँ हमरा सभ कैं अपन दयाक किछु शब्द सुनब।
5 हम सभ ई आदमी एकटा महामारी आ संसारक समस्त यहूदी सभक बीच विद्रोहक आ नासरीक सम्प्रदायक सरगना पाबि गेलहुँ।
6 ओ मन् दिर कैं अपवित्र करबाक लेल चलि गेलाह।
7 मुदा प्रमुख सेनापति लिसिया हमरा सभ पर आबि कऽ हमरा सभक हाथ सँ हुनका दूर कऽ लेलक।
8 हम सभ ओकरा पर आरोप लगाबय बला सभ कैं आज्ञा दैत छी जे ओ अहाँ लग आबय।
9 यहूदी सभ सेहो सहमत भेलाह जे ई सभ बात एहन अछि।
10 तखन पौलुस राज्यपाल हुनका बजबाक लेल इशारा कऽ कऽ उत्तर देलथिन, "हम जनैत छी जे अहाँ एहि जाति मे बहुत वर्ष सँ न्यायाधीश छी, हम अपना लेल आओर हँसी-खुशी सँ उत्तर दैत छी।
11 किएक तँ अहाँ बुझि सकब जे आब बारह दिन भऽ गेल अछि जखन हम यरूशलेम आराधना करबाक लेल गेलहुँ।
12 ओ सभ ने हमरा मन् दिर मे ककरो सँ विवाद करैत देखलक आ ने लोक सभ कैं उठबैत आ ने सभाघर मे आ ने नगर मे।
13 ओ सभ आब हमरा पर आरोप लगाओल गेल बात सभ कैं परिष्कृत नहि कऽ सकैत अछि।
14 मुदा हम अहाँ कैं ई बात स्वीकार करैत छी जे ओ सभ जाहि बाट कैं पाखण्ड कहैत छथि, तेना हम अपन पूर्वज सभक परमेश् वरक आराधना करैत छी, जे सभ बात पर विश् वास करैत छी जे धर्म-नियम आ प्रवक् ता सभ मे लिखल अछि।
15 परमेश् वरक प्रति आशा राखू, जे ओ सभ सेहो अनुमति दैत छथि जे धर्मी आ अधर्मी दुनूक मृत् युक पुनरुत्थान होयत।
16 हम एहि परमेश् वर आ मनुष् यक प्रति सदैव विश् वास रहित विवेक रखैत छी।
17 बहुत वर्षक बाद हम अपन जाति कैं भिक्षा आ बलिदान अनबाक लेल आयल छी।
18 एशियाक किछु यहूदी सभ हमरा मन् दिर मे शुद्ध कयल गेल, ने भीड़क संग आ ने हंगामा मे।
19 जँ हमरा विरुद्ध कोनो आपत्ति करितथि तँ केकरा सभ कैं अहाँ सँ पहिने एतय आबि कऽ आपत्ति करबाक चाही छल।
20 नहि तँ एहिठाम ई सभ कहथि जे, "हम परिषद्क समक्ष ठाढ़ रहला पर हमरा मे कोनो अधलाह काज देखलनि अछि।
21 सिवाय एहि एकहि आवाजक जे हम हुनका सभक बीच ठाढ़ भऽ कऽ चिचिया उठलहुँ, "मृतक सभक पुनरुत्थान कैं छूबि कऽ आइ अहाँ सभ हमरा पर सवाल ठाढ़ कऽ रहल छी।"
22 फेलिक्स ई बात सुनि कऽ ओहि बाट पर बेसी पूर्ण ज्ञान भऽ कऽ ओकरा सभ कैं स्थगित कऽ देलथिन आ कहलथिन, "जखन प्रमुख सेनापति लूसिया उतरताह तखन हम अहाँक बातक पूरा-पूरा बात बुझब।"
23 ओ एकटा सेनापति कैं आज्ञा देलथिन जे ओ पौलुस कैं रखबाक लेल आ हुनका स्वतंत्रता देथिन आ अपन कोनो परिचित कैं हुनकर सेवा करबा सँ वा हुनका लग आबय सँ मना नहि करथि।
24 किछु दिनक बाद जखन फेलिक्स अपन पत्नी द्रुसिल्लाक संग अयलाह, जे यहूदी छलीह, तखन ओ पौलुस कैं बजौलनि जे मसीह पर विश्वास करबाक विषय मे हुनकर बात सुनलनि।
25 जखन ओ धार्मिकता, संयम आ आबय बला न्यायक विषय मे विचार करैत छलाह, तखन फेलिक्स काँपि उठलाह आ उत्तर देलथिन, "एहि समय लेल जाउ। जखन हमरा कोनो सुविधाजनक मौसम होयत तखन हम अहाँ कैं बजा लेब।
26 ओ आशा करैत छलाह जे पौलुस हुनका ढीला करबाक लेल पाइ दऽ देलकनि।
27 मुदा दू वर्षक बाद पोर्कियस फेस्टस फेलिक्सक कोठली मे आबि गेलाह, आ फेलिक्स यहूदी सभ कैं प्रसन्नता देबऽ चाहैत छलाह, पौलुस कैं बान्हल छोड़ि देलनि।

अध्याय 25

1 फेस्तस प्रदेश मे पहुँचला पर तीन दिनक बाद कैसरिया सँ यरूशलेम चलि गेलाह।
2 तखन महापुरोहित आ यहूदी सभक मुखिया पौलुसक विरुद्ध हुनका सूचना देलथिन आ हुनका सँ विनती कयलनि।
3 ओ हुनका पर अनुग्रहक आग्रह कयलनि जे ओ हुनका यरूशलेम बजा कऽ हुनका मारबाक लेल बाट मे बैसल रहथि।
4 मुदा फेस्तु उत्तर देलथिन जे पौलुस केँ कैसरिया मे राखल जाय आ ओ स्वयं ओतऽ जल्दिये विदा भऽ जेताह।
5 तेँ अहाँ सभ मे सँ जे सभ सामर्थ्य अछि, से सभ हमरा संग जा कऽ एहि आदमी पर आरोप लगाबथि।
6 यीशु हुनका सभक बीच दस दिन सँ बेसी रहि कऽ कैसरिया चलि गेलाह। दोसर दिन न्याय आसन पर बैसल पौलुस केँ अनबाक आज्ञा देलथिन।
7 यीशु अयला पर यरूशलेम सँ उतरल यहूदी सभ चारू कात ठाढ़ भऽ कऽ पौलुसक विरुद्ध बहुत रास आ कष्टक शिकायत कयलनि, जकरा ओ सभ नहि कऽ सकलाह।
8 ओ अपना लेल उत्तर देलथिन, "हम ने यहूदी सभक नियमक विरुद्ध, ने मन् दिरक विरुद्ध आ ने कैसरक विरुद्ध, हम कोनो अपराध नहि केलहुँ।"
9 मुदा फेस्तु यहूदी सभ केँ प्रसन्नता करऽ चाहैत पौलुस केँ कहलथिन, "की अहाँ यरूशलेम जा कऽ ओतऽ हमरा सोझाँ एहि बात सभक न्याय करऽ चाहैत छी?"
10 तखन पौलुस कहलथिन, "हम कैसरक न् यायालय पर ठाढ़ छी, जतय हमरा पर न्याय करबाक चाही।
11 जँ हम अपराधी छी वा मृत्युक योग्य कोनो काज केने छी तँ हम मरबा सँ मना नहि करैत छी, मुदा जँ एहि मे सँ कोनो एहन बात नहि अछि जाहि सँ ई सभ हमरा पर आरोप लगाबैत छथि तँ केओ हमरा हुनका सभक हाथ मे नहि सौंप सकैत अछि। हम कैसर सँ अपील करैत छी।
12 तखन फेस्तु सभ परिषद् सँ चर्चा कऽ कऽ कहलथिन, "की अहाँ कैसरक समक्ष अपील केलहुँ?" अहाँ कैसर लग जायब।"
13 किछु दिनक बाद राजा अग्रिपा आ बर्निका फेस्टस केँ प्रणाम करबाक लेल कैसरिया पहुँचलाह।
14 ओ सभ बहुत दिन धरि ओतऽ रहला पर फेस्तूस पौलुसक बात राजा केँ कहलथिन, "एकटा आदमी फेलिक्स द्वारा बान्ह मे छोड़ि गेल अछि।
15 जखन हम यरूशलेम मे छलहुँ तखन यहूदी सभक मुख् यपुरोहित आ बूढ़-पुरान सभ हमरा हुनका पर न् याय करबाक इच् छा कयलनि।
16 हम हुनका सभ केँ उत्तर देलियनि, "रोम लोकक ई तरीका नहि अछि जे ओ ककरो मरबा लेल छोड़ि देथिन, जाहि सँ पहिने जे पर आरोप लगाओल गेल अछि, ओकरा पर आरोप लगाब' बला सभ सँ आमने-सामने आ ओकरा पर लगाओल गेल अपराधक विषय मे अपना लेल जवाब देबाक अनुमति भेटय।"
17 तेँ जखन ओ सभ एतय पहुँचलाह तँ परसू दिन बिना कोनो देरी केने हम न्यायक आसन पर बैसि गेलहुँ आ ओहि आदमी केँ बाहर अनबाक आज्ञा देलियनि।
18 जखन ओ सभ आरोप लगाबय बला सभ ठाढ़ भऽ गेलाह तँ ओ सभ एहन कोनो आरोप नहि लगौलनि जेना हमरा बुझने छल।
19 मुदा हुनका पर अपन अंधविश्वास आ एकटा यीशुक विषय मे किछु प्रश्न छलनि जे मरल छलाह, जकरा पौलुस जीवित रहबाक पुष्टि कयलनि।
20 एहि तरहक प्रश्न पर हमरा शंका छल, तेँ हम हुनका सँ पुछलियनि जे की अहाँ यरूशलेम जायब आ ओतहि एहि बात सभक न्याय कयल जायत।
21 मुदा जखन पौलुस अगस्तक सुनवाई मे राखि देबाक लेल आग्रह कयलनि तखन हम हुनका कैसर लग नहि पठा सकब ता धरि हुनका राखल जाय।
22 तखन अग्रिपा फेस्टस केँ कहलथिन, "हमहूँ ओहि आदमीक बात सुनय चाहैत छी।" काल्हि, ओ कहलनि, अहाँ हुनकर बात सुनब।
23 दोसर दिन जखन अग्रिपा आ बर्नीस बहुत धूमधाम सँ आयल छलाह आ नगरक प्रमुख सेनापति आ प्रमुख लोक सभक संग सुनबाक स्थान मे प्रवेश कयलनि, तखन फेस्तक आज्ञा पर पौलुस केँ बाहर आनल गेलाह।
24 फेस्तूस कहलथिन, "राजा अग्रिपा आ हमरा सभक संग जे सभ लोक हमरा सभक संग छथि, अहाँ सभ एहि आदमी केँ देखैत छी, जकरा बारे मे यहूदी सभक भीड़ यरूशलेम मे आ एतय सेहो हमरा संग व्यवहार कयलनि अछि आब जीवित रहब।
25 मुदा जखन हम पाबि गेलहुँ जे ओ मृत् युक योग्य कोनो काज नहि केने छथि आ स्वयं अगस्तक समक्ष अपील केने छथि, तखन हम हुनका पठेबाक निर्णय कऽ लेलहुँ।
26 हुनका बारे मे हमरा लग कोनो खास बात नहि अछि जे हम अपन मालिक केँ लिखब। तेँ हम हुनका अहाँक समक्ष आ विशेष रूप सँ अहाँक समक्ष अनने छी, हे राजा अग्रिपा, जाहि सँ परीक्षणक बाद हमरा किछु लिखबाक मौका भेटय।
27 किएक तँ कैदी केँ पठा देब आ ओकरा पर लगाओल गेल अपराधक संकेत नहि देब हमरा बेवजह बुझाइत अछि।

अध्याय 26

1 तखन अग्रिपा पौलुस केँ कहलथिन, "अहाँ केँ अपन बात कहबाक अधिकार अछि।" तखन पौलुस हाथ बढ़ा कऽ अपना लेल उत्तर देलथिन।
2 हे राजा अग्रिप्पा, हम अपना केँ खुश बुझैत छी, किएक तँ हम आइ अहाँक समक्ष अपना लेल उत्तर देब, जाहि सभ बात पर हमरा पर यहूदी सभक आरोप अछि।
3 एहि लेल जे हम अहाँ केँ यहूदी सभक बीचक सभ रीति-रिवाज आ प्रश्न मे निपुण बुझैत छी।
4 हमर यरूशलेम मे हमर अपन जाति मे पहिने जे जीवन-शैली छल, से सभ यहूदी सभ जनैत अछि।
5 ओ सभ हमरा शुरूए सँ जनैत छलाह, जँ ओ सभ गवाही दैत छथि जे हमरा सभक धर्मक सभ सँ कठोर पंथक अनुसार हम फरिसी जकाँ जीबैत छी।
6 आब हम ठाढ़ छी आ हमरा सभक पूर्वज सभ केँ परमेश् वर द्वारा कयल गेल प्रतिज्ञाक आशाक कारणेँ न् याय कयल गेल अछि।
7 हमरा सभक बारह गोत्र, जे दिन-राति परमेश् वरक सेवा करैत अछि, ताहि प्रतिज्ञाक आशा करैत अछि। जाहि आशाक कारणेँ, राजा अग्रिप्पा, हमरा पर यहूदी सभक आरोप अछि।
8 परमेश् वर मृत् यु सभ केँ जीबि उठबैत छथि, अहाँ सभक लेल ई बात किएक अविश् वास नहि बुझल जायत?

9 हम मने-मन सोचैत छलहुँ जे हमरा नासरतक यीशुक नामक विपरीत बहुत रास काज करबाक चाही।
10 ई काज हम यरूशलेम मे सेहो केलहुँ, आ बहुतो पवित्र लोक सभ कैं जेल मे राखि देलहुँ, जे मुख्यपुरोहित सभक अधिकार पाबि गेलहुँ। जखन हुनका सभ कैं मारल गेलनि तखन हम हुनका सभक विरुद्ध अपन आवाज देलहुँ।
11 हम सभ सभाघर मे हुनका सभ कैं बेर-बेर दंडित करैत छलहुँ आ हुनका सभ कैं निन्दा करबाक लेल बाध्य करैत छलहुँ। हम हुनका सभक विरुद्ध बहुत पागल भऽ कऽ हुनका सभ कैं परदेशी शहर धरि सताबैत रहलहुँ।
12 तखन हम मुख्यपुरोहित सभक अधिकार आ आज्ञाक संग दमिश्क गेल रही।
13 हे राजा, दुपहर मे हम बाट मे स् वर्ग सँ एकटा इजोत देखलहुँ जे सूर्यक तेज सँ ऊपर हमरा आ हमरा संग यात्रा करय बला सभक चारू कात चमकि रहल छल।
14 जखन हम सभ पृथ् वी पर खसि पड़लहुँ तँ हमरा एकटा आवाज सुनलहुँ जे इब्रानी भाषा मे कहैत छल, " साउल, साउल, अहाँ हमरा किएक सताबैत छी?" तोरा चुभन पर लात मारब कठिन अछि।
15 हम पुछलियनि, "हे प्रभु, अहाँ के छी?" ओ कहलथिन, " हम यीशु छी जिनका अहाँ सताबैत छी।"
16 मुदा उठू आ अपन पएर पर ठाढ़ भ' जाउ, किएक तँ हम अहाँ कैं एहि काज मे सेवक आ गवाह बनेबाक लेल प्रगट भेलहुँ जे अहाँ देखलहुँ आ जाहि बात मे हम अहाँ कैं प्रकट करब।
17 हम अहाँ कैं ओहि लोक आ गैर-यहूदी सभ सँ मुक्त कऽ रहल छी।
18 हुनका सभक आँखि खोलि कऽ हुनका सभ कैं अन् हार सँ इजोत मे आ शैतानक सामर्थ् य सँ परमेश् वर दिस घुमाबथि जाहि सँ हुनका सभ कैं पापक क्षमा आ हमरा पर जे विश् वास अछि ताहि द्वारा पवित्र कयल गेल लोक सभक बीच उत्तराधिकार भेटय।
19 हे राजा अग्रिपा, हम स् वर्गीय दर्शनक आज्ञा नहि मानलहुँ।
20 मुदा पहिने दमिश्क, यरूशलेम आ यहूदियाक समस्त इलाका मे आ फेर गैर-यहूदी सभ कैं ई बात कहलियनि जे ओ सभ पश्चाताप कऽ परमेश् वर दिस घुरथि आ पश्चाताप करबाक लेल उचित काज करथि।
21 एहि कारणेँ यहूदी सभ हमरा मन् दिर मे पकड़ि लेलक आ हमरा मारबाक लेल चलि गेल।
22 एहि लेल परमेश् वरक सहायता पाबि हम आइ धरि छोट-पैघ सभ कैं गवाही दैत रहि रहल छी, जे प्रवक् ता आ मूसा जे प्रवक् ता आ मूसा कहने छलाह जे आब आओत, तकरा छोड़ि आन किछु नहि कहैत छी।
23 मसीह कष्ट उठाबथि आ मृत् यु मे सँ पहिने जीबि उठताह आ लोक आ गैर-यहूदी सभ कैं इजोत देथिन।
24 जखन ओ अपना लेल ई बात बाजि रहल छलाह तखन फेस्तु जोर सँ कहलथिन, "पौलुस, अहाँ बौक भऽ गेल छी। बहुत विद्या अहाँकैं बताह बना दैत अछि।
25 मुदा ओ कहलथिन, "हम पागल नहि छी, परम कुलीन फेस्टस। मुदा सत्य आ संयमक वचन बाजू।
26 किएक तँ राजा ई सभ बात जनैत छथि आ हम हुनका सामने मुक्त रूप सँ बजैत छी। किएक तँ ई काज कोनो कोन मे नहि भेल छल।
27 राजा अग्रिपा, की अहाँ प्रवक् ता सभ पर विश् वास करैत छी? हम जनैत छी जे अहाँ विश्वास करैत छी।
28 तखन अग्रिपा पौलुस कैं कहलथिन, "अहाँ हमरा मसीही बनबाक लेल लगभग मना रहल छी।"
29 पौलुस कहलथिन, "हम परमेश् वर सँ चाहैत छी जे अहूँ टा नहि, बल् कि आइ जे सभ हमर बात सुनैत अछि, से सभ सेहो लगभग आ एकदम हमरा जेकाँ रहब, एहि बंधन सभक छोड़ि।"
30 ई बात कहि कऽ राजा, राज्यपाल, बर्नीस आ हुनका सभक संग बैसल लोक सभ उठि गेलाह।
31 जखन ओ सभ एक दिस गेलाह तँ ओ सभ आपस मे गप्प-सप्प करैत कहलथिन, "ई आदमी कोनो एहन काज नहि करैत अछि जे मृत्युक योग्य वा बंधन मे बान्हल जाय।"
32 तखन अग्रिप्पा फेस्टस कैं कहलथिन, "जँ ओ कैसरक समक्ष अपील नहि करितथि तऽ ई आदमी मुक्त भऽ सकैत छल।"

अध्याय 27

1 जखन ई निर्णय भेल जे हमरा सभ कैं इटली जायब, तखन ओ सभ पौलुस आ किछु आन कैदी सभ कैं अगस्तक दलक एकटा सेनापति जूलियस नामक एक गोटेक हाथ मे सौंप देलक।
2 हम सभ अद्रामितीयमक जहाज पर बैसि गेलहुँ, जकर अर्थ छल एशियाक तट पर चलब। एकटा अरिस्तार्कस, जे थिस्सलुनीकीक मकिदुनियाक छल, हमरा सभक संग छल।
3 दोसर दिन हम सभ सीदोन मे पहुँचलहुँ। जूलियस पौलुस कैं विनम्रतापूर्वक विनती कयलनि आ हुनका अपन मित्र सभ लग जा कऽ अपना कैं आराम देबाक लेल स्वतंत्रता देलनि।
4 हम सभ ओतऽ सँ निकलि कऽ साइप्रसक नीचाँ चलि गेलहुँ, कारण हवा सभ उन्मुख छल।
5 किलिसिया आ पम्फिलिया समुद्रक पार कऽ हम सभ लूकियाक नगर माइरा पहुँचलहुँ।
6 ओतहि सेनापति कैं सिकंदरियाक एकटा जहाज इटली दिस जा रहल भेटलनि। ओ हमरा सभ कैं ओहि मे राखि देलनि।
7 जखन हम सभ कतेको दिन धरि धीरे-धीरे जहाज पर चलि गेलहुँ आ क्निडसक ओहि पार बहुत कम पहुँचि गेलहुँ, आ हवा हमरा सभ कैं नहि रोकलक, तखन हम सभ क्रेतेक नीचाँ सल्मोनक ओहि पार विदा भेलहुँ।
8 मुश्किल सँ ओहि ठाम सँ गुजरैत एकटा एहन स्थान पर पहुँचलहुँ जे सुन्दर ठिकाना कहल जाइत अछि। जहि लग लासिया नगर छल।
9 जखन बहुत समय बीति गेल छल आ जहाज पर चलब आब खतरनाक भऽ गेल छल, कारण आब उपवास पहिने सँ बीति गेल छल, तखन पौलुस हुनका सभ कैं सलाह देलथिन।
10 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, "हे महोदय, हम बुझैत छी जे ई यात्रा मात्र भार आ जहाज पर नहि, बल् कि हमरा सभक जान कैं सेहो आहत आ बहुत नुकसान होयत।"
11 मुदा सेनापति पौलुसक कहल बात सँ बेसी जहाजक मालिक आ मालिक पर विश् वास कयलनि।
12 जाड़क बिताबऽ लेल ओतऽ अभयारण्य सुगम नहि रहबाक कारणेँ बेसी लोक जँ कोनो तरहेँ फीनीक आ ओतऽ जाड़क समय मे पहुँचि सकथि तँ ओतऽ सँ सेहो विदा भऽ जेबाक सलाह देलनि। जे क्रेतेक आश्रय स्थल अछि आ दक्षिण पश्चिम आ उत्तर पश्चिम दिस पड़ैत अछि।

13 जखन दक्षिणक हवा मंद-मंद बहल, ई बुझि जे ओ सभ अपन उद्देश्य पूरा कऽ लेलक, तखन ओ सभ क्रेते लग पहुँचि गेल।
14 मुदा बहुत दिनक बाद ओहि पर एकटा तूफानी हवा उठल, जकर नाम यूरोक्लाइडन कहल गेल।
15 जखन नाव पकड़ि कऽ हवा मे सहन नहि कऽ सकल तँ हम सभ ओकरा चलाबऽ देलियैक।
16 क्लाउडा नामक एकटा द्वीपक नीचाँ दौड़ैत हमरा सभ केँ नाव सँ बहुत काज करबाक छल।
17 जखन ओ सभ जहाज पर चढ़ि कऽ जहाज पर पट्टी बान्हि कऽ सहायताक उपयोग करैत छलाह। आ ई डर सँ जे कहीं ओ सभ जीवंत बालु मे नहि खसि पड़त, पाल ठोकि देलक आ एहि तरहेँ भगा देल गेल।
18 हमरा सभ केँ आँधी-तूफान सँ बहुत झकझोरि कऽ दोसर दिन ओ सभ नाव केँ हल्लुक कऽ देलक।
19 तेसर दिन हम सभ अपन हाथ सँ नावक सामान बाहर फेकि देलियैक।
20 जखन बहुत दिन मे ने सूर्य आ ने तारा प्रकट भेल आ कोनो छोट-मोट तूफान हमरा सभ पर नहि आयल, तखन हमरा सभक उद्धार करबाक समस्त आशा दूर भ' गेल।
21 मुदा बहुत दिनक बाद पौलुस हुनका सभक बीच मे ठाढ़ भऽ कऽ कहलथिन, "हे मालिक सभ, अहाँ सभ केँ हमर बात सुनबाक चाही छल, आ क्रेते सँ नहि छूटि गेल रहैत छल आ ई हानि आ हानि नहि भेटैत छल।"
22 आब हम अहाँ सभ केँ हँसैत रहबाक आग्रह करैत छी, किएक तँ अहाँ सभ मे नाव छोड़ि ककरो प्राणक हानि नहि होयत।
23 आइ राति हमरा लग परमेश् वरक स् वर्गदूत ठाढ़ छलाह, जिनकर हम छी आ हुनकर सेवा करैत छी।
24 ओ कहलथिन, "पौलुस, नहि डेराउ। तोरा कैसरक समक्ष लऽ जेबाक चाही।
25 तेँ, यौ महोदय, हौसला राखू, किएक तँ हम परमेश् वर पर विश् वास करैत छी जे हमरा जेना कहल गेल छल, तेना होयत।
26 मुदा हमरा सभ केँ कोनो खास द्वीप पर फेकल जाय पड़त।
27 चौदहम राति जखन हमरा सभ केँ अद्रिया मे ऊपर-नीचा होइत छल, तखन करीब आधा राति मे जहाज पर बैसल लोक सभ बुझि गेल जे ओ सभ कोनो देशक नजदीक आबि गेल अछि।
28 ओ सभ बजौलनि आ ओ बीस फाटक दूरी पर भेटलनि।
29 तखन ओ सभ एहि डर सँ जे कहीं हम सभ पाथर पर नहि खसि पड़ितहुँ, तेँ ओ सभ जहाजक पाछाँ सँ चारि टा लंगर फेकि देलक आ दिनक इच्छा केलक।
30 जखन नावक लोक सभ नाव सँ बाहर भागय बला छल, तखन ओ सभ नाव केँ समुद्र मे उतारि देलक जेना ओ सभ अग्रगामी जहाज सँ लंगर फेकैत हो।
31 पौलुस सेनापति आ सिपाही सभ केँ कहलथिन, "जखन धरि ई सभ नाव मे नहि रहत, ताबत धरि अहाँ सभक उद्धार नहि भऽ सकैत अछि।"
32 तखन सिपाही सभ नावक रस्सी काटि कऽ ओकरा खसय देलक।
33 दिन अबैत काल पौलुस सभ केँ भोजन करबाक लेल विनती कयलनि, "आइ चौदहम दिन अछि जखन अहाँ सभ किछु नहि खयलहुँ।"
34 तेँ हम अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे अहाँ सभ किछु भोजन करू, किएक तँ ई अहाँ सभक स्वास्थ्यक लेल अछि, किएक तँ अहाँ सभ मे सँ ककरो माथ सँ केश नहि खसत।
35 ई बात कहि कऽ ओ रोटी लऽ कऽ सभक समक्ष परमेश् वर केँ धन् यवाद कयलनि।
36 तखन सभ गोटे हर्षित भऽ गेलाह आ किछु भोजन सेहो लऽ गेलाह।
37 हम सभ ओहि नाव मे दू सय सोलह प्राणी छलहुँ।
38 ओ सभ भोजन कऽ कऽ नाव केँ हल्लुक कऽ कऽ गहूम समुद्र मे फेकि देलक।
39 भोर भेला पर ओ सभ ओहि देश केँ नहि जनैत छलाह, मुदा एकटा एहन खाड़ी देखलनि, जकर किनार छल, जाहि मे जँ संभव हो तऽ नाव केँ धकेलि देबाक विचार छलनि।
40 ओ सभ लंगर उठा कऽ समुद्र मे सटि गेल आ पतवारक पट्टी खोलि कऽ मुख्य पाल केँ हवा मे ऊपर उठा कऽ किनार दिस बढ़ि गेल।
41 ओ सभ ओहि ठाम खसि पड़ल जतय दूटा समुद्रक मिलन छल आ ओ सभ जहाज केँ पटकि देलक। आ अग्रभाग जोरसँ चिपकल रहल आ अचल रहल, मुदा पाछूक भाग लहरिक हिंसासँ टूटि गेल।
42 सिपाही सभक सलाह छल जे कैदी सभ केँ मारि देल जाय, जाहि सँ कियो हेलि कऽ बाहर नहि निकलि जाय।
43 मुदा सेनापति पौलुस केँ बचाबऽ चाहैत छलाह आ हुनका सभ केँ अपन उद्देश्य सँ दूर कयलनि। ओ आज्ञा देलथिन जे जे सभ हेलि सकैत अछि से सभ पहिने समुद्र मे फेकि कऽ जमीन पर पहुँचि जाय।
44 बाकी किछु तख्ता पर आ किछु नावक टूटल-फूटल टुकड़ी पर। आ एना भेल जे ओ सभ सुरक्षित रूपेँ जमीन पर पहुँचि गेल।

अध्याय 28

1 जखन ओ सभ भागि गेलाह तखन ओ सभ बुझि गेलाह जे ओहि द्वीपक नाम मेलिता अछि।
2 बर्बर लोक सभ हमरा सभ पर कनिको दया नहि केलक, किएक तँ वर्तमान बरखा आ जाड़क कारणेँ ओ सभ हमरा सभ केँ आगि जरा कऽ हमरा सभ केँ स्वागत कयलक।
3 पौलुस लाठीक गठरी जमा कऽ आगि पर राखि देलथिन तँ आँच मे सँ एकटा साँप निकलि कऽ हुनकर हाथ मे बान्हि देलक।
4 बर्बर सभ जखन ओहि जहरीला जानवर केँ ओकर हाथ पर लटकल देखि कऽ आपस मे बजलाह, "निस्संदेह ई आदमी एकटा हत्यारा अछि, जे समुद्र सँ बचि गेलाक बादो, प्रतिशोधक लेल जीवित नहि रहय दैत अछि।"
5 ओ ओहि जानवर केँ आगि मे झटका देलक आ ओकरा कोनो हर्ज नहि भेलैक।
6 मुदा जखन ओ सूजबाक चाही छल तखन ओ सभ तकलनि, वा अचानक मरि कऽ खसि पड़लाह, मुदा बहुत देर तकलाक बाद ओ सभ हुनका कोनो हानि नहि होइत देखलनि।
7 ओही इलाका मे ओहि द्वीपक मुखियाक सम्पत्ति छलनि, जिनकर नाम पब्लियस छलनि। जे हमरा सभ केँ स्वागत कयलनि आ तीन दिन धरि विनम्रतापूर्वक ठहरौलनि।
8 पौलुसक पिता बोखार आ खूनक बहाव सँ बीमार पड़ल छलाह।

9 ई काज भेला पर ओहि द्वीप मे रोग सँ पीड़ित आन लोक सभ सेहो आबि कऽ ठीक भऽ गेलाह।
10 ओ हमरा सभक आदर-सत्कार सेहो कयलनि। आ जखन हम सभ विदा भेलहुँ तँ ओ सभ हमरा सभ पर एहन-एहन वस्तुक बोझ दऽ देलक जे आवश्यक छल।
11 तीन मासक बाद हम सभ अलेक्जेंड्रियाक जहाज पर बैसल विदा भेलहुँ, जे ओहि द्वीप पर जाड़ बिताओल गेल छल, जकर चिन्ह छल कैस्टर आ पोलुक्स।
12 हम सभ सिराक्यूज मे उतरि तीन दिन धरि ओतहि रहलहुँ।
13 ओतऽ सँ हम सभ कम्पास लऽ कऽ रेगियम पहुँचलहुँ आ एक दिनक बाद दक्षिणक हवा बहल आ दोसर दिन पुतेओली पहुँचलहुँ।
14 ओतऽ हमरा सभ कैँ भाय सभ भेटल, आ हुनका सभक संग सात दिन रहबाक आग्रह कयल गेल।
15 ओतऽ सँ भाय सभ हमरा सभक विषय मे सुनि हमरा सभ सँ भेंट करय लेल अप्पियो मंच आ तीनू ढाबा धरि पहुँचलाह।
16 जखन हम सभ रोम पहुँचलहुँ तँ सेनापति सभ कैदी सभ कैँ पहरेदारक सेनापतिक हाथ मे सौंप देलथिन।
17 तीन दिनक बाद पौलुस यहूदी सभक मुखिया सभ कैँ एक ठाम बजौलनि आ ओ सभ हुनका सभ कैँ कहलथिन, "हे भाइ लोकनि, यद्यपि हम अपन पूर्वज सभक लोक वा रीति-रिवाज सभक विरुद्ध किछु नहि केलहुँ।" , तइयो हमरा यरूशलेम सँ कैदी बनि रोमी सभक हाथ मे सौंपल गेल।
18 ओ सभ हमरा सँ जाँच कऽ कऽ हमरा छोड़य चाहैत छल, किएक तँ हमरा मे मृत्युक कोनो कारण नहि छल।
19 मुदा जखन यहूदी सभ एहि बातक विरोध मे बाजल तँ हमरा कैसरक समक्ष अपील करबाक लेल बाध्य भऽ गेल। एहन नहि जे हमरा अपन राष्ट्र पर आरोप लगेबाक चाही छल।
20 एहि लेल हम अहाँ सभ कैँ देखबाक आ अहाँ सभ सँ गप्प करबाक लेल बजौलहुँ।
21 ओ सभ हुनका कहलथिन, "हमरा सभ कैँ यहूदिया सँ अहाँक विषय मे कोनो पत्र नहि भेटल आ ने कोनो भाय जे आबि गेलाह, से अहाँक कोनो तरहक अधलाह बात कहने वा बाजल।
22 मुदा हम सभ अहाँक विचार सुनय चाहैत छी, किएक तँ एहि सम्प्रदायक विषय मे हम सभ जनैत छी जे कतहु एहि सम्प्रदायक विरोध कयल जाइत अछि।
23 जखन ओ सभ हुनका एक दिनक समय निर्धारित कयलनि तखन हुनका लग बहुतो लोक हुनका लग आबि गेलाह। ओ हुनका सभ कैँ परमेश् वरक राज् यक व्याख्या आ गवाही देलनि आ हुनका सभ कैँ यीशुक विषय मे मनबैत छलाह, मूसाक धर्म-नियम आ प्रवक् ता सभ सँ, भोर सँ साँझ धरि।
24 किछु गोटे बाजल बात पर विश् वास कयलनि आ किछु गोटे विश् वास नहि कयलनि।
25 पौलुस एक बात कहि कऽ ओ सभ विदा भऽ गेलाह, "पवित्र आत् मा यशायाह प्रवक् ताक द्वारा हमरा सभक पूर्वज सभ कैँ नीक बात कहलनि।
26 ई कहैत, "ई लोक सभ लग जा कऽ कहू जे, 'सुनि कऽ अहाँ सभ सुनब आ नहि बुझब। अहाँ सभ देखब, मुदा नहि बुझब।
27 एहि लोक सभक हृदय स्थूल भऽ गेल अछि आ कान सुनबा मे नीरस भऽ गेल अछि आ आँखि मुनि गेल अछि। कहीं ओ सभ आँखि सँ देखि कऽ कान सँ सुनत आ हृदय सँ बुझि नहि सकथि आ फेर बदलि कऽ हम ओकरा सभ कैँ ठीक नहि कऽ सकब।"
28 तेँ अहाँ सभ कैँ ई जानि लिअ जे परमेश् वरक उद्धार गैर-यहूदी सभ कैँ पठाओल गेल अछि आ ओ सभ ई बात सुनत।
29 यीशु ई बात कहि कऽ यहूदी सभ विदा भऽ गेलाह।
30 पौलुस पूरा दू साल अपन भाड़ाक घर मे रहलाह आ हुनका लग आयल सभ गोटे कैँ ग्रहण कयलनि।
31 परमेश् वरक राज् यक प्रचार करैत छलाह आ प्रभु यीशु मसीहक विषय मे बात सभ कैँ पूरा भरोसा सँ सिखाबैत छलाह, आ केओ हुनका मना नहि करैत छल।